खण्ड-521, अंक-05
शुक्रवार, 05 फाल्गुन, शक संवत् 1944
(24 फरवरी, 2023 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2023)

(खण्ड 521 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2024

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-8
प्रश्नोत्तर	9-114
सदन में लगे स्क्रीन पर परिचय में मा0 सदस्य श्रीमती पिंकी सिंह यादव के जनपद का नाम सम्भल की जगह भीमनगर प्रदर्शित होने के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न	114
लॉबी में काफी के साथ चाय व पानी का प्रबन्ध कराये जाने विषयक व्यवस्था का प्रश्न	114-115
विधान सभा स्थित वी0आई0पी0 कैन्टीन में मिलने वाले भोजन आदि में सुधार हेतु व्यवस्था का प्रश्न	115
लोक सभा की भांति इस विधान सभा में भी मा0 सदस्यों द्वारा दिये गये पत्रों को विभागों में सर्कुलेट कराये जाने सम्बन्धी व्यवस्था	115-116
दारुलशफा स्थित नवनिर्मित बिल्डिंग में निवास कर रहे मा0 विधायकों को हो रही असुविधा के सम्बन्ध में	116
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	117-119
गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा रामगढ़ ताल सुन्दरीकरण परियोजना के अन्तर्गत 102 एकड़ वन भूमि पर किये गये निर्माण में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के उल्लंघन के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	119
जनपद कानपुर देहात के विधान सभा क्षेत्र रसूलाबाद में कतिपय सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	120
प्रदेश में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अवर अभियन्ता को सहायक अभियन्ता के पद पर उनके सेवाकाल में रहते हुए ही प्रोन्नति कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	120
जनपद लखनऊ के अन्तर्गत महानगर सचिवालय कॉलोनी में आवास संख्या सी-26 में मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	120-121
जनपद फतेहपुर की जहानाबाद में निरीक्षण भवन बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	121
जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र धनौरा के धनौरा ब्लाक में पेलीतगा उच्च प्राथमिक विद्यालय को उच्चीकृत कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	121-122

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर के अन्तर्गत ग्राम निगोही से 11000 के0वी0 विद्युत लाइन गांव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	122
जनपद कानपुर के कानपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किये गये 29 ग्रामों में पुनः जनपद उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण में वापस किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	122-123
जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र कल्याणपुर के अन्तर्गत जोन-2 में सीवरेज की समस्या के निस्तारण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	123
जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के कस्बा लावड में मण्डी बनवाए जाने के समबन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	123-124
जनपद जौनपुर के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरशादपुर के खाते के संचालन न होने से कार्य बाधित होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	124
जनपद वाराणासी-लखनऊ मार्ग पर स्थित बधुवा रेलवे स्टेशन के निकट नेशनल हाई-वे की चौड़ाई बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	124
जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र मोहान के ब्लाक हसनगंज के ग्राम सभा नवई में स्थित फेली झील का सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	125
जनपद महोबा के विधान सभा क्षेत्र चरखारी के अन्तर्गत तहसील कुलपहाड़ में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	125
जनपद उन्नाव के ब्लाक असोहा की ग्राम पंचायत बछोरा के ग्राम प्रधान को वित्तीय अनियमितता के बाद निलम्बित न करने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	125-126
जनपद आज़मगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड मुबारकपुर से ढकवा सम्पर्क मार्ग बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	126
जनपद उन्नाव के तहसील सदर के अन्तर्गत ग्राम दुबेपुर में अनियमित तरीके से तालाब आवंटन की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	126

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद उन्नाव के ग्राम दुबेपुर के स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन कराए जाने के सम्बनध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	127
जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र कैराना में कतिपय विद्यायलों की स्थापना, शिक्षकों की संख्या में बढोत्तरी के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	127
जनपद सहारनपुर में विभिन्न मंदिरों के पुजारियों की आजीविका सुधारने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	128
जनपद बुलन्दशहर के ग्राम एत्मादसराय में निर्माणाधीन महिला डिग्री कॉलेज के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	128
जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नहटौर के अन्तर्गत नयी तहसील हल्दौर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	128
जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत होम्योपैथिक कॉलेज से एम0एच0 इण्टर कालेज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	129
जनपद महराजगंज के विधान सभा क्षेत्र सिसवा के ग्राम पंचायत लेदी एवं राम चंद्रेही की जमीन भू-माफियाओं से मुक्त कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	129
औचित्य के प्रश्न की सूचना	130
विधान सभा के स्थाई समितियों के गठन के सम्बन्ध में औचित्य के प्रश्न की सूचना	130
कार्य-स्थगन प्रस्थाव की सूचनाएं	130-148
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव	148-320
उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2023-24 की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति'' तथा ''पंचायती राज समिति'' और मन्त्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम निर्धारण विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	320-323

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	323
श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	324
डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित पांच याचिकएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	324-325
डॉ0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गईं)	325
डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित तीन व जनपद रामपुर तथा जनपद मेरठ से सम्बन्धित एक-एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	325-326
डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	326
डॉ0 राजेश्वर सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित चार याचिकाएं (व्यपगत)	327
डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	327-328
श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	328
श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	328
श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	329
श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सन्तकबीरनगर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	329
श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (उपस्थित की हुयी मानी गईं)	329-330
श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	330

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री अनिल कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	330-331
श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित चार याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	331
श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	331-332
श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	332
श्री उमर अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	333
श्री कैलाश नाथ, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)	333-334
श्री गुलाम मौहम्मद, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित चार याचिकाएं (व्यपगत)	334
श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	334-335
श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	335
श्री चेतराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	335
श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	336
श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	336-337
श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	337
श्री तुफानी सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद अलीगढ़ से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)	337
श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)	338

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	338
श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	338-339
श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)	339
श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	339
श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	340
श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	340
श्री प्रभात कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)	340-341
श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	341
श्री प्रेम नारायन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	341-342
श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	342
श्री ब्रजभूषण राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	343
श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	343-344
श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित चार व उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से सम्बन्धित एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	344
श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	344

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	345
श्री महेश त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	345
श्री मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	345-346
श्री योगेश शुक्ला, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	346
श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	346-347
श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	347
श्री रवि शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	347
श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	348
श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद इटावा से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)	348
श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	349
श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	349
श्री रामफेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	349-350
श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	350-351
श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	351
श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	351-352

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	352
डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)	353
श्री विपुल दुबे, सदस्य, विधान सभा की जनपद भदोही से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	353
श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	353-354
श्री विरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	354-355
श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	355
श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	355-356
श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	356-357
श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	357
श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	357
श्री स्वामी ओउमवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	358
श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित चार तथा जनपद फर्रुखाबाद से सम्बन्धित एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)..	358-359
श्री हरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हापुड़ से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	359
श्री हाकिम लाल बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	359-360

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	360-361
श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	361
श्रीमती मनीषा, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	361-362
श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	362
श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानुपर नगर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)	362-363
श्री सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित चार याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)...	363
श्री बृजेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	364
नियम-103 के अन्तर्गत अभिसूचित संकल्प (प्रस्तुत किये हुये माने गये एवं चर्चा (जारी)	364-365
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	365-369
देर तक सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा चर्चा में भाग लेने पर फोटोग्राफी ...	369
नत्थियां	370-374

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 24 फरवरी, 2023 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-357

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — सन्तकबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अजय, श्री — गोण्डा
5. अजय कुमार, श्री — बागपत
6. अजय सिंह, श्री — बस्ती
7. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
8. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
9. अताउर रहमान, श्री — बरेली
10. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
11. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
12. अदिति सिंह, श्रीमती — रायबरेली
13. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
14. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
15. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — सन्तकबीरनगर
16. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
17. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
18. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
19. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
20. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
21. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
22. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
23. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
24. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
25. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
26. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
27. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
28. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
29. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
30. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
31. अरमान खान, श्री — लखनऊ
32. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
33. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
34. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
35. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
36. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
37. अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — चित्रकूट
38. अशरफ अली खान, श्री — शामली
39. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
40. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
41. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
42. आकाश सक्सैना (हनी), श्री — रामपुर
43. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
44. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
45. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़

46. आशा मौर्य, श्रीमती सीतापुर
47. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री लखनऊ
48. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री बदायूं
49. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
50. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
51. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
52. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
53. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
54. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
55. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
56. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
57. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
58. एम0 पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
59. ओमकुमार, श्री बिजनौर
60. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
61. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
62. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
63. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
64. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
65. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
66. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
67. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
68. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
69. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
70. कैलाश, श्री चन्दौली
71. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
72. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
73. गणेश चन्द्र, श्री सन्तकबीरनगर
74. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
75. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
76. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
77. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
78. गुलाब देबी, श्रीमती सम्भल
79. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
80. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
81. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
82. चंदन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
83. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
84. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
85. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
86. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
87. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
88. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
89. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
90. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
91. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
92. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
93. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
94. जयमंगल, श्री महराजगंज
95. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
96. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
97. जाहीद, श्री भदोही
98. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
99. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद
100. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
101. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
102. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
103. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
104. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज

105. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
106. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
107. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
108. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
109. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
110. दिनेश कुमार, श्री मेरठ
111. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
112. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
113. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
114. दुधराम, श्री बस्ती
115. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
116. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
117. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
118. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
119. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
120. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
121. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
122. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
123. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री प्रयागराज
124. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
125. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
126. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
127. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
128. नाहिद हसन, श्री शामली
129. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
130. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
131. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
132. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
133. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
134. पंकज, श्री जौनपुर
135. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
136. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
137. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
138. पंचानन्द पाठक (पी0 एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
139. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
140. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
141. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
142. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
143. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
144. पूजा पाल, श्रीमती कौशाम्बी
145. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
146. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
147. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
148. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
149. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
150. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
151. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
152. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
153. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
154. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
155. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
156. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
157. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
158. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
159. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
160. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
161. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
162. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर

163. बाबूराम, श्री पीलीभीत
164. बाबूलाल, श्री आगरा
165. बावन सिंह, श्री गोण्डा
166. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
167. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
168. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
169. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
170. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
171. बेदी, श्री गाजीपुर
172. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
173. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
174. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
175. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
176. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
177. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
178. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
179. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर
180. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
181. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
182. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
183. मनीष रावत, श्री सीतापुर
184. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
185. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
186. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
187. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
188. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
189. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
190. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
191. महबूब अली, श्री अमरोहा
192. महेन्द्र, श्री अमरोहा
193. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
194. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
195. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
196. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
197. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
198. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
199. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
200. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलन्दशहर
201. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
202. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद
203. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
204. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
205. मेघश्याम, श्री मथुरा
206. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
207. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
208. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
209. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
210. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
211. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
212. योगेश धामा, श्री बागपत
213. योगेश वर्मा, श्री खीरी
214. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
215. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
216. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
217. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
218. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
219. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
220. रमेश, श्री जौनपुर
221. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
222. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली

223. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
224. रवि शर्मा, श्री झांसी
225. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
226. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
227. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
228. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
229. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
230. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
231. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
232. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
233. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
234. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
235. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
236. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
237. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
238. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
239. राजमणि, श्री प्रयागराज
240. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
241. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
242. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
243. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
244. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
245. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
246. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
247. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
248. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
249. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
250. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
251. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
252. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
253. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
254. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
255. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
256. रामकेश निषाद, श्री बांदा
257. राम चन्द्र यादव, श्री अयोध्या
258. रामदुलार, श्री सोनभद्र
259. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
260. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
261. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
262. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
263. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
264. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
265. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
266. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
267. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
268. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
269. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
270. लकी यादव, श्री जौनपुर
271. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
272. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
273. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
274. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
275. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
276. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
277. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
278. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
279. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
280. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर

281. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
282. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
283. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
284. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
285. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
286. विपुल दुबे, श्री भदोही
287. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
288. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
289. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
290. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
291. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
292. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
293. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
294. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
295. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
296. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
297. शशांक वर्मा, श्री खीरी
298. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
299. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
300. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
301. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
302. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
303. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
304. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
305. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
306. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
307. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
308. संग्राम सिंह, श्री बलिया
309. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
310. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
311. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
312. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
313. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
314. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
315. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
316. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
317. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
318. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
319. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
320. सभाकुंवर, श्री देवरिया
321. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
322. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
323. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
324. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
325. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
326. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
327. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
328. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
329. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
330. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
331. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
332. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
333. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
334. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
335. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
336. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
337. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
338. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
339. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
340. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
341. सुरेश राही, श्री सीतापुर
342. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच

343. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
344. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
345. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
346. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
347. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
348. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
349. स्वामी ओउमवेश, श्री बिजनौर
350. हंसुराम, श्री बलिया
351. हरिओम, श्री कासगंज
352. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
353. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
354. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
355. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
356. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
357. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़

नोट :- जल शक्ति तथा बाढ़ नियन्त्रण मंत्री (श्री स्वतंत्र देव सिंह), प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री (श्री आशीष पटेल), मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), कारागार एवं होमगार्ड्स राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री धर्मवीर प्रजापति), सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नरेन्द्र कश्यप) एवं अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्य मंत्री (श्री दानिश आजाद अंसारी) भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00] प्रश्नोत्तर

नत्थी (क)

तारांकित प्रश्न

प्रदेश में धान क्रय केन्द्रों पर खरीददारी का विवरण एवं धान का क्रय बढ़ाने हेतु कार्य योजना की मांग

***1-श्री प्रसन्न कुमार, श्री जियाऊर्रहमान तथा श्री विनोद चतुर्वेदी-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सरकारी धान क्रय केन्द्रों पर दिनांक 22-12-2020 तक कितने धान की खरीद किसानों से की गयी है ? क्या सरकार बताएगी कि वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के सापेक्ष धान खरीद में वर्तमान में कितनी वृद्धि हुई है यदि नहीं, तो क्या सरकार ने धान का क्रय बढ़ाने हेतु कोई कार्य योजना बनाई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योनजान्तर्गत दिनांक 22-12-2022 तक कुल 491747 कृषकों से 31.15 लाख मी0 टन धान की खरीद की गयी है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में 66.84 लाख मी0 टन व वर्ष 2021-22 में 65.53 लाख मी0 टन धान की खरीद की गयी। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में पश्चिमी उ0प्र0 के सम्भागों से 31 जनवरी, 2023 तक तथा पूर्वी उ0प्र0 के सम्भागों में धान क्रय अवधि 28 फरवरी, 2023 तक निर्धारित है। दिनांक 17-02-2023 तक कुल 63.66 लाख मी0 टन धान की खरीद की जा चुकी है, जो निरन्तर प्रगतिमान है। जहां तक वृद्धि का प्रश्न है, खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में धान की खरीद 28-02-2023 तक होनी है। 28 फरवरी, 2023 के उपरान्त ही गत वर्षों के सापेक्ष वृद्धि का आंकलन सम्भव है।

जी हां।

न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत प्रत्येक वर्ष धान क्रय नीति जारी की जाती है, जिसके अन्तर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर किसान द्वारा स्वयं से अपना धान बिक्री करने हेतु पंजीकरण कराया जाता है। वर्ष 2022-23 में खाद्य विभाग व अन्य क्रय एजेन्सियों के जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृत कुल 4431 सरकारी धान क्रय केन्द्रों पर प्रदेश के कृषकों से भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानक व गुणवत्ता का धान सम्बन्धित कृषक या उसके द्वारा नामित प्रतिनिधि के ई-पॉज मशीन के द्वारा बॉयोमेट्रिक सत्यापन के पश्चात् क्रय कराया जाता है। धान खरीद बढ़ाने व न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना का अधिकाधिक लाभ किसानों को पहुंचाने के दृष्टिगत क्रय योजना का प्रचार-प्रसार कराया जाता है। इस हेतु वृहद पैमाने पर पोस्टरों,

स्टीकर, फ्लैक्सी बैनर खाद्य विभाग द्वारा एवं दूरदर्शन, आकाशवाणी व एफ0एम0 रेडियो का प्रयोग करते हुए प्रचार-प्रसार, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग से कराया जाता है। टोल फ्री नं0-18001800150 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाता है। किसानों को धान का समर्थन मूल्य, कृषक पंजीकरण की सूचना एस0एम0एस0 के माध्यम से भेजी जाती है। जिला प्रशासन व खाद्य विभाग द्वारा कृषक पंजीकरण हेतु कैम्प भी आयोजित किये जाते हैं। धान खरीद की व्यवस्थाओं की स्थलीय समीक्षा व गुणवत्तायुक्त धान खरीद सम्पन्न कराने हेतु नोडल अधिकारी नामित किये जाते हैं, जिनके द्वारा आंवटित सम्भागों/जनपदों में समय-समय पर भ्रमण/निरीक्षण कर धान क्रय में आने वाली कठिनाइयों का निराकरण भी कराया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री प्रसन्न कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे समय दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। उत्तर प्रदेश में गेहूं और गन्ने के बाद धान एक महत्वपूर्ण फसल है, लेकिन उत्तर प्रदेश में धान के किसानों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। यह सरकार की उदासीनता के कारण है। मैं शामली जिले से आता हूँ। शामली जिले में धान की कुछ खेती है, लेकिन जो धान के क्रय केन्द्र वहां लगाये जाते हैं, उन पर यदि किसान धान बेचने के लिए जाता है, तो उसे बेइज्जत कर वहां से भगा दिया जाता है। ऐसी स्थिति शामली जिले में है। वहां धान की मण्डी नहीं है, वहां कोई राइस मिल नहीं है। मजबूरी में किसान को हरियाणा में अपना धान बेचना पड़ता है। यह स्थिति 2022 की है, जब क्रय केन्द्रों से आंकड़ा लिया गया कि कितने किसानों ने धान दिया तो पता चला कि मात्र 16 किसानों ने पूरे साल में धान दिया है। ऐसी व्यवस्था पर लानत है। मैं इस पर अपना अनुपूरक प्रश्न पूछना चाहता हूँ कि ऐसी स्थिति में धान क्रय केन्द्रों पर धान ज्यादा से ज्यादा कैसे पहुंचे, क्या मा0 मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे ? जो रइस मिल है, क्या सरकार की ऐसी कोई व्यवस्था है या होगी, जिससे ज्यादा से ज्यादा राइस मिल लगे और धान की उपज ज्यादा बढ़े ?

गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री (श्री लक्ष्मी नारायण)-

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे तो मा0 सदस्य को धन्यवाद देना है, क्योंकि शामली का व्यक्ति धान का सवाल उठा रहा है। आज तक तो हमेशा शामली के व्यक्तियों ने गन्ने का सवाल तो उठाया है, लेकिन मा0 सदस्य धान का सवाल उठा रहे हैं, इसके लिए मैं इन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। जहां तक किसानों के धान बेचने की बात है। इस वर्ष 14 लाख 26 हजार 368 किसानों ने धान बेचा है, इसलिए क्योंकि हमारे यहां तो डी0बी0टी0 के द्वारा पैसा सीधे किसान के खाते में जाता है। इसमें एक प्रतिशत की भी कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हो सकती है और इस बार भी हमने 64 लाख 46 हजार मीट्रिक टन धान खरीदा है, जो आज की रिकार्ड खरीद है।

मान्यवर, धान की खरीद में हमने किसी तरह से कोई भी कोताही नहीं बरती है और जो धान की क्रय एजेन्सी है सभी धान खरीदती है किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं है। आपको कहीं भी कोई शिकायत मिली हो तो हम उसकी जांच कराने को तैयार हैं आप लिख कर दे दीजिए। पहले तो आपने कभी दी नहीं।

श्री प्रसन्न कुमार-

मान्यवर, आपके माध्यम से मैं मा0 मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि हमारे लिए यह खुशी की बात है शामली जिले के लिए कि गन्ने से हट कर हम धान पर चले जाएं क्योंकि सरकार ने गन्ने की स्थिति तो खराब कर ही रखी है। ऊपर से वहां पर धान की स्थिति भी बहुत बढ़िया नहीं है। मैंने अभी बताया केवल मात्र 16 किसानों ने अपना धान सरकारी धान केन्द्र पर दिया है। मण्डी वहां है नहीं, मजबूरी में सारे के सारे हरियाणा को भाग गए हैं, तो वहां जहां पर कोई काला बताता है, कोई पीला बताता है, तो इसको कोई लेता ही नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

इन्होंने शायद बी0ए0 कॉमर्स से किया हुआ है।

श्री प्रसन्न कुमार-

मान्यवर, यदि धान का भाव एम0एस0पी0 सही रेट में मिल गया तो हमारी जमीन उपजाऊ है वहां धान पैदा हो सकता है और यह गन्ने का विकल्प बन सकता है किसान के लिए, उसकी आय बढ़ाने का एक साधन बन सकता है। यदि सरकार इस पर सचेत हो और सरकार इस पर उदासीनता खत्म करे।

श्री अध्यक्ष-

अब आप प्रश्न पर आइए। यह कोई प्रश्न है ही नहीं बस आपका सुझाव है।

श्री विनोद चतुर्वेदी-

मान्यवर, यह बात सही है कि बुन्देलखण्ड में धान कम होता है और इसलिए वहां धान के प्रोत्साहन करने के लिए सरकार ने कोई योजना नहीं बनाई है, बुन्देलखण्ड में जनपद जालौन ऐसा जिला है, जो कृषि के हर क्षेत्र में आगे है। हमारे यहां लोग धान पैदा करने लगे हैं मैं मा0 मंत्री जी से सिर्फ इतना पूछना चाहता हूँ कि जो कैम्प इस साल आयोजित हुए हैं उसका आयोजन का स्तर क्या है, ब्लॉक स्तर है, या जिला स्तर है, दूसरा कृषक पंजीकरण का प्रॉसेस क्या है, आप कैसे पंजीकरण कराएंगे बेचने के लिए, तीसरा मेरा प्रश्न है कि क्या सरकार धान पर समर्थन मूल बढ़ाएगी।

श्री अध्यक्ष-

एक मिनट मा0 मंत्री जी श्री जियाऊर्रहमान हैं ? नहीं हैं, चलिए ठीक है। अब मा0 मंत्री जी आप उत्तर दे दीजिए वह हैं नहीं जो प्रश्न कर पाएं।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मान्यवर, हमारे रजिस्ट्रेशन के तीन-चार तरीके हैं ऑनलाइन होता है, ऑनलाइन भी कर देते हैं और शायद कैफे से भी कर देते हैं इसके बाद यदि कोई चाहता है, तो एस0डी0एम0 के यहां जा करके भी करा सकता है यह हमारे रजिस्ट्रेशन के तरीके हैं। जहां आपने मूल्य बढ़ाने की बात कही है तो एम0एस0पी0 की बैठक हुआ करती है और उस बैठक में ही हमेशा निर्णय किया जाता हैं आप तो सीनियर मेम्बर हैं। यह कोई घोषणा की बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद।

प्रदेश में बेरोजगारों की संख्या तथा बेरोजगारी को कम करने की कार्य योजना विषयक

***2-डॉ0 आर0 के0 वर्मा तथा डॉ0 संग्राम यादव-**

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मार्च, 2019 से दिनांक 17-10-2022 तक पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या कितनी है ? क्या सरकार ने बेरोजगारी कम करने हेतु कोई कार्य योजना बनाई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं तो क्यों ?

श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय मंत्री (श्री अनिल राजभर)-

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा जॉब सीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों) को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। इस हेतु सेवायोजन विभाग के पोर्टल sewayojan.up.nic.in पर जॉब सीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है।

दिनांक 01 मार्च, 2019 से दिनांक 17-10-2022 तक सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत जॉब सीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) की संख्या 14,18,601 है।

प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाने का कार्य किया जाता है।

रोजगार मेलों तथा चयनित अभ्यर्थियों की प्रगति रिपोर्ट :-

क्र0-सं0	वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
1-	01-04-2019 से 31-03-2020 तक	733	1,43,304
2-	01-04-2020 से 31-03-2021 तक	869	1,47,499
3-	01.04.2021 से 31-03-2022 तक	822	1,17,430
4-	01-04-2022 से 31-01-2023 तक	1,536	1,72,291

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

मान्यवर, आपकी अनुज्ञा से प्रदेश के बेरोजगार नौजवानों के भविष्य से जुड़ा हुआ एक प्रश्न सदन में आया है और हम सब लोग यह देख रहे हैं कि प्रदेश में चाहे अनपढ़ मजदूर हों, विभिन्न योजनाओं से प्रशिक्षित लोग हों या उच्च शिक्षित लोग हों, बड़े पैमाने पर प्रदेश की सबसे बड़ी समस्या के रूप में बेरोजगारी है, आज की तारीख में जो सी0एम0आई0ई0 की रिपोर्ट है 4.2 प्रतिशत बेरोजगारी की दर बढ़ी है उत्तर प्रदेश में। जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी 2017 फरवरी के महीने में, सी0एम0आई0ई0 की रिपोर्ट के अनुसार 3 प्रतिशत बेरोजगारी दर थी। आज सरकार ने जो इतना काम किया उसका परिणाम यह हुआ कि दर और बढ़ गई है।

मान्यवर, जो आंकड़े बताते हैं उसके अनुसार आज पूरे प्रदेश में हर एक विभाग में पद खाली पड़े हैं। जितनी नौकरियां विज्ञापित हुई थीं वह या तो न्यायालय में विचाराधीन हैं अथवा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी हैं। नौजवानों को नौकरी नहीं मिल पा रही है। यहां पर प्रश्न के जवाब में जो उत्तर आया है कि हम रोजगार मेलों के माध्यम से बेरोजगारों को रोजगार देने का काम कर रहे हैं। यहां पर रिकॉर्ड मिला है कि वर्ष 2019-20 में 735, वर्ष 2021-22 में 869 तथा वर्ष 2022-23 में 1536 रोजगार मेले लगाये गये। इसमें एक लाख, डेढ़ लाख, एक लाख सत्रह हजार, एक लाख सत्तर हजार इस तरह से संख्या भी दी गयी है, लेकिन सच्चाई यह है कि यहां का प्रशिक्षित, उच्च शिक्षित यहाँ तक कि बी0टेक0, एम0टेक0 किया हुआ नौजवान रोजगार मेलों के माध्यम से जब निजी कंपनियों में जाता है तो कंपनियां उनसे दस हजार, बारह हजार, पन्द्रह हजार रुपये में दस घंटे की नौकरी कराती हैं, जिसका परिणाम होता है कि वह नौजवान नौकरी छोड़कर के चला आता है और फिर किसी दूसरे रोजगार मेले के इंतजार में खड़ा रहता है। मान्यवर, आप कल्पना करें कि एक बी0टेक0 किया हुआ छात्र, एम0टेक0 किया हुआ छात्र नोएडा या लखनऊ में पन्द्रह हजार रुपये की नौकरी कर रहा है और दस हजार रुपये उसको घर का, कमरे का किराया देना पड़ता है और अपने निजी खर्चे देखने पड़ते हैं, तो वह अपने परिवार का खर्च कैसे चलाता होगा। इसका परिणाम होता है कि नौजवान नौकरी छोड़ करके चला आता है और फिर से बेरोजगारी की लाइन में खड़ा हो जाता है।

मान्यवर, आपके माध्यम से पहले तो मैं सरकार से यही जानना चाहूंगा कि सरकार द्वारा लगाये गये विभिन्न रोजगार मेलों के माध्यम से जितने अभ्यर्थियों का निजी कंपनियों में चयन हुआ है, क्या सरकार इसका परीक्षण करायेगी कि जो अभ्यर्थी यहां से गये हैं वह काम कर भी रहे हैं या कम्पनी छोड़कर फिर से वापस आ गये हैं ? हमारा पहला प्रश्न तो यह है। हमारा दूसरा प्रश्न यह है कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में जो बेरोजगारी भत्ता

दिया जाता था, क्या सरकार ऐसे नौजवानों को, जो अपनी शिक्षा का समय पूर्ण कर चुके है और 30 से 40 वर्ष की उम्र में हैं, उनको बेरोजगारी भत्ता देने का विचार करेगी ? हमारा तीसरा सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि विभिन्न विभागों में जो सरकारी पद खाली पड़े हुये हैं जिन पर भर्तियां नहीं हो रही हैं, जो न्यायालय में विचाराधीन है, जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े हैं, क्या सरकार उन पदों पर फिर से विज्ञाप्तियाँ निकाल करके उन पदों को भरने का कार्य करेगी जिससे नौजवानों को रोजगार और नौकरी देने का काम किया जा सके ?

श्री अध्यक्ष-

डॉ0 संग्राम यादव जी।

डॉ0 संग्राम यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, हम आपके आभारी हैं कि आपने इतने महत्वपूर्ण प्रश्न पर हमें बोलने का अवसर दिया। आज देश और प्रदेश की बहुत बड़ी समस्या बेरोजगारी है। इसको ले करके जहाँ विपक्ष चिन्तित है वहीं सत्ता पक्ष भी प्रयास कर रहा है, लेकिन जो सार्थक परिणाम आने चाहिये थे वह परिणाम नहीं आ पा रहे हैं। मा0 डॉ0 आर0 के0 वर्मा जी ने जैसा कहा चाहे वह सी0एम0आई0ई0 के आँकड़े हों, 2017 में जब समाजवादी पार्टी को सरकार थी उस समय के आकड़े और आज जब हम इस सदन में इस बात को उठा रहे हैं, हमने पिछले सत्र में भी बेरोजगारी जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर माननीय श्रम मंत्री जी, से कुछ जानना चाहा था। आज बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और नौजवान आज महंगी शिक्षा, बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर के घूम रहा है और जो आपके रोजगार मेले लग रहे हैं उन रोजगार मेलों में जब वह जा रहा है, चयनित हो रहा है तो माननीय श्रम मंत्री जी, आप उसकी समीक्षा कर लें, चाहे आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्तियां हो रही हों, चाहे रोजगार मेलों के माध्यम से नियुक्तियां हो रही हों, उसे इतना कम पैसा मिल रहा है कि नौजवान दो, चार, पांच महीने भी उससे अपना गुजारा नहीं कर पा रहा है और अन्त में वहां से हट जा रहा है। हम केवल आरोप के लिये आरोप नहीं लगाते हैं, लेकिन एक तरफ आपको यह भी समीक्षा करनी पड़ेगी कि आपके कार्यकाल में सबसे ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुये और पेपर लीक होने के कारण, भ्रष्टाचार होने के कारण बहुत-सी भर्तियां जिनका परिणाम आ जाना चाहिये था, लेकिन आज तक उनका परिणाम नहीं आया। 68 हजार 500 शिक्षक भर्ती में बहुत से पद खाली पड़े हैं। लगातार बेरोजगार नौजवान आपके मंत्रियों के यहां, सचिवालय में एवं अधिकारियों के दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं और शिक्षा मंत्री जी तरह-तरह की बाते करके कहते हैं कि आप मा0 मुख्य मंत्री जी से मिल लीजिए। मा0 अध्यक्ष जी आज भ्रष्टाचार के कारण एवं पेपर लीक के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम नहीं आ पायें हैं। एक उदाहरण मैं आपके सामने रखना चाहता हूँ जूनियर एडेड हाई स्कूल शिक्षक भर्ती 2021 जिसके दो बार संशोधित परिणाम आए हैं इसके बावजूद भी आज तक यह भर्ती अधर में पड़ी हुई है। मैं सरकार से प्रश्न करता हूँ कि क्या

सरकार प्रभावी पैरवी करके हाई कोर्ट में जो इस तरह की भर्तियां पड़ी हैं जिसके कारण वर्षों से नौजवान चक्कर काट रहे हैं ऐसे बेरोजगार नौजवानों को न्याय देने का काम करेगी ? दूसरा प्रश्न मेरा है कि बेरोजगार नौजवानों के लिए आउटसोर्सिंग एक घातक बीमारी है इसमें बी0टेक0 एम0टेक0 बड़ी-बड़ी डिग्रियाँ लिए नौजवान घूम रहे हैं, हमारी प्रशिक्षित नर्स बहनें हैं उनको 8 हजार, 12 हजार की सैलरी मिल रही है। एक नई सामंती व्यवस्था को लाकर आउटसोर्सिंग को खड़ा कर दिया गया है। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर साहब के भारत के संविधान के द्वारा जो हमें आरक्षण मिला था उस आरक्षण को तो पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है।

श्री अध्यक्ष-

संग्राम जी आप प्रश्न कर लीजिए, भाषण करते हुए 15 मिनट हो गये हैं।

डॉ0 संग्राम यादव-

मेरा प्रश्न है कि क्या सरकार इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगी कि जब मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी उनको ट्रेजरी से पैसा दे रहे हैं तो फिर आपको आउटसोर्सिंग से, ठेकेदार रखने की क्या आवश्यकता है ? आप अपने विभाग से कहें कि वह संविदा पर भर्ती करे जिससे कम से कम जो दो-तीन हजार रुपये की कटौती होती है वह तो नहीं होगी। आउटसोर्सिंग को आप खत्म करिए, इसमें बहुत भ्रष्टाचार है और उसकी जगह पर विभाग से संविदा के माध्यम से भर्ती करायें। मैं मा0 मंत्री जी से इन्हीं प्रश्नों के उत्तर चाहता हूँ, मा0 अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अनिल राजभर-

मा0 अध्यक्ष जी, युवा शक्ति सरकार की प्राथमिकता है और हर हाथ को काम के संकल्प के साथ सरकार आगे बढ़ रही है। मा0 सदस्य वर्मा जी ने 2019 से 17-10-2022 में पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या जाननी चाही वह हमने बता दी है। सरकार योजना बनायेगी यह आपने जानना चाहा, मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं पूरे सम्मानित सदन को यह बताना चाहता हूँ कि आज उत्तर प्रदेश की सरकार बेरोजगारी को दूर करने के जो प्रयास कर रही है इसकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। उत्तर प्रदेश के नौजवानों का आज मनोबल बढ़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने एक आयोग का भी गठन किया है और बेरोजगारी को सरकार कितनी संवेदनशीलता से देख रही है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस आयोग के अध्यक्ष के रूप में मा0 मुख्य मंत्री जी काम कर रहे हैं। मा0 अध्यक्ष जी अभी वर्मा जी और संग्राम जी सी0एम0आई0ई0 की रिपोर्ट की चर्चा, आंकड़े की चर्चा कर रहे थे। 2016 में देश की बेरोजगारी का स्तर 8.29 था और उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी का स्तर 13.25 था, इसी प्रकार 2017 में देश की बेरोजगारी का स्तर 4.50 था और उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी का स्तर 3.64 था।

मान्यवर, 2023 में आज की तरीख में जो देश के बेरोजगारी दर का स्तर है वह 7.10 का है और प्रदेश के बेरोजगरी दा का स्तर 4.20 का है। यह आंकड़े हैं और यह

आंकड़े उत्तर प्रदेश सरकार के नहीं हैं। ये बेरोजगार मेलों की बात कर रहे हैं। मैं स्वागत करना चहता हूं और माननीय मुख्य मंत्री जी का अभिनन्दन करना चाहता हूं कि इस समस्या को संवेदनशीलता के साथ देखते हुए उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह फैसला किया है कि प्रदेश की हर विधान सभा क्षेत्र में हम बेरोजगारों के लिए मेला आयोजित करेंगे। उनकी बेरोजगारी की समस्या का हम समाधान करेंगे। हर विधान सभा क्षेत्र के स्तर पर करने जा रहे है। आप आउटसोर्सिंग की बात का रहे है। बड़े ही पारदर्शी तरीके से सरकार इस पर काम कर रही है। हमारे यहां जो भी आउटसोर्सिंग होती है भारत सरकार जेम पोर्टल की व्यवस्था लाई है। हम उस पर आउटसोर्सिंग करते है। हमने सेवा मित्र पोर्टल बनाया है। आप सब लोग कह रहै थे कि जो कारीगर है जो हमारे प्लम्बर है, जो बढ़ई है जो विश्वकर्मा समाज के लोग है। उनकी चिन्ता है। जो पेन्टर है, कारपेन्टर है, इलेक्ट्रीशियन है ऐसे लोगों के रोजगार के लिए सरकार ने सेवा मित्र पोर्टल बनाया है। मुझे प्रसन्नता है इस बात को आपके माध्यक से पूरे सदन को बताते हुए कि उस पर 33913 श्रमिका पंजीकृत है। बहुत कम समय में मात्र छः महीने के अन्दर 3839 श्रमिकों को रोजगार मिला। इस तरह हम सेवा कर रहे हैं। बेरोजगारी मेलो की बात एवं आरक्षण की बात कही। मान्यवर, जब ये सरकार में रहते हैं तो आरक्षण भूल जाते हैं और विपक्ष में आते हैं तो आरक्षण याद रहता है। सरकार में रहते हैं तो ये भूल जाते कि राजभर भी आरक्षण के दायरे में आता है। हमारा बिन्द भी आरक्षण के दायरे में आता है। केवट, मल्लाह भी आरक्षण के दयारे में आता है। प्रजापति कुम्हार भी आरक्षण के दायरे में आता है। विश्वकर्मा भी आरक्षण के दायरे में आता है। अति पिछड़ा समाज भी आरक्षण के दायरे में आता है। ये यह भूल जाते है। उस समय सिर्फ यह याद रखते हैं कि आरक्षण सिर्फ हमारे लिए बनाया गया है। उस समय इनको आरक्षण नहीं याद आता है। हमारा अति पिछड़ा समाज कहां जायेगा ? इसलिए कहना चाहते हैं कि सरकार की मंशा बहुत साफ है। 19 मार्च, 2017 से लेकर अब तक पांच हजार दो सौ अठहतर रोजगार मेलों को हमने आयोजित किया है। जिसमें पांच लाख छियालिस हजार आठ सौ अठहतर लोगो को हम लोगों ने निजी क्षेत्र में सेवायोजित करने का काम किया है। यह रिकार्ड है। इस कार्यकाल में अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। 1536 मेलों को हम लोगों ने आयोजित किया है। जिसमें एक लाख बहत्तर हजार दो सौ इक्यानबे बेरोजगारों को रोजगार देने का काम सरकार ने किया है। जहां तक बेरोजगारी भत्ते का सवाल है मैं वर्मा जी से बताना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार योगी जी की सरकार नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। हमारा नौजवान हाथ कहीं न फैलाये इसकी व्यवस्था हम कर रहे हैं।

प्रदेश में वर्ष 2018 से 2022 तक जारी राशन कार्ड का विवरण

***3-श्री अभय सिंह-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में नवीन राशन कार्ड जारी करने में खाद्य रसद विभाग के अधिकारियों द्वारा की जा रही देरी सरकार के संज्ञान में है ? क्या

सरकार यह भी बताएगी कि वर्ष 2018 से दिनांक 22-12-22 तक प्रदेश सहित जनपद अयोध्या में राशन कार्ड जारी करने के आवेदन के सापेक्ष वर्तमान में कितने नवीन राशन कार्ड जारी हुये तथा कितने शेष हैं ? क्या सरकार उक्त सदन का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नही, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जनगणना 2011 के आधार पर राष्ट्रीय खाद्य अधिनियम-2013 के अन्तर्गत आच्छादित किये जाने वाले अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों की अधिकतम संख्या निर्धारित की गयी है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में कुल आबादी का 79.56 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्रों में कुल आबादी का 64.43 प्रतिशत है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में पात्र गृहस्थियों के चयन हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्तों का निर्धारण किया गया है। निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के आलोक में आवेदक की पात्रता के अनुसार भारत सरकार द्वारा निर्धारित आच्छादन की सीमा तक नवीन राशन कार्ड निर्गत किए जाते हैं।

प्रदेश में दिनांक 01-04-2018 से दिसम्बर, 2022 के मध्य प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष कुल 1,33,03,625 राशन कार्ड निर्गत किये गये है। जनपद अयोध्या में दिनांक 01-04-2018 से 31-12-2022 के मध्य प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष कुल 1,44,628 राशन कार्ड निर्गत किये गये हैं तथा वर्तमान में मात्र 658 राशन कार्ड आवेदन शेष हैं। प्रदेश स्तर पर लम्बित राशन कार्डों की संख्या-13,31,130 है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री अभय सिंह-

मान्यवर, हम बहुत आभारी हैं आपने हमें अवसर दिया। मान्यवर, हमारा प्रश्न गांव में रहने वाले गरीब, मजदूरों से सम्बन्धित प्रश्न है। जो राशन कार्ड से सम्बन्धित है। इस पर जवाब आया है कि कुल आबादी का 79.56 प्रतिशत ही मिल सकता है। हम आपसे कहना चाहते हैं कि जब हम लोग गांव के अन्दर जाते है तो बहुत ही गरीब महिलायें मिलती है जो हम लोगों को गांव के अन्दर घेर लेती है और कहती है कि भईया हमारा राशन कार्ड नहीं बना। विधायक जी राशन कार्ड कैसे बनेगा ? तो हम कहते है कि सरकार की योजना है, बन जायेगा। वह कहती है कि सरकार की जो गाइड लाइन है उसमें यह है कि जिसके चार पहिया वाहन, ट्रैक्टर, हारवेस्टर, ए0सी0, बड़ा जेनरेटर है उसका कार्ड नहीं बनेगा।

मान्यवर, जो लोग मिट्टी के मकान या झोपड़ी में रहते हैं उनके पास राशन कार्ड नहीं है। हम सरकार से जानना चहते हैं जो 79.56 प्रतिशत है अगर सही तरीके से सरकार इसकी

जांच करा देती हैं तो कम से कम 35 से 40 प्रतिशत अपात्र लोग राशन कार्ड का प्रयोग कर रहे है उनको काटकर के जो पात्र लोग है उनको राशन कार्ड मिल जायेगा। हम यह भी कहना चाहते है कि बहुत सा डाटा इसमें ऐसा है जैसे कि 658 लोगों का राशन कार्ड पैंडिग है। मान्यवर हम आपको सदन के मध्यम से बताना चाहते हैं कि बहुत सारे लोग आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराते है पोर्टल पर जिनका समय पर लेखपाल, सेक्रेटरी समय से रिपोर्ट नहीं लगाते है तो स्वतः ही डिलीट हो जाता है। जो इसकी पूरी प्रक्रिया है इसका पूरे पारदर्शी तरीके से कराया जाना चाहिए कि कौन इसके लिए पात्र है या अपात्र है। कुछ दिन पहले भारत सरकार की गाइडलाइन आयी थी तो बहुत से लोग एफिडेविट देकर अपना-अपना नाम कटवा रहे थे और कह रहे थे कि हम उसके पात्र नहीं है। उसके बाद पता नहीं क्या परिस्थितियां ऐसी बनी कि कटवाना तो छोड़िए दोबारा एप्लीकेशन देकर जिन्होंने अपना नाम कटवा दिया था वह दोबारा अपना जुड़वा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

अगर इस प्रकार के लोगों की कोई जानकारी है तो मंत्री जी को दे दीजिए।

श्री अभय सिंह-

मान्यवर, इनके सारे अधिकारी जानते हैं लेकिन हम भी दे देंगे क्योंकि ऐसे बहुत सारे प्रकरण हैं। हम जानना चाहते हैं सरकार से जो भारत सरकार की गाइडलाइन आयी हुई है और हम जानना चाहते हैं जो पैसे वाले हैं मजबूत आदमी है क्या सरकार उनका राशन कार्ड कटवाएगी और जो लोग गरीब है जिनका हक बनता हैं क्या सरकार उनका कार्ड बनवाएंगी। दूसरी बात हम यह भी कहना चाहते है कि गांव के अंदर जब हम लोग जाते हैं तो वहां के कोटेदार हम लोगों से कहते हैं। जैसे कि वह कहते हैं कि 6 महीने हो गये है और हम लोग राशन वितरण कर रहे हैं लेकिन हमारा कमीशन नहीं मिल रहा है और कहते हैं कि जो आंगनबाड़ी केन्द्र हैं उनसे हमें ट्रांसपोर्टेशन चार्ज नहीं मिला रहा है जब उनका पैसा समय से मिलता रहेगा तो वह भी सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते रहेंगे नहीं तो अगर उनका पैसा रोका जाता है तो वह इधर-उधर से पैसा पूरा करने का कार्य करता है। उसी पूरा करने की स्थिति में अपात्र, पात्र हो जाते हैं और पात्र, अपात्र हो जाता हैं। हमारा सरकार से अनुरोध है कि अपात्र लोगों के लिए जो सरकार की गाइडलाइन है उसी के अनूरूप आप उन्हें हटा दीजिए और लोगों को राशन कार्ड देने की कृपा करे और इसको युद्ध स्तर पर सर्वे कराकर गांव के अंदर रहने वाले गरीब, मजदूर, किसान परिवार के लोगों को राशन कार्ड दिलवाने का कार्य करें।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मा0 अध्यक्ष जी, यह सरकार की वर्ष 2011 जनगणना के अनुसार राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया है इस प्रक्रिया में जो गांव कि अबादी देखी गयी है वह 79.56 प्रतिशत और शहर

की जो तय की गयी है वह 64.43 प्रतिशत तय की है। यह एक सतत् प्रक्रिया है जैसे कि कुछ लोग जन्म लेते हैं कुछ लोग चले जाते है यही प्रक्रिया है राशन कार्ड बनाने की और आपने जो बात कही थी अयोध्या में 1 लाख 44 हजार 628 राशन कार्ड की लेकिन लगता तो यह है कि पूर्ववर्ती कार्यक्रम प्रक्रिया के अनुसार इन्हें राशन कार्डों व राशनडीलरों की जानकारी बहुत ज्यादा है। मैं इसमें यही अनुरोध कर रहा था इसमें जो भी तय है वह केंद्र सरकार के अनुरूप तय होता है। वह चाहें ट्रांसपोर्टेशन हो या राशनकार्ड हो सबको समय से दिया जाता है और डीलरों का जो भी कमीशन होता है वह भी समय से दिया जाता है यदि आपको कहीं कोई शिकायत है कि अपात्र को मिल गया है और पात्र छूट गया है तो आप मुझे लिख कर दे दें मैं उसकी जांच करा देता हूं और गलत पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई करूँगा।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, मेरा यह निवेदन है कि जो अपात्र और पात्र वाली बात आयी है और बहुत सारे जो इस प्रकार के विषय है जो लोग अपात्र है उनको राशन कार्ड मिला हुआ है तो जनरली इसकी जांच करा लीजिए। अपात्र का कट जाना चाहिए और पात्र को मिलना चाहिए।

श्री अभय सिंह-

मान्यवर, इन्होंने गाइडलाइन के सम्बन्ध में कोई चर्चा ही नहीं की है।

श्री अध्यक्ष-

गाइडलाइन के बारे में मंत्री जी ने बताया है कि वह भारत सरकार के द्वारा बनायी जा रही है और जो आपने बोला है उसका जबाव आया है। मंत्री जी ने बताया है कि गाइडलाइन भारत सरकार बनाती है। आपका जबाव आ चुका है।

प्रदेश में बढ़ती महंगाई के दृष्टिगत न्यूनतम मदजूरी दर का पुनरीक्षण करने विषयक

***4-श्री अखिलेश तथा श्री अजय कुमार-**

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 में बढ़ती महंगाई के दृष्टिगत न्यूनतम मजदूरी दर का पुनरीक्षण करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हाँ।

विभिन्न अनुसूचित नियोजनों में नियोजित कर्मकारों को देय न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण/पुनरीक्षण न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड की सलाह पर किया जाता है। उत्तर प्रदेश न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड के पुनर्गठन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

वर्तमान में देय न्यूनतम मजदूरी पर अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर दिनांक 31-03-2023 तक निम्नवत् न्यूनतम मजदूरी निर्धारित है :-

क्र0स0	श्रेणी	प्रतिमाह मूल मजदूरी रुपये में	दिनांक 01-10-2022 से दिनांक 31-03-2023 तक परिवर्तनीय महंगाई भत्ता रु0	कुल मजदूरी प्रतिमाह रुपये में
1	अकुशल	5750	3993	9743
2	अर्धकुशल	6325	4392	10717
3	कुशल	7085	4920	12005

प्रश्न नहीं उठता।

श्री अजय कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा मूल प्रश्न था कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई को दृष्टिगत रखते हुए क्या सरकार न्यूनतम मजदूरी दर पुनरीक्षित करने पर विचार करेगी तो सरकार ने कहा है कि जी हाँ। बहुत अच्छा लगा कि न्यूनतम मजदूरी दर को पुनरीक्षित करने की सरकार की इच्छा है, लेकिन मेरा कहना है कि प्रतिमाह जो मजदूरी दर है वह बहुत ही कम है। अकुशल मजदूर को 5750 रुपये, अर्द्धकुशल मजदूर को 6325 रुपये और कुशल मजदूर को 7085 रुपये, जोकि मेरे विचार से बहुत ही कम है। इसे बढ़ाये जाने की आवश्यकता है और मैं तो यह कहूँगा कि आज देश में जो कमेरा वर्ग है जो अपने हाथों से कमाकर खा रहा है और सबका पेट भर रहा है वह आज बदहाल है और परेशान है। मैं ज्यादा कुछ ना कहते हुए माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूँगा कि उत्तर प्रदेश न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन कब तक होगा। दूसरा मेरा अनुपूरक सवाल है कि मनरेगा में प्रति दिन के हिसाब से एक मजदूर को कितनी धनराशि दी जाती है और क्या सरकार इस धनराशि को बढ़ाने पर विचार करेगी ?

श्री अनिल राजभर-

माननीय अध्यक्ष जी, अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के लिए न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण/पुनरीक्षण न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड की सलाह पर किया जाता है। सलाहकार बोर्ड बनाना प्रक्रियाधीन है जिसे हम जल्दी पूरा करा लेंगे। बोर्ड का जब गठन हो जाता है तो वह अपनी समितियाँ और उप समितियाँ भी बनाता है। बीच में कोविड की समस्या नहीं आई होती तो सरकार की मंशा बहुत साफ है और हम न्यूनतम मजदूरी दर को पुनरीक्षित करना चाहते हैं। हम बहुत जल्द सलाहकार बोर्ड का गठन कर देंगे और उसकी समितियाँ और उप समितियाँ बनाने का काम उनका है और साथ में मनरेगा का भी मामला इससे ही जुड़ा हुआ है। बोर्ड जो सलाह देगा सरकार उस पर फैसला करेगी।

श्री अजय कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंने माननीय मंत्री जी से प्रश्न पूछा था कि इस बोर्ड का पुनर्गठन कब तक हो जायेगा जिस पर कोई उत्तर नहीं आया है। मैंने दूसरा अनुपूरक प्रश्न पूछा

था कि मनरेगा की वर्तमान दर क्या है ? जिसका भी कोई उत्तर माननीय मंत्री जी ने नहीं दिया है। यह कोई ऐसी जानकारी नहीं है जो माननीय मंत्री जी सदन को ना दे सके।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्य के प्रश्न का उत्तर दे दीजिये।

श्री अनिल राजभर-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य अगर बहुत डिटेल में जानकारी चाहते हैं तो मैं वह जानकारी अलग से उपलब्ध करा दूँगा।

जेल में निरुद्ध वर्तमान विधायक विचाराधीन बन्दी हेतु प्रोटोकॉल सम्बन्धी विवरण

***5-श्री अमिताभ बाजपेई-**

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि विधायक यदि विचाराधीन बंदी होते हैं, तो क्या उनका प्रोटोकॉल समाप्त हो जाता है ? यदि हाँ, तो किन नियमों के अन्तर्गत ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदी वर्तमान विधायक के लिए जेल मैनुअल में क्या-क्या सुविधा का प्रावधान है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

कारागार एवं होमगार्ड राज्यमन्त्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री धर्मवीर प्रजापति)-

मा0 विधायकों के प्रोटोकॉल के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल में कोई प्रावधान नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल में जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदी वर्तमान विधायक को सुविधा प्रदान किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल में जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदी वर्तमान विधायक को सुविधा प्रदान किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्नकर्ता माननीय सदस्य श्री अमिताभ बाजपेई जी उपस्थित नहीं हैं।

***6-श्री संदीप सिंह-**

[बहुत ब्यौरे की जानकारी के आधार पर निरस्त]

(सदस्यगणों द्वारा अनुपूरक प्रश्न पूछने के लिए खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

जब पूरे प्रश्न ले लिये जायेंगे और समय बचेगा तो आप अनुपूरक प्रश्न पूछ सकते हैं। इसमें नियम है कि अगर कोई माननीय सदस्य अनुपस्थित है तो प्रश्न पूरे होने के बाद आप

अपना इन्ट्रेस्ट शो करेंगे तो उसको ले लिया जायेगा। बीच में इस तरह नहीं पूछ सकते हैं। पूरे प्रश्नोत्तर होने के बाद आपको अनुमति दी जा सकती है। तारांकित प्रश्न संख्या-6 निरस्त हो चुका है। अब मैं तारांकित प्रश्न संख्या-7 लेता हूँ।

प्रदेश में ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेरोजगार महिलाओं/लड़कियों को रोजगार प्रदान करने विषयक कार्य योजना

***7-श्रीमती पूजा पाल तथा श्री पंकज मलिक-**

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेरोजगार महिलाओं/लड़कियों को रोजगार प्रदान करने हेतु वर्ष 2023 तक कोई कार्य योजना बनाई है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर -

प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा कार्यालय परिसर/परिसर के बाहर यथा आवश्यक चयनित स्थान में रोजगार मेलों के आयोजन किये जाते हैं, इन मेलों में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा अधिसूचित रिक्तियों के सापेक्ष रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों (महिला अभ्यर्थियों सहित) द्वारा प्रतिभाग किया जाता है एवं उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

रोजगार मेलों तथा चयनित अभ्यर्थियों की प्रगति रिपोर्ट :-

क्र0सं0	वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
1	01-04-2022 से 31-01-2023 तक	1,536	1,72,291

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्रीमती पूजा पाल-

माननीय अध्यक्ष जी, आज ग्रामीण महिलायें और लड़कियाँ अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं और सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि उन ग्रामीण महिलाओं और लड़कियों का सहयोग करें। क्या प्रदेश सरकार बेरोजगार महिलाओं और लड़कियों को लघु या कुटीर उद्योग के माध्यम से कोई रोजगार प्रदान करेगी ? जिससे प्रदेश की महिलायें भी प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे सकें और अपना जीवन-यापन अच्छे से कर सकें। मा0 मंत्री जी, हमारी विधान सभा क्षेत्र चायल, जनपद-कौशाम्बी में भी कोई कुटीर उद्योग नहीं है क्या सरकार उस क्षेत्र में भी कोई उद्योग लगाये जाने का काम करेगी ?

श्री अनिल राजभर-

सरकार महिला और पुरुष में कोई भेद नहीं करती है। जो हमारे बेरोजगार हैं उनके लिये सरकार योजना चला रही है। वह सारी की सारी योजनायें जो बेरोजगार हैं उनके लिये भी

हम चला रहे हैं। हमारा जो पोर्टल है उस पर वह अपने को पंजीकृत कराकर वह चाहें तो अपनी बेरोजगारी की समस्या का समाधान करा सकते हैं। मान्यवर, मैं एक सूचना देना चाहता हूं कि अभी वर्ष 2017 से लेकर अब तक हमारी जो रजिस्टर्ड बेरोजगार बहनें हैं। तकरीबन 42 हजार दो सौ उन्नयासी हमारी बहनों को रोजगार से निजी क्षेत्र में उनको सेवायोजित किया गया है और मान्यवर, मैं पूरे सदन को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि सरकार ने अभी फैसला किया है कि उत्तर प्रदेश के अंदर जो रात की पालियां होती थी वहां पर महिलाओं को काम करने की अभी स्वतंत्रता नहीं थी। उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह फैसला किया है और एक मानक निर्धारित किया है कि जितने भी काल-कारखाने, व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं अगर वह महिलाओं से रात की पाली में काम कराना चाहते हैं तो उसके लिये सरकार ने एक मानक निर्धारित किया है उस मानक को पूरा करते हुये बहनों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी के साथ वह रात की पाली में भी काम करा सकते हैं। सरकार ने इसकी व्यवस्था की है और मान्यवर, चाहे सेवा मित्र पोर्टल हो चाहे सरकार का कोई भी योजना हो उससे हमारी बहनें भी जुड़ सकती है। सरकार कोई भेदभाव नहीं चाहती है, महिला और पुरुष दोनों को साथ लेकर चलना है। जैसा आपने अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में अपने जनपद के बारे में कहा है। ग्लोबल समिट के बारे में कहा है। ग्लोबल समिट के बारे में यहां बहुत चर्चा हुयी। 25 हजार से ज्यादा निवेशकों ने यहां इकट्ठा होकर निवेशकों की दृष्टि से एक महाकुम्भ बुलाने का काम किया और सिर्फ राजधानी और बड़े महानगरों में ही नहीं हर जिले में बेरोजगारी की समस्या को देखते हुये हर जिले के हिसाब से निवेश होने जा रहा है और बहुत बड़े पैमाने पर बेरोगारी की समस्या का समाधान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से सरकार करने जा रही है। तकरीबन एक करोड़ बेरोजगारों को रोजगार इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से मिलने जा रहा है। अगर मा0 सदस्य चाहेंगी तो उनके जनपद के बारे में डिटेल भिजवा दूंगा कि इनके जनपद में कितना निवेश में आया है। क्या-क्या व्यापारिक प्रतिष्ठान वहाँ पर स्थापित होने जा रहे हैं। उसका भी डिटेल भिजवा देंगे।

श्रीमती पूजा पाल-

मान्यवर, मैं पूछना चाहती हूँ कि रोजगार मेले में जितनी महिलाओं को चयनित किया गया है उनमें से कितनी महिलाओं को स्वावलम्बी बना दिया गया है ?

श्री अनिल राजभर-

मान्यवर, 42 हजार दो सौ उन्यासी बहनें रोजगार मेलों के माध्यम से ही रोजगार पायी हैं।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, पंकज मलिक उपस्थित नहीं है।

प्रदेश में पेट्रोल पम्पों पर मिलावटी डीजल व पेट्रोल की बिक्री पर रोक लगाने विषयक

***8-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पेट्रोल पंपों पर मिलावटी डीजल व पेट्रोल की बिक्री होने की समस्या से सरकार अवगत है ? यदि हां, तो क्या सरकार मिलावटी डीजल पेट्रोल की बिक्री रोकने हेतु नियमित नमूने भरकर उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट-माप अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-280/चौरासी-1-2022, दिनांक 19-04-2022 के द्वारा प्रदेश के पेट्रोल/डीजल पम्पों पर घटतौली एवं अपमिश्रण की जांच के लिये समस्त जनपदों में विशेष जांच अभियान के तहत कार्यवाही किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। तत्क्रम में प्रदेश में कुल 364 टीमों के माध्यम से 3251 रिटेल आउटलेट का निरीक्षण किया गया। अनियमितता पाये जाने पर कुल 142 रिटेल आउटलेट के विरुद्ध सुसंगत अधिनियमों एवं MDG (मार्केटिंग डिसीपिलीन गाइडलाइन्स) के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी।

उल्लेखनीय है कि जांच/प्रवर्तन की कार्यवाही अनवरत् चलने वाली प्रक्रिया है।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा प्रश्न पेट्रोल पम्पों पर मिलावट और घटतौली के जरिये आम जनमानस को पहुंचाये जा रहे नुकसान की समस्या के बारे में था। मेरे द्वारा प्रश्न में उठायी गयी समस्या के बारे में सरकार अच्छी तरह से परिचित है। इसी के दृष्टिगत मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार उत्तर में वर्णित शासनादेश के क्रम में मिलावटी और घटतौली की जांच हेतु गठित की गयी 364 टीमों द्वारा लगभग एक साल में प्रति टीम मात्र नौ की औसत से 3251 रिटेल आउटलेट का निरीक्षण करने और 142 स्थान पर अनियमितता पाने भर से सरकार संतुष्ट है ?

मान्यवर, सरकार के आदेश पर गठित 364 जांच टीमों द्वारा कितने सैम्पल जांच हेतु भेजे गये हैं ? यह मिलावट का गंभीर विषय है क्योंकि सभी लोग गाड़ियों से चलते हैं। किसान हो, नौजवान हो, सभी लोग गाड़ियों से चलते हैं और हम सभी लोगों का पेट्रोल पम्प से जुड़ाव रहता है। इस वक्त मिलावट का मामला बहुत ज्यादा जोरों पर है। मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि सैम्पल गलत पाये जाने पर कितने लोगों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही हुई और क्या सरकार की ओर से मा0 मंत्री शत-प्रतिशत पेट्रोल

पम्पों की घटतौली व मिलावट सम्बन्धी जांच किस निश्चित अवधि में पूरा कराने का आश्वासन सदन में रखेंगे।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मान्यवर, हमारी प्रदेश में 364 जांच टीमें हैं, यह बारह महीने की सतत् प्रक्रिया है। इसमें कभी-कभी विशेष अभियान भी चलाए जाते हैं, इस सतत् प्रक्रिया का आपको जवाब भी मिल गया है। प्रदेश में कुल 364 जांच टीमों के माध्यम से 3251 निरीक्षण किये गये थे। 9520 पेट्रोल पम्पों में से 142 पेट्रोल पम्पों में अनियमितताएं मिली हैं जिसमें 51 पेट्रोल पम्पों के चालान हुए और 02 पेट्रोल पम्पों पर एफ0आई0आर0 की गयी है। 89 पेट्रोल पम्पों ने मार्केटिंग डिसीपिलीन गाइडलाइन्स का उल्लंघन किया है, उनके विरुद्ध कार्यवाही की गयी है। यह हमारी सतत् प्रक्रिया है और जांच में जो भी दोषी पाया जाता है उनके विरुद्ध एफ0आई0आर0 की जाती है।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मा0 सदस्य ने कहा है कि केवल नौ पेट्रोल पम्पों का जांच के लिए सैम्पल लिया गया है। क्या आप इतनी कम संख्या में जांच टीमों द्वारा सैम्पल लेने से संतुष्ट है ? आपने कहा है कि 364 जांच टीमें हैं यानी एक टीम पर नौ पेट्रोल पम्प का औसत आता है।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मान्यवर, पूरे प्रदेश में कुल 9520 पेट्रोल पम्प है जिसमें से लगभग 35 प्रतिशत पेट्रोल पम्प के एक साल में निरीक्षण हुए हैं। यह सतत् प्रक्रिया है और इसकी जांच होती रहती है। हमारी सरकार मिलावट के विरुद्ध है और पूरी तरह से सजग है। अगर कहीं से किसी भी प्रकार की शिकायत आती है तो तत्काल उसका निरीक्षण कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही कराई जाती है।

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

मान्यवर, 364 जांच टीमों द्वारा एक साल में प्रति टीम मात्र नौ के औसत से केवल 3251 रिटेल आउटलेट पर गयी है। अभी मा0 मंत्री जी ने कहा है कि हमने एक अलग से विशेष टीम लगा रखी है। ऐसे बहुत से मामले हैं जो जांच टीम पेट्रोल पम्पों पर जाती है उनका आज तक पैमाना ही नहीं तय हो पाया है और आपने बताया है कि मात्र दो पेट्रोल पम्प पर ही कार्यवाही हुई है। जबकि हकीकत यह है कि जब हम सब लोग लखनऊ आते हैं तो हम लोग गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल डलवाते हैं। मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि जो इनकी टीम गठित होती है, क्या मा0 मंत्री जी उस पर विशेष निगरानी करेंगे और वह सदन को अवगत करायेंगे ?

श्री लक्ष्मी नारायण-

मान्यवर, मा0 विधायक जी जांच टीम में पुलिस, खाद्य रसद एवं अन्य सात विभागों के अधिकारी होते हैं। कोई एक विभाग का अधिकारी नहीं होता है। अगर एक विभाग के अधिकारी हों या दो विभाग के अधिकारी हों तो कोई भी सोच सकता है कि वह मिल गये होंगे। इसमें सात विभागों के अधिकारी होते हैं। इसलिए जांच टीमों की कार्यवाही में संदेह नहीं किया जा सकता है और पहले जब मिट्टी का तेल मिला करता था तब यह शिकायत हुआ करती थी लेकिन आज कल पेट्रोल पम्पों पर इस तरह की शिकायतें नहीं है और अगर कहीं पर इस तरह की शिकायत आती है तो मैं कह रहा हूँ कि तत्काल जांच कराकर कार्यवाही कराने की तैयार हूँ।

प्रदेश में क्रय किये गये गेहूँ तथा भुगतान की धनराशि का विवरण

***9-श्री तुफानी सरोज (अनुपस्थित)-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2021-22 तथा 2022-23 में दिनांक 05-05-2022 तक कुल कितने मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई तथा कुल कितने क्रय केन्द्र खोले गए ? क्या क्रय किये गये गेंहू की धनराशि का भुगतान किसानों को कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

रबी विपणन वर्ष 2021-22 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 5678 क्रय केन्द्र स्थापित कर 56.41 लाख मी0टन गेहूं क्रय किया गया। रबी विपणन वर्ष 2022-23 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत दिनांक 05-05-2022 तक प्रदेश में कुल 5636 क्रय केन्द्र खोले गये एवं 1.81 लाख मी0टन गेहूँ की खरीद की गयी।

रबी विपणन वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत क्रय किये गए 56.41 लाख मी0टन गेहूँ के सापेक्ष किसानों को देय धनराशि रु0 11141.59 करोड़ के विरुद्ध शत-प्रतिशत धनराशि का भुगतान समस्त किसानों के बैंक खातों में किया जा चुका है। रबी विपणन वर्ष 2022-23 में दिनांक 05-05-2022 तक प्रदेश में 46397 किसानों से 1.81 लाख मी0 टन गेहूं खरीद की गयी है, जिसके सापेक्ष किसानों को देय धनराशि रु0 364.82 करोड़ के विरुद्ध दिनांक सम्प्रति रबी विपणन वर्ष 2022-23 में कुल गेहूँ खरीद 3.36 लाख मी0टन के सापेक्ष कृषकों को देय कुल भुगतान रु0 676.25 करोड़ के विरुद्ध दिनांक 16-02-2023 तक रु0 675.74 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई की रोकथाम हेतु कार्य योजना का विवरण

***10-डॉ0 रागिनी-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई की रोकथाम के लिए सरकार ने कोई प्रभावी कार्य योजना बनाई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

राज्य सरकार प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत प्रदान करने के लिये कटिबद्ध है। प्रदेश में स्थापित प्राइस मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से 22 आवश्यक वस्तुओं यथा-1-चावल, 2-गेंहू, 3-आटा, 4-चना दाल, 5-तूर/अरहर दाल, 6-उरद दाल, 7-मूंग दाल, 8-मसूर दाल, 9-चीनी, 10-दूध, 11-मूंगफली तेल, 12-सरसों का तेल, 13-वनस्पति, 14-सोया ऑयल, 15-सनफ्लावर ऑयल, 16-पॉम ऑयल, 17-गुड़, 18-चाय की पत्ती, 19-ऑयोडाइज्ड नमक, 20-आलू, 21-प्याज एवं 22-टमाटर के थोक एवं फुटकर भाव की नियमित समीक्षा की जाती है। किसी आवश्यक वस्तु की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि होने पर उसे रोकने के उपाय किये जाते हैं। जमाखोरी रोकने के लिये समय-समय पर भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में स्टॉक सीमा लागू की जाती है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही भी की जाती है।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 से आच्छादित लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने हेतु उन्हें जनवरी, 2023 से एक वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है। तत्क्रम में अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

प्रदेश में माह अप्रैल, 2020 से अक्टूबर, 2022 तक विशेष अभियान चलाकर कुल 34,58,257 से अधिक राशन कार्ड जारी किये गये।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 से आच्छादित राशन कार्डधारकों को माह दिसम्बर, 2021 से जून, 2022 तक आवश्यक वस्तुओं यथा-आयोडाइज्ड नमक, साबुत चना एवं रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण कराया गया है। उक्त वितरण पर निहित लगभग रुपया 7741.25 करोड़ का व्यय भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया गया है। इस योजना से प्रदेश के लगभग 15 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित हुए। यह देश का सबसे विशालतम निःशुल्क खाद्यान्न वितरण है।

''स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन'' की संकल्पना के क्रम में महिलाओं के उत्थान हेतु ''प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना'' के अन्तर्गत प्रदेश में दिनांक 13-02-2023 तक कुल

1,75,02,198 मुफ्त गैस कनेक्शन लाभार्थियों को प्रदान किये गये हैं। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को रु0 235.39 प्रति सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी (आर्थिक सहायता) प्रदान की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा दिनांक 05-11-2021 से महंगाई को नियंत्रित किये जाने हेतु डीजल तथा पेट्रोल पर वैट घटाया गया है। पेट्रोल पर पूर्व प्रचलित 26.80 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 19.36 प्रतिशत वैट लागू है। इसी प्रकार डीजल पर पूर्व प्रचलित 17.48 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 17.08 प्रतिशत वैट लागू है।

प्रश्न नहीं उठता।

डॉ0 रागिनी-

माननीय अध्यक्ष जी, जनमानस का एक बहुत ही गंभीर विषय है महंगाई, आज उस पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी। मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी से सवाल किया था कि महंगाई की रोकथाम के लिए आपकी तरफ से क्या किया जा रहा है। उसका जो उत्तर है वह बड़ा ही गोलमोल-सा आया है। अध्यक्ष जी, मैं आपको यह बताना चाहूंगी कि आर0बी0आई0 डेटा के हिसाब से उत्तर प्रदेश में बिलो पावर्टी लाइन के 30 प्रतिशत हमारी आबादी है और आज कल सरकार की देन है ये गाना, सखी सइयां तो खूब ही कमात है, महंगाई डायन खाय जाता है, बड़ी फेमस होती चली जा रही है। आज अगर हम बात करें भोजन की सब्जी की, कपड़ों की, जूतों की, ईंधन की, मेडिसिन्स की, बिजली की, पानी की, हर कुछ महंगा होता चला जा रहा है। आज अगर हम बात करें, हमारे जवाब की तो हमें मुख्य मंत्री जी के द्वारा बताया गया है कि हमने इतने राशन मुफ्त बांटे, हमने इतने सारे राशन कार्ड हैं जिनको बढ़ाया, साथ ही साथ बहुत सारी योजनाओं की बात कही है। मैं आपसे यह पूछना चाहती हूं कि क्या मुट्ठी भर राशन बांटकर हम महंगाई पर नियंत्रण पा लेंगे ? और साथ-ही-साथ आप जो यह मुट्ठी भर राशन बांट रहे हैं, उससे कुछ विशेष पूंजीपतियों को अप्रत्यक्ष रूप से सरकार लाभ पहुंचा रही है। कृपया मुख्य मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि मुफ्त राश्न जो बांटे गये हैं तेल, नमक, आटा इत्यादि किन कंपनियों से इन्हें खरीदा गया है और किन मूल्यों पर खरीदा गया है ? साथ-ही-साथ आपने कहा कि आपने राशन कार्ड के नम्बर्स को बढ़ा दिया तो मैं यह पूछना चाहूंगी कि नंबर बढ़ाने से पहले और नंबर बढ़ाने के बाद किस तरह से महंगाई को आपने रोका है और किस तरीके से उस पर नियंत्रण पाया है ? आपने बताया है कि अधिनियम, 2013 के हिसाब से जो भी राशन कार्ड धारक है उन सभी को आयोडाइज्ड नमक, साबूत चना और रिफॉइन्ड सोयाबीन ऑयल ये सारी चीजों का निःशुल्क वितरण किया गया है तो मैं यह भी पूछना चाहूंगी कि यह जो मुफ्त वितरण हुआ है वह किन कंपनियों के द्वारा और किन मूल्यों पर इनको खरीदा गया है ? साथ-ही-साथ अध्यक्ष महोदय, एक महिला होने के नाते जब मैं अपने क्षेत्र में जाती हूं, बहुत सारी बहनें जो विधवा है और उन्हें आपकी सरकार द्वारा एक

हजार रुपये की जो धनराशि मिलती है तो मैं आपके द्वारा यह पूछना चाहती हूं कि आय दिन आपके सिलेण्डर के दाम जो आसमान छू रहे है, तो इन महिलाओं के लिए मुफ्त गैस सिलेण्डर देने का कष्ट करेंगे ? क्योंकि आपने कनेक्शन तो करा ही दिये हैं। आपके वह एक हजार रुपये तो सिर्फ सिलेण्डर खरीदने में ही चले जाते हैं तो बाकी वह अपना जीवन यापन कैसे करेंगे ?

श्री लक्ष्मी नारायण-

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की लगभग 24-25 करोड़ जनता में से इस समय करीब 14 करोड़ व्यक्तियों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजे थपथपाई गयी)

पूरी दुनिया में यह एक मिसाल है, जहां पड़ोसी देशों में राष्ट्रपति भवन में जनता राशन के लिए घुस जाती है, पड़ोसी देशों में लाइन लगकर राशन बिक रहा हो, उसमें भी कई-कई आदमियों की मौत हो जाती हो। वहीं आज पूरी दुनिया में अकेला एक हिंदुस्तान और उत्तर प्रदेश ऐसा है जहां आधी से ज्यादा आबादी को आज मुफ्त राशन दिया जा रहा है। दूसरा नंबर, लगभग 1 करोड़ 75 लाख गैस कनेक्शन मुफ्त दिये गये, उनको अभी भी रु0 235.39 प्रति सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी दी जाती है। मैं इतना अनुरोध करना चाहूंगा कि जहां तक आपने ये पूछा है कि किस कंपनी से खरीदा, ये बातें तो पुरानी सरकारें ज्यादा ध्यान रखती थीं, हमारी सरकार इन बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। किसको किससे सैटलमेण्ट करना है, यहां सैटलमेण्ट की बात नहीं होती है, यहां तो ऑनलाइन व्यवस्था है इसलिए पारदर्शी व्यवस्था होती है।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजे थपथपाई गयी)

डॉ0 रागिनी-

आदरणीय अध्यक्ष जी, जवाब फिर से गोलमोल ही मिला है और मैंने आदरणीय मंत्री जी से यही पूछा है कि जो हमारी विधवा महिलाएं हैं उनको क्या आप मुफ्त में सिलेण्डर देंगे या नहीं देंगे ? और कंपनियों से राशन की बात आपने कही है..

श्री अध्यक्ष-

उसका उत्तर तो आ गया है।

डॉ0 रागिनी-

वैसे तो पुरानी सरकारों में इतनी महंगाई नहीं थी कि जनता खून के आंसू रोये मान्यवर, आज मँहगाई की वजह से जनता बारम्बार रो रही है तो आपसे अनुरोध है कि कृपा करके जो विधवा महिलाएँ हैं, उन्हें मुफ्त में गैस सिलेण्डर पहुँचायें।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मान्यवर, मुझे अच्छी तरह से याद है, जब आप भी इधर बैठा करते थे। तब इसी विधान सभा में यह सवाल उठा करता था कि आज भूख से बुन्देलखण्ड में इतने आदमी मर

गए। आज भूख से इतने आदमी वहाँ मर गए। उत्तर प्रदेश सरकार ने दुनिया की सबसे बड़ी महामारी के बावजूद भी एक व्यक्ति भूख से नहीं मरने दिया। जहाँ तक पहले भी हमारी ही सरकार ने ढाई सौ रुपये, तीन सौ रुपये से पाँच सौ रुपये किया और फिर एक हजार रुपये किया और डाक्टर साहब ने जो बातें कही हैं, निश्चित रूप से हमारी सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और हर तरह से किसी भी व्यक्ति को सहायता करने में कहीं कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है।

डॉ0 रागिनी-

माननीय अध्यक्ष जी, जैसा माननीय मंत्री जी ने बताया है, तो 15 करोड़ जनता को मुफ्त राशन देकर किस तरह से मँहगाई की रोकथाम कर रहे हैं ? माननीय अध्यक्ष जी उसका तो कोई जवाब नहीं आया।

श्री अध्यक्ष-

वह आपकी समझ पर डिपेंड करता है, जवाब आ गया है।

प्रदेश में परिवहन निगम द्वारा संचालित जर्जर बसों को बदलने तथा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दूरी तक बसें चलाने की योजना बनाने विषयक

***11-श्री अतुल प्रधान तथा श्री समरपाल सिंह-**

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में परिवहन निगम द्वारा संचालित जर्जर बसों को बदलने, यात्रियों को साफ-सफाई एवं सुखद सफर मुहैया कराने तथा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दूरी तक बसें चलाने की सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री दयाशंकर सिंह)-

जी हाँ।

(i) 778 पुरानी बसों को नीलाम हेतु निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है। 150 नयी बी0एस0-6 बसें क्रय की जा चुकी है। 775 नयी बी0एस0-6 बसों के बस बाडी निर्माण का कार्य गतिशील है। 650 नई डीजल बस एवं 100 सीएनजी बस क्रय करने की प्रक्रिया गतिशील है।

(ii) बसों की सफाई-धुलाई के लिये डिपोज में ऑटोमेटिक बस वाशिंग प्लान्ट लगे हुये हैं। 40 से कम बसों के डिपो में मैनुअल सफाई व्यवस्था है।

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अधिक दूरी तक परिवहन निगम द्वारा बसों को अनुबन्धित कर ग्रामीण क्षेत्रों में बसें संचालित करने हेतु ग्राम्य बस अनुबन्ध योजना-2022, दिनांक 28-09-2022 को लागू की गयी है, जिसके अन्तर्गत 100 किमी0 तक की दूरी अनुमन्य है।

उक्तवत्।

प्रश्न नहीं उठता है।

श्री अतुल प्रधान-

माननीय अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि जिस प्रकार पूर्व वाले माननीय मंत्री जी ने बार-बार पहली सरकार की बात कही है। मेरा वर्तमान माननीय मंत्री जी से रोडवेज के ऊपर सवाल है। हमारे यहाँ रोजवेज बस लाइफ लाइन है। जिससे लगभग 15-16 लाख यात्री हर रोज यात्रा करते हैं और वह ऐसी आबादी है, कहीं गरीबी रेखा से नीचे वाले, कहीं किसान, कहीं मजदूर, कहीं छात्र, एक जगह से दूसरी जगह जाया करते हैं। उन बसों का हाल यह है कि किसी बस के सामने का शीशा नहीं होता तो ड्राइवर हेलमेट लगाये हुए मिलता है। कोई बसें ग्रामीण अंचल से निकल कर चलती हैं तो अखबारों में सुर्खियाँ बनती है कि सीढ़ी ही नहीं है। कई बार अखबारों के माध्यम से पता चलता है, अन्य-अन्य माध्यमों से लोग देखते हैं कि बस के ऊपर की छत ही नहीं है और अगर कहीं फर्श की बात करें, कहीं शीशे की बात करें, कहीं साइड मिरर की बात करें।

श्री अध्यक्ष-

यह कौन से जिले में हैं ?

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मैं रोडवेज की बसों के बारे में बता रहा हूँ। मान्यवर, मेरा प्रश्न यही है, मैं रोडवेज बसों की जर्जर हालत की बात कर रहा हूँ। इस समय स्थिति यह है कि 2012 से 2017 के बीच में लगभग 4800 बसें नई खरीदी गयीं और मैं पूछना चाहूँगा कि 2017 से 2022 के बीच में कितनी नई बसें खरीदी गयीं और इस समय वर्तमान में जो वर्कशाप चल रही हैं, उनकी क्या स्थिति है ? मान्यवर, कानपुर में 02 बड़ी वर्कशाप हैं, जहाँ नई बड़ी बनकर बसें आया करती थीं। पिछले 06 साल से वहाँ पर जो कर्मचारी हैं, वह भी फ्री बैठे हुए हैं। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि पहले साढ़े सात साल में एक बस नीलामी में चली जाती थी और लगभग 08 लाख किमी0 के बाद 08-10 साल तक और 10 साल के बाद में भी, क्योंकि हमारा एनसीआर का क्षेत्र है, गाजियाबाद, नोयडा, मेरठ, हापुड़, बुलन्दशहर, वहाँ पर जो 10 साल से ऊपर की भी बसें हो जा रही है, क्या उनको आपने पूर्वांचल की तरफ भेज दिया है या भेजने वाले है ? इसके साथ-साथ जो टेक्निकल मुआयना है, वह हर 02 साल में हुआ करता था।

हर दो साल में टेक्निकल मुआयना हुआ करता था, उस टेक्निकल मुआयने में क्या आपको इस तरह की चीजें नहीं दिखाई देतीं कि बस जर्जर हालत में है और कई जगह लोग धक्का लगाते हुए दिखाई देते हैं। मैं एक चीज और पूछना चाहता हूं कि वर्ष 2017 से लेकर 2022 तक और एक साल यह भी चला गया। आपने रेगुलर ड्राइवर, कंडेक्टर, जूनियर स्टेशन

इंचार्ज, जूनियर फोरमैन या ए0आर0एम0 की या बैकलॉग की आपने क्या कोई भर्तियां निकाली हैं या आप इस विषय पर कुछ सोच रहे हैं कि क्या वह भर्तियां निकालेंगे।

श्री दयाशंकर सिंह-

मान्यवर, इन्होंने जो प्रश्न किया है पहले मैं उसका जवाब दे दूं। इन्होंने प्रश्न किया है कि क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में परिवहन निगम द्वारा संचालित जर्जर बसों को बदलने और यात्रियों को साफ-सफाई एवं सुदृढ़ सफर मुहैया कराने तथा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दूरी तक बसें चलाने की सरकार की कोई योजना है यह इनका प्रश्न है। उसमें यह सही है कि कोरोना काल में दो वर्षों में कोई नई बसें नहीं खरीदी गई जिसके कारण कुछ पुरानी बसें जो संचालित नहीं कराई जा सकती थी, लेकिन लोगों की आवश्यकता के अनुसार, उनका संचालन कराया गया। आपको मालूम है कि जब कोरोना काल में केजरीवाल ने लाखों लोगों को दिल्ली के बॉर्डर पर भेज दिया था और जब कोई व्यक्ति अपने घरों से नहीं निकल रहे थे उस समय परिवहन निगम के चालक और परिचालक अपनी जान को जोखिम में डालकर उनको घरों तक पहुंचाने का काम किया है। हमारे बहुत सारे बच्चे कोटा में डरे हुए थे तो उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर उनको घरों तक पहुंचाने का काम किया है। इलाहाबाद में बहुत सारे बच्चे जो परीक्षा के लिए इलाहाबाद में फंसे हुए थे तो उनको भी घरों तक पहुंचाने का काम किया है। कोरोना की परवाह न करते हुए भी हमारे चालक और परिचालकों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर के लोगों को सुरक्षित पहुंचाने का काम किया है इसलिए हम लोग पुरानी बसों को चलाते थे हमारे यहां नियम है या तो दस साल पुरानी बस हो या ग्यारह लाख किलोमीटर चल चुकी हो उसको हम निष्प्रयोज्य करते है। 778 पुरानी बसों को नीलामी हेतु निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है। 150 नई बसें बी0एस0-6 बसें क्रय की जा चुकी हैं। 775 नई बी0एस0-6 बसों की बॉडी निर्माण का कार्य गतिशील है। 150 नई डीजल बस एवं सौ सी0एन0जी0 बस क्रय करने की प्रक्रिया गतिशील है। बसों की सफाई-धुलाई के लिए डिपों में ऑटोमैटिक बस सर्विस प्लाण्ट लगे हुए है जो 40 बसों से कम के जो डिपों है वहां पर हम मैनुअल कराते हैं उसकी भी सूची यदि आप कहेंगे तो हम भेज देंगे। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अधिक दूरी तक परिवहन निगम द्वारा बसों को अनुबंधित कर ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन करने हेतु ग्राम बस अनुबंध योजना वर्ष 2022 दिनांक 28-09-2022 को लागू की गई है जिसके अन्तर्गत सौ किलोमीटर तक की दूरी अनुमन्य है और आपने जब कहा कानपुर के बारे में जो कारखाना है आपकी सरकार में उसको बंद कर दिया गया था, बंद करने के बाद आपकी सरकार ने उस जमीन को वह सिग्नेचर बिल्डर को देकर के वहां पर बिल्डिंग बनाई गई थी। हमारी सरकार ने वहां पर डेढ़ सौ से ज्यादा जो कारीगर बेकार पड़े हुए थे उनका कोई नहीं था। मैंने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम पहले अपने कर्मचारियों से अपनी बॉडी को और उससे जो बचेगी उसको टेण्डर किया जाएगा यह पहली बार मैंने व्यवस्था किया है और

धनतेरस के दिन अपने चेयरमैन हमारे एम0डी0, मैं स्वयं और अपने विधायक सुरेंद्र मैथानी जी यहां बैठे हुए हैं यह स्वयं गए और वहां से मैंने इसका कार्य प्रारम्भ कराया है।

श्री समरपाल सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका शुक्रगुजार हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

श्री अध्यक्ष-

मैंने बोलने का नहीं, पूछने का मौका दिया है।

श्री समरपाल सिंह-

मान्यवर, मैं तो ये सोच रहा था कि मा0 मंत्री लक्ष्मी नारायण जी बचपन में हम लोग जब कभी बीमार हो जाते थे, हमें सर्दी, जुकाम, खाँसी, बुखार कुछ हो जाता था तो हमारी दादी हम लोगों को एक दवा देती थीं कृष्णा मिक्चर। आज मा0 मंत्री जी को कृष्णा मिक्चर बना दिया गया है क्योंकि सबका जवाब यही दे रहे हैं। मैंने सोचा कि परिवहन विभाग का जवाब भी यही देंगे। आज अगर कुत्ता भी पूँछ मार देता है तो इनकी बसों में डेण्ट पड़ जाता है। इनके ये हालात हैं और ये ऐसी ही बसें चलाएँगे ? ये कह रहे हैं कि हमारे पास 778 बसें हैं और 150 नई बसें खरीदी है। अब 150 बसों से काम कैसे चलेगा, 778 बसें रिटायर हो रही है।

श्री अध्यक्ष-

आप प्रश्न पूछिए, इन्होंने 700 के अलावा भी कई बसें बताई है, आपने ठीक से सुना नहीं।

श्री समरपाल सिंह-

मैं मा0 मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जो प्राइवेट बसें चल रही हैं, बहुत से लोग अपनी प्राइवेट बसें चलवाते हैं। उन्हें गुण्डे परेशान करें, उन्हें पुलिस परेशान करे, इनके आर0टी0ओ0 भी उन्हें परेशान करें। वे तब भी फायदे में जाते हैं लेकिन ये घाटे में क्यों जाते है ? हमें बताया जाए ये सरकारी बसें हमेशा घाटे में ही क्यों जाती हैं ? इसके अलावा, मेरे नौगावाँ क्षेत्र में बस डिपो नहीं है, ये कहते हैं कि हमने सब जगह डिपो बनवा दिए हैं। नौगावाँ तहसील स्तर की जगह है लेकिन वहाँ पर बस डिपो नहीं है। वहाँ से पानीपत के लिए कपड़े का बहुत बड़ा कारोबार होता है, वहाँ पर कई बार लूट हो गई है क्योंकि बीच में तीन जगह बस बदलनी पड़ती है। तो मा0 मंत्री जी, मेरा कहना है कि वहाँ के लिए दो बसों की व्यवस्था करा दी जाए, वहाँ से पानीपत के लिए सवारी भर के जाएँगी और अपडाउन करेंगी। इसलिए इस काम को करवाया जाए। मैं मा0 मंत्री जी से अन्त में यह कहना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक बस अड्डा बनवाया जाए क्योंकि आज सब जगह जर्जर बस अड्डे बने हुए है। इसलिए मेरे विधान सभा क्षेत्र में भी एक बस अड्डा बनवाया जाए। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, इन्होंने कुछ पूछा नहीं है, आपको बताया है। इन्होंने कहा कि मेरा यह निवेदन है तो आप उस पर सोच-विचार कर लीजिए। इन्होंने कोई प्रश्न तो किया ही नहीं है।

श्री दयाशंकर सिंह-

मा0 सदस्य, आप बस अड्डे के लिए एक अलग से प्रस्ताव बनाकर दे दीजिए और मैंने 1625 बसों के लिए भी कहा है, 150 बसें चल चुकी हैं।

प्रदेश में संचालित उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत अक्षम लाभार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने विषयक

***12-श्रीमती पिंकी सिंह-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में संचालित उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत कितने लाभार्थियों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए हैं ? क्या सरकार गैस भरवाने में अक्षम लाभार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

''स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन'' की संकल्पना के क्रम में महिलाओं के उत्थान हेतु ''प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना'' के अन्तर्गत प्रदेश में दिनांक 13-02-2023 तक कुल 1,75,02,198 (एक करोड़ पचहत्तर लाख दो हज़ार एक सौ अठानबे) मुफ्त गैस कनेक्शन लाभार्थियों को प्रदान किये गये।

जी हां।

वर्तमान में भारत सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को रु0 235.39 प्रति सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी (आर्थिक सहायता) प्रदान की जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्रीमती पिंकी सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा प्रश्न बहुप्रचारित उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गरीब महिलाओं को मुफ्त में रसोई गैस सिलेण्डर से सम्बन्धित है। यहाँ पर मा0 मंत्री जी का जवाब आता है, उन्होंने एक संख्या दे दी कि 1,75,02,198 कनेक्शन दिए गए। मा0 अध्यक्ष जी, मैं मा0 मंत्री जी से जानना चाहती हूँ क्योंकि उक्त उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गरीब महिलाएँ अपनी बदतर आर्थिक स्थिति के कारण 1100 रुपये का सिलेण्डर पुनः भरवा पाने में अक्षम है। उन्होंने जहाँ से शुरू किया था, वे आज वहीं पर वापस आने को मजबूर हैं। लकड़ी और उपलों के उन्हीं चूल्हों पर वापस आकर आज उन्होंने अपना खाना बनाना शुरू कर दिया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि ऐसे कितने परिवार है, जो उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन लेकर आज दोबारा गैस सिलेण्डर भरवा पाने में अक्षम हैं। मैं जानना

चाहती हूँ कि ऐसे कितने परिवार है ? मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि ऐसी महिलाएँ, ऐसी गृहणियाँ और ऐसे परिवार जो दोबारा गैस सिलेण्डर नहीं भरवा पा रहे हैं तो क्या उनको सरकार कोई आर्थिक सहायता देने के लिए सोचेगी ? या मुफ्त में सिलेण्डर देने का काम करेगी। मेरा तीसरा प्रश्न यह है कि आज जो रु0 235.39 प्रति सिलेण्डर सब्सिडी दी जा रही है तो क्या उस सब्सिडी को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार के पास कोई प्रस्ताव भेजने का काम करेगी ?

श्री लक्ष्मी नारायण-

मा0 अध्यक्ष जी, यह प्रधानमंत्री जी की उज्ज्वला योजना है जिसमें ये मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए। आदरणीय पिंकी यादव जी ने बताया कि रु0 235.39 की सब्सिडी इस पर आज भी दी जाती है।

श्री अध्यक्ष-

सभी मा0 सदस्यगण सुन लें, अगर आप लोगों की बातें बहुत ज्यादा जरूरी हैं तो इधर भी और उधर भी, दोनों तरफ की लॉबियों में भी आपके बैठने की व्यवस्था की गई है। कुछ मा0 सदस्य तो इतना मस्त हैं कि उनको पता ही नहीं है।

यदि मा0 सदस्यों की कोई बहुत ज्यादा जरूरी बात है। इधर के और उधर के मा0 सदस्यों के लिए कह रहा हूँ कि पीछे आपके लिए इसीलिए व्यवस्था की गई हैं। जिनको कह रहे हैं, वह बात करने में इतना मस्त हैं कि उनको पता ही नहीं है। मा0 अजय जी, पीछे मैंने इसीलिए लॉबी अच्छी करायी है कि आप वहाँ जाकर बातचीत कर सकते हैं, कोई जरूरी बात है तो कर लें, लेकिन मा0 मंत्री जी से ज्यादा आवाज यदि सब तरफ से आएगी तो अच्छा नहीं लगेगा मेरी रिकवेस्ट है कि पीछे कॉफी भी पीजिए, बात भी करिए और फिर आ जाइये।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मान्यवर, माननीय सदस्या जी ने यह पूछा था कि कितने परिवार हैं जो अक्षम हैं। इस तरह की बात न तो कहीं आपके सवाल में पूछी गई है और न इसकी कहीं कोई जाँच करायी जाती है और आज तक इस तरह की कोई सूचना विभाग को भी किसी ने नहीं दी कि हमको सब्सिडी पर मुफ्त कनेक्शन दिये गये और अब हम सब्सिडी लेने के बाद भी सिलेण्डर नहीं भरवा पा रहे हैं इस तरह की भी कोई सूचना नहीं है, यदि कोई सूचना आएगी तो उस पर विचार किया जाएगा।

श्रीमती पिंकी सिंह-

मा0 मंत्री जी, आप जिस सूचना की बात कर रहे हैं, पहली बात यदि आप हकीकत में जाकर देखें तो 235 रुपये की सब्सिडी की जगह 221 रुपये दिये जा रहे हैं। दूसरी बात यदि सरकार सूचना लेना चाहेगी और सरकार की मंशा होगी कि ऐसे लोग निकलकर आए

क्योंकि एक बड़ा आंकड़ा आपके द्वारा प्रस्तुत किया गया है कि प्रधानमंत्री योजना के अन्तर्गत इतने करोड़ लोगों को हमने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त कनेक्शन दे दिये हैं पर आज की जमीनी हकीकत यही है कि उज्ज्वला योजना के तहत दिये कनेक्शन आज कहीं न कहीं कबाड़ में बिक रहे हैं, कहीं न कहीं घरों में सजे पड़े हुये हैं लेकिन उसके बावजूद आज गृहणियाँ उस महँगाई के चलते जहाँ 1100/- रुपये का सिलेण्डर हो जाता है लेकिन सब्सिडी वहीं की वहीं रूकी हुई है तो मेरा प्रश्न उसमें साथ साथ यह भी है कि क्या प्रदेश की सरकार केन्द्र की सरकार को उस सब्सिडी को बढ़ाने के लिए कोई प्रस्ताव भेजेगी।

श्री लालजी वर्मा-

मा0, पिंकी जी का स्पेसिफिक प्रश्न है, इसका उत्तर दे दें।

श्री लक्ष्मी नारायण-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 वर्मा जी भी इस पर कुछ कमेंट कर रहे है। मैं वर्मा जी को भी याद दिलाना चाहता हूँ। आदरणीय मोदी जी से पहले इस देश में आपकी और हमारी चिट्ठियों के बावजूद भी 250-250, 300-300 रुपये सिलेण्डर पर ब्लैक लिया जाता था। मोदी जी के आने के बाद मुफ्त सिलेण्डर दिया गया है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि और बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि ''जा के पैर न फटे बिवाई वह क्या जाने पीर पराई'' मोदी जी ही इस कष्ट को जानते थे। वह ऐसे गरीब घर से आये थे तो उन्होंने इसे देने का काम किया क्योंकि धुएं से हमारी माताओं और बहनों की आँखों की रोशनी चली जाती है।

(सदस्य श्री लालजी वर्मा के अपने स्थान पर खड़े होकर बोलने के प्रयास पर)

श्री अध्यक्ष-

एक मिनट उनका उत्तर आ जाए और वह बैठ जाएं। जब तक मंत्री जी खड़े हैं तब तक आपको अवसर नहीं है, उनके बैठ जाने के बाद अवसर है।

(सदस्य जाहीद बेग के अपने स्थान पर खड़े होकर कुछ बोलने के प्रयास पर)

श्री लक्ष्मी नारायण-

मा0 अध्यक्ष जी, स्वामी प्रसाद मौर्या जी के उत्तराधिकारी भी शायद कुछ कहना चाह रहे हैं।

श्री जाहीद बेग-

मा0 अध्यक्ष जी, महिलाओं की पीड़ा ...

श्री अध्यक्ष-

नहीं, नहीं, अरे रुकिये आप महिला हो क्या, जो महिलाओं की पीड़ा पर बोलेंगे। आपके पास महिलायें नहीं हैं, बोलने के लिए।

श्री जाहीद बेग-

मैं महिलाओं की पीड़ा जानता हूँ। मैं महिलाओं का संरक्षक हूँ।

श्री अध्यक्ष-

आप महिला हैं क्या महिलाओं की पीड़ा महिलाओं को बताने दीजिए, आप बैठिये।

श्री जाहीद बेग-

मान्यवर, मैं महिला का पति हूँ, इसलिए संरक्षण चाहता हूँ।

(मेजों की थपथपाहट)

श्री अध्यक्ष-

बैठिये, बैठिये, मुझे लग रहा है कि आप काफी पीड़ित है, बैठ जाइये।

(हँसी)

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, संरक्षण दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

संरक्षण दे रहे हैं, इसीलिए तो बैठाया है, नहीं तो काफी कुछ गड़बड़ हो जाता।

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 पिंकी जी ने एक बहुत ही स्पेसिफिक प्रश्न किया है।

श्री अध्यक्ष-

उसका उत्तर आ गया है।

श्री लालजी वर्मा-

नहीं आया है। आप देख लें यदि उत्तर आया हो तो बता दें। प्रश्न था कि क्या सब्सिडी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार से आग्रह करने का काम करेगी ? इसका उत्तर नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष-

उत्तर आ गया है।

श्री लालजी वर्मा-

हाँ या नहीं, यही तो उत्तर होगा।

श्री अध्यक्ष-

नहीं आया का मतलब समझ लें। कृपया बैठ जाएं।

जनपद लखनऊ सहित प्रदेश के जरदोजी कारीगरों के लिये मासिक पेंशन देने हेतु योजना बनाने विषयक

***श्री अरमान खान-**

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ सहित प्रदेश के जरदोजी कारीगरों का व्यापार चौपट होने से हजारों जरदोजी कारीगर भुखमरी की हालत में जीवन यापन कर रहे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार ने इनके पुनर्वास के लिये कोई योजना बनाई है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार जरदोजी कारीगरों के लिये कोई मासिक पेंशन योजना देने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

श्रम विभाग में इससे सम्बन्धित कोई आँकड़ा उपलब्ध नहीं है।

श्रम विभाग के स्तर से इनके पुनर्वासन की कोई विशिष्ट योजना नहीं बनाई जाती है।

उपरोक्तानुसार।

श्रम विभाग द्वारा कारीगरों के पुनर्वासन के सम्बन्ध में कार्यवाही नहीं की जाती है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं नेशनल पेंशन स्कीम फार ट्रेडर्स एण्ड सेल्फ इम्प्लाइड पर्सन योजना में पंजीकरण कराने एवं निर्धारित शर्तों के तहत रु0 3000/-प्रतिमाह पेंशन देने की योजना है।

श्री अरमान खान-

मा0 अध्यक्ष जी, मुझे अवसर देने के लिए आपका हृदय से आभार। सदन में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों को भी मेरा अभिवादन। मा0 अध्यक्ष महोदय, मैंने मा0 मंत्री जी से प्रदेश के जरदोजी कारीगरों के सम्बन्ध में उनके पुनर्वास, पेंशन आदि से सम्बन्धित प्रश्न किया था। वह प्रश्न जो सिर्फ इस प्रदेश की राजधानी लखनऊ ही नहीं, वरन् परम आदरणीय प्रधानमंत्री जी के निर्वाचन क्षेत्र बनारस में रहने वाले उन हजारों कारीगरों से सम्बन्धित है, जो आज भुखमरी की हालत में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मान्यवर, इस संबंध में माननीय मंत्री जी का जो उत्तर आया है, उससे मैं संतुष्ट नहीं हूँ चूंकि मंत्री जी ने कहा है कि उनके विभाग के पास जरदोजी कारीगरों से सम्बन्धित कोई आँकड़ा उपलब्ध ही नहीं है। मैं आपके माध्यम से, कविता के माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष-

आप कविता नहीं करिए, प्रश्न पूछिए।

श्री अरमान खान-

माननीय मंत्री से यह पूछना चाहूंगा कि साहब ओ साहब कभी खेती करते देखा है, किसानों को नहीं बुनकरों को, खेतों में नहीं कपड़ों में, बुनकर जो बनाता है धागा, बुनकर जो

बनाता है, अपने दिमाग की माप, जिसमें धागे निकलते हैं मस्तिष्क के, जो गास बन जाती है, हमारी सभ्यता और संस्कृति में। बुनकर जो बनाता है रंग।

श्री अध्यक्ष-

अरमान खान साहब, प्रश्न करिए।

श्री अरमान खान-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं प्रश्न पर ही आ रहा हूँ। बुनकर जो बनाता है, साड़ी पर नक्काशी जैसे दुल्हन के पाँव में रची होती है, मेहन्दी। साहब ओ साहब कभी खेती करते देखा है, इन बुनकरों को। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जैसे बुनकर समाज का रजिस्ट्रेशन श्रम विभाग में होता है, वैसे ही क्या जरदोजी श्रमिक कारीगरों के लिए श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन कराने की कोई विशेष योजना सरकार लायेगी ? ताकि उनका आँकड़ा आपके पास, सरकार के पास उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त क्या माननीय मंत्री जी बताने का कष्ट करेंगे कि सरकार कारीगरों के लिए, उनके पुनर्वास के लिए क्या इन्हें सूक्ष्म एवं लघु उद्योग की श्रेणी में मान्यता देगी ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ यह उठा सकें। इसके अलावा क्या माननीय मंत्री जी यह बताने का कष्ट करेंगे और जो सरकार की नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है कि भुखमरी की कगार पर पहुँचे इन जरदोजी कारीगरों के पुनर्वास और इनके उचित पुनर्वास होने तक इन्हें और इनके परिवार की जीविका चलाने के लिए क्या इन्हें पेन्शन सुविधा दी जायेगी ? धन्यवाद।

श्री अनिल राजभर-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य का बहुत अच्छा सवाल है। मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि सरकार की पूरी तरह से जिम्मेदारी है और यह सिर्फ लखनऊ में ही नहीं, आपने अभी चर्चा की हमारे बनारस में भी हमारे बुनकर और हमारे जरदोजी के बहुत हुनरमन्द लोग इस क्षेत्र में काम करते है। में श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी का बड़ा अभिनंदन करना चाहता हूँ कि हमारे बनारस में एक पी0एफ0सी0 सेण्टर की स्थापना दिल्ली की सरकार ने की है। वह सिर्फ और सिर्फ हमारे जो कारीगर हैं, जरदोजी के कारीगर हैं, हमारे जो बुनकर हैं, उनको अवसर देने के लिए कि उनको बाजार उपलब्ध हो सके, उनका हुनर और निखर सके, उनकी बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सके, इस बात के लिए विश्व स्तरीय पी0एफ0सी0 सेण्टर को बनाने का काम दिल्ली की सरकार ने किया है। मैं स्वागत करना चाहता हूँ और माननीय सदस्य को मैं एक चीज और बताना चाहता हूँ।

(किसी सदस्य के टोका-टाकी करने पर)

आप माननीय सदस्य चिन्ता न करें। कभी-कभी लोग समझते हैं कि इस क्षेत्र में सिर्फ एक वर्ग के लोग काम करते हैं लेकिन आप बनारस चलिए मैं दिखाऊँ कि घर-घर में किस तरह से हमारे हिन्दू समाज के लोग भी, मुसलमान समाज के लोग भी, हर वर्ग के लोग इस

क्षेत्र में अपना काम कर रहे हैं और अपने बच्चों का, अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे है। मैं अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूँ, यह सूचना देना चाहता हूँ कि जो सरकार ने फैसला किया है। हमारे यहां हस्तशिल्प प्रादेशिक पुरस्कार योजना उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार चला रही है। हमारे यहां हस्तशिल्पियों के कौशल को निखारने के लिए उनको समय-समय पर प्रशिक्षित करने की भी योजना सरकार चला रही है। दूसरा, जो हमारे ऐसे हुनरमंद लोग हैं, खासतौर से जरदोजी के क्षेत्र में, दुनिया में बहुत डिमाण्ड है उनकी कला की, वह जो काम करते हैं उनके निर्यात की भी व्यवस्था है।

हम सिर्फ देश और प्रदेश में ही उनके लिए बाजार उपलब्ध नहीं करा रहे बल्कि दुनिया में भी हम उनको बाजार देने का काम कर रहे हैं। जरदोजी और बुनकर समाज के जो हमारे लोग हैं, जो बुनकरी काम करते हैं उनको निर्यात में भारी छूट देकर सरकार मदद पहुंचाने का काम कर रही है। हस्तशिल्प विपणन प्रोत्साहन योजना सरकार अलग से भी चला रही है। आपका जो सवाल है हम उस पर भी आना चाहते हैं। माननीय सदस्य ने पूछा कि क्या कोई पेन्शन की योजना सरकार की है तो हम बताना चाहते हैं कि पेन्शन की योजना है। हर पेन्शन का एक मानक निर्धारित है। मुख्य मंत्री हस्तशिल्प पेन्शन योजना सरकार चलाती है। जो हमारे जरदोजी और बुनकर समाज के लोग हैं उनको 500 रुपया प्रतिमाह पेन्शन की व्यवस्था का एक मानक निर्धारित है उस मानक की सीमा में अगर हमारे जरदोजी और बुनकर भाई आ रहे हैं तो हम उनको पेन्शन देते हैं। हम दिल्ली सरकार का स्वागत करना चाहते हैं, जैसे भारत की सरकार अटल पेन्शन योजना लेकर आयी उसी तर्ज पर हमारे बुनकर और जरदोजी भाईयों के लिए सरकार योजना लायी है। हमारे बुनकर साथी थोड़ा अंशदान करके इस योजना का लाभ अगर उठाना चाहें तो भारत सरकार ने एक पेन्शन योजना चालू की है कि 60 वर्ष के बाद उनको रु0 3000 प्रतिमाह पेन्शन की व्यवस्था भारत सरकार करने जा रही है। मैं आपको एक जानकारी देना चाहता हूं कि सरकार की प्राथमिकता है वन डिस्ट्रिक वन प्रोडेक्ट जिसकी चर्चा आज पूरे देश और दुनिया में हो रही है। इस योजना का अगर सबसे ज्यादा किसी को लाभ है तो मैं समझता हूं कि जहां पर भी हमारे ऐसे जरदोजी के कारीगर और बुनकर समाज के लोग हैं, सबसे ज्यादा लाभ उनको मिल रहा है, तो आपको इस योजना का स्वागत करना चाहिए। जावेद भाई आपके भदोही के कारीगरों को भी लाभ मिल रहा है। जो हमारी रीढ़ रही है, जो हमारी पुरानी परम्पराएं रही हैं, जो हमारी संस्कृतिक रही है, आज उस पर बल देने का काम भी उत्तर प्रदेश की सरकार कर रही है।

प्रदेश के प्रत्येक कारागारों में बैरकों की क्षमता वृद्धि करने एवं अन्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने विषयक

***14-श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी -**

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के प्रत्येक कारागारों के अलग-अलग जेल बैरकों में कैदियों को रखने की क्षमता कितनी है ? क्या सरकार के संज्ञान में

है कि वर्तमान में प्रदेश के सभी जेल बैरकों में क्षमता से अधिक कैदी है ? यदि हां, तो क्या सरकार बैरकों की क्षमता वृद्धि एवं अन्य सुविधाओं हेतु कार्य योजना बनायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

दिनांक 31-01-2023 की स्थिति के अनुसार प्रदेश के कारागारों की कुल बंदी क्षमता 64223 है, जिसका कारागारवार विवरण संलग्न† है।

जी हाँ।

प्रदेश की कारागारों में ओवर क्राउडिंग कम किये जाने हेतु धनराशि की उपलब्धता के अनुसार कारागारों में अतिरिक्त बैरकों एवं नवीन कारागारों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश के सभी जनपदों के कारागार में क्षमता से कई गुना ज्यादा कैदी बंद है और उनके साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है, उनके रहने की व्यवस्था नहीं है, उन्हें सुविधाएं नहीं है। मान्यवर, जहां तक हमारी जानकारी में है जनपद बस्ती में 600 कैदी के अगेंस्ट 1100 कैदी बंद हैं, मुरादाबाद में 600 कैदी के अगेंस्ट 3200 कैदी बंद है। एक कैदी के रहने की क्षमता के स्थान पर 6-7 लोग बंद हैं। उनके रहने की व्यवस्था नहीं है, खाने की समुचित व्यवस्था नहीं है, उनको सुविधाएं नहीं हैं। उनके साथ जो अमानवीय व्यवहार हो रहा है उसको दूर करने के लिए सरकार कोई कार्रवाई करेगी, मैं इस सम्बन्ध में जानना चाह रहा था। मान्यवर, मेरा संक्षेप में क्वेश्चन है कि क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि क्षमता से अधिक बंद कैदियों को रहने के लिए मानक के अनुरूप भवन कब तक बनायेंगे और वर्तमान में जो कैदी बंद हैं उनके साथ जो अमानवीय व्यवहार हो रहा है वह परेशानियों में हैं उनकी परेशानियों को कब तक दूर करने का काम सरकार करेगी।

श्री धर्मवीर प्रजापति-

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह बात सही है कि कारागारों में बंदियों की संख्या ज्यादा है। यह बात हम मानते हैं और रही बात बैरकों में क्षमता बढ़ाने की क्या व्यवस्था है तो उसके सम्बन्ध में मैं बताना चाहूंगा कि प्रदेश के 75 जिलों में कुल 64,223 बंदियों की क्षमता है। ओवर क्राउंडिंग के निवारण हेतु श्रावस्ती में 502 एवं प्रयागराज में 2688 बंदी क्षमता का कारागार निर्माणाधीन है। पुरानी 03 कारागारों क्रमशः जिला कारागार गोरखपुर 30 क्षमता की 01 नग बैरक, केन्द्रीय कारागार वाराणसी में 30 क्षमता की 7 नग बैरक तथा जिला कारागार मथुरा की 30 क्षमता की 4 नग

---

† देखिय नत्थी (क) आगे प्रष्ठ संख्या 370-371 पर।

बैरक निर्माणाधीन है। जिसे 31-03-2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य हमने रखा है। इसके निर्माण होने से कुल 3,550 बंदियों की क्षमता का सृजन होगा।

श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी-

मान्यवर, इन्होंने दिया है कि वर्तमान में बंदी क्षमता लगभग 64 हजार है, उसके अगेंस्ट में 1 लाख 14 हजार बन्दी उनमें रह रहे हैं, आपने जो उत्तर दिया है। पाँच साल के बाद भी क्षमता के अनुरूप अब भी नहीं बना पा रहे हैं।

श्री धर्मवीर प्रजापति-

मान्यवर, आप पहले पूरा उत्तर सुन लीजिए। 30 क्षमता की 23 नग बैरक तथा 12 क्षमता की 3 नग, उच्च सुरक्षा बैरक का निर्माण प्रस्तावित है।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद, बैठ जाइये।

प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग में संयुक्त आयुक्त, खाद्य, उपायुक्त, खाद्य, जिलापूर्ति अधिकारी ग्रेड (I), जिलापूर्ति अधिकारी ग्रेड (II), क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक एवं पूर्ति लिपिक के स्वीकृत पद तथा रिक्त पदों का विवरण

***15-श्री राजेन्द्र कुमार-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग में संयुक्त आयुक्त, खाद्य, उपायुक्त, खाद्य, जिलापूर्ति अधिकारी ग्रेड (I), जिलापूर्ति अधिकारी ग्रेड (II), क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक एवं पूर्ति लिपिक के कुल कितने पद स्वीकृत हैं तथा उक्त के सापेक्ष वर्तमान में कितने पर रिक्त हैं ? क्या सरकार उक्त पदों का विवरण देगी ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि मुख्य सचिव शासन के पत्र संख्या-3/2022/135/क-1-2022, 13(1)/2022, दिनांक 20-04-2022 के क्रम में दिनांक 30 सितम्बर, 2022 तक कितनी पदोन्नतियाँ की गयी हैं ? क्या प्रत्येक पदों का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश में खाद्य एवं रसद विभाग में संयुक्त आयुक्त, खाद्य, उपायुक्त, खाद्य, जिलापूर्ति अधिकारी ग्रेड (I), जिला पूर्ति अधिकारी ग्रेड (II), क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक एवं पूर्ति लिपिक के कुल स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण निम्नवत् है :-

क्र0-सं0	पदनाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	संयुक्त आयुक्त (खाद्य)	05	05	0

क्र0-सं0	पदनाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
2	उपायुक्त (खाद्य)	16	07	09
3	जिला पूर्ति अधिकारी ग्रेड (I)	29	17	12
4	जिला पूर्ति अधिकारी ग्रेड (II)	46	35	11
5	क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी	250	213	37
6	पूर्ति निरीक्षक	757	431	326
7	पूर्ति लिपिक	1205	844	361

उपरोक्तानुसार।

कोई पदोन्नति नहीं की गयी है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में रोडवेज बसों के आवागमन हेतु स्थापित बस स्टैण्डों को अत्याधुनिक बनाये जाने विषयक

***16-श्री जय प्रकाश अंचल-**

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में रोडवेज बसों के आवागमन हेतु स्थापित बस स्टैण्डों को अत्याधुनिक बस स्टैण्ड बनाये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

प्रदेश के 16 जनपदों में परिवहन निगम के 23 बस स्टेशनों को पी0पी0पी0 मॉडल पर अत्याधुनिक बनाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में मजदूरों को वर्ष भर रोजगार तथा न्यूनतम मजदूरी दिलाने की कोई योजना विषयक

***17-श्री मनोज कुमार पारस-**

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में मजदूरों को वर्ष भर रोजगार देने की कोई व्यवस्था एवं न्यूनतम मजदूरी दिलाने की कोई योजना सरकार बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

प्रदेश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के मजदूरों को वर्षभर रोजगार देने की कोई योजना श्रम विभाग में संचालित नहीं है।

क्षेत्रीय अपर/उप श्रम आयुक्तों के माध्यम से उनके क्षेत्रान्तर्गत स्थित कारखानों/दुकानों व अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में नियोजित/कार्यरत श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी दिलाने हेतु न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत कार्यवाही की जाती है। किसी श्रमिक को न्यूनतम मजदूरी से कम मजदूरी दिये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश की अनुमति से उस नियोजक/प्रतिष्ठान के विरुद्ध निरीक्षण कार्यवाही सम्पादित की जाती है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रदेश में निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम देने पर नियोक्ता के खिलाफ कार्रवाई का विवरण

***18-श्री महबूब अली-**

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में न्यूनतम मजदूरी दर कितनी है तथा इसे अंतिम बार कब बढ़ाया गया था ? क्या सरकार बतायेगी कि निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम देने पर नियोक्ता के खिलाफ कार्यवाही की जाती है ? यदि हां, तो क्या तथा विगत तीन वर्षों में कितने नियोक्ताओं पर उक्त प्रकरण में क्या कार्यवाही की गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

प्रदेश के विभिन्न नियोजनों में नियोजित विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों को निम्नवत् न्यूनतम मजदूरी दर निधारित है :-

क्र0स0	श्रेणी	प्रतिमाह मूल मजदूरी रुपये में
1	अकुशल	5750
2	अर्धकुशल	6325
3	कुशल	7085

न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत अधिसूचना दिनांक 28-01-2014 द्वारा अंतिम बार न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण/पुनरीक्षण किया गया है।

वर्तमान में देय न्यूनतम मजदूरी पर अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर दिनांक 31-03-2023 तक निम्नवत् मजदूरी दर निर्धारित है :-

क्र0-स0	श्रेणी	प्रतिमाह मूल मजदूरी रुपये में	दिनांक 01-10-2022 से दिनांक 31-03-2023 तक परिवर्तनीय महंगाई भत्ता रु0 में	कुल मजदूरी प्रतिमाह रुपये में
1	अकुशल	5750	3993	9743
2	अर्धकुशल	6325	4392	10717
3	कुशल	7085	4920	12005

जी हाँ।

नियोक्ताओं पर विगत तीन वर्षों में निम्न कार्यवाही की गयी :-

वर्ष	निरीक्षण की संख्या	दायर निर्देशवाद	दायर अभियोजन
2020-21	243	169	155
2021-22	222	115	128
2022-23	1396	363	273

जी हाँ।

प्रश्न ही नहीं उठता।

***19-डॉ0 पल्लवी पटेल-**

[अस्पष्टता के आधार पर निरस्त]

प्रदेश में कतिपय क्षेत्रों में जहाँ विद्युतीकरण नहीं हुआ है, घरों में रोशनी के लिये चिराग जलाने हेतु सीमित मात्रा में मिट्टी के तेल की उपलब्धता कराये जाने विषयक

***20-श्री जवाहर लाल राजपूत-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कतिपय क्षेत्रों में जहाँ विद्युतीकरण नहीं हुआ है, के क्षेत्रों के लोगों के लिए घरों में रोशनी के लिये चिराग जलाने हेतु सीमित मात्रा में मिट्टी के तेल की उपलब्धता सरकार सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत मिट्टी के तेल का उपयोग मात्र भोजन पकाने तथा प्रकाश हेतु किया जाना होता है। भारत सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत प्रदेश में निःशुल्क एल0पी0जी0 कनेक्शन की सुविधा 1.75 करोड़ लाभार्थियों को प्रदान की गयी है। प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विद्युतीकरण व्यापक रूप से हुआ है।

समस्त जिलाधिकारीगण, उत्तर प्रदेश द्वारा यह अवगत कराया गया है कि प्रदेश के राशनकार्ड धारकों के पास व्यापक रूप से एल0पी0जी0 कनेक्शन तथा विद्युत कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध होने के कारण मिट्टी के तेल की आवश्यकता नगण्य है।

उक्त के अतिरिक्त अत्यन्त अल्प मात्रा में मिट्टी के तेल का वितरण आधारभूत संरचना के अभाव तथा उठान व भण्डारण व्यावहारिक न होने के कारण सम्भव नहीं है।

अतारंकित प्रश्न

प्रदेश में विभिन्न राजमार्गों पर संचालित अनाधिकृत डग्गामार बसों का संचालन बन्द कराने विषयक

1-श्री पंकज कुमार मलिक-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विभिन्न राजमार्गों पर संचालित अनाधिकृत डग्गामार बसों का संचालन सरकार बन्द करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

डग्गामार शब्द केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम/नियमावली में प्रयुक्त नहीं है। प्रदेश में विभिन्न राजमार्गों पर बसों के अनाधिकृत संचालन के विरुद्ध सरकार द्वारा नियमित कार्यवाही की जाती है।

अनाधिकृत संचालन के विरुद्ध प्रदेश के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से प्रवर्तन की कार्यवाही की जाती है तथा समय-समय पर विशेष चेकिंग अभियान भी चलाये जाते हैं।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिनांक 01-04-2022 से 03-04-2022 तक सम्भाग मेरठ व गाजियाबाद में अनाधिकृत रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया था, उक्त अभियान में 463 वाहनों को चेक, 176 वाहनों का चालान, 47 वाहनों को बन्द तथा रु0 6.59 लाख प्रशमन शुल्क व रु0 4.94 लाख कर वसूल किया गया। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिनांक 10-05-2022 से 17-05-2022 तक प्रदेश में अनाधिकृत संचालित बसों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया था, उक्त अभियान में 8554 वाहनों को चेक, 2486 वाहनों का चालान, 513 वाहनों को बन्द तथा रु0 60.03 लाख प्रशमन शुल्क वसूल किया गया। उत्तर प्रदेश से गुजरने वाले विभिन्न राजमार्गों पर की गयी कार्यवाही की सूचना निम्नवत् है :-

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे प्रथम टोल प्लाजा, लखनऊ सम्भाग-570 वाहन चेक, 231 वाहनों का चालान, 59 वाहन बन्द, रु0 11.27 लाख प्रशमन शुल्क।

मोहम्मदपुर स्थित पुलिस चौकी के समीप बाराबंकी, अयोध्या सम्भाग-591 वाहन चेक, 253 वाहनों का चालान, 42 वाहन बन्द, रु0 5.96 लाख प्रशमन शुल्क।

मड़वा नगर टोल प्लाजा, बस्ती व तिलौली टोल प्लाजा, सिद्धार्थनगर, बस्ती सम्भाग-495 वाहन चेक, 163 वाहनों का चालान, 5 वाहन बन्द, कोई भी प्रशमन शुल्क वसूल नहीं किया गया।

बाराजोड़ टोल प्लाजा, कानपुर देहात कानपुर सम्भाग-610 वाहन चेक, 110 वाहनों का चालान, 17 वाहन बन्द, रु0 2.56 लाख प्रशमन शुल्क।

हण्डिया टोल प्लाजा, प्रयागराज सम्भाग-746 वाहन चेक, 223 वाहनों का चालान, 24 वाहन बन्द, कोई भी प्रशमन शुल्क वसूल नहीं किया गया।

बांदा सम्भाग-204 वाहन चेक, 110 वाहनों का चालान, 26 वाहन बन्द, रु0 4.66 लाख प्रशमन शुल्क।

नैनीताल चौराहा, बरेली सम्भाग-272 वाहन चेक, 67 वाहनों का चालान, 30 वाहन बन्द, रु0 2.97 लाख प्रशमन शुल्क।

दलपतपुर टोल प्लाजा, मुरादाबाद सम्भाग-550 वाहन चेक, 175 वाहनों का चालान, 59 वाहन बन्द, रु0 7.84 लाख प्रशमन शुल्क।

डॉफी टोल प्लाजा, वाराणसी सम्भाग-190 वाहन चेक, 54 वाहनों का चालान, 4 वाहन बन्द, रु0 0.25 लाख प्रशमन शुल्क।

सहजनवा थाना जनपद गोरखपुर, गोरखपुर सम्भाग-852 वाहन चेक, 134 वाहनों का चालान, 23 वाहन बन्द, रु0 3.85 लाख प्रशमन शुल्क।

दिल्ली-मेरठ मार्ग एवं मवाना-हस्तिनापुर मार्ग व पैरीफेरल एक्सप्रेस-वे बागपत, मेरठ सम्भाग-321 वाहन चेक, 55 वाहनों का चालान, 10 वाहन बन्द, रु0 2.08 लाख प्रशमन शुल्क।

गढ़मुक्तेश्वर के समीप हापुड़, कौशाम्बी-लालकुंआ-बुलन्दशहर मार्ग एवं कौशाम्बी-माहननगर-मेरठ मार्ग, गाजियाबाद, कौशाम्बी-लालकुंआ-बुलन्दशहर सम्भाग-1533 वाहन चेक, 477 वाहनों का चालान, 162 वाहन बन्द, रु0 12.28 लाख प्रशमन शुल्क।

सहारनपुर सम्भाग-473 वाहन चेक, 139 वाहनों का चालान, 17 वाहन बन्द, रु0 2.41 लाख प्रशमन शुल्क।

सैंया टोल प्लाजा आगरा सम्भाग-549 वाहन चेक, 148 वाहनों का चालान, 18 वाहन बन्द, रु0 1.37 लाख प्रशमन शुल्क।

अलीगढ़ सम्भाग-375 वाहन चेक, 30 वाहनों का चालान 10 वाहन बन्द, रु0 1.75 लाख प्रशमन शुल्क।

आटा टोल प्लाजा, जालौन, झांसी सम्भाग-223 वाहन चेक, 117 वाहनों का चालान, 07 वाहन बन्द, रु0 0.78 लाख प्रशमन शुल्क।

वित्तीय वर्ष 2022-23 (दिनांक 01-04-2022 से 31-01-2023 तक) में अनाधिकृत रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुये कुल 40186 वाहनों का

चालान, 16700 वाहनों को बंद किया गया तथा धनराशि रु0 3595.75 लाख प्रशमन शुल्क के रूप में वसूल किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत कतिपय मार्गों पर परिवहन बस का संचालन कराने विषयक

2-श्री चंदन चौहान-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत मुजफ्फरनगर वाया जटमुझेड़ा से बसेडा तक तथा मुजफ्फरनगर से मोरना वाया भोकारहेड़ी वाया मजलिसपुर तौफिर तक परिवहन बस का संचालन न होने के कारण क्षेत्रीय जनता को आवागमन में असुविधा होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार मुजफ्फरनगर से जटमुझेड़ा वाया वसेड़ा तक तथा मुजफ्फरनगर से मोरना वाया भोकारहेड़ी वाया मजलिसपुर तौफिर तक परिवहन बस का संचालन करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

मुजफ्फरनगर से वाया जटमुझेडा से बसेड़ा मार्ग की सड़क बड़ी बसों के संचालन योग्य नहीं है। मार्ग अत्यन्त संकरा व तीव्र मोड़ वाला है। इस कारण से परिवहन निगम की बसों के संचालन में कठिनाई है।

मुजफ्फरनगर से वाया मोरना, भोकारहेड़ी, मजलिसपुर तौफिर मार्ग के भोकारहेडी वाया मोरना-मुजफ्फरनगर तक के मार्गांश पर निगम बस व निजी बसों का निरंतर संचालन हो रहा हैं। भोकारहेडी से मजलिसपुर तौफिर तक के मार्गांश पर यात्रियों की अनुपलब्धता के कारण निगम बसों के संचालन में कठिनाई है।

मुजफ्फरनगर से वाया जटमुझेड़ा से बसेडा तक मार्ग अत्यन्त संकरा व तीव्र मोड़ वाला मार्ग होने के कारण बड़ी बसों का संचालन संभव नहीं है। वर्तमान में इस मार्ग पर न तो निजी बसों का और न ही निगम की बसों का संचालन हो रहा है।

मुजफ्फरनगर से वाया मोरना, भोकारहेड़ी, मजलिसपुर तौफिर मार्ग के भोकारहेड़ी वाया मोरना-मुजफ्फरनगर तक के मार्गांश पर निगम बस व निजी बसों का निरन्तर संचालन हो रहा है। भोकारहेड़ी से मजलिसपुर तौफिर तक के मार्गांश पर यात्रियों की अनुपलब्धता के कारण निगम बसों का संचालन सम्भव नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत खतौली वाया राजपुरकलां-तिलोरा-तिसन-मनफोड़ा-सोजनी-नुन्नीखेड़ा-घाटायन तक मुख्य सड़क मार्ग पर परिवहन बसों का संचालन कराने विषयक

3-श्री चंदन चौहान-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत खतौली वाया राजपुरकलां-तिलोरा-तिसन-मनफोड़ा-सोजनी-नुन्नीखेड़ा घाटायन तक मुख्य सड़क मार्ग पर परिवहन बसों का संचालन न होने के कारण क्षेत्रीय जनता को आवागमन में परेशानी होती है ? यदि हां, क्या सरकार उक्त सड़क मार्ग पर परिवहन बसों का संचालन करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी नहीं।

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत खतौली वाया राजपुरकलां-तिलोरा-तिसन-मनफोड़ा-सोजनी-नुन्नीखेड़ा-घाटायन तक मुख्य सड़क मार्ग पर निजी बसें प्रातः 7:15 बजे से सायं 18:00 बजे तक 40 मिनट के अन्तराल पर संचालित है।

उ0प्र0 परिवहन निगम की एक सेवा खतौली से घाटायन (नुन्नीखेड़ा) तक वाया खेड़ी कुरेश, मीरापुर, दलपत, तिसंग, मनफोड़ा, सोजनी मार्ग पर संचालित है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड एवं निर्माण श्रमिक योजनाओं के अन्तर्गत लाभ प्रदान कराने के सम्बन्ध में

4-श्री मनीष असीजा-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड एवं निर्माण श्रमिक योजनाओं के अन्तर्गत लाभ प्रदान किये जाने हेतु दिनांक 22-12-2022 तक मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह अनुदान सहायता योजना एवं निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता एवं अक्षमता पेंशन योजना में कितने पात्र आवेदन लम्बित हैं ? क्या सरकार उक्त आवेदनों को विलम्बित किये जाने के जिम्मेदार अधिकारियों/कर्मचारियों की जिम्मेवारी सुनिश्चित कराते हुये पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

दिनांक 22-12-2022 तक मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत कुल 76,719, कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत कुल 31,560 एवं मृत्यु, विकलांगता एवं अक्षमता पेंशन योजना के अन्तर्गत कुल 3,714 अनुशंसित एवं स्वीकृत आवेदन भुगतान हेतु लम्बित हैं।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं में हितलाभ वितरण एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें आवेदनों की जाँच, अनुशंसा, स्वीकृति एवं भुगतान की प्रक्रिया सम्मिलित है।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा सिंगल नोडल एकाउण्ट की व्यवस्था को वित्तीय वर्ष 2022-23 से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके अन्तर्गत स्वीकृति एवं भुगतान की कार्यवाही एक साथ की जानी है। नयी भुगतान प्रणाली अपनाये जाने हेतु तकनीकी प्राविधान किये जाने के कारण भुगतान में विलम्ब हुआ है। प्रक्रियागत कारणों से हुए विलम्ब हेतु किसी अधिकारी/कर्मचारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाना अपेक्षित नहीं है। बोर्ड द्वारा स्वीकृत समस्त आवेदनों के सापेक्ष हितलाभ प्रदान किया जाता है।

विभिन्न जनपदीय कार्यालयों द्वारा समस्त प्राविधानों को पूर्ण कर यथासमय भुगतान की कार्यवाही की जाती है, जिस कारण भुगतान कब तक होगा, इसका आगणन नहीं किया जा सकता है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय मार्गों पर परिवहन बस का संचालन शुरू कराने के सम्बन्ध में

5-श्री संदीप सिंह-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत दीघिया से रामनगर बाज़ार होते हुए सिरसा बाज़ार से प्रयागराज तथा मांडा रोड चौराहे से दीघिया होते हुए मेजा रोड से प्रयागराज के लिए कोई भी परिवहन बस/सिटी बस का संचालन न होने से जनमानस को डग्गामार वाहनों से प्रयागराज जाना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार मांडा रोड चौराहे से दीघिया से रामनगर होते हुए तथा मांडा रोड चौराहे से दीघिया से मेजा रोड होते हुए प्रयागराज तक परिवहन बस का संचालन शुरू कराएगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद प्रयागराज के प्रयागराज-मिर्जापुर मुख्य मार्ग पर दीघिया नामक स्थान 52 किमी0 दूर स्थित है। दीघिया से 12 किमी0 दूर ग्रामीण मार्ग पर रामनगर तथा रामनगर से सिरसा बाजार 03 किमी0 दूर स्थित है।

जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत दीघिया से रामनगर बाजार होते हुए सिरसा बाजार से प्रयागराज तक परिवहन निगम की कोई बस संचालित नहीं है।

प्रयागराज से मिर्जापुर मुख्य मार्ग पर ऊरवा नामक स्थान से मोनाई हेतु एक बस सायं 06:30 बजे प्रस्थान करती है तथा सुबह मोनाई से 07:00 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज आती है, जो सिरसा बाजार से दीघिया जाने वाले मार्ग पर स्थित ऊँचडीह नामक स्थान पहुँचती है, जहाँ से रामनगर 04 किमी0 तथा सिरसा बाजार 07 किमी0 दूर स्थित है।

प्रयागराज से मिर्जापुर की तरफ जाने वाली समस्त बसें दीघिया होकर प्रस्थान करती हैं।

मिर्जापुर डिपो की 01 बस सुबह 07:00 बजे सिरसा बाजार से रामनगर-दीघिया होते हुए मिर्जापुर के लिये प्रस्थान करती है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कौशाम्बी के राष्ट्रीय राजमार्ग 2 सैनी बस स्टॉप से विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन हेतु सरकारी बसों के संचालन व कौशाम्बी डिपो मंझनपुर से इलेक्ट्रिक बसों को संचालित किए जाने विषयक

6-डा0 पल्लवी पटेल-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र जो दिनांक 11-11-2022 जो जनपद कौशाम्बी के राष्ट्रीय राजमार्ग 2 सैनी बस स्टॉप से विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन हेतु सरकारी बसों के संचालन व कौशाम्बी डिपो मंझनपुर से इलेक्ट्रिक बसों को संचालित किए जाने विषयक उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

संदर्भित पत्र दिनांक 11-11-2022 अप्राप्त है।

कार्यवाही पत्र प्राप्ति पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में बस अड्डा (डिपो) के जर्जर भवन का जीर्णोद्धार कराने विषयक

7-श्री पंकज कुमार पटेल-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 07-09-2022 जो कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में बस अड्डा (डिपो) का जर्जर

भवन का जीर्णोद्धार तथा नवीनीकरण/उच्चीकरण तथा सौन्दर्यीकरण विषयक उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी हाँ।

बस स्टेशन मुंगराबादशाहपुर के उच्चीकरण एवं सौन्दर्यीकरण हेतु परिवहन निगम द्वारा बस स्टेशन का निरीक्षण कर सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रबन्धक से प्रस्ताव/आगणन मांगा गया है। जिसे प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रेतर आवश्यक कार्यवाही की जानी है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर में तहसील मुख्यालय हाटा से गोरखपुर नगरीय बस सेवा प्रारम्भ कराने की मांग

8-श्री मोहन वर्मा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर में छात्रों, दुकानदारों, व्यापारियों, यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए तहसील मुख्यालय हाटा से गोरखपुर नगरीय बस सेवा प्रारम्भ करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

तहसील मुख्यालय, हाटा जनपद कुशीनगर से गोरखपुर के लिये काफी संख्या में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की अनुबंधित बसें संचालित हैं।

वर्तमान में सिटी बस का संचालन उ0प्र0 परिवहन निगम द्वारा नहीं कराया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में वर्तमान समय में श्रम एवं सेवायोजन कार्यालयों में पंजीकृत शिक्षित बेरोजगार महिलाओं/लड़कियों को सेवायोजित करने तथा बेरोजगार महिलाओं को पृथक से बेरोजगारी भत्ता दिलाने विषयक

9-श्रीमती पूजा पाल-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वर्तमान समय में श्रम एवं सेवायोजन कार्यालयों में शिक्षित बेरोजगार पंजीकृत महिलाओं/लड़कियों में से कितने को सेवायोजित कर दिया गया है ? क्या सरकार बेरोजगार महिलाओं को पृथक से बेरोजगारी भत्ता देने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा कार्यालय परिसर/परिसर के बाहर यथा आवश्यक चयनित स्थान में रोजगार मेलों के आयोजन किये जाते हैं, इन मेलों में निजी क्षेत्र के नियोजकों

द्वारा अधिसूचित रिक्तियों के सापेक्ष रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है एवं उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

19 मार्च, 2017 से 14 फरवरी, 2023 तक सेवायोजन पोर्टल sewayojan.up.nic.in पर पंजीकृत महिलाओं की संख्या 6,97,157 है। प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से वर्ष 2017-18 से 31 जनवरी, 2022 तक 42,279 महिलाओं को रोजगार का अवसर प्रदान कराया गया है।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

10-श्री अभय सिंह-

[05-बुधवार के अतारांकित प्र0सं0-02 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र ललितपुर क्षेत्रान्तर्गत श्रम विभाग द्वारा वर्ष 2017 से 18-10-2022 तक रोजगार सृजन का वर्षवार विवरण

11-श्री रामरतन कुशवाहा-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र ललितपुर क्षेत्रान्तर्गत श्रम विभाग द्वारा वर्ष 2017 से 18-10-2022 तक कितनी मात्रा में रोजगार सृजित किया गया है ? क्या सरकार उक्त का वर्षवार विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा जॉबसीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। इस हेतु सेवायोजन विभाग के पोर्टल sewayojan.up.nic.in में जॉबसीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) एवं नियोजकों को ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है।

सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन कर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने का कार्य किया जाता है। ललितपुर के अन्तर्गत वि0स0 ललितपुर की प्रगति रिपोर्ट :

विधान सभा	वर्ष	आयोजित रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
ललितपुर	2017	08	252
	2018	09	535
	2019	15	2052

विधान सभा	वर्ष	आयोजित रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
	2020	17	1958
	2021	15	1009
	2022 (अक्टूबर तक)	12	1337

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

12-[प्रश्न हटाया गया]

उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल पर अंसगठित क्षेत्र के शेष लगभग 7.29 करोड़ श्रमिकों को दुर्घटना बीमा कवर प्रदान कराने हेतु

13-श्री मनीष असीजा-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल पर अंसगठित क्षेत्र के कुल कितने श्रमिक पंजीकृत हैं ? क्या सरकार बतायेगी कि दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत्यु होने की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल पर पंजीकृत 1 करोड़ श्रमिकों को अधिकतम 2.00 लाख रुपयों तक का बीमा कवर उपलब्ध कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में 12.00 करोड़ रुपयों की धनराशि का प्रावधान करा गया है ? यदि हाँ तो क्या सरकार उ0प्र0 सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के शेष लगभग 7.29 करोड़ श्रमिकों के दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत्यु होने की दशा में बीमा कवर प्रदान कराने हेतु बजट आंवटित करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ?, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल eshram.gov.in पर 83008480 असंगठित कर्मकार पंजीकृत हैं। दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत्यु होने की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल पर पंजीकृत कामगारों के लिए अधिकतम 2.00 लाख रुपयों तक का बीमा कवर उपलब्ध कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में 12.00 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है।

ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत 8.30 करोड़ कामगारों को योजना के अन्तर्गत आवर्त किये जाने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। असंगठित क्षेत्र के समस्त पंजीकृत कामगारों हेतु योजना के अन्तर्गत आवश्यकतानुसार बजट की व्यवस्था की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बढ़ती महंगाई को कम करने की योजना विषयक

14-श्री संदीप सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई को कम करने की कोई योजना सरकार ने बनायी है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

राज्य सरकार प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत प्रदान करने के लिये कटिबद्ध है। प्रदेश में स्थापित प्राइस मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से 22 आवश्यक वस्तुओं यथा-1-चावल, 2-गेंहू, 3-आटा, 4-चना दाल, 5-तूर/अरहर दाल, 6-उरद दाल, 7-मूंग दाल, 8-मसूर दाल, 9-चीनी, 10-दूध, 11-मूंगफली तेल, 12-सरसों का तेल, 13-वनस्पति, 14-सोया ऑयल, 15-सनफ्लावर ऑयल, 16-पॉम ऑयल, 17-गुड़, 18-चाय की पत्ती, 19-ऑयोडाइज्ड नमक, 20-आलू, 21-प्याज एवं 22-टमाटर के थोक एवं फुटकर भाव की नियमित समीक्षा की जाती है। किसी आवश्यक वस्तु की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि होने पर उसे रोकने के उपाय किये जाते हैं। जमाखोरी रोकने के लिये समय-समय पर भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में स्टॉक सीमा लागू की जाती है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही भी की जाती है।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 से आच्छादित लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने हेतु उन्हें जनवरी, 2023 से एक वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है। तत्क्रम में अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

प्रदेश में माह अप्रैल, 2020 से अक्टूबर, 2022 तक विशेष अभियान चलाकर कुल 34,58,257 से अधिक राशन कार्ड जारी किये गये।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 से आच्छादित राशन कार्डधारकों को माह दिसम्बर, 2021 से जून, 2022 तक आवश्यक वस्तुओं यथा-आयोडाइज्ड नमक, साबुत चना एवं रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण कराया गया है। उक्त वितरण पर निहित लगभग रुपया 7741.25 करोड़ का व्यय भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया गया है। इस योजना से प्रदेश के लगभग 15 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित हुए। यह देश का सबसे विशालतम निःशुल्क खाद्यान्न वितरण है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा दिनांक 05-11-2021 से महंगाई को नियंत्रित किये जाने हेतु डीजल तथा पेट्रोल पर वैट घटाया गया है। पेट्रोल पर पूर्व प्रचलित 26.80 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 19.36 प्रतिशत वैट लागू है। इसी प्रकार डीजल पर पूर्व प्रचलित 17.48 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 17.08 प्रतिशत वैट लागू है।

प्रश्न नहीं उठता।

ईंट भट्ठा मालिकों, अन्य खनन ठेकेदारों या एजेंसियों द्वारा मिट्टी खनन के मामले में शिकायत करने वालों के संरक्षण और खेत स्वामी को मुआवजा दिलाने विषयक

15-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि ईंट भट्ठा मालिकों एवं अन्य खनन ठेकेदारों या एजेंसियों द्वारा मिट्टी खनन के मानक तोड़ने की समीक्षा/शिकायत तथा बिना अनुमति मिट्टी उठाने की शिकायत करने वालों के संरक्षण और खेत स्वामी को मुआवज़ा देने की कोई व्यवस्था लागू है ? यदि हां, तो क्या सरकार उस व्यवस्था का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में स्वयं को अपात्र बताते हुए वर्ष 2022 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा तथा प्रमुख अंत्योदय योजना के अन्तर्गत जारी राशन कार्ड को निरस्त कराने के सम्बन्ध में

16-श्री शहज़िल इस्लाम अंसारी-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कितने लोगों ने स्वयं को अपात्र बताते हुए वर्ष 2022 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा तथा प्रमुख अंत्योदय योजना के अन्तर्गत जारी राशन कार्ड को निरस्त कराया हैं ? क्या सरकार अपात्र व्यक्तियों को उक्त राशन कार्ड जारी करने के दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश में वर्ष 2022 (दिनांक 01-01-2022 से 31-12-2022 तक) में अन्त्योदय योजना के 1686 व पात्र गृहस्थी के 71,159 अर्थात कुल 72845 राशन कार्डधारकों द्वारा राशन कार्ड समर्पित किये जाने पर निरस्त किये गये हैं।

समय-समय पर अभियान चलाकर सत्यापनोपरान्त अपात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड निरस्त करके पात्र परिवारों को ही राशन कार्ड निर्गत किया जाना विभाग की प्राथमिकता है।

अधिसूचना संख्या-3121, दिनांक 29-12-2014 द्वारा लाभार्थियों की पात्रता/अपात्रता के सम्बन्ध में निर्धारित मानकों के अनुरूप इन्क्लूजन/एक्सक्लूजन क्राइटेरिया के आधार पर पात्र परिवारों के राशन कार्ड निर्गत किये जाते हैं, इसलिए किसी के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने का औचित्य नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

कांच उद्योग के लिये प्रसिद्ध औद्योगिक नगर फिरोजाबाद से लखनऊ के लिये वातानुकूलित बस सेवा आरम्भ कराने विषयक

17-श्री मनीष असीजा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कांच उद्योग के लिये प्रसिद्ध औद्योगिक नगर फिरोजाबाद से लखनऊ के लिये वातानुकूलित बस सेवा सरकार आरम्भ करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

लखनऊ क्षेत्र के अवध डिपो की एक वातानुकूलित बस आलमबाग बस स्टेशन से समय 23:15 बजे चलकर सैफई कट, कुबेरपुर, आगरा होते हुए मथुरा समय 07:10 बजे पहुँचती है। यही बस मथुरा बस स्टेशन से समय 21:40 बजे चलकर आगरा 22:55 बजे, फिरोजाबाद 00:10 बजे पहुँचती है। फिरोजाबाद से 00:15 बजे प्रस्थान कर इटावा, औरैया, कानपुर होते हुए आलमबाग बस स्टेशन (लखनऊ) 07:40 बजे पहुँचती है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत में बढ़ते हुए प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से परिवहन निगम में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कराने विषयक

18-श्री तुफानी सरोज-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत में बढ़ते हुए प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से परिवहन निगम में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सरकार कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

वर्तमान में नगर विकास विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश के नगरों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कराया जाता है। जौनपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत केराकत तहसील की श्रेणी में आता है। ऐसी स्थिति में जौनपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत केराकत में इलेक्ट्रिक बस का संचालन कराए जाने में कठिनाई है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर अन्तर्गत वि0ख0 खीरों के ग्राम सभा भीतरगांव में सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली की दुकान पर भीड़ की समस्याओं के निराकरण हेतु राशन की दुकान को प्रथक किये जाने विषयक

19-श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पत्र संख्या 042/022 जो कि विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर, जनपद रायबरेली के अन्तर्गत वि0ख0 खीरों के ग्राम सभा भीतरगांव में सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली की दुकान में 8800 कार्डधारक दर्ज होने से क्षेत्रीय जनता को राशन उठाने में भीड़ होने की वजह से समस्याओं के निराकरण हेतु उक्त दुकान पर 8800 यूनिट होने के कारण राशन की दुकान को प्रथक किया जाने विषयक है, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

जनपद रायबरेली में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार ग्राम पंचायत भीतरगांव की कुल जनसंख्या 10841 है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत उक्त ग्राम पंचायत में अन्त्योदय योजना के प्रचलित 659 राशनकार्ड के सापेक्ष 2320 यूनिट एवं पात्र गृहस्थी योजना के प्रचलित 1747 राशनकार्ड के सापेक्ष 6709 यूनिट है अर्थात कुल 2406 राशनकार्डों के सापेक्ष 9029 यूनिट/सदस्य प्रचलित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश दिनांक 05-08-2019 में निहित व्यवस्थानुसार यथासंभव प्रत्येक ग्राम सभा में एक राशन की दुकान होगी और यदि ग्राम सभा में 4000 यूनिट से अधिक यूनिट हो तो एक से अधिक दुकान नियुक्त किये जाने पर विचार किया जा सकता है, किन्तु पृथक दुकान खोले जाने की अनिवार्यता नहीं है। उक्त के दृष्टिगत अतिरिक्त राशन की दुकान खोले जाने का कोई औचित्य नहीं पाया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बरेली में विधान सभा क्षेत्र नवाबगंज के पुराने रोडवेज बस स्टैण्ड को कस्बा नवाबगंज में बाईपास पर स्थित खाली पड़ी राजस्व की भूमि पर बनाये जाने/स्थानान्तरित करने विषयक

20-डा0 एम0 पी0 आर्य-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बरेली में विधान सभा क्षेत्र नवाबगंज के पुराने रोडवेज बस स्टैण्ड को कस्बा नवाबगंज में बाईपास पर स्थित खाली पड़ी राजस्व की भूमि पर बनाये जाने/स्थानान्तरित करने की सरकार कोई योजना बनायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी हाँ।

राजस्व विभाग से भूमि प्राप्त होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर में बौद्ध तीर्थ यात्रियों की सहूलियत के दृष्टिगत बौद्ध तीर्थ नगरी बोधगया, सारनाथ तथा लुम्बनी के लिए वातानूकूलित बसों के परिचालन विषयक

21-श्री मोहन वर्मा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि तथागत बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली जनपद कुशीनगर में बौद्ध तीर्थ यात्रियों की सहूलियत के दृष्टिगत बौद्ध तीर्थ नगरी बोधगया (पटना, बिहार) सारनाथ (वाराणसी, उ0प्र0) तथा लुम्बनी (नेपाल) के लिए वातानूकूलित बसों के परिचालन पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

भारत नेपाल मैत्री सेवा के अन्तर्गत पोखरा से दिल्ली सेवा संचालित है, लुम्बिनी मार्ग पर संचालन हेतु कोई समझौता नहीं है।

उ0प्र0 बिहार राज्य के समझौते के अन्तर्गत कुशीनगर से बोधगया, बिहार मार्ग पर संचालन का कोई समझौता नहीं है।

कुशीनगर से सारनाथ (वाराणसी) तक सीधी सेवा संचालित नहीं है। कुशीनगर से गोरखपुर तथा गोरखपुर से सारनाथ, वाराणसी तक निगम की बसें संचालित हैं।

उपरोक्तानुसार।

जनपद फिरोजाबाद में अपात्रों के अंत्योदय कार्ड को चिन्हित कर उनके स्थान पर पात्रों को अंत्योदय कार्ड प्रदान करने की मांग

22-श्री मनीष असीजा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में बड़ी संख्या में अपात्रों के अंत्योदय कार्ड बने हुये हैं ? क्या सरकार अपात्रों को चिन्हित कर उनके स्थान पर पात्र अंत्योदय परिवारों को अंत्योदय कार्ड प्रदान करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी नहीं।

जनपद फिरोजाबाद में अपात्रों के अंत्योदय राशन कार्ड बना होना संज्ञानित नहीं है।

राशन कार्डों का सत्यापन एक नियमित प्रक्रिया है। सत्यापन के दौरान कार्डधारक के विस्थापित होने, मृत्यु होने, स्वयं समर्पित करने वाले एवं प्रास्थिति परिवर्तन के कारण अपात्र कार्डधारकों के स्थान पर पात्र व्यक्तियों को नियमानुसार राशन कार्ड जारी किये जाते हैं।

गृहस्थी योजना व अन्त्योदय योजना के अन्तर्गत जारी राशन कार्ड को सरेंडर किये जाने विषयक

23-श्री तुफानी सरोज-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कुल कितने कार्डधारकों ने अपने-अपने राशन कार्ड सरेंडर किए है ? क्या सरकार द्वारा कार्डधारकों को कार्ड सरेंडर किये जाने हेतु कोई आदेश शासन स्तर से जारी किए गए थे ? यदि नहीं, तो क्या सरकार पूर्व में सरेंडर किए गए राशनकार्ड को पुनः बहाल करने पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश में दिनांक 01-01-2022 से 31-12-2022 तक कुल 72,845 राशन कार्डधारकों द्वारा अपने राशन कार्ड सरेंडर किये गये हैं।

जी नहीं।

पात्र गृहस्थी योजना के लाभार्थियों व अन्त्योदय योजना के परिवारों को राशन कार्ड निर्गत किये जाने हेतु पात्रता/अपात्रता के सम्बन्ध में मानकों का निर्धारण किया गया है। उक्त मानकों से आच्छादित न होने के कारण ही कार्डधारकों द्वारा अपने-अपने राशन कार्ड सरेंडर किये गये हैं, अतः उनके राशन कार्ड पुनः बहाल किये जाने का कोई औचित्य नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में राशन कार्ड के अपात्र कार्डधारकों को चिहिन्त किये जाने विषयक

24-श्री तुफानी सरोज-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में राशन कार्ड के अपात्र कार्डधारकों को चिहिन्त किये जाने का अभियान चलाये जाने की कोई योजना प्रस्तावित है ? यदि हां, तो उसका प्रारूप क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

अपात्र राशन कार्डधारकों को चिन्हित कर उनके राशन कार्ड हटाये जाने की व्यवस्था उ0प्र0 आवश्यक वस्तु (विक्रय एवं वितरण नियंत्रण का विनियमन) आदेश-2016 के प्रस्तर-4 (18) एवं 4 (19) में पूर्व से विद्यमान है। उक्त के क्रम में दिनांक 11-10-2022 से अब तक अन्त्योदय अन्न योजना एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डों के सत्यापनोपरान्त कुल 163549 राशन कार्ड निरस्त किये गये हैं।

जनपद शामली में बस अड्डा का निर्माण कराने विषयक

25-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शामली में बस अड्डा के निर्माण पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी हाँ।

जनपद शामली में बस स्टेशन एवं डिपो कार्यशाला का नव निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में स्थित सभी रोडवेज बस स्टैंडों में मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराने विषयक

26-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्थित सभी रोडवेज बस स्टैंडों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

प्रदेश में स्थित परिवहन निगम के कार्यशील बस स्टेशनों पर यात्रियों हेतु आवश्यकतानुसार मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यात्रियों के बैठने हेतु बेंचें/सीटें, पेयजल व्यवस्था हेतु हैण्डपम्प/वाटरपोस्ट, महिला एवं पुरुष शौचालय, यात्री प्रतीक्षालय, पूछताछ कक्ष, समय सारिणी विद्युत प्रकाश एवं पंखे इत्यादि।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कुशीनगर में यात्रियों के सुगम आवागमन के दृष्टिगत तहसील मुख्यालय पडरौना, कसया, हाटा, तमकुहीराज, कप्तानगंज व खड्डा को आपस में जोड़ते हुए सिटी बस का संचालन कराने विषयक

27-श्री मोहन वर्मा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर में यात्रियों के सुगम आवागमन के दृष्टिगत तहसील मुख्यालय पडरौना, कसया, हाटा, तमकुहीराज, कप्तानगंज व खड्डा को आपस में जोड़ते हुए सिटी बस के परिचालन पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद कुशीनगर के तहसील मुख्यालय पडरौना, कसया, हाटा, तमकुहीराज, कप्तानगंज व खड्डा परिवहन निगम बस सेवाओं से जुड़ा है तथा जनपद कुशीनगर उपरोक्त समस्त तहसीलों से निगम/अनुबन्धित बसें संचालित होती हैं।

वर्तमान में सिटी बस का संचालन उ0प्र0 परिवहन निगम द्वारा नहीं कराया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद शामली के कैराना-कांधला-खातौली रूट पर बसों का संचालन बढ़ाये जाने विषयक कार्य योजना

28-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शामली के कैराना-कांधला-खातौली रूट पर बसों के संचालन बढ़ाये जाने के लिए सरकार ने कोई कार्य योजना बनाई है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

कैराना से खातौली वाया कांधला-बुढ़ाना मार्ग पर पूर्व में 06 बसों का संचालन हो रहा था, परन्तु बुढ़ाना से कांधला-कैराना तक यात्रियों की उपलब्धता न होने के कारण इस मार्ग का लोडफैक्टर 20 प्रतिशत ही प्राप्त होने के फलस्वरूप वर्तमान में मात्र 02 बसों का संचालन हो रहा है। मार्ग पर संचालित सेवाओं के अलाभप्रद होने के कारण इस मार्ग पर अतिरिक्त बस सेवाओं के बढ़ाने की कोई कार्य योजना नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

फिरोजाबाद नगर में काँच, चूड़ी एवं कांच के अन्य उत्पादों के निर्माण एवं निर्यात के लिये देश एवं विदेश से व्यापारियों एवं सम्बन्धित लोगों के आवागमन के दृष्टिगत नगर फिरोजाबाद में पी0पी0पी0 मॉडल के आधार पर बस डिपो की स्थापना/नव निर्माण कराने विषयक

29-श्री मनीष असीजा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि फिरोजाबाद नगर में काँच चूड़ी एवं काँच के अन्य उत्पादों के निर्माण एवं निर्यात के लिये देश एवं विदेश से व्यापारियों एवं सम्बन्धित लोगों का आवागमन के दृष्टिगत नगर फिरोजाबाद में पी0पी0पी0 मॉडल के आधार पर बस डिपो की स्थापना/नवनिर्माण के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का परिवहन मंत्री तथा अपर मुख्य सचिव परिवहन को प्रेषित पत्रांक क्रमशः क-6 न0-602420, क-6 न0-602419, दिनांक 28-12-2022 प्राप्त हुए हैं ? यदि हाँ, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

संदर्भित पत्र दिनांक 28-12-2022 अप्राप्त है।

कार्यवाही पत्र प्राप्ति पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

अपात्रों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा तथा प्रमुख अंत्योदय योजना के अन्तर्गत जारी राशन कार्ड निरस्त करने तथा जारी करने वाले दोषियों के विरुद्ध कर्रवाई करने विषयक

30-श्री शहजिल इस्लाम अंसारी-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में दिनांक 28-11-2022 तक कितने लोगों ने स्वयं को अपात्र बताते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा तथा प्रमुख अंत्योदय योजना के अन्तर्गत जारी राशन कार्ड को निरस्त कराया हैं ? क्या सरकार अपात्र व्यक्तियों को उक्त राशन कार्ड जारी करने के दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश में दिनांक 01-01-2022 से दिनांक 28-11-2022 तक अन्त्योदय के 1,357 एवं पात्र गृहस्थी के 57,663 अर्थात् कुल 59,020 राशन कार्ड समर्पित किए जाने की स्थिति में निरस्त किए गए हैं।

समय-समय पर अभियान चलाकर सत्यापनोपरांत अपात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड निरस्त करके पात्र परिवारों को ही राशन कार्ड निर्गत किया जाना विभाग की प्राथमिकता है।

अधिसूचना संख्या-3121, दिनांक 29-12-2014 द्वारा लाभार्थियों की पात्रता/अपात्रता के सम्बन्ध में निर्धारित मानकों के अनुरूप इन्क्लूजन/एक्सक्लूजन क्राइटेरिया के आधार पर पात्र परिवारों के राशन कार्ड निर्गत किये जाते हैं, इसलिए किसी के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही किये जाने का औचित्य नहीं है।

जनपद मुजफ्फरनगर के जिला कारागार में कैदियों की संख्या अधिक होने के कारण जेल का विस्तारीकरण कराने विषयक

31-श्री चंदन चौहान-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के जिला कारागार में वर्तमान में कैदियों की संख्या कारगार की क्षमता से तीन गुना अधिक होने से जेल के प्रशासन प्रक्रिया में कठिनाइयां हो रही है तथा कैदियों को जेल मैनुवल के अनुसार रखने में परेशानी हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त जेल का विस्तारीकरण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

जी हाँ।

विस्तारीकरण किये जाने की कोई योजना नहीं है अपितु जिला कारागार मुजफ्फरनगर को शहर की घनी आबादी से बाहर स्थानान्तरित किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके क्रम में अग्रेतर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की पूरी तौल न देने वाले दोषियों की जांच कराकर कार्रवाई कराने विषयक

32-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में अन्तोदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण में कोटदारों को पूरी तौल नहीं मिलने के कारण कोटेदार उपभोक्ताओं को खाद्यान्न की पूरी तौल नहीं दे रहे हैं, की जानकारी सरकार को है ? यदि हां, तो क्या सरकार जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से खाद्यान का उठान कर डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था के माध्यम से परिवहन ठेकेदारों द्वारा खाद्यान्न तौलकर संपूर्ण मात्रा में सीधे उचित दर विक्रेताओं को प्राप्त कराया जा रहा है।

उचित दर विक्रेताओं के वितरण पर सतर्क निगरानी रखने हेतु त्रिस्तरीय सत्यापन की व्यवस्था की गयी है एवं नोडल अधिकारियों की उपभोक्ताओं में ही खाद्यान्न का वितरण कराया जाता है। खाद्यान्न वितरण में अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाती है।

जनपद मेरठ में अवैध खनन की प्राप्त कुल शिकायतें तथा उस पर कार्रवाई का विवरण

33-श्री अतुल प्रधान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ में दिनांक 01/01/2021 से दिनांक 02/09/2022 तक अवैध खनन की कुल कितनी शिकायतें जिला प्रशासन को प्राप्त हुई है तथा उक्त शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गयी है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि अवैध खननकर्ताओं से कितने राजस्व की वसूली की गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जनपद मेरठ में दिनांक 01/01/2021 से दिनांक 02/09/2022 तक अवैध खनन की कुल 167 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। 167 प्रकरणों में से 02 प्रकरणों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है, 86 अवैध खनन/परिवहन के प्रकरणों में संलिप्त कुल 207 वाहनों पर जुर्माना आरोपित किया गया है तथा 79 अवैध खनन के प्रकरण मा0 न्यायालय में विचाराधीन हैं।

जनपद मेरठ में अवैध खनन/परिवहन में संलिप्त 207 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए शास्ति शुल्क/आरोपित धनराशि रु0 57,70,815/-(रुपये सत्तावन लाख सत्तर हजार आठ सौ पन्द्रह मात्र) का राजस्व वसूला गया।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में स्थापित जिला कारागार में लाइट, नाला निर्माण, समरसेबिल पम्प, पार्क निर्माण, आंतरिक एप्रोच रोड का निर्माण एवं एम्बुलेंस हेतु बजट आवंटन कराते हुये उक्त कार्यों को कराये जाने विषयक

34-श्री मनीष असीजा-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में स्थापित जिला कारागार में 1 हाईमास्ट लाइट, जेल परिसर में गंदे पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण, जेल लाइन में 2 समरसेबिल पम्प की स्थापना, पार्क निर्माण, आंतरिक एप्रोच रोड का निर्माण एवं एक एम्बुलेंस हेतु वर्ष 2022-23 की कार्य योजना में सम्मिलित कराने एवं बजट आवंटन कराते हुये उक्त कार्यो को कराये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

जिला कारागार, फिरोजाबाद में कारागार परिसर से जल निकासी हेतु नाले का निर्माण, 01 समरसेबिल पम्प की स्थापना, पार्क की बाउण्ड्रीवाल व इण्टरलॉकिंग सहित गेट का निर्माण, आन्तरिक सीसी रोड/एप्रोच रोड के कार्य वित्तीय वर्ष 2022-2023 की कार्य योजना में सम्मिलित हैं। हाईमास्ट लाइट का कार्य सम्मिलित नहीं है। वर्तमान में उक्त कारागार पर 01 एम्बुलेंस उपलब्ध है। कार्य योजना में सम्मिलित कार्यों की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्तानुसार

अटल आवासीय योजना के तहत क्रियान्वित विद्यालयों का विवरण उपलब्ध कराने विषयक

35-डा0 पल्लवी पटेल-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में अटल आवासीय योजना के तहत कितने विद्यालय वर्तमान में क्रियान्वित हैं ? उक्त योजना के प्रारम्भ होने से कितनी धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है एवं कितनी किस मद में उपयोग की गयी है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हाँ।

प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालय योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 18 मण्डलों में अटल आवासीय विद्यालयों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में कोई विद्यालय क्रियान्वित नहीं है।

प्रदेश के 18 मण्डलों में अटल आवासीय विद्यालय योजना के प्रारम्भ होने से श्रम विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा रु0 1097.3702 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग, लखनऊ से प्राप्त अद्यतन उपभोग प्रमाण-पत्र के आधार पर रु0 569.7522 करोड़ की धनराशि विद्यालयों के निर्माण कार्य हेतु उपयोग की गयी है।

जी हाँ।

अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना से संबंधित परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु रु0 180.00 करोड़ (प्रत्येक मण्डल में रु0 10-10 करोड़), वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु रु0 270.00 करोड़ (प्रत्येक मण्डल में रु0 15-15 करोड़), वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु रु0 270.00 करोड़ (प्रत्येक मण्डल में रु0 15-15 करोड़) तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्राविधानित धनराशि रु0 300.00 करोड़ एवं अनुपूरक बजट के माध्यम से प्राविधानित धनराशि रु0 172.78 करोड़ (कुल धनराशि रु0 472.78 करोड़) के सापेक्ष चतुर्थ किस्त के रूप में उपयोगिता प्रमाण-पत्र के आधार पर शासन द्वारा 13 जनपदों क्रमशः लखनऊ, आजमगढ़, गोण्डा, बस्ती, बुलन्दशहर, ललितपुर, कानपुर नगर, सोनभद्र, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, बांदा एवं प्रयागराज में मांग की जा रही धनराशि जिसका कुल योग रु0 377.3702 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति श्रम विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रदान की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के जिला कारागार की बैरकों की क्षतिग्रस्त पुरानी आर0बी0 की छतों के स्थान पर आर0सी0सी की छतों का निर्माण कराये जाने विषयक

36-श्री मनीष असीजा-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के जिला कारागार की बैरकों में वर्षा ऋतु में पानी टपकने के कारण कारागार में निरुद्ध कैदियों को होने वाली कठिनाई के निराकरण हेतु क्षतिग्रस्त पुरानी आर0बी0 की छतों के स्थान पर आर0सी0सी की छतों का निर्माण कराये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

जिला कारागार फिरोजाबाद में निर्मित बैरकों की छतें पूर्व से ही आर0सी0सी0 की हैं, जिनमें से क्षतिग्रस्त बैरकों की मरम्मत का कार्य कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-2023 की कार्य योजना में उक्त कार्य सम्मिलित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश एवं जिलों में सरकारी राशन हेतु नामित संस्था की प्रक्रिया तथा उसका विवरण उपलब्ध कराने विषयक

37-श्री जगदीश नरायण-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश एवं जिलों में सरकारी राशन के खरीद हेतु कोई संस्था नामित है ? यदि हां, तो उक्त की क्या प्रक्रिया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश एवं जिलों में सरकारी राशन की खरीद हेतु कोई संस्था नामित नहीं है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं हेतु भारत सरकार से प्राप्त मासिक आवंटन के आधार पर भारतीय खाद्य निगम में निर्दिष्ट धनराशि जमा करके खाद्यान्न का उठान कराया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद मुजफ्फरनगर में सेवायोजन कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार शिक्षित नौजवानों का विवरण

38-श्री पंकज कुमार मलिक-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर में सेवायोजन कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार शिक्षित नौजवानों की संख्या के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं वर्तमान वर्ष 2022-23 के प्रथम तिमाही तक कितनी सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में नौकरियों का सृजन हुआ एवं कितने पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर नियुक्ति करके उनका वेतन भुगतान किया जा रहा है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन कर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने का कार्य किया जाता है।

जनपद मुजफ्फरनगर में रोजगार मेले की प्रगति रिपोर्ट :

वर्ष	आयोजित रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
2020-21	06	5643
2021-22	10	790
2022-23 (31 जनवरी, 2023 तक)	21	845

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं एवं उनके कार्यान्वयन हेतु विशेष अभियान चलाने विषयक

39-श्री अतुल प्रधान-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में श्रमिकों के कल्याण हेतु वर्तमान में कौन-कौन सी योजनाएं संचालित हैं तथा उक्त संचालित विभिन्न योजनावार कितने लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है ? क्या सरकार उक्त योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु कोई विशेष अभियान चलायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ वर्तमान में संचालित महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनायें निम्नवत् हैं :-

मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना।

सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना।

आवासीय विद्यालय योजना।

कौशल विकास तकनीकी उन्नयन एवं प्रमाणन योजना।

कन्या विवाह सहायता योजना।

निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी सहायता योजना।

शौचालय सहायता योजना।

महात्मा गांधी पेंशन योजना।

निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना।

आपदा राहत सहायता योजना।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना।

बोर्ड द्वारा वर्तमान में संचालित महत्वपूर्ण योजना में योजनावार लाभार्थियों का माह दिसम्बर, 2022 तक का विवरण निम्नवत् है :-

क्र0	योजना	लाभान्वित श्रमिकों की संख्या
1	मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना	5,34,116
2	सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना	1,77,251

क्र0	योजना	लाभान्वित श्रमिकों की संख्या
3	आवासीय विद्यालय योजना	12,877
4	कौशल विकास तकनीकी उन्नयन एवं प्रमाणन योजना	5,665
5	शौचालय सहायता योजना	0
6	निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी	111
7	महात्मा गांधी पेंशन योजना	533
8	निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना	37,185
9	आपदा राहत सहायता योजना	1,52,57,658
10	पंडित दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना	0
11	प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	0
12	प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	0

नहीं।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कोई भी योजना ऐसी नहीं है, जिसका कार्यान्वयन अभियान के माध्यम से किया जा सके।

जनपद फिरोजाबाद के जिला कारागार में जेल अधीक्षक के भ्रष्टाचार के सम्बन्ध कार्यवाही विषयक

40-श्री मनीष असीजा-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के जिला कारागार में जेल अधीक्षक के भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का मुख्य मंत्री, कारागार एवं होम गार्ड्स मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव कारागार एवं होमगार्ड्स विभाग को प्रेषित पत्रांक क्रमशः क-6 नं0 602479, क-6 नं0 602478 एवं क-6 नं0 602477, दिनांक 02/01/2023 प्राप्त हुए हैं ? यदि हाँ, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उक्त पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं।

प्रदेश में किसानों को अपने कृषि कार्यों हेतु खेतों तक ट्रैक्टर-ट्राली से मजदूरों को उनके गांव से खेतों तक लाने ले जाने विषयक

41-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में किसानों को अपने कृषि कार्यों हेतु खेतों तक ट्रैक्टर-ट्राली से मजदूरों को उनके गांव से खेतों तक लाने ले जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र क-7, सं0 100064, दिनांक 10 अक्टूबर, 2022, उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

प्रदेश में किसानों को अपने कृषि कार्यों हेतु खेतों तक ट्रैक्टर-ट्राली से मजदूरों को उनके गांव से खेतों तक लाने ले जाने विषयक प्रश्नकर्ता मा0 सदस्य के पत्र संख्या-क-7, सं0 118780, दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 एवं पत्र संख्या-क-7 सं0 089135 दिनांक 18.10. 2022 प्राप्त हुए हैं।

परिवहन आयुक्त, उ0प्र0 के पत्र संख्या-1683इन्फ/2022-106इन्फ/2022, दिनांक 31 अक्टूबर 2022 द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं कि ऐसे ट्रैक्टर ट्राली जो किसानों द्वारा अपने निजी कार्यों हेतु प्रयोग में लाये जा रहे है, को थानों में निरुद्ध करने, चालान करने आदि उत्पीड़नात्मक कार्यवाही न की जाय।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में परिवहन निगम द्वारा पुरानी बसों के स्थान पर नई बसों के संचालन की योजना

42-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में परिवहन निगम के पास वर्तमान में कुल कितनी बसें हैं तथा इन बसों में 5 साल पुरानी बसों की संख्या कितनी है ? क्या सरकार यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर यात्रा सुविधा देने हेतु पुरानी बसों के स्थान पर नई बसों के संचालन की योजना बनाएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

प्रदेश में परिवहन निगम के पास स्वयं की 8329 बसें हैं, जिनका आयुवार विवरण निम्नवत् है :-

(क) 0-5 वर्ष आयु-1757 बसें

(ख) 5-10 वर्ष आयु-4477 बसें

(ग) 10 वर्ष से अधिक आयु-2095 बसें

यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर यात्रा सुविधा के लिए नई बसों की संचालन योजना निम्नवत् है :-

(1) 150 नई बीएस-6 बसें निगम के बस बेड़े में सम्मिलित की जा चुकी है।

(2) 775 नई बस बॉडी बनाने की प्रक्रिया गतिशील है।

(3) 100 सी0एन0जी0 बसों हेतु चेसिस क्रय करने की प्रक्रिया गतिशील है।

(4) 650 बसों हेतु नई चेसिस क्रय करने की प्रक्रिया गतिशील है।

प्रश्न नहीं उठता।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित किये जाने विषयक

43-श्री मनीष असीजा-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0प्र0 भवन एवं सन्निर्माण अन्य कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत कक्षा 9, 10, 11 एवं 12वीं में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण योजना में पूर्व के स्थान पर नये शासनादेश संख्या-2629-36/भ0नि0 बोर्ड-बोर्ड (1118)/2022, दिनांक 18/07/2022 के द्वारा श्रमिकों की पुत्र/पुत्रियों को पहले साइकिल खरीदने एवं उसकी रसीद प्रस्तुत किये जाने के बाद धनराशि खाते में हस्तांतरित किये जाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करी गयी है ? क्या सरकार के संज्ञान में है कि सीमित संसाधनों के चलते श्रमिकों के द्वारा उक्त प्रक्रिया के अनुपालन में रुचि न लिये जाने के कारण लाखों गरीब छात्र-छात्राओं को उक्त योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है ? यदि हाँ, तो क्या पूर्व की भांति संत रविदास योजना के अन्तर्गत छात्र-छात्रओं को साइकिल वितरण कराये जाने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का अपर मुख्य सचिव, श्रम विभाग को प्रेषित पत्रांक संख्या-क-6 नं0 589129 दिनांक 29/07/2022, प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हाँ।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की अधिसूचना संख्या-2629-36/भ0नि0 बोर्ड (1118)/2022 दिनांक 18/07/2022 द्वारा ''संत रविदास शिक्षा सहायता योजना'' के अन्तर्गत निम्नवत् प्राविधान किये गये हैं :-

साइकिल में घंटी, ताला, कैरियर एवं साइड स्टैण्ड सहित निर्धारित ब्रांडों के बेस मॉडल की साइकिल के क्रय हेतु रु0 4,500/-की धनराशि (चार हजार पाँच सौ रुपये मात्र) अधिकतम सब्सिडी के रूप में श्रमिक द्वारा संबंधित रसीद प्रस्तुत करने पर डी0बी0टी0 के माध्यम से श्रमिक के खाते में स्थानान्तरित की जायेगी।

''सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना'' के अन्तर्गत साइकिल का हितलाभ प्रदान किये जाने हेतु दिनांक 14-11-2022 को जारी सामान्य निर्देशों के बिन्दु संख्या-04 पर निर्देश जारी किये गये हैं कि योजना के अन्तर्गत श्रमिक द्वारा साइकिल के सम्बन्ध में आवेदन करने पर प्रत्येक स्तर पर स्वीकृति के पश्चात् ही क्रय रसीद अपलोड की जाय, जिससे योजना के अन्तर्गत साइकिल हेतु अपात्र होने की स्थिति में श्रमिक को आर्थिक क्षति न हो। श्रमिक द्वारा आवेदन करने पर पॉपअप में यह प्रदर्शित हो जायेगा कि उसको निर्धारित ब्रान्ड की साइकिल खरीदने पर ही योजना के अन्तर्गत सब्सिडी की धनराशि प्राप्त होगी। उक्त साइकिल में घंटी, ताला, कैरियर एवं साइड स्टैण्ड अनिवार्य रूप से होना चाहिये। श्रमिक द्वारा संबंधित रसीद प्रस्तुत करने पर अधिकतम रु0 4,500/-अथवा जैसा कि बोर्ड द्वारा समय-समय पर विहित किया जाये, का भुगतान एस0एन0ए0 के माध्यम से श्रमिक के खाते में स्थानान्तरित की जायेगी।

लागू नहीं।

जी हाँ।

उक्त पत्र के सम्बन्ध में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र/पुत्री को साइकिल वितरण करने के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 'kind' में कोई हितलाभ प्रदान न किये जाने हेतु जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में भारत सरकार से साइकिल वितरित किये जाने की अनुमति प्राप्त करने हेतु पत्र संख्या-1999/36-2-2022, दिनांक 19-09-2022 प्रेषित किया गया है।

उपरोक्तानुसार

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मेले का आयोजन विषयक विवरण

44-श्री नफीस अहमद-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में वर्ष 2021 से 2022 के माह दिसम्बर तक किन-किन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मेले का आयोजन किया गया तथा कितने ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को रोजगार मिला है ? क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मेलों की संख्या बढ़ाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा कार्यालय परिसर के बाहर यथा आवश्यक चयनित स्थान में रोजगार मेलों के आयोजन किये जाते हैं, इन मेलों में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा अधिसूचित रिक्तियों के सापेक्ष रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किये जाने की व्यवस्था है। उक्त मेलों में शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों के रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।

सेवायोजन कार्यालय आजमगढ़ द्वारा आयोजित रोजगार मेले की प्रगति रिपोर्ट :-

वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
2021-22	14	479
2022-2023 (31 दिसम्बर, 2022 तक)	18	3892

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में ग्रामीण अंचल सहित जनपद सुल्तानपुर में बेरोजगार युवकों को रोजगार देने के लिए ब्लाक स्तर पर योजना बनाने के सम्बन्ध में

45-श्री मो0 ताहिर खान-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ग्रामीण अंचल सहित जनपद सुल्तानपुर में बेरोजगार युवकों को रोजगार देने के लिए ब्लाक स्तर पर सरकार कोई ठोस कदम उठा रही है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा कार्यालय परिसर/परिसर के बाहर यथा आवश्यक चयनित स्थान में रोजगार मेलों के आयोजन किये जाते हैं, इन मेलों में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा अधिसूचित रिक्तियों के सापेक्ष रोजगार इच्छुक (शहरी/ग्रामीण) अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाता है एवं उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

सेवायोजन कार्यालय सुल्तानपुर द्वारा आयोजित रोजगार मेले की प्रगति रिपोर्टः

वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
2021-22	08	943
2022-2023 (31 दिसम्बर, 2022 तक)	26	2260

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 में ब्लाक, तहसील से बसों के संचालन तथा राजधानी से जुड़ने वाले जनपदों का विवरण

46-श्री मो0 ताहिर खान-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 में कितनी बसें किस-किस ब्लाक व तहसील से चलाई गयीं तथा कितनी बसें किन जनपदों से राजधानी से जोड़ी गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

अपेक्षित विवरण निम्नवत् है :-

(1) मेरठ संचालन क्षेत्र के अन्तर्गत 02 जनपद, 06 तहसील एवं 18 ब्लॉक में परिवहन निगम/अनुबंधित सेवायें पूर्व से संचालित है, जो ग्रामीण मार्गों पर संचालित होते हुए ब्लॉक को जनपद से जोड़ती है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में छपरौली ब्लॉक से 01 बस संचालित की गयी है। जनपद से राजधानी को जोड़ने वाली समस्त सेवायें पूर्व से ही संचालित है।

(2) नोएडा क्षेत्र की ब्लाक एवं तहसील की संचालित बसों में 1-मोदीनगर-03 बसें, 2-दादरी-02 बसें, 3-जेवर-02 बसें, 4-सरधना-01 बस, 5-दनकौर-03 बसें तथा जनपद नोएडा से राजधानी लखनऊ 02 बसें जोड़ी गयी हैं।

(3) झांसी क्षेत्र के वित्तीय वर्ष 2022-23 में बस बेड़े में सम्मिलित बसों में से तहसील कालपी के ब्लॉक महोबा कदौरा से 02 बसें एवं तहसील उरई ब्लॉक डकार से 02 बसें मुख्यालय उरई से जोड़ी गयी तथा 06 नई बसों का जिसमें 02 बसें जनपद जालौन मुख्यालय के उरई एवं 02 बसें तथा जनपद मुख्यालय जनपद झांसी से प्रदेश की राजधानी तक जोड़ी गयी है।

(4) आगरा क्षेत्र की संचालित बसों में ब्लॉक से सम्बद्ध 48 बसें, तहसील से सम्बद्ध 56 बसें एवं राजधानी से सम्बद्ध 23 बसें है, जिनका निम्नवत् संचालन नियमित किया जा रहा है :-

क्र0-सं0	ब्लाक से संचालित	तहसील से संचालित	राजधानी से संचालित
1	फतेहपुर सीकरी-02	फतेहाबाद-10	लखनऊ-23
2	अकोला-06	किरावली-04	
3	बरौली अहीर-01	खेरागढ़-04	
4	शमशाबाद-02	बाह-09	
5	पिनाहट-05	एत्मादपुर-08	
6	जैतपुर कलां-04	गोवर्धन-09	
7	जगनेर-08	छाता-08	
8	खन्दौली-04	मांट-04	
9	सैंया-04		
10	फरह-04		
11	राया-08		

	कुल- 48	56	23

(5) कानपुर में वित्तीय वर्ष 2022-23 में ब्लॉक व तहसील से 06 बसें संचालित की गयी है जिसमें जनपद कानपुर नगर के अन्तर्गत तहसील व ब्लॉक घाटमपुर से 02 बसें संचालित की गयी हैं, जो राजधानी लखनऊ एवं 02 बसें सदर तहसील से राजधानी लखनऊ होते हुए संचालित की जा रही है, इसके अतिरिक्त कानपुर देहात के अकबरपुर तहसील से कानपुर होते हुए 02 बसें राजधानी दिल्ली के लिये संचालित की गयी है।

(6) आजमगढ-ब्लॉक मार्टीनगंज, मेहनगर, अतरौलिया, बूढ़नपुर, अहरौला, जहानागंज, अजमतगढ़, महराजगंज, हरैया, बिलरियागंज, कोपागंज, मधुवन, नरही, दोहरीघाट, मऊ, सीयर, गडवार, नवानगर, भीमपुरा, सठियांव, रतनपुरा, नगरा, रसड़ा, सिकन्दरपुर, सोहांव, नगरी, पन्दह, मुहम्मदाबाद तहसील मेहनगर, बूढ़नपुर, मार्टीनगंज, शाहगंज, घोसी, मऊ, बेल्थरा, सिकन्दरपुर, सगड़ी, रसड़ा, बलिया, मधुवन से कुल 15 बसें संचालित है तथा जनपद-बलिया, मऊ, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, बाराबंकी, सुल्तानपुर से होकर 08 बसें राजधानी को जोड़ती है।

(7) जनपद अलीगढ़ क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022-23 में ब्लॉक व तहसील से 33 बसें चलाई गयी है तथा 02 बसें एटा जनपद से, 04 बसें हाथरस जनपद से तथा 08 बसें अलीगढ़ जनपद से प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिये वर्तमान में संचालित है तथा लखनऊ एवं दिल्ली संचालन राजधानी एक्सप्रेस सेवा हेतु 06+07 बसों का प्रस्ताव निगम को प्रेषित है।

(8) वाराणसी वित्तीय वर्ष-2022-23 में 20 बसें जनपद वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चन्दौली, भदोही, सोनभद्र के ब्लॉक एवं तहसील से चलायी गयी है तथा उक्त सभी जनपदों को राजधानी से जोड़ा गया है।

(9) सहारनपुर क्षेत्र के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में ब्लॉक व तहसील से निम्नलिखित मार्गो पर उ0प्र0 परिवहन निगम की बसें चलायी गयी।

रामखेड़ी (बरौली) से सहारनपुर। (मुजफ्फराबाद ब्लॉक)।

दथैडा से सहारनपुर। (ऊन ब्लॉक)

रणसुरा से देवबन्द-सहारनपुर। (देवबन्द ब्लॉक)

कैराना से दिल्ली। (कैराना ब्लॉक)

प्रदेश की राजधानी के लिये सेवा-

सहारनपुर से मेरठ-मुरादाबाद-बरेली-लखनऊ।

(10) गोरखपुर, कसया, परशुरामपुर, नाथनगर, बढ़नी, इटावा, रतनपुर, मिठौरा ब्लॉक से एक-एक बस एवं दुदही, सिसवा ब्लॉक से दो-दो बस तथा महराजगंज तहसील से 02 बस रूद्रपुर, मेहदावल तहसील से एक एक बस संचालित की गयी।

जनपद-गोरखपुर, बस्ती, महराजगंज, कुशीनगर से दो-दो बसें राजधानी से जोड़ी गयी।

जनपद सिद्धार्थनगर से 01 बस तथा सोहगरा ब्लॉक देवरिया से 02 बस राजधानी से जोड़ी गयी।

(11) बरेली क्षेत्र वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम, बरेली क्षेत्र के ब्लॉक व तहसील से चलाई गयी नई बसों के सम्बन्ध में स्थिति निम्नवत् है :-

बदांयू-शाहजहांपुर-फर्रुखाबाद-हरदोई-लखनऊ-सम्भल-अलीगढ़-बुलन्दशहर-गाजियाबाद-बदायूँ-अलीगंज।

पीलीभीत जनपद से निम्न बसें ब्लॉक, तहसील से चलाई गई एवं जनपदों से राजधानी को जोड़ी गयी।

पीलीभीत से अमरिया-पूरनपुर-रूद्रपुर।

पीलीभीत से पूरनपुर-लखीमपुर-सीतापुर-लखनऊ।

पीलीभीत से बरखेड़ा-बीसलपुर-शाहजहांपुर-सीतापुर-लखनऊ।

(12) मुरादाबाद-वित्तीय वर्ष 2022-23 में मुरादाबाद क्षेत्र की ब्लाक व तहसील से चलाई गयी 30 बसों को उपलब्ध कराया गया है, विवरण निम्नवत् है :-

क्र0-सं0	डिपो का नाम	बसों की संख्या	ब्लाक	तहसील	जनपद
1	अमरोहा	01	धामपुर	धामपुर	बिजनौर
2	अमरोहा	01	हसनपुर	हसनपुर	अमरोहा
3	अमरोहा	01	हसनपुर	हसनपुर	अमरोहा
4	नजीबाबाद	02	नूरपुर	चांदपुर	बिजनौर
5	नजीबाबाद	03	धामपुर	धामपुर	बिजनौर
6	नजीबाबाद	01	कोतवाली	नगीना	बिजनौर
7	नजीबाबाद	03	किरतपुर	बिजनौर	बिजनौर
8	मुरादाबाद	01	ठाकुरद्वारा	-	मुरादाबाद
9	पीतलनगरी	01	पवासा	-	अलीगढ
10	पीतलनगरी	01	-	गुन्नौर	बदायूँ
11	नजीबाबाद	02	नूरपुर	चांदपुर	बिजनौर
12	नजीबाबाद	03	धामपुर	धामपुर	बिजनौर

क्र0-सं0	डिपो का नाम	बसों की संख्या	ब्लाक	तहसील	जनपद
13	नजीबाबाद	01	कोतवाली	नगीना	बिजनौर
14	नजीबाबाद	03	किरतपुर	बिजनौर	बिजनौर
15	रामपुर	01	मिलक	मिलक	रामपुर
16	रामपुर	02	शेरगढ़	मीरगंज	बरेली
17	रामपुर	01	शाहबाद	शाहबाद	रामपुर
18	चांदपुर	02	धामपुर	धामपुर	बिजनौर
	कुल-	30			

जनपद मुरादाबाद एवं बिजनौर से राजधानी लखनऊ को राजधानी एक्सप्रेस सेवा संचालित कराने हेतु प्रस्ताव निगम को प्रेषित।

(13) गाजियाबाद क्षेत्र-

1-खुर्जा डिपो-ब्लाक व तहसील खुर्जा से मेरठ वाया नोएडा हेतु 01 निगम बस संचालित की गयी।

2-बुलन्दशहर डिपो-जनपद बुलन्दशहर से राजधानी लखनऊ को जोड़ने हेतु 02 बी0एस0-6 बसें संचालित की गयी।

3-सिकन्दराबाद डिपो-जनपद बुलन्दशहर से राजधानी लखनऊ को जोड़ने हेतु 02 बसें संचालित की गयी।

4-लोनी डिपो-जनपद गाजियाबाद से राजधानी लखनऊ को जोड़ने हेतु 02 बी0 एस0-6 बसें संचालित की गयी।

5-साहिबाबाद डिपो-ब्लॉक मुरादनगर तहसील मोदीनगर से कौशाम्बी गाजियाबाद-मुरादनगर-सुराना-चांदीनगर मार्ग पर 01 निगम बस एवं ब्लॉक/तहसील धौलाना होते हुए कौशाम्बी गाजियाबाद-गुलावठी मार्ग पर 01 निगम बस संचालित की गयी।

6-गाजियाबाद डिपो-ब्लॉक/तहसील गाजियाबाद से 01 अनुबन्धित बस गाजियाबाद-निडोरी कौशाम्बी-अलीगढ़ मार्ग ब्लाक मोदीनगर तहसील गाजियाबाद से 02 अनुबन्धित बसे गाजियाबाद-मेरठ-तलहैटा मार्ग एवं ब्लांक/तहसील स्याना से फरीदा-दौलतपुर-कौशाम्बी अलीगढ़-गाजियाबाद मार्ग पर 01 अनुबन्धित बस संचालित की गयी।

(14) देवीपाटन क्षेत्र-02 निगम बस का संचालन, बहराइच जनपद के मिहींपुरवा व नानपारा तहसील तथा बलहा मिहींपुरवा, शिवपुर, रिसिया, चित्तौरा होते हुए अन्तर्क्षेत्रीय सेवा संचालित की गयी है, 02 अनुबन्धित बस बहराइच तहसील महसी तहसील सहित तेजवापुर,

महसी फखरपुर को जोडते हुए अन्तःक्षेत्रीय सेवा संचालित की जा रही है। 02 अनुबन्धित बसे का संचालन खरगपुर से तहसील गोण्डा, करनैलगंज तथा ब्लाक हलधरमऊ रुपईडीह, कटरा बाजार, करनैलगंज होते हुए गोण्डा जनपद से लखनऊ राजधानी के लिए संचालित की जा रही है तथा 02 अनुबन्धित बस तुलसीपुर, बलरामपुर गोण्डा व इटियाथोक, झंझरी ब्लाक को जोड़ते हुए अयोध्या धाम को जोड़ा गया है, 03 अनुबन्धित बस देवीपाटन क्षेत्र के बहराइच गोण्डा, अयोध्या मार्ग सभी तहसील व ब्लाक को जोडते हुए अयोध्या के लिए अन्तर्क्षेत्रीय सेवा संचालित करायी जा रही है एवं 03 अनुबन्धित बस गोण्डा, करनैलगंज तहसील व झंझरी हलधरमऊ, करनैलगंज तहसील व झंझरी हलधरमऊ, करनैलगंज ब्लाक को जोड़ते हुए गोण्डा जनपद से प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए संचालित करायी जा रही है। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2022-23 में 13 बसें जोड़ी गयी हैं।

(15) प्रयागराज क्षेत्र-वित्तीय वर्ष 2022-23 में 01 बस राजापुर- मझंनपुर- प्रयागराज-आजमगढ़ के लिए संचालित की गई, जो जनपद कौशाम्बी की तहसील व ब्लाक मंझनपुर, ब्लाक-कौशाम्बी, मूरतगंज को जोड़ती है।

01 बस प्रयागराज पुरखास के लिए संचालित है, जो तहसील व ब्लाक-चायल, नेवादा को जोड़ती है।

03 बसें चित्रकूट, बांदा एवं कौशाम्बी के लिए संचालित हैं, जो जनपद के 02 तहसील चायल/मंझनपुर को जोड़ती है।

02 बसें सराय आकिल-लखनऊ मार्ग के लिए चलाई गई हैं, जो मंझनपुर से मुख्यालय लखनऊ को जोड़ती है।

01 बस प्रयागराज से तिलई बाजार के लिए संचालित की गई है, जो तहसील सोरांव, ब्लाक मऊआइमा को जोड़ती है।

01 बस प्रयागराज से कल्याणपुर के लिए संचालित की गई है, जो सोरांव तहसील के होलागढ़ एवं सोरांव ब्लाक को जोड़ती है।

प्रयागराज क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले समस्त जनपद बस सेवा के माध्यम से मुख्यालय प्रदेश की राजधानी से जुड़े हुए हैं।

(16) चित्रकूट क्षेत्र बांदा में क्षेत्र के सभी डिपो की कुल 350 बसें भिन्न-भिन्न ब्लाक/तहसील यथा तिन्दवारी बडोखर खुर्द, महुआ, पहाड़ी, कर्वी, पैलानी, अतर्रा, राजापुर, मऊ, राठ, मोहाण्ड, कदौरा, मुस्करा, सुमेरपुर, मौदहा, कुरारा, कबरई, पनवाड़ी आदि से संचालित हैं। चित्रकूट जनपद से 02 बसें, बांदा जनपद से 09 बसें, महोबा जनपद से 15 बसें हमीरपुर जनपद से 21 बसें राजधानी से जोड़ी गयी है।

(17) इटावा क्षेत्र में समस्त डिपोज द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में बकेवर, भर्थना, जसवन्तनगर, सैफई, अजीतमल, किशनी, कायमगंज, फिरोजाबाद, सिरसागंज, शिकोहाबाद, घिरौर,

सौरिख, भौगांव ब्लाक/तहसील से 32 बसें चलायी गयी हैं तथा 15 बसें इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, कन्नौज एवं फिरोजाबाद जनपदों को राजधानी से जोड़ा गया।

(18) हरदोई क्षेत्र हरदोई के समस्त डिपोज द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में गोला, मोहम्म्दी, मितौली, धौरहरा, निघासन, खुटार, जलालाबाद, तिलहर, सफीपुर उन्नाव, बिलग्राम, साण्डी, लहरपुर, बिसवां, पुवायां ब्लाक/तहसील से 38 बसें चलाई गयी हैं तथा 34 बसों द्वारा हरदोई, शाहजहाँपुर, लखीमपुर, सीतापुर जनपदों को राजधानी से जोड़ा गया है।

(19) अयोध्या क्षेत्र जनपद अयोध्या में वित्तीय वर्ष 2022-23 में दो बसें प्राप्त हुई, जो सोहावल, रुदौली, राम सनेहीघाट ब्लाक एवं तहसील से होते हुए लखनऊ होकर मथुरा तक संचालित हो रही हैं। उक्त सेवाओं से अयोध्या, बाराबंकी, कन्नौज, इटावा जनपदों को राजधानी से जोड़ा गया है।

जनपद-अकबरपुर में वित्तीय वर्ष 2022-23 में दो बसें प्राप्त हुईं, जो टाण्डा तहसील के बसखारी ब्लाक अकबरपुर, तहसील के अकबरपुर ब्लाक एवं भीटी तहसील के कटेहरी ब्लाक होते हुए लखनऊ के लिये संचालित हो रही है। उक्त बसों से आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, अयोध्या और बाराबंकी जनपदों को जोड़ा गया है।

जनपद सुल्तानपुर में वित्तीय वर्ष 2022-23 में सुल्तानपुर डिपो को निगम की 02 बसें तथा 12 अनुबन्धित बसें प्राप्त हैं। तहसील/ब्लाक होते हुए लखनऊ तथा तहसील ब्लाक लम्भुआ से होकर वाराणसी तक संचालित हैं, को राजधानी से जोड़ा गया है तथा अनुबन्धित बसों को सुल्तानपुर, प्रयागराज, बहराइच, अयोध्या, गोण्डा एवं कादीपुर तहसील से जोड़ा गया।

जनपद अमेठी में वित्तीय वर्ष 2022-23 में अमेठी डिपो को 02 निगम बसें तथा 05 अनुबन्धित बसें प्राप्त हुईं। निगम की बसें अमेठी तहसील के अमेठी एवं भेदुआ ब्लाक होते हुए लखनऊ के लिये संचालित है। उक्त निगम की बसों को राजधानी से जोड़ा गया है तथा अनुबन्धित बसों से अमेठी, गौरीगंज, जामो, जगदीशपुर एवं शाहगढ़, मुसाफिरखाना ब्लाक को जोड़ा गया है।

(20) लखनऊ क्षेत्र-वित्तीय वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत लखनऊ क्षेत्र के चारबाग डिपो से 1 बस आलमबाग-अयोध्या।

क-अकबरपुर-जहांगीरगंज-राजेसुल्तानपुर मार्ग पर नवीन बस सेवा संचालित करायी गयीं जो निम्न ब्लाक, तहसील, मुख्यालय एवं राजधानी लखनऊ को पोषित कर रही हैं, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

ब्लाक-जहांगीरगंज, रामनगर, बसखारी, अकबरपुर, खेतारी, गोसाईगंज, मया बाजार, रुदौली, रामसनेहीघाट, नवाबगंज।

तहसील-आलापुर, अकबरपुर, फैजाबाद, सदर, सोहावल, रुदौली, रामसनेहीघाट, नवाबगंज।

जनपद-अम्बेडकरनगर, अयोध्या, बाराबंकी।

कैसरबाग-बरेली-मुरादाबाद-बिजनौर-मुजफ्फरनगर-कैराना नवीन सेवा संचालित करायी गयी जो निम्न ब्लाक, तहसील एवं जनपद मुख्यालय एवं राजधानी लखनऊ को पोषित कर रही हैं, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

ब्लाक-नूरपुर, जानसठ, लालूखेड़ी, शामली, कैराना।

तहसील-जानसठ, कैराना, शामली।

जनपद-सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, शामली।

अनुबन्धित सेवा से पोषित-

जनपद-बाराबंकी के अन्तर्गत बाराबंकी डिपो में वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 14 बसें अनुबन्धित की गयीं, जो निम्न ब्लाक, तहसील एवं जनपद-मुख्यालय बाराबंकी एवं राजधानी लखनऊ को पोषित कर रही हैं, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

ब्लाक-पूरेडलई, रामनगर, मसौली, बंकी, फतेहपुर, देवां, सूरतगंज, रामपुर मथुरा, फखरपुर, कैसरगंज, करनैलगंज, गोण्डा, इटियाथोक, बलरामपुर, महमूदाबाद, बिसवां।

तहसील-नवाबगंज, रामनगर, रामसनेहीघाट, फतेहपुर, महमूदाबाद, बिसवां, गोण्डा सदर, गोण्डा, करनैलगंज, कैसरगंज, बलरामपुर।

जनपद बाराबंकी, बहराइच, गोण्डा, बलरामपुर।

ख-जनपद-रायबरेली के अन्तर्गत बाराबंकी डिपो में वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 02 बसें अनुबन्धित की गयीं, जो निम्न ब्लाक, तहसील एवं जनपद-मुख्यालय बाराबंकी एवं राजधानी लखनऊ को पोषित कर रही हैं, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

ब्लाक-छतोह, डीह, राही, डलमऊ।

तहसील-सलोन, सदर रायबरेली-डलमऊ, जनपद-रायबरेली।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अन्तर्गत लाभान्वित होने वाले खाताधारकों का विवरण

47-श्री पंकज मलिक-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अन्तर्गत दिनांक 01 जून, 2017 से 31 मई, 2018 तक जिलेवार कितने खाताधारकों ने बीमा के लिए कुल कितने प्रीमियम राशि की अदायगी की तथा इनमें से कितने प्रीमियम राशि की अदायगी कितने खाताधारकों ने दुर्घटना

होने पर दिनांक 04.01.2023 तक प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा राशि के लिए दावा किया है एवं इनमें से कितने बीमा धारकों को कितनी बीमा धनराशि भुगतान हुआ है ? क्या सरकार यह भी बतोयगी कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अन्तर्गत कितने खाताधारकों की मृत्यु होने पर उनके उत्तराधिकारियों ने दावा दाखिल किया और उनमें से कितने उत्तराधिकारियों को कितनी राशि का भुगतान किया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

कोई नहीं।

कोई नहीं।

लागू नहीं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में कार्यरत ए0आर0टी0ओ0 के संरक्षण में कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की जाँच के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री, परिवहन मंत्री एवं प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग को प्रेषित पत्रों पर कार्यवाही विषयक

48-श्री मनीष असीजा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में वर्तमान में कार्यरत ए0आर0टी0ओ0 के संरक्षण में कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की जाँच के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का मुख्य मंत्री, परिवहन मंत्री एवं प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग को प्रेषित पत्रांक क्रमशः क-6 नं0 602463, क-6 नं0 602462 एवं क-6 नं0 602460 दिनांक 22/12/2022 प्राप्त हुये हैं ? यदि हाँ, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नही, तो क्यो ?

श्री दयाशंकर सिंह-

मा0 सदस्य, विधान सभा के दिनांक 22.12.2022 के 02 पत्र संख्या-क-6 नं0 602462 एवं क-6 नं0 602463 प्राप्त हुए हैं।

शासन के पत्र संख्या-125/पी0एस0टी0/2023, दिनांक 28.12.2022 द्वारा जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को 02 सदस्यीय समिति गठित कर जांच आख्या शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। जाँच आख्या प्राप्त न होने की स्थिति में जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को अनुस्मारक-पत्र संख्या-15/पी0 एस0 टी0/2023, दिनांक 16.01.2023 एवं अ0शा0पत्र संख्या-45/पी0एस0टी0/2023, दिनांक 13.02.2023 प्रेषित किया गया है। जाँच आख्या प्राप्त होने पर तद्नुसार अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा नगीना का बस स्टेशन जर्जर होने के कारण नगीना से बाहर बाईपास पर नये बस स्टेशन का निर्माण कराने विषयक

49-श्री मनोज कुमार पारस-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा नगीना में स्थित बस स्टेशन जर्जर है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बस स्टेशन का निर्माण नगीना से बाहर बाईपास पर कराने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

बस स्टेशन नगीना काफी पुराना बस स्टेशन है, जिसका मरम्मत का कार्य वर्ष 2019 में कराया गया था। भवन, बाउण्ड्रीवाल व फर्श के मरम्मत की आवश्यकता है एवं शौचालय जर्जर हालत में है, जिसका पुनः निर्माण/मरम्मत वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

वर्तमान समय में बाईपास पर बस स्टेशन हेतु कोई भूमि उपलब्ध नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के नगर पंचायत जहानाबाद कस्बे में सरकारी बसों के संचालन हेतु बस स्टैण्ड भवन का निर्माण कराने विषयक

50-श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के नगर पंचायत जहानाबाद कस्बे में सरकारी बसों के संचालन एवं यात्री सुविधा हेतु बस स्टैण्ड भवन का निर्माण सरकार कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के नगर पंचायत, जहानाबाद कस्बे में सरकारी बसों के संचालन एवं यात्री सुविधा हेतु बस स्टैण्ड पूर्व से निर्मित/स्थापित है तथा वर्तमान में बस स्टेशन संचालित भी है। बस स्टेशन पर यात्रियों हेतु आवश्यक सुविधायें पर्याप्त है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में श्रम कार्यालय में कार्यरत संविदा कर्मियों की मिली-भगत से दलालों द्वारा फर्जी तरीके से जन-कल्याणकारी योजनाओं का धन आवंटन कराये जाने के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री, श्रम मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव, श्रम विभाग को प्रेषित पत्रों पर कार्यवाही विषयक

51-श्री मनीष असीजा-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में श्रम कार्यालय में कार्यरत संविदा कर्मियों की मिली-भगत से दलालों द्वारा फर्जी तरीके से जन-कल्याणकारी

योजनाओं (शादी अनुदान, चिकित्सा योजना, आपदा राहत एवं मातृत्व शिशु हितलाभ आदि) का धन आवंटन कराये जाने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का मुख्य मंत्री, श्रम मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव, श्रम विभाग को प्रेषित क्रमशः पत्रांक क-6 नं0 602466, क-6 नं0 602464 एवं क-6 नं0 602465, दिनांक 05/01/2023 प्राप्त हुए हैं ? यदि हाँ, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हाँ।

प्रश्नकर्ता मा0 सदस्य, विधान सभा का मा0 श्रम मंत्री जी, उ0प्र0 शासन को सम्बोधित पत्र संख्या-क-6 नं0 602464, दिनांक 05.01.2023 एवं अपर मुख्य सचिव, श्रम, उ0प्र0 शासन को सम्बोधित पत्र संख्या-क-6 नं0 602465, दिनांक 05.01.2023 उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड कार्यालय को प्राप्त हुए हैं। पत्रांक-क-6 नं0 602466 प्राप्त नहीं हुआ है।

बोर्ड के पत्र दिनांक 16.01.2023 द्वारा सहायक श्रमायुक्त, फिरोजाबाद को शिकायत में उल्लिखित तथ्यों की नियमानुसार जांच कराकर अपने स्तर पर कार्यवाही करने का निर्देश निर्गत किया गया। सहायक श्रमायुक्त, फिरोजाबाद के पत्र दिनांक 13.02.2023 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त पत्रों में अंकित श्री सुखवीर सिंह पुत्र श्री कालीचरन द्वारा प्रस्तुत अपने शिकायती पत्र में लगाये गये आरोप असत्य, निराधार एवं गलत तथ्यों पर आधारित पाये गये।

प्रश्न ही नहीं उठता।

वर्ष 2017 से 2022 तक सरकार द्वारा नवसृजित रोजगार का विवरण

52-डा0 पल्लवी पटेल-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 2017 से 2022 में सरकार ने कितने नए रोजगार सृजित किए ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा जॉबसीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। इस हेतु सेवायोजन विभाग के पोर्टल sewayojan.up.nic.in में जॉबसीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) एवं नियोजकों को ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है।

सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन कर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने का कार्य किया जाता है।

क्र0-सं0	वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
1	दिनांक 19 मार्च, 2017 से 31 मार्च 2018 तक	633	63,152
2	दिनांक 01 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक	685	1,03,202
3	दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक	733	1,43,304
4	दिनांक 01 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक	869	1,47,499
5	दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक	822	1,17,430
6	दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक	1536	1,72,291
	योग	5,278	7,46,878

कुशल कामगारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं जनसामान्य व शासकीय विभागों को स्थानीय सेवाएं (प्लम्बर, कारपेन्टर, पेन्टर, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर आदि) प्रदान करने हेतु सेवामित्र प्लेटफार्म (पोर्टल sewamitra.up.gov.in/सेवामित्र एप/कॉल सेन्टर) की व्यवस्था सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित की गयी है।

सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकरण की स्थिति (दिनांक 13 फरवरी, 2023 तक)-

कुशल कामगारों की संख्या-33,913

सेवाप्रदाताओं की संख्या-753

सेवामित्र की संख्या-3,839

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बढ़ती बेराजगारी के दृष्टिगत बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में नयी कार्य योजना बनाने विषयक

53-श्री पंकज कुमार मलिक-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बढ़ती बेराजगारी के दृष्टिगत बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की सरकार ने कोई नयी कार्य योजना तैयार की है ? यदि हां, तो उसकी रूप-रेखा क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा जॉबसीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। इस हेतु सेवायोजन विभाग के पोर्टल sewayojan.up.nic.in में जॉबसीकर्स (रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी) एवं नियोजकों को ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है।

सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन कर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने का कार्य किया जाता है।

क्र0 सं0	**वर्ष**	**रोजगार मेलों की संख्या**	**चयनित अभ्यर्थियों संख्या**
1	दिनांक 19 मार्च, 2017 से 31 मार्च 2018 तक	633	63,152
2	दिनांक 01 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक	685	1,03,202
3	दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक	733	1,43,304
4	दिनांक 01 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक	869	1,47,499
5	दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक	822	1,17,430
6	दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक	1536	1,72,291
योग		5,278	7,46,878

कुशल कामगारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं जनसामान्य व शासकीय विभागों को स्थानीय सेवाएं (प्लम्बर, कारपेन्टर, पेन्टर, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर आदि) प्रदान करने हेतु सेवामित्र प्लेटफार्म (पोर्टल sewamitra.up.gov.in/सेवामित्र एप/कॉल सेन्टर) की व्यवस्था सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित की गयी है।

सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकरण की स्थिति (दिनांक 13 फरवरी, 2023 तक) -

कुशल कामगारों की संख्या - 33,913

सेवाप्रदाताओं की संख्या - 753

सेवामित्र की संख्या - 3,839

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अन्तर्गत संचालित होने की निर्धारित अवधि पूर्ण कर चुकी बसों को हटाकर नई बसें संचालित कराने विषयक

54-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की कितनी बसें मार्गों पर संचालित होने की निर्धारित अवधि पूर्ण कर चुकी हैं ? क्या इन जर्जर बसों को किसी निश्चित अवधि तक हटाकर नई बसें संचालित करायेंगे ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

नीलाम की शर्तें पूर्ण करने वाली 778 बसों को नीलाम हेतु निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है।

जी हाँ।

150 नई बसें क्रय करके बस बेड़े में सम्मिलित की जा चुकी हैं।

775 नई बसों की चेसिस क्रय करके बॉडी निर्माण की कार्यवाही गतिशील है।

650 डीजल बसें एवं 100 सी0 एन0 जी0 चेसिस क्रय करने की कार्यवाही गतिशील है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

ग्रामीण व निकाय की सरकारी गल्ले की दुकानों के निर्धारण के लिए आबादी वृद्धि को देखते हुए एक ही ग्राम में दो दुकानों का प्राविधान कराने विषयक

55-श्री अतुल प्रधान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि ग्रामीण व निकाय क्षेत्रों के लिए सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों के निर्धारण के लिए आबादी का मानक क्या है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि आबादी वृद्धि को देखते हुए एक ही ग्राम में दो दुकानों का प्राविधान सरकार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में उचित दर की दुकानों के निर्धारण का मानक आबादी न होकर राशन कार्ड में सम्मिलित सदस्य/यूनिट से है।

ग्रामीण क्षेत्र की उचित दर की दुकानों की रिक्ति, चिन्हांकन, आरक्षण एवं दुकान नियुक्ति विषयक शासनादेश सं0-6/2019/1358/29-6-2019-162सा0/2001, दिनांक 05-08-2019 के प्रस्तर-III (2) में निहित व्यवस्थानुसार यथासंभव प्रत्येक ग्राम सभा में एक राशन की दुकान होगी और यदि ग्राम सभा में 4000 यूनिट से अधिक यूनिट हो तो एक से

अधिक दुकान नियुक्त किये जाने का विचार किया जा सकता है, किन्तु पृथक दुकान खोले जाने की अनिवार्यता नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत नव निर्मित बस स्टेशन का संचालन कराने विषयक

56-श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत नव निर्मित बस स्टेशन का संचालन सरकार वर्ष 2023 में करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

बस स्टेशन निर्माणाधीन है।

सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य पूर्ण किये जाने एवं परिवहन निगम को नियमानुसार हस्तगत होने पर बस संचालन निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत अनाज तौलने की प्रक्रिया को ई-पॉज के माध्यम से जोड़ते हुये ऑनलाइन कराये जाने विषयक

57-श्री मनीष असीजा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत सरकार उचित दर की दुकानों के तौल कांटो से अनाज तौलने की प्रक्रिया को ई-पॉज के माध्यम से जोड़ते हुये ऑनलाइन कराये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश की समस्त उचित दर दुकानों में ई-पॉज मशीनों में अनाज तौलने हेतु ई-कॉटों को लिंक कराकर स्थापित किये जाने हेतु नवीन ई-टेण्डर कराये जाने की प्रक्रिया प्रचलित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा खनन के पट्टों से अर्जित की गयी अवैध सम्पत्ति की जांच कराये जाने विषयक पत्र पर कार्यवाही

58-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा खनन के पट्टों से अर्जित की गयी अवैध सम्पत्ति की जांच कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र क-7 सं0-182100, दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

जिलाधिकारी, झांसी द्वारा कार्यवाही की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के भवन निर्माण के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण से क्रय भूमि तथा उसके निर्माण के सम्बन्ध में अवमुक्त धनराशि का विवरण

59-श्री राम अवतार सिंह-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के भवन निर्माण के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण से भूमि क्रय की गयी थी ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त भूमि पर बोर्ड का अधिकार है ? यदि हां, तो उक्त भूमि पर बोर्ड द्वारा बाउण्ड्रीवाल के निर्माण हेतु लखनऊ विकास प्राधिकरण को कितनी धनराशि भुगतान की गई है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हां।

दिनांक 08.03.2016 को उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के मुख्यालय निर्माण हेतु लखनऊ विकास प्राधिकरण से गोमतीनगर योजना विभूति खण्ड में प्लाट संख्या-टी0सी0-17-वी क्षेत्रफल 1.35 एकड़ (5463.27 वर्ग मीटर) क्रय की गयी थी।

संयुक्त सचिव, लखनऊ विकास प्राधिकरण के पत्र संख्या-190/JS (D) बल्क सेल/21, दिनांक 18.03.2021 द्वारा अवगत कराया गया है कि गोमती नगर योजना के विभूति खण्ड के भू-खण्ड संख्या-टी0सी0-17-वी, उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के भवन निर्माण हेतु आवंटित प्रश्नगत भू-खण्ड पर अतिक्रमण हटाकर भू-खण्ड पर बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य कराकर मुख्य द्वार पर गेट स्थापित हो गया है तथा उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (श्रम विभाग उ0प्र0, यह सम्पत्ति उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की है) का चार अदद लोहे के बोर्ड लगवा दिये गये हैं।

दिनांक 14.12.2018 को उक्त भू-खण्ड पर बाउण्ड्रीवाल निर्माण के लिए रु0 29,32,045/- की धनराशि अग्रिम रूप में लखनऊ विकास प्राधिकरण को बोर्ड द्वारा भुगतान किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों को दी जाने वाली योजनाओं का सोशल आडिट कराये जाने के सम्बन्ध में

60-श्री राम अवतार सिंह-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों को दी जाने वाली योजनाओं का सोशल आडिट कराये जाने का निर्णय बोर्ड द्वारा लिया गया था ? यदि हां, तो कितनी योजनाओं का आडिट विगत तीन वर्षों में कराया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हाँ।

बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का सोशल आडिट करने हेतु चयनित संस्था ''सोशल आडिट निदेशालय, ग्राम्य विकास, उ0प्र0'' द्वारा सोशल आडिट किये जाने में असमर्थता व्यक्त किये जाने के कारण बोर्ड द्वारा संचालित किसी भी योजना का अभी तक सोशल आडिट नहीं कराया जा सका है।

सोशल आडिट न होने के कारण विवरण प्रस्तुत करना संभव नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिक मृत्यु, विकलांगता सहायता योजना एवं कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत बोर्ड द्वारा प्रकरणों के निस्तारण की समय सीमा एवं उक्त समय सीमा का पालन न करने वाले दोषी के विरुद्ध कार्यवाही करवाने विषयक

61-श्री राम अवतार सिंह-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिक मृत्यु एवं विकलांगता सहायता योजना एवं कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत मुरादाबाद मण्डल में उप श्रमायुक्त मुरादाबाद के समक्ष दिनांक 30.11.2022 तक कितने आवेदन लम्बित हैं तथा दिनांक 01.04.2021 से दिनांक 30.11.2022 तक उपरोक्त योजनाओं में कुल कितने आवेदन-पत्र प्राप्त हुए और कितने स्वीकृत हुए तथा कितने अस्वीकृत हुए ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि बोर्ड द्वारा प्रकरणों के निस्तारण की कोई समय-सीमा निर्धारित है ? यदि हां, तो उक्त समय-सीमा का पालन न करने वाले दोषी के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

मुरादाबाद क्षेत्र, मुरादाबाद के अन्तर्गत आवर्त 05 जनपदों में उप श्रमायुक्त, मुरादाबाद के समक्ष दिनांक 30.11.2022 तक निर्माण कामगार मृत्यु एवं विकलांगता/दिव्यांगता सहायता तथा पुत्री/कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत कुल 7,714 आवेदन लम्बित हैं तथा दिनांक 01.04.2021 से दिनांक 30.11.2022 तक यू0 पी0 एल0 एम0 आई0 पोर्टल के अनुसार कुल 36,805 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 9,675 आवेदन स्वीकृत एवं 13,819 आवेदन अस्वीकृत हैं।

दिनांक 01.04.2021 से दिनांक 30.11.2022 तक प्राप्त कुल 36,805 आवेदनों में से कुल 23,494 आवेदनों का निस्तारण कर दिया गया तथा 13,311 पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

जी हाँ।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा सिंगल नोडल एकाउण्ट की व्यवस्था को वित्तीय वर्ष 2022-2023 से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके अन्तर्गत स्वीकृति एवं भुगतान की कार्यवाही एक साथ की जानी है। प्रक्रियागत कारणों से समय-सीमा का पालन न होने के कारण कोई दोषी नहीं है।

लागू नहीं।

प्रश्न नहीं उठता है।

प्रदेश में सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों को सरकार द्वारा मुआवजा दिलाये जाने विषयक

62-श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री पंकज पटेल तथा श्री तुफानी सरोज-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मार्च, 2022 से सड़क दुर्घटना में कुल कितने लोगों की मौत हुई ? क्या सरकार बताएगी कि दुर्घटना में मारे गए लोगों के कितने परिवार को सरकार द्वारा मुआवजा दिया गया एवं कितने परिवारों को दिया जाना शेष है ? क्या सरकार शेष परिवारों को मुआवजा प्रदान करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

प्रदेश में मार्च, 2022 से दिसम्बर, 2022 तक सड़क दुर्घटनाओं में कुल 19,415 लोगों की मृत्यु हुई।

परिवहन विभाग द्वारा केवल सार्वजनिक सेवायानों से घटित होने वाली दुर्घटनाओं में मृतक/घायलों के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है व उ0प्र0 मोटरयान कराधान नियमावली, 1998 के नियम-30 एवं 31 में उद्धत सुसंगत प्राविधानों के अनुसार जिलाधिकारी के स्तर से मृतक/घायलों के सम्बन्ध में जाँच आख्या प्राप्त होने पर सहायता धनराशि आवंटित की जाती है।

मार्च, 2022 से दिसम्बर, 2022 तक सार्वजनिक सेवायानों से घटित दुर्घटनाओं की प्राप्त सूचना अनुसार कुल 276 लोगों की मृत्यु हुयी, जिसमें से मार्च, 2022 से दिसम्बर, 2022 तक कुल 12 मृतकों (यात्री-02 तथा अन्य-10) के आश्रितों/परिवारों को आर्थिक सहायता आवंटित की गयी तथा शेष 264 लोगों के सम्बन्ध में संबंधित जिलाधिकारियों के स्तर से जांच आख्या/संस्तुति प्राप्त होने पर सहायता धनराशि आवंटन की कार्यवाही की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में ओवर स्पीडिंग से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाये जाने हेतु कार्य योजना बनाने विषयक

63-श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री पंकज पटेल तथा श्री तुफानी सरोज-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ओवर स्पीडिंग से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाये जाने हेतु सरकार के पास कोई कार्य योजना है ? यदि हां, तो उसका प्रारूप क्या है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी हां।

वर्तमान स्थिति-

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-112 में निर्धारित गति सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना प्रतिबंधित किया गया है।

समस्त 75 जनपदों के स्थानीय प्राधिकारी द्वारा विभिन्न मार्गों पर गति सीमा के संदर्भ में अधिसूचना जारी कर परिवहन विभाग की वेबसाइट http://uptransport.upsdc.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है।

परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग की 23 इंटरसेप्टर में लगे स्पीड लेजर गन से ओवर स्पीड वाहनों का चालान किया जा रहा है।

Automatic Number Plate Recognition (ANPR)/स्पीड कैमरा के माध्यम से लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे एवं ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर चालान किया जा रहा है।

समाचार-पत्रों, सोशल मीडिया एवं रेडियो चैनल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

यातायात विभाग द्वारा 205 स्पीड रडार गन से ओवर स्पीडिंग के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है।

पुराने कॉमर्शियल वाहनों में स्पीड लिमिट डिवाइस लगायी गयी है तथा फिटनेस के समय इसकी जांच की जाती है।

नये कॉमर्शियल वाहनों में स्पीड लिमिट डिवाइस मैन्युफैक्चरर द्वारा ही लगाया जा रहा है।

आगामी कार्य योजना-

परिवहन विभाग द्वारा सभी 75 जनपदों में प्रति जनपद एक स्पीड लेजर गन का प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाधीन है।

स्पीड लेजर गन युक्त 38 इंटरसेप्टर का क्रय परिवहन विभाग द्वारा प्रक्रियाधीन है, जिसे सर्वाधिक दुर्घटना वाले जनपदों में आवंटित किया जायेगा।

सर्वाधिक मृत्यु वाले 20 जनपदों के NH/SH पर ANPR/स्पीड कैमरा की स्थापना एवं ई-चालान पोर्टल से इंटीग्रेशन का कार्य सम्बंधित सड़क निर्माण एजेंसी द्वारा कराया जा रहा है।

17 ITMS वाले महानगर/नगरों में ANPR/स्पीड कैमरा की स्थापना एवं ई-चालान पोर्टल से इंटीग्रेशन का कार्य नगर विकास विभाग द्वारा कराया जा रहा है एवं कतिपय चौराहों पर ITMS प्रणाली के माध्यम से यातायात विभाग द्वारा चालान की कार्यवाही की जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कौशाम्बी के सिराथू विधान सभा क्षेत्र के युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कार्य योजना बनाने विषयक

64-डा0 पल्लवी पटेल-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कौशाम्बी के सिराथू विधान सभा क्षेत्र के युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कोई कार्य योजना बनाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन कर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने का कार्य किया जाता है। जनपद कौशाम्बी के सिराथू विधान सभा क्षेत्र में रोजगार मेले की प्रगति रिपोर्ट -

वर्ष	आयोजित रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
2022-23 (31 जनवरी, 2023 तक)	08	पुरुष 351 महिला-05

प्रश्न नहीं उठता।

जेल मैनुअल में विधायक के अधिकार व कर्तव्य का विवरण उपलब्ध कराने विषयक

65-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जेल मैनुअल में विधायक के अधिकार व कर्तव्य का उल्लेख है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण उपलब्ध करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल के प्रस्तर-627 (3) में प्राविधान है कि राज्य विधान मण्डल के सभी सदस्य, अपनी ऐसी सदस्यता की अवधि के दौरान, मुख्यालय या जिले, जिसमें वे निवास करते हैं, में स्थित जिला जेल और केन्द्रीय कारागारों के पदेन अशासकीय विजिटर होंगे।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जेल में बंद विधायकों को प्रदत्त सुविधाएं प्रदान कराये जाने विषयक

66-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि क्या विधायक इरफान सोलंकी जो 2 दिसम्बर से अब तक जेल में बंद होने के दौरान विधायकों की प्रदत्त सुविधाएं प्रदान की गई है ? यदि हाँ, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या इरफान सोलंकी को विधायकों हेतु प्रदत्त सुविधाएं उपलब्ध न कराने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति

जी, नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल में जेल में बंद होने के दौरान विधायकों को सुविधाएं प्रदान किये जाने का प्रावधान नहीं है।

कारागार में निरुद्ध बंदी से मुलाकात हेतु प्रक्रिया निर्धारित कराये जाने सम्बन्धी

67-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विधायक को कारागार में निरुद्ध किसी बंदी से मुलाकात विधि अनुरूप प्रक्रिया निर्धारित है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजाप्रति-

जी, नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल में सामान्य जनमानस की भाँति ही मा0 विधायक एवं अन्य मा0 जनप्रतिनिधियों को भी कारागार में निरुद्ध किसी बंदी से मुलाकात कराये जाने का प्रावधान है।

जनपद हमीरपुर के कुछेछा में उ0प्र0 परिवहन निगम द्वारा वर्कशाप बनाये जाने की कार्यवाही का विवरण

68-डा0 मनोज कुमार प्रजापति-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद हमीरपुर के कुछेछा में उ0प्र0 परिवहन निगम द्वारा वर्कशाप बनाये जाने की कार्यवाही लम्बित है ? यदि हां, तो उक्त का क्या कारण है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

बस स्टेशन हमीरपुर पर संचालित कार्यशाला को जनपद हमीरपुर के कुछेछा में स्थित परिवहन निगम के स्वामित्व की लगभग 1.05 एकड़ भूमि पर स्थानान्तरित करने हेतु आवश्यक अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु रु0 545.03 लाख का प्रारम्भिक आगणन प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के लिये प्रक्रियाधीन है।

संगत मद में सीमित धनराशि उपलब्ध होने के कारण।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

अवैध प्राइवेट बसों का संचालन, ओवरलोडिंग तथा अवैध वसूली की जांच कराकर कार्रवाई कराने विषयक

69-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य मंत्री पोर्टल पर आई0जी0आर0एस0 सं0-18150220239114, दिनांक 25-11-2022 द्वारा प्राइवेट अवैध बसों का संचालन, ओवरलोडिंग, अवैध वसूली की जांच विषयक है, पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

मा0 मुख्य मंत्री जी के पोर्टल पर आई0जी0आर0एस0 संदर्भ संख्या-18150220239114, दिनांक 25-11-2022 द्वारा जनपद शाहजहांपुर में प्राइवेट बसों के संचालन, ओवरलोडिंग की जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही कराने हेतु की गयी अपेक्षानुक्रम में सूच्य है कि जनपद शाहजहांपुर में नियम विरुद्ध संचालित बसों के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी कार्यवाही गतिमान है। माह अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक 463 बसों के विरुद्ध

चालान/बन्द की कार्यवाही की गयी, जिनसे रु0 35.60 लाख प्रशमन शुल्क तथा रु0 11.31 लाख कर के रूप में वसूल किया गया।

जनपद में ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध भी नियमित एवं प्रभावी कार्यवाही प्रचलित है। माह अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 तक 755 ओवरलोड माल वाहनों के विरुद्ध चालान/बन्द की कार्यवाही की गयी, जिनसे रु0 216.70 लाख प्रशमन शुल्क तथा रु0 9.37 लाख कर के रूप में वसूल किया गया।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में स्थाई डिपो बनाने की कार्य योजना का विवरण

70-श्री अनिल कुमार-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में स्थाई डिपो बनाने की कोई कार्य योजना प्रस्तावित है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

वर्तमान में पुरकाजी कस्बे में परिवहन निगम के स्वामित्व का बस स्टेशन संचालित है तथा यहां पर सभी मूलभूत यात्री सुविधायें उपलब्ध है। यहां से परिवहन निगम की बसों का संचालन हो रहा है। वर्तमान समय में पुरकाजी कस्बे में स्थाई डिपो बनाने की कोई कार्य योजना प्रस्तावित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

वर्तमान में पुरकाजी कस्बे में क्षेत्रीय जनता को परिवहन सुविधाओं से युक्त बस स्टेशन स्थापित है। वर्तमान समय में यहां पर स्थाई डिपो की आवश्यकता नहीं है।

जनपद कन्नौज के गुरुसहायगंज में निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टाप के निर्माण कार्य पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित कराये जाने विषयक

71-श्रीमती अर्चना पाण्डेय-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कन्नौज के गुरुसहायगंज में निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टाप के निर्माण कार्य पूर्ण करने की कोई समय-सीमा निर्धारित की गयी है ? यदि हां, तो कब तक ? क्या सरकार द्वारा उक्त रोडवेज बस स्टाप के निर्माण कार्य में विलम्ब हेतु कार्यदायी संस्था पर कार्यवाही की गयी है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी हाँ।

सितम्बर, 2019 से कार्य प्रारम्भ कर लगभग 01 वर्ष में धनराशि की उपलब्धता के आधार पर पूर्ण किया जाना था।

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

संगत मद में सीमित धनराशि उपलब्धता एवं प्रचलित अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों के कारण समय से आवश्यक धनराशि अवमुक्त न हो सकना।

जनपद कन्नौज अन्तर्गत छिबरामऊ तथा गुरुसहायगंज बस स्टाप से बसों के संचालन हेतु वर्कशाप का निर्माण कराने सम्बन्धी

72-श्रीमती अर्चना पाण्डेय-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कन्नौज अन्तर्गत छिबरामऊ तथा गुरुसहायगंज बस स्टाप से बसों के संचालन हेतु वर्कशाप का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

छिबरामऊ में बस स्टेशन के साथ सुसज्जित कार्यशाला कार्यरत है। गुरुसहायगंज से 23 किमी0 की दूरी पर छिबरामऊ तथा 26 किमी0 की दूरी पर कन्नौज डिपो कार्यशाला कार्यरत है। अतः गुरुसहायगंज में डिपो कार्यशाला की आवश्यकता नहीं है। गुरुसहायगंज में बस स्टेशन वर्तमान में निर्माणाधीन है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बेल्थरा रोड डिपों में जर्जर बसों के स्थान पर नये बसों का संचालन कराये जाने विषयक

73-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बेल्थरा रोड डिपों में कितनी बसें जर्जर अवस्था में हैं ? क्या सरकार उनके स्थान पर नये बसों का संचालन करवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद बलिया के बेल्थरा रोड डिपो की 02 बसें नीलाम की जा चुकी हैं, एक अन्य बस नीलाम हेतु प्रस्तावित है।

जी हाँ।

775 नई बस बॉडी निर्माण प्रक्रिया गतिशील है।

प्रश्न नहीं उठता।

जिला मुख्यालय बलिया से बेल्थरा रोड आजमगढ़ होकर लखनऊ और कानपुर तक उ0प्र0 परिवहन की वोल्वो और जनरल बसों का संचालन कराने की मांग

74-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला मुख्यालय बलिया से बेल्थरा रोड आजमगढ़ होकर लखनऊ-कानपुर तक उ0प्र0 परिवहन की वोल्वो और जनरल बसों का संचालन करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जिला मुख्यालय बलिया से बेल्थरा रोड-आजमगढ़ होकर लखनऊ और कानपुर तक साधारण निगम की बसों का ही संचालन है। निगम की फ्लीट में वोल्वो बसें अनुबन्ध के आधार पर संचालित की जाती हैं, वर्तमान में आजमगढ़ क्षेत्र में कोई वोल्वो बस अनुबन्ध में नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद चित्रकूट में श्रम प्रर्वतन कार्यालय में लम्बित मातृत्व शिशु लाभ योजना एवं विवाह योजना की पत्रावलियों का निस्तारण कर लाभार्थियों को लाभ दिलाने तथा विलम्ब हेतु दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही कराने विषयक

75-श्री अनिल प्रधान-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चित्रकूट में श्रम प्रर्वतन कार्यालय में मातृत्व शिशु लाभ योजना एवं विवाह योजना की पत्रावलियां लम्बित होने के कारण लाभार्थियों को उक्त योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त लम्बित आवेदनों को निस्तारित कर लाभार्थियों को लाभ दिलाकर विलम्ब हेतु दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जनपद चित्रकूट में विगत 03 वर्षों में मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन प्राप्त आवेदन-पत्रों में से वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्राप्त कुल 2136 आवेदनों के जांचोपरान्त पात्र पाये जाने पर 1835 आवेदन स्वीकृत हुए तथा 301 आवेदन अपात्र पाये जाने पर अस्वीकृत हुए, स्वीकृत आवेदनों के सापेक्ष कुल धनराशि रु0 2,79,25,424/-(रु0 दो करोड़ उन्यासी लाख पच्चीस हजार चार सौ चौबीस मात्र) का भुगतान किया गया। वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्राप्त कुल 5357 आवेदनों के जांचोपरान्त पात्र पाये जाने पर 4032 आवेदन स्वीकृत हुए तथा 1325 आवेदन अपात्र पाये जाने पर अस्वीकृत हुए, स्वीकृत आवेदनों के सापेक्ष कुल धनराशि रु0 7,12,96,854/-(रु0 सात करोड़ बारह लाख छानवे हजार आठ सौ चौवन मात्र) का भुगतान किया गया एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में

(13 फरवरी, 2023 तक) प्राप्त कुल 3363 आवेदनों में से कुल 1878 आवेदन की जांच की कार्यवाही की गयी है, जिनमें से 337 आवेदन पात्र पाये जाने पर स्वीकृत हो गये हैं एवं 550 आवेदन अपात्रता के कारण अस्वीकृत हो चुके हैं, शेष आवेदनों की जांच की जा रही है।

कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन प्राप्त आवेदन-पत्रों में से वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्राप्त कुल 183 आवेदन-पत्रों के जांचोपरान्त पात्र पाये जाने पर 162 आवेदन स्वीकृत हुए तथा 21 आवेदन अपात्र पाये जाने पर अस्वीकृत हुए। स्वीकृत आवेदनों के सापेक्ष कुल धनराशि 59,40,000/-(रू0 उनसठ लाख चालीस हजार मात्र) का भुगतान किया गया। वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्राप्त कुल 742 आवेदन-पत्रों के जांचोपरान्त पात्र पाये जाने पर 569 आवेदन स्वीकृत हुए तथा 173 आवेदन अपात्र पाये जाने पर अस्वीकृत हुए। स्वीकृत आवेदनों के सापेक्ष भुगतान किया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 (13 फरवरी, 2023 तक) में प्राप्त कुल 891 आवेदनों के जांचोपरान्त पात्र पाये जाने पर 292 आवेदन स्वीकृत हुए तथा 299 आवेदन अपात्र पाये जाने पर अस्वीकृत हुए। स्वीकृत आवेदनों के सापेक्ष कुल धनराशि रु0 1,24,85,000/-(रु0 एक करोड़ चौबीस लाख पचासी हजार मात्र) का अब तक भुगतान किया जा चुका है।

योजनाओं के अन्तर्गत आवेदन प्राप्त होना, स्वीकृत किया जाना तथा हितलाभ प्रदान किया जाना एक सतत् प्रक्रिया है, अतः प्रक्रियागत कारणों से विलम्ब हेतु कोई दोषी नहीं है।

लागू नहीं।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद बुलन्दशहर के ककोड-चोला-सिकन्दराबाद होते हुए नोएडा तक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का संचालन कराने की मांग

76-श्री लक्ष्मी राज सिंह-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बुलन्दशहर के ककोड-चोला-सिकन्दराबाद होते हुए नोएडा तक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का संचालन नहीं होने के कारण ककोड-चोला-सिकन्दराबाद होते हुए नोएडा तक आने-जाने में स्थानीय नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद बुलन्दशहर के ककोड-चोला-सिकन्दराबाद होते हुए नोएडा मार्ग पर आने-जाने हेतु उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का संचालन करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद बुलन्दशहर के ककोड-चोला-सिकन्दराबाद मार्ग पर वर्तमान में चोला से विभिन्न मार्गों पर प्राइवेट बसों का संचालन 10-15 मिनट के अन्तराल पर हो रहा है। सिकन्दराबाद डिपो को सिकन्दराबाद-चोला चौकी-धनौरा मार्ग पर सिकन्दराबाद से जेवर और सहबद्ध मार्ग

वाया झाझर-ककोड मार्ग हेतु परमिट प्राप्त है। उक्त मार्गों में सिकन्दराबाद से चोला-ककोड-झाझर जेवर तक अराष्ट्रीयकृत भाग है। नोएडा-बुलन्दशहर वाया सिकन्दराबाद मार्ग पर नोएडा क्षेत्र की लगभग 40 निगम बसें संचालित हैं तथा सिकन्दराबाद से चोला नामक स्थान की दूरी 18 किमी0 है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

77-श्री राकेश प्रताप सिंह-

[02-गुरुवार के अतारांकित प्रश्न सं0-42 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद बुलन्दशहर के बुलन्दशहर-जेवर-झाझर मार्ग पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का संचालन कराने की मांग

78-श्री लक्ष्मी राज सिंह-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बुलन्दशहर के बुलन्दशहर-जेवर-झाझर मार्ग पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का संचालन नहीं होने से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद बुलन्दशहर के बुलन्दशहर-जेवर-झाझर मार्ग पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों का संचालन करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जेवर के पास हवाई अड्डे का निर्माण कार्य गतिशील होने एवं मार्ग अवरुद्ध होने के कारण बुलन्दशहर से जेवर-झाझर मार्ग पर निगम की बसें वर्तमान में संचालित होने में कठिनाई है।

परिवहन निगम की बसों का संचालन उक्त मार्ग पर संचालन योग्य होने पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में यूपी बेरोजगार भत्ता योजना विषयक जानकारी

79-डा0 पल्लवी पटेल-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में दिनांक 16-01-2023 तक यूपी बेरोजगार भत्ता योजना के तहत कितने युवाओं ने पंजीकरण कराया है तथा पंजीकरण के सापेक्ष कितने युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

सेवायोजन विभाग द्वारा यूपी बेरोजगारी भत्ता योजना संचालित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में मुख्य मंत्री प्रवासी श्रमिक उद्यमिता विकास योजना विषयक जानकारी

80-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मुख्य मंत्री प्रवासी श्रमिक उद्यमिता विकास योजना प्रचलित है ? यदि हाँ, तो उक्त योजना में कितने पंजीकरण के सापेक्ष कितने श्रमिकों को इसका लाभ मिला है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नही, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

श्रम एवं सेवायोजन विभाग में मुख्य मंत्री प्रवासी श्रमिक उद्यमिता विकास योजना प्रचलित नहीं है।

लागू नहीं।

लागू नहीं।

लागू नहीं।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के गठन की तिथि से वित्तीय लेखा वर्ष 2021-22 तक बैलेंस शीट का विवरण उपलब्ध कराने सम्बन्धी

81-श्री राम अवतार सिंह-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के गठन की तिथि से वित्तीय लेखा वर्ष 2021-22 तक कितने वर्षों की बैलेंस शीट तैयार कर बोर्ड के समक्ष रखी गयी है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी नहीं।

लागू नहीं।

बैलेंस शीट बनाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन होने के कारण उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के समक्ष नहीं रखी गयी है।

प्रदेश में उत्तर प्रदेश इंटर्नशिप स्कीम विषयक जानकारी

82-श्री पंकज पटेल, श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू तथा श्री तुफानी सरोज-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में यू0पी0 इंटर्नशिप स्कीम संचालित है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त इंटर्नशिप करने वाले युवाओं

को प्रतिमाह 2500/रु0 की धनराशि वित्तीय सहायता के रूप में प्रदान की जाती है ? यदि हां, तो क्या सरकार बताएगी कि दिनांक 17-01-2023 तक कितने युवाओं को इस योजना से लाभ प्रदान किया गया है ? क्या सरकार लाभार्थियों का जनपदवार विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

यू0पी0 इंटर्नशिप स्कीम सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

वर्तमान समय में प्रदेश में खरीदी गई नई बसों तथा मरम्मत कराकर संचालित कराई जा रही बसों का विवरण

83-श्री अतुल प्रधान-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वर्तमान समय में कितनी नई बसें खरीदी गई हैं और कितनी नई बसें खरीदी जानी शेष हैं ? क्या सरकार पुरानी बसों की मरम्मत कराकर संचालित करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

उ0प्र0 परिवहन निगम द्वारा 150 नई डीजल बसें बी0एस0-6 मॉडल की क्रय की जा चुकी हैं। 775 बी0एस0-6 मॉडल की बसें चेसिस क्रय उपरान्त बॉडी निर्माण की कार्यवाही गतिशील है। इसके अतिरिक्त 650 नई डीजल बी0एस0-6 बसें तथा 100 सी0एन0जी0 बसें नई क्रय करने की कार्यवाही गतिशील है।

जी हाँ। पुरानी बसों की मरम्मत कराकर संचालित करायी जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत गोरा बाजार स्थित लेबर कालोनी का कार्य पूर्ण कराने विषयक

84-श्री जै किशन साहू-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत गोरा बाजार स्थिर लेबर कालोनी का कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त कार्य को पूर्ण कराने हेतु कोई योजना बनायेगी ? यदि नही, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जनपद गाजीपुर में श्रम विभाग की कोई लेबर कालोनी अवस्थित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में छात्रों एवं छात्राओं हेतु संचालित बसों में बैठाये जाने का मानक निर्धारित कराने विषयक

85-श्री बेदी-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में छात्रों एवं छात्राओं को ले जाने तथा ले आने वाली स्कूल बसों एवं वैनों में मानक से अधिक बच्चों को बैठाये जाने से बच्चों के जीवन का खतरा बना रहता है ? यदि हां, तो क्या सरकार ने स्कूल बसों एवं स्कूल वैन में मानक के अनुरूप बच्चों को बैठाये जाने के निर्देश जारी करे हैं ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

स्कूल बसों एवं वैनों में बैठने की अनुमन्य क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जाना बच्चों के जीवन के लिए असुरक्षित हो सकता है।

सरकार ने स्कूल बसों एवं स्कूल वैन में मानक के अनुरूप बच्चों को बैठाये जाने के प्रयोजनार्थ अधिसूचना संख्या-11/2022/526/तीस-4-2022-17(सा0)/2018, दिनांक 02-05-2022 द्वारा उत्तर प्रदेश मोटर यान (अट्ठाइसवां संशोधन) नियमावली, 2022 प्रख्यापित की गयी है।

उक्त अधिसूचना के द्वारा उत्तर प्रदेश मोटर यान नियमावली, 1998 के अध्याय-नौ-क ''विद्यालयीय यानों के लिए विषेश उपबन्ध'' के नियम-222-ठ के उपनियम (1) के खण्ड (ड-एक) के अन्तर्गत शिक्षा संस्था बस उपनियम (2) के खण्ड (ढ-एक) के अन्तर्गत ठेकागाड़ी बस एवं उपनियम (3) के खण्ड (ज-एक) के अन्तर्गत विद्यालय वैन में बच्चों को बैठाये जाने के मानक निर्धारित किये गये हैं।

निर्धारित मानक के अनुसार किसी स्कूल बस तथा वैन में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में उल्लिखित बैठने की क्षमता से अधिक संख्या में छात्रों को नहीं ले जाया जायेगा। बारह वर्ष की आयु से कम आयु के बच्चों की दशा में स्कूल बस तथा वैन में बैठने की क्षमता के 1.5 गुना बच्चों को ले जाने की अनुमति प्रदान की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता है।

प्रदेश में खराब हो चुकी बसों को हटाकर नई बसें लगाये जाने सम्बन्धी

86-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कितनी सरकारी बसें नीलामी की शर्तें पार होने के उपरान्त भी संचालित की जा रही हैं ? क्या सरकार खराब हो चुकी बसों को हटाकर नई बसें लाएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

नीलामी की शर्तें पार करने वाली 778 बसें नीलाम हेतु संचालन से हटा दी गई हैं।

जी हाँ।

150 नई बसें क्रय कर बस बेड़े में शामिल की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त 775 बसों को क्रय करने के उपरांत बस बॉडी निर्माण की कार्यवाही गतिशील है। 650 नई बा0एस0-6 डीजल एवं 100 सी0एन0जी0 नई बसें क्रय करने की कार्यवाही गतिशील है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के मुख्यालय में रोडवेज डिपो की स्थापना कराने विषयक

87-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के मुख्यालय में रोडवेज डिपो की स्थापना कराने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

बलिया से विधान सभा क्षेत्र बैरिया 34 किमी0 दूरी पर स्थित है, बैरिया में परिवहन निगम के स्वामित्व की कोई भूमि नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं के आवेदन की प्रमाणिकता एवं पात्रता की जांच का विवरण तथा प्राप्त आवेदन के सापेक्ष लाभांवितों का विवरण

88-श्री नाहिद हसन-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीयन नवीनीकरण एवं योजनाओं के जो आवेदन सी एस सी जन सेवा केंद्र के माध्यम से प्राप्त हो रहे है की प्रमाणिकता एवं पात्रता में विभाग द्वारा अपनाये जाने वाली प्रक्रिया का विवरण क्या है ? क्या सरकार बतायेगी कि वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22, एवं 2022-23 में योजनावार कितने आवेदन प्राप्त हुये तथा प्राप्त आवेदन के सापेक्ष कितनों को लाभांवित किया गया है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत संचालित योजनाएं जनहित गारंटी अधिनियम, 2011 में आवर्त है ? यदि हाँ, तो क्या उक्त का अनुपालन हेतु निर्देश जारी किये गये है ? यदि हाँ, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर -

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिक पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं के आवेदनों को पूर्णतः ऑनलाइन कर दिया गया है।

श्रमिक पंजीकरण एवं नवीनीकरण की जांच हेतु पंजीकर्ता अधिकारी एवं योजनाओं में पात्रता की जांच हेतु जांचकर्ता अधिकारी अधिसूचित किये गये हैं।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 में योजनावार प्राप्त आवेदन तथा प्राप्त आवेदन के सापेक्ष लाभार्थियों का विवरण संलग्न† है।

जी हाँ।

जी हाँ।

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पत्र दिनांक 07-07-2022 द्वारा उत्तर प्रदेश के समस्त अपर/उप/सहायक श्रमायुक्तों एवं प्रभारी जनपदीय श्रम प्रवर्तन अधिकारियों को उनके एवं उनके अधीनस्थ अधिकारी के स्तर पर लम्बित आवेदनों का नियमित अनुश्रवण करते हुए जनहित गारण्टी अधिनियम, 2011 के अन्तर्गत विभिन्न स्तरों पर नियत समय-सीमा के भीतर निस्तारण कराने के निर्देश प्रदान किये गये हैं एवं बोर्ड के पत्र दिनांक 13-10-2022 द्वारा श्रम विभाग से सम्बन्धित बिन्दु पर निर्णयकर्ता अधिकारी/प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं द्वितीय अपीलीय अधिकारी नामित किये गये हैं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद शामली में विगत दो वर्षों में सड़क दुर्घटना का विवरण तथा दुर्घटना में घायल अथवा मृतक व्यक्तियों के परिवारों को एमवी एक्ट में प्राविधानित धाराओं के अन्तर्गत मुआवजा दिलाने जाने का विवरण

89-श्री नाहिद हसन-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शामली में विगत दो वर्षों में कितनी सड़क दुर्घटनाएं हुई तथा उपरोक्त सड़क दुर्घटना में घायल अथवा मृतक व्यक्तियों के परिवारों को एमवी एक्ट में प्राविधानित धाराओं के अन्तर्गत मुआवजा दिलाने की कार्यवाही की गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद शामली में विगत दो वर्षों में कुल 366 (वर्ष 2021 में 177 तथा वर्ष 2022 में 189) सड़क दुर्घटनायें हुई हैं। परिवहन विभाग द्वारा केवल सार्वजनिक सेवायानों से घटित होने वाली दुर्घटनाओं में मृतक/घायलों के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है व उ0प्र0 मोटरयान कराधान नियमावली, 1998 के नियम-30 एवं 31 में उद्धरित सुसंगत प्राविधानों के अनुसार जिलाधिकारी के स्तर से मृतक/घायलों के सम्बन्ध में जांच आख्या प्राप्त होने पर सहायता धनराशि आवंटित की जाती है।

---

† देखिये नत्थी (ख) आगे पृष्ठ संख्या 372 पर।

09 प्रकरणों में (वर्ष 2021 में 04 तथा वर्ष 2022 में 05) सार्वजनिक सेवायानों से घटित दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुयी जिनमें से 02 प्रकरणों में 03 मृतकों (अन्य यात्री-03) के आश्रितों/परिवारों को आर्थिक सहायता आवंटित की गयी है। उक्त दोनों प्रकरणों में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। शेष 07 प्रकरणों में जिलाधिकारी से सुस्पष्ट जांच आख्या संस्तुति सहित प्राप्त होने पर तत्काल धनराशि आवंटन की कार्यवाही की जायेगी।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में श्रमिकों को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराये जाने हेतु साइकिल सहायता योजना विषयक जानकारी

90-श्री पंकज पटेल तथा श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में श्रमिकों को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराये जाने हेतु साइकिल सहायता योजना लागू है ? यदि हां, तो उक्त योजना हेतु वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 में कुल कितनी धनराशि की व्यवस्था की गयी थी तथा आवंटित धनराशि के सापेक्ष दिनांक 25-10-2022 तक कितने श्रमिकों को साइकिल वितरित की गयी है ? क्या सरकार यह भी बताएगी कि प्रति साइकिल कितना मूल्य है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के स्तर से साइकिल सहायता योजना संचालित नहीं है।

लागू नहीं।

लागू नहीं।

लागू नहीं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद प्रयागराज के तहसील हण्डिया के जघई बाजार में बस डिपो बनाने की मांग

91-श्री विनोद चतुर्वेदी-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रयागराज के तहसील हण्डिया के जंघई बाजार से अन्य शहरों को जाने के लिये बाजार से 40-50 किलोमीटर दूर बस डिपो पर जाना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बाजार में बस डिपो बनाने की कार्य योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जनपद प्रयागराज के तहसील हण्डिया के जंघई बाजार से महानगर की 05 सेवाएं तथा सिविल लाइंस डिपो से 01 बस प्रत्येक घण्टे पर प्रयागराज-जंघई-प्रयागराज को संचालित हो रही है।

बाजार स्तर पर यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार डिपो बनाये जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में ग्राम बाबई से दिल्ली एवं ग्राम पाल मडैया से उरई तक झांसी परिवहन की बसों का पुनः संचालन कराने की मांग

92-श्री विनोद चतुर्वेदी-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में ग्राम बाबई से दिल्ली एवं ग्राम पाल मडैया से उरई तक झांसी परिवहन की बसों का संचालन वर्तमान में बन्द कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बसों का संचालन पुनः करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

जी हाँ।

परासन से दिल्ली सेवा बाबई से होकर तथा दूसरी सेवा पालसरेनी से उरई होकर झांसी तक संचालित की गयी थी, जो अलाभकारी होने के कारण वर्तमान में बन्द है।

इन सेवाओं का अलाभकारी होने के कारण पुनः संचालित कराया जाना निगम हित में नहीं है।

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जालौन की जेल में बैरकों में बन्दी/कैदियों के रखने की क्षमता का विवरण तथा जेल में क्षमता बढ़ाने विषयक

93-श्री विनोद चतुर्वेदी-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जालौन की जेल में बैरकों में बन्दी/कैदियों के रखने की क्षमता कितनी है तथा वर्तमान में कितने कैदी बन्द हैं ? क्या सरकार के संज्ञान में है कि उक्त जेल में क्षमता से अधिक कैदी होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त जेल की क्षमता बढ़ायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

जिला कारागार, उरई (जालौन) की बन्दी क्षमता 430 है। दिनांक 31-01-2023 की स्थिति के अनुसार कारागार की बैरकों में 1013 बन्दी निरुद्ध हैं।

जी हाँ।

जिला कारागार उरई (जालौन) में विस्तारीकरण/नई बैरकों के निर्माण हेतु स्थल उपलब्ध न होने के कारण नवनिर्माण कराया जाना सम्भव नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में स्थित उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के जर्जर बस स्टैंड का उनके पुनर्निर्माण/नवनिर्माण हेतु योजना विषयक

94-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्थित उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के कितने बस स्टैंड जर्जर स्थिति में हैं ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? क्या सरकार ने उक्त बस स्टैण्डों का पुनर्निर्माण/नवनिर्माण हेतु कोई योजना बनाई है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के कुल 45 बस स्टैंड जर्जर स्थिति में हैं।

1-आगरा फोर्ट (बिजली घर)	24-नवाबगंज
2-मथुरा पुराना	25-सहसवान
3-कागारोल	26-कोरॉव
4-जगनेर	27-पट्टी
5-छाता	28 कालाकांकर
6-शेरगढ़	29-घोसी
7-कोसी	30-शाहगंज
8-पुराना शमसाबाद	31-मधुवन
9-दादरी	32-मर्यादपुर
10-गभाना	33-हमीरपुर
11-खैर	34-कुल पहाड़
12-सादाबाद	35-धामपुर
13-अकराबाद	36-गौरी बाजार
14-जलेसर	37-पडरौना
15-खंदौली	38-देवरिया
16-मुरादगंज	39-डुमरियागंज
17-राजपुर	40-खलीलाबाद
18-शमसाबाद	41-काशी
19-घिरोर	42-अहरौरा

20-बरनाहल	43-उजियारघाट
21-पुखरायाँ	44-ठेकमा
22-बिन्दकी	45-सुजानगंज
23-ललौली	

उक्त बस स्टेशनों को पी0पी0पी0 पद्धति/शासकीय अंशपूंजी/बजट उपलब्धता के अन्तर्गत चरणवार पुनर्निर्माण/नवीनीकरण कराये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

बस स्टेशन आगरा फोर्ट (बिजली घर) एवं मथुरा पुराना पी0पी0पी0 पद्धति से निर्मित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

बस स्टेशन शाहगंज, सुजानगंज, पडरौना, बिन्दकी तथा घोसी शासकीय अंशपूंजी में धनराशि की उपलब्धता के आधार पर निर्मित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

शेष बस स्टेशनों का पुनर्निर्माण /नवीनीकरण बजट/वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के अन्तर्गत चरणवार कराये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बेरोजगारों को रोजगार दिलाने विषयक योजना का विवरण

95-श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी तथा श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या श्रम मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बेरोजगारों को रोजगार दिलाने हेतु सरकार ने कोई योजना बनाई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। इस हेतु सेवायोजन विभाग के पोर्टल https://sewayojan.up.nic.in पद में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों एवं नियोजकों के ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है। प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाने का कार्य किया जाता है।

रोजगार मेलों तथा चयनित अभ्यर्थियों की प्रगति रिपोर्ट :

क्र0 सं0	वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
1	दिनांक 19 मार्च, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक	633	63,152

क्र0 सं0	वर्ष	रोजगार मेलों की संख्या	चयनित अभ्यर्थियों की संख्या
2	दिनांक 01 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक	685	1,03,202
3	दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक	733	1,43,304
4	दिनांक 01 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक	869	1,47,499
5	दिनांक 01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च, 2022 तक	822	1,17,430
6	दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 जनवरी, 2023 तक	1536	1,72,291
	योग	5278	7,46,878

कुशल कामगारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं जनसामान्य व शासकीय विभागों को स्थानीय सेवाएं (प्लम्बर, कारपेन्टर, पेन्टर, इलेक्ट्रीशियन, ड्राईवर आदि) प्रदान करने हेतु सेवामित्र प्लेटफार्म (पोर्टल sewamitra.up.gov.in/सेवामित्र एप/कॉल सेन्टर) की व्यवस्था सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित की गयी है।

सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकरण की स्थिति (दिनांक 13 फरवरी, 2023 तक) -

कुशल कामगारों की संख्या - 33,913

सेवाप्रदाताओं की संख्या - 753

सेवामित्र की संख्या - 3,839

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बढ़ती महंगाई के रोकथाम हेतु प्रभावी कार्य योजना का विवरण

96-श्री प्रसन्न कुमार, श्री जय प्रकाश अंचल तथा श्री अतुल प्रधान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई के रोकथाम हेतु सरकार द्वारा कोई प्रभावी कार्य योजना बनाई गई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

राज्य सरकार प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत प्रदान करने के लिये कटिबद्ध है। प्रदेश में स्थापित प्राइस मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से 22 आवश्यक वस्तुओं यथा-1-चावल, 2-गेंहू, 3-आटा, 4-चना दाल, 5-तूर/अरहर दाल, 6-उरद दाल, 7-मूंग दाल, 8-मसूर दाल, 9-चीनी, 10-दूध, 11-मूंगफली तेल, 12-सरसों का तेल, 13-वनस्पति, 14-सोया ऑयल, 15-सनफ्लावर ऑयल, 16-पॉम ऑयल, 17-गुड़, 18-चाय की पत्ती, 19-ऑयोडाइज्ड नमक, 20-आलू, 21-प्याज एवं 22-टमाटर के थोक एवं फुटकर भाव की नियमित समीक्षा की जाती है। किसी आवश्यक वस्तु की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि होने पर उसे रोकने के उपाय किये जाते हैं। जमाखोरी रोकने के लिये समय-समय पर भारत सरकार के निर्देशो के अनुपालन में स्टॉक सीमा लागू की जाती है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही भी की जाती है।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से आच्छादित लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने हेतु उन्हें जनवरी, 2023 से एक वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है। तत्क्रम में अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

प्रदेश में माह अप्रैल, 2020 से अक्टूबर, 2022 तक विशेष अभियान चलाकर कुल 34,58,257 से अधिक राशन कार्ड जारी किये गये।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से आच्छादित राशन कार्डधारकों को माह दिसम्बर, 2021 से जून, 2022 तक आवश्यक वस्तुओं यथा-आयोडाइज्ड नमक, साबुत चना एवं रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण कराया गया है। उक्त वितरण पर निहित लगभग रुपया 7741.25 करोड़ का व्यय भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया गया है। इस योजना से प्रदेश के लगभग 15 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित हुए। यह देश का सबसे विशालतम निःशुल्क खाद्यान्न वितरण है।

''स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन'' की संकल्पना के क्रम में महिलाओं के उत्थान हेतु ''प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना'' के अन्तर्गत प्रदेश में दिनांक 13.02.2023 तक कुल 1,75,02,198 मुफ्त गैस कनेक्शन लाभार्थियों को प्रदान किये गये हैं। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को रु0 235.39 प्रति सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी (आर्थिक सहायता) प्रदान की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा दिनांक 05.11.2021 से महंगाई को नियंत्रित किये जाने हेतु डीजल तथा पेट्रोल पर वैट घटाया गया है। पेट्रोल पर पूर्व प्रचलित 26.80 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 19.36 प्रतिशत वैट लागू है। इसी प्रकार डीजल पर पूर्व प्रचलित 17.48 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 17.08 प्रतिशत वैट लागू है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश की जेल/कारागार के अलग-अलग जेल बैरकों में बन्दी/कैदियों को रखने की क्षमता का विवरण तथा बैरकों की क्षमता बढ़ाने की मांग

97-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या कारागार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में प्रत्येक जेल/कारागार के अलग-अलग जेल बैरकों में बन्दी/कैदियों को रखने की क्षमता कितनी है ? क्या जेल के बैरकों में क्षमता से अधिक बन्दी/कैदी वर्तमान में है ? यदि हां, तो क्या सरकार बन्दी/कैदियों हेतु बैरकों की क्षमता बढ़ाने का कार्य करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मवीर प्रजापति-

दिनांक 31-01-2023 की स्थिति के अनुसार प्रदेश के कारागारों की कुल बंदी क्षमता 64223 है, जिसका कारागारवार विवरण संलग्न[‡] है।

जी हाँ,

प्रदेश की कारागारों में ओवर क्राउंडिंग कम किये जाने हेतु धनराशि की उपलब्धता के अनुसार कारागारों में अतिरिक्त बैरकों एवं नवीन कारागारों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बढ़ती महंगाई को देखते हुए न्यूनतम मजदूरी दर का पुनरीक्षण करने पर की मांग

98-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या श्रम एवं सेवायोजन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई को देखते हुए न्यूनतम मजदूरी दर का पुनरीक्षण करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अनिल राजभर-

जी हाँ।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रदेश में सरकारी गेहूं खरीद केन्द्रों पर वित्तीय वर्ष 2021-22 के सापेक्ष वर्ष 2022-23 में गेहूं क्रय का विवरण

99-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सरकारी गेहूँ खरीद केन्द्रों पर दिनांक 28-12-22 तक कितने गेहूं की खरीद किसानों से की गयी है ? क्या सरकार यह भी

[‡] देखिये नत्थी (ग) आगे पृष्ठ संख्या 373-374 पर।

बतायेगी कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के सापेक्ष वर्ष 2022-23 में कितनी गेहूं खरीद बढ़ी है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश में गेहूँ की खरीद रबी क्रय सत्र 2022-23 में दिनांक 01-04-2022 से 30-06-2022 तक ही किया गया एवं दिनांक 01-04-2022 से 30-06-2022 तक न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत किसानों से 3.36 लाख मी0टन गेहूं की खरीद की गयी है।

रबी क्रय सत्र 2021-22 के सापेक्ष रबी क्रय सत्र 2022-23 में प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत किसानों से गेहूँ खरीद की मात्रा में कमी आयी। रबी क्रय सत्र 2021-22 के अन्तर्गत प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत किसानों से 56.41 लाख मी0टन गेहूं की खरीद की गयी थी जबकि रबी क्रय सत्र 2022-23 में गेहूँ के समर्थन मूल्य की तुलना में गेहूं का बाजार मूल्य अधिक होने के कारण सरकारी क्रय केन्द्रों पर गेहूँ की आवक कम रही जिससे न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत किसानों से मात्र 3.36 लाख मी0टन गेहूं खरीद हो सकी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में वर्ष 2021-22 में क्रय किये गये गेहूँ एवं धान के मूल्य का भुगतान एवं वाराणसी मण्डल में भुगतानित की गयी धनराशि का जनपदवार विवरण

100-श्री जगदीश नारायण-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वर्ष 2021-22 में क्रय किये गये गेहूँ एवं धान का मूल्य सभी किसानों को भुगतान कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार वाराणसी मण्डल में उक्त हेतु भुगतानित धनराशि का जनपदवार विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

प्रदेश में वर्ष 2021-22 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत गेहूँ विक्रय करने वाले समस्त किसानों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है। वर्ष 2021-22 में धान विक्रय करने वाले कुल 1101945 किसानों के सापेक्ष 1100845 किसानों को उनके बैंक खाते में पी0एफ0एम0एस0 पोर्टल के माध्यम से भुगतान कर दिया गया है एवं 1100 किसानों का भुगतान अवशेष है।

वाराणसी मण्डल में वर्ष 2021-22 में क्रय किये गये गेहूं के मूल्य की भुगतानित एवं अवशेष धनराशि का जनपदवार विवरण निम्नवत् है :-

(धनराशि रु0 लाख में)

जनपद	कृषकों को किया गया भुगतान	अवशेष भुगतान
वाराणसी	3362.94	0.00
चन्दौली	15394.45	0.00
जौनपुर	13238.31	0.00
गाजीपुर	15474.67	0.00
योग	47470.37	0.00

वाराणसी मण्डल में वर्ष 2021-22 में क्रय किये गये धान के मूल्य की भुगतानित एवं अवशेष धनराशि का जनपदवार विवरण निम्नवत् है :-

(धनराशि रु0 लाख में)

जनपद	कृषको को किया गया भुगतान	अवशेष भुगतान
वाराणसी	7919.94	27.26
चन्दौली	48295.19	33.92
जौनपुर	30316.46	17.96
गाजीपुर	41244.73	6.64
योग	127776.32	85.78

प्रश्न नहीं उठता।

विधान सभा क्षेत्र बेहट, जनपद सहारनपुर में आवंटित खनन के पट्टे का विवरण उपलब्ध कराने की मांग

101-श्री उमर अली खान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि विधान सभा क्षेत्र बेहट, जनपद सहारनपुर में खनन के कितने पट्टे वर्तमान में आवंटित हैं तथा खनन के कितने पट्टे पर कार्य चल रहा है और कितने पर कार्य पूर्ण हो गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हाँ।

07 खनन पट्टे आवंटित हैं, जिसमें 02 खनन पट्टे संचालित तथा 05 खनन पट्टे विभिन्न कारणों से बन्द हैं।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में एक्सप्रेस-वे श्रेणी के मार्गों पर बढ़ रही दुर्घटनाओं के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा नीति लागू कराने विषयक

102-श्री अतुल प्रधान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में एक्सप्रेस-वे श्रेणी के मार्गों पर बढ़ रही दुर्घटनाओं के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा नीति सरकार लागू करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर सिंह-

शासनादेश संख्या-1575/30-3-2014-32 एम/2013 टी0सी0, दिनांक 16 जून, 2014 द्वारा प्रदेश में एक्सप्रेस-वे श्रेणी के मार्गों पर बढ़ रही दुर्घटनाओं के दृष्टिगत ''राज्य सड़क सुरक्षा नीति'' लागू है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

सदन में लगे स्क्रीन पर परिचय में मा0 सदस्य श्रीमती पिंकी सिंह यादव के जनपद का नाम सम्भल की जगह भीमनगर प्रदर्शित होने के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, बहुजन समाज पार्टी की सरकार में कुछ जनपदों के नाम बदल दिये गये थे, उसमें हमारा जिला सम्भल भी था। अभी हमारी माननीय विधायक, श्रीमती पिंकी सिंह यादव ने अपना क्वेश्चन किया तो स्क्रीन में जो इंट्रोडक्शन आ रहा था, उसमें सम्भल की जगह भीमनगर लिखा हुआ था।

श्री अध्यक्ष-

देखिये, यह गलती कैसे हुई, शायद उन्होंने अपनी प्रोफाइल में कहीं लिखा होगा। हम इसको चेक करा लेंगे। अगर माननीय पिंकी जी ने वही लिखा था, जो इसमें है, तब भी उसको संशोधित करा देंगे। इसको देखकर कि उसमें गलती कहाँ हुई, जरा बतायेंगे।

लॉबी में काफी के साथ चाय व पानी का प्रबन्ध कराये जाने विषयक व्यवस्था का प्रश्न

***श्री इकबाल महमूद-**

मान्यवर, दूसरा आपने हम लोगों के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की है, इधर-उधर नहीं भटकना पड़ता है। लेकिन चाय नहीं मिलती है, कॉफी मिलती है। आपने व्यवस्था तो चाय के लिए की थी, लेकिन आपने कॉफी का प्रबन्ध करा दिया।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

चाय की व्यवस्था हो जायेगी, ऑर्डर हो गया है। चाय और कॉफी दोनों मिलेगी।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, पानी भी नहीं मिलता है।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, वहाँ पानी भी नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

पानी की भी व्यवस्था करायेंगे। इसको मार्शल अभी जाकर देखें।

विधान सभा स्थित वी0आई0पी0 कैन्टीन में मिलने वाले भोजन आदि में सुधार हेतु व्यवस्था का प्रश्न

***श्री जियाउद्दीन रिजवी-**

मान्यवर, आपने विधान सभा में जितना सुधार का काम किया है, वह उल्लेखनीय है और उसे पूरी दुनिया देख रही है और आपकी जितनी प्रशंसा की जाये, उतनी कम है। हमारे एक-दो सुझाव हैं, उसमें भी आप काम करा दें। आप पार्लियामेण्ट की तर्ज पर सारी व्यवस्था कर रहे हैं। लेकिन आपकी कैंटीन की व्यवस्था बहुत ही रद्दी है। वहाँ न तो टोस्ट मिलता है, न तो पॉव-रोटी मिलती है, न बंद-मक्खन मिलता है। हम लोग शाम को जाते है, कुछ नहीं मिलता है। खाने का जो सवाल है, इतना रद्दी खाना हमने दुनिया में कहीं नहीं देखा है।

श्री अध्यक्ष-

मैं आज दोपहर को आपके साथ खाऊँगा।

***श्री जियाउद्दीन रिजवी-**

मान्यवर, इससे बढ़िया तो निगम वाले चलाते हैं। इसमें आप सुधार करायें।

श्री अध्यक्ष-

मैं इसे देखता हूँ और इसके लिए आवश्यक निर्देश भी दूंगा और खुद चेक करूँगा।

लोक सभा की भांति इस विधान सभा में भी मा0 सदस्यों द्वारा दिये गये पत्रों को विभागों में सर्कुलेट कराये जाने सम्बन्धी व्यवस्था

***श्री जियाउद्दीन रिजवी-**

मान्यवर, मेरा दूसरा सुझाव है कि जैसे पार्लियामेण्ट एम0पीज़ का एक प्रकोष्ठ होता है, जहाँ सारे एम0पीज़ चिट्ठी दे देते है और वह हर जगह सर्कुलेट हो जाता है। आप यहाँ भी वह

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

व्यवस्था करा दीजिए, जिससे हम सारे विधायक एक ही स्थान पर दे दें और वहाँ से सर्कुलेट हो जाये।

श्री अध्यक्ष-

आप पटल पर दीजिए, मैं व्यवस्था कर दूँगा। मैं अलग से किसी को बैठा दूँगा। प्रमुख सचिव महोदय, इसको करवा देंगे। पटल पर एक व्यवस्था हो जायेगी तो जो माननीय विधायक किसी भी विभाग का पत्र देते हैं, वहाँ से पत्र चढ़कर और रिसीव होकर उनको सूचना मिलेगी। यह हो जायेगा।

दारुलशफा स्थित नवनिर्मित बिल्डिंग में निवास कर रहे मा0 विधायकों को हो रही असुविधा के सम्बन्ध में

श्री पूरन प्रकाश-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ, दारुलशफा में एक नवनिर्माण हुआ है, वहाँ 40 विधायक हैं और वह सभी 40 विधायक परेशान हैं। वह टाइम से हाउस के अंदर नहीं आ पाते है।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा क्यों है ?

श्री पूरन प्रकाश

मान्यवर, वहाँ न कैटीन है, न खाने की व्यवस्था है, जबकि वहाँ 40 विधायक रहते हैं। हमको इतनी परेशानी है, मैने आपसे निवेदन भी किया था और आपने निर्देश भी दिया था। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी आपसे अनुरोध है कि हम लोग हाउस के अन्दर कैसे आयें, न खाना मिलता है, न चाय मिलती है, न रोटी मिलती है। वहाँ कैंटीन की व्यवस्था करा दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिये, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को व्यवस्था पर बोलने दीजिए।

(कई सदस्यों के द्वारा बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिये। यह महत्वपूर्ण बात है, मैंने माननीय मंत्री जी से रिक्वेस्ट की है, जवाब आने दीजिए।

***वित एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मान्यवर, कोई-न-कोई वजह होगी। अभी मैं इस तैयारी के साथ नहीं आया था क्योंकि यह मैटर यहीं पर उठाया गया है। मैं आज ही राज्य सम्पत्ति अधिकारी को बुला लूंगा और उनकी बात भी सुन लूंगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

[12:24] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 24 फरवरी, 2023 को कुल 63 सूचनायें प्राप्त हुई। जिसमें से 24 माननीय सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गई।

पहली सूचना श्री अनिल कुमार त्रिपाठी की गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा रामगढ़ ताल सुन्दरीकरण परियोजना के अन्तर्गत 102 एकड़ वन भूमि पर किये गए निर्माण में सर्वोच्च न्यायलय के आदेश के उल्लंघन के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्रीमती पूनम संखवार की जनपद कानपुर देहात में विधान सभा क्षेत्र रसूलाबाद में सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री प्रदीप कुमार यादव की प्रदेश के नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अवर अभियंता को सहायक अभियंता के पद पर उनके सेवा काल में रहते हुए ही प्रोन्नति कराये जाने के सम्बन्ध में हैं, चौथी सूचना श्री राम निवास वर्मा की जनपद लखनऊ के अन्तर्गत महानगर सचिवालय कॉलोनी में आवास संख्या सी0-26 में मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में पांचवीं सूचना श्री राजेंद्र सिंह पटेल की जनपद फतेहपुर की जहानाबाद में निरीक्षण भवन बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री राजीव तरारा की की जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र धनौरा के धनौरा ब्लाक में पेलीतगा उच्च प्राथमिक विद्यालय को उच्चीकृत कराए जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्रीमती सलोना कुशवाहा की जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर के अन्तर्गत ग्राम निगोही से 11000 विद्युत लाइन गाँव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराए जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री पंकज गुप्ता की जनपद कानपुर के कानपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किये गए 29 ग्रामों को पुनः जनपद उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण में वापस किये जाने के सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्रीमती नीलिमा कटियार की जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र कल्यानपुर के अन्तर्गत जोन-2 में सीवरेज के समस्या के निस्तारण के सम्बन्ध में हैं, दसवीं सूचना श्री अतुल प्रधान की जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के क़स्बा लावड़ में मंडी बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री लकी यादव की जनपद जौनपुर के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरशादपुर के खाते के संचालन न होने से कार्य बाधित होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री मो0 ताहिर खान की जनपद वाराणसी-लखनऊ मार्ग पर स्थित बधुवा रेलवे स्टेशन के निकट नेशनल हाई-वे की चौड़ाई बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री ब्रजेश कुमार रावत की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र मोहान के ब्लाक हसनगंज के ग्राम सभा नवई में स्थित फेली झील का सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्री बृज भूषण राजपूत की जनपद महोबा के विधान सभा क्षेत्र चरखारी के अन्तर्गत तहसील कुलपहाड़ में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में है, पंद्रहवीं सूचना श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी की जनपद उन्नाव के ब्लाक असोहा की ग्राम पंचायत बछोरा के ग्राम प्रधान को

वित्तीय अनियमितता के बाद निलंबित न करने के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री अखिलेश की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड मुबारकपुर से ढकवा संपर्क मार्ग बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, सत्ररहवीं सूचना श्री मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'' की जनपद उन्नाव के तहसील सदर के अन्तर्गत ग्राम दुबेपुर में अनियमित तरीके से तालाब आवंटन की जांच कराए जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री अशुतोष शुक्ला की जनपद उन्नाव के ग्राम दुबेपुर के स्वास्थ्य केंद्र का संचालन कराए जाने के सम्बन्ध में है, उन्नीसवीं सूचना श्री नाहिद हसन की जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र कैराना में कतिपय विद्यालयों की स्थापना, शिक्षकों की संख्या में बढ़ोत्तरी के सम्बन्ध में है, बीसवीं सूचना श्री राजीव गुम्बर की जनपद सहारनपुर में विभिन्न मंदिरों के पुजारियों की आजीविका सुधारने के सम्बन्ध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद बुलन्दशहर के ग्राम एत्माद्सराय में निर्माणाधीन महिला डिग्री कॉलेज के सम्बन्ध में है, बाइसवीं सूचना श्री ओम कुमार की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नहटौर के अन्तर्गत हल्दौर को नयी तहसील बनाये जाने के सम्बन्ध में है, तेइसवीं सूचना श्री वीरेन्द्र यादव की जनपद गाजीपुर विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत होम्योपैथिक कॉलेज से एम0एच0 इण्टर कॉलेज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा चौबीसवीं सूचना श्री प्रेम सागर पटेल की जनपद महाराजगंज के विधान सभा क्षेत्र सिसवा पंचायत लेदी अवं राम चंद्रेही की ज़मीन भू-माफियों से मुक्त कराए जाने के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गयीं :-

नाम	नाम
श्री रमेश जायसवाल	श्री जय प्रकाश अंचल
श्री बेचई सरोज	श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह
श्री मनीष रावत	श्री गुलाम मोहम्मद
मोहम्मद हसन रूमी	श्री अरमान खान
श्री बम्बा लाल	श्री जगदीश नारायण
श्री गौरी शंकर वर्मा	डा0 शिव प्रताप यादव
श्री प्रेम नारायण पाण्डेय	श्री प्रदीप कुमार सिंह
श्री हरेन्द्र सिंह	श्री अनिल सिंह
श्री हरिओम	श्री भगवान सिंह कुशवाहा
श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी	प्रो0 श्याम बिहारी लाल
श्रीमती मीनाक्षी सिंह	श्री चंद्रपाल सिंह

श्री महेंद्र खडगवंशी	श्री वीर विक्रम सिंह
श्री उमर अली खान	श्री पल्टूराम
श्री राम अवतार सिंह	श्री अताउर्रहमान
डा0 आर0 के0 पटेल	श्री मनोज कुमार पारस
श्री दुर्गा प्रसाद यादव	श्री मो0 फहीम इरफ़ान
श्री संग्राम सिंह	डा0 नीरज बोरा
श्री प्रभु नारायण सिंह यादव	श्री रविदास मेहरोत्रा
श्री राजेंद्र कुमार	श्री अमरेश कुमार
श्री उमाशंकर सिंह	

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गयीं)

गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा रामगढ़ ताल सुन्दरीकरण परियोजना के अन्तर्गत 102 एकड़ वन भूमि पर किये गये निर्माण में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के उल्लंघन के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

[महोदय, आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा रामगढ़ ताल सुन्दरीकरण परियोजनान्तर्गत 102 एकड़ वन भूमि पर किए गये निर्माण जो मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 12-12-96 का घोर उल्लघंन है, के विषय में उ0प्र0 सतर्कता अधिष्ठान के संस्तुति के आलोक में सम्यक् विचारोपरान्त अवर्गीकृत वन घोषित अन्य 102 एकड़ भूमि पर गैर वानिकी कार्य करने के विषय में उ0प्र0 सतर्कता अधिष्ठान से अलग से जांच कराने का निर्णय दिनांक 01-04-2021 को विशेष सचिव सतर्कता अनुभाग-3 के अर्द्धशाऊपत्रसं0 302/39-3-2021-20 (1)/2019 द्वारा निदेशक, उ0प्र0 सतर्कता अधिष्ठान, लखनऊ को प्रेषित किया गया है जिस पर हुए विजलेंस जांच की रिपोर्ट शासन में प्रेषित हुए 3 माह से अधिक हो गया परन्तु आज तक इसमें कोई कार्यवाही नहीं हो पायी है।

अतः मा0 महोदय जी से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए प्रेषित रिपोर्ट पर शीघ्र कार्यवाही किये जाने की माँग करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद कानपुर देहात के विधान सभा क्षेत्र रसूलाबाद में कतिपय सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती पूनम संखवार-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-205, रसूलाबाद में निम्न सड़कों का निर्माण कार्य न होने से क्षेत्र वासियों को काफी संकटों का सामना करना पड़ता है। यदि इन सड़कों का निर्माण कार्य हो जाये तो क्षेत्रवासियों का आवागमन सुगम हो जायेगा।

1- पोआ से समाऊ तक (कहींजरी)

2- मित्रसेनपुर गनेज रैली से रिंद नदी के पुल तक।

महोदय आपके माध्यम से निम्न सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र कराये जाने के लिए वित्तीय व्यवस्था हेतु बजट में धन की व्यवस्था किये जाने हेतु इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार से व्यक्तव्य की माँग करती हूँ।]

प्रदेश में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अवर अभियन्ता को सहायक अभियन्ता के पद पर उनके सेवाकाल में रहते हुए ही प्रोन्नति कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार यादव-

[इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि प्रदेश के नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में अवर अभियंता के कतिपय पद प्रोन्नति द्वारा स्वीकृत हैं किन्तु विगत कई वर्षों से विभाग की लापरवाही तथा अनियमितता के कारण अवर अभियंता से सहायक अभियंता के स्वीकृत पदों पर प्रोन्नति उनके सेवामुक्त होने के बाद ही दी गयी है। जिससे कर्मचारियों में मानसिक रोष व्याप्त है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि प्रदेश के नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में वर्तमान में अवर अभियंता के प्रोन्नत कोटा के पदों पर उनके सेवाकाल में रहते हुये ही सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नति कराने हेतु शासन को निर्देशित करने का कष्ट करें।]

जनपद लखनऊ के अन्तर्गत महानगर सचिवालय कॉलोनी में आवास संख्या सी-26 में मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम निवास वर्मा-

[मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि जनपद लखनऊ के अन्तर्गत महानगर सचिवालय कालोनी में आवास सं0 सी-26 में पिछले कई वर्षों से सिविल सम्बन्धी मरम्मत का कार्य नहीं हुआ है। स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की दृष्टि से उक्त आवास में

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

कतिपय मरम्मत कार्य शीघ्र करवाये जाने की आवश्यकता है। अध्यासी द्वारा उक्त आवास की मरम्मत के सम्बन्ध में, माह सितम्बर, 2022 में प्रार्थना-पत्र दिया गया था जिसके क्रम में मरम्मत हेतु आगणन उपलब्ध कराये जाने हेतु राज्य सम्पत्ति अनुभाग-4 द्वारा पत्र सं0 2349/बत्तीस-4-2022-48 एल0 सी0/2022, लखनऊ दिनांक 12-09-2022 जारी किया गया था। राज्य सम्पत्ति अनुभाग 4 के उक्त पत्र के अनुपालन में अधिशाषी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड नं0-1 (सिविल), लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा अनुभाग को आगणन उपलब्ध कराया जा चुका है किन्तु लगभग 3 माह व्यतीत हो जाने के पश्चात् भी अभी तक उक्त आवास की मरम्मत हेतु आगणन में उल्लिखित कार्य किया जाना लम्बित है।

अतः उक्त आवास की मरम्मत हेतु प्राप्त आगणन में उल्लिखित कार्यों को शीघ्र कराया जाना सुनिश्चित करने हेतु मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर की जहानाबाद में निरीक्षण भवन बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेंद्र सिंह पटेल-

[महोदय, सादर अवगत कराना है कि मेरी वि0स0 क्षेत्र-238, जहानाबाद जनपद मुख्यालय फतेहपुर से लगभग 50 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है। माननीय सांसद/विधायक/जिला अधिकारी/पुलिस निरीक्षक/लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों को क्षेत्र के विकास कार्यों का निरीक्षण कानून व्यवस्था तथा जनसुनवाई के लिये प्रायः क्षेत्र में भ्रमण करना पड़ता है। जहानाबाद विधान सभा क्षेत्र में कोई भी निरीक्षण भवन न होने के कारण माननीय सांसद/विधायक/जिला अधिकारी/पुलिस निरिक्षक/लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण के दौरान अत्यन्त कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के लिये प्रभावी निगरानी के दृष्टिगत निरीक्षण भवन बनाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः आपसे अनुरोध है कि जहानाबाद अमौली जोनिहा मार्ग पर स्थित गढ़ी कस्बे में उपलब्ध सरकारी भूमि पर निरीक्षण भवन बनाये जाने हेतु लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिये निर्देशित करने का कष्ट करें।]

जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र धनौरा के धनौरा ब्लाक में पेलीतगा उच्च प्राथमिक विद्यालय को उच्चीकृत कराए जाने के सम्बन्ध नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव तरारा-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र 39-धनौरा जनपद अमरोहा के अन्तर्गत धनौरा ब्लाक में पेलीतगा उच्च प्राथमिक विद्यालय को उच्चीकृत किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए धनौरा के पेलीतगा उच्च प्राथमिक विद्यालय को उच्चीकृत किये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर के अन्तर्गत ग्राम निगोही से 11000 के0वी0 विद्युत लाइन गांव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती सलोना कुशवाहा-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहती हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-133, तिलहर जनपद-शाहजहाँपुर के ग्राम निगोही में आबादी के मध्य से मकानों के ऊपर हाई वोल्टेज 11 हजार विद्युत लाइन गुजर रही है। जिससे इस गाँव के कई लोगों की जानें भी जा चुकी हैं। आये दिन दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं। प्राथमिकता के आधार पर 11 हजार वोल्टेज को गाँव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराया जाय।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार से अविलम्बनीय वक्तव्य दिये जाने की मांग करती हूँ।]

जनपद कानपुर के कानपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किये गए 29 ग्रामों में पुनः जनपद उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण में वापस किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पंकज गुप्ता-

[महोदय, कानपुर विकास प्राधिकरण की कतिपय परियोजनाओं को विकसित करने के लिए जनपद उन्नाव की तहसील सदर के 29 ग्रामों को कई वर्ष पहले कानपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किया गया था। कानपुर विकास प्राधिकरण ने लम्बा समय बीतने के बावजूद संबंधित ग्रामों में किसी प्रकार की योजना लान्च नहीं की। इस दौरान कानपुर विकास प्राधिकरण ने संबंधित ग्रामों से अवस्थापना निधि में काफी धनराशि प्राप्त की है, लेकिन अवस्थापना निधि से संबंधित ग्रामों में किसी प्रकार के विकास कार्य नहीं कराये गये हैं। जिसके कारण जनपद उन्नाव की तहसील सदर के 29 ग्राम विकास की दौड़ में बहुत पीछे हो गये हैं और वहां पर बहुत खस्ताहाल स्थिति है। जनहित में आवश्यक है कि कानपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किए गए जनपद उन्नाव की तहसील सदर के 29 ग्रामों को उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण को वापस किया जाये।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

मैं उपरोक्त लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराकर निम्नलिखित बिन्दुओं पर वक्तव्य की मांग करता हूँ :-

(1) कानपुर विकास प्राधिकरण की जिन परियोजनाओं को विकसित करने के लिए जनपद उन्नाव की तहसील सदर के 29 ग्रामों को प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार में शामिल किया गया था, उन परियोजनाओं को कब प्रारम्भ/पूरा कराया गया है ?

(2) कानपुर विकास प्राधिकरण को जनपद उन्नाव की तहसील सदर के 29 ग्रामों से अवस्थापना निधि में कुल कितनी धनराशि अब तक प्राप्त हुई है और प्राधिकरण ने प्राप्त धनराशि से संबंधित ग्रामों में किस प्रकार विकास कार्य कराये है ?

(3) कानपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किए गए जनपद उन्नाव की तहसील सदर के 29 ग्रामों को उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण को तत्काल वापस किया जाये।]

जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र कल्यानपुर के अन्तर्गत जोन-2 में सीवरेज की समस्या के निस्तारण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती नीलिमा कटियार-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहती हूँ कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र कल्यानपुर के अन्तर्गत जोन-2 में स्थित वार्ड कल्यानपुर उत्तरी, कल्यानपुर दक्षिणी, आवास विकास, विनायकपुर, नानकारी में सीवरेज समस्या का निस्तारण अति आवश्यक है।

अतः मैं विधान सभा क्षेत्र कल्यानपुर के अन्तर्गत जोन-2 में स्थित वार्डों कल्यानपुर उत्तरी, कल्याणपुर दक्षिणी, आवास विकास, विनायक पुर, नानकारी में सीवरेज समस्या का निस्तारण का कार्य पूर्ण कराये जाने की कार्रवाई किये जाने हेतु सदन में वक्तव्य की मांग करती हूँ।]

जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के कस्बा लावड़ में मण्डी बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अतुल प्रधान-

[महोदय अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र के कस्बा लावड़ में एवं उसके आसपास के किसान फल, फूल एवं सब्जी की खेती करते है। लावड़ में सुबह के समय एक अस्थाई मड़ी सड़क के किनारे लगायी जाती है। जिससे मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। जिसके कारण किसान, मड़ी के क्रय-विक्रेता एवं राहगीर सभी को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कस्बा लावड़ में मंडी की नितान्त आवश्यकता है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए वक्तव्य की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरशादपुर के खाते के संचालन न होने से कार्य बाधित होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री लकी यादव-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। जनपद जौनपुर के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरशादपुर के खाते के संचालन न होने से विकास कार्य ठप पड़े हैं। इसके पूर्व भी मेरे द्वारा दिनांक 23-09-2022 को नियम-51 के अन्तर्गत उक्परोक्त के सम्बंध में वांछित सूचना मांगी गयी थी। किन्तु अभी तक ग्राम सभा बिरशादपुर के खाते का संचालन शुरू नहीं हुआ है और न ही मनरेगा द्वारा कोई कार्य किया गया है। उक्त प्रकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किया जाना अति आवश्यक है। ग्राम सभा में विकास के कार्य न होने के कारण लोगों में काफी निराशा है।

अतः इस गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ग्राम सभा बिरशादपुर के खाता का संचालन किये जाने हेतु वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद वाराणसी-लखनऊ मार्ग पर स्थित बधुवा रेलवे स्टेशन के निकट नेशनल हाई-वे की चौड़ाई बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मो0 ताहिर खान-

[**महोदय,** मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि वाराणसी-लखनऊ मार्ग स्थित बधुआ रेलवे स्टेशन पर रेलवे की जमीन थोड़ी सी कम पड़ जाने के कारण नेशलन हाई-वे की चौड़ाई कम हो जा रही है। ऐसी स्थिति में आने-जाने वाले लोगों एवं वाहनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान समय में सड़क पतली होने के कारण आये दिन दुर्घटनायें हो रही हैं। इस सम्बन्ध में क्षेत्रवासियों के द्वारा बार-बार मांग की जा रही है। कि सड़क की चौड़ाई बढ़ायी जाय, लेकिन सरकार उक्त प्रकरण पर ध्यान नहीं दे रही है। जनहित की समस्या को देखते हुए नेशनल हाई-वे का चौड़ीकरण कराया जाना आवश्यक है।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त प्रकरण पर कार्रवाई किये जाने हेतु सरकार से मांग करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र मोहान के ब्लाक हसनगंज के ग्राम सभा नवई में स्थित फेली झील का सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत

श्री बृजेश कुमार-

[महोदय, निवेदन है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-164, मोहान, ब्लाक हसनगंज के ग्राम सभा नवई में स्थित लगभग नौ सौ बीघे में एक झील हैं। जिसमें अन्य देश-प्रदेशों के अप्रवासी पक्षियों का प्रवास होता है। जिसके कारण उक्त झील का दृश्य अपने आप में एक अतुलनीय छाप प्रस्तुत कर रही है। स्थानीय निवासियों द्वारा उक्त झील को पर्यटन के रूप में विकसित करने हेतु लगातार मांग की जा रही है।

अतः अविलम्बनीय एवं लोक महत्व के इस विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सौन्दर्यीकरण की कार्रवाई कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद महोबा के विधान सभा क्षेत्र चरखारी के अन्तर्गत तहसील कुलपहाड़ में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री ब्रज भूषण राजपूत-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-231-चरखारी, जनपद महोबा के अन्तर्गत तहसील कुलपहाड़ कस्बा कुलपहाड़ में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनता की लोक महत्व/जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव के ब्लाक असोहा की ग्राम पंचायत बछोरा के ग्राम प्रधान को वित्तीय अनियमितता के बाद निलम्बित न करने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में एक अविलम्बनीय, लोक महत्व का विषय लाना चाहता हूँ।

जनपद-उन्नाव की ब्लाक असोहा की ग्राम पंचायत बछौरा के ग्राम प्रधान द्वारा की गयी वित्तीय अनियमितता एवं गबन सिद्ध होने पर उनके विरुद्ध थाना पुरवा में मुकदमा सं0-0513 भा0द0प्र0 की धारा-409 के अन्तर्गत दिनांक 15 अक्टूबर, 2022 को पंजीकृत कराया गया है। किन्तु अभी तक आरोपी को पदच्युत नहीं किया गया है और उसको पूरा संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। आरोपी अभी भी पंचायत का पूरा काम देख रहा है। जिससे उनके द्वारा अभी भी सरकारी धन में हेरा-फेरी की जा रही है और विकास कार्य पूरी तरह बाधित हो रहे हैं।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं इस अविलम्बनीय, लोक हित के विषय पर सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि आरोपी ग्राम प्रधान को बर्खास्त करते हुए उक्त पंचायत में अस्थायी तौर पर विकास कार्य करवाने हेतु एक कमेटी का गठन करने का कष्ट करें।]

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड मुबारकपुर से ढकवा सम्पर्क मार्ग बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अखिलेश-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित एवं लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड सठियांव अन्तर्गत मुबारकपुर से ढकवा सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। उक्त मार्ग अत्यंत जर्जर होने के कारण इस मार्ग पर चलना दूभर व कठिन हो गया है। बरसात के दिनों में इस मार्ग पर पानी भर जाता है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए मुबारकपुर-ढकवा सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव के तहसील सदर के अन्तर्गत ग्राम दुबेपुर में अनियमित तरीके से तालाब आवंटन की जांच कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा''-

[महोदय, मैं लोक महत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद उन्नाव के तहसील सदर के परगना हडहा के ब्लाक सिकन्दरपुर करन के ग्राम दुबेपुर में श्री दिगम्बरनाथ स्वामी मन्दिर परिसर से लगा हुआ एक तालाब जिसका प्रयोग मन्दिर में विभिन्न धर्मिक आयोजनों तथा अन्य सार्वजनिक हित में ग्रामवासियों द्वारा किया जाता है। उक्त तालाब में मनमाने ढंग से मत्सय पालन का आवंटन पूर्व के कई वर्षों से एक ही व्यक्ति के नाम आवंटित होता चला आ रहा है। जिसमें आवंटन की शर्तों का भी पालन नहीं किया गया है। उक्त पट्टेदार के परिवार के हर एक सदस्य के नाम पूरी ग्राम सभा में कई तालाबों के पट्टों के आवंटन किये गये हैं। उक्त पट्टेदार द्वारा तालाब में मरी हुई मछलियाँ डाल दी जाती है जिससे मन्दिर परिसर में दुर्गन्ध फैलती है। और तालाब के आवन्टित क्षेत्र में गन्दगी फैलने से ग्रामीणों व मन्दिर में आने वाले श्राद्धालुओ को गंन्दगी से परेशानी होती हैं।

अतः आपसे आग्रह है कि लोक महत्व के प्रश्न को स्वीकार करते हुए उक्त प्रकरण पर पट्टेदार को ग्राम सभा के अन्य तालाब में पट्टा देकर श्री दिगम्बरनाथ स्वामी मन्दिर परिसर के तालाब को पट्टा मुक्त कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद उन्नाव के ग्राम दुबेपुर के स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अशुतोष शुक्ला-

[महोदय, सविनय निवेदन है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम दुबेपुर, पो0 दुबेपुर, ब्लाक सिकन्दरपुर करन, जनपद उन्नाव के हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केन्द्र दुबेपुर में कई वर्ष से कोई नियमित रूप से स्टॉफ न होने से हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केन्द्र बन्द पड़ा हुआ हैं। जिससे आस-पास के ग्रामीणों को शिशु एवं महिला स्वास्थ्य केन्द्र में उचित स्टाफ नियुक्त कर स्वास्थ्य केन्द्र को चालू कराने एवं उपचार हेतु बीघापुर स्वास्थ्य केन्द्र, अचलगंज स्वास्थ्य केन्द्र या जिला मुख्यालय स्थित जाना पड़ता है।

अतः आपसे विनम्र आग्रह है कि हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केन्द्र दुबेपुर, विकास खण्ड सिकन्दरपुर कर्ण में ए0एन0एम0 सहित उचित स्टॉफ नियमित रूप से नियुक्त कर स्वास्थ्य केन्द्र को चालू कराने का कष्ट करें।]

जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र कैराना में कतिपय विद्यालयों की स्थापना, शिक्षकों की संख्या में बढ़ोत्तरी के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री नाहिद हसन-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-08, कैराना, जनपद शामली की नगर पालिका परिषद् कैराना में नगरीय क्षेत्र में 07 प्राइमरी/उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं, जिनमें वर्तमान में 04 शिक्षक व 10 शिक्षा मित्र कार्यरत हैं, जो कि शिक्षक विद्यार्थी अनुपात की दृष्टि से बेहद कम हैं। इसके अतिरिक्त बहुत सी बस्तियों तथा वार्डों में प्रा0/उच्च प्रा0 विद्यालय है ही नहीं तथा वहां पर भूरा रोड पर एक नयी बस्ती में अस्थायी भवन में विद्यालय संचालित हो रहा है तथा भवन की अति आवश्यकता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों में असेवित बस्तियों में नये विद्यालयों की स्थापना, शिक्षक विद्यार्थी अनुपात की दृष्टि से शिक्षकों की तैनाती स्कूल भवनों में ढांचागत सुधार हेतु व्यवस्था की गई है। परन्तु मेरी विधान सभा क्षेत्र-08, कैराना, जनपद शामली के नगर पालिका परिषद् कैराना के नगरीय क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की कमी, अस्थायी भवन की समस्या तथा नये स्कूल की स्थापना की आवश्यकता आदि की समस्या है।

अतः उपरोक्त जनहित की समस्या के सुधार तथा शिक्षकों की संख्या में बढ़ोत्तरी, नये स्कूलों की स्थापना, अस्थाई भवन वाले स्कूलों के भवन निर्माण हेतु सरकार से कार्रवाई, किये जाने की मांग करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद सहारनपुर में विभिन्न मंदिरों के पुजारियों की आजीविका सुधारने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव गुम्बर-

[महोदय, उ0प्र0 प्रदेश के विभिन्न मन्दिरों में पुजारी (विप्र) सेवा में लगे हैं। इनकी आजीविका के लिए कोई साधन नहीं है। यह पुजारी (विप्र) ठण्डी, गर्मी, बरसात सभी मौसमों में पूरी निष्ठा के साथ मन्दिरों में श्रद्धालुओं की सहायता एवं पूजा-अर्चना में लगे रहते हैं। पुजारियों की आजीविका का कोई स्रोत नहीं है, जिस कारण से इन पुजारियों की आजीविका के लिए सम्मानजनक मानदेय दिया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उ0प्र0 के पुजारियों (विप्र) को सम्मानजनक मानदेय दिये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद बुलन्दशहर के ग्राम एत्मादसराय में निर्माणाधीन महिला डिग्री कॉलेज के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

[महोदय, अवगत कराना है कि ग्राम एत्मादसराय में पिछले 10 वर्ष से महिला डिग्री कॉलेज निर्माणाधीन है, जिसका निर्माण अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है, कॉलेज का निर्माण यथाशीघ्र पूर्ण कराकर सत्र चलवाने का कष्ट करें।

अतः जनहित में उपरोक्त कॉलेज का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है, इस क्षेत्र की जनता आपकी सदैव अभारी रहेगी।]

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नहटौर के अन्तर्गत नयी तहसील हल्दौर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री ओम कुमार-

[महोदय, सादर अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-21, नहटौर, जनपद बिजनौर (सुरक्षित) के अन्तर्गत लगभग 200 ग्राम बिजनौर सदर तहसील में 20 किमी0 दूर पड़ते हैं। जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को परेशानी होती है। सदर तहसील बिजनौर में 553 के लगभग ग्राम हैं, जिसको दो भाग करके हल्दौर में 236 ग्रामों की नई तहसील हल्दौर बनायी जाये, जिससे जनता को लाभ होगा।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बिनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की माँग करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत होम्योपैथिक कालेज से एम0एच0 इण्टर कालेज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विरेन्द्र कुमार यादव-

[महोदय, आपके माध्यम से सरकार का ध्यान गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर जनपद गाजीपुर अन्तर्गत स्थापित होम्योपैथिक कालेज गाजीपुर से एम0एच0 इण्टर कालेज तक सड़क बहुत ही जर्जर हालत में है। स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई होती है एवं अक्सर दुर्घटनायें होती रहती है। उक्त सड़क का निर्माण/मरम्मत कराया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है। सड़क की मरम्मत न होने के कारण आम-जनमानस में सरकार के प्रति रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए तत्काल उपरोक्त सड़क की मरम्मत कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद महराजगंज के विधान सभा क्षेत्र सिसवा के ग्राम पंचायत लेदी एवं राम चंद्रेही की जमीन भू-माफियाओं से मुक्त कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रेम सागर पटेल-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र सिसवा अन्तर्गत निचलौल तहसील के ग्राम पंचायत लेदी एवं राम चन्द्रेही में सीलिंग एवं जंगल की जमीन को भू-माफियाओं ने चकबन्दी में जमीन अपने नाम कराकर हड़प लिया है। यह जमीन 100 एकड़ से ज्यादा है तथा इसे राज्य सरकार द्वारा सुरक्षित रखा जाय। ग्राम सभा वारलेदी ग्राम पंचायत तहसील निचलौल में गाटा संख्या-189, 210, 149, 150, 152क, 157, 158ख, 185, 214, उप लेडी में ही 69, रामचन्द्र पुत्र-खविराज ग्रामवासी के नाम-144, 158ग, 160, 161, 172, 177, नई खतौनी संख्या-206, 187, 159, 171, 174, 192, 181ख, 191, 202, 204, 218, 201, उपरोक्त पुराना गाटा है-81, 89, 90, 91, 93 है। ग्राम चन्द्रेही निचलौल में गाटा सं0-315/56, 53, 155, 16/6, 120 उपरोक्त दोनों ग्राम पंचायत की जमीन फर्जी इन्द्राज है। सभी गाटा नया एवं पुराना है। ग्राम पंचायत लेदी एवं राम चन्द्रेही निचलौल तहसील का है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उक्त जमीन फर्जीवाड़े की जांच जिलाधिकारी, महराजगंज से कराकर फर्जी तरीके से अपने नाम कराये गये जमीन को सरकार के पक्ष में दर्ज किये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-300 के अन्तर्गत एक सूचना प्राप्त हुई।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

(विपक्ष के सदस्य द्वारा लाप्लास कॉलोनी के सम्बन्ध में बोलने पर)

[12:27] औचित्य के प्रश्न की सूचना

श्री अध्यक्ष-

आप लिख कर दे दें।

विधान सभा के स्थाई समितियों के गठन के सम्बन्ध में औचित्य के प्रश्न की सूचना

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारी 300 की सूचना है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं इस बात का आभार प्रकट करूंगा कि 300 के अन्तर्गत आपने हमें बोलने का अवसर दिया। उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष के निर्देश संख्या-99 में मंत्रियों को परामर्श देने के लिए स्थायी समितियों के निर्वाचन संगठन तथा कार्यविधि के नियम का प्रावधान है। 30 स्थायी समितियाँ जो विभिन्न विभागों को परामर्श देती हैं तथा विभागों के कार्य-कलाप बजट इत्यादि का पर्यवेक्षण भी करती हैं। महोदय, विधान सभा के 26 मई, 2022 के उपवेशन में आपको प्राधिकृत भी कर दिया गया है तथा दल के नाम भी प्रेषित कर दिये गये हैं, परन्तु अभी तक स्थायी समितियों का गठन नहीं हुआ है। पूर्व में भी 17वीं विधान सभा में उक्त समितियाँ गठित नहीं की गई थीं।

जिससे कार्यपालिका पर विधायिका के नियंत्रण का सिद्धांत स्थापित नहीं हो पा रहा है। अतः स्थायी समितियों के गठन हेतु आपसे व्यवस्था की माँग करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, इसका संज्ञान ले लीजिए।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, हो जायेगा।

[12:29] कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-56 के अन्तर्गत कुल 13 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जिसमें से दो सूचनाओं को ग्रह्यता पर सुना जायेगा। प्रदेश में बिगड़ती हुई स्वास्थ्य व्यवस्था के सम्बन्ध में।

***श्री शिवपाल सिंह यादव-**

मा0 अध्यक्ष जी, नियम-56 के अन्तर्गत आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय पर आकृष्ट करना चाहता हूँ। आज उ0प्र0 के स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हालत बहुत ही खराब है, बुरी हालत में है। जिला अस्पतालों में भी बहुत बुरी हालत है। वहाँ पर डॉक्टर भी नहीं है, दवाएं भी नहीं है और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की बहुत ही बुरी हालत है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ताले पड़े हुए है। वहाँ पर स्टाफ नहीं है, स्टाफ नर्स नहीं हैं, वार्ड ब्वाय नहीं है। कहीं पर कोई व्यवस्था न होने से मरीजों को बहुत परेशानी हो रही है। बीमारियाँ इतनी फैली हुई हैं, डेंगू जैसी बीमारियाँ हैं आदि। गरीब लोग बिना इलाज के मर रहे हैं, लेकिन पूरा का पूरा स्वास्थ्य विभाग सोया हुआ है।

वैसे तो विज्ञापनों में ये लगता है कि स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरीके से ठीक है, लेकिन अगर धरातल पर देखा जाए, तो पूरा स्वास्थ्य महकमा वेंटीलेटर पर है। यहाँ तक कि कोरोना काल के समय तक जितने भी वेंटीलेटर खरीदे गये, आज कोई भी वेंटीलेटर ठीक से काम नहीं कर रहे हैं और यहाँ तक कि जो भी मरीज किसी टेस्ट के लिए, अगर एक्स-रे कराना है, तो एक्स-रे के नाम पर समय दे दिया जाता है और समय देने के साथ वसूली भी हो रही है।

मा0 मंत्री जी, यहीं तक नहीं, हमारे ताखा ब्लाक में एक सी0एच0सी0 बनी हुई है और उसकी बिल्डिंग बहुत अच्छी है। उसे चालू हुए करीब-करीब 6 साल हो चुके हैं। अभी तक वहाँ पर डॉक्टर का कोई इंतजाम नहीं है। वहाँ पर स्टाफ नर्स नहीं है, वार्ड ब्वाय नहीं है और यहाँ तक कि कोरोना के टाइम तक वहाँ पर मैने अपने विधायक निधि से 20 लाख रुपए दिए थे। मैने मा0 मंत्री जी को पत्र लिखा, मा0 मुख्य मंत्री जी को पत्र लिखा, लेकिन आज तक वहाँ पर किसी डॉक्टर, स्टाफ नर्स, यहाँ तक कि वार्ड ब्वाय तक की नियुक्ति नहीं हुई है। हमने एक दिन वहाँ पर निरीक्षण किया, वहीं पर ठीक सामने तहसील है, ब्लाक है। हमारे प्रतिनिधि ने भी कई बार जिलाधिकारी और सी0एम0ओ0 को इस सम्बन्ध में पत्र भी लिखे हैं। मा0 मंत्री जी को हमने कई बार फोन पर भी इस बारे में बताया, सैफई मेडिकल संस्थान के बारे में भी आपका ध्यान आकृष्ट किया कि वहाँ का दौरा/निरीक्षण कर लीजिए। मा0 मंत्री जी वैसे तो छापा भी बहुत मारते है और छापा मारने के साथ-साथ दरबार भी लगाते हैं। दरबार लगाना अच्छी बात है।

अधिकारियों को भी बुला लेते हैं और अधिकारी आ भी जाते हैं। लेकिन उन अधिकारियों पर मंत्री जी का कोई असर नहीं पड़ता है, मा0 मंत्री जी चिट्ठी भी लिख देते हैं, लेकिन चिट्ठी का भी अधिकारियों पर कोई असर नहीं पड़ता है। तो बताइए ऐसे छापा मारने से क्या फायदा है और मा0 मंत्री जी ने कल समाजवादियों के लिए भी कुछ कह डाला था, अब मान लीजिए कि हम लोग विपक्ष में हैं, तब विपक्ष में हमें विपक्ष की भूमिका को तो अपनाना ही है और हम लोग तो समाजवादी हैं। मंत्री जी आपने तो हमसे यह भी कह दिया है कि आप परिवार के हैं, वैसे तो हम आपसे उम्र में भी बड़े हैं, रिश्ते में भी बड़े हैं।

श्री अध्यक्ष-

रिश्तेदारी क्या है ?

श्री शिवपाल सिंह यादव-

यह मंत्री जी को पता है, और ये पहले कांग्रेस में थे, फिर उसके बाद ये बहुजन समाज पार्टी में गए और बहुजन समाज पार्टी में एम0पी0 बन गए और फिर राज्य सभा में भी

चले गए और आज डिप्टी सी0एम0 भी हो गए हैं। हमने तो हमेशा चौधरी चरण सिंह जी का सम्मान ही किया है और उनके आदर्शों पर हम चल रहे हैं। हम डॉ0 लोहिया जी के आदर्शों पर भी चल रहें हैं, आचार्य नरेंद्र देव जी के आदर्शों पर भी हम चल रहें हैं तथा जनेश्वर मिश्र जी से तो हमने बहुत कुछ सीखा है। हमारे तो वह अभिभावक भी थे तथा श्री राज नारायण जी की तो हमने छोटी-छोटी सभाएं भी की थी और जनेश्वर मिश्र जी की तो हमने बहुत छोटी-छोटी सभाएं भी करायी थीं। हम तो समाजवादी होते हुए भी अटल जी का भाषण सुनने जाया करते थे। मैं आप सभी भाजपाइयों से कहना चाहता हूं कि कम से कम अटल बिहारी जी के सिद्धांतों पर, आदर्शों पर चलना तो सीखो, दीनदयाल उपाध्याय जी के आदर्शों पर चलना सीखो, उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया था। खन्ना जी कभी उन आदर्शों पर चलिए।

***वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 डा0 लोहिया ने हमेशा जाति तोड़ो की बात कही, कभी उन्होंने जातिवाद को बढ़ाने की बात नहीं कही। जाति तोड़ो समाज बांधों डा0 लोहिया हमेशा यह आंदोलन चलाते थे। हम तो केवल याद दिला रहें हैं।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मा0 खन्ना जी, लोहिया जी का यह भी नारा था और लोहिया जी पिछड़ी जाति के नहीं थे। वह वैश्य समाज के थे समाजवादी थे और उन्होंने कहा था कि पिछड़े पावें सौ में साठ। तो यह लड़ाई पूरे समाजवादी पार्टी के लोग लड़ेंगे। माननीय उप मुख्य मंत्री जी बैठे हैं, आपने कल टोपी पर टिप्पणी कर दी। भारतीय जनता पार्टी वाले तो गमछा भी डालते हैं और टोपी भी लगाने लगे हैं, आज आप तिलक लगा करके भी आये हैं, लेकिन हमने तो कभी कमेण्ट नहीं किया।

***उप मुख्य मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-**

माननीय अध्यक्ष जी, क्या नियम-56 के बजाय अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। अगर नियम-56 पर हो रही है तो उसकी ग्राह्यता पर बोला जाए अन्यथा हम लोगों को भी बोलने का अवसर मिलना चाहिए। हम भी एक-एक बात कहेंगे, उसमें इनको बैठना पड़ेगा और सुनना भी पड़ेगा, कल की तरह भागना नहीं चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

मेरा आदरणीय शिवपाल सिंह जी से निवेदन है कि नियम-56 की ग्राह्यता तक ही रहें, इधर-उधर न जायें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय उप मुख्य मंत्री जी ने कल हमारे ऊपर कमेण्ट किया।

श्री अध्यक्ष-

जिस समय राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी उसमें अपनी बात रख लीजिएगा।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

आप समय दे दीजिए तो अभी शुरू कर दूँ या इसके बाद समय दे दीजिएगा।

श्री अध्यक्ष-

चलिये, कार्य-स्थगन समाप्त करके राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा प्रारम्भ करते हैं। माननीय शिवपाल सिंह जी के रिक्वेस्ट पर नियम-56 को ड्राप करते हैं और राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा प्रारम्भ करते हैं।

श्री इन्द्रजीत सरोज-

माननीय अध्यक्ष जी, नियम-56 हो जाने दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

श्री शिवपाल सिंह जी बहुत वरिष्ठ सदस्य है।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ नियम 56 की सूचना पहले सुन लिये जाने का आग्रह करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

अब सब लोग उनका जवाब देंगे। आप लोग बैठिये। अगर माननीय शिवपाल सिंह जी की यह इच्छा है कि राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हो, तो मैं उसके लिए तैयार हूँ।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, हमने यह कहा कि नियम-56 के बाद।

श्री अध्यक्ष-

फिर अभी नियम 56 की ग्राह्यता तक रहिये। उसके बाद अभिभाषण पर आप जितनी देर कहियेगा उतनी छूट आपको देंगे, सिर्फ आपको, अन्य किसी को नहीं।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, स्वास्थ्य विभाग पर बजट तो पिछले साल भी बहुत मिला था, अगर पूरा बजट आपने खर्च कर लिया होता, तो बहुत सी समस्यायें हल हो जाती। (मेजों की थपथपाहट।) वेंटीलेटर भी ठीक हो सकते थे। जो भी मशीनें हैं, अल्ट्रासाउण्ड के लिए मरीजों को टाइम दे दिया जाता है महीना-महीना भर का, फिर अल्ट्रासाउण्ड के लिए मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में जाना पड़ता है, वहाँ वसूली भी होती है। हमने तो देखा है कि जिला अस्पतालों के

गेट पर दलाल बैठे हुए हैं, वहीं पर मरीजों को बहकाकर, पकड़कर ले जाते हैं। छापामार मंत्री जी ने छापा तो बहुत मारे हैं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय शिवपाल सिंह जी 10 मिनट हो गये, अब उत्तर आ जाने दीजिए।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, छापामार मंत्री जी ने छापा तो बहुत मारे है पर कोई असर पड़ा नहीं। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि मंत्री जी अगर बजट खर्च कर लिया होता, आधा भी खर्च कर लिया होता, तो बहुत सी समस्यायें हल हो जाती, डेंगू जैसी बीमारी की रोकथाम हो जाती। हमने 20 लाख रुपया सी0एच0सी0 को दिया है।

श्री अध्यक्ष-

आदरणीय शिवपाल सिंह जी कोई चर्चा नहीं हो रही है, मैं नियम-56 की ग्राह्यता के ऊपर सुन रहा हूँ। आप नियम-56 की ग्राहयता पर बोलिये। अगर मैं उसको स्वीकार कर लूँगा तो उसके बाद आप उस पर चर्चा की माँग करेंगे, तो जब मैं चर्चा स्वीकार करूँगा तो उसके ऊपर चर्चा करियेगा, अभी उसकी ग्राह्यता पर बोलिये।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, मैं चाहता हूँ कि आप चर्चा की घोषणा कर दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आप लिख करके दीजियेगा, फिर देखेंगे।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, चर्चा की घोषणा कर दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

चर्चा की घोषणा नहीं होती है, आप नियम-49 में चर्चा की माँग करेंगे तो उसके लिए समय निर्धारित करूंगा। आपको अधिकार है लिख करके देने का, मैं उसके ऊपर विचार करूँगा।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, कम से कम दो-तीन घंटे चर्चा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

आप लिख करके तो दीजिए। आपको मालूम है कि उसकी प्रक्रिया क्या है ? सब लोग यह कहते हैं कि नियमावली अगर किसी को पता है, तो शिवपाल सिंह यादव जी को पता है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे सीखने के लिए बैठा हूं।

श्री अध्यक्ष-

मैं आपको क्या सिखाऊंगा ? आप स्वयं एक वरिष्ठ सदस्य हैं। मैं स्वयं आपसे सीखता हूं। आपका आदर-सम्मान है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, इस पर चर्चा अवश्य करा दें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप उस पर लिखकर दीजियेगा तब बात करेंगे।

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, हमने मा0 सदस्य की पूरी बात सुनी है। कल महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हम लोगों ने बोला पूरी तरह से यह झलक रहा था कि बदले की भावना से और सच्चाई को न सुनने की क्षमता के कारण ऐसा हुआ है। सच्चाई सुनना नहीं चाहते हैं। अगर सच्चाई सुनना चाहते हैं तो सुनिये समाजवादी पार्टी के शासनकाल में ''स्वास्थ्य विभाग में भारी घोटाला'' यह आपकी सरकार का है। ''नर्सों की कमी ने बढ़ाई चिन्ता'' यह आपकी सरकार का है। ''वेन्टीलेटर पर पहुंचा मेडिकल कॉलेज'' यह आपकी सरकार का है। ''जेल जायेंगे अखिलेश के स्वास्थ्य मंत्री'' यह आपकी सरकार का है। स्वास्थ्य व्यवस्था को आप लोगों ने लूट का अड्डा बना दिया था। सरकारी योजनाओं में किस ढंग से लूट होती थी। समाजवादी पार्टी के शासनकाल में खुलेआम लूट होती थी। डॉक्टरों से मिली-भगत करके आधा पैसा लेकर उनको ड्यूटी पर जाने से रोक देते थे। आज हमने शत-प्रतिशत डॉक्टरों की उपस्थिति दर्ज कराने का काम किया है। हमारी सरकार में निष्पक्षता के आधार पर, पारदर्शिता के आधार पर सभी विभागों में काम हो रहा है और सभी सरकारी चिकित्सालयों में, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में उच्च कोटि की चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध है। मैं पूछना चाहता हूं कि समाजवादी पार्टी के लोग कई बार सत्ता में रहे हैं यह बता दें कि इनके समय में सरकारी अस्पतालों में एक दिन में कितने मरीज आते रहे हैं ? आज मेरे पास आंकड़े हैं और मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारे सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन 1 लाख 70 हजार मरीज आते हैं। उसमें से 12 हजार मरीज एक्सीडेंटल होते हैं, जो गम्भीर दुर्घटनाओं से ग्रसित होकर हमारे पास आते हैं, रोड एक्सीडेंट में आग लग जाने के कारण, छत से गिर जाने के कारण, पानी में डूबने के कारण, 8 हजार मरीज गम्भीर रोगों से ग्रसित आते हैं। हम प्रतिदिन 5 हजार ऑपरेशन निःशुल्क कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के शासनकाल में क्या हुआ था ?

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, दो घण्टे की चर्चा स्वीकृत कर लें सारी बात आ जाएगी। मा0 मंत्री जी अपना बतायेंगे और हम अपना बतायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

वह लिखकर दे दें तब हम सुन लेंगे।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, हम मांग कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आपको मालूम है कि नियम-49 में मांग की जाती है।

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, इन लोगों ने भारत सरकार की एम्बुलेंस सेवा को समाजवादी एम्बुलेंस सेवा बनाने का काम किया था, जबकि समाजवाद से इन लोगों का कोई लेना-देना नहीं है। यह नकली समाजवादी हैं, यह ढोंगी समाजवादी हैं। यह लाल टोपी वाले लोग अराजकता फैलाते हैं, गुंडई फैलाते हैं। यह लोग पूरी तरह से अराजकतावादी हैं, यह कानून व्यवस्था तोड़ने वाले लोग है, यह अराजकता का आलम फैलाते हैं, इनके पास सच सुनने की क्षमता नहीं है। इन लोगों ने पूरे प्रदेश को अराजकता की आग में झोंकने का काम किया है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय उप मुख्य मंत्री जी, विषय पर आयें।

(समाजवादी पार्टी के सदस्यों द्वारा वेल में आकर सरकार विरोधी नारेबाजी करने पर घोर व्यवधान।)

श्री अध्यक्ष-

माननीय उप मुख्य मंत्री जी आप बैठ जाइये।

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, ठीक है मैं बैठ जाता हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप लोग बैठ जाइये। मैंने मा0 उप मुख्य मंत्री जी से निवेदन किया और वह अपने स्थान पर बैठ गये है।

(समाजवादी पार्टी के सभी सदस्यों के द्वारा वेल में आकर नारे बाजी करने पर घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

माननीय ब्रजेश पाठक जी आप बैठ जाइए, आप कृपया बैठ जाइए।

चलिए मैंने उनको बैठा दिया है अब विपक्ष के सभी मा0 सदस्य आप लोग भी बैठ जाइए। मैंने मा0 उप मुख्य मंत्री जी से निवेदन कर लिया है और वह बैठ गए है चलिए अब आप सभी वापस बैठ जाइए। चलिए संदीप जी हो गया आपके नम्बर बढ़ गए। आपका विरोध दर्ज हो गया। अगर आप लोग चाहते है कि मा0 राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर आज चर्चा हो तो मेरा आपसे निवेदन है कि आप सभी चले जाए और अपने-अपने सीट पर बैठ जाए। नहीं तो मैं अभी सदन को आज के लिए समाप्त कर दूंगा आप में से किसी को भी अपनी बात कहने का अवसर नहीं मिलेगा। मैंने मा0 उप मुख्य मंत्री जी से निवेदन किया मेरे निवेदन करने पर वह बैठ गए।

(घोर व्यवधान जारी)

मेरा आप सभी विपक्ष के मा0 सदस्यों से भी निवेदन है कि आप सभी बैठ जाइए। आगे जो विषय है वह भी प्रदेश में कानून व्यवस्था के ऊपर है, उस पर अपनी बात कहिएगा। मुझे लगता है कि आप इन्ट्रेस्टेड नहीं है, चलिए आगे नियम-51 की सूचनाएं ले ली जाएं। नियम-51 की सूचना लें लेते है।

(घोर व्यवधान जारी)

मा0 राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर चर्चा मैं ले रहा हूं, मैं मा0 नेता कांग्रेस से चाहता हूं कि अपनी बात कहें। नियम-56 की बाकी दूसरी सूचना श्री लालजी वर्मा, श्री राम अचल राजभर की है, क्या आप लोग बोलने के लिए तैयार है, तो अपने लोगों से कह दीजिए कि सीट पर जाएं। मेरा आपसे निवेदन है कि अपने लोगों से कह दीजिए कि सीट पर जाएं। मुझे मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा आगे बढ़ानी है, इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि मा0 राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर चर्चा आज जारी रहें। पक्ष-विपक्ष दोनों के सम्मानित सदस्यगण अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं के ऊपर बोलना चाहते है अगर आप विधान सभा की कार्यवाही इस तरह से बाधित करेंगे तो विधान सभा के सारे सदस्यों के अधिकार पर तीन मा0 सदस्यों के अधिकार है, उसके ऊपर अतिक्रमण करेंगे। इसकी मैं इजाजत नहीं दे सकता। मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आप अपने सीट पर जाएं।

(वेल में उपस्थित सदस्य नारेबाजी करते रहे घोर व्यवधान जारी)

मेरा निवेदन है कि अगर आप चाहते है कि कार्यवाही आगे बढ़े तो बैठ जाइए। मा0 उप मुख्य मंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी ने जो यहां कहा तो मैंने उनको बोला कि अपना स्थान ग्रहण कर लीजिए और वह बैठ गए। अब मेरा आपसे भी निवेदन है कि आप अपने स्थान पर बैठ जाइए। अगर आप नहीं बैठना चाहते है तो फिर मुझे कार्यवाही आगे बढ़ानी पड़ेगी। जो मा0 सदस्य अपनी सीट पर बैठे हुए है वह मा0 राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर

अपना लिखित व्याख्यान दे देंगे में उसको कार्य-सूची में सम्मिलित कर लूंगा तो आपका भाषण पूरा हो जाएगा और जो मा0 सदस्य अपनी सीट पर नहीं है उनसे मेरा निवेदन है कि अपने सीट पर चलें और अपनी बात कहें।

(घोर व्यवधान जारी)

मैं हाउस को स्थगित नहीं करूंगा मैं आज इस कार्यवाही को आगे बढ़ाऊंगा और जो मा0 सदस्य बोलना चाहते है उनको यह अधिकार होगा कि किसकी वजह से वह नहीं बोल पाए। कल मैने इस बात का अवसर दे दिया था अब मैं किसी भी प्रकार से अवसर नहीं दूंगा। मैं हाउस को अच्छी तरह से चलाने का प्रयास करूंगा। मेरा विनम्र निवेदन है कि आप जाए, मेरा विनम्र निवेदन है कि आप जाए नहीं तो मा0 राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर चर्चा मैं अभी यहां पर समाप्त कर दूंगा और आपको अवसर नहीं मिलेगा। मेरा आपसे निवेदन है कि अगर आप चर्चा करना चाहते है तो जाकर अपनी सीट पर बैठ जाइए। आप आपस में विचार-विमर्श कर लें अगर आप चर्चा नहीं करना चाहते है तो मैं हाउस को आगे बढ़ाऊंगा, मैं हाउस को स्थगित नहीं करूंगा।

(वेल में आये हुये समाजवादी पार्टी के सभी सदस्य अपने-अपने स्थानों पर वापस चले गये।)

आप लोग कृपया बैठ जायें।

(सदस्य विवेकानन्द पाण्डेय के अपने स्थान पर खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर।)

मा0 विवेकानन्द जी, आप बैठिये। अगर मैं उधर कोई बात कह रहा हूँ तो वह आपके ऊपर भी लागू होती है। वह बात सभी मा0 सदस्यों पर लागू होती है। आपका व्यवहार भी वैसा ही होना चाहिये जैसी मैं अपेक्षा करता हूँ और इनका व्यवहार भी वैसा ही होना चाहिये जैसी मैं अपेक्षा करता हूँ। व्यवहार के विपरीत कुछ भी होगा तो कोई भी मा0 सदस्य होगा उससे विनम्रतापूर्वक निवेदन करने का मेरा अधिकार है और मैं करूँगा।

(सदस्य श्री लालजी वर्मा के अपने स्थान पर खड़े होने पर)

मा0 वर्मा जी, आप क्या कहना चाहते हैं ? आप कहिये।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, माननीय शिवपाल यादव जी ने स्वास्थ्य सेवाओं की जो समस्या है, उसको लेकर कार्य-स्थगन में सूचना लगायी थी और उसमें वह अस्पतालों की बदहालत के बारे में कहाँ-कहाँ क्या कमियाँ हैं उसको बता रहे थे, लेकिन हालात उसके बाद भी नहीं सुधर रहे हैं, तो माननीय मंत्री जी जिस तरह से खड़े होकर जो बात कहने लगे और जिस तरह की बातें करने लगे।

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, चाचा ने जो कहा है हमने केवल उस बात का जवाब दिया है। चाचा ने अगर स्वास्थ्य विभाग के बारे में कहा है तो इनको सुनना भी पड़ेगा। इन्हें सच्चाई को सुनना पड़ेगा।

श्री अध्यक्ष-

माननीय ब्रजेश जी, आप बैठ जाइये।

(सदस्य श्री शिवपाल सिंह यादव के अपने स्थान पर खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

आदरणीय शिवपाल जी, आप बैठ जाइये। मैंने मा0 उप मुख्य मंत्री जी से भी रिक्वेस्ट की है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, इनको समाजवादियों का इतिहास नहीं पता है।

श्री अध्यक्ष-

इनको नहीं मालूम होगा, समय आने पर आप बता दीजियेगा। आदरणीय शिवपाल जी, आप बैठिये। आप मेरी बात सुन लीजिये, फिर आपको अपनी बात कहने का अधिकार है। मैं आपकी बात सुनूंगा और बिना आपकी बात सुने सदन आगे नहीं बढ़ाऊंगा। मा0 वर्मा जी, आपको मालूम है कि नियम-56 के अन्तर्गत किसी भी तात्कालिक, प्वाइंटेड व्यवस्था तथा स्पेसिफिक विषय के ऊपर आप अपनी बात कह सकते है। यह आपको मालूम है। पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का मामला इसमें नहीं लिया जा सकता था फिर भी आपके निवेदन के ऊपर मैंने इस बात को कहा कि मैं इसे लूँगा, क्योंकि यह सूचना इतने वरिष्ठ सदस्य आदरणीय शिवपाल जी की थी और मैं उनका आदर और सम्मान करता हूँ। इसलिये मैं उस सूचना को अग्राह्य नहीं कर सकता था। फिर भी मैंने उसको ग्राह्यता के लिये सुनने के लिये अपना निर्णय किया। आपको पता है कि अगर मैं नियम के हिसाब से चलता तो यह जो आपकी सूचना थी वह उसमें नहीं आती थी। आप मेरी बात से सहमत है। फिर भी मैंने कहा कि नहीं कोई बात नहीं, अगर जनता से सम्बन्धित कोई समस्या है तो उसको हाउस में उठाना चाहिये। हाउस में विपक्ष उसको उठायेगा, यह आपको अधिकार है। सरकार को उन व्यवस्थाओं को ठीक करना चाहिये। माननीय मंत्री जी उसका जवाब देते हैं, लेकिन इस तरह की बातचीत नहीं होनी चाहिये। मैं हाउस को अच्छी तरह से चलाना चाहता हूँ जिसमें आप सब लोगों का सहयोग अपेक्षित है। आप सब लोगों के बिना हाउस नहीं चलेगा। अगर आप नहीं चाहेंगे कि हाउस चले तो मेरे पास बहुत से विकल्प हैं, मैं कार्यवाही समाप्त कर दूँगा। मेरे पास पर्ची आयी थी कि हाउस स्थगित कर दीजिये। मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि हम सब लोगों को पूरे प्रदेश की जनता हर चैनल पर देख रही है और हमारी एक-एक बात पर ध्यान दे रही है। आप अपनी बात कहिये। आप सरकार की तारीफ करने के लिये यहाँ पर नहीं हैं। सरकार की जो भी कमियाँ हैं उनकी एक सकारात्मक आलोचना करने के लिये यहाँ पर है, उन पर सरकार का ध्यान दिलाने के लिये यहाँ पर है। आपको इसका अधिकार है और मैं आपके अधिकारों का संरक्षण करूंगा, मैं इस बात का आपको विश्वास दिलाता हूँ। सरकार को भी उस बात का

जवाब देना पड़ेगा, लेकिन इस प्रकार के बिहेवियर से न तो आप अपना भला करेंगे और न ही प्रदेश की जनता का भला करेंगे। मेरा आपसे यह निवेदन है। मैंने माननीय शिवपाल जी को सुना। मैंने माननीय मंत्री जी को सुना।

यह नियम-56 में नहीं आता है, इसलिये मैं इसे अग्राह्य करता हूँ। अब मैं अगली सूचना लेता हूँ।

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर, नियम-49 में चर्चा करा दीजिये।

श्री अध्यक्ष-

आप लिखकर दीजिये। आप बैठ जाइये।

(सदस्य श्री रविदास मेहरोत्रा के अपने स्थान पर खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

मा0 मेहरोत्रा जी, आप हर बार अनावश्यक खड़े हो जाते हैं। आपको इजाजत नहीं है। आपकी सूचना नियम-56 में नहीं आती है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, स्वास्थ्य विभाग पर चर्चा तो करा दीजिये।

श्री अध्यक्ष-

आप लिखकर दीजिये, मैं चर्चा कराऊंगा। आप लिखकर दीजिये, मैं उसका समय और दिन निर्धारित करूंगा। अब हम नियम-56 की दूसरी सूचना लेते हैं। नियम 56 की दूसरी सूचना मा0 श्री उमाशंकर सिंह जी की प्रदेश में बिगड़ती हुयी कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में है। (जनपद उन्नाव के असावर गांव में बुधवार दिनांक 22/02/2023 की घटना) के सम्बन्ध में तथा मा0 लालजी वर्मा, मा0 श्री राम अचल राजभर एवं मा0 श्री त्रिभुवन दत्त जी की प्रदेश में बिगड़ती हुयी कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में है। (जनपद अंबेडकरनगर के ग्राम जमालपुर में दिनांक 30/11/2022) की घटना के सम्बन्ध में है। मा0 उमाशंकर जी, आप बोलिये।

श्री उमाशंकर सिंह-

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। जनपद उन्नाव में दिनांक 22 तारीख दिन बुधवार को जमुना चौरसिया के बटाई खेत पर काम करने गयी एक महिला के साथ अत्यंत बर्बरता से उनकी हत्या की गयी।

मेरा इस प्रश्न को लाने का उद्देश्य यह था कि जनपद उन्नाव में लगातार तीन दिनों से, चूँकि एक लड़की जिसका नाम ज्योति था उसका अपहरण करने के बाद बलात्कार किया गया और उसके बाद हत्या कर दी गयी जिसको हमने सूचना में नहीं दिया है। हमने केवल दो सूचनाओं को दिया है। पहले मैंने सोचा कि उन्नाव में एक घटना घटित हुई है सरकार इस पर ध्यान दे लेगी। लेकिन जब 24 घंटे के बाद पुनः एक घटना हो गयी। मान्यवर, उन्नाव के

असोहा क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी ज्योति बुद्धवार दोपहर लगभग 12 बजे घर से 300 मीटर दूर असावर गांव में जमुना चौरसिया के बटाई के खेत में काम करने के लिए गयी थी। मा0 अध्यक्ष जी यह बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है, और यह सवाल ऐसा है कि उन्नाव में लगातार तीन दिनों से हर 24 घंटे में घटनायें हो रही हैं। एक लोधी समाज की बेटी के साथ, एक कनौजिया समाज की बेटी के साथ और एक दलित समाज की बेटी के साथ घटनायें हुई है। इनका पहले अपहरण होता है फिर बलात्कार होता है और उसके बाद उनकी हत्या कर दी जाती है। इसलिए मैं इस घटना को बड़े ही दर्दभाव से सदन के सामने रखना चाहता हूँ। मेरा उद्देश्य है कि जब पहली घटना घटित हुई तो तमाम अखबारों में इस बात का जिक्र किया गया, यहां पर अखबारों का जिक्र नहीं होता है, लेकिन अखबार इन घटनाओं को प्रमुखता से छाप रहे हैं कि अभी 24 घंटा भी नहीं बीता तब तक उसी सर्किल क्षेत्र में दूसरी घटना हो गयी, फिर दूसरे दिन अखबार छापते हैं कि अभी 48 घंटा हुआ कि तीसरी घटना हो गयी। मा0 अध्यक्ष जी, वहां का प्रशासन अगर पहली ही घटना पर कठोर कार्रवाई कर देता तो मुझे लगता है कि इसका मैसेज पूरे प्रदेश को चला जाता। आज भी लोगों को लॉ एण्ड आर्डर के नाम पर बहन सुश्री मायावती जी को और बहुजन समाज पार्टी को याद करना चाहिए। ऐसा नहीं है कि वह सबको गोली से मारती थीं। वह प्रदेश की एक घटना पर कड़ी कार्रवाई करती थीं तो पूरा प्रदेश हिल जाता था। लखनऊ में हमारा सदन चल रहा है और हम यहां पर बैठ रहे हैं और इसी सदन के समय में उन्नाव में लगातार तीन दिनों से हर 24 घंटे के अन्तराल पर एक घटना हो रही है, मुझे लगता है कि इससे बुरा काम और कोई नहीं हो सकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से चाहूँगा कि आप कोई ऐसा कानून बनायें, जैसे हम सभी विधायकों के लिए अगर कानून में होता किं वेल में आने के बाद एफ0आई0आर0 होती तो मुझे लगता है कि इसमें आधे विधायकों की सदस्यता ही समाप्त हो जाती।

श्री अध्यक्ष-

वह तो मेरे हाथ में है यह मैं नहीं करूँगा।

श्री उमाशंकर सिंह-

इस प्रकार मान लीजिए सड़क पर किसी विधायक ने चक्का जाम कर दिया।

श्री अध्यक्ष-

मा0 उमाशंकर जी आप विषय पर आयें।

श्री उमाशंकर सिंह-

इसलिए मा0 अध्यक्ष जी मैं चाहता हूँ कि सरकार को ऐसे मामलों में कोई ऐसा कानून बनाना चाहिए कि लोग इस तरह के कृत्य करने से पहले सौ बार सोच लें, उनकी रूह कांप जाए। आपके माध्यम से मैं इसकी अपील करता हूँ।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, आप अवगत हैं कि नियम-56 में केवल एक ही घटना का सुनिश्चित जिक्र होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

इन्होंने एक ही घटना का जिक्र किया है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इन्होंने तीन-तीन घटनाओं को कोट किया है। इनकी नोटिस में केवल दो घटनायें हैं। आप नोटिस देख लें, नोटिस में केवल दो ही घटनाओं का जिक्र है। इतने वरिष्ठ सदस्य को यह भी ख्याल रखना चाहिए कि हम भी नियम के अनुसार चलें, हम जवाब देंगे जब आप कहेंगे जवाब देंगे।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी मैंने इस बात का शुरू में ही उल्लेख किया है कि एक घटना और हुई थी जिसको मैं नोटिस में नहीं लाया हूँ।

श्री अध्यक्ष-

वर्मा जी, पर्टिकुलर उस घटना के ऊपर बात करिएगा, ग्राह्यता के ऊपर आप बोलिए।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, प्रदेश में मा0 मंत्री जी बार-बार इस बात को कहते हैं कि कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत सुदृढ़ है, जबकि व्यवहार में जस्ट उल्टा है। इसी तरह की एक घटना अम्बेडकरनगर में घटित हुई है। एक अनुसूचित जाति का व्यक्ति जिसका नाम राम प्रवेश था, जो कि अपनी बहन के घर देवाना थाने के अन्तर्गत गया था और वहां पर कुछ लोगों के द्वारा विवाद हो रहा था जिसे वह बाहर से ही देख रहा था। इसके बाद जब पुलिस आई तो उसको मार-मार के मार डाला और उसके बाद पुलिस के द्वारा लीपापोती करने का काम किया जा रहा था। मान्यवर, इसी तरह की अनेक घटनायें हैं हमारे विधान सभा क्षेत्र के भीटी थाने में एक प्रहलाद सिंह जिसको पुलिस का एक सिपाही अपने साथ ले गया दारू पिलाया और दारू पिलाकर मार डाला।

उसके बाद भी इस तरह की घटनायें पूरे अम्बेडकरनगर में लगातार पुलिस के द्वारा बढ़ती जा रही है। चूंकि इस घटना को जो हम संज्ञान में लाये हैं, इसमें पुलिस स्वयं दोषी है। इसलिए मैं चाहूंगा वहां की लोकल पुलिस द्वारा इसकी जांच अच्छी नहीं हो सकती। दबाव से एफ0आई0आर0 दर्ज करनी पड़ी, लेकिन उस पर लीपापोती करने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए हम चाहेंगे कि इसकी जांच अन्यत्र जिलें में ट्रान्सफर की जाये। साथ ही जो मृतक है उनके परिवार को कम से कम बीस लाख का अनुदान देने का काम किया जाये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, श्री सरोज जी की सूचना नियम-56 में दी गयी है।

श्री अध्यक्ष-

नहीं इनकी कोई सूचना नहीं है। क्या विषय है ?

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, दलित उत्पीड़न पर है।

श्री अध्यक्ष-

जो आपने बात कही है वह दो सूचनायें ली हैं। पहले आदरणीय शिवपाल जी बोल रहे थे। दूसरी पर माननीय वर्मा जी बोल रहे हैं। आपकी ही पार्टी के है। दो सूचनायें आपके सुझाव पर हमने ली है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, तीन बातें सामने आईं। एक प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब की बात सामने आई। दो घटनाओं का जिक्र माननीय उमाशंकर जी ने किया और एक घटना का जिक्र माननीय लालजी वर्मा जी ने किया।

मान्यवर, आज पूरे देश और प्रदेश में अगर सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार की कोई उपलब्धि है वह कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करने की है। आज देश और दुनिया में लोग इस बात की सराहना करते है। पब्लिक परसेप्शन भी यही है कि उत्तर प्रदेश में सेफ्टी और सेक्योरिटी का माहौल सबसे ज्यादा है। हर वर्ग के लिए बराबर की स्थिति है। जहां तक आकड़ों का सवाल है वह भी मैं आपके सामने बता दूं। जो मेजर क्राइम्स है उसमें चाहे नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो हो या लोकल पुलिस का हो। उसमें हर तरह से बात को कोट करना चाहता हूं। 2016 के आपकी अनुमति हो तो मैं इसको पढ़ दूं। अपराध कम हुए है। मैं खास तौर से इस मुकाबले में 2022 के आकड़े हैं। मान्यवर, आपकी अनुमति हो, तो मैं इसको पढ़ दूं। डकैती में 82 प्रतिशत की कमी आई है। लूट में 67 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या में 37 प्रतिशत की कमी आई है। बलवे में 55 प्रतिशत की कमी आई है। गृहभेदन में 10 प्रतिशत की कमी आई है। फिरौती के लिए, अपहरण के लिए 51 प्रतिशत की कमी आई है। यह मोटा-मोटा आंकड़ा है।

हम ज्यादा समय सदन का नहीं लेना चाहते। हर तरह से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था आज लोगों के लिए मिसाल है। योगी जी की सरकार दोबारा सत्ता में आने की सबसे बड़ी वजह यही है कि उत्तर प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर मेनटेन हुआ। गुड गवर्नेन्स के आधार पर योगी जी दोबारा चुन कर आये हैं। जहां तक सवाल आपका है। मान्यवर, समाचार-पत्रों में पढ़ने के आधार पर सूचनायें लगाई जाती है। व्यक्तिगत रूप से जानकारी हो या न हो।

अखबार में पढ़ा सूचना लगा दी कि उन्नाव में क्या हो रहा है ? आप क्यों बोल रहे हैं। आप बात तो सुनिये। घटना तात्कालिक है। नवम्बर की घटना है और 5 एवं 6 दिसम्बर में हाउस चला था आप क्यों नहीं लाये ? आप जो घटना लाये है वह 30 नवम्बर की है। यह तात्कालिक नहीं है।

श्री लालजी वर्मा-

5 दिसम्बर को शोक प्रस्ताव हुआ। 6 दिसम्बर को एक दिन का हाउस हुआ। उसमें हम कहां से लाते। उसमें नियम-56 नहीं लिया गया था।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

आप तो हर बात को बोल लेते हैं। आप तो खड़े होकर जब मौका हो तो भी बोल लेते है और न मौका हो तो भी बोल लेते है, लेकिन हम जवाब देंगे। हम जवाब से कभी नहीं भागते हैं। हम जवाब देंगे। अभी-अभी एस0 पी0 से दो बार टेलीफोन पर बात करके आये है। आप पूछ लीजिएगा।

मान्यवर, यह थाना असोहा की घटना है और जो लड़की मरी है वह प्रेम प्रसंग के कारण मरी है पहले इस लड़की से सम्बन्ध था और अब दूसरी लड़की से सम्बन्ध हो गया इस कारण यह घटना हुई और बारह घंटे के अंदर मुल्जिम गिरफ्तार हो गया जिसका नाम विकास पुत्र संतोष है और आप जो कह रहे है कि कुछ होना नहीं चाहिए कि तात्कालिक अगर कुछ हो जाता तो उसमें कुछ दूसरा हो जाता। यह थाना असोहा की घटना है जो आपसे पहले भी श्री उमाशंकर जी ने उठाई है। इसमें थाना असोहा में धारा-302 में मुकदमा पंजीकृत हुआ जिसका क्राइम नंबर 46/2023 है। इसमें गला दबाने से घटना हुई है और उसमें मुल्जिम की गिरफ्तारी हो गयी है और मुल्जिम इस समय जेल में है। आप कहिए तो मैं आपके पास पुलिस रिपोर्ट भी भेज दूं। मान्यवर, दूसरी घटना उन्नाव के थाना सफीपुर की है और इसमें जो हमारे पास पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आयी है उसमें एंटी मार्टम इंजरी क्रैश इंजरी आयी है यानि कि किसी के कुचलने से मरने की बात आयी है। अभी तक किसी प्रकार कि जैसे कि आपने कहा बलात्कार और कम से कम इतने जिम्मेदार सदस्य को ऐसी बात कोड नहीं करनी चाहिए कि बलात्कार के बाद उसकी यह घटना हूई आप किसी के बारे में कुछ भी कह दे ऐसा ठीक नहीं लगता है। आपको भी थोड़ा सोच-समझ कर बोलना चाहिए, आप हाऊस में बोल रहे है। यह अपने आप में क्रैश इंजरी है और रात में उसकी मृत्यु होती है इसमें पूरी तरीके से शासन आपना काम कर रहा है और सरकार अपना काम कर रही है और पुलिस विभाग ने पूरी मुस्तैदी के साथ काम किया है और इसमें जैसी भी जांच होगी उस जांच को भी आपके सामने लाकर रख देंगे लेकिन किसी को बचाने का कोई इरादा नहीं है और कोई घटना छुपाने का भी इरादा नहीं है हमारी योगी सरकार का सबसे बड़ा काम है कि किसी भी व्यक्ति को नाजायज तरीके से परेशान न किया जाये और जो दोषी हो उसको किसी भी तरीके से छोड़ा न जाए। इस मामले में जो भी दोषी पाया जायेगा उसको सजा जरूर दी जायेगी। पुलिस द्वारा डॉग

स्क्वायड टीम व सर्विसलांस टीम की मदद से घटना के अनावरण के प्रयास किये जा रहे है शीघ्र ही घटना का सफल अनावरण करा लिया जायेगा और कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। मान्यवर, एक घटना अंबेडकरनगर की है यह घटना 30-11 की घटना है इसमें दो पक्षों में लड़ाई हुई। निषाद पक्ष के लोग थे और उसके बाद इसमें कहा यह जाता है कि एक व्यक्ति की जो 400 मीटर दूर रहता था पुलिस वालों ने उसको मार दिया यह इसमें आरोप है और जो प्रॉसीक्यूसन केस है वह यह है कि दो पुलिस वालों ने उसको मार दिया। जिन पुलिस वालों के नाम आये थे उन लोगों को सस्पेंड कर दिया और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर यहां से लीगल ओपीनियन भी सीक की गयी वह भी आपके सामने भेज देते है। इसमें जो पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आयी है जो मा0 वर्मा जी ने बात उठायी है कि एक व्यक्ति की उसमें मौत हुई उसमें जो मृत्यु का कारण डॉक्टर ने बताया है कि मृत्यु दम घुटने व गला दबाने से हुई है। इसमें विसरा को प्रिजर्व किया गया है।

एण्ड शॉक्ड ड्यू टू एण्टीमार्तम थ्रॉटलिंग, थ्रॉटलिंग कहते हैं गला दबाने को। इसमें बिसरा को सुरक्षित करके प्राथमिकता के आधार पर जांच के लिए भेजा गया है। वहाँ से जो रिपोर्ट आई थी वह हमें कम्प्लीट नहीं लगी तो हमने 11:40 बजे फिर से कहा कि इसमें डिटेल रिपोर्ट भेजो कि किस डॉक्टर ने इसे तैयार किया है। जिस डाक्टर ने इसे तैयार किया है हम उसका नाम आपके पास भेज रहे हैं। शासन की कोई मंशा नहीं है कि हम किसी को बचाये। विवेचना में हत्या के अपराध के सम्बन्ध में अभी तक कोई ठोस साक्ष्य प्राप्त नहीं हुये है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के सम्बन्ध में अपर निदेशक, मेडिकोलीगल एवं राज्य चिकित्सा, उत्तर प्रदेश से मृत्यु के कारणों के सम्बन्ध में जानकारी करने हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गई है जिसके सम्बन्ध में डॉक्टर जी0 खान, एम0डी0 एफ0एम0टी0 (एक्सपर्ट मेडिकोलीगल) स्टेट मेडिकोलीगल सेल, लखनऊ द्वारा प्रेषित रिपोर्ट दिनांक 16.01.2023 की छायाप्रति संलग्न है जिसके अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रवेश की मृत्यु पिटाई से नहीं हुई है। बिसरा रिपोर्ट प्राप्त करने हेतु विशेष वाहक को विधि विज्ञान प्रयोगशाला, वाराणसी भेजा गया है, किंतु परीक्षण क्रमांक पर न आने के कारण अभी बिसरा परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। निदेशक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा प्रकरण को प्राथमिकता पर दर्ज कर लिया गया है। विवेचना प्रचलित है और विवेचना के निष्पक्ष निस्तारण हेतु विवेचक और पर्यवेक्षण अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिये गये हैं। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। घटना में नामित दोनों आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और विभागीय कार्यवाही प्रचलित है। मान्यवर, पूरी स्थिति आपके सामने है और जो रिपोर्ट वहां से आई है वह मैं आपके पास भेज रहा हूँ। पहली रिपोर्ट से हम भी संतुष्ट नहीं थे कि आखिरकार यह रिपोर्ट किसने भेज दी क्योंकि अगर पिटाई का आरोप है तो कम से कम यह तो आना चाहिये कि पिटाई नहीं हुई और दम घुटने से मौत हुई इसीलिये बिसरा भेजा गया। जब बिसरा रिपोर्ट आ जायेगी तो इसमें भी कार्यवाही कर दी जायेगी। मैं यह रिपोर्ट भिजवा रहा हूँ कृपया इसको पटल पर रखवा

दीजिये। माननीय सदस्य ने जो घटना बताई उसका पर्यवेक्षण शासन पूरी तरह से मुस्तैदी के साथ कर रहा है और इसमें स्टैण्डिंग निर्देश भी हैं कि किसी भी दोषी को बख्शा न जाये। हम आपके माध्यम से पूरे सदन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि जो भी इसमें दोषी पाया जायेगा उसको सजा जरूर मिलेगी। मान्यवर, यह विषय नियम-56 में नहीं आता है, इसलिये इसको अग्राह्य किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

आपने माननीय उमाशंकर सिंह जी से कहा था कि यदि वह कुछ पूछेंगे तो आप बतायेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, माननीय सदस्य पूछ सकते हैं।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, संसदीय कार्य मंत्री जी बहुत वरिष्ठ और काफी अनुभवी है। उनका कहना है कि बच्ची एक्सीडेंट से मरी है और उमाशंकर जी को इस तरह से आरोप नहीं लगाना चाहिये। माननीय मंत्री जी पन्द्रह साल की वह बेटी रात को नौ बजे अपने परिवार के साथ खाना खाकर अपने कमरे में सोने जा रही थी। अगर वह कहीं यात्रा पर होती, स्कूल से आ रही होती या कहीं बाजार से आ रही होती और उसका एक्सीडेंट हो जाता तो मैं मान लेता। रात को सब लोग अपने कमरे में सोने चले गये और उसके बाद साढ़े बारह बजे उसकी माता जी के मोबाइल पर फोन आता है, वह फोन उठा नहीं पाती है और फोन कट जाता है। तब वह देखती है कि उनके बगल में बेटी नहीं है, फिर अपने बेटे को जगाती है। बेटा ग्राम प्रधान को फोन करता है फिर वह सब लोग निकलकर जाते हैं तो जिस अवस्था में वह बेटी मिली है वह अपने आपमें बहुत दर्दनाक है। जिस अवस्था में उन लोगों ने अपनी आँखों से देखा है वह मैं बता रहा हूँ न कि मैं अखबार में पढ़ी हुई बात को बता रहा हूँ।

श्री अध्यक्ष-

जिसका नाम सामने आया है उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके उसको गिरफ्तार कर लिया गया है।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, इसलिये तो मैं कह रहा हूँ कि आपके पास तो केवल वह चीजें है जो प्रशासन ने लिखकर आपको भेजी है कि वह एक्सीडेंट से मरी है। परिवार और गांव के लोगों ने जिस स्थिति में उसके शरीर को देखा है मैं उस बात को बता रहा हूँ। में आपसे आग्रह कर रहा हूँ कि आप केवल सरकारी रिपोर्ट पर डिपेण्ड न रहिये। उस बेटी के साथ इस तरह की घटना की गई है और घटना को एक्सीडेंट का रूप दे दिया गया है। यह दिन का समय नहीं था, बल्कि रात के बारह बजे की घटना है। इस घटना में कई लोगों का सामूहिक

इन्वाल्वमेण्ट है। जिला प्रशासन मामले को डायवर्ट करने की कोशिश कर रहा है और कह रहा है कि यह एक्सीडेन्टल है। रात को बारह बजे एक्सीडेंट नहीं होता है। वह लड़की घर के कमरे में सोने गई थी।

श्री अध्यक्ष-

श्री लालजी वर्मा जी कुछ बोलना चाह रहे है।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंने पहले ही कहा है कि पुलिस ने लड़की को मारा है, इसलिये पुलिस इसे छिपायेगी। माननीय मंत्री जी ने कहा कि गला दबाने से मृत्यु हुई है, तो जब ऐसा है, तो फिर बिसरा का क्या मतलब है। सवाल यह है कि पुलिस इसमें इन्वाल्व है और पुलिस अधीक्षक उनको बचाने के लिए काम कर रहे हैं।

इसलिए मान्यवर, वह रिपोर्ट तो वही आयेगी जो आपने बताया। इसलिए मैंने कहा कि किसी अन्य एजेंसी से आप जांच करा लें। मान्यवर, राजनीति में हम सब लोगों का अनुभव है कि पुलिस किसी कहानी को कैसा मोड़ देती है। इसलिए आप केवल पुलिस की रिपोर्ट पढ़कर जवाब दें तो हमारा उसको यहाँ उठाने का क्या मतलब है। इसलिए आपके संज्ञान में लाने का उद्देश्य यह है कि उसकी अलग निष्पक्ष जांच हो जाये उसमें जो दोषी हों वह बचने न पायें। यह मेरा कहना है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, हम लोग पोस्टमार्टम की रिपोर्ट पर बेस करते हैं। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट एक्सपर्ट ओपीनियन मानी जाती है और जो उमाशंकर जी वाले दूसरे केस में एण्टीमार्टम इंजरी आयी है उसमें क्रैश इंजरी लिखा है और क्रैश इंजरी तभी हो सकती है जब किसी सवारी से कुचलकर वह मरे। उसमें अभी तक ऐसा किसी प्रकार का कोई साक्ष्य नहीं मिला है कि जिसमें यह कहा जाये कि उसके साथ कोई दुर्व्यवहार हुआ था। लेकिन हम आपको आश्वस्त करते हैं कि हम इसमें हायर अथॉरिटी से कहकर इसमें दूध का दूध पानी का पानी करवायेंगे। दूसरी बात जो आपने कहा, देखिये जब आप इधर बैठते थे तो हमारे पास दो मेडिकोलीगल भी है और जो पोस्टमार्टम की रिपोर्ट लोकल लेवल पर हुयी वह भी है। जो पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आयी उस पर यहाँ मेडिकोलीगल एक्सपर्ट ने जो रिपोर्ट दी उसमें उसको कन्ट्राडिक्ट नहीं किया। आखिरकार हम कहीं न कहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के ऊपर भरोसा करेंगे या नहीं करेंगे। तो हमारे पास जो पोस्टमार्टम की रिपोर्ट है उस पर हमने भरोसा किया। ऐसा नहीं है कि आपने नहीं किया आप भी करते हो। जो व्यवहारिक स्थिति है हर बार यह कह देना कि हम बचा रहे हैं तो हम क्यों बचायेंगे। उनको सस्पेंड कर दिया गया, निश्चित रूप से अगर कुछ भी उनके पार्ट पर आयेगा तो निश्चित रूप से यह सजा जरूर पायेंगे और आज उत्तर प्रदेश में एन0सी0आर0बी0 का आंकड़ा है कि 59.1 प्रतिशत सजा महिलाओं के मामले में दी गयी है।

यह एक साल का है वर्ष 2021 का है। सबसे ज्यादा अगर महिलाओं के मामले में सजा दी गयी है तो योगी सरकार ने 2021 में दी है। तो ऐसा नहीं कहा जाना चाहिए कि सब लोग मिल गये हैं। डाक्टर अलग है मेडिकोलीगल यहाँ अलग बैठे हैं। उन्होंने उसकी रिपोर्ट को ताईद किया है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने मा0 श्री उमाशंकर जी को सुना, मा0 श्री लालजी वर्मा को सुना, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना, यह सूचना नियम-56 में नहीं आती है। मैं इसे अग्राह्य करता हूँ।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हमने नियम-300 के अन्तर्गत सूचना दी थी।

श्री अध्यक्ष-

हाँ उसका उत्तर आ तो गया है। आप कहाँ चले गये थे।

श्री अभय सिंह-

मान्यवर, हमारा एक नियम-56 का मामला है। एक भू-माफिया का मामला है।

श्री अध्यक्ष-

कोई स्पेसिफिक घटना बताइये जिस प्रकार से नियम 56 के अन्तर्गत उसकी ग्राह्यता हो।

श्री अभय सिंह-

मान्यवर, हमारे क्षेत्र में एक समदा ग्राम पंचायत है। वहाँ के मो0 इब्राहिम म्यामार में जिला रंगून में रहते हैं। उनकी जगह पर फर्जी आदमी खड़ा करके जमीन की रजिस्ट्री करा ली गयी है।

श्री अध्यक्ष-

आप लिखकर दे दें। मैं इसको मा0 मंत्री जी के संज्ञान में लाता हूँ। इसको ध्यानाकर्षण के लिए स्वीकार किया जाता है।

[01:24] श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

अब श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी।

डा0 रागिनी-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा सूची में नाम है तो कृपा करके मुझे बोलने का अवसर प्रदान करें।

श्री अध्यक्ष-

सूची में सबका नाम है। बोलने का अवसर देंगे। कल मैंने दोनों सूचियाँ देखी है। उसमें महिला सदस्यों को वरीयता दी गयी है। अगर यह कहेंगे तो मैं महिला सदस्यों को प्रिफरेंस दे दूंगा ! क्योंकि कल भी श्रीमती पल्लवी जी बोली थीं, इनका बाद में नाम था, इधर से भी हमारी दो बहनें बोली थीं उनका भी बाद में नाम था। अभी मैं नेताओं को बुलाऊंगा। नेताओं को बुलाने के बाद आपको बुलाऊंगा। अपना दल (सोनेलाल) से श्री अशीष पटेल जी बोलेंगे।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, यह सत्ता के सहयोगी हैं, मंत्री भी हैं, इनका बोलना पार्टी का नहीं माना जायेगा। इसलिए आपसे निवेदन है कि इसमें जो नेता प्रतिपक्ष के बाद जो विपक्ष के नेता है उनको अवसर दे दें।

श्री अध्यक्ष-

मा0 नेता प्रतिपक्ष आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी बोलें, उन्होंने अपनी बात को सदन में रखा और उनको अधिकार भी है। अब चूंकि दलीय नेताओं की सूची है जो संख्या के आधार पर क्रम बनता है हम हमेशा उसी हिसाब से बुलाते हैं। मा0 वर्मा जी अगर आप इस बात को कहते हो कि वह सरकार की बात बोलेंगे तो सरकार की बात सुनने के बाद जब आप बोलेंगे आप और अच्छी तरह से प्रतिकार कर सकते हैं। अपना दल, राष्ट्रीय लोक दल के नेता कल बोल चुके हैं, इण्डियन शोषित समाज पार्टी, श्री सुहेलदेव पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, जनसत्ता दल एवं बहुजन समाज पार्टी यह छः मा0 नेता विधान मण्डल दल के हैं, इनको बोलने के लिए 15-15 मिनट मिलेंगे और उसके बाद सभी लोगों को 7-8 मिनट बोलने के लिए मिलेंगे। अगर आज रात को मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी को जाना होगा तो वह चले जाएं और मैंने उनसे निवेदन कर लिया है कि मा0 संसदीय कार्य राज्यमंत्री जी रात में देर तक बैठेंगे। इन्होंने मुझे ऐसा विश्वास दिलाया है। रात में देर तक चर्चा जारी रखेंगे। अब मा0 आशीष जी बोलेंगे।

प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण व बांट माप मंत्री (श्री आशीष पटेल)-

मान्यवर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपनी पार्टी अपना दल (एस) की ओर से मा0 राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के समर्थन में खड़ा हुआ हूँ। आज हम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर चर्चा कर रहे हैं, कल हमने नेता प्रतिपक्ष के पक्ष को सुना और पक्ष एवं विपक्ष के मा0 सदस्यों का पक्ष सुना। सबसे पहले मैं इतना कहना चाहूँगा कि हमारी सरकार सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स नीति के साथ शांति और सद्भाव का वातावरण सुनिश्चित कर रही है। जबसे परिचर्चा प्रारम्भ हुई है तबसे सभी मा0 सदस्य कई विषयों पर

बात रख रहे हैं। मैं सिर्फ दो विषयों पर अपनी बात रखना चाहता हूँ। कल हमारे नेता प्रतिपक्ष ने दो बातें सदन के समक्ष रखीं, एक जातीय जनगणना और दूसरी क्रेडिबिलिटी के बारे में रखी थी। मैं सबसे पहले जातीय जनगणना पर एक विषय रखना चाहता हूँ। हमारी पार्टी और हमारी नेता प्रारम्भ से जातीय जनगणना की मांग करती रही है और हमारी पार्टी आज भी कह रही है कि जातीय जनगणना होनी चाहिए। जातीय जनगणना सामाजिक न्याय का एक ऐसा बिन्दु हैं जिस पर सामाजिक न्याय की बात उठाने वाले हर व्यक्ति को सहमत होना ही पड़ेगा, इसमें कोई दो राय नहीं है। जितने भी सामाजिक न्याय की बात करने वाले लोग हैं, दल है एवं व्यक्ति हैं, सबके लिए जातीय जनगणना एक महत्वपूर्ण विषय है। मेरा सवाल दूसरा है, मेरा सवाल है कि हमारे समाजवादी पार्टी के साथी चार बार सत्ता में रहे हैं, चार बार सत्ता में रहने

(इसी मध्य 1 बजकर 26 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पीठासीन हुए)

के दौरान उन्होंने एक बार भी जातीय जनगणना का विषय कभी उठाया हो तो मुझे बतायें। जैसे ही विपक्ष में आते है तो जातीय जनगणना की बात याद आ जाती है। मैं अपने समाजवादी पार्टी के साथियों से पूछना चाहता हूँ कि जातीय जनगणना का विषय वर्ष 2012 से जब हमारी नेता इस सदन की पहली बार सदस्य बनीं तो हमारे नेता प्रतिपक्ष के मुख्य मंत्री काल में इस विषय को कई बार उठाया था। वर्ष 2012 से लेकर वर्ष 2017 के बीच में अगर समाजवादी पार्टी की सरकार ने जातीय जनगणना के विषय में एक भी पेन चलाया हो तो वह उदाहरण सदन के समक्ष रख दें।

मान्यवर, मैं कुछ विषय आपके सामने और रखना चाहता हूं। सबसे पहले अभिभावक की तरह हमारे नेताजी थे, में उनको श्रद्धांजलि देता हूं और एक विषय अपने समाजवादी पार्टी के साथियों के सामने रख रहा हूं कि सन् 1996 में आदरणीय नेता जी रक्षा मंत्री के रूप में थे, सैनिक स्कूल उन्हीं के अन्तर्गत आता था, उन्हीं के मंत्रालय में आता था। उन्हीं सैनिक स्कूल में पूरे भारत के पिछड़े वर्ग के छात्र भी पढ़ते थे। हमारे समाजवादी पार्टी के साथियों को उस समय कभी क्यों नहीं याद आया कि इस सैनिक स्कूल में पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण होना चाहिए। मान्यवर, मैं अपने समाजवादी पार्टी के साथियों को एक बात और याद दिलाना चाहता हूं एवं हमारी कांग्रेस की नेता भी बैठी हुई हैं, जब वर्ष 2008 में नीट का कॉन्सैप्ट लागू हुआ तो पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए उसमें आरक्षण नहीं दिया गया, उस समय कांग्रेस की सरकार थी और समाजवादी पार्टी के सांसदों के दम पर वह सरकार चल रही थी, क्यों पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण देना छोड़ दिया गया ? क्यों हमारे समाजवादी पार्टी के सांसदों ने उस समय विरोध नहीं किया ?

मान्यवर, मैं धन्यवाद देना चाहूगा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी को, जिन्होंने जब भी हमारी नेता ने चाहे केंद्रीय विद्यालय हो चाहे नवोदय विद्यालय हो, चाहे नीट में पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का विषय हो, जिम्मेदारी के साथ

उनके सामने रखा, उस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए इन वर्गों के छात्रों को आरक्षण देने का काम किया है।

मान्यवर, मैं समाजवादी पार्टी के साथियों को कुछ डेटा याद दिलाना चाहता हूं, मैं साथियों को बताना चाहूंगा कि सन् 1882 में हंटर आयोग का गठन सबसे पहले आरक्षण के लिए हुआ था। महात्मा ज्योतिबा फुले ने निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के रूप में सरकारी नौकरी में आरक्षण का विषय सबसे पहले उठाया था। हमारे समाजवादी पार्टी के साथियों को ये सब चीजें याद भी नहीं और उसे सुनने की क्षमता भी नहीं है, इसलिए आधे से ज्यादा लोग इस महत्वपूर्ण विषय पर यहां पर सदन में उपस्थित नहीं है। मैं समाजवादी पार्टी के साथियों को याद दिलाना चाहता हूं कि सन् 1901 में शाहू जी महाराज ने सबसे पहले आरक्षण की व्यवस्था को अपने राज्य में लागू करने का काम किया। समाजवादी पार्टी के साथियों को याद दिलना चाहता हूं कि सन् 1909 में भारत सरकार अधिनियम में सबसे पहले आरक्षण का विषय तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नमेण्ट ने लागू किया, सन् 1931 में जातीय जनगणना का पहली बार भारत में कॉन्सेप्ट लागू हुआ। साथियों, सन् 1953 में कांग्रेस की हमारी नेता बैठी हैं, इनकी सरकार थी, क्षमा करिएगा, माननीय अधिष्ठाता जी, हमारी कांग्रेस की नेता बैठी हैं, मैं इनको भी याद दिलाना चाहता हूं कि सन् 1953 में काका कालेलकर आयोग बना और काका कालेलकर आयोग में पिछड़े वर्ग के लिए जो भी सिफारिशें थीं, उनको लागू ही नहीं किया गया, उनको अस्वीकृत किया गया। ऐसे हमारे लोग हैं जो आज पिछड़े वर्ग की बात कर रहे हैं। मैं याद दिलाना चाहता हूं कि सन् 1979 में जब मण्डल आयोग का गठन हुआ और सन् 1980 में जब मण्डल आयोग की रिपोर्ट आई, उस मण्डल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने में 09 साल लग गये। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं उस महापुरुष आदरणीय श्री वी0पी0 सिंह साहब को, सन् 1990 में मण्डल आयोग की रिपोर्ट को लागू किया और पिछड़े वर्ग के लोगों के हितों की एक नई दिशा एवं दशा लिखने का काम किया। मैं आज इस अवसर पर जो हमारे नेता प्रतिपक्ष ने एक बात रखी कि जातीय जनगणना में कौन-कौन हमारे साथ हैं, मैं फिर कहना चाहता हूं कि जातीय जनगणना के महत्वपूर्ण मुद्दे पर सामाजिक न्याय की बात करने वाला हर व्यक्ति जातीय जनगणना के पक्ष में खड़ा है, उनके लिए यह चुनावी फॉर्मूला हो सकता है, पर हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है। मैं एक बात और यहां पर कहना चाहूंगा आरक्षण हमारा अधिकार है, ये कोई भीख नहीं है। यह विषय हर सामाजिक न्याय की बात करने वाले व्यक्ति के दिमाग एवं दिल में बैठा हुआ है।

महोदय, इसलिए जो इसको चुनावी फार्मूला के रूप में प्रयोग करना चाहते हैं, एक बार पहले झांक लें कि जब वह सत्ता में थे तो उन्होंने इस विषय को कभी क्यों नहीं उठाया ? मान्यवर, कल नेता प्रतिपक्ष ने एक बात रखी क्रेडिबिलिटी। क्रेडिबिलिटी में उन्होंने बड़ा अच्छा महत्वपूर्ण बिन्दु रखा है। पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी सबसे महत्वपूर्ण होती है, इसके अलावा आप करते क्या हैं, कहते क्या हैं इसकी भी एक क्रेडिबिलिटी होती है। कथनी और करनी में अन्तर

क्या है, मैंने जातीय जनगणना के विषय पर समाजवादी पार्टी के साथियों के सामने रखा। आदरणीय वर्मा जी के सामने मैं बहुत जूनियर हूँ, वह बहुत सीनियर हैं, मैं उनके सामने क्या रखूँ। लेकिन मैं इतना जरूर कहूँगा कि क्रेडिबिलिटी शब्द जो है, आप स्वयं सोचिए कि आपने अगर जातीय जनगणना के बारे में कभी कुछ सोचा होता, कुछ किया होता तो आज आपको उसे चुनावी फार्मूले के रूप में इस्तेमाल न करना पड़ता और जनता आपको 2017, 2019 और 2022 के चुनाव में डिस-क्रेडिट न कर देती।

मान्यवर, मैं धन्यवाद देना चाहूँगा, माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी की डबल इंजन की सरकार को, कल एक विषय आया कि जापान कौन-कौन गया था ? जापान मैं गया था, मेरे वरिष्ठ मंत्री जयवीर सिंह साहब गए थे और जापान में क्रेडिबिलिटी की जो बात है, वह मैं बताना चाहूँगा। मान्यवर, जब हम जापान में जापानी उद्योगपतियों से मिले तो सबने एक स्वर में एक बात कही कि यह मोदी जी का हिन्दुस्तान है और उस मोदी जी के हिन्दुस्तान में हमें भरोसा है। हम जो पहले काम करते रहे हैं, उससे ज्यादा उस मोदी जी के हिन्दुस्तान में हमें भरोसा है, क्योंकि उन्होंने हिन्दुस्तान को ईज ऑफ डूइंग में एक नयी दिशा और दशा देने का काम किया है, मान्यवर, यह क्रेडिबिलिटी होती है। मान्यवर, हमारे इसी उत्तर प्रदेश में 04 बार की सरकार चलाने वाले लोग बात करते हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की। आपको भी अवसर मिला था, आपने मेडिकल कालेज क्यों नहीं बनाया ? आपको भी अवसर मिला था, कैंसर हास्पिटल जो बनारस में बना है, आपने क्यों नहीं बनाया ? कांग्रेस की सरकार रही है, समाजवादी पार्टी उसका समर्थन करती रही है। आपने एक अच्छा कैंसर हास्पिटल जैसा बनारस में बना है, पूर्वांचल के कैंसर के पेसेण्ट वहाँ जाकर अपना इलाज करा रहे हैं। मान्यवर, कभी आपने कोशिश करके देखी होती, मगर आपके अन्दर इच्छा शक्ति ही नहीं है, क्योंकि फिर वही बात आती है, इच्छा-शक्ति क्रेडिबिलिटी की। मान्यवर, मैं तो तथ्यों के साथ आपसे बात कर रहा हूँ। मैं निवेदन करूँगा, लखनऊ में ही नहीं बना, अभी तो मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ, फिर वही क्रेडिबिलिटी की बात आ रही है। अमेरिका की एक स्वयं सेवी संस्था ने 480 करोड़ रुपये इसी एसजीपीजीआई को डोनेट कर दिया है, इसी यूपीजीआईएस के दौरान, यह सरकार की क्रेडिबिलिटी होती है, यही मोदी जी की क्रेडिबिलिटी है। (सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) कल बार-बार क्रेडिबिलिटी पर चर्चा हो रही थी। हर गरीब व्यक्ति ने जिसको आवास मिला है, जिसको गोल्डेन कार्ड मिला है, उसके मन में जो क्रेडिबिलिटी इस सरकार के प्रति बढ़ी है या मजबूत हुई है, उसी का नतीजा है कि 2017 भी साथ, 2019 भी साथ और 2022 भी साथ और 2024 में नतीजा आपके सामने आने वाला है। आपने कई फार्मूले बनाये, आपने गठबन्धन भी किया। ऐसा बड़ा गठबन्धन कि 2019 में हमारे पूरे उत्तर प्रदेश, पूरी दुनिया में यह था कि अब तो कुछ होने वाला नहीं है, फिर क्रेडिबिलिटी की बात आती है, जो करता है, मान्यवर, उसी की क्रेडिबिलिटी बनती है। मैं अपने समाजवादी पार्टी के साथियों को याद दिलाना चाहता हूँ कि त्रिस्तरीय आरक्षण का जब विषय

था, तब आपने क्या किया ? आज आप उल्टी बात करते है। जब प्रमोशन में रिजर्वेशन का विषय था, तब आपने संसद के अन्दर उसे फाड़ करके फेंक दिया, यह आपकी क्रेडिबिलिटी है, यह आपका सामाजिक न्याय के प्रति कमिटमेंट है। मान्यवर, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ, कल बात हो रही थी कि हुआ क्या ? जब आप कुछ करना चाहते हैं, आप जा करके मिर्जापुर के अन्दर एक बार देखिए कि परिवर्तन करने की अगर आपके अन्दर इच्छा शक्ति है तो परिवर्तन होता कैसे है। आपको एक विश्वास रखना पड़ेगा, लोगों को विश्वास दिलाना पड़ेगा।

मान्यवर, मैं एक विषय पर अपने समाजवादी पार्टी के साथियों से कुछ पूछना चाहता हूं मैं तकनीकी शिक्षा मंत्री हूं और शिक्षा से संबंधित विषय पर बात करना चाहता हूं। मेरे वरिष्ठ सदस्य, मेरे वरिष्ठ मंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री भी बैठे हैं। मान्यवर, इसके पहले कभी किसी को इस बात की चिंता क्यों नहीं हुई कि यहां के विश्वविद्यालयों को भी नैक का ग्रेडेशन मिलना चाहिए, क्योंकि आपको इस बात की चिंता ही नहीं थी। आप चार बार सरकार में रहे हैं और नैक के बारे में आपने कभी सोचा ही नहीं है कि नैक के ग्रेडिएशन से उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों की एक अलग छवि बनेगी। मान्यवर, राज्यपाल महोदया का धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके कुशल निर्देशन में उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा सभी विभागों के सभी विश्वविद्यालयों ने तेजी से पिछले एक वर्षों में मेहनत किया और सबसे पहले मैं गौरव के साथ आपको बताना चाहता हूं कि प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत आने वाले मदन मोहन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश में पहली बार ए प्लस नैक का ग्रेडेशन प्राप्त किया और फिर लखनऊ विश्वविद्यालय ने ए डबल प्लस का ग्रेडेशन प्राप्त किया है यह इच्छा शक्ति है, यह क्रेडिबिलिटी है काम करने की। हमारे बहुत सारे साथी बार-बार पिछड़े वर्ग की बात करते हैं कि पिछड़े वर्ग का क्या हुआ। मैं तो एक विषय अपने विपक्ष के साथियों से पूछना चाहता हूं कि आज हम लोग महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर चर्चा के लिए सब लोग एकत्रित हुए हैं। हमारा सिर्फ इतना कहना है कि मैं अपनी पार्टी की ओर से और अपनी नेता की ओर से अगर वास्तव में आप पिछड़े वर्ग के हित की बात कर रहे हैं, सामाजिक न्याय की बात करना चाहते हैं तो आपको जहां अवसर मिले वहां करने का प्रयास करिए। मैं आपको एक उदाहरण के साथ कहना चाहता हूं कि प्राविधिक शिक्षा विभाग में आप सारे सदस्यों को मैं इनवाइट कर रहा हूं कि प्राविधिक शिक्षा विभाग में सामाजिक न्याय की अवधारणा कैसे लागू हो रही है यह आप स्वयं जाकर अपने स्तर से पता करिए कि कैसे सामाजिक न्याय की अवधारणा लागू हो रही है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि चार-चार बार आप सरकार में रह चुके हैं अगर आपके अन्दर इच्छा शक्ति होती तो आपको कुछ कहने की जरूरत नहीं होती और जनता आपको नकारती नहीं। बस यही बात कहते हुए मैं आप सबको धन्यवाद देना चाहता हूं, इस विधान सभा में आप सबके स्नेह और आशीर्वाद से मैं मंत्री के रूप में यह शुरुआत कर रहा हूं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि जिस विषय पर और जिस तरह से हमारे मा0 विधान सभा अध्यक्ष जी ने यहां के बहस के वातावरण को बहुत ही उच्च स्तर पर ले जाने का काम किया

है मैं उनको भी धन्यवाद देना चाहता हूं और फिर अपने विपक्ष के साथियों से एक विषय कहते हुए अपनी वाणी को विराम देना चाहूंगा कि आप जो भी विषय रखें उसको तथ्यात्मक तौर पर रखें और आपने क्या किया उसको एक बार जरूर सोचना चाहिए एक अन्तिम दो पंक्तियों से मैं अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं और अटल जी की दो लाइन हमेशा मुझे याद रहती है।

टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता है,
और छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता है।

इतना कहूंगा कि आपका मन छोटा है, इसलिए आप सत्ता से अभी बहुत दूर रहेंगे और आपका मन टूट चुका है जो चीज बोल रहे हैं और कहना चाहते हैं वह वास्तविक रूप से रख नहीं पा रहे हैं, इसलिए आपको खड़े होने में बहुत समय लगेगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय आपका धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

मत्स्य मंत्री (डा0 संजय निषाद)-

मा0 अध्यक्ष जी, आपको धन्यवाद कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर धन्यवाद देने का अवसर प्रदान किया। मैं आपकी अनुमति से कुछ कहना चाहता हूँ। हमारी सरकार में देश और प्रदेश की जनता सुख, शान्ति और सम्पन्नता से परिपूर्ण है, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को, उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देता हूँ। हमारी सरकार जन-आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के लक्ष्य के साथ सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण और सर्वांगीण विकास के प्रति संकल्पित है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई विशेष रूप से दूँगा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में सुशासन, सुरक्षा, विकास दिया और अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश बनाया है। जिसके कारण मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा उनके विजन के तहत देश की अर्थव्यवस्था को 05 ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने तथा उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा 01 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर नियोजित प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में सफलतापूर्वक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023, निवेश के लिए महाकुम्भ में इन्वेस्टर्स ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, जिसके फलस्वरूप 37,50,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश आए और 19,058 निवेशक प्राप्त हुए हैं। जिससे 94 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे जो हमारे प्रदेश के लिए बहुत ही गर्व का विषय है। मा0 अध्यक्ष जी, आपका ध्यान आकर्षण करूँगा कि कल मैं चिन्हित किया जा रहा था कि मंत्री बनने के लिए तो मंत्री जी क्या मंत्री बनने के लिए आए हैं ? जब मैं खड़ा हुआ, मैंने अधिकारों की बात शुरू की तो पीछे से आवाज आई कि नाव वाले नाव लेकर। मैं इन लोगों को याद दिलाना चाहता हूँ कि त्रेता युग में भगवान राम और निषादराज गले मिले थे। निषादराज ने भगवान राम को उसी नाव से गंगा पार कराई थी और अपनी सेना देकर रावण राज खत्म किया था। यही डा0 संजय है जो निषादराज के वंशज हैं, हमने भी अपनी सेना बनाई और उत्तर प्रदेश से रावण राज रूपी सरकारों को खत्म करके

दिखाया है। ये लोग भूल चुके हैं कि हमें गाँवों में भी जाना है वोट मांगने के लिए। अगर आप एक नेता को यहाँ रोकेंगे तो गाँवों में जनता इन्तजार कर रही है, वह इन लोगों को गाँवों में घुसने भी नहीं देगी। हम लोग जनता के प्रतिनिधि हैं और हम जन-प्रतिनिधि के रूप में यहाँ आए हुए हैं, हम अपने मछुआ समुदाय का नेतृत्व करते हैं। कैसे इनके साथ धोखेबाजी हुई है, मैं उस पर थोड़ा ध्यान आकर्षण करना चाहता हूँ।

देश और प्रदेश में आज तक कई सरकारें रहीं। हमारा देश आजाद हुआ सन् 1947 में, लेकिन केन्द्र में मत्स्य मंत्रालय वर्ष 2014 में बना। इन लोगों के सहयोग से वर्ष 2004 से 2014 तक केन्द्र की सरकार चल रही थी। 67 बरस में केन्द्र की सरकार ने पूरे देश के मछुआरों के लिए केवल 3000 करोड़ रुपया दिया, पूरे 67 सालों में। अब आप सोचिए कि केवल 44 करोड़ रुपये से पूरे देश के मछुआ समुदाय के लिए कैसे विकास होगा, कैसे उसके साथ न्याय होगा ? टैक्स लेने का काम तो सबसे किया, लेकिन इनके साथ केवल इतना ही है। मैं अपनी सरकार को धन्यवाद दूँगा कि मैंने जो संदेश दिया अपने मा0 प्रधानमंत्री जी को, मा0 गृह मंत्री जी को तो उन्होंने उसको संज्ञान में लिया और वर्ष 2014 में मत्स्य मंत्रालय बनाकर केन्द्र से 20,000 करोड़ रुपया देकर पूरे देश के मछुआ समुदाय को काम दिया है। ऐसे ही प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में 60 परसेण्ट की सब्सिडी दी, फ्री का बीमा दिया है, एन0एफ0डी0बी0 से इनको ज्ञान देने के लिए और इनके प्रशिक्षण की व्यवस्था कराई है। मैं अपनी सरकार को यहाँ पर धन्यवाद दूँगा कि जब मैं यहाँ इनके साथ आया तो यहाँ उत्तर प्रदेश में भी मत्स्य मंत्रालय अलग करके हमें मत्स्य मंत्री बनाने का गौरव दिया है। मैं इसके लिए मा0 योगी जी को बधाई देता हूँ। प्रदेश में पिछले 20 सालों से इन लोगों की सरकारें चल रही थीं तो मछुआ समुदाय केवल वोट देने के लिए याद आता था, लेकिन ये लोग उनके लिए वोट तो छोड़िए, एक नोट की भी व्यवस्था ये लोग नहीं करते थे। उनके लिए पूर्ववर्ती सरकारों में कोई योजना नहीं थी। मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूँगा कि उन्होंने प्रदेश के इतिहास में पहली बार मछुआ कल्याण कोष की स्थापना करके उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए धन दिया है, 25 करोड़ रुपया दिया है। आज के दिन में निषादराज बोट योजना के नाम पर दो करोड़ रुपया दिया, चार करोड़ रुपया हमारी मुख्य मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में दिया। मैं अपने साथियों से, सभी सम्मानित सदस्यों से यह कहना चाहता हूँ कि हमारी 18 परसेण्ट की आबादी है।

इनको अंग्रेजों ने उजाड़ा है, इनको नदियों ने भी उजाड़ा, दैवीय आपदाओं ने उजाड़ा है और एक सम्मानित तौर से अंगेजों और मुगलों से लड़ने वाली, ये जातियाँ रही हैं। हमारे लोगों ने कभी मुगलों का झण्डा नहीं उठाया, न अंग्रेजों का झण्डा उठाया, न किसी अन्य का झण्डा उठाया। आज के दिन में भी सबकी सरकारें बनाई हैं, सबकी सरकारें बनाई हैं, लेकिन बदले में क्या पाया है कि हमारी जब सरकार आयी है तो पहली बार मैंने प्रतिवेदन दिया 13 जनवरी, 2013 को निषादराज के किले पर गया, जब वहाँ गया तो देखा कि यह सब

जातियाँ, ये पार्टियाँ, केवटा, मल्लहवा कहकर, मछली मारे वाले तथा इनको पियाऊ-बिकाऊ कहकर सम्बोधित करती थीं। इनको किस तरह से कहते थे इसका इनको होश भी नहीं है, इनके पास कोई शिक्षा भी नहीं है। इनका कितना अपमान करते थे, वोट लेने के बाद और सरकार बनाने के बाद इनके ऊपर बहुत अन्याय होता था।

मैं तो अपनी सरकार को धन्यवाद दूँगा कि मैंने पहली बार वर्ष 2013 में वहाँ पर मेला लगाया और हमारी सरकार ने उस निषादराज किले को पर्यटक स्थल घोषित करके कई हजार करोड़ रुपये दिया। ऐसे ही नहीं भगवान राम और निषादराज की गले लगते हुए मूर्ति भी लगा दी है और हमारी सरकार इस बार सभी सदस्यों को आमंत्रित करती है कि निषादराज के किले पर चलें और निषादराज गुह के दर्शन करें। आज के दिन कहने वाले तो बहुत कुछ कहते हैं। अपने भी मंदिर में जाते हैं, उधर भी आज हमारे मछुआ समुदाय के लोग भगवान राम के उस आस्था के केन्द्र को बढ़ावा दे रहे हैं। आज के दिन में आप देख लीजिए कि ये किस-किस तरह से चौपाइयों के नाम पर अपने इस प्रदेश की व्यवस्था चौपट करने का काम कर रहे हैं। मैं ज्यादा नहीं कहूँगा, ये जातीय जनगणना की बात करते हैं, कल उन्होंने हमसे समर्थन माँगने की बात कही है। मैं उसी जातीय जनगणना की बात कर लूँ कि जातिगत जनगणना सन् 1710 से शुरू हुई थी। 1710 में सबसे पहले मछुआ समुदाय के एक बेटे शिदो माँझी और तिलका माँझी ने अंग्रेजों को ओक के पेड़ में बांधकर पीटकर खत्म किया था और अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल बजाया था। 1710 से गिनती हुए और 1931 में पहली जनगणना हुए उस समय अंग्रेजों के हाथ में सत्ता थी। हम लोगों का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। मैं सबका ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूँ मा0 अध्यक्ष जी का जो विधान सभा क्षेत्र कानपुर में एक सतीचौरा घाट है। सतीचौरा घाट पर 1857 में कम-से-कम 3 हजार से ऊपर अंग्रेज सैनिकों को निषादों ने नदी में डुबोकर मारा था, 167 निषादों को पहली बार फाँसी हुई थी, उस सतीचौरा घाट पर मैं मेला लगाता हूँ।

इनकी सरकार थी जब उस किताब को लिखा गया कि 'भारत का असली मालिक कौन' स्वतंत्रता आंदोलन में कौन-कौन सी जातियों ने योगदान दिया। जब पहली बार इनकी सरकार थी और मैं वहाँ पर मेला लगाने लगा तो पता चला कि इन्होंने परमीशन देना ही बंद कर दिया और हम लोगों को जबरदस्ती वहाँ पर मेला लगाकर उन मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए, उन सेनानियों के लिए हम लोगों ने इसे लगाया। मैं कहना चाहता हूँ कि 1857 में जब हम लोगों ने अंग्रेजों को डुबोकर मार दिया था तब एक ब्लैक स्मिथ नाम का कमांडर बच गया था और उसने ब्रिटिश पार्लियामेंट में रिपोर्ट लगाई थी कि 'डाक्टर का बेटा डाक्टर होता है और इंजीनियर का बेटा इंजीनियर होता है, वकील का बेटा वकील हो जाता है लेकिन यह मछुआरे बहुत बदमाश जातियाँ हैं, ये कत्ली जातियाँ हैं, मार्शल कौन है इनको जन्मजात अपराधी घोषित किया जाए।' ब्रिटिश पार्लियामेंट में वह कानून बना, स्टीफेन नामक सांसद ने बनाया, हमारे मछुआ समुदाय के साथ-साथ भर भी है और भी 193 जातियों के खिलाफ क्रिमिनल कॉस्ट

घोषित हो गया। मैं अपने साथियों को याद दिलाना चाहूँगा कि क्या कोई जन्म से अपराधी होता है और क्या देश को आजाद कराने वाला कोई व्यक्ति अपराधी हो सकता है उसे स्वतंत्रता सेनानी के रूप में सम्मान मिलना चाहिए। (मेजों की थपथपाहट) लेकिन मैं अपनी सरकार को धन्यवाद दूँगा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हमें लंदर जाने का अवसर मिला और उस काली कोठरी में जो काला कानून बना था, ब्रिटिश पार्लियामेंट में, उसे देखने का हमें अवसर मिला। उस लाइब्रेरी में पढ़कर आया कि 193 जातियों के खिलाफ काला कानून बनाया और काला कानून बनाकर उन्हें उजाड़ा। फिसरीज एक्ट बना दिया, माइनिंग एक्ट, फॉरेस्ट एक्ट, फेरी एक्ट हमारे जीविकोपार्जन के संसाधनों को हमसे छीन लिया। मैं पिछली सरकारों के नेताओं से पूछना चाहता हूँ कि क्या इस देश को आजाद कराने वाली जातियों की तरफ कभी सदन में चर्चा की, क्या उनके लिए एक रुपया दिया, क्या उनका सम्मान किया, किसने उन्हें उजाड़ा था क्या उसके खिलाफ कोई प्रस्ताव किया। कौन उजड़ा था, क्या उसके लिए कोई कानून बनाकर उन्हें सम्मान देने का काम किया अगर सम्मान उन्हें दिलाया है तो डा0 संजय ने और भारतीय जनता पार्टी हमारे साथ है। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। आज के दिन इन जातियों से जो भी छीन लिया गया है। अंग्रेजों ने कानून बनाया था और बाद में उनको जीना है तो उसके लिए उस कानून में कुछ संशोधन किया गया। देश 1947 में आजाद में हो गया।

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

फूलन देवी के बारे में भी तो बता दीजिए।

श्री संजय निषाद-

ऐसे ही 2-4 नेता समाजवादी पार्टी भर्ती कर ले, जो बचे-खुचे निषाद लोग है, वह भी खत्म कर दें। ऐसे ही भर्ती कर लें जो नहीं बोलने देते हैं।

(मेजों की थपथपाहट)

श्री अधिष्ठाता-

आप अपनी बात रखें।

श्री संजय निषाद-

मैं कहना चाहता हूँ कि उस समय किसकी सरकार थी ? क्या आपने सदन में आवाज उठायी ? वह फूलन देवी की माँ दर-दर की भीख मांग रही है और पूरी की पूरी फूलन देवी की जितनी प्रॉपर्टी थी, इनके विधायक ने पूरा कब्जा कर लिया है, उसके खिलाफ हम जांच करा रहे हैं। आज के दिन तक क्या फूलन देवी की माँ को सांसद की माँ का दर्जा दिलाने की कोशिश की ? हम दिला रहे हैं, लड़ाई हम लड़ रहे हैं, उसके साथ हम खड़े हैं। यह लोग खाली राजनीति करने आये हैं। महोदय, मैं सदन से याद दिलाना चाहूंगा और इतना ही कहना चाहूंगा कि उजड़ा हुआ परिवार है, इसके साथ न्याय चाहिए। इनका सब कुछ हो। 12 अक्टूबर,

1871 का वह जो ब्रिटिश कानून था, वह हमारे समाज के लिए बहुत बड़ा कानून था। वह काला कानून था। देश आजाद हो गया वर्ष 1947 में, 05 साल 16 दिन गुलाम थे। 31 अगस्त, 1952 को वह काला कानून हटा। हमारे लोग आरक्षण लेने नहीं गये, सर्टिफिकेट लेने नहीं गये, क्योंकि इनके खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज था। डी0एम0, एस0पी0 बगल में बैठते थे और डी0एम0, एस0पी0 जब बगल में बैठेंगे तो जिसके खिलाफ एफ0आई0आर0 होगा, वह प्रमाण-पत्र कैसे लेने जायेगा ? मैं इनको याद दिलाना चाहता हूँ कि वर्ष 1931 में जातिगत जनगणना हुई, उसमें हम अनुसूचित जाति में गिने गये थे। वर्ष 1941 में जनगणना हुई। भारत सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी राज्य सरकारों को लिखा कि 1931 और 1941 की जनगणना के हिसाब से जो जातियां जिस हिसाब से हैं, उसको मान लिया जाए और उसके हिसाब से व्यवस्था दी जाये। वर्ष 1950 में संविधान बन गया, सूची बन गयी, 66 समूह बन गये, चूंकि जातियाँ तो बहुत थीं, लेकिन उनको लैदर मैन, फिशर मैन, वॉशर मैन, क्राफ्ट मैन, ऐसे 66 समूह बनाये गये। महोदय, मैं इन लोगों से पूछना चाहता हूँ कि वर्ष 2004 से 2014 तक इनके सहयोग से केन्द्र में सरकार चल रही थी। एक फाइल बनी कि कौन-सी जाति किसमें है। आँख मूँद कर तो राष्ट्रपति दस्तखत करेंगे नहीं, वह फाइल थी आरक्षण पब्लिक, उसका नाम ही आरक्षण पब्लिक 1950 है, उसको इन लोगों ने गायब करा दिया। हम लोगों ने आर0टी0आई0 में सूचना मांगी तो पता चला कि बड़े मंत्री मुकुल वार्ष्णेय और शैलजा उसमें शामिल थे। वह फाइल ले गये और वापस नहीं की। मैं अपनी सरकार को धन्यवाद दूँगा कि जब मैं वर्ष 2019 में इनके साथ आया तो संसद भवन, नयी दिल्ली जो मार्ग है, उसके थाने में मैंने दोनों मंत्रियों के खिलाफ इसके लिए एफ0आई0आर0 दर्ज करा दी।

(सदस्य श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' के अपने स्थान से अपनी बात कहने पर)

श्री संजय निषाद-

ठीक हैं, मैं अपनी बात को वापस लेता हूँ। मान्यवर, मैं इतना ही कहूँगा कि अनुसूचित जाति की सूची में जो सम्मिलित 66 समूह हैं, उसमें सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट कहती है कि जो 66 समूह हैं, वह सिर्फ लैदर मैन के लिए हैं या वॉशर मैन, फिशर मैन के लिए भी है। जब सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट ने कह दिया कि जो जातियां राजनीति में हैं, वह सब मलाई खा रही हैं, बाकी जातियां हवा खा रही हैं। इस पर इन सभी लोगों को गिनती की बात छोड़ दीजिए, हमारा मामला एक्सप्लेनेशन का था। इन्हीं के सांसद विशम्भर जी थे, परिभाषित कराने के लिए दिल्ली में जब आवाज उठा रहे थे, तो सारे लोग संसद से बाहर आ जाते थे। यहां कहते हैं कि हम निषादों के मसीहा हैं और दिल्ली में विरोध करते हैं। जब हमें पहली बार वर्ष 2013 में पता चला कि गणना करने का काम केन्द्र सरकार का है और उसने एक सेन्शस मैनुअल 1961 बना रखा है। उस मैनुअल के हिसाब से सभी राज्य सरकारों को एक पत्र, एक मैनुअल भेज रखा है। उत्तर प्रदेश के लिए भी 1961 मैनुअल में है। मैंने

इसकी कॉपी डी0एम0 गोरखपुर को दी और उन्होंने इस पर जांच कराया। उन्होंने हमारे गोरखपुर के सभी तहसीलदारों को एक पत्र भी लिखा कि इस तरीके से, इसके आधार पर लैदर मैन की सभी उपजातियों को, पर्यायवाची जातियों को। ...

श्री अधिष्ठाता-

माननीय मंत्री जी, अब आप संक्षिप्त करें। अपनी बात को समाप्त करें।

श्री संजय निषाद-

मान्यवर, मैं दो मिनट में अपनी बात कह दूँगा। चूंकि इतना दर्द लेकर आया हूँ और उसकी दवाई महोदय, आपके पास है। मैं चाहता हूँ कि दवाई हो जाये और पिछड़ी जातियों का उद्धार हो जाये। मैं समर्थन चाहता हूँ। जब डी0एम0 गोरखपुर ने इस रिपोर्ट को लागू कर दिया तो मैं लखनऊ में आया और तब सपा की इनकी सरकार थी कि इसके आधार पर गिनती हो। वर्ष 1961 में यह जातियां मछुआरे, मझवार के नाम से है।

हम 70 लाख थे। आपकी केन्द्र सरकार आदेश करती है और राज्य सरकार गिनती कराती है और गिनती में हम लोगों को 7000 कर दिया जाता है। हम लोग कहां मारे गये, हम लोगों को मारने वाली गिनती मत करायी जाय, हमें देने वाली गिनती करायी जाय। बदले में जब हम लखनऊ आए तो हमें लाठियों से पीटा गया। मैं 17 फरवरी, 2014 की बात करता हूं, उस समय हम लोगों पर लाठी चार्ज हुआ। मैं गोरखपुर रेल आंदोलन में इसी को लागू कराने के लिए गया था कि भारत सरकार के उस मैनुअल के हिसाब से गणना होनी चाहिए। यह विसंगति खत्म होनी चाहिए। कल माननीय अखिलेश जी, समर्थन मांग रहे थे, मैं उनको धन्यवाद दूंगा, लेकिन वह इसके भी समर्थन में खड़े हो जायें कि हम अनुसूचित जाति में हैं कि पिछड़ी जाति में हैं। जब 07 जून, 2015 को इसकी गणना की बात आयी तो इनकी सरकार द्वारा गोली चलायी गयी जिसमें मेरा एक भाई मारा गया और हमें फर्जी 302 का मुल्जिम बनाया गया। डॉ0 संजय को दुनिया का सबसे बड़ा अपराधी बनाकर खोजने के लिए अपनी सरकार को लगाया गया। वर्ष 2017 में चुनाव हुआ, मैंने अपनी पार्टी बनायी और चुनाव लड़ा। निषाद लोग इनसे दूर हो गये, आप काहे नहीं वर्ष 2017 में सत्ता में आ गये, क्योंकि जिसके सहयोग से आप सत्ता में आते थे उनके साथ आपने धोखेबाजी की और मैंने उसे उजागर कर दिया, इसलिए उन लोगों ने आपको सत्ता से बाहर कर दिया। वर्ष 2018 में इनके साथ मैं चुनाव लड़ा था, लेकिन इन लोगों ने मुझसे कहा था कि हमसे गलती हुई हम गलती सुधारेंगे, लेकिन सुधारा नहीं। जब यह सत्ता में रहते हैं तो इनको खाली 02 लोगों का ख्याल आता है एक वह जो इनके इर्द-गिर्द रहते है और एक अन्य वर्ग के लोग आते हैं बाकी कोई दूसरे वर्ग का आदमी इनको नजर नहीं आता है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय मंत्री जी, कृपया संक्षिप्त करके समाप्त करें।

श्री संजय निषाद-

मैं ज्यादा नहीं कहूंगा आपने जो किया है वही बता रहा हूं। मान्यवर, मैं कहता हूं कि सेंशस मैनुअल, 1961 लागू होनी चाहिए। भारत सरकार ने सेंशस मैनुअल, 1961 में जिन जातियों को अनुसूचित जाति माना है, केवट, मल्लाह को मझवार का पर्यावाची जाति माना है। इन लोगों के सहयोग से ही मण्डल कमीशन आया था। कौन से आयोग ने रिपोर्ट दे दिया कि केवट, मल्लाह या मछली मारने वाली जो जातियां हैं उनके जीवन स्तर में सुधार हो गया और उन्हें पिछड़ी जाति में डाल दिया गया। हम विमुक्त जनजाति का भी लाभ नहीं पा रहे हैं। वर्ष 2013 में इनकी सरकार थी मैं हाथ जोड़कर निवेदन कर रहा था, इनका एक इतना बदमाश सेक्रेटरी था कि विमुक्त जनजातियों के बच्चों को वर्ष 1950 से अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र मिलता था और पढ़ाई-लिखाई में सुविधा मिलती थी, लेकिन इनकी सरकार ने कह दिया कि आपको पढ़ाई में एस0टी0 का लाभ नहीं मिलेगा जहां हो वहीं चले जाओ। राजभर भाई भी बैठे हैं हम दोनों लोगों को पिछड़ी जाति में ढकेल दिया, इनको पढ़ाई से मतलब नहीं है। इतना अन्याय तो दुनिया में किसी सत्ता ने नहीं किया होगा, अंग्रेजों ने भी नहीं किया होगा जितना अन्याय इन लोगों ने किया है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय मंत्री जी समाप्त करें। माननीय मंत्री जी आप वरिष्ठ नेता हैं, समय-सीमा का ध्यान रखें।

श्री संजय निषाद-

मैं ज्यादा नहीं कहूंगा, आप सच्चाई सुनिये। पूरे देश में लगभग 18 राज्यों में हम अनुसूचित जाति में हैं। हम मल्लाह के नाम से दिल्ली में हैं, केवट मल्लाह के नाम से हम वेस्ट बंगाल में है। अभी उत्तराखण्ड की सरकार ने एक शासनादेश जारी किया है कि शिल्पकार कोई जाति नहीं है, जातियों का समूह है, चमार भाई कोई जाति नहीं है, जातियों का समूह है, धोबी जाति नहीं जातियों का समूह है तो मझवार भी जाति नहीं है ये जातियों का समूह है। हमें अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र मिलना चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है. आपकी बात आ गयी। अब आप समाप्त करें।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें। अब ओम प्रकाश राजभर जी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता बोलें।

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

श्री संजय निषाद-

आप ज्यादा मत बोलिए। जब आपकी बारी आयेगी तो बोलिएगा।

श्री अधिष्ठाता-

श्री महबूब अली जी, आप बैठिए। संजय जी, आप पीठ को सम्बोधित करें और कृपया अपनी बात समाप्त करें।

श्री संजय निषाद-

मान्यवर, यह लोग उनके हितैषी बनते हैं। 2014 में समाजवादी पार्टी ने कह दिया कि हम इनको अनुसूचित जाति में शामिल करेंगे।

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, आप बैठिये।

श्री संजय निषाद-

मान्यवर, सच्चाई जानिये, किसी भी राज्य सरकार को पॉवर नहीं है कि कोई उपजाति को शामिल कर ले।

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करते रहने पर)

श्री संजय निषाद-

आप चुप रहिए।

श्री अधिष्ठाता-

आपस में बात मत करिए। श्री संजय जी, आप वरिष्ठ नेता हैं, अब आप समाप्त करिये। महबूब अली जी कृपया बैठ जायें।

श्री संजय निषाद-

मान्यवर, यह नहीं बोलने दे रहे हैं, मैं क्या बताऊँ। मैं अपनी अंतिम बात कह रहा हूँ। 2014 में मुलायम सिंह जी ने एक पत्र दिल्ली को लिखा कि केवट, मल्लाह को शामिल कर लिया जाये और दो ही महीने बाद वह पत्र वापस करा लिया गया। अभी हाई कोर्ट ने कहा कि इन मछुआरों पर, 7-17 पिछड़ी जातियों के नाम पर [x x x]।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय संजय जी, आप पार्टी के नेता हैं, क्या शब्द बोल रहे हैं। यह शब्द कार्यवाही से निकाला जाये।

नोटः- [xxx] मा0 अधिष्ठाता के निर्देशानुसार कार्यवाही से निकाला दिया गया।

श्री संजय निषाद-

मान्यवर, मैं यह कह रहा हूँ कि उनको मूर्ख बनाना बन्द कर दें। जब इनके पास पॉवर नहीं था, हमारा मामला परिभाषित करने का था तो शामिल करने के चक्कर में हमें 30 साल लटकाया। मैं पूछना चाहता हूँ कि इन्होंने 30 साल में कितने निषाद को नौकरी में रखा ?

श्री अधिष्ठाता-

संजय जी, आप कृपया बैठें। अब श्री ओम प्रकाश राजभर जी बोलें। संजय जी, आप बैठें, अनुशासन बनाकर रखें। आप दल के नेता हैं, पार्टी के नेता हैं, इस प्रकार से कैसे सदन आगे बढ़ेगा ?

श्री संजय निषाद-

हमारी सरकार ने क्या किया यह भी नहीं कहेंगे क्या ? मैं 2 लाइन में बता दूं कि हमारी सरकार ने क्या किया है। मैं अपनी सरकार को धन्यवाद दूंगा कि 18 जनवरी, 2023 को मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी को पत्र दिया, माननीय मुख्य मंत्री जी ने दिल्ली सरकार के जनगणना विभाग को लिखा। 70 साल बाद पहली बार हम मछुवारों को न्याय की बात हमारी सरकार में आयी है। उन्होंने दिल्ली आर0बी0आई0 को लिखा कि यह डा0 संजय कहता है कि केवट मल्लाह मझवार हैं, अनुसूचित जाति के हकदार हैं इसका दिशा-निर्देशन दिया जाय और आर0बी0आई0 ने पहली बार 70 साल में एक्सेप्ट किया कि केवट मल्लाह मझवार हैं।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री संजय निषाद-

मैं अंतिम लाइन बोलकर खत्म कर लूँगा। मैं अपने मंत्रालय की बात कर दूँ। अपने मंत्रालय में इन्होंने उर्दू अनुवादक भर्ती कर रखा है। मछली उर्दू पढ़ती है क्या ? जाल बुनती है क्या ? हमारे मछुआरों की नौकरियों पर डकैती डाला। क्या उर्दू में जाल बुना जाता है ? लेकिन उर्दू अनुवादक भर्ती कर दिया। दिल्ली ने लिखकर दिया कि केवल मछुआरों को पहले पैसा दिया जायेगा, फिश फार्मर को। पता चला कि इनके लोग उर्दू अनुवादक बाबू भर गये हैं और जो मछुआरों का पैसा है, वह डीएलसी करा दी, डी0एम0 को, दूसरे मुसलमान को बाँट दिया, उनको बाँट दिया।

श्री अधिष्ठाता-

संजय जी, मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया बैठ जाइये।

श्री संजय निषाद-

मान्यवर, इनसे कहिए कि हम लोग भगवान राम और निषादराज के वंशज हैं, पुजारी हैं और उनको हम लोगों की सत्ता अच्छी लगती है। मैं पैदा हो गया हूँ, मुगलों का राज नहीं आयेगा, अब रामराज आयेगा, निषादराज्य आयेगा और कोई राज नहीं आयेगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब माननीय ओम प्रकाश राजभर जी, नेता सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी बोलें। श्री संजय जी आप बैठिये, मैंने ओम प्रकाश राजभर जी को बुला लिया।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, एक व्यवस्था का प्रश्न है। एक मिनट जवाब देना जरूरी है।

श्री अधिष्ठाता-

आप बैठ जाइये, मैंने उन्हें बुला लिया

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया। यह क्या तमाशा है।

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

श्री ओम प्रकाश राजभर-

आप बैठो पहले।

श्री महबूब अली-

आप बैठो। अधिष्ठाता महोदय, मान्यवर, यह बैठने के लिए कैसे कह सकते हैं ? मैं तो आपसे व्यवस्था माँग रहा था।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश राजभर-

आप सुनने की क्षमता रखो।

श्री अधिष्ठाता-

आप लोग आपस में मत बोलिए। श्री ओम प्रकाश जी आप रुकिए।

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

महबूब जी, आप बैठिये, मैंने ओम प्रकाश राजभर जी को बुला लिया है। कृपया शांत हो जायें। माननीय ओम प्रकाश राजभर जी अपनी बात रखें।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता जी, जब आपने मुझे बुला लिया तो बीच में खड़े होने का क्या औचित्य है ? पहले तय कर लीजिए, उन्हीं को पहले बुला लीजिए फिर हमको बुलाइये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मेरा नाम पुकारा तो मैं खड़ा हो गया।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप अपनी बात रखिये।

(सदस्य श्री महबूब अली के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

आप लोग व्यवस्था रखिये। माननीय सदस्य आप बार-बार मत टोकिये। यह गलत है।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मान्यवर, मैं आपका ध्यान विपक्ष की तरफ ले जाना चाहता हूँ। इतना ज्ञान विपक्ष के पास है कि एक साल हो गया, कभी विपक्ष के नेताओं ने बड़े भाइयों ने बैठ करके सदन में क्या-क्या करना है, कैसे चलना है एक बार 1 घंटे या 10 मिनट का समय नहीं मिला है, यह स्थिति है। यह सबक सिखायेंगे ओम प्रकाश राजभर को। हमारे वर्मा जी, चले गये वह जानकार हैं वह बतायेंगे। मान्यवर, जातिवार जनगणना 20 साल से चिल्ला रहा हूँ। समाजवादी की सरकार थी तब याद नहीं आया। डबल इंजन उधर बताते हैं, डबल इंजन इधर भी थी। उधर तो डबल इंजन थी इधर क्या सिंगल इंजन है। इधर भी डबल इंजन चल रही थी तब आपको याद नहीं आया और आज याद आ रहा है। जातिवार जनगणना होगी, समाजिक न्याय का सवाल है। आपने अन्याय किया है नोट कर लो आपने अन्याय किया है। मान्यवर, सामाजिक न्याय समिति वर्ष 2001 में गठित हुई। अति पिछड़ों को न्याय दिलाने के लिए 4 सितम्बर, 2013 को हाई कोर्ट ने आदेश दिया उत्तर प्रदेश सरकार को कि 27 प्रतिशत आरक्षण जो पिछड़ों का लागू है उसे बाँट करके सबको दे, इसमें खाली 12 जातियाँ लाभ उठा रही हैं। तब किसकी सरकार थी समाजवादी पार्टी की सरकार थी। तब मुख्य मंत्री, माननीय अखिलेश यादव जी थे क्या याद आया राजभर, चौहान, पाल, केवट, आदि जातियाँ याद आईं कि नहीं याद आईं। तब तो दिखाई नहीं दिये हम लोग। अब आज जातिवार जनगणना की बात हो रही है। दिनांक 15 सितम्बर, 2013 को हाई कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक समान शिक्षा लागू करो, तब किसकी सरकार थी, समाजवादी पार्टी की सरकार थी। केवल समाजवादी पार्टी के लोग झूठ बोलते हैं। जिस मोटर साइकिल की कीमत 50 हजार थी, उसको एक लाख कर दिया है, आपको पता ही नहीं है। धन दुगना हुआ है, कीमत महंगाई दुगनी हुई है। पहले जो टायर 5 हजार का था वह 10 हजार का हो गया है दुगना नहीं हुआ। कोर्ट से गौड़ और खड़वार जाति का आदेश गया हुआ है, अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए, लेकिन कुछ अधिकारी आदेश नहीं मान रहे हैं। आधे जिले में प्रमाण-पत्र बन रहा है, आधे जिले में

नहीं बन रहा है। मान्यवर, आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से कहूंगा कि आपने 21 जुलाई, 2023 का आदेश आपकी ही सरकार में गया है कि 13 जिलों में अनुसूचित जनजाति को गौड़ खड़वार का सर्टीफिकेट बना दिया जाये। एक ही जिले में आधे में बन रहा है, आधे में नहीं बन रहा है। हम आपसे अनुरोध करेंगे इसको दिखवा लीजियेगा। 11 मार्च, 2022 को हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का प्रस्तार उत्तर प्रदेश सरकार 2 महीने में केन्द्र को भेजे। मैं इसके सम्बन्ध में माननीय मुख्य मंत्री जी से मिला उन्होंने हमें आश्वासन दिया। हम मिलते हैं तो इधर बुरा लगता है। यह मिलते हैं तो मजा आता है। माननीय राम गोपल जी निवेदन के लिए जाते हैं, उनको बचाने के लिए जाते हैं। तब तो बहुत अच्छा है। अगर ओम प्रकाश राजभर, राजभर जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करने का हाई कोर्ट ने आदेश दिया है उसका क्रियान्वयन कराने के लिए जाता है तो हम बी0जे0पी0 में जाते हैं।

तब हमको का देते हैं 'तलाक'। वर्मा जी, हमने कबूल कर लिया, क्या करें ? मा0 अधिष्ठाता महोदय, मुझे आश्चर्य होता है कुछ बिन्दुओं पर। महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को मैंने सुना, ये लोग सुनने नहीं दे रहे थे, लेकिन मैं कान में हेडफोन को लगाकर, दोनों हाथ से दबाकर सुन रहा था। उसमें एक बात आयी कि सरकार ने निःशुल्क बिजली कनेक्शन दिया। बहुत अच्छा कहा कि बिजली कनेक्शन सरकार ने दिया, लेकिन जो गरीब, कमजोर, अशिक्षित लोग हैं वो समझ लिए कि बिजली निःशुल्क मिली है। तीन, चार और पाँच साल के बाद अब उनके यहाँ 15-20 हजार बिल जाने लगा। कभी सरकार ने ये नहीं बताया कि हमने आपको निःशुल्क कनेक्शन दिया है, आपको बिल का भुगतान करना है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी, आप भी प्रेस करते हैं, तो इस बात को जनता के बीच में संदेश देना चाहिए। अब मिट्टी का तेल नहीं मिलता है। अंधेरे में वह गरीब, अशिक्षित खाना खाने जा रहा है, तो पता लग रहा है कि निवाला मुँह में डाल रहा है और आँख में चला जा रहा है। गाँव के गाँव कनेक्शन कटे जा रहे हैं। गरीब छटपटा रहा है। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी, इसको आप दिखवा लीजिएगा। वहीं बड़े लोगों के ऊपर 5 लाख, 10 लाख, 20 लाख, 50 लाख व करोड़ों रुपये बिजली के बकाये हैं, उनका कनेक्शन नहीं कट रहा है, लेकिन गरीबों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, ये दुर्भाग्यपूर्ण है।

मै आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहूँगा। एक दिन मैं सदन में अनुपस्थित था। दुर्घटनाएं पूरे प्रदेश में हो रही है, ऐसा नहीं है कि खाली एक जिले की बात है। ग्राम हरपालपुर, थाना-लोहथा, जिला-वाराणसी में दिनांक 17-02-2023 को एक घटना हुई। वहाँ बिजली से मृत्यु हो गयी। मैं वहाँ पर 4 दिन बाद दिनांक 21-02-2023 को गया। जब मैंने फोन से जानकारी ली, तो लेखपाल, एस0डी0एम और जिलाधिकारी को इस घटना की जानकारी नहीं थी। मैंने प्रमुख सचिव गृह को फोन किया कि मान्यवर, यह घटना है, इसको दिखवा

लीजिए। दूसरी घटना भी दिनांक 17-02-2023 की ही है। यह प्रधानमंत्री के क्षेत्र की घटना है। पूरे नंदापुर गाँव, थाना तरसेटी, जिला वाराणसी है। वहाँ पर पिकप से सड़क दुर्घटना होने पर पाँच लोगों की मुत्यु हो गई। जिसमें एक शर्मा, एक पाल और तीन राजभर थे। जब मैंने वहाँ जाकर एस0डी0एम0 से बात किया कि सरकार की तरफ से इनको सहयोग राशि दी जाती है, तो एस0डी0एम0 ने कहा कि दिया जायेगा। फिर मैंने इस बावत डी0एम0 से बात किया, तो उन्होंने कहा कि यह घटना मेरे संज्ञान में है। अगर कहीं किसी मजबूत या पढ़े-लिखे आदमी की बात होती, तो तत्काल राहत राशि उसके घर पहुँचा दी जाती। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी, इसको भी दिखवा लीजिएगा और जहाँ तक हमारे बहुत से साथी कह रहे है कि जाति, तो तहसील में ठप्पा मार-मार कर इधर की भी सरकार, उधर की भी सरकार के समय में तहसील में तहसीलदार लिखकर देते हैं कि आप भर हो, चमार हो, धोबी हो, धरकार हो, ब्राह्मण हो, राजपूत हो, राजभर हो। अगर जाति खत्म करना चाहते हो, तो पहले तहसीलों में जाति प्रमाण-पत्र बंद करो। तब जाति प्रथा बंद होगी अन्यथा उसके पहले जाति व्यवस्था नहीं बंद हो सकती है, ये ओम प्रकाश राजभर का मानना है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस नाते गिनती नहीं है, बंजारा की गिनती नहीं है। बड़ी चर्चा किए अर्कवंशी की, तो किसी तरह एक अर्कवंशी जीतकर चला आया। बी0जे0पी0 के लोगों को लगा कि अर्कवंशी तो राजभर के साथ जा रहा है, तो अर्कवंशी को टिकट दे दिया। अब बंजारा क्या करेगा, बारी क्या करेगा, बियार क्या करेगा, नाई-गौड़ लोहार क्या करेगा, पाल, प्रजापति, कुम्हार और कश्यप क्या करेगा ? गिनती न होने के नाते इनको हिस्सेदारी नहीं मिलती। चाहें किसी की भी सरकार हो, जब तक गिनती नहीं होगी, इनको शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, नौकरी, तब तक मानक के हिसाब से बजट एलॉट नहीं होगा, ये ओम प्रकाश राजभर पिछले 20 साल से चिल्ला रहा है। यहाँ हूँ, यहाँ भी चिल्लाऊँगा, वहाँ रहूँगा, वहाँ भी चिल्लाऊँगा। उधर जाऊंगा तब भी चिल्लाऊंगा, अपने हक के लिए चिल्लाता रहूंगा।

इस नाते मैं अपने साथियों से कहूंगा कि समाजवादी पार्टी के भाइयों (क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन का उत्पात) आप लोग उबाल में आ जाते हो आपकी दुर्गति का यही कारण है, आप तुरंत उबाल में आ जाते हो, यह ओम प्रकाश राजभर है जिसने 47 से गिनती बढ़ाकर 125 करने में भूमिका निभायी है। यही वजह है आपकी दुर्गति की कि आप छोटों पर ध्यान नहीं देते हो। जब आपकी सरकार 4 बार थी उसमें जुलाहा, गुनिया, अन्सारी, साई, गद्दी, सेख, सैय्यद, पठान को कितना हिस्सा दिया था। आप पाल, नाई, कुम्हार, निषाद, मल्लाह व राजभर को छोड़ दो, लेकिन आपने उनका क्या किया ? वोट तो आप उनका लोगे, लेकिन हिस्सेदारी नहीं दोगे, भाजपा लील जाएगी आपको, आपने दिया क्या है ? आजादी के बाद नौकरियों में 38 प्रतिशत मुसलमान था, आपने इतना विकास किया, कांग्रेस ने इतना विकास किया, बसपा ने इतना विकास किया, मान्यवर, मुसलमान केवल 1 प्रतिशत सरकारी नौकरी में रह गए हैं। भाजपा ने तो 2-2 मंत्री बना दिये हैं दिल्ली में, मैं आपसे कह रहा हूं कि मैं मंत्री बनने के

लिए, मैं एम0एल0ए0 व सांसद बनने के लिए परेशान नहीं हूं। परेशान अगर हूं तो सामाजिक न्याय के लिए परेशान हूं, हमारे साथ भी न्याय होना चाहिए। मैं इसके लिए परेशान हूं कि आपने परेशान किया है और यही आपके पतन का कारण है। पूरे उत्तर प्रदेश में 38 प्रतिशत पिछड़ों की आबादी है यह आप सुन लेना कि ओम प्रकाश राजभर के साथ क्या सलूक हो रहा है, आज यह गलत संदेश आप अपने लिए ही दे रहे हो। गांव में हम लोग घर-घर घूमते हैं, हम लोग ऐसे नेता नहीं है कि सदन में आए और विधायक बनकर मलाई खायें और सदन में आ करके मजा लें, ऐसा हम नहीं करते है। हम गांव में 50 आदमियों को बैठाकर सुनवाते भी हैं। मा0 ससंदीय कार्य मंत्री जी, मैं आपका ध्यान फिर आकृष्ट कराऊंगा, कई बार आप भी आश्वासन दे चुके हो और इसी सदन में मा0 मुख्य मंत्री जी भी कई बार आश्वासन दे चुके है। 9 प्रांतों में सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू है, आप पता कर लीजिएगा, आप इसको लागू करिये और आप जब इधर थे तब आप यही कहते थे कि एक जाति को लाभ हो रहा है, अन्य शेष के साथ अन्याय हो रहा है, आप क्या कर रहे हो आज ? इधर बैठे थे तब तो यही लग रहा था कि एक जाति का काम हो रहा है और अब जब आप उधर बैठ गए हो तो उस बात का ध्यान कर लीजिए, जिस बात को आप यहां सदन में कहते थे, मैं यहां सदन में तो नहीं था परंतु टेलीविजन, अखबार, मैगजीन में सुना करता था। इस नाते आपसे फिर निवेदन करूंगा और हमारा जो ज्वलन्त इश्यू है 11 मार्च, 2022 का भर, राजभर जाति को अनुसूचित जन जाति में शामिल करने का किसी को ध्यान नही, लेकिन जब मैं मुख्य मंत्री जी से मिला तब उन्होंने कहा था कि करूंगा इसमें जांच हो रही है। 13 जिलो में जांच हो गयी है और अभी 12 जिलों में जांच होनी है। संसदीय कार्य मंत्री मेरा आपसे निवेदन है कि इसमें थोड़ा तेजी ले आइये। उसमें तेजी लाकर के यहां से केवल रिपोर्ट भिजवा दीजिए, दिल्ली में लड़कर के ओम प्रकाश राजभर उसको करा लेगा। उसकी चिन्ता हमें नहीं है, उसकी चिन्ता आपको भी नहीं करनी है, लेकिन वहां केवल प्रस्ताव भिजवा दीजिए।

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र जहूराबाद, गाजीपुर में लोक निर्माण विभाग के खण्ड 3 में कुछ अधिकारी और ठेकेदार मिल करके नर्क मचा दिये हैं, कुछ पूछिये तो कहते हैं कि जाओ जो कुछ करना हो कर लो, हम जो चाहेंगे वही होगा। मैं निवेदन करूँगा कि जरा इसकी जाँच करा लीजिएगा, मैं आपसे नहीं तो यहाँ से जाने के बाद, फिर उसी सड़क पर फरसा लेकर भिड़ जाऊंगा, सड़क खोदकर किनारे कर दूँगा, यह कला हमारे पास है। दूसरी चीज माननीय अधिष्ठाता महोदय हमारे यहाँ एक तहसील कासिमाबाद है वहाँ पर अग्निशमन केन्द्र अभी तक नहीं है, किसानों को असुविधा होती है। किसी के यहाँ आग लगने की घटना हो जाती है तो अग्निशमन केन्द्र न होने के नाते दूर से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को आना पड़ता है, तब तक खेत खलिहान व घर, मकान जल जाते हैं। तीसरा तहसील कासिमाबाद में राजकीय बालिका महाविद्यालय है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी राजभर जी से सब लोग दोस्ती करना चाहते हैं। तो जरा नजर उठाइये, बजट बहुत आ रहा है। एक बड़ा

बजट पेश हुआ है, वह बजट में बतायेंगे, इसमें कुछ नहीं बतायेंगे। लेकिन इतना कहूँगा माननीय वर्मा जी संसदीय कार्य मंत्री जी की वाली सीट पर थे, आप थे लेकिन प्रभु 04 साल से इधर बैठा हूँ एक बार भी आपकी पार्टी ने इधर के लोगों को, नेताओं को कभी बैठाकर एक कप चाय पिलाकर भी बात नहीं की, इस बात का दर्द है। कम से कम यह तो पूछ लेते कि जैसे मा0 अखिलेश यादव जी खड़े होकर कह रहे हैं कि ओम प्रकाश जी बताओ। आठ महीना उनके साथ थे, हमारी पार्टी का नाम ही नहीं पता है, हमसे पूछ रहे हैं कि पार्टी का नाम बताओ। हम आपकी पार्टी का नाम रोज रटते हैं। ऐसा नहीं है वर्मा जी, आप संसदीय कार्य मंत्री रहे हैं वर्मा जी कम से कम इन लोगों को (नेता काँग्रेस व ब0स0पा0) को तो पिला दो, कम से कम इतना तो करो। हम लोग अलग-अलग दल के हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय राजभर जी अब कृपया समाप्त करें। चाय की व्यवस्था करवा दी जायेगी।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

अधिष्ठाता महोदय, मात्र दो लाइन कहकर अपनी बात समाप्त करूँगा। जब इधर के लोग उधर रहते हैं तो उधर के लोग कहते हैं कि राज्यपाल का अभिभाषण पुलिन्दा है, कोई चीज नहीं है। जब उधर थे तो भा0ज0पा0 से वही अभिभाषण पढ़ाते थे और खूब मेज बजाते थे और उधर वाली गोल कहती थी कि राज्यपाल का अभिभाषण झूठ का पुलिन्दा है, हमारे समझ में ही नहीं आता कि कौन सही का पुलिन्दा है। कम से कम इतना तो हम लोगों के पास होना चाहिए कि महामहिम राज्यपाल महोदया ने जो बात कही उसको सुनना चाहिए और सुन करके उस पर हम लोगों को चर्चा परिचर्चा करनी चाहिए। हम पहले ही ठान लेते हैं कि विरोध ही करेंगे। अगर हम विरोध करने के लिए पैदा हुए हैं तो विरोध करिये। विरोध करने से कुछ नहीं मिलने वाला है। जनता सब जानती है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए धन्यवाद देता हूँ। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से पुनः निवेदन करता हूँ कि जनता से जुड़ी हुई समस्यायें हैं इसको जरूर दिखवा लीजिएगा। धन्यवाद।

***श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज महामहिम राज्यपाल महोदया जी के 20 फरवरी, 2023 के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। मैं अपने को मा0 नेता प्रतिपक्ष और हमारे दलीय नेता से सम्बद्ध करते हुए इतना ही कहना चाहती हूं कि यह अभिभाषण सफेद कागज पर झूठ की काली स्याही से सरकार द्वारा लिखी एक इबारत है। इसमें न कोई तथ्य है, न कहीं कोई सच्चाई है। अब मैं उसको नहीं दोहराऊंगी जो राजभर जी ने कहा कि झूठ का पुलिन्दा है। अगर इस अभिभाषण

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को देखा जाए तो इसमें कोई भी ऐसी नयी चीज नहीं है, जिसको लेकर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है। जब मैंने इसका अध्ययन किया तो इसमें एक बड़ी बारीक चीज देखी कि 13 बार इस अभिभाषण में लक्ष्य शब्द का इस्तेमाल किया गया है, 3 बार संभावना शब्द का इस्तेमाल किया गया है, 8 बार कार्य प्रगति पर है, 11 बार गतिमान है शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इस अभिभाषण में कोई भी काम ऐसा नहीं लिखा था, जिसमें यह कहा गया हो कि यह पूरा हो चुका है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि वर्तमान में भविष्य के आंकड़े को गिनाने का जो महान कार्य भारतीय जनता पार्टी कर सकती है, वह दूसरा कोई नहीं कर सकता है। महामहिम राज्यपाल महोदया का कोई भी दोष नहीं है। उनको तो जो इन्होंने बनाकर दे दिया, वह पढ़ना उनकी मजबूरी है। मैं इसमें कुछ तथ्य आपके सामने लाना चाहती हूं। अभिभाषण के पेज नं0-2 पर सी0एम0 हेल्पलाइन के बारे में कहा गया है कि सी0एम0 हेल्पलाइन पर 3.97 करोड़ में से 3.93 करोड़ शिकायतों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया गया। हम सब लोग जानते हैं कि सी0एम0 हेल्पलाइन नम्बर है, इस पर फोन तो चला जाता है, कम्प्लेन हो जाती है, वहां से फोन भी आ जाता है कि आपकी कम्प्लेन नोट कर ली गयी पर निस्तारण कितना हुआ ? इन्होंने केवल जो कॉल करते हैं, उसकी संख्या दे दी, निस्तारण की संख्या अभी तक नहीं लिखी गयी है। इसी तरह से पेज नं0-3 पर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में आगामी 5 साल में 1 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य सरकार ने रखा है, यह बड़ी हास्यास्पद स्थिति है। अगर वर्तमान में देखा जाए तो हमें 1 ट्रिलियन इकोनॉमी के लिए 33 प्रतिशत ग्रोथ रेट चाहिए और आज का हमारा ग्रोथ रेट कितना है ? यह हम नहीं कह रहे हैं, यह इसी अभिभाषण में लिखा हुआ है और आज का हमारा ग्रोथ रेट 16.8 प्रतिशत है। जी0एस0डी0पी0 की वृद्धि 19 प्रतिशत है। अगर इस दर से जो आज का हमारा वर्तमान में ग्रोथ रेट है, उसको देखा जाए तो क्या अगले 5 साल में भी हम 1 ट्रिलियन इकोनॉमी ला सकते हैं ? क्या यह केवल जनता को भ्रमित करने के लिए आंकड़े प्रस्तुत किये जा रहे हैं ?

इन्वेस्टर्स समिट हुआ, पूरे प्रदेश को छोड़ दीजिए, पूरी दुनिया में डंका पीटा गया। हमारे बहुत सारे साथी विदेश गये थे और वहां से इन्होंने कहा कि निवेश आयेगा। उत्तर प्रदेश के बहुत सारे जिलों में रोड शोज किये गये कि वहां पर इन्वेस्टमेन्ट आने वाला है। यही पिछले 5 साल में भी हुआ। 2018 में जो इन्वेस्टर्स समिट हुआ, उसको अब के अभिभाषण की कॉपी में लिखा गया है कि केवल 4 लाख 86 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। अब मैं यह जानना चाहती हूं कि अगर 8 लाख 80 करोड़ का निवेश भी हुआ है तो उससे कितनी फैक्ट्रियां बनी हैं और वह फैक्ट्रियां अगर उत्तर प्रदेश की धरती पर बनी है तो वह किसी को दिखाई क्यों नहीं देती है ? उसको जीपीएस से टैग करके ही बता दिया जाए कि वह फैक्ट्री किस जिले में बनी है ? उस जिले में कितनी फैक्ट्रियां बनी हैं, मैं तो मांग करती हूं, मैंने पहले भी मांग की है कि सरकार यह क्यों नहीं बता देती है कि जिन फैक्ट्रियों की वह बात कर रही है, उनके सापेक्ष उसमें कितने रोजगार सृजित हुए ? मैं तो श्वेत-पत्र की मांग करती हूं। सरकार इस

सदन में ब्यौरा दे। यह हमारा और प्रदेश की जनता का अधिकार है। जिनकी करोड़ों की गाढ़ी कमाई पर आपने इन्वेस्टर्स सेरेमनी पर और ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी पर करोड़ों-अरबों रुपये खर्च कर दिये, वह जनता जानना चाहती है कि कितने जिलों में फैक्ट्रियां बनीं और कितने रोजगार मिले ? मैं सरकार से श्वेत-पत्र जारी करने की मांग करती हूं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, बड़ा अच्छा लगा पढ़कर कि मनरेगा पर उत्तर प्रदेश की सरकार को 26.29 करोड़ मानव दिवस सृजित करने के लिए प्रथम स्थान मिला और वर्ष 2019-20 में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। बड़ी देर से सुन रहे थे। हमारे साथी बहुत सारे आरोप, प्रत्यारोप लगा रहे थे। मैं पूछना चाहती हूं कि मनरेगा किसकी देन थी ? किसकी सोच थी ? यह कांग्रेस पार्टी की देन थी और कांग्रेस पार्टी की सोच थी जिसपर आप अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। यही मनरेगा था याद कीजिए लोक सभा में किस तरह का मखौल उड़ाया गया था, सफेद हाथी कहा गया था, इस मनरेगा को कहा गया था कि कांग्रेस नाकामियों की स्मारक है। आज उसी मनरेगा में जब कोविड का समय आया और बेरोजगारी चरम पर थी तो मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार इसका बजट बढ़ाने पर मजबूर हो गई थी और यहीं व्यवस्था थी जिसने हमारे ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारों का हाथ थामा था। उनको दो वक्त की रोटी दी थी अरे कम से कम धन्यवाद तो दे दीजिए इसके लिए हमें।

(सत्ता पक्ष के एक सदस्य द्वारा यह कहने पर कि मनरेगा शुरू आपने किया, लेकिन लागू हमने किया)

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, मनरेगा आपने लागू किया। आपने तो सदन में इसको बंद करने के लिए कहा था। सदन में कहा था कि इसको हम बंद करेंगे, लेकिन दस साल में आप मजबूर हो गए और इसका आपको बजट भी बढ़ाना पड़ा और कोविड काल में सबसे ज्यादा अगर नौकरी, रोजगार किसी तरह से मिला था तो वह मनरेगा से मिला था। महिलाओं के प्रति अपराध, मैं क्या कहूं मैं बहुत आदर और सम्मान करती हूं हमारे मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी का मेरे पिता जी के साथ भी इनका बड़ा प्रिय रिश्ता है। इन्होंने आज कहा कि महिलाओं के प्रति अपराध हुए जो न्याय मिल रहा है वह सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में मिल रहा है। मैं कुछ आकड़े आपके आपके सामने रखना चाहती हूं।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

यह भी बता दीजिएगा कि वह किस चीज के आंकड़े हैं।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, बिलकुल आप जो कह रहे हैं मैं उसको मानती हूं कि सबसे ज्यादा न्याय अगर मिला है तो उत्तर प्रदेश में मिला है मैं इस बात को मान रही हूं। एन0सी0आर0बी0 यानी नेशनल क्राइम ब्यूरो के मुताबित पूरे देश में हर रोज 46 रेप के मामले आते हैं जिसमें से उत्तर

प्रदेश में 13 प्रतिशत यानी 11 घटना रोज आती हैं। यू0पी0 आज देश में ऐसा राज्य है जहां रेप, गैंग रेप, दहेज हत्या और महिलाओं से जुड़ी सभी प्रकार के अपराध बढ़ रहें है और प्रदेश नम्बर 1 पर है। यह हम नहीं कह रहे हैं, यह वही एन0सी0आर0बी0 का डेटा है, जो आपने रखा है। दहेज हत्या में से यू0पी0 नम्बर-1 पर है। 2021 में दहेज हत्या में 6,628 मामले दर्ज हुए जिसमें से 2,235 मामले केवल उत्तर प्रदेश के थे। अब जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा कि अपराध में सबसे ज्यादा जो मामले निस्तारित हो रहे हैं जिसको न्याय मिल रहा है वह उत्तर प्रदेश के महिलाओं को मिल रहा है तो सबसे ज्यादा अपराध भी आपकी सरकार में हो रहा है इसलिए ही महिलाओं को न्याय मिल रहा है, क्योंकि अपराध भी आपके यहां इस सरकार में सबसे ज्यादा हुआ है।

पेज नम्बर-10 पर डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर के अन्तर्गत अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर, लखनऊ देश में रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों की स्थापना के कार्य प्रगति की बात कही गई थी और उसमें कहीं भी यह नहीं दिया गया है कि यह कार्य पिछले सात साल से, छह साल से प्रगति पर है, समाप्त कब होगा। 2011 की जनगणना के आधार पर 100 से अधिक आबादी के समस्त राजस्व गांव की बसावटों को जोड़ने की बात कही गई। लेकिन सरकार यह बताना भूल गई कि जो इसके पहले ढाई सौ की आबादी की बसावटें ली थी सरकार ने उसमें कितने प्रतिशत को सड़क से जोड़ा है और जो छूटी हुई है क्या सरकार उनको जोड़ेगी ? इसका कोई रोडमैप इस अभिभाषण में नहीं है।

पेज नम्बर-12 पर 2017 से लगातार कई वर्षों से हर अभिभाषण में हम लोग सुन रहे हैं कि राज्य में 21 एयरपोर्ट बनने वाले हैं। 06 साल बीत गये, लेकिन अभी तक एक भी एयरपोर्ट पूरा नहीं हुआ है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

कुशीनगर एयरपोर्ट किसका है ? कुशीनगर एयरपोर्ट आपका है ?

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, कुशीनगर एयरपोर्ट की शुरुआत पिछली सरकार में हो चुकी थी।

(इसी मध्य मा0 मंत्री श्री आशीष पटेल द्वारा अपने स्थान पर बैठ-बैठे बीच में टोका-टाकी करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी, आप बीच में टोका-टाकी मत कीजिये। मा0 मोना जी, आप कृपया समय के अन्दर अपनी बात रखिये।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मा0 अधिष्ठाता जी, मा0 मंत्री जी ने जो कहा है, इनके सवालों का भी मुझे जवाब देना है। जिस तरह से रोजगार की बात की जा रही है। यह सरकार उत्तर प्रदेश में बहुत

अच्छी टेक्सटाइल पॉलिसी लेकर आयी है। मुझे पूरा विश्वास था कि इस पॉलिसी के आने के बाद इस अभिभाषण या बजट में कुछ बेहतर दिखायी देगा। बजट की जब बात होगी तो इसकी बात की जायेगी, परन्तु कहीं पर भी बुनकरों के लिये, कारीगरों के लिये, हमारे कारपेट वीवर्स के लिये, हैण्डलूम के लिये कहीं भी इसमें कोई रियायत देने की बात नहीं कही गयी है और न ही उनके रोजगार सृजन से जुड़ी हुयी कोई भी घोषणा की गयी है। पेज नम्बर-25 पर यू0पी0 में 24 करोड़ की जनसंख्या में मात्र 3533 कुपोषित परिवारों को गौवंश उपलब्ध कराये जाने की घोषणा की गयी है और हास्यास्पद है कि इनको 900 रुपये प्रति गौवंश प्रतिमाह दिया जा रहा है। अरे, आपको भूसे का दाम मालूम है ? 30 से 35 रुपये किलो भूसे का दाम है तो क्या यह सम्भव है कि कोई भी गरीब व्यक्ति 900 रुपये में किसी गौवंश की रक्षा कर सकता है ? हम तो उम्मीद करते थे कि इसमें बड़ा बजट आयेगा। यह तो मा0 मुख्य मंत्री जी का फ्लैगशिप प्रोग्राम है इस पर बड़ा बजट आना चाहिये था।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इसी क्रम में मैं खाद्यान्न को ले करके एक बात और कहना चाहती हूँ कि जिस तरह से हमारी गरीब जनता तक खाद्यान्न पहुँचाने की बात कही गयी है। चुनाव के पहले तो वितरण हुआ, लेकिन चुनाव के समाप्त होते ही वितरण बंद हो गया। अब फिर चुनाव आयेगा तो वितरण शुरू होगा। मैं सिर्फ इतना पूछना चाहती हूँ कि सरकार जो खाद्यान्न का वितरण कर रही है क्या चुनाव के अलावा भी वह खाद्यान्न उत्तर प्रदेश की गरीब जनता तक पहुँचायेगी ? यह एक बड़ा गम्भीर विषय है। अभी दो दिन पहले मा0 उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में कुपोषण का एक बड़ा गम्भीर मामला उठाया और उन्होंने यही कहा कि उत्तर प्रदेश में कुपोषण की स्थिति भयावह है। इसलिये मैं चाहती हूँ कि सरकार इसका संज्ञान ले। दूसरा ओ0डी0एफ0 प्लस की बात आयी तो मेरा एक सुझाव है कि मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी इसको गम्भीरता से लीजियेगा। आपने शौचालय बनाये, यह बहुत अच्छी बात है। मैं एक महिला हूँ और बहुत सारी महिला सदस्य बैठी हैं। मेरा एक सुझाव है कि ओ0डी0एफ0 प्लस में आप स्नान घर भी शामिल करें ताकि महिलाएं जो खुले में शौच के अलावा स्नान करने को मजबूर हैं उससे वह बच सकेंगी। उनके लिये भी यह एक बड़ा काम होगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, विधायक निधि के बारे में हम लोगों ने बड़ी चर्चा की। यह केवल मुझसे जुड़ा हुआ नहीं, बल्कि सदन के सभी साथियों से जुड़ा हुआ मामला है। हम लोगों ने 2022 में मांग की थी और हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी बड़े दयालु है, उन्होंने सदन में कहा भी था कि इसको 05 करोड़ कर देंगे और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी के लिये इंगित किया था कि इसको करना है। घोषणा भी हो गयी, परन्तु 2023 आ गया, मार्च आने वाला है, लेकिन अभी तक हम सबको वह धनराशि उपलब्ध नहीं हुयी है। इसलिये मेरा मानना है कि आगे तो आप देंगे, लेकिन जो हमारी 2022-23 वाली धनराशि है, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी उसको भी जरूर दे दें और जो जी0एस0टी0 का मामला है उसको बहुत गंभीरता से लें, क्योंकि जी0एस0टी0 में लगभग 70 से 90 लाख रुपये कट जाता है।

हमारे साथी कई आरोप लगा रहे हैं उन्होंने कहा कि आरक्षण पर कांग्रेस चुप क्यों है ? मैं याद दिलाना चाहती हूँ कि जब यह देश आजाद हुआ था और संविधान लिखा गया था तो बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जोकि ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, 27 प्रतिशत आरक्षण अगर किसी ने दिया तो वह कांग्रेस पार्टी ने बैकवर्ड को दिया था, किसी दूसरे ने नहीं दिया था। दूसरी बात, आप जिस विरासत की बात कर रहे थे कि कैंसर इन्स्टीट्यूट बना, आज यूनिवर्सिटीज का प्रमाण हो रहा है, अरे आप उस विरासत को लेकर बैठे हैं जिसकी नींव कांग्रेस पार्टी ने डाली थी कोई नया इन्स्टीट्यूट बता दीजिए जो वर्तमान सरकार ने रखा हो। एक अन्तिम विषय मेरा और है, पिछले सत्र में मा0 मुख्य मंत्री जी ने यहीं घोषण की थी कि पूर्व विधायकों और विधायकों के पेंशन और वेतन को लेकर एक कमेटी बननी चाहिए और संसदीय कार्य मंत्री जी को उसका अध्यक्ष बनाया था।

इस पर मैं निवेदन करूँगी कि कोविड आने के कारण वह कमेटी क्रियाशील नहीं है, हम सबका अनुरोध है कि उस कमेटी को आपकी अध्यक्षता में हम सब लोगों को आप पर बहुत विश्वास है। आप हम लोगों की धारणा को भी समझते हैं, मजबूरियों को भी समझते हैं और इस महंगाई को भी समझते हैं। इसको देखते हुए आप इस कमेटी को पुनर्जीवित करें और सभी के जो सुझाव हैं उनको लेकर मा0 मुख्य मंत्री जी को और सरकार को अवगत करायें। मा0 अधिष्ठाता महोदय आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री रघुराज प्रताप सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर आपने बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका आभार व्यक्त करते हैं। अपने वक्तव्य में हमारा यह प्रयास रहेगा कि बहुत संक्षेप में बातें रखें। जो मा0 सदस्यों ने अभी तक इस सदन में कहा है उनकी बात कम से कम दोहरायी जाय और ऐसे विषय रखे जायें जिससे जो लोग हम लोगों को निर्वाचित करके भेजते हैं उस हर जाति, वर्ग, अगड़े, पिछड़े हर समूह से जुड़ी हुई उनके हित की बातें हों। यही जनसत्ता दल का सिद्धान्त भी है इसी पर हम लोग निर्वाचित होकर आए हैं। श्रीमन् विद्यालय के दिनों में हिन्दी भाषा, जब हमारे हिन्दी के शिक्षक हम लोगों को पढ़ाते थे तो अलंकारों की चर्चा होती थी उसमें एक अलंकार है 'अतिशयोक्ति अलंकार'। हम सभी लोगों ने पढ़ा होगा। जब भी बजट पर चर्चा होती हैं या महामहिम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होती है तो मैं समझता हूँ कि इस अलंकार का प्रयोग सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों भरपूर करते हैं और मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकारें न इतनी अच्छी होती हैं जितना सत्ता पक्ष कहता है और सरकारें न इतनी बुरी होती हैं जितना विपक्ष बताता है। हम यहां जो भी बोलते हैं वह हमारी भाग्य विधाता जनता जनार्दन बाहर सुनती है और उसका आंकलन करती है। हम यहां कितनी भी लच्छेदार भाषा में पक्ष या विपक्ष में कुछ भी कह लें जाना हमको वहीं है, उन्हीं के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पास जाना है और फैसला भी उन्हीं का मानना पड़ेगा। श्रीमन् सड़क, बिजली, पानी यह ऐसी चीजें हैं जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई हैं। भारत गांव का देश है, भारत की आत्मा गांव में बसती है हम सभी लोग इस उक्ति को इस सिद्धान्त को मानते हुए आए हैं। एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं, एक्सप्रेस-वे बनने के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। अच्छी बात है होने चाहिए। हर विकासशील देश में अच्छी सड़कें देखने में भी अच्छी लगती हैं। यात्रा में समय भी कम लगता है। लेकिन कहीं ऐसा तो नहीं है कि एक्सप्रेस-वे के चक्कर में हम गांव की सड़कों को भूल गये हैं। आज ग्रामीण सड़कों का जो हाल है, जो गड्ढ़े हैं। ऐसा तो नहीं कि उस ओर हमारा ध्यान नहीं जा रहा है। श्रीमन सड़के गड्ढा मुक्त नहीं हैं और उसका एक कारण है। जिस क्षमता पर ग्रामीण सड़कें बनाई जाती हैं। कभी हुआ करता था कि ट्रक में 6 चक्के हुआ करते थे। ग्रामीण सड़कों की भार वहन क्षमता 9 टन से अधिक नहीं होती है। आज 50 टन, 52 टन के ट्रक 20 चक्के, 22 चक्के उस पर चल रहे हैं। भार वहन क्षमता 9 टन प्रति स्क्वायर पी0एस0पी0 है। सड़के तो टूटेंगी, आप कब तक गड्ढे भरवाते रहेंगे। यह हम सभी के क्षेत्रों से जुड़ी हुई समस्या है। या तो ऐसे 10-20 चक्के वाले ट्रक को वर्जित कर दिया जाये। अधिकतम भार वहन सीमा निर्धारित कर दी जाये कि इससे अधिक भारी ट्रक ग्रामीण सड़कों पर नहीं चलेंगे। या तो ग्रामीण सड़कें उस मानक के अनुसार बनाई जायें कि ट्रक गुजर जाने के बाद अगर साइकल और मोटर साइकिल से सामान्य यात्री उस सड़क पर चल रहा है तो उसको भी गड्ढा मुक्त सड़क का अनुभव हो, आनन्द मिले। यह बहुत ही गम्भीर विषय है और महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में इसका समावेश होता तो अच्छा होता।

दूसरा बिजली पर आते हैं। गांव में 18 घण्टे बिजली आ रही है। जिला मुख्यालय पर भी आ रही है, तहसील मुख्यालय पर भी आ रही है। जितना आप लोगों ने बताया, हो सकता है एक आधा घण्टा उससे कम ज्यादा हो, लेकिन बिजली आ रही है। बिजली के साथ-साथ विजलेन्स का प्रकोप बहुत ज्यादा हो गया है। इस तरह के छापे लोगों के यहां पड़ रहे हैं। कई माननीय सदस्यों ने इसको सदन में कहा भी है। फोन आता है, उनको बुलाया जाता है और उनसे बिजली दफ्तर के बाहर रकम तय की जाती है। उनसे पैसा लिया जाता है उनसे वसूली की जाती है। समस्या जहां की तहां है। माननीय बिजली मंत्री जी यहां उपस्थित हैं। आपके माध्यम से मैं चाहूंगा, क्योंकि यह ऐसी समस्या है चाहे सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष किसी भी माननीय सदस्य से पूछेंगे तो हम सभी के क्षेत्रों में यह समस्यायें हैं। माननीय सदस्य सड़क, बिजली के साथ-साथ पानी।

श्रीमन हर गांव में पानी की टंकी निर्माणाधीन है। जहां नहीं है वहां जमीन चिन्हित की जा रही है। कुछ बनकर तैयार हो गयीं हैं। कुछ बन रही हैं। बड़ा प्रचारित भी किया गया कि अब हैण्डपम्प नहीं नल की टोंटी से आप लोगों को पानी पीने को मिलेगा। हम भी जानते हैं और यहां बैठे हुए सभी माननीय सदस्य भी इस बात से सहमत होंगे कि नल की टोटी से गांव-गांव, घर-घर पानी नहीं पहुंचाया जा सकता। अगर पहुंचाया भी जा सकता है तो उसमें

कम से कम 10 वर्ष लग जायेंगे। हैण्डपम्पों की जो स्थिति है। यह तो हम सभी जानते हैं कि इस बार बारिश कम हुई, सर्दी भी कम पड़ी। यह विभाग का पूर्वानुमान है कि आने वाले समय में गर्मी भयंकर पड़ेगी। पानी का स्टेटा नीचे जा रहा है। छोटे हैण्डपम्प पानी छोड़ना शुरू कर देंगे। विशेषकर जो सूखे क्षेत्र हैं उनको तो इसका विशेष प्रकोप झेलना पड़ता है। जो हैण्डपम्प हम लोगों को मिलते थे वह हैण्डपम्प मिलना बन्द हो गये हैं यह कहकर कि पानी की टंकी से ही आप लोग जलपान करिये, पानी पीजिए। जो इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प खराब हो गये हैं। ध्वस्त हो गये हैं उनको रि-बोर करने का जो प्लान था। कोई भी इण्डिया मार्क के हैण्डपम्प रि-बोर नहीं हो रहे हैं। सभी माननीय सदस्य इससे सहमत होंगे। आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि जब तक घर-घर पानी की टोंटी नहीं लग जाती है तब तक यह सुनिश्चित करायें कि इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प जो हम लोगों को मिलता था वह यथावत् मिलता रहे। आने वाले दिनों में पानी की किल्लत और पानी की हाहाकार जो मचने वाली है उसके पहले आपका इस माननीय सदन का ध्यान आकर्षण कराना चाहता हूं और यह बहुत ही जटिल समस्या है। मान्यवर, आने वाले अप्रैल से शुरू होकर मई, जून, जुलाई आदि में होगी।

इसके साथ ही श्रीमन् सदन का चलना भी एक बड़ा महत्वपूर्ण विषय है और यह हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य है कि 30 वर्ष इस सदन में हो गये हैं और बहुत सारे महानुभावों के साथ काम करने का और उनके साथ यहां बैठने का अवसर मिला है और हमसे भी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं जिनसे मैं सीखता हूं।

आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी, अवधेश जी, रमापति शास्त्री जी, माता प्रसाद पाण्डेय जी आदि तमाम ऐसे सदस्य हैं, लेकिन क्या आपको ऐसा नहीं लगता है कि जो भाषण का स्तर है उसमें बहुत गिरावट आयी है और उसका कारण यह है कि जब सदन नहीं चलेगा तो नए मा0 सदस्यों को बोलने का अभ्यास नहीं रह जायेगा और जब भी यह बात आती है कि ज्यादा दिन सदन चलना चाहिए, क्योकि यह स्पष्ट लिखा गया है वर्ष में अपरिहार्य स्थिति को छोड़ करके 90 दिन सदन का संचालन जरूरी है, लेकिन दुख इस बात का है चाहे जो दल सत्ता में रहे और जब इस बात की चर्चा होती है तो बहस इस बात पर होने लगती है कि आपके समय में 19 दिन सदन चला था और मैंने 20 दिन सदन चलाया है और चर्चा यहीं पर हो हल्ला होकर समाप्त हो जाती है। यह रिकार्ड तो बताया जाता है कि सबसे कम किसने चलाया और दूसरे नंबर पर कौन था और ऐसा भी हुआ कि इतने दिन सदन चला या इतने दिन नहीं चला क्या कभी हमने जानने का प्रयास किया कि जब हमारा देश आजाद हुआ था तो कितने दिन सदन चला था या जबसे यह सदन चलना शुरू हुआ है तो एक वर्ष में अधिक से अधिक सदन कितनी बार चला था और क्यों न उस रिकार्ड को हम लोग तोड़ें। सदन से बचना क्यों चाहिए ? सदन के माध्यम से ही तो हम लोग अपनी बात को रखते हैं और सदन के माध्यम से ही तो जन-समस्याओं का निराकरण होता है और उनका निवारण होता है और

लोकतंत्र मजबूत होता है और यह लोकतंत्र की आत्मा है और आत्मा को जितना मजबूत करेंगे उतना ही हम सभी लोग इस लोकतंत्र में फलित होंगे।

इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा श्रीमन् कि आये दिन मा0 विधायकों के ऊपर मुकदमें कायम हो रहे हैं और अक्सर धरना प्रदर्शन पर और यहां पर जो लोग भी बैठे हैं उनमें से किसी के दल या व्यक्तिगत जीवन में ऐसा अवसर न आया होगा कि उसने धरना प्रदर्शन न किया हो और जब तक यह होता रहेगा तब तक लोकतंत्र रहेगा। हम तोड़-फोड़ और हिंसा से सहमत नहीं है लेकिन बहुत से ऐसे मा0 विधायक हैं जिन पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन के कारण मुकदमें कायम हुए हैं और आज भी कायम हैं। उनको एम0पी0 एम0एल0ए0 कोर्ट जाना पड़ रहा है और कई बार ऐसा भी हुआ है कि धरना प्रदर्शन में दूसरे अराजक तत्व आकर के हिंसा फैला देते हैं और झेलना विधायक जी को पड़ता है इसके लिए एक अलग से अदालत गठित है, वहां जाना पड़ता है और वहां पर उनकी पेशी होती है और पूरा मुकदमा झेलना पड़ता है। यह तलवार जो लटकी रहती है मा0 विधायकों के ऊपर कि कब अदालत सजा कर दे, अभी कल भी एक मा0 सदस्य को न्यायालय ने दंड दिया और सौभाग्य से दो वर्ष से कम अवधि के लिए तो सभी जन प्रतिनिधियों का प्रतिरोध कौन करेगा और आवाज कौन उठायेगा ? अगर धरना प्रदर्शन के इतने गंभीर परिणाम आने लगेंगे तो विधायक और सांसद धरना प्रदर्शन से भागने लगेंगे। जनता की लड़ाई कौन लड़ेगा ? यह बहुत ही गंभीर विषय है। मैं चाहता हूं कि सरकार पूरी गंभीरता से इसे ले और अनावश्यक मुकदमे फिर मैं अपनी बात दोहरा रहा हूं कि हिंसा और उपद्रव का मैं समर्थन नहीं कर रहा हूं। लेकिन अगर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन हुआ तो उसके लिए हमको अदालत के कटघरे में खड़ा ना होना पड़े। जनता की लड़ाई लड़ने के लिए हमको मुकदमे ना झेलने पड़ें।

श्रीमन् मैं एक और सुझाव देना चाहता हूँ जो प्रदेश सरकार के हाथ में तो नहीं है, लेकिन अगर आप संस्तुति कर देंगे तो प्रदेशवासियों का इससे बहुत भला हो जायेगा। समाजवादी पार्टी के शासनकाल में आदरणीय अखिलेश यादव जी ने एक नियम बनाया और यह उनकी संवेदनशीलता थी कि विधायक अपनी निधि से असाध्य और गंभीर रोगों से बीमार लोगों को चिकित्सालय के आगणन के आधार पर आर्थिक सहायता दे सकते हैं और उस योजना के कारण बहुत से लोगों की जान बची और बहुत से लोगों को जो चिकित्सा उपलब्ध नहीं हो सकती थी, वह संभव हो सकी। माननीय योगी जी ने उस योजना की उपयोगिता को देखते हुए उसको आगे बढ़ाया। आये दिन चुनाव होते हैं, कभी लोक सभा का चुनाव, कभी विधान सभा का चुनाव, कभी विधान परिषद का चुनाव जब चुनाव की अधिसूचना जारी होती है तो हम लोगों को अपनी निधि व्यय करने से रोक दिया जाता है।

मेरा अनुरोध है कि उत्तर प्रदेश की विधान सभा की तरफ से एक अनुरोध पत्र चुनाव आयोग को भेजा जाये कि विकास कार्य भले रोक दिये जायें, लेकिन कैंसर, लीवर, किडनी

इत्यादि की गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को सहायता देने की छूट दी जाये क्योंकि उनकी गंभीर बीमारी चुनाव आयोग की अधिसूचना समाप्त होने की प्रतीक्षा नहीं करेगी। हमारा यह अनुरोध मानवीय दृष्टिकोण का है और मुझे विश्वास है कि सभी माननीय सदस्यों की इसमें सहमति होगी। जिस तरह सरकारें हनक से चलती हैं और जनसेवा से चलती है तो जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूँ कि अपनी कार्यशैली और अपने कार्य कलाप पर योगी जी के नेतृत्व में सरकार दोबारा रिपीट हुई है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। जो भी पिछड़े हैं और जो भी वंचित हैं उनकी लड़ाई मैं शुरू से लड़ता आया हूँ।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आप माननीय अध्यक्ष जी के जिस आसन पर बैठे हैं उस आसन पर बैठने वाले आदरणीय अध्यक्ष जी के विधान सभा क्षेत्र में उनके सजातीय कितने लोग हैं या माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी यहाँ बैठे हैं उनके विधान सभा में कितने सजातीय लोग होंगे। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी शाहजहांपुर से लगातार नवीं बार निर्वाचित होकर आये हैं और वहां पर कितने खन्ना मतदाता होंगे। यह अपनी कार्यशैली, अपनी कार्य क्षमता और अपने व्यवहार से जीत रहे हैं क्योंकि विकास ही सब कुछ नहीं होता। हम लोग यहाँ पर बैठकर विकास की ही चर्चा करते हैं, लेकिन जनता जो हमारा आंकलन करती है तो वह विकास के साथ-साथ हमारा व्यवहार कैसा है ? हम जनता के लिए कितना उपलब्ध रहते हैं ? हम जनसेवा करने के लिए कितना तत्पर रहते हैं ? इसकी दृष्टि से भी हमारा आंकलन होता है। विकास की अपनी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है जिससे हम इंकार नहीं कर रहे हैं लेकिन बहुत से ऐसे विधायक और सांसद हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र में बहुत विकास किया लेकिन चुनाव नहीं जीत सके इसलिये कि उनके व्यवहार और उनके क्रियाकलाप में कुछ कमियाँ थीं। तो इसके साथ-साथ जनता की सेवा हम बेहतर ढंग से कर सके और जनता से जुड़े हुये मुद्दे हम बराबर सदन में उठाते रहें इसके लिए यह आवश्यक है कि अधिक से अधिक सदन चले और माननीय विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्यायें और बात रखने के लिए समय मिल सके।

लॉ एण्ड आर्डर की बहुत बात होती है इसमें कुछ लोग सहमत होंगे और कुछ लोग असहमत होंगे, लेकिन यही लोकतंत्र की खूबसूरती भी है। उत्तर प्रदेश के लॉ एण्ड आर्डर की मिसाल उत्तर प्रदेश के बाहर भी दी जाती है और प्रशंसा होती है यह हम सभी लोगों के लिए खुशी की बात है। सुधार के लिए गुंजाइश तो हमेशा रहती है। हमने जो यह दस्तावेज तैयार किया है, जो राज्यपाल जी का अभिभाषण है जो बजट भाषण है इसमें सुधार नहीं हो सकता ऐसा मानना उचित नहीं होगा क्योंकि सुधार की गुंजाइश सदैव रहती है। जैसा कि मैंने पहले कहा और अपनी बात समाप्त करते हुए उसको फिर से दोहराता हूँ कि कोई भी सरकार इतनी अच्छी नहीं होती है जितना सत्ता पक्ष बताता है और कोई भी सरकार इतनी बुरी नहीं होती है जितना विपक्ष बताता है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार। धन्यवाद।

श्री उमाशंकर सिंह-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय बात यह है कि हम संशोधन प्रस्ताव क्यों लाते हैं ? चूंकि पहले ही दिन महामहिम जी का अभिभाषण होता है उसी दिन हम लोग प्रमुख सचिव साहब को संबोधित करते हुये पत्र लिखते हैं कि प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाये-किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय में कोई उल्लेख नहीं किया है। इसलिए हमें संशोधन लाने की आवश्यकता पड़ रही है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, अभी हम महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा में भाग ले रहे हैं।

मान्यवर, हालांकि बहुत दिनों के बाद यह देखने को मिल रहा है, जब भी बजट सत्र चलता है तो जो भी लीडर आफ अपोजीशन होते हैं वह अन्य दलीय नेताओं को बुलाकर एक स्ट्रेटजी बनाते हैं। जब भी दलीय नेता बोलें तो नेता प्रतिपक्ष की मौजूदगी उसमें आवश्यक रहती है। लेकिन यह हम सबका दुर्भाग्य है कि वह आज उपस्थित नहीं हैं। जबकि हम लोगों ने निवेदन भी किया था। आदरणीय ओम प्रकाश जी ने कहा कि हम तो ऐसे ही मान लेते हैं। हम सब यहाँ विपक्ष में बैठे हैं। बाबा साहब ने संविधान में अधिकार दे रखा है। उन्होंने सत्तापक्ष और विपक्ष को दो पहलू बनाया है। सबके लिये काम भी बाँटा है कि सत्तापक्ष की क्या जिम्मेदारी होगी और विपक्ष की क्या जिम्मेदारी है। हमारी भी जवाबदेही है। हमसे भी बाहर पूछा जायेगा कि अगर सरकार का ध्यान इस तरफ नहीं जा रहा था तो आपने सरकार का ध्यान दिलाने के लिए क्या किया ? तो हमारा काम ही यही है कि अगर सरकार जनता से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान नहीं देती है तो हम उसको इंगित करते हैं। हमारा वही काम है।

इसलिए आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, कल विकास पर चर्चा हुयी, हमारे आदरणीय नेता प्रतिपक्ष जी ने भी अपनी बात रखी। मुझे खुशी है कि कुछ चीजों पर उन्होंने बसपा को इंगित किया। उन्होंने कहा कि उमाशंकर जी भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो जेवर एयरपोर्ट बना रही है यह तो आपकी पार्टी की देन है। फिर उन्होंने कहा कि जो गंगा एक्सप्रेस-वे है यह तो आपकी पार्टी की देन है। अधिष्ठाता महोदय, सत्ता की कुर्सी आती जाती रहती है। कुर्सी वही रहेगी उस पर केवल बैठने वाला हट जाता है फिर दूसरा आ जाता है। यह सतत् प्रक्रिया है। हमने उसके लिए कहीं हायतौबा नहीं मचाया। लेकिन मुझे अच्छा लगता, इस उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे की बड़ी बात की जाती है। आदरणीय समाजवादी पार्टी के हमारे नेता इस बात को कहते हैं कि आगरा एक्सप्रेस-वे बहुत अच्छा है। लेकिन अधिष्ठाता महोदय, एक्सप्रेस वे की जो नीव है उसकी शुरूआत यमुना एक्सप्रेस-वे बनाकर बहुजन समाज पार्टी ने की। मुझे लगता है कि वह सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि भारतवर्ष का सबसे अच्छा एक्सप्रेस-वे है और उसी

दिन से उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे की शुरूआत हुयी। आज यह इसलिए कहना पड़ रहा है क्योंकि अगर यह उपलब्धि गिनायी जा रही है कि हमारे समय में हमने यह यह काम किया।

मान्यवर, मुझे लगता है कि अगर उस काम को कोई दूसरा गिनायेगा तो बहुत दर्द होता है। आज सदन में इकाना स्टेडियम की चर्चा हुई। मैं देखता हूँ कि जब भी इकाना स्टेडियम की बात आती है तो समाजवादी पार्टी उसे अपने खाते में ले लेती है और कहती है कि इकाना स्टेडियम समाजवादी पार्टी ने बनाया है। इकाना स्टेडियम के लिए जमीन बहुजन समाज पार्टी ने एक्वायर की थी, जमीन एक्वायर करने के बाद बहुजन समाज पार्टी ने दो बार टेण्डर की प्रक्रिया प्रारम्भ की। पहली बार में दो बिडर आए और दूसरी बार में भी दो बिडर आए लेकिन बहुजन समाज पार्टी चाहती थी कि इसमें और ज्यादा प्रतिस्पर्धा हो, हम तीसरी बार भी टेण्डर की प्रक्रिया प्रारम्भ करना चाहते थे लेकिन तब तक आचार संहिता लागू हो गयी थी। इसको आप सौभाग्य कह लें या दुर्भाग्य कह लें कि हमने जिस आर्कीटेक्ट से इकाना स्टेडियम की स्ट्रेक्चरिंग करायी थी जब समाजवादी पार्टी की सरकार आ जाती है तो उसी आर्कीटेक्ट को इकाना स्टेडियम बनाने का काम दे दिया गया था। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि सारी प्रक्रिया बहुजन समाज पार्टी की थी। कल हमारे नेता प्रतिपक्ष ने सदन में कहा था कि हमने एशिया का सबसे बड़ा जनेश्वर मिश्र पार्क बनाया है। मुझे बड़ी हंसी आ रही थी लेकिन मैं एक अनुशासित पार्टी का एक अनुशासित सिपाही हूँ, मैंने उनको बीच में रोका नहीं। मैं आरोप नहीं लगा रहा हूँ। उसका नाम अम्बेडकर उद्यान पार्क था। जनेश्वर मिश्र पार्क की जमीन बहुजन समाज पार्टी की सरकार में बहन सुश्री मायावती जी ने एक्वायर की थी। वहां पर पार्क का निर्माण भी हो गया था। समाजवादी पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी का मेन मुद्दा था कि बहुजन समाज पार्टी सिर्फ पत्थर लगाने का काम करती है। आज वही सारे पत्थर उस पार्क में लगे हुए है जिस पत्थर का विरोध करके, चुनावी मुद्दा बनाकर समाजवादी पार्टी सत्ता में आई थी। जिस खजूर के पेड़ की चर्चा सदन में हो रही थी वह सारे खजूर के पेड़ जनेश्वर मिश्र पार्क में लगे हुए हैं।

(इसी मध्य 03 बजकर 13 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

पूरी तरह से उसका निर्माण बहुजन समाज पार्टी ने कराया है और मुझे याद है कि जिस समय समाजवादी पार्टी के लोगों द्वारा शिलान्यास के पत्थर को तोड़कर स्व0 श्री जनेश्वर मिश्रा जी का पत्थर लगाया जा रहा था तो उस समय बहुजन समाज पार्टी के लोग आंदोलित होकर शिलान्यास के टुकड़ों को लेकर राजभवन तक बरसात में पैदल मार्च किए थे। मुझे लगता है कि यह अच्छी बात है, जनेश्वर जी हमारे जनपद के पूजनीय हैं, हम उनका सम्मान करते हैं लेकिन मुझे खुशी होती कि अगर उनके नाम पर कोई दूसरा पार्क बनाते तो मुझे अच्छा लगता। कल नेता प्रतिपक्ष ने इस बात की चर्चा की कि सभी दलों के नेताओं से जातीय जनगणना पर समर्थन मांग रहे थे। उसके लिए उन्होंने मा0 ओमप्रकाश जी से भी कहा और मा0 ओमप्रकाश जी ने खड़े होकर कहा कि में जातीय जनगणना के समर्थन में हूँ। कांग्रेस के लिए कहा कि

इनसे कोई मतलब ही नहीं और उमाशंकर जी के लिए कहा कि यह तो अपने मन से बता ही नहीं पायेंगे। मैने कहा कि जब मेरा बोलने का समय आयेगा तब मैं बताऊँगा। जातीय जनगणना कराने के लिए बहुजन समाज पार्टी पूरी तरह से समर्थन करती है, लेकिन बहुजन समाज पार्टी इसकी आड़ में पॉलिटिकल एजेण्डा सेट करने की पक्षधर नहीं है। बहुजन समाज पार्टी का मानना है कि जातीय जनगणना पूरे देश में हो, न कि जिन-जिन राज्यों में चुनाव हो, जिन राज्यों को अपनी उपलब्धियां गिनाने की नौबत आए तो वह पार्टी उस राज्य में खड़ी हो जाएं। इस बात के लिए सबको मिलकर सर्वसम्मति से भारत सरकार को यह प्रस्ताव भेजना चाहिए कि पूरे देश में जातीय जनगणना एक साथ कराई जाए। इससे देश में बहुत अच्छा माहौल बनेगा। हमारी पार्टी का नारा है कि जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी। इससे यह बेहतर होगा कि उसका सामंजस्य बन पाता।

श्री अध्यक्ष-

कौन सी पार्टी का नारा है ?

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, बहुजन समाज पार्टी जातीय जनगणना कराने के पक्ष में है और हम चाहते हैं कि पूरे देश में जातीय जनगणना एक साथ प्रारंभ हो और इसके लिए भारत सरकार को इनेशेटिव लेना पड़ेगा लेकिन हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि सदन से सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास कराकर दिया जाए कि उत्तर प्रदेश चाहता है कि उत्तर प्रदेश में जातीय जनगणना हो, साथ ही यह भी प्रस्ताव हो और हमारे बहुजन समाज पार्टी की तरफ से जोड़ा जाए कि भारत सरकार पूरे देश में, अन्य राज्यों में एक साथ जातीय जनगणना कराए। माननीय अध्यक्ष जी, अभी चर्चा हो रही थी, माननीय बिजली मंत्री जी बैठे हुए हैं, अभी आदरणीय ओम प्रकाश जी ने भी उस बात की चर्चा किया, बिजली के बिलों के बारे में। अध्यक्ष जी, यह गांवों से जुड़ी समस्या है, जिस समय मुफ्त कनेक्शन दिये जाने के लिए सरकार ने एक टारगेट फिक्स कर दिया था। संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों को चिन्हित किया गया था कि आपने कितने लोगों को कनेक्शन दिया। अध्यक्ष जी, उस समय ग्राउंड में होता क्या था कि गांवों में कोई अधिकारी/कर्मचारी गया और लोगों से उनके आधार कार्ड की कॉपी वसूल लिया और आधार कार्ड की कॉपी ले जाकर अपने पास रख लिया और कुछ दिनों के बाद उनके पास मीटर भिजवा दिया। मीटर वैसे ही उनके बक्से में पड़े हुए हैं, वे जानते हैं कि कोई आदमी आएगा और हमारा मीटर लगायेगा, उस दिन से हमारा बिल आना शुरू हो जाएगा। आज भी गांवों की झोपड़ियों में हम जा रहे हैं कहीं कोई कनेक्शन नहीं है। केवल उन लोगों का कसूर यही था कि उन्होंने अपना आधार कार्ड दे दिया था और आज उनका बिल इतना ज्यादा आ रहा है कि आप देखेंगे कि पुरुष वर्ग तो काम पर चले जाते हैं। लेकिन दो-दो सौ, तीन-तीन सौ महिलाएं हम लोगों के घरों में आती हैं, ट्रैक्टर वगैरह में भरकर आएंगी, फिर हमको उनसे पूछना पड़ता

है, उनकी गाड़ी का किराया देना पड़ता है, फिर हम उनके सारे बिल को इकट्ठा करते हैं, फिर आपके अधिकारी को लिखते हैं।

मुझे लगता है कि पूरे प्रदेश स्तर पर, यह पर्टीकुलर किसी एक क्षेत्र की बात नहीं है, इसको एक बार आप दिखा लें। इसमें जो भी त्रुटियां है उसे दुरस्त करा लें। मान्यवर, उस दिन बिजली सप्लाई की चर्चा हो रही थी, मैंने पहले भी कहा है कि यह एक सतत प्रक्रिया है। यह हाउस, यह चेयर, नेता प्रतिपक्ष की वही चेयर है, नेता सदन की वही चेयर है, हमारे माननीय मंत्रीगण के लिए चेयर फिक्स है, आज आप सत्ता में है, कल कोई और आएगा लेकिन इसका यह मतलब नहीं होता है कि हम जिस जनहित के कार्यों की शुरूआत किये हैं, तो दूसरा कोई आए तो उसे रोक दे। इसलिए रोक दे कि इसकी शुरूआत तो उन्होंने की है। इसमें किसी का कोई व्यक्तिगत रुपया नहीं लगता है, वह पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा लगता है। माननीय मंत्री जी उस दिन अपनी उपलब्धि में इस बात की चर्चा कर रहे थे कि हम आज बारह हजार मेगावाट से ज्यादा और चौबीस हजार मेगावाट से ज्यादा तक की सप्लाई हम कवर कर पा रहे है। निश्चित रूप से, उस समय के एम0ओ0यू0 अधिक दरों पर हुए थे। माननीय मंत्री जी, जिस समय एम0ओ0यू0 हुआ था, उस समय के सिचुएशन क्या होंगे ? उस समय भी कम्पटीटर थे लेकिन हम उनसे निगोशिएशन कर सकते हैं लेकिन आज वह पावर प्लांट हम लोग आगे नहीं बढ़ाए होते, हमारे बाद समाजवादी पार्टी की सरकार आई उन्होंने उसे आगे बढ़ाया, उसका निर्माण कराया, जिसकी देन है कि आज वह प्रोडेक्शन हमको दे रहे हैं और उस प्रोडक्शन का लाभ हमारी उत्तर प्रदेश की जनता को मिल रहा है। एम0ओ0यू0 अगर उस समय का रेट है तो हमें उन्हें बैठाकर अपनी टीम को लगाकर उनसे निगोशिएशन किया जा सकता है। हालांकि यह जरूर है कि वह अनुबंध का पार्ट है कि हमारा जो करार हो गया उसमें हम परिवर्तन नहीं कर सकते है लेकिन जब वह हमारे अधीन काम कर रहे हैं तो हम उनको किसी भी तरीके से ऑब्लाइज कर सकते है लेकिन मुझे लगता है कि जब भी कभी ऐसी बात हो तो इस बात का भी जिक्र हो जाना चाहिए कि वह पावर प्लांट कब लगे थे, किस समय एम0ओ0यू0 हुए थे तो मुझे भी लगता कि हमारे किये हुए कामों को आप आगे बढ़ा रहे हैं, वह मुझे अच्छा लगता। दूसरा, एक बहुत महत्वपूर्ण समस्या जिसे हमारी सुहेलदेव पार्टी के माननीय श्री ओम प्रकाश जी ने बताया जो गांव की समस्या है। हम लोगों की तरफ गोंड और खरवार कुछ ऐसी जातियां हैं तो रोज आय दिन, जब हम लोग गांव में आते है तो उनका एक समूह आकर....

श्री अध्यक्ष-

माननीय उमाशंकर जी, सत्रह, अट्ठारह, उन्नीस, बीस, इक्कीस, बाइस, तेइस, चौबीस, पच्चीस सेकेण्ड ...

श्री उमाशंकर सिंह-

मान्यवर, मुझे लगता है कि मेरा दुर्भाग्य है कि जब मुझे बोलना है तब आप आ गये (हंसी)। मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब तक अधिष्ठाता महोदय बैठे थे वे थोड़ी लिबर्टी दे दे रहे थे तो मैं बड़ा खुश हुआ था।

श्री अध्यक्ष-

आप आगे बोलिए।

श्री उमाशंकर सिंह-

मान्यवर, इसलिए आपकी पीठ की तरफ से निर्देश हो जाए। इसमें ए0सी0एस0, समाज कल्याण की तरफ से एक जी0ओ0 भी हुआ है कि इनके सर्टीफिकेट निर्गत किए जायें। लेकिन आज भी तहसीलों पर कुछ अधिकारी उनके सर्टीफिकेट निर्गत नहीं कर रहे हैं। इसलिए मैं आपकी तरफ से व्यवस्था चाहता हूँ कि उनके सर्टीफिकेट निर्गत करने की व्यवस्था की जाए। मा0 अध्यक्ष जी, एक और आग्रह करूँगा। माननीय कांशीराम शहरी आवास योजना नाम की एक स्कीम बहुजन समाज पार्टी की सरकार में थी। वह कोई अपने लिए नहीं थी और न ही किसी एक वर्ग के लिए थी। जहाँ-जहाँ वे आवंटित किए गए हैं, उनमें सर्व समाज के लोग हैं। अध्यक्ष जी, बहुत ऐसे जनपद है, बहुत ऐसी तहसीलें हैं, वहाँ बड़े-बड़े टॉवर बने हैं और वह खाली पड़े हुए हैं। पता लगा कि उसमें 400 करोड़ रुपया खर्च हो गया, अब कितना खर्च होना है, 10 करोड़। उसके लिए वह हैण्डओवर नहीं हो रहा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नगर विकास मंत्री जी, आप इसका संज्ञान ले लें। यह महत्वपूर्ण विषय है। जिस समय कांशीराम कालोनीज बनीं थीं, उसमें ऐसे बहुत से काम हैं, मेरा इसमें विनम्र निवेदन है कि इसकी अलग से समीक्षा कर लें और उसमें जो काम बाकी हैं, उसे करा दें।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा एक अन्तिम सुझाव था। अभी बड़े भाई राजा भैया ने हैण्डपम्प का जिक्र किया। माननीय अध्यक्ष जी, मैंने कई बार कहा है और छोटी बैठकों में भी सुझाव दिया है। आज सरकार कह रही है कि 'हर घर नल' से हमने जोड़ दिया है। मैं अधिक नहीं, मान्यवर, यहाँ 403 माननीय विधायक हैं। हम प्रत्येक माननीय विधायक के वहाँ की एक टंकी को उदाहरण स्वरूप ले लें।

श्री अध्यक्ष-

आप लिख कर दे दीजिए। मेरे पास आज जो सूची है, माननीय नरेश अग्निहोत्री जी के द्वारा जो सूची दी गयी है, उसमें 30 नाम हैं और माननीय श्री मनोज पाण्डेय जी के द्वारा

जो सूची दी गयी थी, उसमें 15 नाम हैं। उस रेशियो के हिसाब से यह 2:1 होता है। बाकी बहुत सारे हमारे छोटे दल हैं, जिनके नाम हैं। मैं अभी कैलकुलेट कर रहा था कि 45 प्लस 10 और 55 लोगों को मैं बुलवाने का प्रयास करूँगा। अगर 55 लोगों को मैं बुलवाता हूँ और एक माननीय सदस्य को 07 मिनट देता हूँ तो 385 मिनट होते हैं। यदि इसको 60 से डिवाइड करें तो साढ़े छः घण्टे होते हैं। इस समय साढ़े तीन बज रहे है तो साढ़े तीन और साढ़े छः बज जायेंगे 10:00 माननीय मंत्री जी जो बोलेंगे, उनसे मेरा निवेदन है कि वह अपनी बात 10 मिनट में कह लेंगे। इस प्रकार लगभग 11:00 बज जायेंगे। मुझे लगता है कि यह उचित रहेगा। 07 मिनट का मतलब 07 मिनट, 08 मिनट नहीं, नहीं तो उसके हिसाब से बढ़ना पड़ेगा। अब 10 नाम और आ गए है। हो सकता है कुछ और बढ़ जायें। चूँकि मेरा प्रयास होगा कि जितने भी माननीय सदस्यों के नाम आए हैं, सब को आज अवसर मिल जाए। इसीलिए मेरी रिक्वेस्ट है, जैसा माननीय सदस्य कहते हैं कि जरूरी बात रह गयी, यदि वह जरूरी बात पहले कर लेंगे तो 07 मिनट में यह नहीं कहा जायेगा कि जरूरी बात रह गयी है। यदि बीच में इस तरह के व्यवधान होंगे तो उसके लिए भी 10-5 मिनट रुकना पड़ेगा।

श्री संदीप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, यदि किसी सदस्य को बोलने का मौका न मिले, उनके लिए मैं आपसे एक व्यवस्था चाहता था। कल 40-50 लोग बोल पाये थे, आज अभी 55 नाम और आए है, कुल 403 लोग है। चूँकि आपने ही हम लोगों को संरक्षण दिया है। इसलिए मेरा आपसे एक आग्रह था। चूँकि आज इस पर चर्चा खत्म हो जायेगी, कल से बजट पर चर्चा होगी तो महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो सदस्य न बोल पायें, वह अपनी बात को लिख करके उनके जो भी काम होंगे, आपको देंगे तो उन पर वही कार्यवाही हो जो बोलने वाले सदस्यों पर हो।

श्री अध्यक्ष-

जो यहाँ पर उपस्थित होंगे, उनके तो ले लेंगे। लेकिन जो घर में बैठ कर कार्यवाही में लिखवाना चाहेंगे, उनकी नहीं लेंगे। हो सकता है, आपका नाम आ जाए।

श्री संदीप सिंह-

धन्यवाद, माननीय अध्यक्ष जी।

नगर विकास, शहरी समग्र विकास नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री अरविंद कुमार शर्मा)-

मान्यवर, आपने मुझे आज बोलने का अवसर दिया है उसके लिए मैं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण से जो हम लोगों को आशीर्वाद मिला है उसके लिए महामहिम जी के अभिभाषण पर मा0 सदस्य के धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मा0 अध्यक्ष जी मैं विधान परिषद का सदस्य हूं और पहला जो सेशन

था उसमें एक दृश्य मैने देखा था उस समय सपा के ज्यादा सदस्य हुआ करते थे और बसपा के थोड़े कम सदस्य हुआ करते थे। और जब भी किसी एक योजना की बात आती थी तो दोनों में झगड़ा हो जाता था वह बोलता था कि यह कार्य हमने किया और दूसरा पक्ष बोलता था कि हमने किया। मा0 अध्यक्ष जी एक शायर ने कहा है-

तुझको खबर नहीं मगर इस सादा लौह को
बर्बाद कर दिया तेरे दो दिन के प्यार ने।

आपको उत्तर प्रदेश की जनता ने जो प्यार दिया है उसका आपने दुरुपयोग किया और यही कारण है कि आज मा0 ओम प्रकाश राजभर जी जो बोल रहे थे कि कुछ नहीं हुआ है। यह हम कहते तो आपको आश्चर्य लगता। लेकिन सामने बैठे वाले लोग खाली अपनी वाहवाही में जी रहे हैं। सभी मा0 वरिष्ठ सदस्यगण ने जो मार्गदर्शन दिया और जो बातें की वह हम शिरोधार्य करते हैं। और उनमें सुधार की बहुत गुंजाइश है। और यह बात मैं मानता हूं। लेकिन जो यह कहा गया कि फलाना साहब के टाइम पर तो 24 घण्टा बिजली आती थी अब वह बिजली कम हो गई है। हम सोचते थे कि 24 घण्टा बिजली आती थी गई कहां थी और मुझे यह बताया भी गया कि हां 24 घण्टा बिजली आती थी और जो 24 घण्टा बिजली आती थी उसका बिल भी नहीं लगता था। फ्री में बिजली जलती थी। कोई विजिलेंस की इन्क्वायरी भी नहीं होती थी और कोई रेड भी उन दिनों में नहीं पड़ती थी। बिजली के मामले में सब कुछ बड़ा अच्छा था। लेकिन वह राज्य के 70 हजार गांवों में से केवल एक गांव में ऐसा होता था। बाकी के गांवों में न बिजली आती थी और न बिल जाता था और न ही रेड पड़ता था। अब सदस्यगण ने कहा है कि बिजली जाती है उसमें कहीं न कहीं प्रशासनिक समस्याएं होंगी। मैं पहले भी इस मा0 सदन में कह चुका हूं कि सभी अधिकारियों के प्रति शंका रखना ठीक नहीं होता है, लेकिन जो दोषी हैं और जो दुर्व्यवहार कर रहे हैं जनता के साथ। उनके विरुद्ध कार्यवाही होगी और अभी आपकी जानकारी के लिए आपने शायद पढ़ा भी होगा मीडिया में कि परसों 319 कर्मियों और मीटर रीडर को हम लोगों ने एक साथ बर्खास्त किया है और बाकी 2000 पर हमने कार्यवाही करना शुरू कर दिया है। तो जैसे-जैसे यह बात ध्यान में आती है तो हम कार्यवाही करने के लिए तत्पर हैं, लेकिन एक बात और बता दूं यह बबूल भी आपने ही बोया हुआ है। हम उस बबूल से आम लेने की कोशिश कर रहे हैं। हम जब पेड़ लगाएंगे तो उस पर सीधा-सीधा आम आएगा उसकी चिंता आप न करिए। बिजली का जहां तक मामला है मैं स्वयं इस बात को लेकर के बहुत सतर्क हूं। मैं अपना संभव नाम का एक कार्यक्रम चलाता हूं, खुद बैठता हूं और खुद जनता की सुनवाई करता हूं। हमने क्षेत्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर कई ऐसी व्यवस्थाएं बनाई है कि अब यह समस्या घटती जानी है।

एक दूसरी बात और कि कई मा0 सदस्य परसों बड़ा उछल-उछल कर कह रहे थे कि अब बड़ी खराब कानून व्यवस्था हो गई है और हमारे समय में बड़ी अच्छी कानून की व्यवस्था

थी। तो आज हम पूर्वांचल के लोग क्यों सबसे पिछड़े हुए इलाकों में हैं ? आज भी हमारा पिछड़ापन क्यों नहीं दूर हुआ है ? आपने पिछले 25-30 सालों में किया क्या है ? आपके ही जिले में, आपके ही साथी विधायक, इसी सदन का एक सदस्य दिन-दहाड़े गोलियों से भून दिया जाता है। आपके ही जिले में यह घटना हुई थी और आपके ही शासन में हुई थी। आप लोग क्या कानून व्यवस्था की बात करते हो, किस कानून व्यवस्था की बात करते हो, जहाँ विधायक की जान दिन-दहाड़े ले ली गई थी। उसके बाद भी आप उन्हीं लोगों के साथ खड़े रहते हो, आप उन्हीं लोगों का समर्थन करते हो, हर इलेक्शन में आप उन्हीं लोगों को टिकट का साजोसामान दे देते हो, हर इलेक्शन में वे लोग चुन करके ऐसे महान फोरम पर भी पहुँच जाते हैं। तो क्या आप उसी कानून व्यवस्था की बात कर रहे हो ?

तीसरी बात कही गई कि आज कोई विकास का काम नहीं हो रहा, बनारस तक को भी उसमें घसीट लिया गया। मा0 प्रधानमंत्री जी ने जो बनारस में कार्य किया है, ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने काशी को जो भव्य और दिव्य बनाने का काम किया है, उसकी कोई तुलना नहीं है। पूरी दुनिया के लोग मेसमराइज्ड हैं। पूरी दुनिया के लोग प्रभावित है। जो भी वहाँ आता है वह वाराणसी से प्रभावित होकर जाता है। लेकिन कहा गया कि नहीं, किसी शहर में कुछ नहीं हो रहा है, बनारस में भी कुछ नहीं हो रहा है। यहाँ पर विरोध पक्ष के वरिष्ठ नेतागण बैठे हुए है, मैं आप सबसे कहूँगा कि जैसे आपने अपनी पार्टी के लोगों को बाकी सब कृत्य कराने की छूट दी हुई है, वैसे ही उन लोगों को सही बोलने की भी छूट दे दीजिए। उनको कम से कम बनारस को देखकर प्रभावित होना चाहिए। बनारस हमारी गरिमा का केन्द्र है। इतना ही नहीं जैसे हमारे मा0 ओम प्रकाश राजभर जी कह रहे थे तो आप सबको बनारस ले जाकर गंगा में नहलाइए और बनारस की चाय भी पिलाइए। तब जाकर आपको मालूम पड़ेगा कि बाबा विश्वनाथ के कॉरिडोर में, गंगा की सफाई में, वहाँ की गलियों और कूचों की सफाई में कितना परिवर्तन आया है, पहले से कितनी बेहतरी हुई है। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे राज्य में पिछले 25-30 साल में जो विकास की प्रक्रिया को अवरोधा गया, जो विकासहीनता की खाई बनाई गई, उसे पाटने का काम मा0 मोदी जी के मार्ग दर्शन में, उनके आशीर्वाद से मा0 योगी जी की सरकार कर रही है। अभी आपने देखा कि पूरा विश्व उत्तर प्रदेश की धरती पर उतरा हुआ था, मा0 प्रधानमंत्री जी ने जी-20 का एक महान समागम जो आगरा में, लखनऊ में कराया और आने वाले दिनों में कुछ और शहरों में भी जैसे वाराणसी में, गौतमबुद्धनगर में होने वाला है। वह हमारे देश की एक बहुत ही बड़ी पहचान उपस्थित करता है पूरे विश्व में। मा0 प्रधानमंत्री जी का हम इसके लिए धन्यवाद करें कि हमें इस चुनौती को अवसर में बदलने का एक मौका मिला। कि हमने इसी बहाने अपने नगरों की सफाई, अपने नगरों का सुशोभन, अपने नगरों का सौन्दर्यीकरण किया।

और मुझे आप सबको बताते हुए गर्व हो रहा है-आपने भी देखा होगा कि कल हमारे एक मा0 सदस्य बोल भी रहे थे कि लोग नगर की सुन्दरता के साथ सेल्फी लेना चाहते थे।

उस सुन्दरता का बखान कर रहे थे। मात्र भारतीय ही नहीं, मात्र लखनऊ के लोग नहीं, मात्र आगरा के लोग नहीं बल्कि विदेशी भी आ करके उस सफाई के, उस व्यवस्था के कायल हो गए थे। इस प्रकार का अद्भुत कार्य जी-20 कार्यक्रम में हुआ है। ऐसे समागम होने से बड़ा लाभ है। हमारे जो भारत सरकार के सचिव थे, उन्होंने कहा कि यू0पी0 ने पूरे देश का नाम, पूरे देश का मस्तक विश्व समुदाय के समक्ष ऊँचा कर दिया है। इस प्रकार के कमेण्ट भारत सरकार के वरिष्ठ लोगों के आए। इससे देश का मूल्य बढ़ता है, देश की आबरू बढ़ती है। अभी कल की एक घटना मैं बताऊँ आप लोगों को। कुछ मा0 सदस्यगण को शायद मालूम भी होगा। मा0 अध्यक्ष जी, मा0 प्रधानमंत्री जी का जो ग्लोबल इन्फ्लूएंस है कि पूरे विश्व का जो बैक है जिसे वर्ल्ड बैंक कहते है। अब तक पूरी दुनिया पर जो पश्चिम की दादागिरी थी, वह इन्हीं संस्थाओं पर कब्जा होने की वजह से थी। वह विश्व बैंक हो, चाहे यू0एन0ओ0 हो, चाहे आई0एम0एफ0 हो, चाहे इण्टरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस हो। इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में तो हमारे चीफ जस्टिस पहले ही पहुँच चुके हैं। कल की घटना यह है कि अमेरिका के प्रेसिडेण्ट ने अपने एक भारतीय को अजय बांगा जी को, मैं उन्हें बधाई भी देता हूँ इस सदन में अपनी वाणी के मार्फत। अजय बांगा जी को वर्ल्ड बैंक का अगला अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। यह कितनी बड़ी बात है। देश का मस्तक, हम सबका मस्तक ऊँचा हुआ है। संयोग से हम उनको जानते भी हैं, मा0 मोदी जी की कृपा से हमारा भी उनसे मिलना-जुलना हुआ है। कल मैंने उनको बधाई दी और वे इतने खुश थे। इस तरह से देश का मान यहाँ और बाहर दोनों जगह बढ़ रहा है। जो हमारा ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट हुआ उसमें 33.50 लाख करोड़ का जो इन्वेस्टमेंट आया। आप बार-बार यह कहते हैं कि गरीबी है, बेरोजगारी है लेकिन यह दूर कैसे होगी, रास्ता तो कुछ होना चाहिए। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट उनमें से एक रास्ता है और रास्ते को खोजने का प्रयास मा0 योगी जी ने जो किया है वह बहुत ही श्रेष्ठ प्रयास किया है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, थोड़ा संक्षेप करें।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

इसके जरिए रोजगार आएगा। इसके जरिये इन्फ्रास्ट्रेक्चर का क्रियेशन होगा और बहुत सारी बेहतरी होगी। लोगों की पर कैपिटा इनकम बढ़ेगी। एक अंतिम बात कहकर मैं अपनी बात को पूरा करूँगा। माननीय महामहिम जी को, मैं विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूँगा कि नगर विकास विभाग में हमारे सफाई कर्मियों ने, हमारे छोटे कर्मचारियों ने जो काम किया है उसकी भी उन्होंने अपने अभिभाषण में कद्र की है। ग्लोबल सिटी नाम का हम लोगों ने एक सफाई अभियान चलाया हुआ है, उसका उल्लेख महामहिम राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में किया है। मैं मानता हूँ कि हमारे सभी सफाई कर्मचारी जो वैश्विक नगर बनाने की हमारी मुहिम थी उसमें वे आगे बढ़ रहे हैं, और उसमें हम काफी हद तक सफल हो रहे हैं। माननीय महामहिम

ने इस बात का संज्ञान लिया है। मैं मा0 महामहिम को विशेष रूप से इस मौके पर धन्यवाद करता हूँ और हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' जैसा महामहिम जी ने कहा है उस दृष्टि से हमारी सरकार काम कर रही है और पिछड़ों को, वंचितों को, शोषितों को न्याय दिलाने का, उनका पेट भरने का और उनको रोजगार देने का श्रेष्ठ प्रयास हो रहा है और मैं मा0 योगी जी की सरकार को बधाई देते हुए कितनी हमारी संवेदनशीलता है उस बात को मैं फिर से एक शेर के मार्फत करके पूरी करूँगा-

''मेरे दुःख दर्द का तुझ पर हो असर कुछ ऐसा
मैं जो भूखा रहूँ तो तुमसे भी न खाया जाए''

हम लोग, हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जो देश में चल रही है और मा0 योगी जी के नेतृत्व में जो प्रदेश में चल रही है वह इस संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है कि हमारे राज्य में कोई भूखा नहीं रहना चाहिए, कोई दुखी नहीं रहना चाहिए और कोई पीड़ित नहीं रहना चाहिए। ये लॉ एण्ड ऑर्डर की बात, और मा0 राजा भैय्या कह रहे थे कि हमारे यहाँ ग्रामीण रास्ते खराब हैं। मा0 अध्यक्ष जी, यह उन माफियाओं की वजह से खराब हैं जिनके चलते रोड का एक भी पैसा रोड की मद में नहीं लगता है। सारे के सारे ठेके उनके पास जाते हैं और सारा का सारा पैसा माफियाओं के पास जाता है और उन्हें इस तरह का संरक्षण वर्षो वर्ष तक मिलता रहा है। इसलिए हमारा इन्फास्ट्रक्चर ठीक नहीं हुआ है। यह हमारा चैलेन्ज है, हमारी प्रतिबद्धता है, हम कटिबद्ध हैं इस परिस्थिति में सुधार करने के लिए और मैं आप सबको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि योगी जी की सरकार में हम लोग इसे ठीक करके रहेंगे। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती अंजुला सिंह माहौर-

''सिया राम मय सब जग जानी, करहु प्रणाम जोरि जुग पानी'' मैं उपस्थित सभी सदस्यों को हाथ जोड़कर प्रणाम, वंदन और अभिनंदन करती हूँ। मैं आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपको विशेष रूप से धन्यवाद करती हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। मैं महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिए खड़ी हुई हूँ लेकिन उससे पहले सदन में जिन दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई है, मैं उनको भी अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करती हूँ। मा0 राज्यपाल महोदया ने बताया था कि जन-अकांक्षाओं की पूर्ति करने के साथ-साथ हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के लक्ष्य को सामने रखकर सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के साथ शांति एवं सद्भावना का वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है। समाज के सभी वर्गों के हित तथा राज्य के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाएँ एवं कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जब महामहिम अपने अभिभाषण को पढ़ रही थीं, जब वह सरकार के बारे में बता रही

थीं, जो सबका साथ, सबका विकास करने के उद्देश्य से काम कर रही हैं, तब विपक्ष के लोग वेल में कूद गये और उन्होंने इतना हंगामा किया कि कोई बात सुनने के लिए तैयार नहीं था।

विपक्ष के लोग वह हैं, जो राम चरित मानस को नहीं मानते, यह विपक्ष के लोग वह हैं, जो रामायण को नहीं मानते। जब रामायण को नहीं मानते और राम चरित मानस को नहीं मानते तो वह भगवान श्री राम को भी नहीं मानते। उन्होंने वेल में कूदकर बहुत हंगामा किया। मैं तो बताना चाहती हूँ 'कलियुग केवल नाम अधारा, सुमिर-सुमिर नर उतरहिं पारा'। सिर्फ राम स्मरण कर लेने मात्र से लोग भवसागर के पार उतरते हैं। राम तो इमामुल हिन्द हैं। कहते हैं कि 'है राम के वजूद पर हिन्दोस्तां को नाज, अहले नजर समझते हैं, उनको एमाम ए हिन्द'। विपक्षी जब वेल में कूदकर उपद्रव कर रहे थे और महामहिम जी को अभिभाषण नहीं पढ़ने दे रहे थे, तो ऐसी मानसिकता के लोग अपनी मानसिकता बताने का काम कर रहे थे। जब राम के बारे में, राम चरित मानस का यह विरोध करते हैं तो राम हुए, इसके कितने ज्यादा प्रमाण उपस्थित हैं, कहते हैं कि 'राम अलौकिक युग नायक थे, दुष्ट दलन हित धनुषायक थे, राम चिन्ह जीवन दर्शन के, मूल स्त्रोत युग परिवर्तन के, राम प्रणेता थे समता के, दीन हीन के प्रति ममता के, उद्धारक थे मानवता के, संघारक थे दानवता के, राम ईष्ट हैं, दया सिन्धु हैं, जन आस्था के केन्द्र बिन्दु हैं, वही राम आदर्श लीक हैं, राष्ट्र अस्मिता के प्रतीक हैं, लेकिन दुष्ट मानते कब हैं, लगता फिर सक्रिय दानव हैं, उन्हें पराजित करने को हम सब को पुनः प्रयाण दें' राम हुए थे इसके कितने और प्रमाण दें। कहते हैं कि 'राम नाम मणि दीप धरु, जीह देहरी द्वार, तुलसी भीतर बाहेरहुं जो चाहसि उजियार' भगवान श्री राम के नाम का स्मरण करने के बाद जो लोग काम करते हैं, कहते हैं कि 'प्रविसि नगर कीजै सब काजा, हृदय राखि कोसलपुर राजा'। भगवान श्री राम का नाम स्मरण कर लेने मात्र से जो लोग काम करते हैं, उनके काम पूरे होते हैं और राम चरित मानस का विरोध करने वाले, राम का विरोध करने वाले, मैं उनको बताना चाहती हूं और राम कहां-कहां हैं ?

(कुछ सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

अरे, समरपाल जी, आप अपनी बात कहिएगा, जब आपको मौका मिलेगा। मा0 सदस्या, आप अपनी बात कहिए।

श्रीमती अन्जुला सिंह माहौर-

हाँ, हमारे प्रदेश के उप मुख्य मंत्री जी ने सदन में बताया था की जब महिला बिल लोक सभा में आया तो उसे फाड़ कर, गिलास तोड़ कर पेट में घोस लिया। ऐसे महिलाओं के बिल का विरोध करने वाले हैं। मान्यवर, राम के होने के मैं और तमाम प्रमाण देना चाहती हूँ कि राम कहाँ-कहाँ हैं। कहते हैं कि 'राम बसे निषाद के मन में, केवट के पद प्राच्छालन में, राम मिलेंगे भील घरों में, शबरी के झूठे बेरों में, राम मिलेंगे जहां चाह है ऋषि मूक पर्वत गवाह

है, राम विराजे हैं घर-घर में, राम सेतु के हर पत्थर में, जिसके बल दिन कटे भरत के लाकर क्या वे पद प्राण दें। राम हुए थे, कितने और प्रमाण दें। मान्यवर, और बता रही हूँ कि 'राम कथा जन-जन में व्यापी, केवल वंचित हैं कुछ पापी, जिनके ज्ञान चक्षु फूटे हैं, राम उन्हें लगते झूठे हैं, झूठलाते राम के मर्म को, घायल वे कर रहे धर्म को, आस्था के प्रति निर्मोही हैं, सबके सब हर हर द्रोही हैं, जो कर रहे राम की निन्दा, वो कैसे अब तक हैं जिन्दा, ऐसे राम द्रोहियों को पढ़ने अब गरुण पुराण दो, राम हुए थे, कितने और प्रमाण दूँ। मान्यवर, जब हमारे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जनहित और लोकहित में सरकार चलाने का काम कर रहे हैं, लगातार 'भूतो न भविष्यति' जिस प्रकार से उन्होंने काम की शैली और पद्धति अपनायी है, मैं तो उनके बारे में कहना चाहती हूँ कि 'न तु कामाये राज्यम् न मोक्षम् न पुनर्भवम् कामाये दुख तृप्तानाम, प्राणि नामार्थ नाशनम्। यह हैं योगी जी, जिन्होंने जनहित में और लोकहित में सरकार चलाने का काम किया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे बोलने का समय अब समाप्त हो रहा है तो मैं आपके सामने अपने क्षेत्र की 3-4 बातें रखना चाहती हूँ। हाथरस जिला जो कि ब्रज की देहरी है, उसे ब्रज सर्किट में शामिल करके ब्रज की देहरी में और विकास कार्य हो जाये। चूंकि मैं हाथरस से विधायक के तौर पर आती हूँ।

हाथरस शहर पूरे उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योगों का शहर रहा है। हाथरस में अगर ट्रांसपोर्ट नगर हमको मिल जाय तो हमारा शहर अपना पुराना मान-सम्मान और वैभव प्राप्त कर सकता है। मैं बताना चाहती हूं कि सासनी में बेटियों के विद्यालय की अत्यंत आवश्यकता है। यहां बैठे हमारे छर्रा के विधायक आदरणीय रविन्द्र पाल जी की विधान सभा क्षेत्र में बड़े दाऊ जी का मन्दिर है, लेकिन रास्ता मेरी विधान सभा क्षेत्र से होकर जाता है एक पुल वहां अगर बीच में बन जाये तो वहां के श्रद्धालुओं और भक्तालुओं को दर्शन करने में बहुत सुविधा होगी। काका हाथरसी म्यूजियम बन जाए सभी को होली और नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ मैं अपनी बात समाप्त करती हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार।

डॉ0 रागिनी-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। परन्तु अध्यक्ष जी, इस सदन और इस सरकार से जनता यह भी नहीं कह सकती कि 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा और जनता का पैसा चुकाना पड़ेगा'। अध्यक्ष जी, पहले सत्र में मुख्य मंत्री जी आते हैं और कहते हैं कि हमारी विधायक निधि को उन्होंने बढ़ा दिया और जब आज हमारा द्वितीय बजट सत्र चल रहा है तो हमारे आदरणीय वित्त मंत्री जी कहते हैं कि वह तो सिर्फ और सिर्फ एक घोषणा थी, समय तो सुनिश्चित किया ही नहीं गया।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, उसी प्रकार से यह जो अभिभाषण हुआ, यह जो बजट प्रस्तुत हुआ। इंवेस्टर्स समिट मीट जो वर्ष 2018 और वर्ष 2023 में हुआ यह सब केवल घोषणाएं हैं और जनता यह जान रही है कि इसका समय अभी तक सुनिश्चित नहीं हो पाया है। आप लोग क्यों घबराते हैं जब विपक्ष यह कहता है कि ''तुम्हारी फाइल में जो गांव हैं उनके मौसम गुलाबी हैं, यह आंकड़े झूठे हैं और यह जो दावे हैं वह किताबी हैं''। यह बड़ा ही सीरियस मैटर है, क्योंकि यह क्राइसिस आफ क्रेडीबिलिटी आफ लीडरशिप है।

अध्यक्ष महोदय, इसको संज्ञान में लेना चाहिए। हमारे पक्ष के काफी सारे जो सदस्य हैं उन्होंने अभिभाषण के दौरान बहुत तारीफें कीं और कहा कि प्रदेश इस विभाग में एक नम्बर पर पहुंच चुका है, उस विभाग में एक नम्बर पर पहुंच चुका है। बिल्कुल सही कहा आप लोगों ने। मैं भी बारी-बारी से उत्तर प्रदेश का कौन-सा विभाग किस नम्बर पर पहुंच चुका वह आपके सामने बताऊँगी और प्लीज मेज थपथपाने से आप लोग मत रुकियेगा।

कल उप मुख्य मंत्री जी बहुत तारीफ कर रहे थे। अपने नम्बर ऑफ सी0एच0सी0 पी0एच0सी0 की बातें कर रहे थे। मैं आपको बताना चाहूंगी और यह जो आंकड़े हैं उनको मैं टेबल कर दूंगी। यह जो आंकड़े हैं वह आपके सेन्ट्रल की जो सरकार है उसके आंकड़े हैं जो बताते हैं कि अगर हम मैटरनल मैटर्निटी रेट की बात करें, प्रसव और गर्भ की अवस्था के दौरान जो मृत्यु होती है, आज जो हमारा उत्तर प्रदेश है 167 पर लाख लाइफ बर्थ हमारे यहां डेथ हो रही है। हमसे बेहतर तो बिहार है, जहां सिर्फ और सिर्फ 130 हो रही है। अगर हम बात करें नॉन कम्युनिकेबिल डिजीजेस की जिसमें मधुमेह और रक्तचाप जैसी गम्भीर बीमारियां होती है जिससे आए दिन हार्ट अटैक आते हैं और लोगों की मृत्यु हो जाती है, तो आपने बिल्कुल सही कहा कि उत्तर प्रदेश उसमें नम्बर वन पर है। अगर हम बात करें सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 की तो नम्बर आफ सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 तो कम हैं ही, लेकिन साथ ही साथ कम डॉक्टर लेस देन 50 परसेन्ट आफ डाक्टर्स में भी हम नम्बर वन हैं। अगर हम बात करें पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 में मूलभूत सुविधाओं की जिसमें अगर हम बात करें ई0सी0जी0 मशीन की जिससे कि क्विक चेकअप हो, कम-से-कम ये पता कर सकें कि वह माइक्रो कार्डियल इंफेक्सन का पेसेन्ट है और उसको इमरजेन्सी मेडिसिन दे करके 45 मिनट में रेफरर सेण्टर भेज सकें। आज हमारे पास ई0सी0जी0 की भी सुविधा उपलब्ध नहीं है और हम नम्बर वन पर हैं। अगर हम एम0आर0आई0 मशीन की बात करें तो हमारे पास लाइब्रेरी में भी यह इंफार्मेशन नहीं है कि सरकार के द्वारा किन-किन जनपदों में कहां-कहां एम0आर0आई0 उपलब्ध है और हम नम्बर वन पर हैं। सरकार पिछड़े और दलित के हक और सम्मान की बात करती है और जब जातीय जनगणना की बात आती है तो सर पर पैर रखकर भाग जाती है। आज जब विपक्ष ने बात उठायी कि जातीय जनगणना करवानी चाहिए तो आदरणीय मंत्री जी कल वहां बैठे थे और कह रहे थे कि वो बिहार की आप बातें करते हैं, बिहार तो बड़ा ही खराब है। बिहार में यह होता है, वो होता है। बिहार अगर खराब है और उसके बावजूद भी

अगर दलित और पिछड़ों का सम्मान कर रहा है तो आप क्यों धर्म की राजनीति कर रहे हैं, आप क्यों नहीं सम्मान कर रहे हैं दलितों और पिछड़ों का।

सिर्फ चुनाव के दौरान आपके कार्यकर्ता ग्राम सभाओं और दलित बस्तियों में जाते हैं। मैं बताती हूँ कि क्या बातें होती हैं, पूछते हैं, क्या भाई कौन जात हो, कहता है, दलित हूँ साहेब। कहते हैं, अरे नहीं-नहीं किसमें आते हो तो वह बेचारा दुःख का मारा कहता है कि साहेब आपकी गाली में आते हैं, गंदी नाली में आते हैं और अलग की हुई थाली में आते हैं। तो कहते हैं कि हम तो सोचे कि तुम हिन्दू में आते हो, वह बोलता है आते हैं साहेब लेकिन सिर्फ और सिर्फ आपके चुनाव में, आप हक की बात करते हैं। आपके एन0सी0आर0बी0 के आँकड़े बता रहे है कि आपके प्रदेश में सबसे ज्यादा एस0सी0 और एस0टी0 कम्युनिटी पर क्राइम्स हुए हैं। आज कानून व्यवस्था की बात पर पीठ थपथपाई जाती है और एन0सी0आर0बी0 के आँकड़ों को बताया जा रहा हैं। मैं आपसे यह कहना चाहती हूँ कि आपकी जो जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट क्राइम की जो सरकार है, वह सिर्फ और सिर्फ ढकोसलेबाजी है। एफ0आई0आर0 सच और झूठ की बुनियाद पर नहीं किस दरोगा की, किस एस0एच0ओ0 की पॉकेट कितनी गरम की जाती है, उसके हिसाब से एफ0आई0आर0 दर्ज की जाती है और मैं आपको एक और बात बता दूँ कि पूरे जनपद अमरोहा में सिर्फ और सिर्फ एक ही जाति के सारे लोगों को पुलिस विभाग में डाल दिया गया था। यह तो आप लोगों को स्वयं भी पता होगा। आज थानों पर चाहे कोई भी केस हो, चाहे वह अपहरण का हो, चाहे वह चोरी का हो, चाहे वह बलात्कार का हो, चाहे उत्पीड़न का हो, चाहे मर्डर का हो या कोई भी जमीनी केस हो, हर चीज का रेट आपकी सरकार में फिक्स करके रखा हुआ है। उत्तर प्रदेश में अगर महिला उत्पीड़न की बात करें तो मैं आपको एन0सी0आर0बी0 का ही आँकड़ा बताती हूँ कि पर लाख वीमेन में 51 महिलायें है, जो उत्तर प्रदेश में उत्पीड़न और क्राइम का शिकार हो रही हैं। लेकिन वहीं बिहार हमसे बेहतर है, वहाँ पर 30 महिलायें हो रही हैं।

कन्विक्शन रेट पर आप कहते हैं कि हम बहुत सारे लोगों को कन्विक्ट कर रहे हैं। लेकिन आप जिस चीज पर खुश हो रहे हैं। जरा देखिये कि और भी प्रदेश हैं जो कन्विक्शन रेट में आपसे भी बेहतर हैं। आज आपका प्रशासन संविधान की धज्जियाँ उड़ा रहा है। संविधान कहता है कि अगर इंसाफ दिलवाने में कोई मुल्जिम छूट भी जाये, तो कोई बात नहीं लेकिन किसी निर्दोष के साथ अत्याचार नहीं होना चाहिए। कानपुर देहात में वह माँ-बेटी जिस तरीके से जल गई, क्या वह किसी तरीके से संविधान के अनुरूप हुआ। आज यह बुल्डोजर सरकार हैं, जहाँ सबने अपने होठ सी लिए हैं। मैं कुछ लाइने बोलूँगी। 'खामोशी न ओढ़ो, तुम जुबान खोलो, इस जालिम हुकूमत के खिलाफ बोलो, यहाँ मजलूम हर रोज सताये जा रहे हैं, घर कभी गिराये तो कभी जलाये जा रहे हैं'।

श्री अध्यक्ष-

डा0 रागिनी जी, धन्यवाद। अब श्रीमती रजनी तिवारी जी बोलें। मुझे लग रहा था आप बिहार में भाषण दे रही हैं।

डा0 रागिनी-

अध्यक्ष जी, एक मिनट और दे दीजिए। हमें एजुकेशन के रेशियों और एक्सप्रेस-वे की बात करनी है। एक्सप्रेस-वे की बात जरूर करनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

बात तो सभी करनी चाहिए, लेकिन समय-सीमा में करनी चाहिए।

डा0 रागिनी-

उत्तर प्रदेश बाकी प्रदेशों से स्टेट एक्सप्रेस-वे और नेशनल एक्सप्रसे-वे लेवल दोनों पर पीछे है। मैं लास्ट में बोलना चाहूँगी-

''हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए, मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही, हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए''।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती रजनी तिवारी)-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर माननीय सदस्य नीलकण्ठ तिवारी जी के प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करती हूँ।

मान्यवर, हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के लक्ष्य को सामने रखते हुए सभी की उन्नति, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। मान्यवर, माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में नये भारत का ग्रोथ इंजन उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। मान्यवर, जब महामहिम राज्यपाल जी समवेत् सदन को सम्बोधित कर रही थीं। हम सभी लोग बहुत ध्यान से अभिभाषण को सुन रहे थे। क्योंकि महामहिम राज्यपाल जी, विद्वता की प्रतिमूर्ति हैं, विदुषी हैं, कई पदों को सुशोभित करती हुईं वह यहाँ तक पहुँची हैं। मान्यवर, सामने जो हमारे साथी बैठे है। मान्यवर, उस समय ध्वनि प्रदूषण कर रहे थे उनको लग रहा था कि अगर यह महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण पूरा सुन लेंगे तो इनके पास विरोध में बोलने के लिए कुछ नहीं रह जायेगा। इसके कारण यह लोग सुन नहीं रहे थे। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है। उसी के सापेक्ष हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए हमारी सरकार नियोजित प्रयास कर रही है। सामने बैठे हमारे साथी जब हमारी सरकार का विरोध करते हैं तो हमको कष्ट नहीं होता। हमको लगता है कि इनको मौका मिला, लेकिन उन्होंने उस समय कुछ किया नहीं तो इनका दुख दर्द झलक रहा है। हम लोगों ने पिछले 5 वर्षों में जनता के हित के लिए कार्य

किया है। जनता ने हम लोगों को अवसर दिया है। इस बार योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में हम लोगों ने जो वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए जो नियोजित प्रयास किये हैं। हम लोग सिर्फ कहते नहीं हैं, हम लोग करके दिखाते हैं। ''जब हौसला बना लिया ऊंची उड़ान का, फिर देखना फिजूल है, कद आसमान का''।

हमारी अभी बहन डा0 रागिनी बहुत अच्छा बोल रही थीं, लेकिन उनकी कुछ बातें ऐसी लग रही थी क्योंकि वह विपक्ष में हैं उनको बोलना है। वह बता रही थीं कि जब जनता के बीच में जाते हैं, तो लोग बताते हैं कि वह लोग आकर कहते हैं। जब आप उनके बीच में जाती होंगी आप सोच के जाती होंगी कि वह आपके हैं और वह आपसे कहते होंगे कि आप किसकी बात कर रही हैं। वह सब जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी सबको साथ ले करके चलती है। आज इसीलिए हम लोग वर्ष 2014 से ले करके जनता के लिए काम करते आ रहे हैं। जनता ने हमको समर्थन दिया है। एक बार फिर योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार चल रही है। फिर से 2024 में हम लोगों को जनता का समर्थन मिलने वाला है। वर्ष 2017 से जबसे हमारी सरकार सत्ता में आई तब राज्य की अर्थव्यवस्था बेहद खराब थी। आज हमारे प्रदेश का वार्षिक बजट तबसे दो गुना अधिक है। विगत 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार वायु, जल, सड़क, रेल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए तीव्र गति से बुनियादी ढांचे का विकास कर रही है, जिससे उद्योगों को घरेलू बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। वर्ष 2017 से अब तक प्रतिवर्ष 3773 किलोमीटर ग्रामीण मार्गों का निर्माण किया जा रहा है। पिछले 14-15 वर्षों से हमको भी इस माननीय सदन में रहने का अवसर मिला। उस समय अगर एक भी सड़क बनवानी होती थी, तो कई चक्कर लगाने पड़ते थे, कई बार हम लोगों को दौड़ना पड़ता था और लगता था कि जनहित के लिए नहीं हम अपने लिए मांग कर रहे हैं, तब जा करके कहीं एक सड़क बन पाती थी। आज हमारी सरकार में सड़कों का जाल बिछ गया है। उत्तर प्रदेश में 9 एयरपोर्ट पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। कुछ वर्षों में हमारा प्रदेश 5 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बन जायेगा।

मान्यवर, हमारी सरकार के द्वारा विगत 10 से 12 फरवरी तक यू.पी. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया। मा0 मुख्य मंत्री जी के कुशल नेतृत्व में सकारात्मक सोच व कठोर परिश्रम से दुनिया के 40 से ज्यादा देशों ने उसमें प्रतिनिधित्व किया। जब वे यहाँ पर आए, तो वह निवेश एक महाकुम्भ के स्वरूप में बदल गया। इसके कारण आज हमारा युवा, किसान, महिलाएं, सब आज कह रही हैं कि जिसके लिए हमने योगी जी पर भरोसा किया था, जिस कारण से भारतीय जनता पार्टी पर हमने भरोसा किया था, जिस कारण से हमने प्रदेश और केन्द्र में सरकार बनायी थी वो सारी चीजें हमको हासिल होने वाली हैं। इस कारण से ये लोग परेशान हो रहे हैं।

इस बार जी-20 का प्रतिनिधित्व भी हम लोगों को मिला है। हमारे प्रदेश में नहीं, बल्कि विश्व में हमारे देश की पहचान होने वाली है। गंगा, यमुना, सरस्वती, काशी, मथुरा और अयोध्या की पहचान जो आप लोगों ने छिपाकर रखी थी आज उनको देखने के लिए विश्व के बड़े-बड़े देशों से लोग हमारे यहाँ आया करते हैं। आप लोगों को अवसर मिला, लेकिन आप लोग कभी कुछ नहीं कर पाए। आप लोग शिक्षा की बात करते हो। शिक्षा के स्तर को आप कहाँ ले गये थे ? आप लोगों ने डिग्री को सिर्फ नकल का माध्यम बना लिया था कि नकल करके ही डिग्री मिलती है। हम लोगों ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' ला करके नकल विहीन शिक्षा करवाना शुरू कर दिया है। ये हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि शिक्षा भविष्य को बनाने का काम करती है, बच्चों के भविष्य का निर्धारण करती है। शिक्षा आपके लिए सिर्फ डिग्री थी, आप के लिए सिर्फ वोट का कारण था, लेकिन शिक्षा हमारे भविष्य का मामला है, इसलिए हम लोग अच्छी शिक्षा देने का काम कर रहे हैं। हमारी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति को बढ़ावा देते हुए रोजगार देने का काम करेगी। उस तरह की शिक्षा हम लोग देने का काम कर रहे हैं।

हम लोगों ने स्वास्थ्य में बड़े काम किए। जिस तरीके से हम लोगों ने हर जिले में उद्योग देने का काम किया, उसी तरह से आज हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज देने का काम कर रहे हैं। अभी हमारे कुछ साथियों ने कानून-व्यवस्था की बात की। हमारी बहनों की सुरक्षा की बात की। बहुत खुशी होती है, जब बहनों की सुरक्षा की आप बात करते हैं, बहनों की समस्याओं के बारे में आप बात करते हैं, लेकिन कष्ट इस चीज का होता है कि सामने बैठे हमारे साथी महिलाओं की समस्याओं को सिर्फ तब याद करते हैं, जब कोई सामाजिक चर्चा करनी हो या कोई राजनैतिक मुद्दा हो, तब उनको बहनों की याद आती है। आज जब योगी जी की सरकार महिलाओं के लिए सुरक्षा की दृष्टि से, स्वावलंबन की दृष्टि से, शिक्षा की दृष्टि से, स्वास्थ्य की दृष्टि से हर एक काम कर रही है, तो मैं कह सकती हूँ कि आज प्रदेश और देश की हर बेटी योगी जी और मोदी जी को धन्यवाद दे रही है।

श्री अध्यक्ष-

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 मंत्री श्री राकेश सचान शायद सदन में नहीं हैं। श्री ओम कुमार।

***श्री ओम कुमार-**

मा0 अध्यक्ष जी, आज आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद के पक्ष में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका हृदय से धन्यवाद करना चाहता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, मैं जनपद बिजनौर के नहटौर सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र से

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

तीसरी बार चुनकर आया हूँ। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के सभी वासियों का हृदय से धन्यवाद करता हूं कि मुझे उन्होंने तीसरी बार भरोसा करके यहाँ भेजने का काम किया है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी और इस देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया तथा दोबारा से तिबारा यहां भेजने का काम किया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारे भाई जो उस तरफ बैठे हुए हैं इन्होंने चुनाव प्रचार में यह बातें कहीं कि अगर भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयेगी तो इस प्रदेश के अंदर संविधान को खत्म करने का काम करेगी, प्रमोशन को खत्म करने का काम करेगी।

मा0 अध्यक्ष, यह आज डॉ0 भीमराव आम्बेडकर के अनुयायी बनने का काम करना चाहते हैं। लेकिन उनके जो अनुयायी हैं, यह उन पर अत्याचार करते हैं यह किसी से छिपा नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी, आपको याद होगा लोक सभा के अंदर जो प्रमोशन में आरक्षण का बिल था उसको इन लोगों ने वेल के अंदर फाड़ दिया था। मा0 अध्यक्ष जी, इन्होंने एक ऐसा पाप किया है जोकि आज तक किसी ने नहीं किया है, एक भाई हमारा एस0डी0एम0 था उसको इन्होंने तहसीलदार बना दिया और जो भाई हमारा दरोगा था उसको इन्होंने सिपाही बना दिया था तथा जब वह घर पर पहुंचा और बच्चों ने पूछा कि पापा आपके स्टार कहां गए, तब वह बच्चों को रोते-रोते बता रहा था कि बेटा मेरे स्टार समाजवादी पार्टी की सरकार वालों ने उतार दिये। जिस एस0डी0एम0 की समाज में इज्जत हुआ करती थी, उसको इन्होंने तहसीलदार बना दिया, उसके घर में क्या गुजरी होगी, समाज में क्या गुजरी होगी। ये लोग बाबा साहब पर बात करने का काम करते हैं, इनको तो शर्म आनी चाहिए कि किस तरह इन्होंने चुनाव के अंदर गुमराह करने का काम किया है।

मा0 अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में जबसे आदरणीय योगी जी की सरकार आयी है तबसे चारों तरफ विकास की गंगा बह रही है। दलितों के घर के अंदर, गरीबों के घर के अंदर किसी ने शौचालय देने का काम किया है, तो वह मा0 योगी आदित्यनाथ जी ने किया है अगर गरीब के घर में बिजली देने का काम किया है तो वह आदरणीय योगी जी की सरकार ने किया है और यह बात करते हैं बिजली के बिल की, पहले तो बिजली आती ही नहीं थी, लेकिन बिल आ जाता था, अब अगर बिल आता है तो बिजली भी आती है। 24 घंटे बिजली आप लोगों को दी जा रही है, मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज हमारे नहटौर विधान सभा क्षेत्र में बिना जाति धर्म के, बिना भेद-भाव के सबको आवास दिये गए, गरीब के सिर पर छत मिल रही है तो आपको परेशानी हो रही है, आपको तो खुश होना चाहिए कि बिना भेद-भाव के सभी कार्यों को किया जा रहा है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि वर्ष 2012 से वर्ष 2017 तक कानून व्यवस्था किस तरह की थी, पूरे प्रदेश के अंदर गुंडा राज कायम था, जब रोड पर कोई

साइकिल लेकर निकल जाता था तथा उसका पहिया किसी से टकरा जाता था, तो उस व्यक्ति की वहीं पर पिटाई कर दी जाती थी। मैं आपको बताना चाहता हूं कि योगी जी की सरकार के अंदर किसी की हिम्मत नहीं है कि कोई किसी के प्लॉट को कब्जा कर ले, कोई दलितों पर अत्याचार कर दे। मैं तो आपसे कहना चाहता हूं कि आपको मा0 योगी जी से सीखना चाहिए कि किस तरह से प्रदेश के अंदर कानून का राज है। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं आदरणीय योगी जी को कि जिन्होंने दंगे को समाप्त करने का काम किया है, आज पूरे प्रदेश के अंदर व देश के अंदर में चुनाव लड़ाने भी जाता हूं तो आदरणीय योगी जी को हर प्रदेश के अंदर प्रेम से बुलाया जाता है और भारत ही नहीं आज विश्व के अंदर मा0 योगी जी ने अपना नाम ऊंचा करने का काम किया है।

मा0 अध्यक्ष जी, शिक्षा के क्षेत्र में भी मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंदर बालिकाओं के लिए इंटर कॉलेज नहीं था, लेकिन मैंने मा0 योगी जी से बात की, आज मेरी विधान सभा क्षेत्र के अंदर करीब डेढ़ करोड़ से ऊपर की लागत से जी0जी0आई0सी0 इंटर कॉलेज बनाने का काम हुआ है और प्राइमरी स्कूलों का कायाकल्प हुआ है। आप किसी भी विद्यालय में जा करके देख लीजिए कि किस तरह की बिल्डिंग है, बिजली की व्यवस्था है, फर्नीचर की व्यवस्था है और साथ-साथ हर जगह अध्यापक मौजूद है और इनकी सरकार में क्या हुआ करता था कि जूते मिल गए तो मोजे नहीं मिले, और मोजे मिल गए तो बैग नहीं मिला। आज पूरी की पूरी व्यवस्था हमारे आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी ने करने का काम किया है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैं बिजनौर जिले से आता हूँ, बिजनौर में रात को डॉक्टर नहीं मिला करते थे, अगर रात को कोई दुर्घटना हो जाये तो हमें मरीज को मेरठ ले करके जाना पड़ता था। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने बिजनौर में एक राजकीय मेडिकल कॉलेज देने का काम किया है। 600 बीघे जमीन में 300 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज बन रहा है, अब हमें चिंता नहीं होगी कि हमें नोएडा या दिल्ली जाना है। अब हमारे जिले के अंदर ही उसका इलाज होगा। मान्यवर, एक बात और कहना चाहता हूँ कि जब उक्त राजकीय मेडिकल कॉलेज से एम.बी.बी.एस. की डिग्री ले करके जब डॉक्टर निकलेंगे तो वह भी प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करेंगें जिन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर साहब के नाम पर पंचतीर्थ बनाने का काम आदरणीय मुख्य मंत्री और आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने किया है। जहां पर बाबा साहब का जन्म हुआ, जहाँ पर मृत्यु हुई और जहाँ पर रह करके पढ़ाई की, ऐसे पाँच तीर्थो को चुनने का काम हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने किया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद। बाद में बताईगा। श्री ओमकुमार जी अब बैठिये। श्री बृजेश कठेरिया जी आप प्रारम्भ करिये।

श्री ओम कुमार-

मान्यवर, एक बहुत अच्छी बात कह करके अपनी बात समाप्त करूँगा।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, अब हो गया।

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

परम पूज्य बाब साहब अम्बेडकर और माननीय नेताजी के श्रीचरणों में नमन और वंदन करता हुआ माननीय अध्यक्ष जी आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव पर मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष और मेहरोत्रा जी की बात से अपने-आपको सम्बद्ध करता हूँ। महोदय, महामहिम जी ने जो अभिभाषण पढ़ा, उसमें कहीं पर भी दूर-दराज में गाँव के विकसित होने के लिए कोई बात नहीं कही गयी। जो प्रधान हैं उन प्रधानों का भी बजट, विभिन्न नियुक्तियाँ करके जनता का पैसा उधर खर्च किया जा रहा है। जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो उस समय जनेश्वर मिश्र समग्र ग्राम्य विकास योजना तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया विकास योजना के अन्तर्गत गाँवों का विकास किया जाता था। आज जलकल योजना के अन्तर्गत गाँवों में पानी की टंकियाँ बनायी जा रही हैं। इन टंकियों के बनने के कारण जो सी0सी0 मार्ग बनाये गये थे उन सी.सी. मार्गों को तोड़ा जा रहा है। कई जगहों पर लोगों ने विरोध भी किया है कुछ लोग कोर्ट में भी गये हैं और सही बात यह है कि जो ठेकेदार काम करने वाले हैं वह लोग सड़क खोदने के बाद, पाइप लाइन बिछाने के बाद उसे यथावत छोड़ करके जा रहे है।

मान्यवर, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि हमारे जनपद मैनपुरी में एन.सी.सी. कम्पनी काम कर रही है। एन.सी.सी. कम्पनी प्रदेश की अच्छी कम्पनी है। आपकी मंशा भी ठीक थी कि अच्छी कम्पनी को काम देंगे तो परिणाम अच्छा आयेगा, लेकिन वहाँ कुछ दूसरा खेल हो रहा है। एन.सी.सी. कम्पनी खुद काम न करके जो ग्रामीण अंचल के अनट्रेंड ठेकेदार हैं उनको 25 प्रतिशत पर काम बेचने का कार्य कर रही है। अब जो 25 प्रतिशत में काम करने वाला व्यक्ति है वह आखिर 100 प्रतिशत रिजल्ट कहाँ से लाकर देगा ? कम से कम इस बात का संज्ञान लिया जाये। विद्युत विभाग पर इस सदन में काफी चर्चा हुई, मैं अपने क्षेत्र के एक गाँव की बात आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ। मेरे क्षेत्र में एक गाँव है विरसिंहपुर, जहाँ पर ओवर बिलिंग के कारण एक व्यक्ति जिसके पास डेढ़ बीघा जमीन थी, वह डेढ़ बीघा जमीन बेचकर उस व्यक्ति ने बिल जमा किया। हम लोग प्रतिदिन अपने घर पर बैठक करते हैं, सुबह से शाम तक कम से कम क्षेत्र में या घर पर 10 से 15 लोग प्रतिदिन बिजली के ओवर लोडिंग बिल के लिए या जिन पर गलत एफ.आई.आर. हुई है, इस तरह के लोग आते हैं। मान्यवर, चूँकि हमारे यहाँ अभी मैनपुरी में लोकसभा का चुनाव हुआ है।

माननीय अध्यक्ष जी, लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पूरी जान लगा दी, लेकिन मैं अपनी मैनपुरी की जनता का चरण वन्दन करके उन्हें धन्यवाद देता हूं कि तमाम कोशिशों के बावजूद कम से कम उन्होंने मा0 नेता जी की विरासत को बचाकर रखा, समाजवादी झण्डे को बचाकर रखा। आज एक ही गांव में एक जो कमजोर वर्ग के लोग हैं, जिन्होंने समाजवादी पार्टी को वोट दिया है, उनकी लाईट काट दी जा रही है और वहीं जो बलशाली लोग हैं, उनकी लाईट जल रही है, कम से कम उसका संज्ञान लिया जाए। स्वास्थ्य और चिकित्सा पर बहुत सारी बातें हुई, आज हमारे यहां कैबिनेट मंत्री जी भी हैं। मैं संज्ञान में लाना चाहता हूं कि मेरे जिला मैनपुरी के जिला चिकित्सालय में 27 डॉक्टरों की आवश्यकता है, 27 डॉक्टरों के सापेक्ष केवल 9 डॉक्टर वहां पर हैं, जिसमें से ई0एन0टी0 का कोई डॉक्टर नहीं है। सर्जन लेकिन बेहोश करने वाला कोई डॉक्टर नहीं है और जो डॉक्टर नियुक्त है, उनमें से किसी को पोस्टमार्टम पर लगा दिया जाता है, एक आध कोई छुट्टी पर चला जाता है। आखिर किस तरह से यह व्यवस्था चल रही है, कम से कम इसका संज्ञान लिया जाए।

जहां तक बेरोजगारी की बात है, इस सरकार में बहुत सुनियोजित तरीके से आरक्षण को सीधे खत्म न करके सरकारी नौकरियों को ही खत्म कर दिया है। कांट्रैक्ट बेस पर संविदा बेस पर नौकरियां देकर पूरी तरह से आरक्षण को खत्म कर दिया है, नौकरियों को खत्म कर दिया है। याद है जब अभी 2022 में विधान सभा का परिणाम निकला था, उस समय याद करिये, कई समाचार-पत्रों में और मीडिया में चला था, लोगों को उम्मीद थी कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। हमारे कई बेरोजगार भाइयों ने अपनी अंकतालिकायें तक जला दी थीं। अंकतालिकायें जलाने के साथ कई बच्चों ने तो सुसाइड भी कर लिया था। उन बेरोजगार लोगों को समाजवादी पार्टी पर विश्वास था, कम से कम आज इस पर ध्यान दिया जाए। जहां तक आवारा पशुओं की बात है। सरकार घोषणायें बहुत करती है, हमारे क्षेत्र में अब से डेढ़ वर्ष पहले तखरऊ और खुर्रा में दो किसानों को छुट्टा जानवरों ने मार दिया था। प्रशासन ने आश्वासन दिया था, इसके बावजूद एक भी पीड़ित परिवार को एक पैसे की मदद नहीं मिली है।

जहां तक दलित उत्पीड़न की बात है, जब से यह सरकार बनी है, दलित पूरी तरह दहशत में जी रहा है, उसे पीटा जा रहा है और उसकी जमीनें भी लूटी जा रही है। जब वह थाने पर शिकायत लेकर जाता है तो थाने से उसको दौड़ाकर भगा दिया जाता है। एस0सी0 एस0टी0 एक्ट का मुकदमा पहले तो दर्ज नहीं होता है और यदि दर्ज भी हो जाए तो इन्होंने कानून बना दिया है कि उसकी गिरफ्तारी नहीं की जाती है। जब गिरफ्तारी नहीं होती है तो वही शोषण करने वाला व्यक्ति किसी तरह जमानत पर बाहर आकर पीड़ित के दरवाजे जाकर मूछें टेता है। दो से चार महीने में दबाव बनाकर अपने पक्ष में गवाही करा लेते है। जमानत हो जाती है। यहां कानून व्यवस्था की बड़ी बातें हो रही थी। अभी मेरे यहां लोक सभा का चुनाव हुआ था। मैं तीसरी बार विधायक हूं। मैं इससे पहले कार्यकर्ता था। मेरे पूरे राजनैतिक जीवन में ऐसा अब तक कोई चुनाव नहीं हुआ होगा जहां कोई अगर अपनी मां को दवा दिलाने जा रहा

हो तो उसको पकड़कर थाने में बन्द कर दिया गया है रात में घर में दबिश दी जाती थी तो दहशत में लोग खेतों में रात गुजारते थे।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री (श्री राकेश सचान)-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरी सरकार जन-आकांक्षाओं की पूर्ति सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के लक्ष्य को सामने रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण और प्रदेश की सुशासन, सुरक्षा और विकास को आगे बढ़ाने में कृत संकल्प है। लगातार मा0 मुख्य मंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश भारत की तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में से एक है। राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का 8 प्रतिशत का योगदान करता है।

माननीय अध्यक्ष जी, भारत की सबसे अधिक लगभग 25 करोड़ की आबादी का यह प्रदेश है, जहाँ पर उपभोक्ता भी हैं, श्रम भी है, माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने का जो संकल्प है, उसमें 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनोमी बनाने में उत्तर प्रदेश लगातार प्रयासरत है। माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जो 2018 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी। ग्राउंड सेरेमनी आयोजित कर यह साबित किया गया कि बेहतर कानून व्यवस्था, मजबूत आधारभूत ढांचा, सुगम यातायात, सरकारी तंत्र का निवेशकों के साथ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस व्यवस्था से उत्तर प्रदेश देश के ग्रोथ इंजन की ओर बढ़ रहा है। अभी हाल में ही जी-20 का भारत को नेतृत्व करने का अवसर मिला। इस हेतु मैं माननीय मोदी जी को बधाई देता हूँ। अभी दो शहरों में आगरा और लखनऊ में जी-20 की बैठकें हुईं हम लोगों को भी जाने का अवसर मिला। अभी दो जगह आने वाले दिनों में बैठकें होनी है बनारस और गौतमबुद्धनगर में। यह बड़े ही सौभाग्य की बात है कि हमारे उत्तर प्रदेश में अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। जिस तरह से माननीय मुख्य मंत्री जी ने योजनाबद्ध तरीके से रणनीति बनाकर मंत्री समूह को कई देशों की यात्राओं में भेजा और हमको भी एक जगह जाने का अवसर मिला। जब हम लोग यू0ए0ई0 में गए तो, जिस तरह का माहौल वहाँ पर देखने को मिला जिस तरह की छवि उत्तर प्रदेश की और देश के प्रधानमंत्री जी की देखने को मिली उसी को देखते हुए चाहे अबू धाबी में हो, चाहे दुबई में हो और वहां के लोगों ने एक उत्साह के साथ रोड में शामिल हुए और हम लोगों से वन टू वन मिले। एक बड़ा इन्वेस्टमेन्ट हमारे देश में आया और शो में इस इन्वेस्टर्स समिट का जो बड़ा कार्यक्रम हुआ। उसमें वहां से 25 लोगों का डेलिगेशन आया वहां तेईस हजार नौ सौ करोड़ का तो एम0ओ0यू0 किए ही थे उसके बाद आज हम लोगों ने धरती पर दस हजार करोड़ का एम0ओ0यू0 उतार दिया है। कल हमारे प्रतिपक्ष के नेता कह रहें थे तो मैं बताना चाहूंगा कि दस हजार करोड़ का

एम0ओ0यू0 हम लोगों ने कर दिया एक रणनीति के तहत जो भी हमारे इन्वेस्टर के लिए पूरे 75 जनपदों में कार्यक्रम हुआ देश के हमारे अनेक बड़े शहरों में कार्यक्रम हुआ, जहां मा0 मुख्य मंत्री जी और हमारे तमाम मंत्री एवं बहुत अधिकारी गए। आज जिस तरह का एक निवेश कुंभ का आयोजन हमारे उत्तर प्रदेश में 10 से 12 को हुआ वह एक ऐतिहासिक आयोजन था जिसमें लगभग हमारे उत्तर प्रदेश में आज तक के इतिहास में इतने एम0ओ0यू0 नहीं हुए जितने तैंतीस लाख पचास हजार करोड़ के एम0ओ0यू0 यहां पर हुए। जिससे आज एक कानून व्यवस्था इन्फा स्ट्रक्चर का जो विकास है इन सब मुद्दों को लेकर के ही आज उत्तर प्रदेश की तरफ हमारें पूरे देश और दुनिया की निगाहें है। लगातार उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है और इसमें जो भी हमारें लोगों का सहयोग है हमारे प्रतिपक्ष के नेता कल तमाम बातें बोल रहे थे। तो जिस तरह से हम लोगों की नीति है। 25 नीतियां जो हम लोगों ने बनाई है उनको देख करके और एक उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को देख करके आज तमाम तरीके से हमारे उत्तर प्रदेश में निवेशक आ रहें है। उसी के चलते आज हम लोग उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने में लगातार प्रयासरत है।

मान्यवर, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। आप भी एक देश में गये थे। जब मैं मंत्री बनाया गया तो उत्तर प्रदेश में खादी, एम0एस0एम0ई0, हथकरघा तथा वस्त्र उद्योग का हमें दायित्व मिला। उत्तर प्रदेश में जब इतना बड़ा इन्वेस्ट आया तो मा0 मुख्य मंत्री जी ने हम लोगों को निर्देश दिये कि आप उत्तर प्रदेश में लैण्ड बैंक की तैयारी करिये। पूरे उत्तर प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 के जो औद्योगिक स्थान थे हम लोगों ने उसकी छानबीन की और छानबीन करने के उपरान्त हम लोगों ने पाया कि इस तरह के तमाम लैण्ड पर लोगों ने अभी तक इण्डस्ट्री नहीं लगायी और तमाम खाली पड़े हैं। इण्डस्ट्रियल पार्कों को जब हम लोगों ने नोटिस देना शुरू किया तो एक खलबली सी मची। मा0 मुख्य मंत्री जी ने यह कहा कि जितने इन्वेस्टर आये है हमें हर तरह से उनको लैण्ड मुहैया करानी है और उसी के चलते हम लोगों ने नीतियाँ बनायी और हम लोगों ने पाया कि आज फतेहपुर में जो एक बड़ा स्टंट शुरू हुआ। 2012 में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी उस समय, हमको पता नहीं, हमारी संस्थाओं को मालूम नहीं, उस समय 2012 में 72 प्लाटों का आवंटन हुआ। 2012 से 2017 तक समाजवादी पार्टी की सरकार थी और समाप्त भी हो चली लेकिन नहीं पता चला। 2017 से 2022 तक और 2022 में 11 महीने से मंत्री होने के बाद भी हमें पता नहीं चला। मा0 मुख्य मंत्री जी ने इन्वेस्टर्स समिट के बाद जब समीक्षा बैठक की, उसमें हम लोगों को जब इसका पता चला तो हमने ही उसका खुलासा किया, मीडिया के लोगों को बताया और संस्था के द्वारा हम लोगों ने लिखकर भी दिलाया कि जब हमने न दस्तखत किया न कहीं मांग की, उसके बाद भी इतने प्लाट 11 वर्षों से आवंटित पड़े रहे, किसी ने उसकी सुधि नहीं ली। उसमें जाँच में यह पाया गया कि जिस तरह से उसमें अधिकारियों का दोष है तो उसमें एक कमेटी का गठन करके जांच का निर्णय लिया गया है। इसमें विभागीय स्तर पर जो भी अधिकारी दोषी होंगे उन पर कार्यवाही होगी और तत्काल से उन भूखण्डों का निरस्तीकरण कराकर आने वाले उद्यमियों को उसका

आवंटन कराने की प्रक्रिया हम लोग शुरू करेंगे। इसी के साथ-साथ आज जिस तरह से हमारे पास भूमि की जो मांग है उसी के चलते हमने एक प्लेज स्कीम भी जारी की है जिसमें 10 एकड़ से लेकर 50 एकड़ तक कोई भी उद्यमी अगर अपना उद्यम लगाना चाहता है तो हम लोग उसको आगे बढ़ाने में पूरी मदद करते हुये 01 परसेंट ब्याज पर उसको धनराशि देकर उस पार्क को विकसित कराने में मदद करने का काम करेंगे। इसी तरह एम0एस0एम0आई0 में भी हम लोगों ने 7 करोड़ से 14 करोड़ तक 02 करोड़ पर प्रति वर्ष 50 परसेंट अवस्थापना का धन निर्गत करने की स्कीम बनाई है। मान्यवर, हम लोगों के बहुत सारे प्रस्ताव आ रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, धन्यवाद। अब आप समाप्त करें।

श्री राकेश सचान-

मान्यवर, मैं समय पर ध्यान दे रहा हूँ, लेकिन आप मुझे दो मिनट और सुन लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, सभी के लिये एक ही नियम है। श्री आकाश सक्सेना जी, आप बोलिये।

(सदस्य श्री आकाश सक्सेना बोलने के लिये अपने स्थान पर खड़े हो गये।)

श्री राकेश सचान-

मान्यवर, मैं केवल दो मिनट और बोलूँगा। बहुत महत्वपूर्ण बात है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, मेरे लिये कठिन हो जायेगा। सभी बातें महत्वपूर्ण हैं। मेरा निवेदन सुन लीजिये। मैंने इसीलिये सभी लोगों के लिये बोला था कि जो बात महत्वपूर्ण है वह पहले कह लें, लेकिन आप महत्वपूर्ण के लिये बाद में इंतजार करते रहे। मैंने सबके लिये समय निर्धारित किया है और पूरे हाउस के लिये वह बराबर है। मैने पहले कह दिया था कि मा0 मंत्री लोग 10 मिनट बोलेंगे और मा0 सदस्य 07 मिनट बोलेंगे। सभी लोग उसका पालन करें।

(इस मध्य सदस्य श्री आकाश सक्सेना द्वारा बोलने के लिये अपने स्थान पर खड़े रहने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 आकाश जी, आप कृपया एक मिनट बैठ जायें। मुझे मा0 मंत्री जी को बैठने के लिये दो बार कहना पड़े तो यह शोभा नहीं देता।

श्री राकेश सचान-

मान्यवर, जो संस्थाएं चल रही है, जिसका सन्दर्भ आया है उसी बारे में मैं बोलना चाह रहा हूँ।

श्री अध्यक्ष-

कौन सी संस्थाएँ चल रही है ? आपको कोई सफाई देने की जरूरत नहीं है, मुझे मालूम है जो होगा सही होगा।

श्री राकेश सचान-

मान्यवर, जो सस्थाएँ चल रही हैं उन्हीं के बारे में मैं बोलना चाह रहा हूँ, हमें थोड़ा समय दे दीजिए। हम लोगों ने 20 बीघे में मेडिकल कॉलेज बनाया है। 2015 में हम लोगों ने विद्यालय बनाया था जहां पर प्रति वर्ष टॉप टेन की सूची में बच्चे आते हैं। 2015 में उस विद्यालय ने मान्यता प्राप्त की और 2018 में एक छात्र दीपक पाल की टॉप टेन में पोजीशन आई, 2020 में शोभित और 2022 में उत्तर प्रदेश की पहली पोजीशन हमारी संस्थाओं की है। राजा यादव, शिवा की टॉप टेन में पोजीशन आई है। इस तरह से जो लगातार हम लोगों का सामाजिक जीवन में काम हो रहा है, जिस तरह से हम लोग प्रयास कर रहे हैं, जिस तरह से शिक्षा को बढ़ावा देने का काम कर रहे और लगातार जिस तरह से एक सुनियोजित तरह से सदन में बाते उठी हैं कि बदनाम करने की साजिश से जिस तरह से प्रयास किया जा रहा है इस पर आपको भी गौर करने की जरूरत है, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री आकाश सक्सैना (हनी)-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने हमें सदन में बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। मैं सदन में अनुभव में सबसे छोटा हूँ, सभी को मेरा सादर प्रणाम। मैं इस सदन में महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर समर्थन के लिए खड़ा हूँ। मुझे उम्मीद है कि सभी सदस्य मेरी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे और अगर मुझसे कोई भूल-चूक हुई तो उसे नजरअंदाज करें।

श्री अध्यक्ष-

श्री आकाश जी पहली बार बोल रहे हैं, यह पिछले दिनों रामपुर से चुनकर आए है। यह इनकी पहली स्पीच है।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों के द्वारा मेजें थपथपाई गयी।)

श्री आकाश सक्सैना-

महोदय, मैं उस रामपुर से चुनकर आया हूँ जो राजा रामसिंह कठेरिया की धरती है। मैं उस रामपुर से आता हूँ जिसका अपना एक अलग इतिहास है, अपना एक गौरव है। यह वही रामपुर है जहां राजघाट के बाद गांधी जी की अस्थियाँ है और यह वही रामपुर है जहां गांधी जी की टोपी भी बनायी गयी। वह वही रामपुर है जहां कि गलियों में गालिब सुकून पाते थे और कहते थे कि ये रामपुर है द्वार उस सुरूर मदहोश करने वाली जगह को द्वार उस सुरूर कहा जाता है। लेकिन गालिब को क्या पता रहा होगा कि मदहोश करने वाली जो जगह

है वह किसी दिन बदनामी का सबब बन जायेगी। यह वही रामपुर है जिसने अख्तरी बाई फैजाबादी को बेगम अख्तर बनाया, यह वही रामपुर है जहां की हाथ की बनी वॉयलेन और दुनिया में मशहूर है।

(इसी मध्य 04 बजकर 32 मिनट पर अधिष्ठाता श्री इन्द्रजीत सरोज पीठासीन हुए)

एक तरफ जहां रामपुर-सहसवान घराना पूरी दुनिया में मशहूर है तो यहां की पतंग आसमान को इन्द्रधनुष बनाती है। यह वही रामपुर है जहां 1857 में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लखनऊ और दिल्ली छोड़ कर आए सरकारों को पनाह मिली थी। यह वही रामपुर है जहां दुनिया की 10 लाइब्रेरी में शुमार रामपुर की रजा लाइब्रेरी है। रजा लाइब्रेरी की खासियत यहां पर हजरत अली के हाथ से लिखे कुराने पाक है तो यहां पर राजा सुमेरचन्द्र की फारसी में लिखी हुई रामायण है। यह सब बातें मैं आपको बता रहा हूँ तो आप चौंक रहे होंगे क्योंकि इससे पहले सदन में कभी रामपुर के बारे में किसी ने कुछ नहीं बताया होगा। चौकना लाजमी भी है क्योंकि कौन बताना चाहता था कि रामपुर का इतिहास इतना सुन्दर था। आपने इस रामपुर के किस्से जरूर सुने होंगे लेकिन उन किस्सों में कभी राजाराम सिंह कठेरिया का जिक्र आपने कभी नहीं सुना होगा। क्योंकि उन्हें सुनाने वाले वही थे जिन्होंने रामपुर के पूरे बगीचे को उखाड़ फेका। उनकी जुबान पर कभी भी राजाराम सिंह कठेरिया का नाम तक नहीं आया क्योंकि रामपुर में उनकी अपनी एक हुकूमत थी और वह अपने आप को आली जनाब कहना पसन्द करते थे। उनका अपना एक अलग कानून था जिसके लिए तब के प्रदेश के मुखिया भी कहा करते थे कि रामपुर तो केन्द्र शासित जिला है जहां हम कुछ नहीं कह सकते हैं। महोदय, महामहिम राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में कहा था कि हमारी सरकार छात्र-छात्राओं के लिए 63 संस्थाओं में स्मार्ट क्लासेस की स्थापना कर चुकी है और शेष में स्मार्ट क्लासों की स्थापना करने जा रही है। सरकार 52 नए राजकीय पॉलिटेक्निक का निर्माण करने जा रही है।

हमारी सरकार तो शिक्षा के लिये इतना कुछ कर रही है। यह भी देखना जरूरी होगा कि यहां पहले क्या हुआ ? मैं एक बार फिर अपनी बात अपने जिले रामपुर की तरफ लेकर जा रहा हूं। महोदय, यह वही रामपुर है जहां एक वक्त पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा स्कूल, कालेज और मदरसे हुआ करते थे। यहां 1774 में मदरसा आलिया नाम की एक यूनिवर्सिटी हुआ करती थी। अरब देशों और मिस्र तक उसकी डिग्री की मान्यता हुआ करती थी। आपको कभी मौका लगे तो रामपुर की रजा लाइब्रेरी में तब के मजर डाक्यूमेन्ट आज भी रखे हुए हैं। जिस पर यह लिखा हुआ था कि इस यूनिवर्सिटी को किसी भी सरकार द्वारा बन्द नहीं किया जायेगा। अब पता लगाने की जरूरत है कि उस यूनिवर्सिटी का क्या हुआ ? जिस यूनिवर्सिटी में अरबी, फारसी की बेशकीमती किताबें रखी हुई थीं। इनका पता लगाने की जरूरत है और इसके लिए एक बार रामपुर आना पड़ेगा। कुछ साल पहले रामपुर के आली जनाब की ट्रस्ट को मात्र एक रुपये साल पर दे दिया। वहां की किताबें उनके म्यूजियम की शोभा बढ़ाती हैं। मैं आप

लोगों को यह बातें इसलिए बता रहा हूं क्योंकि यह बातें आपको कभी नहीं पता लगी होंगी। यह बातें आप लोगों को बताना बहुत जरूरी है। आली जनाब लोक सभा में खड़े होकर यह बयान देते थे कि मैं अपने स्कूल में बच्चों को 20 रुपये में पढ़ाता हूं। जानने का विषय यह है कि 20 रुपये दिन या 20 रुपये महीने, 20 रुपये साल या 20 रुपये घण्टे में पढ़ाते हैं। यह बहुत गम्भीर विषय है।

मान्यवर, पिछले दो-तीन दिन से विपक्ष के सदस्य सरकारी पैसे के दुरुपयोग का मामला उठा रहे थे। सरकारी पैसे का दुरुपयोग क्या होता है, इसके लिए आपको रामपुर आकर देखना होगा। मान्यवर, साढ़े तीन किलोमीटर लम्बा एक पुल आली जनाब बनवाते हैं। वे कहते हैं कि यह उत्तर प्रदेश का सबसे लम्बा और सबसे महंगा पुल है। जिसका जश्न लगभग 7 दिनों तक रामपुर में मनाया जाता है। आली जनाब यह नहीं बताते कि यह दुनिया का एक ऐसा पुल है जिसके नीचे से न तो कोई रेलवे लाइन जाती है, न कोई नदी जाती है, न कोई नहर जाती है। यह पुल आली जनाब की सवारी को उनके घर से उनके ट्रस्ट तक छोड़ने के लिए बनाया गया है। मैं यह बताना चाहता हूं। हमारे माननीय सदस्य विधायक निधि का मामला उठा रहे थे। मैं इनको थोड़े टाइम पीछे ले जाना चाहता हूं। इन सबको वह दिन याद करना चाहिए जब आली जनाब ने अपनी यूनिवर्सिटी में बुलाकर जितने विधायक, एम0एल0सी0 और राज्यसभा के मेम्बर थे। उन सबसे अपनी ट्रस्ट के नाम जबरदस्ती विधायक निधि का एक बड़ा हिस्सा लिया था। तब आप लोग कहां थे ? तब आपका विरोध कहां था ? इसके अलावा एक महत्वपूर्ण किस्सा और बताना चाहता हूं। उस वक्त सरकार के श्रम मंत्री श्री शाहिद मंजूर साहब ने आली जनाब की यूनिवर्सिटी का 2 हजार करोड़ रुपये का आकलन करते हुए उन पर 20 करोड़ रुपये सेस लगा दिया। यहां से फरमान भेजा गया। पहले ढूंढते रहे कि किस अधिकारी द्वारा सेस का नोटिस भेजा जाये। बड़ी मुश्किल से यादव जी अधिकारी तैयार हुए लेकिन आज तक यह नहीं पता चला है कि वह यादव जी कहां हैं। लखनऊ पहुंचने से पहले ही उनको बर्खास्त कर दिया जाता है।

श्रीमन हमारे रामपुर को एक जमाने में उद्योग नगरी कहा जाता था। कानपुर के बाद हमारे रामपुर का नम्बर आता था क्योंकि यहां बड़े-बड़े उद्योग हुआ करते थे। यहां टैक्सटाइल हुआ करती थी। यहां रजा शुगर फैक्ट्री हुआ करती थी और यहां देश में चलने वाली सबसे अच्छी हंसा साइकिल फैक्ट्री हुआ करती थी लेकिन आली जनाब ने अपनी राजनीति को चमकाने के लिए एक-एक करके वहां की फैक्ट्रियों को बन्द करवाना शुरू कर दिया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज वहां के जुल्म देखकर मेरा दिल रो उठता है। मैंने भी आवाज उठाई थी। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि जिस तरीके के जुल्म उस समय में हुए थे। उस समय की जो फैक्ट्रियां बन्द हुई थीं उसको दोबारा चलाने के लिए सरकार प्रयासरत है।

श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की बहुत चर्चा है कि 33 लाख 50 हजार करोड़ इन्वेस्ट होंगे और चर्चा यह भी 19000 से ऊपर के प्रस्ताव भी हैं और 94 लाख लोगों को नौकरी मिलेगी। मैं बस इतना जानता हूं यह एक स्वप्न और मुंगेरी लाल के एक हसीन सपने जैसा है। आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि एक यू0पी0एस0एस0आर0 रिनेवल एनर्जी ने 500 करोड़ का प्रस्ताव किया है और आपने वहां एक नोडल अधिकारी भी बना दिया है। नोडल अधिकारी से बात करने पर पता चलता है कि वहां अभी लैंड का नोटिफिकेशन ही नहीं हुआ है और हम जब दूसरी-तीसरी बार मिलने के लिए ट्राई करते हैं तो कह देते हैं कि वह छुट्टी पर गये हैं। इसमे जो नोडल अधिकारी बनाये गये है उनको जानकारी नहीं है। इन सब कार्यों के लिए इनके पास क्रियान्वयन की कोई टीम नहीं है इसलिए मेरा मानना है यह एक सपने की तरह होगा जैसा पहले भी हुआ है मेरा तो यही मानना है। यहां गन्ना मंत्री जी बैठे हैं और 6 वर्ष से सरकार चल रही है और इन्होंने चुनाव के वक्त सिर्फ एक बार गन्ने पर 25 रुपये बढ़ाये हैं और आजादी के 75 वर्ष में लगातार जितनी भी सरकारें रही हैं कुछ न कुछ हर सरकार ने बढ़ाया है। मैं किसी सरकार की आलोचना नहीं करता हूं। इनके द्वारा एक रिकार्ड बताया गया है कि 1 लाख 96 हजार करोड़ का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान हम लोगों ने किया है। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि रिकार्ड तो है लेकिन वह गन्ना भुगतान न करने का रिकार्ड है। जनपद बस्ती की हमारी विधान सभा क्षेत्र रुधौली में अठदमा रुधौली चीनी मिल है इसका पिछले साल का बीस करोड़ बकाया है और इस वर्ष का सिर्फ तीन दिन का भुगतान किया है और 120 करोड़ रुपये बकाया है। वाल्टरगंज चीनी मिल पर 58 करोड़ का बकाया है पिछले 6 वर्ष से तो मैं निवेदन करूंगा मा0 मंत्री जी से कि बकाया दिलवाने का काम करें और आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि वाल्टरगंज चीनी मिल चलवाने का भी काम करे। सरकार ने कहा है कि 2021 में हमने 120 मिल चलायी और 2022 में 117 चीनी मिल चलायी तो अगर चीनी मिल की संख्या घट रही है तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार का किसानों के प्रति कितना लगाव है। जंगल में जो छुट्टा पशु घूम रहे हैं और किसान स्वयं की व्यवस्था से अपने खेतों की सुरक्षा के लिए बैरीकेटिंग करना चाहता है तो कम से कम मुकदमा न लगाने का काम करें यही किसानों के लिए बेहतर होगा साथ-साथ में कहना चाहूंगा यहां स्वास्थ्य मंत्री जी हैं और लगातार बात हो रही है स्वास्थ्य के सम्बन्ध में तो इतना कहना चाहूंगा कि स्वास्थ्य की स्थिति बहुत खराब है। हमारी विधान सभा क्षेत्र में सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 जितनी भी हैं सबकी स्थिति बहुत खराब है किसी में टैक्नीशियन नहीं है तो किसी में एक्स-रे मशीन नहीं है किसी में डॉक्टर नहीं है किसी में दवा नहीं है और न ही किसी में सुचारू रूप से कार्य हो रहा है। मैं ऊर्जा मंत्री जी से इतना कहना चाहता हूं कि जो आपकी घोषणा है और जो आप बिजली दे रहे हैं वो दें या कम दें लेकिन

विजिलेंस की टीम है उसकी वसूली बंद करा दे। ये लोग फर्जी फोटो खीचे और वहां से निकले बाद में पता चलता है कि कुछ लोगों को धीरे से उतार दिये ये बताने के लिए हमारे बाद देख लीजिएगा और नंबर दे दीजिएगा संपर्क कर लेंगे और भारी धन की बात करके धीरे से सेटेलमेंट कर लेते है। मैं शिक्षा के मामले में कहना चाहता हूं। यह सरकार पिछड़े और दलितों की शिक्षा को बाधित करने का प्रयास कर रही है। पिछली सरकार के दौरान पिछड़े समाज के जो बच्चे गरीबी रेखा से नीचे आते थे उच्च शिक्षण संस्थानों में उनकी फीस की प्रतिपूर्ति की जाती थी। आज इसका बजट घटा दिया गया है। 25 करोड़ की आबादी में पिछड़े समाज के एक करोड़ से ऊपर बच्चे अध्ययन करते हैं, जबकि उसमें प्राविधान 2700 करोड़ का है। मैं कहना चाहता हूँ कि आज उसमें भी क्राइटेरिया बना दिया गया है कि हम ज्यादा मार्क वालों को ही प्रतिपूर्ति देंगे और उनको भी प्रतिपूर्ति आधा-अधूरा ही देंगे। चाहे समाजवादी पार्टी की सरकार रही हो या उससे पहले की सरकार रही हो, उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित एवं वंचित समाज का प्रवेश शून्य पर होता था जिसके कारण 100 में कम से कम 25, 28, 30 प्रतिशत लोग प्रवेश ले लिया करते थे। आज सरकार कह रही है कि आप पहले पैसा देकर पढ़ो फिर आपको साल भर बाद पैसा वापस करेंगे जिसके कारण गरीब पढ़ नहीं पा रहा है और उसकी शिक्षा बाधित हो रही है। आज स्थिति यह है कि उस एस0सी0 वर्ग से 10 परसेण्ट लोग भी नहीं पढ़ पा रहे हैं। शिक्षा से वंचित करके आप इस व्यवस्था को खराब करना चाहते हैं और बाबा साहब के सपने शिक्षित बनो को चकनाचूर करना चाहते हैं। मैं इसे इस प्रकार से कहना चाहता हूँ कि-

''नौजवानों को शिक्षा से वंचित कर सभी जहाज बड़े इत्मिनान से डुबोये जा रहे हैं,
श्रमिक, समूह, सखी बनाकर लोग रैलियों, मेलों में बुलाये जा रहे हैं।
हे आदमी, तू लेता रहे मुफ्त का अनाज एवं चंद पैसे का आनन्द,
तेरे बच्चे जिस्म से नहीं दिमाग से अपाहिज बनाये जा रहे हैं''।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, कृपया आप समाप्त करें।

श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने विधान सभा क्षेत्र की ओर दिलाते हुए जनहित के कार्य कराये जाने की मांग करता हूँ। हमारे विधान सभा क्षेत्र की सरयू नहर परियोजना में गरया नाले की खुदाई एवं कड़ही एवं चोंगरी जाने वाले मार्ग पर पुल की आवश्यकता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में 100 बेड के सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल का निर्माण कराये जाने की आवश्यकता है। हमारे यहां पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 पर डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों पर शीघ्र तैनाती कराने की आवश्यकता है। हमारे

यहां भानपुर, दरियापुर, अड़वाघाट, गौरा चौकी, गोण्डा जाने वाले मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने की आवश्यकता है। रिखिया, हथियवा, सिसवा मुगल मार्ग, रौना कला-सिसवारी मुगल मार्ग, करमहिया बलाकडीह मार्ग का निर्माण कराया जाना आवश्यक है। सोनहा, शिवघाट मार्ग, विशुनपुरवा मार्ग, पड़िया, हनुमानगंज-सुरवार मार्ग, दसिया, सिहबरा-सल्टौआ गोपालपुर मार्ग, भानपुर, दरियापुर-अड़वाघाट, गौरा चौकी, गोण्डा जाने वाले मार्ग को बनाया जाना आवश्यक है। हनुमानगंज बाजार और सल्टौआ बाजार को नगर पंचायत बनाया जाना अति आवश्यक है। सरयू नहर की खण्ड खलीलाबाद शाखा की पटरी को पक्की सड़क बनाया जाना अति आवश्यक है। मैं इस बुल्डोजर की सरकार के विषय में चंद पक्तियाँ कहकर अपनी बात को समाप्त करता हूँ-

''पूरी जिंदगी लग जाती है एक आशियाना बनाने में,
इन्हें शर्म नहीं आती, बस्तियाँ जलाने में,
जलते घर को देखने वालों, फूस का छप्पर आपका है
आग के पीछे तेज हवा है, आगे मुकद्दर आपका है।
उसके कत्ल पर मैं भी चुप था, मेरा नम्बर अब आया।
मेरे कत्ल पर आप भी चुप है, अगला नम्बर आपका है।''

श्री सभाकुँवर-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूलमंत्र के साथ प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाना चाहती है। हमारी सोच है सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत। इस आधार पर हमारी सरकार पूरे प्रदेश का विकास करना चाहती है। इसमें कोई भेद-भाव नहीं है और सबका विकास करना चाहती है। चूंकि चारों तरफ इस बात की चर्चा हो रही है कि देश और प्रदेश की हमारी सरकार सभी क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। पहले जनपद देवरिया से जनपद लखनऊ के बीच में केवल एक मेडिकल कालेज हुआ करता था लेकिन दोनों के बीच में अनेक मेडिकल कालेजों का निर्माण हो चुका है और प्रदेश के हर जनपद में मेडिकल कालेज का निर्माण हो रहा है। 70 वर्षों तक पूरे देश में केवल एक एम्स काम करता था, लेकिन आज देखेंगे तो पायेंगे कि अकेले उत्तर प्रदेश में ही गोरखपुर का एम्स और रायबरेली का एम्स काम कर रहा है। हमारे गोरखपुर में 30 सालों से खाद का कारखाना बंद पड़ा था जिसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी तो हमारे प्रधानमंत्री जी और मुख्य मंत्री जी ने 30 वर्षो से बंद पड़े खाद के कारखाने को चलाने का काम किया है।

जहाँ प्रदेश में अनेकों एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। आप जानते हैं कि पिछली सरकारों में किसानों का गन्ना मूल्य का भुगतान किस तरह से हो रहा था लेकिन मा0 मंत्री जी ने उस दिन बताया था कि गन्ना किसानों का अब तक 30 प्रतिशत भुगतान हो गया है। इसलिए हम कहना चाहते हैं कि हमारी सरकार ने चाहे किसान हो, नौजवान हो, बेरोजगार हो सबके लिए काम कर रही है। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि मैं पहली बार विधान सभा में चुनकर आया हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के आखिरी छोर पर आती है। मेरी विधान सभा क्षेत्र बिहार से तीन तरफ से घिरी हुयी है और मेरे पूर्व के जो जनप्रतिनिधि थे वह 5-7 बार वहाँ प्रतिनिधित्व किये हैं। वह धनबल और बाहुबल के आधार पर चुनाव जीतते थे। इसलिए जनसमस्याओं से उनका कोई सरोकार नहीं था। कभी उन्होंने जिले को आगे बढ़ाने के लिए नहीं सोचा था। उनको सिर्फ धनबल और बाहुबल पर विश्वास था। लेकिन पहली बार उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने मुझे वहाँ से उम्मीदवार बनाया और वहाँ की महान जनता के आशीर्वाद से मैं विधान सभा में चुनकर आया हूँ। आज इस सदन के माध्यम से मैं अपनी महान जनता के चरणों में नतमस्तक हूँ। उनको प्रणाम करता हूँ। आपसे कहना चाहता हूं कि विकास के सारे काम प्रदेश में चारों तरफ हो रहे हैं। मेरे इलाके में भी वर्ष 2017 के पहले एक भी ऐसी सड़क नहीं थी जो पांच किमी0 तक समतल हो लेकिन आदरणीय मोदी जी के आने के बाद आदरणीय योगी जी के आने के बाद हमारे इलाके की सभी सड़कें बनकर तैयार हो गयीं। लेकिन कुछ काम जो पिछले 30-40 सालों से बिगड़े हुये थे, हमारा इलाका पिछड़ा हुआ था। इसलिए कुछ काम बाकी हैं। मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से यह आग्रह करूंगा कि हमारे उन कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाये। हमारे यहाँ भाटपार रानी नगर पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है वह आजादी के समय से बना हुआ है। उसका उच्चीकरण नहीं हुआ है। एक सी0एच0सी0 खण्डहर कब्रिस्तान में 35 साल पहले बना था। वहाँ कभी कोई डाक्टर या कम्पाउंडर नहीं गया। 35 साल बाद वह सी0एच0सी0 ध्वस्त हो गयी। वहाँ के जिलाधिकारी ने दो-तीन बार लिखकर भेजा। इसलिए मैं यह मांग करता हूँ कि भाटपार रानी के पी0एच0सी0 को सी0एच0सी0 में उच्चीकृत किया जाये। जिससे वहाँ की स्वास्थ्य सेवा ठीक हो सके। हमारे यहाँ भाटपार रानी में जल निकासी की समस्या है। मास्टर प्लान बनाकर इसका निदान किया जाये। हमारे यहाँ एक भी राजकीय पालीटेक्निक नहीं है हमारी मांग है कि मेरी विधान सभा में एक राजकीय पालीटेक्निक बनाया जाये। मेरे विधान सभा क्षेत्र में बंगरा बाजार एक जगह है जहाँ महात्मा गाँधी आन्दोलन के समय गये थे। वह ऐतिहासिक जगह है। उस इलाके में हल्दी की खेती होती है लेकिन वहाँ कोई व्यवस्था न होने के कारण हल्दी की खेती मर रही है। मेरा सरकार से आग्रह है कि मेरे क्षेत्र में हल्दी आधारित उद्योग लगाकर वहाँ के किसानों से हल्दी खरीदने और हल्दी से उत्पादित सामान बनाने का काम करे। मान्यवर, मेरे यहाँ बेलपार में 112 नं0 रेलवे क्रासिंग गेट है उसमें सारी प्रक्रिया होकर शासन में लम्बित है। मैं चाहूंगा कि इसे स्वीकृत करके उपरिगामी सेतु का निर्माण कराया जाये। मेरे यहाँ विकास खण्ड भाटपाररानी है वहाँ का

कार्यालय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसमें सभी औपचारिकता होकर प्रस्ताव शासन में लम्बित है इसको स्वीकृत करके एक नया विकास खण्ड का कार्यालय बनाया जाये। हमारे इलाके में खनुआ नदी है उस पर चखनी घाट पर एक पुल की जरूरत है उसी नदी पर सरया तथा केहुनिया पर नया पुल का निर्माण कराया जाये। मान्यवर, केरवनिया घाट पर पुल जो 1977 में बना हुआ था वह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इस पुल को नये सिरे बनवाने की आवश्यकता है। इसलिए उस पुल को बनवा दिया जाये। हमारे इलाके में बिजली के तार बहुत जर्जर हो गये थे। आधे से ज्यादा तार बदल दिये गये, ट्रांसफार्मर की वृद्धि हो गयी है लेकिन शेष बचे हुये जर्जर तारों को बदलने के लिए और ट्रांसफार्मर क्षमतावृद्धि की मांग करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें।

श्री सभा कुंवर-

मान्यवर, इन्हीं शब्दों के साथ आपका अभिवादन करते हुये अपनी वाणी को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

श्री श्यामधनी राही-

मान्यवर, महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद महोदय, अपना प्रस्ताव रखना चाहते हैं एवं बोलना चाहते हैं। भारत देश को आजाद हुए 75 वर्षों हो गये है इन 75 वर्षो में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकाल छोड़ दिया जाए तो तमाम ऐसे गांव थे जहां विद्युतीकरण नहीं हुआ था। जब जाकर मा0 नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने तब तमाम गांवों का विद्युतीकरण हुआ और भारत माँ की एकता और अखण्डता सुनिश्चित हुई। करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक गोरखपुर की पीठ के पीठाधीश्वर उत्तर प्रदेश के यशस्वी परमपूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी जब मुख्य मंत्री बने तब हिंदु धर्म, संस्कृति का मान-सम्मान बढ़ा। 'वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का भगवा ध्वज प्यारा, छत्रशाल गुरू गोविन्द सिंह का यह निशान प्यारा, देश धर्म पर बलि-बलि जावें का आवाह्न करें, केसरिया ध्वज फहरे, केसरिया ध्वज फहरे'। तमाम माताएं एवं बहनें कण्डा एवं लकड़ी पर खाना बनाती थी, उनकी अल्प आयु में ही आंखें खराब हो जाती थीं। ऐसे लोगों के लिए मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं परमपूज्य योगी जी ने उन्हें फ्री गैस सिलेंडर देकर नारी का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। पूर्ववर्ती सरकारों में आए दिन गौ-माताओं की हत्या होती थी, शक्ति स्वरूप देवियों के साथ दुराचार होता था। परमपूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी के कार्यकाल में नारी का सम्मान हो रहा है। शौचालय देकर नारी का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। ऐसे लोग जो पन्नियों के नीचे अपना जीवन-यापन कर रहे थे, ऐसे लोगों को प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्य मंत्री आवास देकर छत के नीचे लाने का काम आदरणीय प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्य मंत्री जी ने किया है। पूर्वाचल में तमाम नौजवान

पलायन कर रहे थे उन्हें रोकने के लिए, उन्हें बैंकों से ऋण दिलाकर उनके हाथों में काम देने का काम आदरणीय प्रधानमंत्री जी एवं परमपूज्य मुख्य मंत्री जी ने किया है। हिन्दू समाज का पांच सौ वर्षो का सपना कि अयोध्या में श्रीराम का भव्य मन्दिर बनें। मा0 प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में श्रीराम मन्दिर का निर्माण शुरू हुआ और भगवान श्रीराम का मन्दिर भव्य बन रहा है। हिन्दू समाज के भारत माँ के नौजवानों ने बाबरी मस्जिद को विध्वंस किया था। समाजवादी पार्टी के लोगों ने उस समय उन नौजवानों के सीने में ए0के0 47 एवं ए0के0-56 की गोलियां चलाकर सरजू माता के जल को रक्तरंजित किया था। 'रामकृष्ण अर्जुन के रथ का बलिदानी ज्योतिर्मय पथ का, तपस्या ध्यान-ग्यान का, चिरनिशान फहरे, केसरिया ध्वज फहरे, केसरिया ध्वज फहरे, केसरिया ध्वज फहरे'। भारत माँ की एकता एवं अखण्डता के लिए, चाहे गर्मी हो, चाहे ओलावृष्टि हो, चाहे बरसात हो, नौजवान जब सीमा पर खड़े होते थे तो यही पूर्ववर्ती सरकारों के प्रधानमंत्री कहते थे कि अगर सीमा पार से गोली आ रही है तो आपको गोली नहीं चलानी है क्योंकि उनके हाथों में अच्छे शस्त्र नहीं थे लेकिन मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने दीपावली एवं अन्य अवसरों पर सीमा पर जाकर उन नौजवानों के मनोबल को बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

जनपद सिद्धार्थनगर की कपिलवस्तु विधान सभा क्षेत्र से शांति और अहिंसा का संदेश पूरे विश्व में गया था। परमपूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी के आशीर्वाद से वर्ष 2017 में चुनकर आया और पुनः उन्हीं के आशीर्वाद से वर्ष 2022 में चुनकर आया हूँ। बंधुओं लोग कहते हैं कि हत्याएं हो रही हैं हम भी कहना चाहते है कि वर्ष 2004 में मेरी विधान सभा क्षेत्र के इशुपुर चौराहे पर दो यादवों इन्द्रजीत यादव और साहब यादव की हत्या दिनदहाड़े समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में हुई थी। यही पी0डब्ल्यू0डी0 के मंत्री जो आज इस सदन के सदस्य है यह हेलीकाप्टर से गए थे और उन हत्यारों को 25-25 हजार रुपए देकर वापस आ गए थे। जब यह अपनी जाति-बिरादारी की सुरक्षा नहीं कर सकते हैं तो आम लोगों की क्या सुरक्षा करेंगे। हमारे समाज कल्याण मंत्री मा0 असीम अरूण जी हमारे यहां एस0पी0 थे, लेकिन ऐसी धाराओं में केस दर्ज किया था कि वह अब तक जेलों में सड़ रहे हैं और आज वही कानून हमारे परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी चला रहे हैं। तमाम आतंकवादी और नक्सलवादी जेलों में सड़ रहे हैं। मेरे बंधुओं 'क्या तूफान मिले राहों में आंधी भी करें मिलन बाधा कितनी आ जाए, पर पथ से करे नहीं विचलन' मैं पुनः आपका स्वागत और अभिनन्दन करते हुए परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी के चरणों में स्वागत अभिनन्दन करते हुए ''खिलेंगे जिंदगी के सुमन चाहे गम की घटाओं से घिर जाएंगे कोई कटे तो गर्दन कटेगा नहीं कोई दामन फैलाए तो रूक जाएंगे'' जय हिंद, जय भारत, जय परम पूज्य योगी आदित्यनाथ।

श्री संदीप सिंह-

अधिष्ठाता महोदय, आपने हमें राज्यपाल जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया इसके लिए हम आपका आभार प्रकट करते है और अपने आपको अपने

नेता प्रतिपक्ष द्वारा रखे गए संशोधन प्रस्ताव से जोड़ते हुए और साथ में उन तमाम समाजवादी साथियों के संशोधन प्रस्ताव से जोड़ते हुए मैं अपनी बात रखना चाहता हूं। सम्मानित साथियों मैं बहुत दिनों से राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा सुन रहा था मुझे एक कविता याद आती है अमरकांत जी की जिन्होंने कहा था की ''गरीबी और अशिक्षा कुछ नहीं करने देती इससे लोग मजबूरी में अंधविश्वासों का शिकार हो जाते हैं'' मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूं कि अभी तमाम राजनीतिक दल के नेता लोग बोल रहे थे, उसमें अपना दल सोने लाल के नेता बोल रहे थे और उसमें तमाम भाजपा सहयोगी दलों के नेतागण बोल रहे थे उन्होंने क्रेडिबिल्टी पर सवाल उठाया मैं सबसे पहले इस सदन के माध्यम से आदरणीय अधिष्ठाता महोदय आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जिस व्यक्ति को अपने दल का नामकरण डा0 सोने लाल पटेल के नाम पर करने के बाद हम लोगों के आदर्श डॉ0 सोने लाल पटेल जी जिनको मैं सदन के माध्यम से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और कहना चाहता कि जब उनकी क्रेडिबिल्टी अपने नेता डॉ0 सोने लाल पटेल जी के प्रति नहीं है तो मैं समझता हूं कि उनकी क्रेडिबिल्टी पर बोलने का कोई औचित्य इस सदन में नहीं होता है उनको सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है। हमारे नेता प्रतिपक्ष के बारे में बोल रहे थे मैं उनसे कहना चाहता हूं कि इसके पहले जब हम चुनाव मैदान में गए थे तो उसी दल के नेता ने मंचों पर जाकर पिछड़े वर्ग की वकालत की थी और उन्होंने कहा था कि हमें मौका दे दो दोबारा सरकार बना दो हमारे गठबंधन की अगर हमारी सरकार बनेगी तो 69 हजार शिक्षक जो आरक्षण के आधार पर पिछड़े दलितों को हटाया गया है हम आयोग की रिपोर्ट के आधार पर उनका समायोजन करने का काम करेंगे।

आज सरकार के लगभग एक साल पूरे हो गए मैं सवाल करना चाहता हूं ऐसे लोगों से जिन्होंने मंचों से उन नौजवानों को समायोजित करने की बात कही थी और जो पिछड़ों और दलितों की बात करने वाली सरकार है जो पिछड़ों और दलितों के नाम पर वोट मांगने वाली सरकार है मैं इनसे सवाल करना चाहता हूं कि से एक साल बीत जाने के बाद भी आज तक उन नौजवानों पर कोई चर्चा नहीं हो सकी, उन नौजवानों का कहीं समायोजन नहीं हो सका है इतना ही नहीं वह जातीय जनगणना के आधार पर कह रहे थे। मैं उनसे केवल एक बात कहना चाहता हूं और पिछड़े वर्ग होने के नाते मेरा उनसे निजी सवाल है। अगर आप जातीय जनगणना के पक्ष में हैं तो आपको केवल एक बात कहनी चाहिए कि आप जातीय जनगणना के पक्ष में हैं या जातीय जनगणना के विरोध में हैं। लेकिन जातीय जनगणना के सवाल पर बोलने की उनकी हिम्मत इसलिए नहीं पड़ी, अगर उन्होंने खुलेआम कह दिया होता कि हम जातीय जनगणना कराना चाहते हैं तो शायद कल उनको निश्चित रूप से मंत्री पद से हाथ धोना पड़ता। इसलिए उन्होंने जातीय जनगणना के सवाल पर स्पष्ट बात करने का काम नहीं किया। मैं लम्बी बात न करते हुए केवल इतना कहना चाहता हूँ। सम्मानित साथियों आज तमाम दल के नेताओं ने अपनी बात कही, लोग दलितों और पिछड़ों के आरक्षण के सवाल पर बात करते हैं। दलितों पिछड़ों के आरक्षण के सवाल पर मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि दलितों और पिछड़ों

के आरक्षण की बात तो तब उठेगी, जब आरक्षण रहेगा। आज जिस तरह से एकल पद के नाम पर, एकल पद निकाल करके आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। संविदा के नाम पर आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। जब आरक्षण ही नहीं रहेगा तो आप आरक्षण की बात कहाँ से उठाएँगे। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि अगर आप चाहते हो कि बाबा साहब का संविधान लागू हो, अगर आप चाहते हो कि संविधान ने जो आपको हक और सम्मान दिया, वह पूरी तरह से लागू हो तो सबसे पहले सवाल यह उठता है कि जिस दल और पार्टी की आप वकालत कर रहे हो, जिस दल और पार्टी की आप तारीफ करते हो, जिसको पिछड़ों की पार्टी बताने का काम करते हो, पहले उस दल के लोगों से कहो कि संविदा की नौकरी को खत्म करके वे सीधी भर्तियाँ करें। एकल पद खत्म करके सभी पदों को एक साथ निकाल करके 27% परसेण्ट आरक्षण लागू करने का काम करें। तब निश्चित रूप से लोगों को न्याय मिलेगा।

इतना ही नहीं आज स्वास्थ्य के सवाल पर लोग कह रहे थे, हमारे नेता प्रतिपक्ष पर उन्होंने तमाम सवाल उठाए। कोई लम्बी बात न करते हुए केवल इतना कहना चाहता हूँ। बाबा साहेब डा0 भीमराव आम्बेडकर की एक बात याद दिलाते हुए केवल इतना कहना चाहता हूँ। उन्होंने कहा था कि जब पिछड़ी और दलित जातियाँ शिक्षित होंगी तो लोग उन्हें दलों में बदलने का काम करेंगे। आज भाजपा और आर0एस0एस0 के लोग उन्हीं चीजों का उपयोग करके समाज को दलों में बाँट रहे है। हमारे समाज को आपस में लड़वा करके एक मजबूत समाज को कमजोर करने का काम कर रहे है। मैं बधाई देना चाहता हूँ श्रद्धेय नेता जी को जिन्होंने समाजवादी पार्टी बना करके आदरणीय डा0 लोहिया के पद चिन्हों पर चल करके इस देश के किसानों, कमेरों को ऊपर उठा करके, दलितों और पिछड़ों को सम्मान दिलाने का काम किया। अल्पसंख्यकों को सम्मान दिलाने का काम किया है। चूँकि समय कम है तो समय का ध्यान रखते हुए लम्बी बात न करते हुए मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में भी थोड़ी सी चर्चा करना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में कई बार एक पुल का उद्घाटन किया गया, शिलान्यास किया गया, पूर्व के मा0 पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री के द्वारा भी उस पुल का शिलान्यस करने का काम किया गया लेकिन आज तक उस पर किसी बजट का ऐलान नहीं हो सका है। इसलिए निवेदन करना चाहता हूँ कि जो परानीपुर से हडिया को जोड़ने वाला पुल है, उसका निर्माण कराने की आवश्यकता है। यहाँ पर पर्यटन की तमाम बात की जाती है। जिस क्षेत्र से मैं चलकर आता हूँ उस क्षेत्र में पर्यटन के कई ऐसे स्थल है, जिनको विकसित करने की जरूरत है। हमारे यहाँ राम नगर में शीतला मां धाम है, जहाँ लाखों-लाख लोग दर्शन के लिए आते हैं। वहाँ मस्तान बाबा हैं, जहाँ उत्तर प्रदेश के ही नहीं देश के तमाम कोनों से लोग आ करके अपनी मन्नत को पूरा करने के लिये मत्था टेकते हैं। ऐसे ही हमारे यहाँ पहाड़ी महादेव का स्थल है। मैं कहना चाहता हूँ कि हमारा विधान सभा क्षेत्र चूँकि गंगा जी के किनारे है, इसलिए तमाम क्षेत्रों से लोग श्मशान घाट पर लाशों को लाने का काम करते हैं। छटवा घाट है, बिजौरा घाट है, महेवा घाट है नश्वरवाकण घाट भी है लेकिन आज तक वहाँ पर न बैठने की व्यवस्था है, न पानी की व्यवस्था

है और वहाँ की सड़कें पूरी तरह से जर्जर हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे पास कई काम है, मैं उनको टेबिल करना चाहता हूँ और आपसे निवेदन करता हूँ कि उसको आप हमारे वक्तव्य में जुड़वाने का कष्ट करें। धन्यवाद।

***डा0 असीम कुमार-**

मान्यवर, आपने मुझे आदरणीय राज्यपाल जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। मान्यवर, आदरणीय राज्यपाल महोदया का अभिभाषण हमारी सरकार की योजनाओं और उसकी नीतियों का सार होता है। मान्यवर, परम आदरणीय मुख्य मंत्री जी, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी। सभी उपस्थित मा0 मंत्रीगण जी, समस्त माननीय सदस्यगण जी इस बजट सत्र पर आप सभी को ढेर सारी शुभकामनायें देता हूँ। मैं प्रतिपक्ष को यह कहना चाहता हूँ कि ज्ञान दो कार्यों से होता है श्रवण और अध्ययन। आप लोगों ने जो राज्यपाल जी के अभिभाषण में संकट उत्पन्न किया। आपने श्रवण का कोई भी फायदा नहीं उठाया और अध्ययन करने की कोई क्षमता नहीं है। न ही आप श्रवण करेंगे, न ही अध्ययन करेंगे सिर्फ राज्यपाल जी के अभिभाषण का विरोध करेंगे, अवहेलना करेंगे। मा0 अध्यक्ष जी, हमारी सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। गरीबों के उत्थान के लिए सरकार ने अनेक योजनाएँ बनायी हैं जैसे उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में समस्त विद्युतीकरण योजना, दिव्यांग जन कल्याण योजना, युवाओं को स्मार्टफोन वितरित करने की योजना, मुख्य मंत्री प्रवासी समिति योजना, सबसे महत्वपूर्ण निषाद राज आजीविका सब्सिडी योजना, मत्स्य सम्पदा योजना के साथ-साथ, गरीब, वंचित एवं शोषितों के कल्याण के लिए अनेक योजनायें हमारी सरकार चला रही है।

मान्यवर, हमारे विधान सभा क्षेत्र तमकुहीराज में 29 साल के बाद कमल खिला है। हमने एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को भारी मतों से पराजित कर आपके कुशल नेतृत्व और भगवान राम और निषादराज का जब मिलन हुआ तो मैं इस विधान सभा में आपके आशीर्वाद से यहाँ पर पहुँचा। मान्यवर, हमारी सरकार ने प्रदेश के समग्र विकास हेतु यू0पी0 ग्लोबल समिट-2023 में विश्व के 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मिलित होकर इस निवेश को महाकुंभ का स्वरूप दिया, जिसके फलस्वरूप 33 लाख 50 हजार करोड़ से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है, जिसमें हमारे प्रदेश के लगभग 1 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है, रोजगार का सृजन होगा। अभी-अभी कुछ लोगों ने मेडिकल कालेज की चर्चा की, हमारे मुख्य मंत्री जी की मंशा है वन डिस्ट्रिक, वन मेडिकल कालेज हमारा लक्ष्य बेहतर चिकित्सा शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य के प्रति समर्पण है। अभी हमारे राज्य में 65 मेडिकल कालेज संचालित हो रहे हैं और 22 मेडिकल कालेज निर्माणाधीन हैं। मान्यवर, मैं आपको

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अवगत कराना चाहूँगा कि डब्ल्यू0एच0ओ0 के डाटा के हिसाब से एक हजार की आबादी पर एक एलोपैथिक डाक्टर और 300 की आबादी पर एक ए0एन0एम0 या जी0एन0एम0 होना चाहिए, परन्तु अभी जो हमारा वर्ष 2022 का डाटा बताता है कि हमारे राज्य में 5033 की आबादी पर एक डाक्टर है और 1000 की आबादी पर एक ए0एन0एम0 है। यदि पहले विपक्ष को सुध आ गयी होती तो वह लोग भी मेडिकल कालेज का निर्माण करवाना शुरू कर देते तो आज डाक्टरों की इतनी बड़ी कमी नहीं होती। एक दिन में यह पढ़ाई नहीं होती है। मेडिकल की, एम0बी0बी0एस0 की पढ़ाई 6 साल की पढ़ाई होती है और तीन साल पोस्ट ग्रेजुएशन करने में लगता है। जब हम आज मेडिकल कालेज खोलेंगे और विद्यार्थियों को पढ़ाना शुरू करेंगे तो वह विद्यार्थी 9 साल के बाद हमारी सेवा में आएगा और हमारी जनता की सेवा करेगा। यह हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी की एक दूरदर्शिता है जिससे हम अपने प्रदेश को एक बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत लाखों लोगों को आवास की सुविधा दी गई। पॉवर फॉर ऑल के अन्तर्गत 1 लाख से 40 करोड़ घरों में बिजली का कनेक्शन दिया गया। सर्वाधिक 2.61 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराया गया, आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत 1.3 लाख विद्यालयों का विकास किया गया किसान कल्याण मिशन के तहत गन्ना किसानों को 1.84 लाख करोड़ का रिकार्ड भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री सम्मान निधि के अन्तर्गत 2.6 करोड़ किसानों को 51650 करोड़ हस्तांतरित किये गये।

किसानों को रुपये 40 करोड़ 20 लाख 9 सौ 98 करोड़ फसली ऋण वितरित किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 33 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। बेहतर चिकित्सा, बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर सुरक्षा, बेहतर सड़क की तरफ हमारा लक्ष्य आगे बढ़ रहा है। अभी-अभी प्रतिपक्ष के एक सदस्य ने बताया कि नेशनल डाटा के अनुसार हमारा उत्तर प्रदेश जो नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के हिसाब से हमारा उत्तर प्रदेश सबसे नीचे हैं परंतु जब आप देखेंगे तो हमारा स्थान काफी ऊपर है। मैं समय कम होने के कारण अभी कुपोषण पर नहीं बोल सकता हूँ। मान्यवर, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में कुछ चर्चा करना चाहता हूँ। हमारी विधान सभा क्षेत्र बिहार के सन्निकट 3 तरफ से घिरी हुई है। 2 नदियां मुख्य रूप से प्रवाहित होती हैं-गण्डक और बांसी। हमारे विधान सभा क्षेत्र में काफी विकास हुए हैं, परंतु ए0पी0 तटबंध पर एक सड़क का निर्माण कराना अति आवश्यक है और बांसी नदी के ऊपर गोलाघाट में पुल का निर्माण करवाना भी बहुत आवश्यक है। मान्यवर, हमारी विधान सभा क्षेत्र सेवरही के अन्तर्गत एक जगह है, जहां वर्ष 1942 के आंदोलन में हमारे 11 वीर सपूतों ने हँसते-हँसते अंग्रेजों की गोलियों से अपनी जान की बलिदानी दे दी।

श्री अधिष्ठाता-

आपका समय समाप्त हो गया है, मेजर सुनील दत्त द्विवेदी जी।

डा0 असीम कुमार-

मान्यवर, एक मिनट का समय और दीजिए। मैं कहना चाहता हूँ कि तमकुहीराज के वीर फतेह बहादुर शाही की याद में चूंकि आज हम अमृत काल के अवसर पर अपने स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर रहे हैं तो उनकी यादगार में एक स्मृति स्थल बनाना जन-कल्याण के लिए अति आवश्यक होगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

डा0 असीम कुमार-

मान्यवर, अन्त में मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण का पूर्ण समर्थन करते हुए आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। जय हिन्द ! जय भारत !

***मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे आज इस धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर, यह अभिभाषण अद्वितीय है। इस सरकार के सपनों का, संकल्पों का प्रतिबिम्ब है और जिस प्रकार से हम आगे कार्य योजना बनाने जा रहे हैं, उसका एक विजन डॉक्यूमेण्ट भी है। मैं साथ ही साथ महामहिम राज्यपाल जी को इसलिए भी धन्यवाद देना चाहता हूँ क्योंकि इतने हल्ले-हंगामें में जिस शान्ति के साथ, जिस धैर्य के साथ उन्होंने अपना अभिभाषण पढ़ा, वह वास्तव में सराहनीय है। मुझे एक शेर याद आ रहा था कि 'यह सुनें न सुनें, अपना बयान जारी रख, आवाम सुन रही है, यह दास्तान जारी रख, इनके हाथ का पत्थर रहम न खायेगा, लहूलुहान परिन्दे, अपनी उड़ान जारी रख'। जिस प्रकार से महामहिम राज्यपाल ने अपना अभिभाषण दिया है, हम सब लोग उनका धन्यवाद करते हैं। मान्यवर, साथ ही साथ हमारा एक और निवेदन भी है, हम जनप्रतिनिधि जनता से चुनकर आते हैं और जनता हमको अपना नेता मानकर यहां भेजती है। हमारा आग्रह पूरे सदन से है और खास तौर से विपक्ष से है कि जब भी इस प्रकार का संचालन हो तो हम जनता की भावनाओं का आदर करते हुए, अपना आचरण और व्यवहार सदन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए ही करें। मान्यवर, एक बात 'पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी' की आयी थी। नेता प्रतिपक्ष कल पॉलिटिकल क्रेडिबिलटी की बात बोल रहे थे। हमारी पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी जनता ने 2 बार सिद्ध की है। भगवद् गीता के छठे अध्याय में लिखा गया है कि 'जो व्यक्ति अनासक्त भाव से कर्तव्य करता है, वही योगी कहलाता है' और यह हमारा सौभाग्य है कि आज ऐसा योगी गीता के हिसाब से, गीता के संदेश पर हमको उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में मिला है। ऐसे तपस्वी, ऐसे ओजस्वी, ऐसे यशस्वी मुख्य मंत्री जी के लिए जनता ने जिस प्रकार से

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

क्रेडिबिलिटी हमको दी है, वोटों के रूप में और सरकार स्थापित की है, वह सत्ता पक्ष, विपक्ष के सामने अपनी क्रेडिबिलिटी स्थापित कर चुका है। मान्यवर, यही नहीं, जब विपक्ष की सरकारें हुआ करतीं थी, तब उनकी क्रेडिबिलिटी क्या थी ? तब उनके तीन सी काम करते थे, नम्बर-एक क्राइम, नम्बर दो कास्टिज़म और नम्बर-तीन करप्शन। मान्यवर, अगर बसपा के कार्यकाल का कोई व्यक्ति यह कहे कि हम उत्तर प्रदेश से कास्टिज़म मिटाकर बात करेंगे तो उत्तर प्रदेश का कोई व्यक्ति उसको मानने वाला नहीं होगा।

यह उनकी क्रेडिबिलिटी है, अगर कांग्रेस करेप्शन हटाने की बात करे तो कोई उसको मानने के लिए तैयार नहीं होगा, अगर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश से क्राइम हटाने की बात करती है तो उत्तर प्रदेश का कोई भी नागरिक उसको मान्य नहीं करेगा। यह इनकी क्रेडिबिलिटी है और हमारी क्रेडिबिलिटी यह है कि आज माननीय योगी जी के नेतृत्व में हम न केवल अपनी पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी स्थापित कर रहे हैं, बल्कि सोशल क्रेडिबिलिटी और फाइनेन्सियल क्रेडिबिलिटी भी स्थापित कर रहे है। हमने फाइनेन्सियल क्रेडिबिलिटी स्थापित की है। मान्यवर, इसका एक नजारा अभी-अभी इंवेस्टर्स समिट में हमको देखने को मिला, जब देश और विदेश के बहुत सारे उद्योगपति हमारे यहां लखनऊ में आए और उन्होंने इंवेस्टर्स समिट में हिस्सा लिया। कई देशों के प्रतिनिधियों ने यहां पर आकर एम0ओ0यू0 साइन किए हैं। माननीय योगी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में यहां कुल 18000 एम0ओ0यू0 साइन हुए हैं और साढ़े 33 लाख करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में आया है जो हमारे लक्ष्य से तीन गुना अधिक है। सिर्फ यही नहीं मान्यवर, जिलों में भी निवेश आया है, जैसे कि मैं फर्रुखाबाद की पावन धरती से आता हूं। इतिहास में पहली बार फर्रुखाबाद में लगभग 4000 करोड़ का निवेश वहां पर निवेशित होने वाला है यह अपने आपमें एक रिकार्ड है, अपने आपमें एक इतिहास है। मान्यवर, यह संभव इसलिए हुआ है, क्योंकि सपा के शासनकाल में जो स्थिति कानून-व्यवस्था की थी उसमें हम आमूलचूल परिवर्तन लाए हैं और इसको उद्योगपतियों ने देखा है जिससे उनका विश्वास हमारी सरकार के प्रति बढ़ा है। आज उत्तर प्रदेश की सरकार के नेतृत्व में हम उत्तर प्रदेश में जाकर उद्योग लगा सकते हैं। हमें भयमुक्त और अन्यायमुक्त वातावरण प्राप्त हुआ है। हर उद्यमी यह चाहता है कि उसको सुरक्षा की गारण्टी मिले वह यह चाहता है कि वहां इंफ्रास्ट्रक्चर का डेवल्पमेंट हो, उसको मूलभूत ढांचा मिले। माननीय योगी जी की सरकार में आज उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त हुआ है, आज जो भू-माफिया हैं वह भी जेलों के पीछे हैं। हमारी सरकार ने 2000 करोड़ की अतिक्रमण की हुई जमीन को अधिग्रहीत किया है जहां पर गरीबों के लिए आवास बनने जा रहे हैं। इसी प्रकार से मान्यवर, बिजली के क्षेत्र में हमने काम किया है। सारे मजरों का विद्युतीकरण हो गया है, हमने गरीब तबके को निःशुल्क विद्युतीकरण दिया है। जिस प्रकार से आज पूरे प्रदेश में विद्युत आ रही है उसकी तुलना स्वाभाविक रूप से पिछली सरकारों के कार्यकाल से की जा रही है। इसी तरीके से हर घर को नल से जल देने हम जा रहे हैं। शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन किया है। बच्चों को जूते-मोजे हमने दिये हैं, यूनिफार्म हमने दी है, विद्यालयों का कायाकल्प हमने किया है, आज गुणवत्तापूर्वक शिक्षा वहां हो

रही है और यही नहीं हम डिजिटल लिट्रेसी ला रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे कंप्यूटर और इंटरनेट वर्क जानें, इसके लिए करीब 1 करोड़ ई-मेल आई0डी0 छात्र-छात्राओं के लिए सृजित की जा रही है। जो राजकीय महाविद्यालय हैं उसमें हम ई-लर्निंग पार्क खोलने जा रहे हैं, जो हमारे विश्वविद्यालय हैं उनका भी उच्चीकरण हम करने जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हम पूरा आमूलचूल परिवर्तन करने जा रहे हैं। नकल नेटवर्क को भी हमने ध्वस्त कर दिया है। इसी प्रकार से चिकित्सा के क्षेत्र में आज ओ0पी0डी0 में मरीजों की भीड़ लगती है, आज तमाम नये उपकरण खरीदे जा रहे हैं, आज प्रदेश के 69 जिलों में डायलिसिस की निःशुल्क सुविधा दी गयी है, आज नये-नये मेडिकल कालेज खुलने जा रहे हैं, चिकित्सा के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश को कोविड से हमने मुक्त कर दिया है, इस प्रकार का काम माननीय योगी जी ने माननीय मोदी जी के नेतृत्व में किया है।

इसी प्रकार से हम किसानों को भी सुविधा दे रहे हैं। किसानों को हम सिंचाई की नई-नई योजनाएं दे रहे हैं। अच्छे उन्नत उर्वरक दे रहे हैं, अच्छे बीज दे रहे हैं और किसान की आय को दोगुना करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। यहां तक की आगे आने वाले बजट में उनके निजी नलकूपों को हम फ्री कनेक्शन देने जा रहे हैं। मान्यवर, पर्यटन के क्षेत्र में और फिल्म के क्षेत्र में हम बहुत आगे बढ़े हैं। आज हमारी अर्थव्यवस्था पूरे भारतवर्ष में नम्बर दो पर आ गयी है। हमारा राजकोषीय घाटा घटा है, हमारी प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है, हमारा जी0एस0जी0पी0 उछला है और आज हम कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश ग्रोथ इंजन बनने के लिए तैयार है और माननीय योगी जी ने जो वन ट्रिलियन डालर इकोनॉमी का लक्ष्य रखा है उसको हम पूरा करके रहेंगे। मान्यवर, हमारे क्षेत्र फर्रुखाबाद में भूमिगत केबिलीकरण का एक प्रस्ताव शासन के पास लम्बित है, मैं चाहता हूं कि उसको शासन स्वीकृत कर दे। इसी प्रकार से एक रिंग रोड और बाईपास का प्रस्ताव है उसमें भी शासन की अनुकंपा हो जाय। जिले में एक मेडिकल कालेज की बहुत आवश्यकता है। गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की है कि फर्रुखाबाद से लिंक एक्सप्रेस-वे देंगे, जब समय आएगा वह भी होगा। इसके लिए मैं उनको बहुत धन्यवाद देता हूं। इसी प्रकार से हमारे यहां पवित्र मां गंगा के तट पर राम नगरिया मेला होता है अगर शासन उसका संज्ञान ले और उस पर धनराशि आ जाय तो शासन का बहुत-बहुत धन्यवाद होगा। मैं पूरी अपनी भावना से माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, पूरे सदन को इतनी शांति से सुनने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

***श्री महेन्द्र नाथ यादव-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपके प्रति बहुत-बहुत आभारी हूँ। मैं अपनी बात रखने से पहले संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी को नमन करते हुए हम

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सबके नेता आदरणीय स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जी को नमन करते हुए, मैं अपनी बस्ती की महान जनता जिन्होंने मुझे यहाँ आने का अवसर दिया, उनको प्रणाम करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, जैसा कि हम सभी जानते हैं कि महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण सरकार का लेखा-जोखा होता है। इससे हम सबको और प्रदेश की जनता को बहुत उम्मीद थी कि पिछली बार के अभिभाषण के बजाय, इस बार के अभिभाषण में देश, प्रदेश की जनता के लिए लोकहित की तमाम चीजें इसमें सम्मिलित की जायेंगी। लेकिन महामहिम राज्यपाल महोदया का अभिभाषण पिछले अभिभाषण की तरह से ही मुंगेरीलाल के हसीन सपनों के जैसा है। मान्यवर, हमारा एक सुझाव है और हम समाजवादियों की यही लड़ाई भी है कि रोटी, कपड़ा सस्ता हो और दवा, पढ़ाई मुफ्त हो। मान्यवर, आज दवा और पढ़ाई का क्या आलम है। हम अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष, आदरणीय अखिलेश यादव जी का धन्यवाद देना चाहेंगे कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो उन्होंने दवाई और पढ़ाई में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए अस्पताल में दवाई की पर्ची एक रुपये करने का काम किया था, तमाम बीमारियों की जाँचें मुफ्त हुई थीं। अगर गरीब तमाम असाध्य रोगों जैसे हार्ट की बीमारी, किडनी की बीमारी, कैंसर की बीमारी में अपना इलाज और दवा नहीं करा सकते थे तो हम बधाई देना चाहेंगे, आदरणीय अखिलेश यादव जी को और उनके मानवीय दृष्टिकोण को कि उन्होंने उन गरीबों की पीड़ा को महसूस करते हुए उनके लिए मुख्य मंत्री स्वास्थ्य कल्याण योजना चलाई। आज यह सरकार भी उस योजना को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

मान्यवर, हम आदरणीय अखिलेश यादव जी को बधाई देंगे, जिन्होंने गरीब, किसान और मजदूर के बच्चों की पढ़ाई अच्छी करने के लिए उन्हें लैपटॉप देने का काम किया वहीं दूसरी तरफ हमारी बच्चियों की आगे पढ़ाई कैसे हो, उसके लिए कन्या विद्या धन देने जैसी योजना चलाने का काम किया। मान्यवर, आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूँ कि 108, 102 एम्बुलेंस जैसी बेहतरीन योजना, जो गरीबों के लिए निःशुल्क थी, सिर्फ मोबाइल पर 108 डॉयल करने पर उनको एम्बुलेंस की सुविधा मिल जाया करती थी। आज इस सरकार ने उसको भी ध्वस्त करने का काम किया है। मान्यवर, मेरे क्षेत्र की कुछ समस्यायें हैं। आपके माध्यम से मैं चाहता हूँ कि मेरे क्षेत्र की कुछ समस्याओं को इसमें जोड़ दिया जाये। हमारे बस्ती जनपद का नगर पालिका 40 साल पुराना है। लेकिन अभी तक वहाँ सीवर लाइन की व्यवस्था नहीं है। वह मण्डल मुख्यालय है। बरसात के दिनों में कचहरी में, अस्पताल में, कलेक्ट्रेट और सारी जगहों पर पानी भर जाता है और तमाम ऐसे मोहल्ले हैं, जहाँ नालों का पानी भर जाता है और नाव चलाने की नौबत आ जाती है। मान्यवर, हम चाहेंगे कि हमारे बस्ती नगर पालिका में सीवर लाइन बिछाने का काम किया जाये। मान्यवर, हमारे बस्ती जनपद में एक वन विहार है, वह बहुत पुराना वन विहार है, उसके सौन्दर्यीकरण और उच्चीकरण के लिए कोई व्यवस्था की जाये। मान्यवर, हमारा बहुत पुराना रोडवेज है, वह शहर के बीच में है, उसका आधुनिकीकरण और

विस्तारीकरण किया जाये। मान्यवर, बस्ती में हथियागढ़ सब्जी मण्डी की मरम्मत और आधुनिकीकरण कराया जाये।

मान्यवर, हमारी विधान सभा क्षेत्र में वाल्टरगंज चीनी मिल है। उस चीनी मिल को 6 साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बंद कर दिया है। वहाँ के किसान और कर्मचारी भुखमरी के कगार पर आ गये हैं। 6 साल हो गये हैं अभी तक किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं किया गया है। वहां के किसानों के गन्ने का भुगतान किया जाये और उस वाल्टरगंज की बंद चीनी मिल को फिर से चालू किया जाये और वहाँ के कर्मचारियों का वेतन भुगतान कराया जाये। जनपद बस्ती के विभिन्न चौराहों का सौंदर्यीकरण कराया जाये। पटेल चौक पर फ्लाईओवर बनवाया जाये और अमहट घाट पर स्थित धार्मिक स्थल एवं पार्क का सौंदर्यीकरण कराया जाये। बस्ती विधान सभा क्षेत्र में पूरे मण्डल का एक मात्र मेडिकल कॉलेज है। आज हमारे डिप्टी चीफ मिनिस्टर साहब बैठे थे उन्होंने किस तरीके से अपनी बात रखी। मान्यवर, मैं सिर्फ इतना चाहूंगा कि उन मेडिकल कॉलेज में दवाओं का अभाव था तो मैंने उसकी शिकायत माननीय मुख्य मंत्री जी को की। माननीय मुख्य मंत्री जी को जो मैंने लेटर लिखा उस लेटर के माध्यम से मुझे यह सूचना मिली की बजट का आवंटन अपर्याप्त होने के कारण दवा की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। यह स्थिति है मेडिकल कॉलेज की तो मान्यवर, डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल, महिला हास्पिटल की क्या स्थिति होगी। हमारे जनपद बस्ती में डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल में बीसों साल से कार्डियो का कोई डाक्टर नहीं है, वहाँ पर कार्डियो के डाक्टर की व्यवस्था की जाये। वहाँ पर नेफ्रो का विभाग नहीं है, नेफ्रो के विभाग की वहाँ पर व्यवस्था की जाये। आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए आपके प्रति बहुत-बहुत आभार।

समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण राज्य मंत्री (श्री संजीव कुमार गोंड)-

मान्यवर, आज मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के समर्थन में बोलने का अवसर मिला इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। हम उस क्षेत्र से आते हैं जहाँ जनजाति के लोग बहुतायत संख्या में रहते हैं वह जनपद सोनभद्र है। जनपद सोनभद्र एक ऐसा जिला है जहाँ पर आदिवासी जनजाति के लोग अधिक संख्या में निवास करते हैं। मेरी 403 विधान सभा क्षेत्र सोनभद्र में मात्र दो अनुसूचित जनजाति सीट है। उसमें से एक ओबरा जिसमें से मैं आता हूँ और दूसरा दुद्धी विधान सभा क्षेत्र है। वहाँ पर चाहे कांग्रेस की सरकार हो, चाहे समाजवादी पार्टी की सरकार हो, चाहे बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार हो। इन सरकारों ने जनजातियों की बहुत ही घनघोर उपेक्षा की है। यह लोग जनजाति, आदिवासी के नाम भी नहीं जानते होंगे। आदरणीय पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना था कि जो सबसे निचले पायदान पर रहने वाला व्यक्ति है उसको अगली पंक्ति में ला करके खड़ा करने का जो सपना देखा था वह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री

श्री योगी आदित्यनाथ जी ने पूरा करके दिखाया है। वर्ष 2017 में दो सीट जनजाति की सोनभद्र में होने का काम हुआ है।

इसके पहले उत्तर प्रदेश में कोई भी जनजाति की सीट नहीं थी। हमारा दो प्रतिशत आरक्षण है, इस प्रकार से हमारा उत्तर प्रदेश में 8 सीट का हक बनता है, लेकिन अभी मात्र दो सीट है। मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2017 में हमारे जनजाति को दो सीट मिली। आज भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में 02 सीट पर हमारे जनजाति के दो विधायक चुनकर आए हैं। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का आभारी हूँ कि उन्होंने हमको समाज कल्याण विभाग में अनुसूचित जनजाति का राज्य मंत्री अनुसूचित जनजाति मंत्रालय का दायित्व देने का काम किये हैं।

पिछली सरकारों में क्या होता था, यह किसी से छिपा नहीं है। दो प्रतिशत आरक्षण का पिछली सरकारों ने हक मारने का काम किया। अगर वह चाहते, तो बहुत पहले ही उत्तर प्रदेश में जनजातियों का हक और अधिकार दे दिए होते। पिछली सरकार के भाई आज जो विकास की बात करते है, तो बताना चाहता हूँ कि आज जनपद सोनभद्र में जा करके वह देखें। वर्ष 2017 के पहले सोनभद्र में हमारे गाँव में रहने वाले हमारे आदिवासी भाई बिजली का बल्ब तक नहीं देखे थे, लेकिन आज हमारा जनपद सोनभद्र ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश में हर घर 'सौभाग्य योजना' के तहत बिजली लगने का काम हुआ है।

हमारी बेटी और बहनें, जिनके हाथ पीले नहीं हो पाते थे, आज हमारे विभाग द्वारा 'मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना' के तहत उनके विवाह हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में लाखों-लाख की संख्या में हमारी बहन-बेटियों के हाथ पीले होने का काम हो रहा है। इसी तरह से हमारी सरकार 'अभ्युदय योजना' के तहत निःशुल्क अनुसूचित जाति, जनजाति जनजाति के बच्चों को आई0ए0एस0 एवं पी0सी0एस0 की कोचिंग कराने का कार्य कर रही है। हमारे सरकार की बहुत सी उपलब्धि है। अगर हम उपलब्धि गिनाने लगे, तो 24 घण्टे से अधिक का समय लग जायेगा और ये विपक्ष के भाई बात करते हैं कि कुछ नहीं हुआ।

हमारे बड़े भाई आदरणीय उमा शंकर सिंह जी यहाँ बैठे हैं। मा0 विधायक जी हमारे सोनभद्र के बारे में अच्छी तरह जानते हैं कि वहाँ पिछली सरकारों ने, वर्ष 2017 के पूर्व की सरकारों ने सोनभद्र को लूट का अड्डा बनाकर रखा था, लेकिन आज कोई गुण्डा/बदमाश वहाँ नहीं जा पा रहा है, क्योंकि सब जानते हैं कि अगर हम सोनभद्र में आदिवासियों को लूटने के लिए जाएंगे, तो योगी बाबा का बुल्डोजर वहीं मारकुण्डी घाटी में खड़ा रहेगा। मारकुण्डी घाटी के ऊपर कोई गुण्डा/बदमाश नहीं पार होने पायेगा। आज मैं बधाई देना चाहूँगा अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी का और उ0प्र0 के यशस्वी मा0 मुख्य मंत्री जी को। विकास के बारे में बहुत साथियों ने चर्चा किया। जिसके लिये बधाई देता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी, 7 मिनट आपको बोलते हुये हो गया। अब आप अपनी बात को समाप्त करिये।

श्री संजीव कुमार गोंड-

मा0 अध्यक्ष जी, एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूँगा।

मा0 विधायक जी ने और मा0 ओम प्रकाश राजभर जी ने कुछ अनुसूचित जनजातियों के बारे में चर्चा की थी। जोकि गोंड और खरवार के बारे में है कुछ जिलों में हमारे जनजाति भाइयों का जाति प्रमाण-पत्र नहीं बन पा रहा है। तो मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, मै आपके माध्यम से चाहता हूं कि अनुसूचित जनजाति के गोड़ खरवार भइयों का प्रमाण-पत्र बनाने का आग्रह करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री मेघश्याम-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार है कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। मैं राज्यपाल महोदया जी के भाषण पर डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी जी के धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में अपनी बात रखता हूं और मैं इस अवसर पर अपनी पार्टी का तथा अपने क्षेत्रवासियों का भी बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने मुझे श्री गिरिराज जी जैसी पवित्र तीर्थ स्थल पर सेवा करने का मौका प्रदान किया। मान्यवर, अमृत काल खण्ड में देश और प्रदेश की दोनों सरकारें समावेशी विकास मॉडल और मजहब से ऊपर उठकर देश के प्रत्येक नागरिक को आर्थिक सुरक्षा देने का काम कर रही है। प्रदेश के गांव से लेकर दूर सीमावर्ती क्षेत्रों में निवास करने वाले तथा विदेशों में बसे भारतीय समुदाय को सांस्कृतिक एकता के रूप में पिरो रही है। मान्यवर, बाबा साहब अम्बेडकर जी के द्वारा व्यवस्थित संवैधानिक व्यवस्था में सामाजिक समरसता और समानता के आदर्श रूप आत्म सम्मान के साथ समृद्धि की ओर अग्रसर है। तो चुनावी पराजय से हाशिये पर पहुंचा विपक्ष हताशा में समाज को तोड़ने का कुचक्र रच रहा है। उन्हें याद रखना चाहिए कि प्रदेश की जनता ने उन्हें बड़े विश्वास के साथ, प्रदेश की सत्ता सौंपी थी फिर क्यों जाति, मजहब, भ्रष्टाचार, अपराधीकरण की राजनीति कर प्रदेश की जनता के भरोसे को तोड़ा था। फिर भी विपक्ष के द्वारा सबक नहीं लिया गया है।

मा0 विपक्ष के साथी बहुत ही हताशा में हैं, क्योंकि लंबे समय तक सत्ता का भोग किया है, विपक्ष के साथी जब रात में सोते हैं तो उन्हें सत्ता के भोग का एक मीठा स्वप्न आता है और सुबह जब वह जागते हैं, तो उन्हें जानकारी होती है कि हम सत्ता में नहीं हैं, तो बहुत निराशा व हताशा में रहते हैं और सुबह जग कर जब जनता में जाते हैं, तो वह वहां पर जहर घोलने का काम करते हैं। मा0 यह भूल गए हैं कि पूर्व में बदल-बदल कर प्रदेश में कभी सपा की सत्ता, कभी बसपा की सत्ता रही थी, लेकिन 2017 में जब जनता ने प्रदेश में

मा0 योगी आदित्यनाथ की भाजपा की सरकार बनायी तो इस सरकार की समरसता, विकास, कानून व्यवस्था, पारदर्शिता, सुशासन से संतुष्ट होकर जनता ने दूसरी बार इस सरकार पर भरोसा किया और दोनों दलों जिन्होंने प्रदेश को वर्षों से लूटा था हाशिये पर ला दिया। विपक्ष के साथी नोट कर लें कि जनता बहुत समझदार है और देख रही है वह आने वाले समय में फिर आपको सबक सिखायेगी।

मा0 विपक्ष को जानकारी होनी चाहिए कि आपने प्रदेश को कहां पर छोड़ा था, प्रदेश की क्या पहचान थी, गुण्डागर्दी, माफियागर्दी, जंगल राज, लूट, आए दिन दंगों के कारण प्रदेश की स्थिति बदतर हो गयी थी, आज वही प्रदेश है जो देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, 2017 से पहले प्रदेश में देश-विदेश से आने वाले उद्योगपति और व्यापारी आने से डरते थे। आज उसी प्रदेश में इतना सुंदर वातावरण बन गया कि देश और विदेश के उद्योगपति व व्यापारी उत्तर प्रदेश में काम करना चाहते हैं। इन्वेस्टमेंट के हिसाब से उत्तर प्रदेश को सबसे उत्तम प्रदेश मान रहे हैं। जिसका उदाहरण विगत दिनों ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देखा गया है। मान्यवर, विपक्ष के साथी देश के किसी प्रदेश में जाकर जानकारी कर ले कि प्रत्येक प्रदेशवासी मा0 योगी आदित्यनाथ जी के जैसी सरकार चाहते है। प्रदेश में 2017 से अभूतपूर्व परिर्वतन हुए हैं चाहे रोड इन्फ्रास्ट्क्चर हो, चाहे बिजली सुधार हो, चाहे कानून व्यवस्था का मामला हो प्रत्येक क्षेत्र में नये कीर्तिमान हासिल किये हैं। मा0 एक समय था जब कोई व्यक्ति दूसरे प्रदेश से हमारे प्रदेश में आता था तो उसके दिमाग में यह चलता था कि भाई उत्तर प्रदेश आने वाला है, यहां रोड भी गड्ढे वाली मिलेंगी और बिजली न होने की वजह से अंधेरे में लूट का भी डर रहेगा।

(इसी मध्य 05 बजकर 45 मिनट पर अधिष्ठाता श्री पंकज सिंह पीठासीन हुए)

तो मान्यवर, आज यह नहीं है। आज देश, विदेशों के पर्यटक व तीर्थ यात्री पूरे मन से प्रदेश में आ रहे हैं। मैं गिरिराज जी की पावन भूमि से आता हूँ। पिछले 06 सालों में तीर्थ यात्रियों व पर्यटकों की संख्या लगभग पाँच गुना बढ़ी है। आज पर्यटक उत्तर प्रदेश को तीर्थ स्थल के हिसाब से पर्यटन के हिसाब से, सबसे अच्छा और सुन्दर प्रदेश मानते हैं। हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी व मनोयोग से परिश्रम करके, सत्ता को सेवा का माध्यम बनाकर दिन-रात कठोर मेहनत की है। मान्यवर, पूर्व में जब यहाँ अन्य प्रदेशों से अपराधी शरण लेने के लिए आते थे, अब इस प्रदेश में अपराधी प्रदेश छोड़कर अन्य प्रदेशों में शरण लेते हैं। मान्यवर, आज देश और प्रदेश में रामराज्य की कल्पना साकार हो रही है। अब प्रदेश की और देश की जनता-जनार्दन माननीय योगी जी और माननीय मोदी जी का विरोध स्वीकार नहीं करती है। विपक्ष जितनी कीचड़ भा0ज0पा0 पर उछालता है उतनी ही नई शक्ति के साथ कमल खिलता है।

मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र गोवर्धन में विकास की गंगा बह रही है। 2017 में प्रदेश में सरकार बनते ही, माननीय योगी जी ने ब्रज तीर्थ विकास परिषद् का गठन किया, जिसके अध्यक्ष स्वयं माननीय योगी जी महाराज हैं। अब माननीय योगी जी की सरकार के 2.0 के कार्यकाल में मथुरा में ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा तथा गोवर्धन रिंग रोड व अन्य विकास की लगभग 30 हजार करोड़ की योजनायें पाइपलाइन में हैं। माननीय योगी जी ने ब्रज के विकास की जिम्मेदारी खुद अपने हाथों में ले रखी है। देश में दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता भारत के लाडले व यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी तथा प्रदेश में देश के सबसे लोकप्रिय, यशस्वी, तेजस्वी और तपस्वी मुख्य मंत्री माननीय योगी जी महाराज की सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के सिद्धान्त पर काम कर रही है। उसी का नतीजा है कि आज रूस के राष्ट्रपति यह कहते हैं कि भारत हमारा सबसे मजबूत दोस्त है और हम अपने सम्बन्ध और मजबूत करेंगे। दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति भी यह कहते हैं कि भारत हमारा सबसे अच्छा दोस्त है।

मान्यवर, आज भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनने के रास्ते पर है हम देशवासी कितने गौरवशाली हैं, भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है, इससे पूरी दुनिया को भारत से बहुत कुछ आशा है। यह देश के 140 करोड़ के देशवासियों का आशीर्वाद व कठिन परिश्रम का फल है। आज हमारा प्रदेश देश की जी0डी0पी0 में सबसे बड़ा भागीदार बन रहा है। देश और प्रदेश की जनता का भारतीय जनता पार्टी पर पूरा विश्वास ही नहीं पूर्ण भरोसा है कि देश व प्रदेश का भविष्य मा0 मोदी जी और मा0 योगी जी के हाथों में बिल्कुल सुरक्षित है परन्तु बार-बार हार के बाद विपक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है।

श्री अधिष्ठाता-

मेघश्याम जी, अब समाप्त करिये।

श्री मेघश्याम-

मान्यवर, हमारे क्षेत्र की दो समस्यायें हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आगे से समस्या पहले रख दिया करिये, मा0 अध्यक्ष जी ने यह सुबह ही बता दिया है।

श्री मेघश्याम-

मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में दो रोड हैं एक बड़ी रोड जो वृन्दावन से राधा कुण्ड को जोड़ती है, दूसरी गोवर्धन से बरसाना को जोड़ती है। दोनों पर रेलवे लाइन है वहाँ पर रेलवे ओवर ब्रिज का बनना बहुत आवश्यक है। गोवर्धन में सिविल अस्पताल में 50 बेड बढ़ाने तथा ट्रामा सेन्टर बनवाने की कृपा करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, मैं उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। महामहिम राज्यपाल महोदया ने जो अभिभाषण सुनाने का काम किया है, वह सत्य से परे है। उत्तर प्रदेश का बजट तो आता है पर यह कहीं जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। आज स्वास्थ्य विभाग के मामले में माननीय शिवपाल सिंह यादव जी ने सवाल उठाया था। यह सही बात है कि आज गरीब तबके के लोग सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में भटक रहे हैं, उनके पास कोई जगह नहीं है, बाहर सो रहे हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, उनके पास इतनी जगह नहीं है कि अपने अस्पतालों में वह बेड दे सकें। मैं कहना चाहता हूं कि इसमें बड़े पैमाने पर सुधार की जरूरत है। यह जनता से जुड़ा हुआ विभाग है। सरकार को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यह संविधान है, लोकतंत्र है जो बाबा भीमराव अम्बेडकर के संविधान पर चलने का काम करता है। आज पढ़े-लिखे लोग बेरोजगार घूम रहे हैं। उनको नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं। अस्पतालों की स्थिति बहुत खराब है। आजमगढ़ के सदर अस्पताल में एम0आर0आई0 मशीन नहीं है। हमारे आजमगढ़ में केवल उसका भवन बना दिया गया है पर एम0आर0आई0 मशीन अभी तक नहीं लग पायी है। हमारे आजमगढ़ के मेडिकल कॉलेज में यदि अच्छे-अच्छे डॉक्टर पोस्ट हो जाते तो लोगों को लखनऊ, वाराणसी और दिल्ली जाने की जरूरत नहीं पड़ती। वहां पर विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं। किडनी के डॉक्टर हों, हार्ट के डॉक्टर हों, लीवर के डॉक्टर हों इस तरह के डॉक्टर आज तक उसमें पोस्ट नहीं हुए हैं। हमारे आजमगढ़ के मेडिकल कॉलेज की स्थिति यह है कि जो डॉक्टर सदर अस्पताल में पोस्ट हैं वैसे ही डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में भी पोस्ट है, इसलिए लोगों को असाध्य रोग के लिए लखनऊ या अन्य जगह जाना पड़ता है, जिस कारण उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। हमारे आजमगढ़ क्षेत्र में रानी की सराय एक पीएचसी है, वहां पर एक सीएचसी बनी हुई है, परन्तु वह दूर है, गांव में है, वहां पर कोई मरीज नहीं जाता है। रानी की सराय बाजार में जो पीएचसी बनी है अगर उसमें बेड बढ़ा दिये जायें या इसको सीएचसी कर दिया जाए तो वहां के लोगों का इलाज हो सकता है। हमारे सदर अस्पताल में डायलिसिस की मशीन देने का काम समाजवादी पार्टी की सरकार ने किया था, उसकी संख्या कम है, पहले 10 थी अब उसको बढ़ाकर 13 कर दिया गया है। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं, मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं, इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मेडिकल विभाग आपने देखा है, उसमें एम0आर0आई0 मशीन और विशेषज्ञ डॉक्टर की जरूरत है। दवा की स्थिति तो यह है कि जब वहां गरीब को देखते हैं तो एक-दो दवा दे देते हैं और चार दवा बाहर से लिख देते हैं। वह गरीब आदमी भटकता रहता है, उसके दवा की कोई व्यवस्था नहीं हो पाती है। मैं चाहता हूं कि अच्छी कम्पनियों की दवा लिखें और अस्पतालों में ही दवा दें। जैसे हमारे माननीय सदस्यों ने कहा कि हर अस्पताल में दलाल है। एक-एक

डॉक्टर के पास चार-चार, पांच-पांच दलाल हैं, वह पर्ची छीन लेते हैं और मनमाने तरीके से मेडिकल कॉलेजों में ले जाने का काम करते हैं। हमारी नगर पालिका आजमगढ़ के अन्दर अंडर ग्राउण्ड केबिल का कार्य समाजवादी पार्टी की सरकार के समय किया गया था, वह पूर्ण हो गया था, कुछ जगह बिजली भी पहुंच गयी थी और जल भी रही थी। जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी है तबसे कहीं केबिल के नाम पर तो कहीं खुदाई के नाम पर सारे केबिल उखाड़कर फेंक दिये गये, उनका रख-रखाव नहीं हो रहा है।

मान्यवर, हम यह चाहते हैं कि अण्डरग्राउण्ड बिजली की जो योजना बनाई गई थी उसकी मैं मांग करता हूं मैं चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल के संसोधन प्रस्ताव में इसको जोड़ने का काम करें, अण्डरग्राउण्ड बिजली का जो रख-रखाव है उसको करने का काम करें। हमारा जो बिजली विभाग है और बहुत साथियों ने चर्चा भी किया है कि ग्रामीण अंचलों में ट्रांसफॉर्मर जल जाता है। अगर ट्रांसफॉर्मर जल गया तो सरकार के पास उसको बदलने का पैसा नहीं है। यह बिजली का ट्रांसफॉर्मर नहीं बदलते हैं, अगर कोई उपभोक्ता जाता है तो कहते हैं कि मा0 विधायक जी से लिखवा कर लेकर आओ। विधायक निधि से लिखवा कर लेकर आओ। लेकिन अगर उनसे कहा जाए तो वह कहते हैं कि बिजनेस प्लान में पैसा ही नहीं है। इसलिए हम यह मांग करते हैं। सेठवल में 132 के0वी0ए0 का सब-स्टेशन है और उसके आस-पास करीब 10 किलोमीटर से शहर से लाइन होकर वहां जाती है। मैं यह कहना चाहता हूं कि सेठवल के आस-पास किसी गांव में 33 के0वी0ए0 का सब-स्टेशन बना दिया जाए। उसी तरह से हमारा मनचोभा है, हमारे क्षेत्र ब्लाक पल्हनी में बद्दोपुर से करीब 10 किमी0 की लाइन जाती है। वहां भी 33 के0वी0ए0 का सब-स्टेशन की जरूरत है। सड़क के बारे में मैंने पहली मीटिंग में कहा था, जो बजट सत्र चला था उसमें कहा था कि मुझे उम्मीद है कि यह सरकार बजट नहीं देगी। हमारे सम्मानित अध्यक्ष मैं इतने दिनों से विधान सभा में हूं जिस तरह से हमारे विधान सभा के मा0 अध्यक्ष जी ने निर्णय लिया कि यह बजट आपके यहाँ जाएगा और यह बजट आपके कहने पर वहां पहुंचा है। मैं मा0 विधान सभा अध्यक्ष जी को बधाई और धन्यवाद देता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए दस मिनट हो गया है।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

मान्यवर, सड़क का काम हम लोगों से जुड़ा हुआ मामला है, अस्पताल से जुड़ा हुआ मामला है, सिंचाई विभाग में नहर खुदाई हुई। खुदाई हो गई और इसके बाद लिख करके ठेकेदार से कहते हैं कि जाओ मा0 विधायक जी से लिखवा कर ले आओ। हम लोगों को पता ही नहीं है कि कौन सी नहर की खुदाई हुई है। हम विधायकगण को कोई सूचना नहीं दी जाती

है और न ही मौके पर बुलाया जाता है। आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के संसोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

***श्री जय कुमार सिंह जैकी-**

मान्यवर, आपने मुझे दिनांक 20 फरवरी, 2023 को राजकीय विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष महामहिम राज्यपाल जी द्वारा दिए गए अभिभाषण के प्रति मा0 सदस्य डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी जी द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर प्रदान किया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण किसी भी सरकार के आने वाले वर्ष के क्रिया-कलाप, उसकी नीतियों का एक रोड मैप होता है। हमारी सरकार में महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण हमारे सामने प्रस्तुत हुआ है इसको अगर देखा जाए तो यह समग्र दृष्टि से हमारी सरकार की बहुआयामी सोच और प्रदेश की जनता के लोक कल्याण का एक ऐसा दस्तावेज है जो आने वाले सफर में इस प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम करेगी।

मान्यवर, हम दो दिन से महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा सुन रहे हैं। पक्ष और विपक्ष के सभी लोगों ने अपने विचार रखे हैं। अभी बीच में हमारे दल के नेता और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल जी जब नेता विपक्ष के द्वारा कल कही गयी बातों का जवाब दे रहे थे तो एक सदस्य की बात हम सुन रहे थे। हम उस पार्टी से आते हैं जिस पार्टी का तीन दशक का संघर्ष का इतिहास रहा है। यशस्वी डा0 सोनेलाल पटेल जी ने इस उत्तर प्रदेश के अन्दर दलितों, पिछड़े, शोषित, पीड़ित और अन्तिम व्यक्ति जहाँ तक सरकार की नजर नहीं पहुँचती थी, वहाँ और उन लोगों के बीच में काम करने का काम किया है। तमाम ऐसे लोग हुये होंगे जिन्होंने उत्तर प्रदेश के अन्दर मुख्य मंत्री रहते हुये भी दल बनाये होंगे, तमाम ऐसे लोग होंगे जिन्होंने बड़े ओहदों पर होने के बावजूद भी दलों का गठन किया होगा, लेकिन हमारा नेता न तो लोक सभा का सदस्य रहा और न ही विधान सभा का सदस्य रहा, लेकिन उन्होंने तीन दशक तक समाज के किसानों, मजदूरों के बीच में काम करके अपना दल का गठन किया था और उस दल के गठन के बाद हमारी नेता तथा हमारे दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन अनुप्रिया पटेल जी ने जब भी पिछड़ों पर कोई बात आयी है, जब भी दलितों पर कोई बात आयी है, जब भी आदिवासियों पर कोई बात आयी है तो सड़क से लेकर संसद तक हर फोरम पर उसको उठाने का काम किया है। हम वर्ष 2014 से भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबन्धन में काम कर रहे हैं और गठबन्धन की नीति और गठबन्धन धर्म का पालन करते हुये अगर एन0डी0ए0 की बैठक हुयी है तो हमारी नेता ने चाहे उत्तर प्रदेश में पिछड़ों की कोई बात हो अथवा देश के किसी कोने में पिछड़ों की कोई बात हो, उसको उठाया है। हम इनको याद दिलाना चाहते हैं कि उस समय नेता मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री हुआ करते

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

थे। उस समय केन्द्र में वी0पी0 सिंह की सरकार थी। तीन दशक तक पिछड़ों की सरकार रही, बीच में जो भी सरकारें आयी हैं और भारतीय जनता पार्टी के पहले जो भी सरकारें रही हैं उन्होंने अगर पिछड़ों को याद किया होता तो आज भारतीय जनता पार्टी को वह काम करने की जरूरत नहीं पड़ती। जिस समय हमारे यशस्वी नेता डा0 सोनेलाल पटेल जी पिछड़ों की बात कर रहे थे हमें वह दिन भी याद है कि जब राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह जी ने जब राम पूजन पटेल को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भेजा था तो नेता मुलायम सिंह यादव और समाजवादियों ने राम पूजन जी के साथ जो घटना की थी वह उत्तर प्रदेश का पटेल समाज कभी नहीं भूलेगा। यही कारण है कि यह 2012 से 2017 के बीच में रहे और चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री रहने के बाद अगर इन्होंने अच्छा काम किया है तो यह गिना दें कि कौन सा अच्छा कार्य किया। अगर यह गिनाते हैं तो लखनऊ से आगरा एक्सप्रसे-वे बताते हैं, डायल 100 बताते हैं, पुलिस का मुख्यालय बताते हैं। बहुत काम किया है। हम धन्यवाद करना चाहते हैं और जो भी काम किया है उसकी तारीफ करना चाहते हैं, लेकिन आज भी एक बात उत्तर प्रदेश के समाज के अन्दर है कि आप किसी को कितना भी दे दो, लेकिन चलते वक्त अगर उसका अपमान कर दो तो पूरा दिया हुआ बेकार हो जाता है। समाजवादी पार्टी इतने दिन तक उत्तर प्रदेश में रही, इन्होंने लोहिया आवास दिया और उसके लिये लगभग तीन लाख रुपये दिये। हम प्रधानमंत्री आवास के लिये एक लाख बीस हजार दे रहे हैं, लेकिन ईमानदारी के साथ दे रहे हैं और पात्र व्यक्ति को दे रहे हैं। यह उसको दे रहे थे जिसको विधायक रिकमेंड करते थे, पात्रता और अपात्रता को इन्होंने नहीं देखा। यह गरीबों की बात करते हैं। हम उस गांव में पैदा हुये हैं जिस गाँव में आवागमन का साधन नहीं है। हमने गरीबी देखी हैं, हमने लाचारी देखी है। हमने अपने राजनैतिक विद्यार्थी जीवन में काम करते वक्त संघर्ष किया है।

तो हम लोगों को वह बात पता है। बरसात के दिनों में जब कोई माँ खाना बनाती थी और खाना बनाते वक्त गीली लकड़ियों को फुकनी से फूंकना पड़ता था उसे एक माँ ही जान सकती है कि कितना धुंआ उसके पेट में जाता था और कितना उसकी आँखों में लगता था। यह सब अगर किसी ने देखा है तो वह हमारे देश के आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देखा है और उन्होंने हर घर को गैस चूल्हा दिया है। हमने आवास दिया, गैस चूल्हा दिया, शौचालय दिया, राशन दिया इसके साथ-साथ गरीब की समस्या का समाधान करने का पूरा प्रयास किया। हम लोगों ने कोविड के समय में फ्री वैक्सीन लगाने का काम किया है। हम याद दिलाना चाहते हैं समाजवादी पार्टी के नेता, जो आज नेता विपक्ष हैं जो कि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे हैं और मुख्य मंत्री रहने के बाद उन्होंने जिस तरह से वैक्सीन का विरोध किया था उससे हमारे डाक्टरों को गरीबों को समझाने में पसीना आ गया था, इन्होंने वैक्सीन का घोर विरोध किया था। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की बात कहना चाहता हूँ, चूँकि समय बहुत कम है। एक सुझाव आपके माध्यम से देना चाहता हूँ। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर देश में लोक सभा का परिसीमन हो गया, परिसीमन हो गया लेकिन अभी विकास खण्डों का परिसीमन नहीं हुआ है, थानों का

परिसीमन नहीं हुआ है, बिजली घरों में बिजली के जो गांव आते हैं। मैं उदाहरण के तौर पर बता सकता हूँ कि जो हमारे यहां ब्लॉक हैं एक-एक ब्लॉक दो-दो विधान सभा क्षेत्रों में आते हैं, तीन-तीन विधान सभा क्षेत्रों में आते हैं। अगर इन थानों का और ब्लाकों का परिसीमन किया जाए तो मुझे लगता है कि बहुत अच्छा रहेगा, क्योंकि लोक सभा और विधान सभा का परिसीमन हुआ है तो एक विधान सभा और उसके अन्दर आने वाले जो ब्लाक हैं, अन्य विधान सभा क्षेत्रों से न जुड़ें। यह चीज हो जाए तो बहुत अच्छा रहेगा। इसी के साथ मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण और उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सभी नीतियों के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त करता हूँ, धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मेरा सभी मा0 सदस्यों से आग्रह है कि 5-6 मिनट में ही अपनी बात समाप्त कर लें. क्योंकि मा0 अध्यक्ष जी का जो निर्देश है उसका पालन हम सब लोग करें और अपनी विधान सभा की बात पहले बोल दें।

श्री अशोक कुमार-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं अपना वक्तव्य रखने से पहले अपने विपक्ष के सभी साथियों की शान में चार लाइनें प्रस्तुत करना चाहता हूँ कि 'बेवजह अहम पाल रखा है, साथ में वहम पाल रखा है गिर के इस तरह बात करते हैं कि जैसे सब कुछ संभाल रखा है'। महोदय, आज इस उत्तर प्रदेश में गांव, गरीब, किसान, नौजवान, मजदूर, दलित, वंचित, पिछड़े और आदिवासियों की निरन्तर रात-दिन चिन्ता करने वाले ऐसे हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार भी व्यक्त करना चाहता हूँ और उनको धन्यवाद भी देना चाहता हूँ। धन्यवाद इसलिए देना चाहता हूँ क्योंकि जबसे मैं इस सदन का सदस्य चुन कर आया हूँ मैंने अब तक अपने क्षेत्र में जितने भी गरीब मरीज भाई हैं, जिनकी दवा के लिए उनके पास पैसे नहीं होते हैं मैंने उनके लिए जितने भी पत्र लिखें है मा0 मुख्य मंत्री जी ने शत-प्रतिशत उनको मुख्य मंत्री राहत कोष से पैसा देने का काम किया है और जितनी जल्दी हो सका उन्होंने उस पर काम किया, मैं इसके लिए उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ कि जो ऐसे गरीब हमारे गांव के मजदूर, किसान भाई हैं जिनके पास अपने ईलाज के लिए धन की व्यवस्था नहीं होती है उनको आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने अपने राहत कोष से सहायता प्रदान करने का काम किया है।

आदरणीय महोदय, आज सदन में एक नई लाइन सुनने को मिली। क्राइसिस ऑफ क्रेडिबिलिटी ऑफ लीडरशिप। बट शी नेवर टोल्ड अस फॉर ह्यू। क्राइसिस ऑफ क्रेडिबिलिटी ऑफ लीडरशिप और क्रेडिबिलिटी ऑफ लीडरशिप यह क्या होती है ? इसके लिए मैं प्रकाश डालना चाहता हूं। महोदय, 2014 के बाद भारतीय जनता पार्टी ने केन्द्र और प्रदेश में लगातार दो बार सरकार बनाई। इसे कहते हैं क्रेडिबिलिटी ऑफ लीडरशिप। उन चारों चुनाव में आप

उत्तर प्रदेश में बुरी तरह से हारे इसे कहते हैं क्राइसिस ऑफ क्रेडिबिलिटी ऑफ लीडरशिप। महोदय, मुख्य मंत्री जी के डायनमिक लीडरशिप में हमने उत्तर प्रदेश में अभी हाल ही में एक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का जो आयोजन किया। मैं सदन को बताना चाहूंगा कि विदेश में जब रोड शो हो रहे थे तो मुझे भी वहां प्रतिभाग करने का मौका मिला। मैं दक्षिण कोरिया प्रतिनिधि मण्डल के साथ गया था। आपको बताना चाहूंगा कि वहां के लोगों की राय हमारे देश के लिए हमारे प्रदेश के लिए बदली है। वहां के लोगों का कहना है येस दिस इज द टाइम, दिस इज द परफेक्ट टाइम व्हेन यू शुड गो टू यू0पी0 एण्ड इन्वेस्ट देयर। वहां के लोगों का यह मानना है कि जबसे आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में इस देश की बागडोर आई है तब से हिस्दुस्तान पूरे विश्व में अपना एक अलग स्थान बना चुका है। महोदय, वहां के लोगों में एक नई आशा दिखी। हमने वहां के बहुत सारे उद्योगपतियों से बात की और यहां पर इन्वेस्टर्स समिट में जब वे लोग आये। आप यकीन मानिये में उन लोगों को अपने साथ अपने क्षेत्र दिखाने के लिए ले गया जहां पर वे इन्वेस्टमेन्ट करना चाहते थे। टैक्नोलॉजी शेयरिंग की कुछ बातें थी। उन्होंने कहा कि हम साइट देखना चाहते है, हमने दिखाया। उन्होंने बिल्कुल सच कहा कि जैसा प्रतीत होता है आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में, माननीय योगी जी के नेतृत्व में आज देश और प्रदेश जिस तरह से उत्तरोत्तर वृद्धि कर रहा है, यह काबिले तारीफ है। महोदय बहुत सारी बातें सदन में हमारे साथियों द्वारा रखी जा चुकी है। इसलिए बहुत ज्यादा न कहते हुए अपने क्षेत्र की कुछ मांगे रखना चाहूंगा। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह मांग करूंगा कि मेरे क्षेत्र में सलोन ब्लाक में जहां आलू की बहुत अच्छी पैदावार होती है। वहां पर एक फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगाने की व्यवस्था की जाये ताकि आलू के किसानों को मदद मिल सके और अच्छी किस्म के आलू का लाभ उनको मिल सके। महोदय, मेरे पिता जी इस सदन के पूर्व सदस्य रहे और उनके समय से ही हमारे यहां एक ग्राम सभा हाजीपुर है। वहां सई नदी पर पुल की मांग बहुत दिनों से चल रही है। उसका कई बार इस्टीमेट भी बना। लेकिन जब भी उस मांग को धरातल पर उतारने की बात आई तो विभाग द्वारा यह बताया गया कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि 10 किलोमीटर के पहले हम कोई नया पुल दे सकें। मैंने पिछली बार भी नियम-51 में यह सूचना मांगी, लेकिन उसमें कहा गया कि 10 किलोमीटर के पहले हम नया पुल नहीं दे सकते। उसकी दूरी मात्र 8 किलोमीटर है। मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं कि मेरे बगल में रामपुर खास विधान सभा क्षेत्र है। जहां से पहले श्री प्रमोद तिवारी जी और इस समय मोना दीदी चुनकर आती हैं। आप वहां जायें हर ढाई से तीन किलोमीटर के बाद आपको सई नदी पर पुल मिलेगा। मेरी सरकार से अपने क्षेत्रवासियों की ओर से यह मांग है कि हमें वहां पर एक पुल देने का काम किया जाये। जिससे वहां की करीब बीस से पच्चीस हजार जनता के आवागमन में जो बाधा उत्पन्न होती है वह दूर हो सके।

महोदय इसी प्रकार हमारी विधान सभा क्षेत्र के छतोह ब्लाक में दो गांव हैं रजियापुर और नोनार। यहां पर एक मट्टन नाला है। इस पर भी लगभग 15 से 20 वर्षों से पुल की

मांग चली आ रही है। हमारे यहां बिरनावा ग्राम सभा में जो मेरे क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम सभा है वहां पर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए एक सी0एच0सी0 सेन्टर की मांग है। चूंकि वहां लगभग 8 से 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी ऐसा सेन्टर नहीं है जहां पर लोग जाकर अपनी दवा करा सकें। महोदय इसी प्रकार सलोन ब्लाक जो कि हमारा सबसे बड़ा ब्लाक है वहां पर सूची मण्डल में भी एक सी0एच0सी0 की मांग है, ताकि वहां के लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

अधिष्ठाता महोदय, वहां पर लगभग 8-10 किलोमीटर के दायरे में कोई ऐसा अस्पताल नहीं है कि अगर रात में कोई इमरजेंसी पड़ जाए तो वहां जा करके स्वास्थ्य लाभ ले सके। मैं बहुत ज्यादा कुछ न कहते हुए एक बात पर विशेष ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं मेरी विधान सभा क्षेत्र में भीम आर्मी व सुहेलदेव आर्मी के नाम से अनैतिक संगठन चल रहे है और इन लोगों का काम है वहां आकर उपद्रव फैलाना और जातिगत अवरोध पैदा करना यही काम ये लोग करते हैं। मेरी सदन के द्वारा मा0 मुख्य मंत्री जी से मांग है कि ऐसे अराजक तत्वों पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। धन्यवाद।

श्री मदन भैय्या-

अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया आपका धन्यवाद। मैं अभिभाषण के विरोध पर बल देने के लिए खड़ा हुआ हूं! अभिभाषण में किसानों की एम0एस0पी0 बढ़ाने की कोई बात नहीं हुई है और निचले वर्ग को जो न्याय मिलना चाहिए था उसके विषय में भी कोई बात नहीं हुई है। मैं बधाई देना चाहता हूं गठबंधन के लीडर श्री अखिलेश यादव जी को और राष्ट्रीय लोकदल के लीडर चौधरी जयंत जी को क्योकि उन्होंने सभी पिछड़े व दलित वर्गों में सही बंटवारा होने के लिए जातीय जनगणना की मांग पुरजोर तरीके से उठाई है, उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। अधिष्ठाता महोदय, आपकी सरकार भी सबका साथ व सबका विकास चाहती है और सबका साथ व सबका विकास के लिए साधनों का सही बंटवारा हो और साधनों के सही बटवारे के लिए जातीय जनगणना होना जरूरी है और इसे हर पार्टी चाहती है। कुछ पार्टियां प्रत्यक्ष रूप से चाहती है तो कुछ अप्रत्यक्ष रूप से चाहती हैं। इसके अलावा मा0 राज्यपाल के अभिभाषण में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए भी कोई ठोस नीति की घोषणा नहीं की गयी है और सौहार्द व भाईचारे को विकसित करने के लिए भी कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है। इसमें पिछला जो बजट है वह कितना खर्च हो गया है इसकी भी कोई जानकारी नहीं दी गयी है और सरकारी नौकरियों में जो खाली पद भरे जाने हैं उनका भी कोई उल्लेख नहीं है और जो नवसृजित पद हैं उनका भी कोई उल्लेख नहीं है। ये बजट रोजगार के बारे में थी कोई स्पष्ट नीति नहीं बता रहा है। नियुक्ति से पूर्व टेट पास शिक्षामित्रों को अभी तक नियमानुसार रेगुलर करने में देरी कर उनके प्रति अन्याय किया जा रहा है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने विधान सभा क्षेत्र खतौली, मुजफ्फरनगर के विकास के लिए कुछ मांगें रखना चाहता हूँ। प्रदेश के बड़े-बड़े नगरों की तरह छोटे-छोटे कस्बे भी पर्यावरण की दृष्टि से प्रदूषित होते जा रहे हैं। प्रदूषण को मापने के यंत्र बड़े-बड़े शहरों में लगाये गये हैं और मेरी मांग है कि खतौली विधान सभा क्षेत्र के कस्बा खतौली, कस्बा जानसठ और कस्बा मंसूरपुर में भी वायु प्रदूषण निगरानी डिस्प्ले यंत्र लगाये जायं, ताकि आम शहरी जान पाये कि हम सब भी कितनी प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं। मुजफ्फरनगर में बहुत बड़ा ग्रामीण इलाका भी आता है। वहां पर हास्पिटल जरूर हैं, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को देखते हुए वह परिपूर्ण नहीं हैं। हमारा इलाका उत्तराखण्ड से लगता है और उत्तराखण्ड के सीमावर्ती जनपदों के लोग इलाज के लिए दिल्ली जाने के लिए मजबूर होते हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से खतौली में एक पी0जी0आई0 अथवा मेडिकल कालेज खोलने की मांग करता हूँ। विधान सभा क्षेत्र खतौली के अन्तर्गत जो सड़क निर्माण के कार्य चल रहे हैं उनको प्राथमिकता पर पूरा कराया जाये। हम, हमारा गठबन्धन और हमारा दल गन्ने का उचित मूल्य दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करता है, इसलिये मैं इस मुद्दे से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए मांग करता हूँ कि गन्ने का ज्यादा से ज्यादा समर्थन मूल्य दिया जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के विरोध पर बल देते हुए कहना चाहता हूँ कि इस अभिभाषण में किसानों और मजदूरों के लिए कुछ भी नहीं किया गया है और सरकार को किसानों को उबारने के लिए कोई विशेष पैकेज देने की घोषणा करनी चाहिये। धन्यवाद।

श्री बाबूलाल-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। मैं आपको और पूरे सदन को नमन करना चाहता हूँ और समस्त फतेहपुर सीकरी की जनता को नमन करना चाहता हूँ, जिन्होंने इस विधान सभा में सन् 1996 में मुझे निर्दलीय विधायक के रूप में सेवा करने का मौका दिया था। आदरणीय मोदी जी और आदरणीय पूज्य योगी जी को मैं धन्यवाद देना चाहूँगा, जिन्होंने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश ही नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनाने का काम किया है। मैं प्रदेश की जनता की तरफ से उनको बहुत-बहुत धन्यवाद और बधाई देना चाहूँगा, जिन्होंने वर्ष 2014 से 2022 तक तमाम जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू कराकर विश्व स्तर पर प्रदेश और देश का सम्मान बढ़ाने का काम किया है जिसके बल बूते हमारा देश आज विश्व गुरू बनने जा रहा है। मैं आदरणीय मोदी जी और आदरणीय योगी जी को धन्यवाद देना चाहूँगा कि समिट के तहत जो 40 देशों के उद्यमी आये उनके लिए मैं आगरा के आगरा की जनता की तरफ से और अपनी तरफ से आदरणीय मोदी जी और आदरणीय योगी जी को धन्यवाद देता

हूँ। महोदय, 2017 से पहले प्रदेश में तमाम गुण्डागर्दी का राज था। मुजफ्फरनगर जैसे न जाने कितने काण्ड हुये थे। मगर 2017 के बाद आदरणीय महाराज पूज्य जी की सरकार में आज तक एक भी काण्ड ऐसा नहीं हुआ, जिसमें दंगा हुआ हो। पूज्य बाबा जी के बुल्डोजर की वजह से आज गुण्डे-माफिया न जाने कहाँ चले गये हैं। या तो पुलिस ने जेल में भेज दिया है या प्रदेश छोड़कर भाग गये हैं।

महोदय, आदरणीय मोदी जी और पूज्य योगी जी ने प्रदेश की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुये अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर बनाकर और बनारस में बाबा विश्वनाथ जी का कारीडोर बनाकर प्रदेश की जनता का जो सम्मान किया है उसके लिए हम प्रदेश के लोग बहुत-बहुत आभारी हैं। जिस तरीके से पूरे बृज में गोवर्धन महाराज जी की मथुरा वृन्दावन में बांके बिहारी जी में करोड़ों रुपये लगाकर वहाँ विकास किया जा रहा है। चौरासी कोसी परिक्रमा में भी लाखों रुपये लगाये जा रहे हैं। वहाँ देश और विदेश के लाखों श्रद्धालुओं को सुविधायें मिल रही हैं। आदरणीय महोदय जी मेरा विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी राजस्थान सीमा से लगा हुआ है। मैं कहना चाहूंगा कि फतेहपुर सीकरी के 70-80 गाँवों में सिंचाई का कोई भी साधन नहीं है। मेरी मांग है कि फतेहपुर सीकरी रजबहा से निकलने वाली मड़ौली माइनर का विस्तार करके ग्राम डावर तक उसका विस्तार किया जाये, जिससे किसानों को सिंचाई की व्यवस्था हो सके। दूसरी मांग यह है कि फतेहपुर सीकरी रजबहा से निकलने वाली जहानपुरमूल को औलेण्डा गाँव तक का विस्तार कराना बहुत जरूरी है। वहाँ के किसान भुखमरी के कगार पर हैं इससे उनकी सिंचाई की व्यवस्था हो सकेगी। महोदय, फतेहपुर सीकरी की नहरों की सफाई बिल्कुल नहीं की जाती है और हमारे पास राजस्थान का एक नयागांव गाँव पड़ता है उस गाँव के लोगों के द्वारा हमारे फतेहपुर सीकरी रजबहा से गाँव पम्प हाउस बनाकर पानी की चोरी वहाँ के एक्सिएन गिरी के द्वारा और वहाँ के जे0ई0 नाहर सिंह के द्वारा पैसे लेकर करायी जाती है। मेरी मांग है कि उन पम्प हाउसों को तुरन्त उखड़वा दिया जाये, क्योंकि हमारे किसानों को पानी नहीं मिल पाता है। उन दोनों अधिकारियों का ट्रान्सफर कराया जाये। मान्यवर, हमारी नहरों को गंग नहर से जोड़ा जाये, क्योंकि यमुना में पानी न होने की वजह से आगरा जिले को पानी नहीं मिल पाता है। इसके कारण किसानों को सिंचाई की व्यवस्था नहीं हो पाती है। फतेहपुर सीकरी के समस्त नालों की सफाई करायी जाये, क्योंकि बरसात होने पर नालों की सफाई न होने के कारण किसानों की हजारों बीघा जमीन बिना बुआई के रह जाती है। इसलिए नालों की सफाई करायी जाये। फतेहपुर सीकरी विधान सभा क्षेत्र में पीने के पानी की जो व्यवस्था हमारी सरकार के द्वारा हर घर के लिये नल की योजना चलायी जा रही है मेरी मांग है कि मेरी फतेहपुर सीकरी की जनता के लिए बराबर से भरतपुर के लिए चम्बल नदी से पानी पिलाया जा रहा है। तो मेरी मांग है कि चम्बल नदी से पानी की व्यवस्था करायी जाये, जिससे यहाँ (फसी) से चम्बल नदी भी पास पड़ेगी और बराबर से पाइप लाइन वहाँ से भरतपुर के लिए भी जा रही है।

मान्यवर, फतेहपुर सीकरी में जो कस्बा, नगरपालिका है वह आगरा विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत आता है। आगरा विकास प्राधिकरण के द्वारा वहां की दरगाह से जो पथकर वसूला जाता है, उसके बारे में हमें जानकारी नहीं होती है। फतेहपुर सीकरी की विधान सभा क्षेत्र-91, से जो भी विधायक हो उसको बोर्ड का मेम्बर बनाया जाए। फतेहपुर सीकरी में ए0एस0आई0 एवं ए0डी0ए0 के द्वारा 300 मीटर 200 मीटर एवं 100 मीटर की सीमा बांध रखी है। उसमें ए0एस0आई0 एवं ए0डी0ए0 के द्वारा वहां के निवासियों को बहुत परेशान किया जाता है। और पैसे लेकर रातोंदिन वहां पर मरम्मत नये निर्माण का काम किया जाता है। मैं चाहता हूं कि उसकी मरम्मत की मंजूरी के लिए जिस तरह से कमिश्नर साहब को अधिकृत किया गया है फतेहपुर सीकरी के लिये SDM को अधिकृत किया जाये इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य अब आप बैठ जाएं आपका समय पूरा हो गया है। अब मैं अगले मा0 सदस्य को बुलाता हूँ।

श्री महेन्द्र-

मान्यवर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया है उसके लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। आज लोकतंत्र के मन्दिर में हसनपुर जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र की जनता ने मुझे दोबारा निर्वाचित करके सदन में भेजा है। राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर विपक्ष के मा0 विधायकों के द्वारा जो हुड़दंग दिखाया गया है उसको उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता ने देखा है, उनके कृत्य को देखा है और वह जनता इनको कभी-भी माफ नहीं करेगी। वर्ष 2012 से लेकर वर्ष 2017 तक के इतिहास को उत्तर प्रदेश की जनता ने बखूबी देखा है। विपक्ष के कामों को झूठलाया गया है और उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इतिहास लिखा है कि दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में विकास की गंगा बहाने का काम कर रही है। हम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देते हैं कि हमको हमारी जनता ने दूसरी बार विधायक बनाकर सदन में भेजने का अवसर दिया है। इन छः सालों में प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि यह दंगाई लोग हैं, इनको उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता ने बखूबी देखा है, इनको उत्तर प्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी, इनको उत्तर प्रदेश की जनता दोबारा सत्ता में आने का मौका नहीं देगी। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि वर्ष 2024 में फिर से तीसरी बार मा0 नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुँचाने का काम करेंगे। हमने विकास किया है. विकास का वादा किया है और विकास कराने का काम करेंगे। हमारे महाराज जी ने अयोध्या में श्रीराम जी का मन्दिर बनाया है वह एक सराहनीय कार्य है। मैं अपने मित्रों को बताना चाहता हूँ कि इन साढ़े चार सालों में जो आज तक कोई

नहीं कर पाया है उसको मा0 मुख्य मंत्री जी ने करके दिखाया है। आप लोगों को अयोध्या का भव्य मन्दिर देखना चाहिए, काशी देखना चाहिए, मथुरा देखना चाहिए। आप कहां हो, आप बेकार की बात करते हो, आप वेल में आ जाते हो, समय नष्ट करते हो, आप विकास को देखो, विकास के नजरिये को देखो, सोच बदलिए। इसी तरह से आपको हमारे साथ आना पड़ेगा और यहां पर खड़े होना पड़ेगा, नहीं तो आपको उत्तर प्रदेश की जनता माफ नहीं करेगी, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ। मैं दो दिन से देख रहा हूँ कि जब चर्चा होती है, तो विपक्ष के लोग सुनने की क्षमता नहीं रखते हैं और सदन से उठकर चले जाते हैं।

अपने डिप्टी सी0एम0 यहां पर बैठे हुए थे उन्होंने एक ही बात कही और उठकर चले गए अरे आप सुनने की भी क्षमता रखो। हमारी सरकार ने विकास का काम किया है, हमने कई अस्पताल खोले हैं और 24 घण्टे बिजली देने का काम किया है। जब मैं वर्ष 2017 में विधायक बना था, तो मेरे साथ के गांवों में बिजली नहीं थी, खंभे नहीं थे और एक भी गांव में बल्ब नहीं जलता था उस समय कहां था आपका विकास। उत्तर प्रदेश के मुखिया मा0 मुख्य मंत्री जी ने हर घर में बिजली देने का काम किया है। गांवों में बिजली के लिए गांव की बिजली की लाइन अलग है और खेत की लाइन अलग है ऐसा काम करने का काम हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने किया है। आज जिस राशन की बात करते हो 25 करोड़ की जनता में 14 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन देने का काम हमारी सरकार ने किया है। मैं बताना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र में कुछ काम ऐसे है जो मा0 मुख्य मंत्री जी ने किए है मेरे नगर में नगर पंचायत देने का काम किया हैं। मेरे क्षेत्र में दो चीनी मिल हैं हसनपुर गजरौला और त्रिवेणी जिसमें त्रिवेणी शुगर मिल में किसानों को सौ प्रतिशत भुगतान करने का काम किया है और सरकारी चीनी मिल ने 70 प्रतिशत भुगतान करने का काम किया है। मैं अपने मा0 मंत्री लक्ष्मी नारायण जी को बधाई देता हूं कि उन्होंने अच्छा काम किया है, क्या उन्होंने घटतौली पर 50 हजार रुपए तक जुर्माना लगाने का काम किया है, यदि कहीं घटतौली होगी तो उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना होगा। पहली बार ऐसी सरकार आई है जो किसानों को राहत देने का काम करती है, किसान को पानी देने का काम करती है, हरित मजदूरों को काम देने का काम करती है और जो हमारे श्रम के मजदूर हैं उनकी बहन-बेटियों की शादी कराने का काम हमारी सरकार करती है। हमारी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास करने का काम किया है। आज हम लोग अपने क्षेत्र में एक साथ पांच-पांच सौ बेटियों की शादी कराने का काम करते हैं। जब विपक्ष की सरकार थी, तो अगर यहां से पैसा जाता था, तो वह पैसा बीच में ही बंट जाता था। आज हमारी सरकार सामूहिक शादी कराने का काम कर रही है। आज हमने वह काम किए हैं, जो कोई नहीं कर सकता है। आज विकास की गंगा बहाने का काम उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने किया है। आज वर्ष 2022 के अमरोहा में और वर्ष 2012 के अमरोहा में बहुत फर्क है, पहले लोग अमरोहा में घुसना पसंद नहीं करते थे और अमरोहा में चारों तरफ हाहाकार मची हुई थी और आज वही अमरोहा है जहां लोग अपनी

फैक्ट्री लगाने जा रहे हैं, वहां विकास की गंगा बही हुई है। मैं बताना चाहता हूं कि मैं पिछड़ी जाति से हूं और अकेला खड़गवंशी खागी समाज का उत्तर प्रदेश में विधायक हूं। मान्यवर जी, मैं कुछ मांग करना चाहता हूं कि मेरी जाति को केंद्र की सूची में शामिल किया जाए और गंगा बांध का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, एक मेडिकल कालेज, एक स्टेडियम, एक ट्रामा सेण्टर दिया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री धर्मराज सिंह यादव-

मान्यवर, मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष की बातों से अपने आपको संबद्ध करते हुए कुछ चीजों पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। यह उत्तर प्रदेश देश के सभी प्रदेशों में सबसे बड़ा प्रदेश है और सबसे बड़ी आबादी का प्रदेश है। हम लोगों को जनता इस उम्मीद के साथ भेजती है कि हम लोग जाएंगे तो उनके लिए विकास के रास्ते खोजने का काम करेंगे कि उनके बच्चों की शिक्षा कैसे अच्छी हो और उनका स्वास्थ्य कैसे अच्छा हो, उनको रोजगार कैसे मिले और किसान कैसे आगे बढ़े इस उम्मीद के साथ हम सबको इस विधान सभा भवन में भेजने का काम प्रदेश की जनता का है।

मान्यवर, मैं देख रहा हूँ कि यहाँ पर महंगाई की बात नहीं होती, रोजगार की बात नहीं होती, शिक्षा की बात नहीं होती, स्वास्थ्य की बात नहीं होती, किसान कैसे तरक्की करे उसकी बात नहीं होती। केवल एक-दूसरे की निन्दा होती है। भूतकाल में क्या हुआ, हम लोगों ने जो किया उसका फल हम भोग रहे हैं, लेकिन भविष्य के सपने दिखाकर जनता को छलने और ठगने का काम भारतीय जनता पार्टी के लोग कर रहे हैं। हमेशा भविष्य की बात करके भूतकाल की बात सदन में होती है। हमने क्या किया, बहन जी ने क्या किया, मा0 अखिलेश जी ने क्या किया, मा0 मुलायम सिंह जी ने क्या किया ? एक-एक योजना पर गम्भीरता से जानने का प्रयास करो। कुछ लोग कहते है मैं वर्ष 2017 से आया हूँ। अगर वर्ष 2012 से 2017 में होते तो जान जाते इधर क्या तकलीफ है या सदन में क्या तकलीफ होती थी ? तब के जो लोग रहे हैं भारतीय जनता पार्टी वाले वर्ष 2012 से 2017 तक वे जानते हैं, तो हम लोगों ने वह समय भी देखा है। मान्यवर, आज अगर स्वास्थ्य के क्षेत्र में देखा जाए तो मैं किसी की निन्दा नहीं करना चाहता। सुझाव देना मेरा हक है, जनता ने मुझे जिताकर भेजा है।

मान्यवर, स्वास्थ्य की बात की जाए तो मैं बाराबंकी से चुनकर आता हूँ, जो यहाँ से बहुत नजदीक है। हमारे स्वास्थ्य मंत्री कई बार वहाँ विजिट कर चुके हैं, मैं छापा मारने की बात नहीं करूँगा। कई बार स्वास्थ्य मंत्री वहाँ जाकर आ चुके हैं, लेकिन क्या अन्तर पड़ा है, यह जाँच का विषय है। संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं, मैं अनुरोधपूर्वक इनसे कहूँगा, आप जाँच करा लें कि स्वास्थ्य मंत्री जी के द्वारा बाराबंकी का विजिट करने के बाद कौन से सुधार स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिला अस्पताल, बाराबंकी में आए हैं।

मान्यवर, एक रेफर सेण्टर बन गया है, हर अस्पताल में एक रेफर सेण्टर बन गया है। आप यकीन जानिए यहाँ पर चाहे जितनी बड़ी-बड़ी बातें कही जाएँ, इसीलिए हम लोग कहते हैं कि कुछ लोग झूठ बोलने में बड़े माहिर हैं। अगर बात की जाए कि अस्पतालों में डॉक्टर कितने रुकते हैं तो किसी भी दिन अचानक रात के 10-11 बजे कोई भी भारतीय जनता पार्टी का सदस्य अपने यहाँ से कमेटी बनाकर चला जाए और देख ले, बाराबंकी सबसे निकट है। आप केवल घूमने की नजर से चले जाइए, अगर किसी पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 पर कोई डॉक्टर मिल जाए तो मुझे जो सजा देनी हो, दे दीजिए। अगर इसी तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में देखा जाए तो आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में दलाली हो रही है। इस तरह की दलाली हो रही है कि कोई महिला अगर महिला अस्पताल में जाती है यकीन जानिए मेरी झूठ बोलने की आदत नहीं है। मैं इस सदन में कह रहा हूँ, गरिमापूर्ण बात कर रहा हूँ। कोई भी महिला अगर वहाँ जाती है तो वहाँ के दलालों की महिलाएँ उसकी रिश्तेदार बन जाती हैं और वे लोग तमाम औरतों को ले जा करके उनको प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराने का काम करती हैं। पेट चीरने का काम पूरी तरह से हो रहा है। एक दिन मैं अपने महिला अस्पताल में गया था तो मैंने देखा कि वहाँ 100 बेड होने चाहिए, तो मुझे 73 बेड मिले और उन 73 बेडों पर 60 महिलाएँ मिलीं। जो हालात वहाँ के थे, मैं आपके बीच में क्या बयान करूँ। इसलिए आप जाँच करा लीजिए। अगर इसी प्रकार से देखा जाए तो किसानों की समस्या के बारे में बड़ी मेहनत, मशक्कत करके किसान अपनी फसल तैयार करता है। जाड़ा, गर्मी, बरसात, कभी ओला पड़ गया, कभी ज्यादा पानी बरस गया, कभी साँड़ फसल खा गए। उससे निजात पा भी ली तो कभी फसल के खाद नहीं मिलती, खाद के लिए लाइन लगाते-लगाते हमारा किसान हाड़ तोड़ मेहनत करके हमारे लिए अन्न पैदा करता है, एक जून की रोटी पैदा करता है। मान्यवर, आज प्रदेश में किसानों का हाल क्या है ? सरकार की नीति के अनुसार किसानों के क्या हाल हैं ? एक-एक किसान आलू रखने के लिए परेशान हो रहा है। पैदा तो उसने किसी तरह कर लिया लेकिन अब उस आलू को स्टोर में रखने के लिए एक-एक किसान पूरी तरह से लाइन लगाकर खड़ा है। सरकार की क्या नीति है इस बारे में स्पष्ट करना चाहिए अपने अभिभाषण में हमारी महामहिम जी को। सरकार को बताना चाहिए कि ये किसानों के साथ कितनी गम्भीरता से लगे हुए हैं। इसी तरह अगर रोजगार की बात की जाए तो सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की बात करती है, ये सरकार बार-बार उसका ढिंढोरा पीटती है। मैं कह रहा हूँ कि हमारे बुनकर भाइयों को जो बिजली में छूट मिलती थी, उस छूट को सरकार ने क्यों खत्म कर दिया, अगर वास्तव में सरकार उनको ओ0डी0ओ0पी0 के हिसाब से बढ़ावा देना चाहती थी, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को बढ़ावा देना चाहती थी। हमें सरकार की मंशा यहीं से समझ में आ जाती है कि सरकार पूरी तरह से छोंटे व्यापारियों की कमर तोड़ने का काम कर रही है और न जाने कितने प्रकार के टैक्स लगाने का काम कर रही है। मान्यवर, मैं आपके बीच यह कहना चाहता हूँ कि महामहिम जी ने लगभग चार पृष्ठ में केन्द्र की योजनाओं का बखान किया है। अगर केन्द्र की

योजनाएँ हटा दी जाएँ इस अभिभाषण से तो आप यकीन जानिए कि उत्तर प्रदेश सरकार ने क्या किया है, आप सभी लोग इसको गौर से पढ़ लें। केन्द्र सरकार की सारी योजनाओं का बखान अभिभाषण में महामहिम द्वारा झूठ पढ़वाया गया और एक भद्र महिला जो हमारे प्रदेश की राज्यपाल हैं, उनसे इस सरकार ने झूठ बुलवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहते थे कि अच्छे दिन आएँगे, 15-15 लाख रुपये खाते में लाएँगे। यहाँ तक तो हम लोग समझ रहे थे कि झूठ है। मान्यवर, इसी सदन में झूठ के बारे में सबूत सहित पेश करना चाहता हूँ। इसी सदन में शीर्ष पदों पर, बड़े पदों पर बैठे लोगों ने सभी विधायकों के बीच में कहा।

इसी सदन में सभी विधायकों के बीच में कहा कि निधि 5 करोड़ करने का काम करेंगे, जो अपने विधायकों से झूठ बोल दे, जो सदन में झूठ बोल दे उसके लिए कोई सबूत देने की जरूरत नहीं है। यह कितनी झूठी पार्टी है मान्यवर।

(मेंजों की थपथपाहट)

मान्यवर, दो करोड़ रुपया कोई मायने नहीं रखता, आप जैसा चाहोगे वैसे हम लोग रहेंगे आपके विधायक ज्यादा हैं। हमारे विधायकों का क्या हम लोग वैसे भी काट लेंगे, लेकिन माननीय अखिलेश यादव जी पर बार-बार आरोप लगाने वाले लोग जो पहले के सदस्य हैं वर्ष 2012 से 2017 के टर्म के यदि कोई भी विधायक यहाँ होंगे तो उन्हें मालूम होगा कि मा0 अखिलेश यादव जी ने सभी के कामों को करने का काम किया है। जो भी उनसे मिला होगा जानता होगा अपने मन से कहे या न कहे, लेकिन यकीन जानिये मा0 अखिलेश यादव जी के पास यदि कोई भी नेता गया होगा तो उन सबके कामों को करने का काम उन्होंने किया होगा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' यह इस सदन से शुरू होता है। अपने विधायकों को अलग से निधि दी जा रही है और विपक्ष के विधायकों के साथ पूरी तरह से दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करने का काम यह भारतीय जनता पार्टी कर रही है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य अब आप समाप्त करें।

श्री धर्मराज सिंह यादव-

मान्यवर, बस मैं एक मिनट में अपने क्षेत्र की बातें कहकर बैठ जाऊँगा।

श्री अधिष्ठाता-

पहले बोलना चाहिए। मैं बार-बार कह रहा हूँ, बोलने का समय तय किया गया है।

श्री धर्मराज सिंह यादव-

मान्यवर, बिजली के विषय में हमारे बहुत से साथियों ने कहा कि बिजली ऐसी आती है, बिजली वैसी आती है। बिजली एक जिले में आती थी, बहुत से साथियों ने इसी सदन में कहा। बिजली बाराबंकी में भी आती थी और कब आती थी, जब मा0 राजनाथ सिंह इस प्रदेश

के मुख्य मंत्री थे, तो पूरा 24 घंटे बिजली बाराबंकी में भी आने का काम करती थी। अन्त में इतना कहना है कि मेरे क्षेत्र में, मैं पिछले पाँच साल से लगातार माँग कर रहा हूँ कि बंकी टाउन एरिया को जोड़ने के लिए ओवरब्रिज या अण्डरपास बनाने का काम किया जाए। जाम से निजात दिलाने के लिए डी0एम0 आवास से पल्हरी तक ओवरब्रिज बनाने का काम किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः नेता प्रतिपक्ष की बातों से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

श्री नागेन्द्र सिंह राठौर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर मा0 नीलकंठ तिवारी के द्वारा जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया है उस पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए धन्यवाद। मा0 अध्यक्ष जी, अभी विपक्ष के लोग 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' पर ही प्रश्न उठा रहे थे। यह इस देश की और इस प्रदेश की जनता अच्छी तरह से महसूस कर रही है और यही कारण है कि चाहे 2017 रहा हो, 2019 रहा हो या 2022 रहा हो आपको उसने सही सबक सिखाने का काम किया है और मा0 योगी जी की सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास' पर कार्य कर रही है। सभी वर्गों की उन्नति और कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के काम हो रहे हैं। अभी परसों अमृतकाल के ऊपर विपक्ष के एक नेता चर्चा कर रहे थे और अमृतकाल की परिभाषा कर रहे थे। देव और असुरों के बीच के समय को याद कर रहे थे और वह किस तरह से जातीय भावना भड़काने का काम करने का प्रयास कर रहे थे, यह शायद समाजवादी पार्टी के लोगों को ही अच्छी तरह आता है। समाज को तोड़ने का कार्य करना समाजवादी पार्टी की प्रवृत्ति बन चुकी है। चाहे वह रामचरित मानस हो, चाहे देव और असुरों के बीच संग्राम का विषय हो, वह इस तरीके की चर्चा करके समाज में विघटन पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। अमृतकाल में एक दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक जो जी-20 की अध्यक्षता करने का सौभाग्य इस देश को प्राप्त हुआ है और उसमें भी उत्तर प्रदेश को कई जगहों पर यह कार्यक्रम आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, इसके लिए पूज्य योगी जी के शासन की और उनके प्रशासन की जितनी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह कम है।

अध्यक्ष जी, ये इन्वेस्टर्स समिट की चर्चा कर रहे हैं। इनके समय में इन्वेस्टर्स आते ही कहाँ थे ? हर इन्वेस्टर्स आने से घबराता था। श्री राम प्रकाश त्रिपाठी जी इस सदन के नेता रहे हैं, उनकी एक कहानी याद आती है। एक बार उन्होंने कहा कि हम ट्रेन से सफर कर रहे थे और उस ट्रेन के सफर में एक व्यक्ति ऐसा भी सफर कर रहा था जिसको आँखों से कुछ दिखाई नहीं देता था, लेकिन वह बताता था कि कौन-सा शहर आया हम यह बताने का काम करते हैं उन्नाव, कानपुर और औरैया बताया और त्रिपाठी जी ने कहा, मैं समझा कि शायद औरैया में घी ज्यादा पैदा होता है, इसलिए इसे घी की खुशबू लगी होगी और जैसे ही इटावा

आया, हमने पूछा कि अब कौन-सा शहर आया तो उसने झट से हाथ अंदर किया और बोला इटावा आ गया। उन्होंने पूछा कि कैसे जाना, तो वह बोला कि हाथ में घड़ी थी, वह चली गयी। यह इन्वेस्टमेण्ट के ऊपर चर्चा करना चाहते हैं ? अरे, इन्वेस्टर तो तब आएंगे, जब आप माहौल उस तरीके का बनायेंगे, वातावरण उसी तरीके का बनायेंगे। इन्वेस्टर तो इसलिए नहीं आएंगे कि उनके हाथ की घड़ी भी चली जाये। उत्तर प्रदेश भारत के विकास का इंजन बनने जा रहा है, यह मा0 मोदी जी ने भी माना है। इसके लिए मा0 योगी जी और मा0 मोदी जी दोनों का मैं धन्यवाद करता हूँ और उनका आभार व्यक्त करता हूँ कि उन जैसा महान नेतृत्व हम सब लोगों को मिला है। माननीय प्रधानमंत्री जी का जो लक्ष्य 5 ट्रिलियन डॉलर का है, उसमें माननीय योगी जी ने उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर रखा है। मैं समझता हूँ कि इन्वेस्टर समिट के बाद जो इन्वेस्टमेण्ट आयेगा, यह उस दिशा में 1 ट्रिलियन डॉलर की योजना बनाने में, 1 ट्रिलियन डॉलर का ऑब्जेक्ट प्राप्त करने में हमारे लिए मील का पत्थर साबित होगा। हमारे मुख्य मंत्री पूज्य श्री योगी जी का लक्ष्य जो 1 ट्रिलियन डॉलर का है, वह पूरा होने जा रहा है जिसका जीता-जागता उदाहरण अभी 22 तारीख को मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा जो बजट 6 लाख 90 हजार करोड़ का, यह भी उसमें एक मील का पत्थर साबित होगा, लेकिन अफसोस इस बात का है कि अच्छे काम दिखायी नहीं देते हैं, यह सिर्फ नजरों पर निर्भर करता है कि आपका नजरिया कैसा है। इसीलिए इनको 6 लाख 90 हजार करोड़ का बजट दिखायी नहीं देता, जनता के लिए किये जा रहे कार्य नहीं दिखायी देते हैं, इनको सिर्फ इसमें नकारात्मक सोच दिखायी देती है और हर अच्छे काम में इनका नुक्ता-चीनी करने का एक सिद्धान्त बन चुका है। मैं आपसे सिर्फ यही अनुरोध करना चाहता हूँ कि इस नजरिये को यह बनाये रखें, ताकि इधर का नजारा इसी तरह से बना रहे।

अन्त में मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के विषय में कुछ बिन्दु आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ। हमारी विधान सभा क्षेत्र कमालगंज के पास मड़ियन घाट पर गंगा जी का पुल स्वीकृत है जिसकी वित्तीय स्वीकृति होना वांछित है, मैं चाहता हूँ कि आपके माध्यम से वह वित्तीय स्वीकृति शीघ्रातिशीघ्र मिल जाये। दूसरा, गंगा एक्सप्रेस-वे से आगरा एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी की एक घोषणा है, उस पर काम शुरू हो जाये। फर्रुखाबाद में कोई मेडिकल कालेज नहीं है। एक मेडिकल कालेज इन्हीं के समर्थक का चलाया हुआ है, वह बंद हो चुका है जिसके कारण केन्द्र या प्रदेश सरकार को वहां मेडिकल कालेज देने का अवसर नहीं मिल रहा है। फर्रुखाबाद में मेडिकल कालेज को बनाया जाये। श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि श्रृंगीरामपुर है, भगवान राम का अवतरण श्रृंगी ऋषि के यज्ञ से हुआ था, इसलिए उसका सही तरीके से धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकास कराया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र कमालगंज ब्लॉक में जहानगंज नया ब्लॉक बनने के लिए प्रस्ताव शासन में लम्बित है, उस

पर अतिशीघ्र निर्णय लिया जाये। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद करता हूँ। जय हिन्द ! जय भारत !

श्री हरेन्द्र सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मा0 नीलकण्ठ तिवारी जी व नीरज बोरा जी के धन्यवाद प्रस्ताव का मैं पुरजोर समर्थन करता हूँ और विपक्ष के द्वारा महामहिम राज्यपाल जी के द्वारा दिये जा रहे अभिभाषण के समय जो कृत्य किया गया, उसकी मैं घोर निन्दा करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2017 से पहले और 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में बदलाव देखने को मिला है। वर्ष 2017 से पहले जहां प्रदेश में बीमारू व गुण्डा माफिया, दंगाइयों व बलात्कार का बोलबाला था।

वहीं वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद उत्तर प्रदेश सुशासन, सुरक्षा, विकास व दंगा मुक्त ग्रोथ इंजन के नाम से जाना जाता है। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश दूसरे नम्बर पर और केन्द्र सरकार की कुछ योजनाओं में पहले नम्बर पर है। मैं गढ़मुक्तेश्वर हापुड़ जिले से चुनकर आया हूं। मेरे क्षेत्र में एक थाना सिम्भवली पड़ता है, वह एक कस्बा है, सपा सरकार के समय वह थाना जलाया गया, औरतों को गाड़ी से उतार करके वह शब्द मैं नहीं कहना चाहता जिसे सुनकर लोगों के रोंगटे खड़े हो जायेंगे। उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई, कोई रिपोर्ट नहीं लिखी गयी, जो पीड़ित थे उन्हीं के खिलाफ एफ0आई0आर0 हुई। यही हाल मसूरी थाने में हुआ पुलिस कर्मचारी जब थाने के अन्दर घुस गये और थाने में औरतों के साथ बद्तमीजी करने लगे तो वहां पहरे पर जो सिपाही था उसने सीधे गोली मार दी उसको सस्पेंड किया गया और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी। मेरे क्षेत्र के कुछ कार्य हैं, एक तो टिगरी और गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर एक ऐतिहासिक मेला लगता है जहां करीब 500,0000 से ज्यादा आदमी गंगा स्नान करने आता है। वहां जो रास्ता है वह संकरा है उसे कुछ चौड़ा कर दिया जाये जिससे कि जाम की स्थिति न बने और अगर वहां एक पुल का निर्माण हो जाय तो लोगों को काफी सुविधा हो जायेगी। मेरे विधान सभा क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे करीब 20 गांव पड़ते हैं अगर उन पर बांध बना दिया जाय तो उन किसानों की फसल खत्म होने से बच जायेगी, यही मेरा कहना है और मैं महामहिम राज्यपाल जी के भाषण का सम्मान करता हूं। धन्यवाद।

***श्री अतुल प्रधान-**

मैं धन्यवाद देना चाहता हूं और माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर अपने आपको नेता प्रतिपक्ष जी से जोड़ते हुए सबसे पहले बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

चरणों में नमन करते हुए शहीदे आजम भगत सिंह जी को नमन करता हूं। पिछले 03 दिन से हम लोग सुनते आ रहे हैं, सत्ता पक्ष के लोगों की तरफ से कोई शायरी पढ़ता है, कोई ऐसे-ऐसे झूठ बोलता है कि जमीन फट जाए, आसमान भाग जाए, उनके ऊपर एक शेर है 'झूठों ने झूठों से कहा सच बोलो, सरकारी एलान हुआ है सच बोलो, घर के अन्दर तो झूठों की एक मण्डी है, दरवाजे पर लिख दिया गया है सच बोलो'।

यह इस समय हमारे भाजपा के साथियों और सरकार पर सटीक बैठता है। क्योंकि लम्बे कसीदे पढ़े गये। मैं नीलकण्ठ तिवारी जी को भी बहुत-बहुत धन्यवाद दूँगा कि उनकी बात जितने लोग सुन रहे होंगे, सोच रहे होंगे कि बचपन से ही भाजपा में, इनका जो मातृ संगठन है, आर0एस0एस0 वह झूठ की ट्रेनिंग देता है।

(सत्ता पक्ष के कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर)।

श्री अधिष्ठाता-

अतुल जी, अपनी बात विषय पर ही रखने की कोशिश करिये।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, वह ऐसी झूठ की ट्रेनिंग देता है और जो राष्ट्रवाद की बात करते हैं, जिसने 52 साल तक आर0एस0एस0 के मुख्यालय पर तिरंगा झण्डा न लगाया हो। जिन लोगों ने देश की आजादी से पहले मुस्लिम लीग से गठबन्धन किया हो।

(कुछ सदस्य एक साथ बोलने लगे)

श्री अधिष्ठाता-

अतुल जी, अपने अभिभाषण से संबंधित ही बात को रखिये। आप अपनी बात अभिभाषण तक ही सीमित रखिये। इस जगह पर अभिभाषण पर जो जनहित के मुद्दे हैं, क्षेत्र के मुद्दे हैं, प्रदेश के मुद्दे हैं, उन सब बातों को रखने की कोशिश करिये।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, यह समाजवादी लोगों को गुण्डा कहेंगे, ये बदमाश कहेंगे, ये कुछ भी बोलेंगे। सुनने की ताकत रखो। इन्होंने मुलायम सिंह यादव पर बोला, अखिलेश यादव पर बोला।

श्री अधिष्ठाता-

अतुल जी, कोई भी ऐसी बात जो असंसदीय हो, वह नहीं आती है।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, आप पूरी बात सुनिये। यह वह लोग हैं, जो आतंकवादियों का समर्थन करने वाली पी0डी0पी0 से गठबन्धन करते हैं, यह उस सिद्धांत के लोग हैं। हम सरदार भगत सिंह

जी को मानने वाले लोग हैं। यह सावरकर को मानने वाले हैं। सावरकर जी ने क्या कहा था, कहा था, हमें छोड़ दिया जाये तो आजीवन क्रान्ति से किनारा कर लेंगे। वहीं सबसे पहले ताकतवर नेता सोशलिस्ट शहीद-ए-आजम भगत सिंह ने यह कहा था, हमारे साथ राजनीतिक बन्दी जैसा व्यवहार किया जाये और हमें फांसी न दी जाये, हमें गोलियों से भून दिया जाये। हमारे राष्ट्रवाद पर बात करोगे ?

श्री अधिष्ठाता-

श्री अतुल जी, माननीय सदस्य।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, ज्यादा टोका-टोकी न हो। यह सारे लोग बोले हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आप यहाँ पीठ से आरग्यू नहीं कर सकते हैं। माननीय सदस्य, अगर आप चाहते हैं कि अब मैं किसी और को समय दे दूँ तो अलग बात है। एक मिनट बात को इत्मीनान से सुनिए। यहाँ पर विधान सभा के अंदर, इस पवित्र जगह पर अपने देश पर अपनी जान न्योछावर करने वाले शहीदों को इस तरह से पार्टी में मत बाँटिये। अपनी बात सिर्फ और सिर्फ राज्यपाल के अभिभाषण तक ही रखने की कोशिश करिये। शहीदों की शहादत को अपनी राजनीति का अड्डा मत बनाइये और उनको मत बाँटिये, अपना विषय अभिभाषण तक ही रखिये।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, हम सरदार पटेल का समर्थन करते हैं।

***संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-**

अधिष्ठाता महोदय, किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के प्रति कोई भी अपशब्द हो, उसको हर हालत में निकाल दिया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

उसे कार्यवाही से बिल्कुल निकाला जाये।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

मान्यवर, यह बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा कि यहाँ पर शहीदों के खिलाफ किसी भी तरह का अपशब्द बोला जाये।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अधिष्ठाता-

मैंने ऑलरेडी इस बात को कह दिया है।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, अभी चर्चा चल रही थी, मैंने नीलकण्ठ तिवारी जी को पूरा सुना। आप भी सबके सामने बोल रहे हैं, हमें भी सुनने की क्षमता रखिये। मेरा अपना एक विचार है।

मान्यवर, मेरा सब जातियों में आना-जाना है कोई भी ऐसी जाति नहीं है जहाँ पर मेरा आना-जाना न हो चाहे वह प्रजापति, नाई, धोबी, पाल, कश्यप, राजभर, कुशवाहा हो, कोई ब्राम्हण हो, कोई ठाकुर हो, कोई जाट हो, कोई गुर्जर हो ऐसी कोई जाति नहीं है। 36 की 36 बिरादरियों में चाहे वह हिन्दू हो, मुसलमान हो हमारा आना-जाना है। जिस तरीके से जातियों की बात करते हैं, राष्ट्रवाद की बात करते हैं तो कम-से-कम हम लोगों का इतिहास पढ़ कर देख लें। हम उस जगह से आने वाले लोग हैं। कोतवाल धन सिंह गुर्जर की धरती है। 1857 की क्रांति के समय जिसने क्रांति की इबारत लिखी। एक ऐसी क्रांति की इबारत जिसको पूरा देश नहीं पूरा विश्व जानता है। हमारे बारे में पढ़ कर देख लेना और हमारे पूर्वजों के बारे में पढ़ कर देख लेना जब एक हजार साल पहले राजा वीरभाल ने इस देश की रक्षा करने का काम किया हम उनके वंशज हैं, पन्ना धाय के जिसने किसी दूसरे के लिए अपने बच्चे को कुर्बान कर दिया यह अतुल प्रधान उसका वंशज है। देश की आजादी के पहले और देश की आजादी के बाद हम लोगों ने देश के लिए कुर्बानियाँ दी हैं। बार्डर पर खड़े सैनिक हमारे पूर्वज हैं उसमें हमारा खून बहा है और उस खून की बदौलत आज इस सदन में अतुल प्रधान बोल रहा है। इसलिए जब किसी पर उंगली उठाते हो तो तीन उंगली अपनी तरफ भी आती हैं। सुनने का माद्दा रखो जो-जो चीज की हैं, वही-वही चीज बोली है और लगातार बोलेंगे, आगे भी बोलेंगे, ऐसे ही बोलेंगे। जनता के लहू का चस्का लगा है आपको, अनाप-सनाप माल का मस्का लगा है आपको, किसी ने टोका तो ठस्का लग गया आपको। अंट शंट बक रहे हो जुनून में शासन का नशा घुला है खून में सत्ता और शासन सबके आते जाते रहते हैं। कभी कोई उधर कभी कोई इधर। ऐसा घमंड ऐसा जुनून ऐसी बातें, आगे से ले करके पीछे तक जब बात कर रहे थे।

श्री अधिष्ठाता-

चलिये अतुल जी अब समाप्त करिये।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मेरा तीन मिनट का समय खराब कर दिया।

श्री अधिष्ठाता-

आपके क्षेत्र का कोई विषय हो तो बोल दीजिये।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मेरा कहना है कि आज जिस तरह की सोच रखते हैं उस तरह की सोच के खिलाफ हैं और हमेशा रहेंगे। मेरे क्षेत्र की जनता ने सरधना से हमें चुनाव जिताया है मैं दो

बार उस चुनाव क्षेत्र में सरधना में हारा हूँ और फिर जीता हूँ। आप लोग कई लोग बीच में बोल रहे हैं फ्री में जीत कर आ गये। हमारे यहाँ मेरठ में आबादी बहुत है और लगातार माननीय मुख्य मंत्री जी से यह बात कही है कि 35 लाख की आबादी का शहर है मेरठ। मैं अपेक्षा करूंगा मेरठ को एक रिंग रोड मिल जाये। हमारे जिले में जहाँ मेडिकल सुविधाओं की बात आती है। रेफर सेन्टर है मेरठ मेडिकल कॉलेज। बिजनौर, शामली, सहारनपुर, हापुड़, बागपत, बरेली, संभल से हर जगह का व्यक्ति मेरठ रेफर होता है और मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर देता है आगे की तरफ। वहाँ पर पूरा स्टॉप हो, चाहे डाक्टर हो, चाहे नर्सिंग स्टॉप हो, चाहे प्रोफेसर हो वह आगे की तरफ रेफर कर देता है। जो एम0आर0आई0 मशीन है उसमें तीन-तीन महीने में नम्बर आता है। 7 साल से रेडियोथेरेपी की मशीन खराब पड़ी है। उसको भी ठीक करने का काम सरकार करेगी ऐसी हमारी अपेक्षा है। मैं अपने क्षेत्र की सी0एच0सी0 की बात कहना चाहता हूँ। हमने अपने समय पर बना कर खड़ी कर दी, लेकिन आज तक वहाँ पर कोई सुविधा नहीं है, वहाँ पर डाक्टर और स्टॉप लग जाये। हमारे क्षेत्र में मसूरी से ले करके दौराला। दौराला से ले करके सरधना। सरधना से ले करके खटोली चौराहा स्टेट हाई-वे घोषित कर दिया जाये जिसके बारे में बार-बार वहाँ पर से भेजा जाता है वह नहीं होता है। साथ-साथ हापुड़ से ले करके किठौर तक खरखैदा तक, मवाना तक इसको स्टेट हाई-वे घोषित कर दिया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के लिए अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूँ और बहुत धन्यवाद करता हूँ। अभी सदन में सच और झूठ की बात हो रही थी। मैं संतकबीर नगर जनपद से आता हूँ। संतकबीर दास जी ने कहा है कि 'सांच बराबर तप नहीं और झूठ बराबर पाप। जाके हृदय सांच है, ताके हृदय आप'।

आदरणीय अधिष्ठाता जी, हमारी सरकार पूज्य योगी जी महराज के नेतृत्व में पिछले छः वर्षों से विकास का कार्य कर रही है। यह ऐतिहासिक और अद्वितीय कार्य इस प्रदेश में हुए हैं। मैंने भी उसके पूर्व की सरकारों को उत्तर प्रदेश में कार्य करते देखा है। अगर आप लॉ एण्ड ऑर्डर के विषय में बात करेंगे, तो आपने देखा होगा कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2007 से लेकर 2017 की सरकारों में आम जनता के ऊपर फर्जी मुकदमे होते थे। गुण्डे-माफिया जमीनों पर कब्जा करते थे और उनका नारा था कि 'जो जमीन सरकारी है, वो जमीन हमारी है'। ऐसे नारा देने वाले लोगों से जनता जब ऊब गयी, तो वर्ष 2017 में कितने बड़े मतों के द्वारा उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी।

आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैंने भारतीय जनता पार्टी की राजनीति नहीं किया। वर्ष 2019 में लोक सभा चुनाव के दौरान मैं भारतीय जनता पार्टी में सम्मिलित हुआ और गठबंधन के द्वारा मेंहदावल विधान सभा क्षेत्र में 'निर्बल इंडियन शोसित हमारा आम दल' से प्रत्याशी के

रूप में जीत करके आप लोगों के बीच में आया। आज हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 संजय निषाद जी ने यहाँ पर बोला। उनकी जो भावना आयी, जो बातें उन्होंने रखी, उन बातों से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए मैं ये बताना चाहता हूँ कि जबसे केंद्र में मा0 मोदी जी की सरकार बनी है, उस जमाने में जब उन्होंने आम आदमी के लिए बैंक में शून्य बैलेन्स पर खाते खुलवाने का काम शुरू किया था, तो विपक्षी दलों ने कहा था कि इन सारे झूठे वादों के आधार पर एक बार फिर से जनता को मूर्ख बनाने का काम किया जा रहा है। मा0 अधिष्ठाता जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मा0 मोदी जी के उस जन-धन खाते के माध्यम से आज प्रदेश और देश की जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं हैं, डी0बी0टी0 के माध्यम से गरीबों के खातों में वो सभी कल्याणकारी योजनाओं का धन सीधे पहुँचाया जा रहा है और किसी भी प्रकार का अब कोई भी भ्रष्टाचार सम्भव नहीं है।

हमारे जनपद संतकबीर नगर में, अभी जो उत्तर प्रदेश में 10 से 12 तारीख के बीच में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' हुआ, जिसके द्वारा 33 लाख करोड़ से भी ज्यादा इन्वेस्टमेंट पूरे देश और दुनिया से आया है। उस इन्वेस्टमेंट पर मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जनपद संतकबीर नगर का लक्ष्य मात्र तीन सौ करोड़ था, लेकिन मा0 योगी जी के प्रयासों से और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के प्रयासों से उसका 20 गुना, छः हजार करोड़ का प्रस्ताव हमारे सिर्फ जनपद संतकबीर नगर में आया है। इससे यह साबित होता है कि आज देश और दुनिया के लोगों का उत्तर प्रदेश में जो विश्वास कायम हुआ है लॉ एण्ड ऑर्डर के क्षेत्र में, विकास के क्षेत्र में और हर प्रकार के जनता के बीच में जो विश्वास कायम हुआ है, उससे आज देश और दुनिया के लोग आज यहाँ बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट के लिए आ रहे हैं, बड़ी-बड़ी फैक्ट्री और डेवलपमेंट की योजनाएं यहाँ आ रही हैं।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे यह भी कहना चाहता हूँ कि आज जो वातावरण उत्तर प्रदेश में है, इसके लिए मैं ऐसे संत को, मा0 योगी जी को बधाई देना चाहता हूँ। मैं योगी जी के बारे में कहना चाहता हूँ कि 'संत ना छोड़ै संतई, जो कोटिक मिले असंत। मलय भुवंगतहि बेहिया, तक सीतलता न त्यजन्त'।।

मैं ऐसे संत को बारम्बार प्रणाम करता हूं और मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश जिस गति से आगे बढ़ रहा है, वह हिन्दुस्तान के सबसे अगले पायदान पर खड़ा होने वाला प्रदेश होगा। इसी के साथ-साथ मैं आपके सामने अपने विधान सभा क्षेत्र मेहदावल, जो ऐसी ऐतिहासिक विधान सभा क्षेत्र है जो 1911 में टाउन एरिया घोषित हुयी, लेकिन मैं आज मांग करना चाहता हूं कि मेहदावल को टाउन एरिया से बदलकर नगर पालिका परिषद् घोषित किया जाए। इसके लिए मैंने प्रस्ताव मा0 नगर विकास मंत्री जी को दिया है और सदन के माध्यम से मैं जानना चाहता हूं कि शीघ्र से अति शीघ्र इसे नगर पालिका परिषद् घोषित किया जाए। हमारे मेहदावल विधान सभा क्षेत्र में 2 ऐसे ऐतिहासिक स्थान हैं

कोपिया और धर्मसिंहवा, जो गौतमबुद्ध से जुड़े हुए स्थान है, जहां पर साढ़े 3 हजार साल पहले गौतमबुद्ध जी आए थे और उनके कारण से वह स्थान बहुत ही पवित्र है मैं चाहूंगा, कि उसका बौद्ध परिपथ के रूप में विकास किया जाए। हमारी विधान सभा क्षेत्र के बखिरा में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की झील है जहां पर सर्दी के दिनों में साइबेरियन बड्र्स आते हैं, उसके विकास के लिए मेरा प्रस्ताव है वहां पर बांध बनाया जाए और जो बाहर का पानी है उसकी निकासी के लिए जिससे कि बरसात के समय में वहां बाढ़ का संकट न हो और बाढ़ के पानी को बाहर निकालने के लिए चोरमा रेगुलेटर पर पंप स्टेशन भी बनाया जाए। इसके साथ-साथ मैं आपको बताना चाहता हूं कि जिस विधान सभा क्षेत्र से उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्य मंत्री और देश की पहली महिला मुख्य मंत्री सरोजिनी नायडू जी 1962 में चुनी गयीं थी, उस ऐतिहासिक विधान सभा क्षेत्र में विकास के मामले में इसके पूर्व में विपक्षी दलों के जो भी विधायक रहे या सांसद रहे, उन लोगों ने विकास के कार्यों पर ध्यान नहीं दिया इसलिए हमारे क्षेत्र में सड़कों का पूरा विकास नहीं हुआ, पूरा निर्माण नहीं हुआ, काफी संख्या में अभी भी सड़कें विकास की राह जोह रही हैं। मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि हमारे विधान सभा क्षेत्र की जो ऐसी सड़कें है जो अन्य जिला मार्ग में हैं अब उनको जिला मार्ग में जोड़ा जाए, उनका निर्माण कराया जाए। धन्यवाद।

श्री राजेश्वर सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं मा0 राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त करता हूं। सरोजनीनगर की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके कारण मैं आज यहां खड़ा हूं। मान्यवर, देश के सबसे बड़े राज्य की 18वीं विधान सभा के निर्वाचित सदस्य के रूप में पहली बार इस ऐतिहासिक सदन में अपनी बात रखने का मुझे मौका मिला, यह मेरे लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। नेता सदन के रूप में मा0 योगी आदित्यनाथ जी की छत्रछाया में इस सदन का सदस्य होना, इस गौरव को कई गुना बढ़ा देता है। योगी जी के पदचिन्हों पर चलने वाले, इतिहास को दोहराने वाले वाले नेता नहीं हैं बल्कि पदचिन्ह बनाने वाले और इतिहास को गढ़ने वाले नेता हैं। आपने देश दुनियां को सुशासन, विकास और अंत्योदय के मायने दिखाये है। मान्यवर, कानून व्यवस्था में गंभीर अपराध जैसे हत्या, लूट, डकैती, में 80 से 50 प्रतिशत की कमी आयी है। लगभग 65 हजार अपराधियों को जेल भेजा गया है, 8 हजार करोड़ से ज्यादा संपत्ति या तो जब्त की गयी है या मुक्त करायी गयी है, जिसके कारण योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश हिन्दुस्तान का सबसे सेफ, सबसे सुरक्षित राज्य के रूप में आ गया है। योगी आदित्यनाथ जी जानते थे कि आधारभूत संरचना कितनी महत्वपूर्ण है, जिसके कारण उनके नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश का विकास हुआ कि आज एक्सप्रेस-वे, मैट्रो रेल कनेक्टिविटी किसी भी मामले में उत्तर प्रदेश नम्बर वन है। आज जितनी नयी पॉलिसीज लाए ईज ऑफ डूइंग

बिजनेस में, 14 वें से दूसरे स्थान पर लाए हैं जिसका परिणाम है कि आज 33 लाख 50 हजार करोड़ के 19 हजार एम0ओ0यू0 साइन हुए हैं और 21 देशों से लोग आकर हमारे यहां निवेश कर रहें हैं इसके लिए मैं योगी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मा0 अधिष्ठाता जी, महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण में कई महत्वपूर्ण बिंदु हैं, परन्तु मैं आज उस अभिभाषण में से सभी का ध्यान 5 महत्वपूर्ण पॉलिसी पर आकृष्ट करना चाहूंगा। बहुत देर से अभिभाषण पर मैं लोगों की बहस सुन रहा था, विपक्ष की भी बातें सुन रहा था। लेकिन मैंने देखा कि किसी ने अभिभाषण में महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान नहीं दिया। इस अभिभाषण में पाँच महत्वपूर्ण पॉलिसीज पर माननीया राज्यपाल महोदया ने विचार रखे और उन्होंने बातें बतायीं। जिसमें दो बहुत महत्वपूर्ण पॉलिसीज हैं जो ऊर्जा से संबंधित हैं। आने वाले समय में वो उत्तर प्रदेश और देश को नई ऊँचाई पर ले जायेंगी। पहला, सोलर एनर्जी पॉलिसी, दूसरा, राज्य जैव ऊर्जा पॉलिसी। दोनों पॉलिसीज उत्तर प्रदेश सरकार ले करके आयी है, जिस पॉलिसीज के कारण आज उत्तर प्रदेश में जो अभी हमारी 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' हुई जिसमें आज सोलर एनर्जी में 144 एम0ओ0यू0 साइन हुये हैं और 4.5 लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट आ रहा है। इसी प्रकार जैव ऊर्जा पॉलिसी में 20 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट आ रहा है और इसमें लगभग 200 नये एम0ओ0यू0 साइन हुये हैं। इन दोनों ऊर्जा पर इसलिए बात कर रहा हूँ कि ये भविष्य की ऊर्जा हैं और ये क्लीन एनर्जी देती है। यह हमारे किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और डि-सेंट्रलाइज है। चाहे जैव ऊर्जा हो या सोलर ऊर्जा हो यह उत्तर प्रदेश की दिशा को बदलेगी। किसान के आय को दोगुना करेगी, किसान को आगे ले करके जायेगी। दो दिन पहले मैं सुन रहा था, हमारे विपक्ष के एक सदस्य प्रदूषण की बात की उठा रहे थे। प्रदूषण नियंत्रण के लिये ये दोनों पॉलिसीज, चाहे सोलर पॉलिसी हो चाहे बायो-एनर्जी पॉलिसी हो, दोनों महत्वपूर्ण है। बायो-एनर्जी पॉलिसी एथनॉल के उत्पादन को बढ़ावा देती है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, एथनॉल के लिए हमारे मा0 मंत्रिगण ब्राजील भी गये थे। ब्राजील का उदाहरण देना चाहता हूँ, ब्राजील जैसे एक छोटे से देश में जिसको आज 'शुगर केन इकोनॉमी', जिसको 'एथनॉल इकोनॉमी' के रूप में जाना जाता है। वहाँ की 02 करोड़ 75 लाख गाड़ियाँ एथनॉल से चल रही है। एथनॉल ने पिछले 06 साल में ब्राजील का रुख बदल दिया है, प्रदूषण को 50 प्रतिशत घटा दिया है। आज मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश में एथनॉल पॉलिसी और जैव ऊर्जा पॉलिसी लाये हैं, इसके कारण आने वाले समय में उत्तर प्रदेश नई ऊँचाइयों को पायेगा और किसानों की आय दोगुनी तो नहीं उससे ज्यादा कई गुना बढ़ जायेगी।

मान्यवर, इसके अतिरिक्त 03 और महत्वपूर्ण पॉलिसीज हैं, उस पर मैं ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। एक टेक्सटाइल पॉलिसी है, टेक्सटाइल के लिए उत्तर प्रदेश ...

(इसी मध्य 7 बजकर 25 मिनट पर अधिष्ठाता श्रीमती मन्जू शिवाच पीठासीन हुईं)

और देश में बहुत ज्यादा स्कोप है। आज हिन्दुस्तान में 10 लाख करोड़ का टेक्सटाइल सेक्टर है। यदि इस पर पाँच वर्ष और काम किया जाये तो यह 20 लाख करोड़ पहुँच सकता है। माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश में टेक्सटाइल का एक्सपोर्ट 13 हजार करोड़ पहुँच चुका है। अगर इसी तरह से टेक्सटाइल सेक्टर में काम होते रहे तो टेक्सटाइल जहाँ कि उत्तर प्रदेश में हमारे पास कानपुर है, उसको 'मेनचेस्टर ऑफ दि ईस्ट' कहा जाता है। भदोही, जहाँ का कालीन विश्वविख्यात है, लखनऊ की चिकनकारी प्रसिद्ध है। एक उदाहरण इसके लिए भी देना चाहता हूँ। तमिलनाडु के बगल में एक छोटा सा शहर त्रिपुर है, त्रिपुर मात्र 160 स्क्वायर किमी0 में बसा हुआ शहर है और मान्यवर, वहाँ यह टेक्सटाइल पॉलिसी 1985 में आयी थी। एक छोटे से शहर जिसकी आबादी मात्र 9 लाख है उसने 1985 में पहले 15 करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट किया और आज 2022 में टेक्सटाइल पॉलिसी के कारण 35 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट कर रहा है। तो यह क्षमता है।

(मेजों की थपथपाहट)

हमारे उत्तर प्रदेश के स्किल्ड लेबर देश में सबसे ज्यादा अच्छे हैं। तो उत्तर प्रदेश इस टेक्सटाइल पॉलिसी के कारण कहाँ पहुँचेगा, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उत्तर प्रदेश को आगे ले जाने वाली ये टेक्सटाइल पॉलिसी, सोलर एनर्जी पॉलिसी और वायोफ्यूल पॉलिसी है। इसके अतिरिक्त माननीय अधिष्ठाता महोदय, विपक्ष ने बाकी चीजें तो पढ़ीं, लेकिन टूरिज्म की पॉलिसी नहीं देखी। कितनी महत्वपूर्ण पॉलिसी है।

उत्तर प्रदेश हिन्दुस्तान का सबसे सेक्रेड स्टेट है। यहाँ पर काशी, मथुरा, अयोध्या है। 120 करोड़ हिन्दुओं के लिए यह पूज्य स्थान है। सबको उत्तर प्रदेश आना है। उत्तर प्रदेश की टूरिज्म पॉलिसी के कारण अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 397 एम0ओ0यू0 साइन हुये और 98 हजार करोड़ का निवेश आने जा रहा है। आप देखिये, कितना आगे उत्तर प्रदेश जा रहा है। इसी तरह से डेयरी पॉलिसी पहली बार आयी है। आपको जानकर हर्ष होगा कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश में नम्बर वन है और हिन्दुस्तान विश्व में नम्बर वन है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, डेयरी पॉलिसी के कारण आज 30 हजार करोड़ की लागत से 1 हजार से ज्यादा एम0ओ0यू0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साइन हुए हैं। इन पांचों पॉलिसियों पर मैं सदन का ध्यान इसलिए आकृष्ट कराना चाह रहा हूं, क्योंकि यह पॉलिसियां उत्तर प्रदेश की दिशा को बदल देंगी, उत्तर प्रदेश को नयी ऊंचाइयों पर लेकर जायेंगी। मुझे विश्वास था कि विपक्ष इन्हीं चीजों पर चर्चा करेगा, लेकिन यहां तो जातिगत चर्चा हो रही है, यहां शेरवानी पर चर्चा हो रही है, यह ठीक नहीं है। मेरा मानना है कि विपक्ष में सभी विद्वान लोग बैठे हैं, वह मुझसे ज्यादा अनुभवी हैं। मेरा मानना है कि आप एक बार गम्भीरता से महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण को पढ़ेंगे। एक तरफ जहां मानव आज मंगल ग्रह पर जीवन की संभावनाएं तलाश रहा है, जहां पर मानव रहित कार बनायी जा रही है, जहां पर

उड़ने वाली कार बन रही है, जहां पर रोबोटिक सर्जरी हो रही है, वहां आज 21वीं सदी में, इस सदन में जाति पर बात हो रही है, शेरवानी पर बात हो रही है, यह शर्म की बात है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह ठीक नहीं है। विपक्ष को गम्भीर होना पड़ेगा और सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी। मैं विपक्ष से ऐसी अपेक्षा करता हूं। सारा युवा हम लोगों की ओर, सदन की ओर बड़ी अपेक्षा, आकांक्षा से देखता है, मेरे क्षेत्र का युवा भी देखता है कि हम ऐसी नीतियां बनायेंगे, ऐसे कानून बनायेंगे, जिससे प्रदेश आगे जाएगा, क्षेत्र का विकास होगा। उसकी रुचि जातीय चीजों में, धार्मिक चीजों में और तुष्टीकरण की राजनीति में नहीं है। मैं विपक्ष से पुनः अनुरोध करूंगा कि सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभायें। मैं एक बार पुनः सबको धन्यवाद देता हूं। में माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के प्रति अपना पूर्ण समर्थन करता हूं।

श्री हरीश चन्द्र-

माननीय अधिष्ठाता महोदया आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। जब से उत्तर प्रदेश में माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से उत्तर प्रदेश निरन्तर विकास के रास्ते पर चल रहा है। वही उत्तर प्रदेश, वही लोग, वही संसाधन, वही व्यवस्थायें आखिर ऐसा क्या हो गया कि उत्तर प्रदेश अब विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। चाहे चिकित्सा के क्षेत्र में, चाहे शिक्षा के क्षेत्र में, चाहे रोजगार के क्षेत्र में हर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश निरन्तर प्रयास करके आगे बढ़ा है। आज चिकित्सा के क्षेत्र में देश के माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उस गांव के गरीब व्यक्ति के लिए जो बड़े अस्पताल में अपना इलाज नहीं करा पाता था, जिसके कारण उसकी मौत हो जाती थी, आज आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत उसे 5 लाख रुपये तक का इलाज फ्री में मिलता है और उसकी जान बच जाती है। इतना ही नहीं चिकित्सा के क्षेत्र में हमारी सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है। 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' पर हम काम कर रहे हैं। 45 मेडिकल कॉलेज पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर हो चुके हैं और मेडिकल कॉलेजों पर काम चल रहा है। निश्चित रूप से हम जनता के प्रति पूरी ईमानदारी से काम कर रहे है। हमारे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री माननीय योगी जी की नियत और नीति दोनों ठीक है, इसलिए उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर चल रहा है। आज यदि हम शिक्षा की बात करें, प्राथमिक स्तर की जो शिक्षा रहती थी, गांव का अच्छा व्यक्ति उस प्राथमिक विद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहता था, लेकिन आज हम गर्व से कह सकते हैं कि काया-कल्प योजना के अन्तर्गत गांव के प्राथमिक स्कूलों को बेहतर बनाया गया है। आज उन स्कूलों में हमारे बच्चे कॉवेन्ट स्कूल की तरह जब ड्रेस पहनकर जाते हैं तो उनका हौसला बढ़ जाता है, वह मेज और कुर्सी पर बैठकर पढ़ने का काम करते हैं। यदि हम गांवों की बात करें जहां लोग शहर की तरफ पलायन कर रहे हैं, गांवों में पलायन कैसे रुके, उस बेहतर व्यवस्था के लिए आज हमने प्रत्येक गांव में अच्छे

खेल का मैदान देने का काम किया है और जिस तरीके से हम लोग विधान सभा के अन्दर सचिवालय में बैठे हैं, ऐसे ही गांव की पंचायत अच्छे से कैसे चले, गांव हमारा डेवलप कैसे हो, इसके लिए अच्छे-अच्छे पंचायत भवनों को देने का काम हमारी सरकार ने किया है।

मान्यवर, इतना ही नहीं उनकी बिल्डिंग बनाकर तकनीकी प्रयोग से लैस करके उस पंचायत सचिवालय को इन्टरनेट से जोड़ कर और केन्द्र एवं राज्य की जो भी कल्याणकारी योजनाएं है उन सारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उस गांव का पात्र व्यक्ति ले सके इसके लिए हमारी सरकार ने काम किया है। मैं रोजगार के क्षेत्र में यह यदि बात करूं तो आप लोगों ने भी सुना होगा जब कोई बच्चा पढ़ने के बाद शहर में रोजगार के लिए जाता था किसी फैक्ट्री के अंदर जॉब पाने के लिए लाइन लगाता था आज मैं श्रम मंत्री जी के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं उनको बधाई देता हूं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के अंदर प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में रोजगार देने के लिए जो ऐलान किया है आज कल्पना करें उत्तर प्रदेश के अंदर आज वो कंपनियां गांव में जाकर शहर में जाकर वहां पर रोजगार देने का काम कर रहीं है। लाखों नौजवानों को रोजगार मिल रहा है यह केवल हमारे मुख्य मंत्री जी का अथक प्रयास और उनकी नीति एवं नियत के कारण है। हम इस उत्तर प्रदेश के अंदर नौजवानों को रोजगार देना चाहते है। आज उत्तर प्रदेश के अंदर इन्वेस्टर्स समिट का जो माहौल हमने देखा किस उत्साह के साथ पूरे देश और दुनिया के लोगों ने उत्तर प्रदेश के अंदर आकर अपने निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए और उस निवेश प्रस्ताव 33.50 लाख करोड़ रु0 के जिस तरीके से निवेश के हस्ताक्षर किए है उसमें एक करोड़ नौजवानों को रोजगार मिलने वाला है। उत्तर प्रदेश की दशा बदलेगी, उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर चलेगा, इसी तरह से अगर हम किसानों के सम्मान की बात करें तो हम किसान की आमदनी लगातार बढ़ा रहें है। हम किसान को बेहतर सुविधाएं दे रहें हैं। हमने बोरिंग कराकर ट्यूबवेल के माध्यम से उनको पानी के सिंचाई की अच्छी व्यवस्था देने का काम किया है। हम निरंतर किसानों को उनकी फसलो का अच्छा मूल्य दे रहें है हम किसानों को किसान सम्मान निधि के माध्यम से उनका सम्मान कर रहें हैं। हम किसानों को समय पर खाद, बीज सारी चीजे उपलब्ध कराने का काम कर रहें है। हमारी सरकार निरंतर विकास के पथ पर काम कर रही है यदि हम बात करे सड़कों की आज यह वही उत्तर प्रदेश है जिस उत्तर प्रदेश में चलना मुश्किल हुआ करता था सड़कों पर आज वह उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे प्रदेश बन गया है। हमारी सरकार निरंतर खेल के प्रति संवेदनशील है मेरी मांग है कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक स्पोर्ट्स कॉलेज बना दिया जाए।

हमारी बिल्सी में डिग्री कॉलेज है लेकिन वहां 12, 14 इंटर कॉलेज है कोई भी डिग्री कॉलेज में बी0एस0सी0 की कक्षाएं प्रारम्भ नहीं हो पाई है। मैं मांग करता हूं कि मेरे क्षेत्र में बी0एस0सी0 की कक्षाएं प्रारम्भ की जाए। पावन गंगा नदी हमारी विधान सभा क्षेत्र से निकलती है गंगा माता के तट दोनों तरफ पक्का घाट का निर्माण कराया जाए। हमारे यहां मक्का की बहुत बड़ी मात्रा में खेती होती है तो हमारी उझानी और बिल्सी मंडी का विस्तारीकरण किया

जाए जिससे बड़ी मात्रा में किसानों को इसका लाभ मिल सके और हमारे कइला में एक पी0एच0सी0 केन्द्र है वह बड़े ग्रामीण क्षेत्र में है उसका उच्चीकरण किया जाए। मैं इसी तरीके से एक महिला महाविद्यालय हमारी विधान सभा क्षेत्र में बन जाए और गौ अभ्यारण्य केन्द्र के लिए हमारे यहां जमीन है गंगा के किनारे, तो एक गौ अभ्यारण्य केन्द्र भी हमारे विधान सभा क्षेत्र में बन जाए। मैं आपके माध्यम से इन चीजों की मांग करता हूं हमारे क्षेत्र के विकास के लिए यदि यह मिल जाएगी तो निश्चित रूप से क्षेत्र विकसित हो जाएगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः मा0 अधिष्ठाता जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री जय प्रकाश अंचल-

मान्यवर, आज मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ा हूं। मैं आपका धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है जिस तरह से उत्तर प्रदेश के विकास का खाता खोलने का दस्तावेज उन्होंने पेश किया है। एक पुस्तक के रूप में उन्होंने पेश करने का काम किया है। मान्यवर, हम लोग उत्तर प्रदेश के लास्ट जनपद, पूर्वांचल के लास्ट तथा बिहार की सरहदों से जुड़ी हुयी क्रांतिकारी धरती बलिया जिले से आते हैं। हमारा विधान सभा क्षेत्र बैरिया जो गंगा और घाघरा नदी से तीन तरफ से घिरा हुआ है, इस सरकार ने बहुत वायदा किया है कि जन-जन तक विकास जा रहा है, लेकिन मैं आज भी आपको आश्वस्त कराना चाहता हूँ कि बैरिया विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गंगा नदी के भीषण कटान से दुबे छपरा, गोपालपुर, उदईछपरा, नौरंगा, भुआल छपरा, शिवपुर कपूर दियर, बहुआरा, सेमरियाल, डेरा रामपुर, कोडेरहा जैसे गाँव प्रत्येक वर्ष बाढ़ की भीषण कटान से तबाह होते रहते हैं। सरकार ने वायदा किया था कि हम फसलों के बरबाद होने पर मुआवजा देने का काम करेंगे, लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि महामहिम राज्यपाल महोदया ने उन गाँवों को बचाने के लिये न तो रिंग बांध के निर्माण की कहीं घोषणा की है और न ही फसलों की बरबादी के लिये कहीं मुआवजा देने का काम किया है। दूसरी तरफ घाघरा नदी की कटान से तिलापुर से लेकर गोपालनगर, मानगढ़, शिवालमठियां, वशिष्ठनगर, चांददियर एन0एच0-19 तक प्रत्येक वर्ष सारे के सारे गांव जलमग्न हो जाते हैं और घाघरा की भीषण कटान से गर्मियों के मौसम में भी किसानों की बीसों एकड़ जमीन घाघरा नदी में विलीन हो गयी है, लेकिन फिर भी घाघरा नदी की कटान से गांवों को बचाने के लिये महामहिम राज्यपाल जी की तरफ से किसी योजना का इंतजाम नहीं किया गया है। हमारे सत्तापक्ष के तमाम लोगों ने रोजगार के नाम पर ढिंढोरा पीटने का काम किया है।

आज पूरे प्रदेश में लाखों की तादाद में शिक्षामित्र अपनी जान देने के लिये विवश हो गये हैं, उनके परिवार भुखमरी की कगार पर हैं। शिक्षा के मन्दिर में अपनी जान की कुर्बानी देने के लिये जो शिक्षक अनवरत् विद्यालयों में पठन-पाठन करने का काम करता है आज वह दस हजार पन्द्रह हजार पर नौकरी करने के लिये विवश हो गया है। पर, से जब शिक्षक भूखा

मरेगा तो वह समाज का उत्थान कैसे कर सकता है। उत्तर प्रदेश में बीस हजार से अधिक वित्तविहीन विद्यालय हैं। पाँच लाख से अधिक शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी आज भुखमरी की स्थिति में है। समाजवादी पार्टी की सरकार में हमारे नेता मा0 अखिलेश यादव जी ने मानदेय देने का इंतजाम किया था, लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी, उसने इसे बंद करने का काम किया है। सत्ता पक्ष के विधायक ने बहुत सी योजनाओं को गिनाने का काम किया, लेकिन समाजवादी पार्टी ने अपनी सरकार में जहाँ कन्या विद्याधन देने का काम किया था, नौजवानों को लैपटॉप देने का काम किया था, बेरोजगारी भत्ता देने का काम किया था, लाखों-लाखों नौजवानों को रोजगार सृजित करके उन्हें नौकरियाँ देने का काम किया था, लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मनरेगा के मजदूर को रोजगार समझ लिया है। प्रधानमंत्री जी ने चाय बेचने वाले को रोजगार समझ लिया है। इससे प्रदेश का उत्थान होने वाला नहीं है। प्रदेश में लाखों पद रिक्त पड़े हैं। प्रदेश का उत्थान तब होगा जब उन रिक्त पड़े पदों की वैकेन्सियाँ निकाली जायें और आरक्षण के तहत नौजवानों को नौकरियां दी जायें तब जाकर प्रदेश के गरीब, पिछड़े तथा अल्पसंख्यक समाज के लोगों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रदेश का किसान अपने खेतों में महंगी खेती करने के लिये विवश है। महंगी दवाई, महंगी खाद, महंगा बीज, महंगी सिंचाई तथा महंगी जोताई आदि सबकुछ करने के बाद भी वह रात-रात भर अपने खेतों को सांड़ और गायों से बचाने के लिये पहरेदारी करने के लिये विवश है। महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में उसका इंतजाम नहीं है कि किसानों को कैसे इससे निजात दिलायी जाये।

मान्यवर, हमारे जनपद बलिया में कोई भी बीमार हो जाता है तो उसे बनारस के अलावा कहीं जगह नहीं मिलती है। मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूँ कि राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में हर जनपद को मेडिकल कॉलेज देने का वादा सरकार ने किया है लेकिन जनपद बलिया में राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए इस दस्तावेज में कहीं पर भी जगह नहीं मिली है। मैं मांग करता हूँ कि बलिया में राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाया जाय। बलिया को 'वन जनपद वन प्रोडेक्ट' का नारा सरकार ने दिया है। बलिया जनपद उद्योग विहीन जनपद है बलिया में दो उद्योग लगे हुए थे एक रसड़ा चीनी मिल और दूसरा कताई मिल आज बलिया के दोनों उद्योग बंद हैं आप पता करा सकते हैं लेकिन सरकार के दस्तावेज में बलिया में किसी भी तरह के उद्योग लगाने की कोई भी घोषणा नहीं की गयी है। हम लोग कैसे मान सकते हैं कि सरकार अपने वादे पर कायम है। अगर कायम रहती तो बलिया में मेडिकल कॉलेज और उद्योग की स्थापना आज तक हो गयी होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की सरकार ने शिवपुर नौरंगा घाट पर, गंगा नदी पर पक्का पुल देने का काम किया था। सिकन्दरपुर विधान सभा क्षेत्र में घाघरा नदी पर खरीदगरौली और चांदपुर में भी पक्का पुल देने का काम किया था। 5 साल बीतने के बाद भी अभी तक उन पुलों का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। यह सरकार किस तरह के वादे करती है ? आम

जनमानस के कार्यों पर अगर सरकार विचार नहीं करती है तो फिर यह वादे-हवा हवाई हैं, झूठे वादे हैं। आम जनमानस के साथ यह सरकार बार-बार वादा करती है। हम अपनी विधान सभा क्षेत्र में अपने क्षेत्र गोपाल नगर, मानगढ़, सिवाल इत्यादि गांव में मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग कर रहे हैं। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र रेवती ब्लाक में भोपालपुर दतहा मुरली छपरा ब्लाक के लालगंज बाजार के पास सब-स्टेशन बनाने की मांग करता हूँ। आज हमारे क्षेत्र में दर्जनों गांव ऐसे हैं जो विद्युत विहीन हैं। आज भी वहां पर बिजली नहीं पहुँच पायी है। मैं सरकार से वहां पर बिजली पहुँचाने की मांग करता हूँ। साथ ही घाघरा और गंगा नदी पर रिंग बांध का निर्माण कराया जाय जिसके कारण गंगा और घाघरा नदी के बाढ़ से गांव तबाह हो रहे हैं उन गांवों को बचाने का इन्तजाम किया जाय। हमारे विधान सभा क्षेत्र बैरिया जो बिहार प्रांत से सटा हुआ है, बिहार को जोड़ने वाली दंलन, छपरा, रामपुर, कोढरहा पर पुल का निर्माण करा करके बिहार प्रांत के लोगों को अच्छा मैसेज देने का सरकार काम करे। चूँकि पशुपालन प्रदेश होने के कारण कोई भी उच्च आधुनिक चिकित्सालय नहीं है अतः मैं आपके माध्यम से बैरिया विधान सभा क्षेत्र में उच्चकृत पशु चिकित्सालय बनाने की मांग करता हूँ। मैं संशोधन प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। जय हिन्द, जय अखिलेश।

श्री कैलाश नाथ-

बहुत-बहुत धन्यवाद मा0 अधिष्ठाता महोदया, आज मैं श्री राज्यपाल महोदया जी के द्वारा 20 फरवरी, 2023 को सदन में दिए गये अभिभाषण पर हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता आदरणीय नीलकंठ तिवारी जी द्वारा 22 फरवरी, 2023 को प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। महोदया, सामान्य तौर पर महामहिम राज्यपाल महोदया का अभिभाषण सरकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, सरकार की नीतियों, सरकार के लोकहित के कार्यक्रमों का एक लेखा-जोखा होता है, एक विवरण होता है। अगर इस दृष्टि से विचार करें तो सरकार की जितनी जन-कल्याणकारी योजनायें हैं वह इस देश को और प्रदेश को स्वावलंबी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पायदान के रूप में हैं। हमारी उत्तर प्रदेश सरकार की जितनी जन-कल्याणकारी योजनायें हैं चाहे प्रधानमंत्री आवास हो, चाहे मुख्य मंत्री आवास हो, चाहे किसान सम्मान निधि की बात हो, चाहे किसान बीमा दुर्घटना की बात हो, चाहे फसल बीमा दुर्घटना की बात हो। चाहे डेरी और दुग्ध उत्पादन के लिए सरकार की योजनाओं की बात की जाये। जितनी भी योजनायें हैं वे किसानों, मजदूरों, दलितों, वंचितों सबके हित के लिए कल्याणकारी योजनायें हैं। आदरणीय अधिष्ठाता महोदया मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि किसान सम्मान निधि एक ऐसी सहायता है, सरकार का सामान्य किसानों के लिए ऐसा योगदान है, जिसके बारे में हमारे विपक्ष के लोगों को कल्पना भी नहीं है। सामान्य आदमी जो गांव से जुड़ा हुआ है। समय आता है। खेती की जुताई का समय हो। जब खेती का पीक करने का समय हो। खेतों में पलेवा करने का समय हो, खेतों में बीज डालने का समय हो, तो आदमी के पास 100-200 रुपये की भी समस्या रहती है। इस बात को अगर किसी ने समझा

और इस पीड़ा को अगर किसी ने महसूस किया तो पूज्य योगी जी और मोदी जी ने महसूस किया। इसके लिए बधाई। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने किसान सम्मान निधि योजना का इतना बड़ा कदम किसानों के लिए शुरू किया।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदया जब हम गांव जाते हैं और गांव के लोगों से हाल-चाल पूछते हैं। तो गांव का गरीब आदमी कहता है कि भइया खेत की बुआई हो गयी। खेत में सिंचाई हो गयी। खेत में खाद डाल दिया। मैं पूछता हूं कि पैसे की व्यवस्था कैसे हुई तो कहते हैं कि मोदी जी वाला जो पैसा आया उससे हमारे सारे काम निपट गये। ऐसी जन कल्याणकारी योजनायें हमारी सरकार की हैं। अगर कानून व्यवस्था के पैमाने पर हमारी सरकार की नीतियों के बारे में विचार करेंगे तो पूरा देश ही नहीं विदेश में पाकिस्तान जो हमारा कट्टर दुश्मन है वह भी स्वीकार करता है कि अगर कानून व्यवस्था कहीं चुस्त-दुरुस्त है, अच्छी है तो वह उत्तर प्रदेश में है। मोदी जी और योगी जी के कठोर अनुशासन का परिणाम है कि आज अपराधी जेल में है या तो अपराध करने से तौबा कर लिये है। स्वास्थ्य के विषय पर हमारे विपक्ष के मित्र बोल रहे थे। सारे आरोप मनगढ़न्त लगा रहे थे। मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार की इससे बड़ी परीक्षा और क्या हो सकती है ? जब कोरोना का विश्व व्यापी संकट आया। पूरे विश्व में हाहाकार मच गया। इस विश्व के बड़े-बड़े राज्य अमेरिका, चीन, आस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश असहाय हो गये। जहां लाशों का अम्बार लग गया। वहां आदरणीय मोदी जी के कुशल नेतृत्व में उनके कुशल मार्गदर्शन में और योगी जी के कुशल प्रबन्धन में उनके कठोर अनुशासन में कोरोना से सबसे कम क्षति हुई तो वह उत्तर प्रदेश में हुई। बहुत बधाई। इतना ही नहीं कोराना के काल में जहां कांग्रेस की सरकार रही, आप पार्टी की सरकार रही। हमारे प्रवासी भाईयों को वहां से भगाया गया तो हमारे योगी जी के नेतृत्व में जिस कुशलता और तरीके के साथ हमारे प्रवासी भाइयों को लाकर भोजन देने का प्रबन्ध किया गया। उनको क्वारेन्टाइन करने का काम किया गया। इसकी मिसाल मिलना कठिन है। जहां पिछली सरकारों में लोग मेडिकल कालेज के लिए तरसते थे। हमारे योगी जी की तपस्या का परिणाम है। उनके परिश्रम और पुरूषार्थ के कारण आज 'एक जनपद एक मेडिकल कालेज' का अभियान पूरे प्रदेश में चल रहा है। हमारे 45 जिले मेडिकल कालेज से आच्छादित हो चुके हैं। 14 जिलें में मेडिकल कालेज बन रहे हैं। इससे बड़ी परीक्षा और कोई नहीं हो सकती। इतना ही नहीं आयुष्मान कार्ड के द्वारा आज हमारे प्रदेश के गरीब आदमी 5 लाख तक की आर्थिक सहायता इलाज के लिए पाकर अपने परिवार को बचा रहे हैं। उससे भी नहीं पूरा होता है तो जितने भी विधायक बैठे हैं कोई भी इन्कार नहीं कर सकता है कि अगर किसी विधायक ने मुख्य मंत्री राहत कोष से सहायता के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को इलाज के लिए पत्र लिखा तो उदार भाव से हमारी सरकार ने आर्थिक सहायता देकर और गम्भीर बीमारियों से लोगों को बचाने का काम किया है। शिक्षा के क्षेत्र में देखें तो प्राथमिक विद्यालय जो दीन-हीन दयनीय स्थिति में थे, आज सब स्मार्ट विद्यालय बन रहे हैं। हमारे प्राथमिक विद्यालय के बच्चे

सब स्मार्ट हो चुके है और बहुत सारे ऐसे पैमाने है जिन पर आप विचार करेंगे तो उत्तर प्रदेश की सरकार को सबसे बढ़िया मार्ग पाने का अधिकार बनता है।

अधिष्ठाता महोदय, आज अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण हमारी आस्था और संस्कृति का ही प्रतीक नहीं है बल्कि पर्यटन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए बहुत बड़ा पायदान शामिल होने वाला है। विकास की दृष्टि से हम बहुत आभारी है मा0 मुख्य मंत्री जी के और उत्तर प्रदेश सरकार के कि विश्वविद्यालय बनाने के क्रम में हमारा शक्तिपीठ देवीपाटन जो मेरी विधान सभा क्षेत्र तुलसीपुर में स्थित है उसके प्रति श्रद्धा और सम्मान दिखाते हुए योगी जी ने देवीपाटन मंडल में शक्ति पीठ में देवीपाटी श्री मैय्या के नाम से विश्वविद्यालय बनाने के लिए पैसा स्वीकृत किया है। जहां तक मेरी विधान सभा क्षेत्र का सवाल है तो मेरी विधान सभा क्षेत्र में हरिहर गंज ललिया बंकटवा मार्ग बहुत ही कठिन मार्ग हुआ करता था जो अब मेरी विधान सभा क्षेत्र के लिए लाइफलाइन के रूप में लोग मांगते थे उसको अभी तत्काल ही धनराशि आंवटित करके 21 किलोमीटर सड़क बनाने के लिए और उस मार्ग पर पड़ने वाले पुलों को बनाने के लिए 210 करोड़ की धनराशि को अवमुक्त किया है। इसके लिए हम मा0 योगी जी के और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। आदरणीय महोदय, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि केडरी मथुरा चौधरी यह एक महत्वपूर्ण मार्ग है उसके चौड़ीकरण के लिए अपनी सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा और इसी क्रम में विधान सभा क्षेत्र के मथुरा में पूर्व में विद्युत उपकेंद्र 33/11 की स्वीकृति हो चुकी थी और जमीन भी मैंने उपलब्ध करा दी है लेकिन अभी तक निर्माण प्रक्रिया भी शुरू नहीं कर पायी है मैं अपनी उत्तर प्रदेश सरकार और लोकप्रिय ऊर्जा मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि तत्काल इस समस्या का समाधान करवाने की कृपा करें साथ ही हमारा शक्तिपीठ देवीपाटन हमारे लिए ऐतिहासिक महत्व व धार्मिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन वहां कोई बस स्टैंड नहीं है तो बस स्टैंड के निर्माण के लिए भी सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए समाधान करने की कृपा करें। धन्यवाद।

श्री प्रदीप शुक्ला-

अधिष्ठाता महोदय जी, आपने हमें महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की समस्त जनता की तरफ से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। वर्ष 2017 में जब पूज्य योगी जी की सरकार बनी तब से हमारी विधान सभा क्षेत्र में चौतरफा विकास हुआ। मैं और हमारा विधान सभा क्षेत्र गोरखपुर में गीड़ा औद्योगिक क्षेत्र हमारी विधान सभा क्षेत्र में है। गीड़ा का वर्ष 1989 में, आज से 33 साल पहले इसका विकास हुआ लेकिन पिछले 27 साल अगर हम देखे तो वर्ष 1989 से लेकर 2016 तक पिछली सरकार के जितने माफियाओं और गुंडे के नाम से महशूर था उसमें पिछली सरकार में कोई औद्योगिक विकास नहीं हुआ और कोई व्यापारी वहा आना नहीं चाहता था। पूज्य महाराज

जी की सरकार वर्ष 2017 में बनी तो आज हमारा गीड़ा नोएड़ा के तर्ज पर विकास कर रहा है। आज बड़ी-बड़ी कंपनिया वहां आ रही है और सामान निर्यात भी हो रहा है जो विदेशों में जा रहा है। हमारे जो नौजवान है वह रोजगार के लिए पलायन नहीं कर रहे है और पूर्वांचल के लोगों को वही रोजगार मिल रहा है। आज शिक्षा के क्षेत्र में हमारा गीड़ा आई0टी0 का हब हो गया है पूज्य महाराज जी के द्वारा अटल आवासीय विद्यालय, आश्रम पद्धति विद्यालय, पालिटेक्निक विद्यालय गीड़ा में स्थापित हुए और बेसिक विद्यालयों में जहां पढ़ाई नहीं हो रही थी उसी पूर्व की सपा की सरकार में जब बच्चे खाकी ड्रेस पहनकर विद्यालय में जाते थे तो अपने आप को हीन भावना से देखते थे। आज पूज्य महाराज जी की सरकार आने के बाद कांन्वेंट स्कूल की तरह पढ़ाई हो रही है और जो बच्चे स्कूल में जा रहे है वह बच्चे भी कांन्वेंट स्कूल की तरह ड्रेस पहन रहे है। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारे विधान सभा क्षेत्र में पिपरौली, पाली, सहजनवा तीनों सी0एच0सी0 पर प्राइवेट हॉस्पिटल की तरह इलाज हो रहा है। आज से पूर्व सरकारों में जब कोई पूर्वांचल में बीमार पड़ता था तो लोग दिल्ली जैसे एम्स में जाकर इलाज के लिए चक्कर काटते थे और जेवर गिरवी रखकर इलाज कराते थे लेकिन अब पूज्य महाराज जी की कृपा से गोरखपुर में ही एम्स बनकर तैयार हो गया है जहां लोगों का इलाज हो रहा है।

माननीया अधिष्ठाता महोदया, महराज जी जब वर्ष 2017 में मुख्य मंत्री बने थे तो उन्होंने उनवल को नगर पंचायत बनाया था। आज हमारी उनवल नगर पंचायत में प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री जी द्वारा 4000 आवास बनवाकर तैयार कराये गये हैं। जब महराज जी वर्ष 2022 में मुख्य मंत्री बने तो उन्होंने धधसरा को नगर पंचायत बनाया जिससे हमारे विधान सभा क्षेत्र का चौतरफा विकास हो रहा है। माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री अखिलेश यादव जी उस दिन बोल रहे थे और मैं उनसे कह रहा हूँ कि वह हमारे साथ गोरखपुर की सहजनवा विधान सभा क्षेत्र में चलें तो उनको एक भी खराब रोड नहीं मिलेगी क्योंकि वहां पर सभी रोड अच्छी बन चुकी हैं। पिछली सरकार में हमारे यहाँ का औद्योगिक क्षेत्र बंद हो चुका था और वहां पर धन उगाही चल रही थी, जबकि आज वही क्षेत्र विकास के प्रति अग्रसर हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नेता माननीय आराधना मिश्रा 'मोना' जी ने अभी एयरपोर्ट के बारे में कहा तो मैं उनको बताना चाहता हूँ कि वर्ष 2016 में गोरखपुर का एयरपोर्ट टीनशेड में चलता था और वहां पर केवल एक फ्लाइट आती थी। आज वहां पर 19 फ्लाइट उतर रही हैं और बेहतरीन एयरपोर्ट बनकर तैयार हो गया है। जो एन0एच0-27 है जीरो प्वाइंट कालेसर से लेकर सिहापार तक क्योंकि दोनों तरफ औद्योगिक क्षेत्र है और वहां पर काफी भीड़ है इसलिये वहां पर ओवरब्रिज बनाया जाये। हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक राजकीय विद्यालय है जिसको बी0एस0सी0 व कार्यरत की मान्यता दिलाई जाये। हमारी ग्रामीण अंचल की दो सड़कें बनाने की जरूरत है जैसे बरईपार बाजार का उच्चीकरण और चौड़ीकरण किया जाये और डुमरी से लेकर शहर होते हुये नारंग पर तक के मार्ग को बनाया जाये। हमारे यहां पाली ब्लाक सुरगहना में एक पुल का निर्माण कराया जाये और पिपरौली ब्लाक के कटका में एक पुल का निर्माण कराया जाये।

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने हमें बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री समरपाल सिंह-**

माननीया अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे राज्यपाल महोदया द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण के विरोध में बोलने का अवसर दिया जिसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अभी सत्तापक्ष के हमारे भाई कह रहे थे कि उनके यहां सारा काम हो गया है, लेकिन बाद में वह काम कराने की बात करने लगे। बी0जे0पी0 के हमारे सारे मित्र पहले कहते हैं कि उनके यहाँ बहुत बढ़िया काम हुआ है लेकिन बाद में वह अधूरे कामों की लम्बी फेहरिश्त सामने रख देते हैं। हम भी तो यही कह रहे हैं जो आप कह रहे हैं तो फिर आप लोग हमारे साथ तालियाँ बजाया करिये। सरकार के पास विधायकों के लिए पैसा नहीं है। आज कोई भी व्यक्ति बी0जे0पी0 के दफ्तर से निकल जाये तो उसको एम0ओ0यू0 साइन कराने के लिए पकड़ लेते हैं। वह पूछता है कि किस चीज का एम0ओ0यू0 साइन करना है तो कहते हैं कि अरे कुछ भी दिखा दे, अरे कुछ नहीं तो कोई भट्ठा ही दिखा दो। यह हालत हो गई है। सारे ग्राम प्रधानों का इतना बुरा हाल है कि इससे पहले की किसी भी सरकार में इतना बुरा हाल नहीं हुआ। आप सबको पता है कि प्रधानों को घर से पैसे लगाने पड़ रहे है क्योंकि सरकार उनको कोई पैसा नहीं दे रही है। पूरा साल हो गया है लेकिन किसी भी विधायक की एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनी है। यह सरकार का हाल है। दवाईयाँ नकली बिक रही हैं और गरीब आदमी मर रहा है। कम से कम आप लोग गरीब आदमी का अस्पताल में इलाज तो करा दो। नकली काम करने वाले लोग सब आपके अपने हैं और सारे व्यापारी भी आपकी तरफ हैं। नम्बर-2 के काम तो आपके ही आदमी कर रहे हैं तो आप छापे क्यों मारोगे। माननीया अधिष्ठाता महोदया, नकली दूध बिक रहा है और मैं कहना चाहता हूँ कि नकली दूध पर बैन लगा दो। अगर यह ऐसा कर दें तो 100 रुपये लीटर में दूध बिकने लगेगा। यह नकली बिकवाकर सस्ता बिकवाना चाहते हैं। हजारों लोग रोज कैंसर से मारे जा रहे हैं। आप लोग शर्म करो। मैं सरकार से कहना चाहता हूँ कि दूध के जितने भी नकली प्रोडक्ट बिक रहे हैं वह सब बंद कराये जाये। किसानों के ट्यूबवेल में आप लोग मीटर लगाते हो और आप कहते हो कि किसानों की सरकार है। यह मीटरबाजी बंद करो और किसान को राहत दो।

यह हाई-वे 24 इलाहाबाद था, मुरादाबाद तक 9 कर दिया, बरेली तक 10 कर दिया और शाहजहाँपुर तक 11 कर दिया और ऐसे 10-15 हाई-वे। शर्म करो। ऐसा नम्बर-2 का काम मत करो। मंत्री जी मेरे क्षेत्र खेड़ा अमरोहा में एक बेचारा मजदूरी करके आया उसके कपड़े गारे में सन रहे थे उसका नाम मुनव्वर जुमा। थाना नगोवां शादाब। दो दल्ले सिपाहियों के साथ आये और कहा कि काम कराना है। वह बोला कि भाई मैं तो अभी मजदूरी करके आया

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हूँ वह बोले कि तू हमारे घर का काम देख ले। उसको वह जंगल में ले गये। उसको दो किलो गाय का गोश्त लगवा दिया। अधिकारियों को मैंने कहा तो वह बोले कि हाँ बिलकुल झूठ बात है लेकिन वह आज तक असहाय बचा नहीं है। उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं। कोई कमाने वाला नहीं है। इतने बुरे हालात हैं। भगवान से डरो। इसकी जांच कराओ। कताई मिल बंद पड़ा है। अमरोहा का चीनी मिल बंद पड़ा है। उसको चलवाने की मैं आपसे मांग करता हूँ। मैडम सूबे में इतनी बड़ी मात्रा में खनन हो रहा है। अधिकारी मौज में है और कह रहे हैं कि हमने इससे बढ़िया सरकार नहीं देखी। नोट गिनते-गिनते सारे अधिकारी बावले हो रहे हैं। शिक्षा मित्रों का बड़ा बुरा हाल है और छुट्टा पशुओं की जहाँ तक बात है में सरकार से कहना चाहता हूँ कि एक गौशाला मत बनाओ जैसे चल रहा है ऐसे ही चलने दो। बहुत जल्दी तुम इधर बैठोगे हम उधर बैठेंगे। यह मैं आपको गारन्टी से कह रहा हूँ। बिजली का तो बुरा हाल है। चेकिंग हमारे यहाँ चल रही है इनके यहाँ नहीं चल रही है। किसी बनिये का तो कुछ बंद नहीं हुआ है। हमारे यहाँ जाट, गुजर के ट्यूबवेल बंद हो गये। बेरोजगारी का तो बुरा हाल है। नौकरियाँ नहीं हैं। सारे पेपर लीक करा देते है। लीक कराये पेपर अपनों को पढ़वा दिये वह नौकरी पा जाते हैं हमारे रह जाते हैं। यह हमारी बहन गुलाबो देवी जी बैठी हैं। मंत्री जी हाई स्कूल, इण्टर की परीक्षा होती है। मैं कहना चाहता हूँ कि आप साथ में कापियाँ जंचवाने बैठ जाना। अगर 40 प्रतिशत से ज्यादा पास हो जायें तो कहना। जो मास्टर कापी जांचते हैं वह कहते हैं कि बंटाधार हो गया। 40 प्रतिशत पास होते हैं 40 प्रतिशत आप बढ़ा देते हो। 80 कर देते हो, कागजों में झूठ बोलते हो मान्यवर, मैं बताना चाहता हूँ कि इन्होंने प्राइवेट यूनिवर्सिटी सब लालाओं को दे दी हैं। अंगूठा छाप आदमी वाइस चांसलर बना रखे है। मैडम आप भी उधर से ही आती है। हाई कोर्ट का मामला है। इसका तो कुछ प्राविधान कराओ। अपने सारे लोग परेशान हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें।

श्री समरपाल सिंह-

और मैं आपको एक बात बताना चाहता हूँ कि अमरोहा जिले का मेरे क्षेत्र का एक गुलठिया गाँव है। उसके अंदर डी0एम0 और एस0पी0 04 दिसम्बर, 2020 को जाते हैं, एक मेजर हनीफ है जो कि सेना में रहा वह बच्चों के साथ घर में नमाज पढ़ रहा था। डी0एम0 और एस0पी0 ने जाकर नमाज बंद करा दी। कहा कि नमाज नहीं होगी। भई आप लिखकर दे दो कि पूरे सूबे में कोई मुसलमान अपने घर में नमाज नहीं पढ़ सकता। वह अपने घर में था मस्जिद में नहीं था। मैडम इसमें मैं सरकार का आश्वासन चाहता हूँ। यह बड़ा गंभीर मामला है।

श्री अधिष्ठाता-

अभी श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है आश्वासन बाद में लीजिएगा। आप जल्दी खत्म कर लीजिए। अपने क्षेत्र की कोई समस्या हो तो बताइये।

श्री समरपाल सिंह-

मैडम यह हमारे तरारा जी बैठे हैं। अभी अमरोहा में किताबें मिली हैं। छोले-भटूरे बेचने वाला रद्दी में 2023 की जूनियर कक्षा के बच्चों की किताबें ले जा रहा था। इसका संज्ञान लिया जाये। उधर बैठकर ऐसी बात न करो। यह नहीं है कि आपका उधर बैठने का ठेका हो गया है। इधर भी बैठ जाओगे। मैंने जो बातें कहीं हैं इनका संज्ञान लें। धन्यवाद मैडम।

***श्रीमती आशा मौर्य-**

मान्यवर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया है उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदया जी एवं सभी सम्मानित सदस्यगण हमारी सरकार जन-आकांक्षाओं की पूर्ति सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के लक्ष्य को सामने रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के साथ शांति एवं सद्भाव का वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है तथा राज्य के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाएं एवं कल्याणकारी कार्यक्रम भी संचालित किये जो रहे है। दिनांक 01 दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता किया जाना सौभाग्यपूर्ण व अभूतपूर्व अवसर है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में होने वाली 200 से अधिक बैठकों में से 11 बैठकों का आयोजन उत्तर प्रदेश के 04 जनपदों लखनऊ, आगरा, वाराणसी एवं गौतमबुद्धनगर में किया जायेगा। भारत के विकास का इंजन उत्तर प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, प्रदेश राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 08 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है। हमारी सरकार ने बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान के अन्तर्गत 600 से अधिक सुधार लागू किये हैं। सिंगल विन्डो पोर्टल निवेश मित्र के माध्यम से उद्यमियों को 400 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। निवेशकों के सहायतार्थ एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन निवेशक प्रबंधन पोर्टल 'निवेश सारथी' विकसित किया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश अचीवर्स श्रेणी में है। हमारी सरकार ने अपना पहला इन्वेस्टर्स समिट माह फरवरी, 2018 में आयोजित किया था जिसमें प्राप्त निवेशों के प्रस्तावों को तीन ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के आयोजन के साथ जमीन पर उतारते हुए लगभग चार लाख करोड़ से अधिक का निवेश हो चुका है तथा अधिकांश इकाइयों में उत्पादन आरम्भ हो चुका है।

वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कोई भी निवेश नहीं करना चाहता था क्योंकि गुण्डा टैक्स वसूली से सभी लोग डरते थे। दुनिया के 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें शामिल होकर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को निवेश के महाकुम्भ का स्वरूप प्रदान किया है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विश्व स्तर पर व्यापारिक समुदाय से उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुई उत्साहजनक प्रतिक्रिया के फलस्वरूप 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कुल 19058 निवेश आशय प्राप्त हुए हैं, जिनमें 94 लाख से अधिक रोजगार के अवसरों के सृजन की संभावना है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अन्तर्गत प्रदेश 8.51 करोड़ खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत 4.29 करोड़ नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 75 लाख नामांकन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अन्तर्गत शहरी पथ विक्रेताओं को रुपये 10 हजार 20 हजार एवं 50 हजार क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय ब्याज अनुदान आधारित ऋण बैकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना से कुल ऋण वितरण में प्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। प्रदेश में निर्गत जी0एस0टी0 पंजीयन की कुल संख्या 28.03 लाख हो गयी है जो कि देश में सर्वाधिक है। जो कि देश में सर्वाधिक एवं राष्ट्रीय औसत के दो दुगने से भी अधिक है। जल पुरस्कार में उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक राज्य है। उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गन्ना, आलू, सब्जियों और फल के उत्पादन में भी प्रथम स्थान पर है।

मा0 अध्यक्ष जी बहुत कुछ कहने को है, लेकिन समय कम है इसलिए मैं बहुत ही जल्दी अपनी बात को कहूंगी। उत्तर प्रदेश में खाद्य, गन्ना, आलू और सब्जियों के साथ-साथ मुख्य मंत्री आवास योजना के अर्न्तगत 52.77 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं और गरीबों के लिए आवास बनाने में प्रदेश देश के प्रथम स्थान पर है और इसमें से 39.66 लाख आवास पूर्ण भी हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास निर्माण की संख्या एवं ग्रामीण आवास निर्माण की उत्कृष्टता में प्रथम स्थान पर है। मान्यवर मैं कुछ अपने क्षेत्र के विषय में कहना चाहूंगी वैसे वर्ष 2017 के बाद से मेरे क्षेत्र में लगातार विकास हो ही रहा है, लेकिन मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में रोड पर बहुत जाम होता है इसलिए मैं चाहती हूं कि हमारे क्षेत्र में मूलपुर का पुल है जिसका चौड़ीकरण किया जाए। हमारे क्षेत्र में बहुत अच्छी रोड बन गई है और लोग वहां पर आते-जाते रहते हैं। मैं लोगों को गाड़ी में बैठाकर सी0एच0सी0 ले जाती हूं और अगर वहां उनका ट्रीटमेण्ट नहीं होता है तो लखनऊ या सीतापुर ले जाना पड़ता है और तब तक रास्ते में उनकी मृत्यु हो जाती है इसलिए मेरा सदन से आग्रह है कि मेरे यहां कम से कम एक सौ बेड का या पचास बेड का हास्पिटल बनाया जाए। मेरी विधान सभा क्षेत्र बहुत ही अविकसित थी। 30 तीस साल से सामने वालों का ही वहां राज रहा है और 30 साल बाद मैं वहां पर जीतकर आई हूं। अब मेरी विधान सभा क्षेत्र विकास की ओर जा रही है महिलाओं के लिए, बच्चों के लिए और बुजुर्गों के लिए टहलने और घूमने के लिए कोई पार्क नहीं है मैं चाहती हूं कि सभी तरह से सुशोभित एक अच्छा सा पार्क बनाने का काम किया जाए। मैं एक बात कहकर अपनी वाणी को विराम देना चाहूंगी कि ''पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों में उड़ान होती है मंजिल उसी को मिलती है जिसके सपनों में जान होती है''।

श्री भूपेश चौबे-

मान्यवर, आज डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी जी के द्वारा रखे गए की ओर से प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया है उसके लिए मैं अपने क्षेत्र की जनता की ओर से आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मान्यवर कई दिनों से चर्चा चल रही है राज्यपाल के अभिभाषण पर पक्ष या विपक्ष में अगर इस पुस्तिका को देखा जाए तो इससे बहुत कुछ समझ में आ जाता है। अशोक स्तंभ जो हम सब लोगों के शौर्य का प्रतीक है, सम्मान का प्रतीक है और इसके ऊपर लिखा हुआ वह शब्द और उसका रंग भी देखा जाए जो वीरता, अखण्डता और एकता का प्रतीक है। कुछ लोग अभी अपने वंशज होने पर गर्व कर रहे हैं कि मैं इनका वंशज उनका वंशज ऐसा वैसा, लेकिन मैं गर्व के साथ यह बात कह सकता हूं कि हम सब लोग उनके वंशज हैं जिन्होंने चलते-चलते इस देश के मान-सम्मान 'एकता, अखण्डता को बनाए रखने के लिए' भारत की संप्रभुता को अक्षुण्य रखने के लिए और इस देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था अक्षुण्य रहे चलते-चलते ट्रेन में अपनी सहादत देती है। ऐसे दीनदयाल जी के वंशज हैं। हम उनके वंशज हैं जो एकता और अखण्डता के लिए कश्मीर में अपनी शहादत देते है तो हम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के वंशज हैं। सामूहिकता को कायम करके किस प्रकार से सत्ता चलाई जाती है, उसको साक्षात् उदाहरण के रूप में प्रत्यक्ष प्रमाणित किया पं0 अटल बिहारी बाजपेई जी ने तो हम उनके वंशज है।

जहाँ सामूहिकता और चरैवेति-चौरवेति मंत्र को आत्मसात करते हुए यह सरकार जो योगी जी के नेतृत्व में चल रही है, मोदी जी के मार्ग दर्शन में जो अपना मूल मंत्र बनाया सामूहिकता और चरैवेति-चरैवेति उसी का परिणाम है कि हमारी आदत में विकास, विकास, विकास बन गया। इसीलिए हम कहते हैं कि हमारे योगी अकेले नहीं हैं, योगी के साथ योगेन्द्र हैं, अरविन्द हैं तो आशीष हैं तो अरुण सक्सेना भी हैं तो अजय, अनिल राजभर भी हैं। योगी जी के साथ केवल केशव जी नहीं हैं, कपिल अग्रवाल भी हैं तो के0पी0 मलिक भी हैं और उनके साथ बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी ब्रजेश पाठक अकेले ही नहीं है, बल्कि बृजेश सिंह भी हैं। केवल हमारे सूर्य प्रताप शाही अकेले नहीं है, अपने शूरवीर सुरेश खन्ना जी भी हैं तो स्वतंत्र देव जी भी हैं। वहीं जहाँ मयंकेश्वर जी सबका मन रखते हुए सदन चला रहे हैं वहीं दया भाव के साथ दया शंकर भी हैं तो दयालु भी हैं। वहीं पर दिव्य दृष्टि रखने वाले अपने संजय जी हैं तो अपने सभी विधायकों का संरक्षण करने वाले नरेश रूप में राम नरेश भी हैं। इसलिए हम सभी विधायकों का संरक्षण भी हो रहा है, उचित मार्ग दर्शन भी मिल रहा है। इसलिए हम अपने वंशजों पर गर्व करते हैं, विकास को आत्मसात करते हैं। हमने विकास को आत्मसात करते हुए पढ़ाई, दवाई और कमाई सबकी चिन्ता की, इसलिए आज सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की बात धरातल पर दिख रही है। विकास एक सतत् चलने वाली प्रकिया है, विकास एक दिन में पूरा होकर समाप्त हो जाएगा, ऐसा नहीं है। रोड बनेगी तो टूटेगी, फिर बनेगी। स्कूल बनेगा तो रंगा जाएगा, पोता जाएगा फिर धूमिल होगा

तो अगली बार फिर रंगा जाएगा, फिर पोता जाएगा। एडमिशन होगा, बच्चे जाएँगे, फिर बच्चे आएँगे। विकास एक सतत् निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है।

अभी कुछ लोग यह बात कर रहे थे कि बहुत अच्छा काम हुआ, बहुत अच्छा काम हुआ, उसके बाद गिनाते है समस्या। ये कौन सी बच्चों जैसी बात हो रही है, विकास बराबर चलेगा, हाँ विकास की दृष्टि क्या है, विकास की सोच क्या है, हमारे बजट का खर्च किन-किन क्षेत्रों में कहाँ होता है ? अभी कोई कह रहा था कि प्रधान जी लोग बहुत परेशान हैं। अरे प्रधान जी परेशान नहीं हैं, प्रधान जी खुश हैं कि अगर उनको दोबारा प्रधान बनना है तो वे स्कूल रंगवाएँगे, पोतवाएँगे, गाँव की गलियाँ साफ कराएँगे, गाँव में राशन ठीक से बँटवाएँगे तब फिर से प्रधान बनेंगे। आप उसकी चिन्ता न करिए, हम टीम भावना के साथ काम करते हैं, हम विकास के मापदण्ड को स्थापित करते हैं। विकास सतत् चलने वाला है, हमारे क्षेत्र में भी काम हुआ है। हाँ कुछ काम शेष है इसलिए मैं सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ। सोनभद्र जनपद है, सोनभद्र नाम से कोई स्थान नहीं है उसका रॉबर्ट्सगंज मुख्यालय है। अंग्रेजों के नाम से वह रॉबर्ट्सगंज है तो मैं चाहता हूँ कि उसका नाम सोनभद्र रखा जाए। सोनभद्र नगर में एक बाई पास की स्थापना की जाए और वहाँ स्थापित रेलवे पर ओवर ब्रिज बनाया जाए। सोनभद्र में पर्यटन की अपार सम्भावना है, इसलिए सोनभद्र काशी से जुड़ा हुआ है। वहाँ भी तमाम पहाड़ियाँ हैं, भोलेनाथ शंकर जी के तमाम ऐसे स्थान प्राप्त होंगे, इसलिए मैं निवेदन करूँगा कि गुप्त काशी तीर्थ विकास परिषद् की भी वहाँ स्थापना की जाए। जहाँ आज एक्सप्रेस हाई-वे बन रहे हैं तो मैं चाहूँगा कि नौगढ़ से झारखण्ड को जोड़ते हुए नौगढ़, विजयगढ़, अमिला धाम, कोन, विंढमगंज होते हुए एक स्टेट हाई-वे बनाया जाए जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और विकास को भी एक गति मिलेगी। वहीं पर तेलगुड़वा से कोन-खरौंधी का मार्ग थोड़ा जर्जर हो गया है तो उसको जल्द से जल्द ठीक करा दिया जाए। कोन-विंढनगंज मार्ग को भी ठीक कराए जाने की जरूरत है। सिंचाई के सम्बन्ध में भी मैं आप लोगों का कुछ ध्यान- आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

नगवा क्षेत्र में करही बन्धी में झरनहवां नाला, देवरी बन्धी में गरदा नाला और कुदरबन्धी के पास निकलने वाला महुअलिया नाला को जोड़ दिया जाए जिससे बंधे में पानी पर्याप्त रहेगा और आस पास के क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा पर्याप्त रहेगी सोन लिफ्ट हमारे यहाँ का एक बहुत प्रभावी परियोजना है। सोन लिफ्ट का एक पम्प का पानी धन्धरौल बांध में भी डाला जाएगा तो धन्धरौल बांध में हमेशा पानी रहेगा जिससे सिंचाई और पेयजल का काम बराबर होता रहेगा। इसके साथ ही वार-परसौना-सिलधरी-टेकार और करमॉव में सिंचाई हेतु पानी दिये जाने की माँग करता हूँ। वही कोन क्षेत्र में पीपर खाड में एक चमरा खाड़ी बांध है उसकी सिल्ट सफाई और उससे निकलने वाली नहर को पक्की करा दिया जाए ग्राम गिधियाटोला के अजनिया में स्थित बुढ़वा नाला पर बंधी का निर्माण कराया जाए वही कचनरवा के रोहिनया दामर, नवल खो-खो नाले पर बंधी का निर्माण कराया जाए। एक निवेदन और करना चाहूँगा

कि नवनिर्मित कोन ब्लॉक का भवन जल्द से जल्द बना दिया जाए और पर्यटन की अपार संभावना को देखते हुए जो नो नेटवर्क एरिया है ऐसे चिन्हित स्थानों जहाँ पर नेटवर्क नहीं है, वहाँ जल्द से जल्द मोबाइल टावर लगा दिया जाए। नगवां ब्लांक के केवटम गाँव में इण्टर कालेज की स्थापना की जाए तथा धसरौल बांध के आस-पास टेन्ट सिटी का निर्माण कराया जाए। इसी निवेदन के साथ मैं उन विपक्ष के साथियों के लिए कहना चाहूँगा कि बड़े गौर से यह बात देख रहे थे कि पानी सामने स्थिर था तो देख कर इतरा रहे थे।

पानी देखकर इतरा रहा था वह, कंकड़ किसी ने फेंक कर मंजर बदल दिया '

और यह बदले हुए माहौल में उत्तर प्रदेश विकास की ओर अग्रसर है और मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण का मैं समर्थन करता हूँ।

श्री कमलकान्त राजभर उर्फ पप्पू-

मॉ0 अधिष्ठाता महोदय मुझे मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का आपने अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। अपनी बात रखने से पहले मा0 नेता विरोधी दल और विपक्ष के मा0 सदस्यों द्वारा रखे गये संशोधन के प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी बात रखता हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मा0 राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की नीतियों का दस्तावेज है और इसलिए यह माना जाता है कि सरकार की जो मंशा होती है वह अभिभाषण में दिखायी पड़ती है। मैं एक युवा विधायक होने के नाते इस सदन में युवाओं की समस्या, उनके रोजगार की समस्या, किसान की समस्या, महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की समस्या जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। जिसका इस अभिभाषण में कोई ठोस जिक्र नहीं है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमें प्रदेश की एक बेहतर छवि दिखायी जा रही है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। राज्यपाल जी के अभिभाषण में किसान, नौजवान और पिछड़े तथा दलितों के हितों की कोई ठोस नीति की बात नहीं की गई जिससे इन्हें कोई लाभ नहीं हो सका। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं जिस समाज से आता हूँ उस समाज के कुल गौरव महाराजा सुहेलदेव राजभर जी के नाम पर मेरे जिले आजमगढ़ में महराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है लेकिन आजमगढ़ राज विश्वविद्यालय का नाम सिर्फ महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय रखा गया है जिससे हमारे समाज की भावनायें आहत होती हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करता हूँ कि जिस तरह से अन्य महापुरुषों का नाम सम्मानजनक तरीके से लिया जाता है उसी प्रकार इस विश्वविद्यालय का नाम बदलकर राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव राजभर विश्वविद्यालय आजमगढ़ कर दिया जाए। भाजपा मंच पर खड़े होकर महाराजा सुहेलदेव राजभर जी का नाम लेती है लेकिन जब समाज के महापुरुषों के सम्मान की बात आती है तो आधा-अधूरा नाम रखकर हमारे समाज को गुमराह करने का काम करती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूँ कि

विश्वविद्यालय का नाम बदलकर राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव राजभर विश्वविद्यालय रखने का काम करें।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, नौजवानों के लिए रोजगार की बात बार-बार की जाती है। बेरोजगारी की समस्या, पूरे प्रदेश में युवाओं का भविष्य खतरे में है। एक पढ़ा-लिखा युवक नौकरी ढूँढ़ता है, नौकरी नहीं मिलती, कॉम्पटिशन में बैठता है, पेपर लीक हो जाता है। कालेज एवं विश्वविद्यालय में पिछड़े विद्यार्थियों के साथ भेद-भाव की समस्या बढ़ती जा रही है। सरकारी विभागों में ढ़ेर सारी जगह खाली पड़ी है लेकिन सरकार द्वारा भर्तियाँ नहीं की जा रही है ऐसी स्थिति में प्रदेश का युवा हताश और परेशान है। रोजगार देने का काम सरकारी कागजों में ही दिखायी पड़ता है। युवाओं के साथ मजाक किया जा रहा है। रोजगार देने के लिए रोजगार मेला लगाकर सरकार बेरोजगारों के साथ मजाक कर रही है। सरकार को रोजगार देना हो तो भर्तियां निकाले, पेपर लीक न करवाये। सरकार द्वारा जो रोजगार दिया जा रहा है वह केवल कागजों में लिखा हुआ है, कोई रोजगार युवाओं को नहीं दिया जा रहा है। पिछड़ों और दलितों की बैकलॉग भर्ती नहीं की जा रही, सरकार पिछड़ों और दलितों को धोखा दे रही है। अभी हाल में इंवेस्टर्स समिट हुई, सरकार की ओर से करोड़ों का निवेश मिलने की बात कही गयी। उससे रोजगार मिलने का दावा किया जा रहा है लेकिन वर्ष, 2018 के इंवेस्टर्स समिट के बाद युवाओं को कितना रोजगार मिला इसका उल्लेख राज्यपाल अभिभाषण में कहीं नहीं किया गया। मैं पूर्वांचल जिला आजमगढ़ से हूं लेकिन वहां स्वास्थ्य, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है। हमारी दीदारगंज विधान सभा क्षेत्र में 4 हास्पिटल हैं, चारों हास्पिटल 30-30 बेड के हैं लेकिन उसमें डॉक्टर नहीं है। कुशल गांव में 30 बेड का हास्पिटल है उसमें केवल एक महिला डॉक्टर है। छाऊ में 30 बेड का हास्पिटल बनकर खड़ा है। महुजानेवादा में 30 बेड का हास्पिटल है, मुहम्मदपुर में हास्पिटल बनकर खड़ा है, फरिहा में हास्पिटल बना हुआ है लेकिन वहां पर कोई डॉक्टर नहीं बैठ रहा है। सरकार अच्छे स्वास्थ्य की बात करती है, लेकिन हमारे क्षेत्र में 30-30 बेड के हास्पिटल हैं। हमारी विधान सभा क्षेत्र के कुशल गांव में अभी हाल ही में आकाशीय बिजली गिरने से 30 लोग घायल हुए लेकिन हास्पिटल न होने के कारण एक बेड पर 3-3 मरीजों को लेटाने का काम किया गया। स्वास्थ्य मंत्री बड़ी-बड़ी बात कर रहे थे लेकिन जमीनी हकीकत है हास्पिटलों में आज डॉक्टर नहीं मिलते, न वहां जांचें हैं, न वहां डायलिसिस की व्यवस्था है। हमारे आजमगढ़ जिले में मेडिकल कॉलेज बना है वहां आज तक डायलिसिस की व्यवस्था नहीं है। सपा सरकार में वहां जो मशीनें लगायी गयी थीं वह आज खराब पड़ी हुई हैं उनको सही कराने की कोई व्यवस्था नहीं है। यह सरकार केवल एक पुलिन्दा पेश करने की सरकार है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने क्षेत्र की जनता से जुड़ी समस्याएं आपके माध्यम से उठाना चाहता हूं। हमारे क्षेत्र में बिजली की समस्या है, जर्जर तारों की समस्या है, ट्रांसफार्मर

क्षमता वृद्धि के लिए हम लोग सरकार को लिखते रहते हैं लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं देता। हमारे विधान सभा क्षेत्र में सड़कों की स्थिति इतनी जर्जर है, गड्ढों की वजह से चलना मुश्किल है, हादसे होने की संभावना बनी रहती है। हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक रोड इतनी जर्जर अवस्था में है, दसों साल से हम लोग उस जर्जर रोड की शिकायत करते हैं लेकिन सरकार ने कभी उसको बनाने की तरफ ध्यान नहीं दिया। सरकार ने घोषणा की थी कि पूरे प्रदेश में सड़कें गढ्ढा मुक्त मिलेगी। हमारे विधान सभा क्षेत्र में कोई सड़क अच्छे से गड्ढा मुक्त नहीं हुई केवल एक लेपन करके लोग चले गये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहता हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में सड़कें बनवायी जाय। माननीय अधिष्ठाता महोदय मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक महिला डिग्री कालेज बनाया जाय। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे अन्नदाता किसान के सामने छुट्टे जानवरों की समस्या दिन-रात बढ़ती जा रही है। आए दिन जानवर फसलों को नष्ट करते जा रहे हैं। हमारे विधान सभा क्षेत्र में इसी ठण्ड में एक किसान अपने खेत में निकला और सांड़ ने आकर किसान को ऐसा मारा कि उनकी मृत्यु हो गयी। सरकार उनको कोई अनुदान देने का काम करे।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, जल्दी खत्म कर लीजिये, 07 मिनट हो गये हैं।

श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे विधान सभा क्षेत्र में पिपरौला में सड़क की स्थिति बहुत खराब है। हमारे विधान सभा क्षेत्र में आवा, मुहम्मदपुर, फरिहा और मार्टिनगंज में पी0डब्लू0डी0 की रोडे हैं उन पर नाली बनायी जाय क्योंकि बरसातों में पानी से जलभराव की समस्या होती है। आंवक, चकेदी, सिरसाल की सब रोडे जर्जर हैं। सिकरौर में नाली की बहुत बड़ी समस्या है वहां बड़ी बाजार है, सरकार से अनुरोध किया गया लेकिन आज तक वहां पर नाली नहीं बनायी गयी।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य 08 मिनट हो गए हैं, अगर ज्यादा है तो आप लिखकर दे दीजियेगा।

***श्री बाबूराम-**

माननीय अधिष्ठाता जी, धन्यवाद कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं सबसे पहले अध्यक्ष जी को प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने इस विधान सभा को पेपरलेस और आधुनिक बनाकर बहुत बड़ा काम किया है, जिसकी सराहना देश में ही नहीं विश्व में भी हुई है। मैं भारत के सबसे बड़े प्रदेश, उत्तर प्रदेश की महामहिम

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने एक साथ विधान मण्डल के समवेत् दोनों सदनों के समक्ष प्रदेश के चौमुखी विकास, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ अभिभाषण पढ़ा। हमें सौभाग्य मिला कि हमारी विधान सभा क्षेत्र पूरनपुर में माननीय राज्यपाल महोदया पहुँची। उन्होंने सीमावर्ती ग्रामों में जाकर जहाँ बंगाली बाहुल्य क्षेत्र था और जहाँ पूर्वाचल के लोग बसे हुए थे, वहाँ उन्होंने उन लोगों से बात किया क्योंकि वह प्राकृतिक सौदर्य से परिपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन शारदा नदी की भयंकर बाढ़ से उस क्षेत्र में इतनी भयावह स्थिति हो जाती थी, इसलिए लोगों के दुःखों और दर्दों को देख करके उनकी समस्याओं का निराकरण किया, इसलिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं इस प्रदेश की 25 करोड़ जनता का नेतृत्व करने वाले हिमालय के समान अटल और सागर की गहराइयों की तरह विशाल हृदय वाले योगी आदित्यनाथ जी, जो इस प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं, उनको हृदय से धन्यवाद देता हूँ और ऐसे विकास पुरूष के चरणों में प्रणाम करता हूँ। मैं कहना चाहता हूँ कि अमृतकाल के प्रथम वर्ष में भारतवर्ष द्वारा दिनाँक 01 दिसम्बर, 2022 से लेकर 30 नवम्बर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता किया जाना सौभाग्यपूर्ण और अभूतपूर्व अवसर है, इसके लिए मैं देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रणाम करता हूँ। माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भारत के विकास का इंजन उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश सरकार का पहला इन्वेस्टर्स समिट माह फरवरी, 2018 में आयोजित हुआ और जमीन पर उतारते हुए 4 लाख करोड़ से अधिक का निवेश हो चुका है। इसके लिए मैं योगी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं कहना चाहता हूँ कि हम लोग जातीय गणना के पक्ष में हैं। ऐसी गणना के पक्ष में कि इससे पहले डा0 अब्दुल कलाम जी को राष्ट्रपति बनाकर जातीय गणना का काम हमारी भारतीय जनता पार्टी ने किया और देश के सबसे बड़े पद पर राम नाथ कोविंद जी को बैठाने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। आज हमारी मुर्मू जी जो देश की राष्ट्रपति हैं, यह काम जातीय गणना के अनुसार किया। हमने वह जातीय गणना का काम नहीं किया क्योंकि हम भारत की अखण्डता और एकता के लिए काम करते हैं और हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सबका साथ और सबके विकास का कार्य किया। ऐसी जनगणना से क्या फायदा जब देश आजाद हुआ था तो जातीय जनगणना हुई थी और भारत के दो खण्ड हुए थे, जो पाकिस्तान बना था, वह अपने को नहीं बचा सका और 1971 में उसके भी दो खण्ड हो गये।

मान्यवर, आज पाकिस्तान भारत की तरफ देख रहा है जो बंट के गया था। हम लोग विकास की बात करते हैं, अखण्डता की बात करते हैं इसी के साथ मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्यायें है जो आपके सामने रखता हूँ। मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र पूरनपुर में चीनी मिल का नवीनीकरण कराया जाये क्योंकि यहाँ की चीनी मिल बहुत जर्जर हालत में है। शारदा नदी पर धनारा घाट पर पुल का निर्माण कराया जाये क्योंकि हमारी विधान सभा क्षेत्र

नेपाल की सीमा से जोड़ती है। हमारे पूरनपुर फातिमा बाईपास का निर्माण कराया जाये। पूरनपुर में कलीनगर में प्रस्तावित फायर स्टेशन की धनराशि आवंटित की जाये क्योंकि इसका उद्घाटन हो गया है लेकिन अभी तक धनराशि नहीं मिली है। हमारे पूरनपुर में मुंसिफ कोर्ट की जमीन खरीदी पड़ी है उसमें मुंसिफ कोर्ट बनाया जाये। हमारी विधान सभा क्षेत्र शारदा नदी से दो भागों में बंटती है तो एक भाग में आधी विधान सभा जो 40 किलोमीटर तक मुख्यालय पर आती थी आधे लोगों को 200 किलोमीटर दूर आना पड़ता है इसलिए वहाँ पर पुल का निर्माण कराया जाये। वहाँ पर बसे हुये जो लोग हैं उनको वन विभाग द्वारा परेशान किया जा रहा है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि किसी को उजाड़ा नहीं जाये इसलिए उसकी भी जांच कराई जाये और बंगालियों को वहाँ पर उनकी नागरिकता प्रदान की जाये। मैं इसी के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूँ। जय हिन्द, जय भारत !

डा0 विनोद कुमार बिन्द-

मान्यवर, आपने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के समर्थन में बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण निश्चित रूप से प्रदेश की जनता के हित में है। जो माननीय श्री योगी सरकार द्वारा किये गये अच्छे कार्य और विकास की प्रस्तावना महामहिम राज्यपाल महोदया ने इस सदन में रखने का काम किया है। राज्यपाल महोदया का दिल की गहराईयों से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। जुबा खोले तो क्या बोले, मौन रहे तो अच्छा है, अपने-अपने कर्त्तव्य का एहसास रहे तो अच्छा है। दुनिया में घुलना मिलना ठीक मगर, अपने से अपनों की पहचान रहे तो अच्छा है। जिस समय महामहिम राज्यपाल महोदया अपना अभिभाषण पेश कर रही थी. उस समय विपक्ष के माननीय सदस्यगण जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे नारे लगा रहे थे। यह लोकतंत्र के लिए धब्बा है। मैं कहना चाहूंगा कि झांक रहे सब इधर उधर अपने अन्दर झांके कौन, ढूँढ़ रहे दुनिया में कमियाँ, अपने मन में ताके कौन, सब चिल्लाते दुनिया सुधरे, खुद को आज सुधारे कौन पर उपदेश कुशल बहुतेरे, खुद पर आज विचारे कौन, हम सुधरे तो जग सुधरेगा, सीधी बात स्वीकारे कौन। कवि धूमिल जी कहते हैं कि एक आदमी रोटी बेलता है, एक आदमी रोटी खाता है और जो तीसरा आदमी है वह न रोटी बेलता न रोटी खाता है केवल रोटी से खेलता है। हमारे विपक्ष के माननीय सदस्यगण जिस तरह का आचरण पेश कर रहे थे क्योंकि इन्होंने न विकास किया है न विकास देखना चाहते हैं, केवल यह विकास करते हुये लोगों के रोकना चाहते हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मा0 मोदी जी और योगी जी की सरकार की जो सोच है, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास'। मैं कहना चाहूँगा कि किसी भी देश और समाज को विकसित होने के लिए शिक्षा और चिकित्सा, दो उसकी मूलभूत आवश्यकताएं होती हैं। मा0 मोदी जी और योगी जी की सरकार जो कर रही है, ये किसी से छिपा से नहीं है। अगर हम गाँव-गिराव से आए हैं और प्राइमरी विद्यालय में पढ़े हैं, तो उस प्राइमरी विद्यालय की हम

बात करते हैं, तो ऐसे उनकी स्थिति थी कि वहाँ बच्चे पढ़ने नहीं जाते थे। आज मा0 योगी जी की 'कायाकल्प योजना' के तहत उस परिषदीय विद्यालयों की ऐसे काया पलट हो गयी है कि पिछले पाँच सालों में वहाँ 40 लाख अतिरिक्त बच्चों का नामांकन हुआ। यही नहीं जो विद्यालय शिक्षक विहीन थे, पिछले पाँच सालों में मा0 योगी जी की सरकार ने 1.64 लाख शिक्षकों की भर्ती करके उन विद्यालयों को शिक्षक दिया और एक अच्छी शिक्षा देने का प्रयास किया।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे योगी जी की सोच है कि हर मण्डल में एक राज्य विश्वविद्यालय हो। यही नहीं, हम अगर पॉलिटेक्निक की बात करते हैं तो वर्ष 2017 के पहले पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 1 लाख 35 हजार 713 सीटें थीं, लेकिन वर्ष 2022 के अन्त तक पॉलिटेक्निक कॉलेजों में इस समय 2 लाख 23 हजार 779 सीटें हैं और 52 पॉलिटेक्निक कॉलेजों का निर्माण सुचारू रूप से हो रहा है। हमारे विपक्षी साथी स्वास्थ्य सेवाओं की बात कर रहे थे। वही प्रदेश है, जहाँ मेडिकल कॉलेजों में केवल डायलिसिस की सुविधा हुआ करती थी। आज मा0 योगी जी की सरकार में 69 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधाएं दी गयी है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, जब मेरे पास वो गरीब मरीज आते हैं, जिन्हें कूल्हा बदलना होता है, घुटना बदलना होता है। मैं पेशे से आर्थोपेडिक सर्जन हूँ। जब मैं घुटना बदलता हूँ, कूल्हा बदलता हूँ और उनको चलाने का काम करता हूँ, तो मैं मा0 प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि जिन्होंने 'आयुष्मान' जैसी योजनाओं को लागू करके उस गरीब को जीने का सहारा दिया, जो एक संजीवनी बूटी की तरह सिद्ध हो रहा है गया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं यही कहूँगा कि जो मेडिकल कॉलेजों की स्थिति है। पहले जब हम लोगों का जमाना था, तो उस समय मात्र 650 सीटें हुआ करती थीं और प्राइवेट कॉलेजों में 200-250 सीटें हुआ करती थीं, लेकिन आज हमारे राजकीय कॉलेजों में 3 हजार 828 सीटें और प्राइवेट कॉलेजों में 4700 सीटें हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं कहूँगा कि इतनी सीट वृद्धि के बाद भी समाज का एक ऐसा तबका है, जो मुख्य धारा से दूर है। 'वो का जाने पीर पराई, जिसके पांव न फटे बिवाई'। मैं उस समुदाय से आता हूँ। बिंद, मल्लाह, केवट, कोहार, राजभर जो 17 अति पिछड़ी जातियां हैं। इतनी सीट वृद्धि के बावजूद भी प्राइवेट शिक्षण संस्थान जहाँ हैं, वो इनके बच्चों के लिए तो नहीं हैं, लेकिन जो राजकीय शिक्षण संस्थान हैं, जब ये एडमिशन के लिए इंटरेन्स एग्जाम देते हैं, तो जो बच्चे अच्छी कोचिंग लेकर आते हैं, जब उनके साथ कम्पटीशन होता है, तो उनके बच्चे उस मुख्य धारा में नहीं जुड़ पाते हैं।

हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 डा0 संजय निषाद की जो सोच है, बिंद, मल्लाह, केवट, कश्यप, कोहार, राजभर जो अति 17 पिछड़ी जातियां हैं, अगर उनको भी मझवार जाति की

तरह परिभाषित करके उनको भी सुविधा देने का प्रयास करती, तो ये भी जातियां मुख्य धारा में जुड़ जातीं और एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देतीं।

मान्यवर, जब तक समाज का हर तबका विकसित नहीं होगा, तब तक एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता। अगर हम किसी समाज को अपना शरीर मानते हैं, तो अगर मेरा एक हाथ बहुत बड़ा हो जाए, एक हाथ बहुत छोटा हो जाए, तो ये विकलांगता की निशानी है। एक सच्चे राष्ट्र के निर्माण के लिए जो निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति हैं, उनको भी सुविधा देनी चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

अब अपनी बात समाप्त करिए।

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द-

मान्यवर, मैं अपने क्षेत्र की समस्याओं के लिए आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा। हमारे यहां लोवर खजूरी राय का जीर्णोद्धार कर दिया जाए और उसे बाणसागर से जोड़ दिया जाए। जिससे कम से कम 1 हजार एकड़ किसानों की भूमि की सिंचाई होगी। दूसरी चीज है कि जो हमारी नगर पंचायत कछवां है उसका जो पानी निकलता है वह 1250 एकड़ जमीन को नुकसान करता है और हमारे यहां कट्टा व भैंसा पर रेलवे क्रॉसिंग ब्रिज और मझवा ब्लाक में एक महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना हो जाए, जिससे वहां की बहन-बेटियां शिक्षा प्राप्त कर पायें। वहीं पर हमारे यहां मेडिकल कॉलेज है उसमें सिटी स्कैन एम0आर0आई0 और बच्चों के लिए हॉस्टल की सुविधा भी हो जाए।

श्री आशु मलिक-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में श्री रविदास महरोत्रा द्वारा प्रस्तुत संशोधन के प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। सबसे पहले मैं अपने नेता, अभिभावक, गुरू को नमन करता हूं और मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि आदरणीय नेता जी का मुझे बहुत प्यार व साथ मिला। मैं उनको नमन करते हुए व उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए तथा अपने नेता प्रतिपक्ष ने जो बात सदन में रखी है, मैं उसका समर्थन करते हुए अपनी बात शुरू करता हूं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैंने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण को बहुत ही ध्यान पूर्वक पढ़ा और सुना सबसे पहले पेज नम्बर-2 पर अभिभाषण में कहा गया कि मेरी सरकार जन-समस्याओं के सम्बन्ध और गुणवत्तापूर्ण के लिए संवेदनशील है। इस उद्देश्य से तहसील स्तर पर सम्पूर्ण समाधान दिवस, थाना स्तर पर किये जा रहे थे। थाना दिवस में त्वरित निस्तारण सुनिश्चत किया जा रहा है। आई0जी0एस0 प्रणाली व सी0एम0 हेल्पलाइन नम्बर पर प्राप्त लगभग 3.97 करोड़ संदर्भों में 3.93 करोड़ से अधिक का समयबद्ध निस्तारण निश्चित कराया गया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि सबसे ज्यादा अगर गरीब, किसान,

मजदूर का शोषण कहीं हो रहा है, तो वह तहसील और थानों में हो रहा हैं। और इस बात से केवल इधर के सदस्य ही नहीं बल्कि उधर बैठे सदस्य भी सहमत होंगे। कोई अधिकारी चाहे थाने पर, चाहे तहसील पर किसी गरीब मजदूर की कोई आज सुनने वाला नहीं है। आज सरकार में जो अधिकारी हैं वह ए0बी0सी0 और डी0 फार्मूले पर काम कर रहे हैं। यानि अगर कोई गरीब मजलूम बिना कोई सिफारिश के आज थाने या तहसील में जाता है, तो अधिकारी ए0 फॉर अवॉइड करते हैं और जब अवॉइड करने से नहीं मानता दोबारा पहुंच जाता है अपनी शिकायत ले करके तब उसे बी0 फॉर बेवकूफ बनाया जाता है, फिर वह अगर बेवकूफ बनाने से भी नहीं माना तो फिर उसे सी0 फॉर कनफ्यूज कर दो। अगर कनफ्यूज करने से भी नहीं मानता तो उसको फिर डी0 फॉर डम्प कर दो, यह ऐसे 3 फार्मूले अपना रहे हैं। अगर कोई ठीक-ठाक आदमी है जिसने सेवा पानी कर दी तो उसको फिर डी0 फॉर डायरेक्ट कर दो। तथा फिर अगर वह किसी मंत्री या विधायक के साथ आता है तो फिर उसे बुलाकर चाय पिलाकर अपनी जान बचाओ और डी0 फॉर डन कर दो, तब जाकर कोई काम होता है।

मान्यवर, इंसाफ की गैर हाज़िरी में आजादी का कोई मतलब नहीं होता है। आज गरीब के साथ जो अन्याय थाना, तहसील और हर स्तर पर इस सरकार में हो रहा है वह कभी नहीं हुआ। यह सरकार पूरी तरह से गरीबों के विरोध में है। मान्यवर, आदरणीय नेता जी ने सबसे पहले गरीब बेटियों के लिए कन्या विद्याधन योजना शुरू की थी, यह सोच करके कि आगे गरीब की बेटी को पढ़ने में बहुत दिक्कत आती है। बहुत सारे गरीब अपनी बेटी को इसलिए भी पढ़ा रहे थे कि इण्टर पास करेगी तो इसको 30 हजार रुपये मिलेंगे। उसी योजना को माननीय अखिलेश यादव जी ने आगे बढ़ाया और इस सरकार ने उस योजना को बंद कर दिया। वहीं हमारी सरकार ने जहाँ गरीब बच्चे, जिसके पैरों में चप्पल नहीं होती थी, एक सपना था कि गरीब का बेटा भी लैपटॉप चला ले। समाजवादी पार्टी की सरकार जिन गरीब बच्चों को लैपटॉप बाँट रही थी, यह बात सही है कि जिस वक्त हम सरकार में लैपटॉप बाँट रहे थे तो यह भारतीय जनता पार्टी फ्री डाटा दे करके उन्हीं लैपटॉप पर उन मासूम बच्चों को नफरत बाँट रही थी।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य समय का ध्यान रखें। अगर क्षेत्र की कोई समस्या हो तो उसको रख लें।

श्री आशु मलिक-

मान्यवर, उस तरफ से शेर पढ़ रहे थे, तो मैं भी चंद लाइनें सुनाता हूँ।

नफस, नफ़ुस, कदम-कदम,

बस एक फिक्र दम, बदम,

घिरे हम सवाल से हमें जवाब चाहिए।
जवाब दर सवाल है कि इंकलाब चाहिए,
इंकलाब जिन्दाबाद, जिन्दाबाद इंकलाब,
जहाँ अवाम के खिलाफ साजिशें हों शान से,
जहाँ पे बेगुनाह हाथ धो रहे हों जान से।।
जहाँ पे लफ्ज-ए. अजम एक खौफनाक राज हो,
जहाँ कबूतरों का सरपरस्त एक बाज़ हो,
वहाँ न चुप रहेंगे हम कहेंगे हाँ कहेंगे हम,
हमारा हक, हमारा हक हमें जनाब चाहिए।
घिरे हैं हम सवाल से हमें जवाब चाहिए,
जवाब दर सवाल है कि इंकलाब चाहिए।।

मान्यवर, यह सबका साथ, सबके विकास की बात कहते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आशु मलिक जी आपका समय पूरा हुआ। अब आप बैठ जाइये।

श्री आशु मलिक-

मान्यवर, एक मिनट का समय मुझे दे दीजिए।

श्री अधिष्ठाता-

आपको क्षेत्र की बात कहने के लिए कह रहे थे, तब आप शेरो-शायरी, कविता सुना रहे थे।

श्री आशु मलिक-

मान्यवर, मेरे क्षेत्र की जो मुख्य समस्या है, 32 गाँव नगर निगम में जोड़े गये थे, मैं कई बार विधान सभा में भी लगा चुका हूँ, उनकी हालत इतनी खराब है कि वहाँ पर पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है। यह मेरी विधान सभा भी है और आधा क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी के विधायक जो रामपुर से चुनकर आते हैं उनका भी पड़ता है। उसमें स्थिति इतनी खराब है कि वहाँ लोगों को हेपेटाइटिस-सी जैसी गम्भीर बीमारी हो गयी है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब आप बैठ जायं। श्री आर0 के0 पटेल जी अपनी बात रखना प्रारम्भ करें।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, पहली बार बोल रहे हैं, थोड़ा समय दे दें।

श्री अधिष्ठाता-

मेहरोत्रा जी जो व्यवस्था दी गयी है वह सबके लिए है। मलिक जी आप लिखकर दे दीजिए उसको कार्यवाही में जोड़ दिया जायेगा।

***डा0 आर0 के0 पटेल-**

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र मडियाहूँ की जनता की तरफ से आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूँ। अपनी बात रखने से पहले अपना दल के संस्थापक डा0 सोने लाल पटेल और अंत्योदय के पुरोधा पं0 दीन दयाल उपाध्याय को नमन करता हूँ। महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र से नेशनल हाई-वे 135-ए का निर्माण बहुत तेजी से हो रहा है, उसके लिए मैं अपनी सरकार को धन्यवाद देता हूँ। महोदय, अपनी बात रखने से पहले अपने क्षेत्र की समस्याओं को बताना चाहता हूँ मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक बरसाती नदी बसुही बहती है, जो कि पूरे विधान सभा क्षेत्र से हो करके जाती है, उसके दोनों तरफ केले की खेती होती है और माननीय अधिष्ठाता महोदय, केले की खेती के लिए पानी की जरूरत होती है। मेरी मांग है कि अगर 5-5 किमी0 के अन्तराल पर बसुही नदी पर चेकडैम बना दिया जाए तो हमारी विधान सभा क्षेत्र के किसानों की आय दोगुनी हो जायेगी, वहां पानी का स्तर ऊंचा हो जायेगा। हमारी विधान सभा क्षेत्र कालीन नगरी भदोही से जुड़ती है और भदोही से जुड़ने में एक पुल का निर्माण राहीपुर में हो रहा था, जो कि 8 सालों से अधूरा पड़ा हुआ है, अगर उस पुल का निर्माण हो जाए तो कालीन नगरी में जाने के लिए हमारी विधान सभा क्षेत्र वालों के लिए बहुत सहूलियत होगी। मड़ियाहूं में एक स्टेडियम का निर्माण हो जाए तो हमारी विधान सभा में खेलकूद को बढ़ावा मिलेगा। मड़ियाहूं में कोई महिला महाविद्यालय नहीं है। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र में एक महिला महाविद्यालय की मांग करता हूं। वर्ष 2012-13 में प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए 45 मॉडल स्कूल का निर्माण हुआ था, उसमें हमारी विधान सभा क्षेत्र अड़हनपुर में भी एक स्कूल का निर्माण हुआ था, जिसका उद्घाटन वर्ष 2014 में उस समय की तत्कालीन विधायिका श्रीमती श्रद्धा यादव जी के द्वारा किया गया था, लेकिन आज तक वहां पर पठन-पाठन नहीं हो रहा है। अभी तक वह विद्यालय अधूरा पड़ा हुआ है, उस विद्यालय को पूरा कराने के लिए मैंने अपनी विधायक निधि से भी कुछ धन दिया था, लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्य नहीं हुआ है। मैं मांग करता हूं कि उस विद्यालय को पूरा कराकर उसमें पठन-पाठन का कार्य शुरू कराया जाए। हमारी विधान सभा क्षेत्र से सटा हुआ मछली शहर, मुंगराबादशाहपुर और जफराबाद विधान सभा क्षेत्र है। मछलीशहर संसदीय क्षेत्र में आता है। यह चारों विधान सभाएं बहुत अविकसित हैं, अगर इन चारों विधान सभाओं को मिलाकर मछली शहर को जिला बना दिया जाए तो इन चारों विधान सभाओं का विकास हो जाएगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिषद् में वेद विज्ञान केन्द्र की स्थापना हो चुकी है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि विधान सभा पुस्तकालय की गैलरी में वैदिक साहित्य का अगर एक विंग बना दिया जाए तो हम सभी को विश्व की प्राचीनतम सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू होने का मौका मिलेगा। मैं एक चिकित्सक हूं, अभी चिकित्सा के बारे में बहुत सारी बातें हुई हैं। प्रदेश में जन-सामान्य को गुणवत्तापरक् चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार कृतसंकल्प है। यह इसी का नतीजा है कि हमारी 250 सी0एच0सी0 पर टेलीमैडिसिन के माध्यम से जो विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा है, वह आम-जन को उपलब्ध करायी जा रही है और 361 सी0एच0सी0 पर टेलीरेडियोलॉजी के माध्यम से जो सुविधा है, वह उपलब्ध करायी जा रही है। जैसाकि अभी डॉक्टर विनोद बिन्द ने बताया कि प्रदेश के 69 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है, यह हमारे गरीब मरीजों के लिए एक वरदान है। अभी हमारी सरकार डायबिटीज मरीजों के लिए दो जगह पर डायबिटीज रेटिनोपैथी सेन्टर की व्यवस्था कर रही है, उससे डायबिटीज के मरीजों को बड़ा फायदा होगा। कोविड-19 के समय हमारी सरकार ने 12.91 करोड़ टेस्ट किये थे और 39.2 डोज उपलब्ध करायी थी, यह एक अतुलनीय उदाहरण है। ऐसा उदाहरण कहीं नहीं मिला है। हमारे पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक्यूट इन्सेफेलाइटिस और जापानी इन्सेफेलाइटिस से बच्चों की मौत होती थी, वर्ष 2017 के बाद अब तक उसमें तकरीबन 96 प्रतिशत की गिरावट आयी है। यह हमारी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। 45 जनपद एक-एक मेडिकल कॉलेज से आच्छादित हो चुके हैं। अभी कुछ साथियों का कहना था कि अस्पतालों में इन्फ्रास्ट्रक्चर और चिकित्सकों की सुविधायें कम हैं। सरकार की मंशा है कि एम0बी0बी0एस0 की जो 8 हजार 528 सीटें हैं, एम0डी0एम0एस0 की जो 2868 सीटें है और डी0एम0एम0सी0एच0 की जो 180 सीटें हैं, यह सारी जो कमियां हैं, वह सब पार्ट थ्री में समाप्त हो जायेंगी। हमारे यही मेडिकल कॉलेज प्रदेश की जनता को ही नहीं बल्कि देश की जनता को और बाहर के मरीजों को भी चिकित्सा सेवा देने का काम करेंगे।

मान्यवर, हमारा देश हमेशा से धार्मिक पर्यटन का केन्द्र रहा है। सदियों से विभिन्न स्थानों पर लगने वाला कुंभ इसका सटीक उदाहरण है। इस चीज को पहचान करके जो प्रदेश सरकार ने पर्यटन के लिए काम किया है उसी का नतीजा है कि अपने प्रदेश में 24 करोड़ 87 लाख पर्यटक आए उसमें से चार लाख 10 हजार विदेशी पर्यटक भी आए। वह दिन दूर नहीं कि हमारा यह प्रदेश 50 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करेगा और उसमें से एक करोड़ से ज्यादा पर्यटक विदेशी भी होगें। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका कल्याण योजना पर काम कर रही है और इसके लिए हम बहन अनुप्रिया पटेल जी, मा0 योगी जी और मा0 मोदी जी का विशेष आभार प्रकट करते हैं और अपनी वाणी को विराम देते हैं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री विनोद शंकर अवस्थी-

मान्यवर, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया है। मैं अपने को डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी जी तथा डॉ0 बोरा जी से सम्बद्ध करते हुए जो प्रस्ताव लाया गया है उसका समर्थन करता हूं। ''यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्'' मैं अपने आपको हमारे भाई स्वामी प्रवक्तानंद जी से जोड़ते हुए जो उन्होंने संज्ञा दी है हमारे प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी तथा परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की तुलना त्रेता में मर्यादा पुरुषोत्तम राम और लक्ष्मण से की है तथा द्वापर में वासुदेव कृष्ण और बलराम की जोड़ी से की है। इसके लिए मैं उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। क्योंकि हमें गर्व है कि हमारे पुरखों ने खोहों में बैठ करके मानव कल्याण की साधना की है, हमें गर्व है कि हम उस पार्टी के मेम्बर हैं जो ऋषियों और मुनियों की पार्टी है। जब देश में प्रचलित सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के बीच देश की जनता घुटन महसूस करती है तो क्रांति होती है, कोई न कोई क्रांति वीर आगे आता है, इसी क्रम में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी तथा परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने प्रकट हो करके जन-कल्याण करने का जो संकल्प लिया है यही कारण है कि 2014 से अखण्ड भारत पर तथा पूरे उत्तर प्रदेश पर जनता ने उन्हें सेवा का अधिकार दिया है और मैं तो यह कहता हूं कि उनका सेवा-भाव देख करके उनके संकल्प को देख करके निर्बाध सेवा चला करेगी, मुझे यह अटल विश्वास है। मुझे गर्व है कि मैं उस भारतीय जनता पार्टी का मेम्बर हूं जो देश और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। मुझे गर्व है कि मैं उस सदन का सदस्य हूं जिस सदन के नेता परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी हैं, जिस सदन के अध्यक्ष मा0 सतीश महाना जी है और जिस सदन के संरक्षक हमारे बड़े भाई संसदीय कार्य मंत्री संघर्षशील सुरेश खन्ना जी है। मैं उस धौरहरा विधान सभा क्षेत्र से आता हूं जो शारदा और घाघरा की प्रलयंकारी बाढ़ से प्रभावित है तथा जिस धौरहरा में गोस्वामी तुलसी दास जी ने रामवती नाम का स्थान पर बालकांड की रचना की थी, मैं आप सभी लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि हमारे सपा के भाई लोगों की बहुत-बहुत प्रशंसा करता हूं, यह प्रशंसा के पात्र हैं हालाकि थोड़ा बहुत मदद इनकी शिक्षा मित्रों ने की है।

लेकिन फिर भी जो आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी तथा योगी जी की प्रचण्ड हवा से गुजर करके अभी बैठे हुये हैं वह वास्तव में प्रशंसा के पात्र हैं। इनमें जरूर कोई न कोई खूबी है। डॉक्टरों की कमी, बेरोजगारी, बेरोजगारों की फौज से निपटने के लिये ही पूरे उत्तर प्रदेश के सारे जिलों में हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी मेडिकल कॉलेज बनवाने के लिये अग्रसर है। बेरोजगारी से निपटने के लिये ही अभी हमारे योगी जी ने, हमारे मोदी जी ने इन्वेस्टर्स समिट का अयोजन किया, जिसमें 40 देशों से लोग यहाँ आये है और उन्होंने 35 लाख 50 हजार करोड़ इन्वेस्ट किया है। यह हमारे लिये गौरव की बात है और यही विश्वसनीयता है और यही क्रेडिबिलिटी है। आज जहाँ सारे देश नये भारत और नये उत्तर प्रदेश की प्रगति को देख करके,

उसके उभरते हुये स्वरूप को देख करके उनके लिये तालियाँ बजा रहे हैं वहीं पर हमारे ही कुछ भाई जो अपने कर्मों से खिसियाए हुये हैं, वह हमारी आलोचना कर रहे हैं। प्रशंसा करके देखो तो प्रशंसनीय हो जाओगे। जिस आईने से देखोगे वैसा ही दिखायी देगा। इतना सदन बीत गया, आज पाँचवा दिन है, लेकिन किसी ने शबरी के जूठे बेरों की बात नहीं की। जाति जनगणना की बात करते हो, यह लज्जा का विषय है। हर दर पर झुके सर यह मेरी शान नहीं है। समान-ए-तिजारत मेरा ईमान नहीं है। हमने है बनाये समन्दर में रास्ते। यूँ हमको मिटाना कोई आसान नहीं है। आज 'प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना' तथा 'आयुष्मान भारत योजना' से गरीबों का कल्याण हो रहा है। अब कोई गरीब असाध्य रोग से मरने नहीं दिया जाता है। हमारे योगी जी और मोदी जी का खजाना खुला हुआ है। आज स्किल डेवलॅपमेंट के लिये, शिक्षा में कार्य अनुभव के लिये हम प्रयासरत् है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अगर आपको अपनी विधान सभा का कोई विषय रखना हो तो रख लीजिये।

श्री विनोद शंकर अवस्थी-

मान्यवर, लोकतंत्र का अर्थ है घर में, आंगन में, सत्ता में, व्यवस्था में, समाज में, शासन में सबकी सम्मानजनक हिस्सेदारी। यह देश गाँव का देश है और इस देश का विकास गाँव-गलियारों के विकास पर निर्भर करता है, खेत-खलिहानों के विकास पर निर्भर करता है। इस देश के विकास का रास्ता खेतों की मेड़ों से होकर जाता है। मान्यवर, मेरे क्षेत्र में बहा नाला, सुखनी नाला तथा घावर नदी नाला यह तीन बड़े-बड़े नाले हैं, जो ओवरफ्लो होते हैं तथा किसानों की फसल बर्बाद करते हैं। इनकी सफाई करवाई जाये। हमारे क्षेत्र में कोई नगर पंचायत नहीं है। हमारी ग्राम पंचायत ईसानगर जिसकी आबादी 20,000 है, इसको नगर पंचायत का दर्जा प्रदान किया जाये। हमारे खमरिया पण्डित ग्राम पंचायत में चीनी मिल के मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या है, उस समस्या से हमें मुक्ति प्रदान की जाये। हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक कन्या डिग्री कॉलेज खोला जाये जिससे कि हमारी बहनें और बेटियाँ पढ़ सकें। हमारी विधान सभा क्षेत्र में आज 06 साल से आई0टी0आई0 कॉलेज अर्द्धनिर्मित पड़ा हुआ है। उसका निर्माण पूर्ण कराया जाये। इसके अतिरिक्त नदी कटान से बेघर सड़क किनारे पी0डब्लू0डी0 में पड़े हुये लोगों के लिये आवासीय व्यवस्था की जाये, यह मेरी मांग है। मान्यवर, मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूँ। नववर्ष आप सभी सम्मानित भाई-बहनों के जीवन में आनन्द की अमृत वर्षा करे। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

श्री बेचई सरोज जी।

श्री बेचई सरोज-

मान्यवर, महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर आपने हमें बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। राज्यपाल के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव रखने के लिए हमारे विपक्ष के जितने भी सदस्य बोले हैं मैं उसमें बल देते हुए कहना चाहता हूँ कि रोजगार के खिलाफ यह बजट था, यह किसान विरोधी बजट था।

श्री अधिष्ठाता-

आप बजट पर बोल रहे हैं ?

श्री बेचई सरोज-

मान्यवर, राज्यपाल के अभिभाषण पर बल देते हुए, अभी हमारे सदस्य भाई कह रहे थे कि उत्तर प्रदेश में विकास की नदियाँ बह रही हैं, गंगा बह रही है।

श्री अधिष्ठाता-

सरोज जी आप बल दे रहे हैं, ठीक है, अच्छा आप बोलिए।

श्री बेचई सरोज-

मान्यवर, अभी हमारे सदस्य भाई कह रहे थे कि उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार ने इतने काम किए हैं, किन्तु आखिर में अपनी विधान सभा क्षेत्र की सारी समस्यायें ही गिना डालीं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका ध्यान अपने जनपद आजमगढ़ की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूँ जहां पर किसानों की धान की खरीद को लेकर बहुत ही जटिल समस्या है। आपको बता दूँ कि किसानों ने पीसीएफ पर रात-रात भर अपने धान से भरे ट्रैक्टरों को लेकर इन्तजार किया है और उसके बाद जब धान खरीदने की बात आई तो धान तो खरीद लिया गया, लेकिन उनसे यह कहा गया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने की आखरी तारीख 28 फरवरी है, लेकिन पोर्टल को 25 फरवरी तक ही बंद कर दिया गया। किसानों की बहुत बड़ी समस्या है कि उनका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है और इनकी खरीद 25 जनवरी को ही बंद कर दी गयी थी। मैं आपसे अनुरोध करूँगा कि पोर्टल को तत्काल चालू कराकर और किसानों का समय से रजिस्ट्रेशन कराकर ऑनलाइन भुगतान कराने की कृपा करें। मैं अपनी सरकार के पी0डब्लू0डी0 मंत्री श्री शिवपाल सिंह जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने 2012 से लेकर 2017 तक काफी सड़कों का जाल बिछाने का काम किया है और पुल बिछाने का काम किया है। मैंने पिछले सदन में भी अपनी विधान सभा क्षेत्र की सड़कों का जिक्र किया था कि हमारे क्षेत्र की सड़कें गड्डा मुक्त नहीं हैं। अभी मैं एस0सी0एस0टी0 समिति का सदस्य हूँ उसमें मैंने पी0डब्लू0डी0 का एक क्वेश्चन लगाया था जिसमें संबंधित अधिकारी द्वारा यह कहा गया कि आपके क्षेत्र की पूरी सड़क की मरम्मत और गड्ढा मुक्त हो गयी है। मैंने कहा कि सभापति महोदय यह गलत बात है संबंधित अधिकारी द्वारा समिति को गुमराह

किया जा रहा है। मैं सभापति महोदय को बहुत-बहुत धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने मेरे साथ एक्सीयन एवं चीफ का तत्काल दौरा करने के आदेश दिए। जब मैं वहां गया तो एक भी सड़क न तो गड्ढा मुक्त थी और न ही मरम्मत की हुई थी। इस बात से ए0सी0ओ0 चीफ बहुत दुखी हुए और हमसे कहने लगे कि सड़कों की तत्काल मरम्मत करायी जाएगी। यह इस सरकार का विकास है। मान्यवर, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र लालगंज की बात कहना चाहता हूँ। बिजली मंत्री जी कह रहे थे कि बिजली बहुत अच्छी मिल रही है, किसानों को मिल रही है, गरीबों को मिल रही है। लेकिन मैं बता देना चाहता हूँ कि बिजली की समस्या हमारे क्षेत्र में बहुत जटिल है, गरीब बहुत ही बुरी तरह से फंसा है। गरीब जनता ने 2017-18 में आधार कार्ड देकर बिजली कनेक्शन लेने का काम किया, लेकिन न कहीं बिजली पहुँची, न खम्बा पहुँचा और न ही तार पहुँचे हैं। उनके आधार कार्ड लेकर ऑनलाइन कनेक्शन करा दिए गये जिससे किसी का 40 हजार बिल आ रहा है, तो किसी का 50 हजार बिल आ रहा है। जनता बहुत परेशान है उनकी आर0सी0 कट रही है उनको पकड़ कर जेल भेजा जा रहा है, हमारा आपसे अनुरोध है कि इसका जल्द से जल्द निराकरण कराया जाय और गरीबों के हक में निर्णय लिया जाय।

मान्यवर, मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी को इस सदन के माध्यम से बधाई देना चाहता हूं कि लालगंज की जनता को उन्होंने 100 बेड का अस्पताल देने का काम किया। अभी हमारे माननीय शिवपाल चाचा जी स्वास्थ्य विभाग से एक प्रश्न कर रहे थे। हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी कह रहे थे कि काफी सुविधाजनक व्यवस्था हर अस्पताल में कर दी गयी है। लेकिन मैं बता देना चाहता हूं लालगंज में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश जी द्वारा 2012 से लेकर 2017 के बीच में 100 बेड का अस्पताल बनाकर वहां की जनता का, माताओं, बहनों, नौजवान, किसान, बुनकर भाइयों का सम्मान बढ़ाने का काम किया गया है। मैंने पिछले सदन में भी यह बात उठाई थी। आज तक वहां एक भी डाक्टर नहीं आया। 100 बेड का अस्पताल उसी तरह से खड़ा है। सी0एच0सी0 के लोग उसको चला रहे हैं। अलग से एक भी डाक्टर अभी तक नहीं आये हैं और अलग से मशीन की व्यवस्था नहीं की गयी। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र लालगंज जो लालगंज लोक सभा के नाम से जाना जाता है, लालगंज विधान सभा क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह तहसील हैं, टाउन एरिया है वहां बाईपास पर बस स्टेशन बनवाने की कृपा करें। यही हमारी मांग है। धन्यवाद।

***श्री अजय-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं धन्यवाद देना चाहता हूं अपने करनैलगंज की जनता को और अपने साथियों को जिन्होंने इस लोकतंत्र के मन्दिर में आशीर्वाद देकर मुझे पहुंचाया। मैं उनका अभिनन्दन करना चाहता हूं। उनका वन्दन करना चाहता हूं। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके आशीर्वाद से मैं यहां हूं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी, जिला संगठन, प्रदेश संगठन, केन्द्र संगठन को जिनके द्वारा मैं चुना गया हूं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को जिन्होंने देवीपाटन मण्डल को मां पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय के रूप में सौगात प्रदान की। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को जिनकी मुख्य मंत्री चिकित्सा योजना के अन्तर्गत एक साल के अन्दर 150 से अधिक लोगों को इसका लाभ हमारी विधान सभा क्षेत्र को मिला। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं श्रम एवं रोजगार मंत्री जी को जो हर क्षेत्र में रोजगार मेला लगाकर रोजगार देने का काम कर रहे हैं। माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास को सबके सामने रखा गया। 2017 से माननीय पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार जब से आई है तब से जनता के मन में एक भाव आया है। 'रामराज बैठे त्रिलोका, हर्षित भये गये सब सोका' अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के कारण आज यू0पी0 में सुख-शान्ति है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। हर घर तिरंगा पहुंच रहा है। भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता करना गौरवपूर्ण है। यू0पी0 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जो हो रही है वह हमारे विपक्षी साथियों को नहीं भा रही है। क्योंकि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में दूसरा उद्योग चलता था। वह उद्योग था नकल उद्योग, फिरौती उद्योग, ट्रान्सफर उद्योग, पोस्टिंग उद्योग, नियुक्ति उद्योग ऐसे कई प्रकार के उद्योग विपक्षी साथी की गवर्नमेन्ट में चलते थे। आज उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का जाल बन रहा है। स्वास्थ्य सेवायें उत्तम हो रही हैं। हर जिले में मेडिकल कालेज बन रहा है। आज हमारी आध्यात्मिक नगरी काशी, अयोध्या, मथुरा चमचमा रहे हैं। 15 करोड़ गरीब, वंचित को राशन मिल रहा है। किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण मिल रहा है। प्राथमिक स्कूलों का कायाकल्प हो रहा है।

अधिष्ठाता महोदय, ग्रामीण सचिवालयों में इंटरनेट दिया जा रहा है और प्रधानमंत्री योजना के तहत आवास मिल रहे हैं और आज उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन रहा है। मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याएं आपके समक्ष रखना चाहूंगा। लखनऊ से गोंडा को जोड़ने वाला सरयू पुल जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी है, उसका नव निर्माण कराने के लिए आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा और चतरी से बालपुर रोड जो हमारी विधान सभा क्षेत्र की लाइफलाइन है इसको भी बनवाने का काम किया जाए और हमारे यहां त्रिमुहानी घाट है जहां पर घाघरा सरयू के बीच फाटक बनना अति आवश्यक है और हमारे यहां तुलसी जन मसली का जीर्णोधार कर पर्यटन विकसित करने का काम किया जाना आवश्यक है और तस्का मेले को राजकीय मेला घोषित कराना भी आवश्यक है। हमारे यहां दौराडी घाट चकरौरा और दौराडी घाट जम्मूदीप जिसका पर्यटन के दृष्टिकोण से विकास कराना आवश्यक है अतः मैं फिर से एक बार कर्नलगंज की जनता को और मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं।

***श्री राकेश कुमार गोस्वामी-**

अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं डॉ0 नीलकंठ तिवारी जी से अपने आप को संबद्ध करते हुए यह कहना चाहता हूं कि 20 फरवरी से मा0 राज्यपाल जी ने दोनों सदनों को संबोधित किया था तब से एक बात बार-बार उठाई जा रही है कि सपा के लोगों ने उनका सम्मान नहीं किया है सम्मान तो वह करना जानते है जिनके संस्कारों में सम्मान हो लेकिन जिनके संस्कारों में सम्मान ही नहीं है जैसे कि वह अपने नेता मुलायम सिंह व अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव जी का सम्मान नहीं कर पाये तो वह हमारे राज्यपाल जी का क्या सम्मान करेंगे। जब से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से इस प्रदेश का कायाकल्प हो गया है। इसके पहले जब सपा की सरकार उत्तर प्रदेश में थी तो यहां लूट का काम होता था और अपहरण का उद्योग चलता था और यहां के व्यापारी खुद यहां व्यापार करने में डरते थे तो ऐसे में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कहां से होती और जब से योगी जी आये हैं आज आपने देखा देखा होगा कि जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई है उसमें 33 लाख 50 हजार करोड़ का एम0ओ0यू0 साइन हुआ है। हमारे प्रदेश में पुलिस प्रशासन का शासन है और न्याय का शासन है और कानून का शासन है यहां पर अब व्यापारी चाहे देश का हो या विदेश का हो सब अब यहां आना पसंद कर रहे हैं। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं जब से उत्तर प्रदेश में योगी जी की सरकार बनी है तब से उत्तर प्रदेश में गुंडो का राज खत्म हो गया है। गुंडे या तो जेल के अंदर है या प्रदेश छोड़ कर भाग गये हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सपा के लोगों को यह दिखाई देता है कि कोई विकास नहीं हो रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी जी की सरकार बनी है तब से हमारे यहां सड़कों का विकास हुआ है। हमारे देश को स्वतंत्र हुए इतना समय हो गया था लेकिन उसके बाद हमारे प्रदेश में कितने मजरे थे जो खाली पड़े हुए थे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद 1 लाख 24 हजार 324 मजरों का विद्युतीकरण हुआ है और अब शत-प्रतिशत मजरों का विद्युतीकरण कर दिया गया है। वर्ष 2017 से अब तक 1 लाख 47 हजार प्वाइंट 90 लाख विद्युत संयोजन दिये गये हैं और सौभाग्य के अन्तर्गत गरीब को निशुःल्क विद्युत संयोजन दिये गये है। वर्ष 2017 से अब तक 151 पारेषण उपकेन्द्रों का एवं संबंधित लाईनों का उर्जीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त कुल 732 नए 33/11 के उपकेंद्र दिये गये है। तथा 1458 उपकेन्द्रों की क्षमता बढ़ाई गई है।

मान्यवर, इससे पहले जब सपा की सरकार थी तो जब बिजली आते थी तो बच्चे खुशी मनाया करते थे और बिजली आने पर घर में उत्सव सा माहौल हो जाता था। उस समय कहा जाता था कि बिजली आ गई, बिजली आ गई, बिजली आई गई। आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में प्रत्येक जिले को 24 घण्टे और ग्रामीण अंचल को 20 घण्टे बिजली की

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आपूर्ति देने का काम हो रहा है। अगर कभी किसी फाल्ट की वजह से बिजली चली जाती है तो आश्चर्य होता है कि बिजली कैसे चली गई। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे विपक्ष के लोगों ने निराश्रित गौवंश की बात की है तो इससे पहले जब सपा की सरकार थी तो उस समय हमारा किसान इतना परेशान होता था कि वह रात-रात भर जागकर अपनी फसल की रक्षा करता था। हमारे योगी जी ने हरेक ग्राम सभा में गौ-आश्रय केन्द्र खोल दिये हैं और हर बड़ी जगह पर कान्हा गौशाला खोली गई हैं जिससे आज हमारा किसान आराम से चौन की नींद सोता है और हमारे खेतों की रखवाली के लिए उसे चिंता की आवश्यकता नहीं होती। इसके पहले गौवंश की वजह से निश्चित तौर पर बुन्देलखण्ड में यह स्थिति थी कि हमारे यहाँ के किसान खेती छोड़कर चले गये थे। आज हमारा किसान लौट आया है और हमारे यहाँ पर खूब खेती हो रही है। स्कूलों के बारे में इसके पहले कभी किसी सरकार ने ध्यान नहीं दिया कि हमारे प्राइमरी विद्यालय के छात्र जब विद्यालय में जाये तो वह पूरी ड्रेस में हो, वह जूते-मोजे पहने हों, उनके पास किताबे हो और मिड-डे-मील में उनको अच्छा खाना मिले। जब से योगी जी की सरकार आई है तब से हर गरीब छात्र को ड्रेस, बस्ता, जूता-मोजा, स्वेटर दिया जा रहा है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने क्षेत्र से संबंधित कुछ मांगे आपके सामने रखना चाहता हूँ। मैं जनपद मुख्यालय महोबा में 200 बेड के जिला चिकित्सालय एवं ट्रामा सेण्टर की स्थापना की मांग करता हूँ, जनपद मुख्यालय महोबा में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना की मांग करता हूँ, वीर भूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा में बी0ए0 तथा एम0ए0 की कक्षाओं में नये विषय संचालित कर पद सृजन किए जाने की मांग करता हूँ, 5000 से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों के उच्चीकरण की मांग करता हूँ, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अन्तर्गत वंचित स्थलों का विद्युतीकरण कराये जाने की मांग करता हूँ, कस्बा श्रीनगर को नगर पंचायत बनाने की मांग करता हूँ, चरखारी-महोबा मार्ग में बजरिया की रेलवे कासिंग पर उपरिगामी रेलवे सेतु के निर्माण की मांग करता हूँ, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा निर्माणाधीन राजकीय बालिका इण्टर कालेज रामनगर व हाई स्कूल बजरिया का निर्माण कार्य पूरा कराकर संचालित कराने की मांग करता हूँ, श्रीनगर को नये विकास खण्ड के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग करता हूँ, जिला चिकित्सालय महोबा में रिक्त पदों के सापेक्ष विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों को तैनात किए जाने की मांग करता हूँ, जिला चिकित्सालय महोबा व महिला चिकित्सालय महोबा में रिक्त पदों के सापेक्ष पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की मांग करता हूँ, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे को जनपद महोबा के चरखारी मुस्करा रोड के ग्राम बसौठ के पास जोड़े जाने की मांग करता हूँ, कैमूर वन्य जीव विहार के अन्तर्गत पड़ने वाले जनपद महोबा को वन प्रभाग कार्यालय महोबा में प्रशासनिक रूप से सम्बद्ध किए जाने की मांग करता हूँ, धार्मिक पर्यटन के रूप में प्रसिद्ध गोरखागिरी पर्वत को रोप-वे से जोड़े जाने की

मांग करता हूँ, महोबा-चरखारी मार्ग पर आर0ओ0बी0 के निर्माण की मांग करता हूँ। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने हमें बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री श्याम सुन्दर-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। सबसे पहले मैं परम् पूज्य बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेडकर और नेता जी मुलायम सिंह यादव जी के चरणों में श्रृद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नेता विरोधी दल आदरणीय अखिलेश यादव जी और अपने क्षेत्र की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने अपना आशीर्वाद देकर मुझे लोकतंत्र के इस मन्दिर में अपनी बात रखने का अवसर दिया। माननीय अधिष्ठाता महोदय, राज्यपाल जी का जो अभिभाषण 20 तारीख को यहाँ प्रस्तुत किया गया है उस अभिभाषण में सरकार का जो प्रतिबिम्ब दिखाई दे रहा है उससे यही लगता है कि सरकार की जो मंशा है वह मंशा बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखे गये संविधान के विपरीत है क्योंकि अगर संविधान के अनुसार अभिभाषण में उल्लेख किया गया होता तो सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को निजी हाथों में सौंप करके उत्तर प्रदेश की जनता के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाता। संविधान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों को उनके जीवन में आगे बढ़ने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी और आरक्षण की व्यवस्था न लागू की जा सके इसलिए संवैधानिक संस्थाओं को निजी हाथों में सौंपकर बेरोजगारी की समस्या पैदा की जा रही है और उत्तर प्रदेश में सरकारी महकमों में बैकलाग की भर्तियों पर नकल के बहाने और अन्य बहाने से जो रोक लगायी गयी है वह उत्तर प्रदेश के नौजवानों के साथ खिलवाड़ है। जहाँ तक उत्तर प्रदेश के किसानों का सवाल है। किसानों के लिए सरकार ने वायदा किया था कि किसानों की आय को दोगुना कर देंगे। किसानों की आय तो दोगुनी नहीं हो सकी बल्कि उन किसानों की आय आधी रह गयी है। किसान मेहनत मजदूरी करके अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा लगाकर फसल उगाता है और फसल को दिन और रात में छुटटा सांड़ चरकर साफ कर देते है। अब तो किसानों की छुटटा जानवरों से जान भी जा रही है। अभी हमारे विधान सभा क्षेत्र बछरांवा में 22 जनवरी को बैती गाँव में हिमांशु पुत्र रमेश कुमार 08 वर्ष का बच्चा मथुरा नगर में तीन बजे एक सांड़ के द्वारा मौत का शिकार हो गया है और इस तरीके से इस सरकार का रवैया किसानों के हक में नहीं है। जब कानून-व्यवस्था का सवाल आता है तो कानून-व्यवस्था तो इस सरकार की बिलकुल लचर चल रही है। आँकड़े चाहे जो भी दिखाये जायें लेकिन जमीनी हकीकत में शासन का रवैया यह है कि अगर कहीं दो पक्षों में कोई बातचीत हो जाती है कोई कहासुनी भी हो जाती है तो गाँव में जब 112 नम्बर डायल करते हैं तो वह पकड़कर थाने में ले जाते हैं और थाने में पुलिस उन दोनों पक्षों से वसूली करके 151

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में करके चाहे जितना बड़ा अपराध हो उनको फ्री कर देती है। महोदय, जहाँ तक शिक्षा का सवाल है।

हमारे विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 2017 में हमारे विधान सभा क्षेत्र बछरांवा शिवगढ़ ब्लाक में गोविन्दपुर में पालीटेक्निक मा0 श्री अखिलेश यादव जी ने बनवाने का काम किया था। सरकार के पास उस पालीटेक्निक को चलाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। पिछले सदन में हमने इसी विधान सभा में सवाल लगाया था लेकिन अभी तक उसको चलाने की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। जहाँ तक सिंचाई का सवाल है। अधिष्ठाता महोदय, सिंचाई के मामले कहना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में तमाम फोन आते हैं कि विधायक जी फलां नहर नहीं चल रही है। गेहूं की फसल सींचने का मौका है लेकिन सिंचाई का पानी गायब है और जबकि हमारा बछरावां विधान सभा क्षेत्र खाली एरिया है। जब थोड़ी भी बारिश होती है तो वहाँ की जो ड्रेनें हैं वह भर जाती हैं और ड्रेनों की खुदायी के लिये जो पैसा जाता है वहाँ पर उसका बंदरबाट कर लिया जाता है।

श्री अधिष्ठाता-

अपनी विधान सभा क्षेत्र का कोई विषय बोलना है तो बोल लीजिए।

श्री श्याम सुन्दर-

मान्यवर, हम अपने क्षेत्र की कुछ समस्यायें रखना चाहते हैं। महोदय, हमारे विधान सभा क्षेत्र बछरावां में महाराजगंज तहसील पड़ता है। तहसील से 20-25 किमी0 दूर तक कोई डिग्री कालेज नहीं है। हमारा सरकार से आग्रह है कि तहसील महराजगंज में एक सरकारी डिग्री कालेज बनवाया जाये। महोदय, कुछ सड़कें हमारे विधान सभा क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण हैं जिससे बरसात में वहाँ के लोगों को आने-जाने में बहुत मुश्किलों का सहारा लेना पड़ता है। एक शारदा सहायक जौनपुर ब्रांच राजापुर जमोलिया से पूरे चन्दन से रऊ होते हुये इन्द्राही तक और एक सड़क मिश्रीण के पुरवा राघौपुर से बल्दी खेड़ा पहनासा तक। मान्यवर, चन्दापुर डीह रजबहा से कढीगंर मुरैनी तक सड़क, अलीपुर पहाड़गंज से अड़ारूगंज तक सड़क, कन्सीपुर से दसवन्तपुर तक सड़क, महाराजगंज हैदरगढ़ रोड से ऐलहना मजरे मोन तक सड़क एवं महाराजगंज से इनौना तक सड़क का निर्माण कार्य कराया जाए। यह सबसे महत्वपूर्ण सड़क है क्योंकि इस सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। जय भीम, जय भारत, जय समाजवाद।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

मान्यवर, मैं आदरणीय श्याम सुन्दर जी को बताना चाहूँगा कि आपने अपने उद्बोधन में जो सबसे महत्वपूर्ण सड़क इनौना से महाराजगंज तक के बारे में बताया है। वह 27.600 किलोमीटर लम्बी सड़क है इस सड़क के लिए आज ही 27 करोड़ रुपया निर्गत हो गया है

***श्री सौरभ श्रीवास्तव-**

मान्यवर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का अवसर दिया है इसके लिए आपका हृदय से धन्यवाद करता हूँ। मा0 नेता प्रतिपक्ष सदन में पूछ रहे थे कि यू0पी0 में का बा और वह यह भी पूछ रहे थे कि क्यूटो कहां है। अभी हाल ही में वह क्यूटो गये भी थे, वहां पर भव्य विश्वनाथ धाम भी देखने गये थे और पूजा-अर्चना भी की थी। शायद उनकी मेमोरी कमजोर हो गयी है इसलिए वह भूल गये हैं। मैं क्यूटो से ही चुना गया हूँ। इसलिए मैंने सोचा कि इस सदन के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष को जानकारी दे दूँ कि क्यूटो में क्या है। वह तो जानना चाहते थे कि यू0पी0 में क्या है लेकिन यू0पी0 में क्या है, बताने के लिए अगर आप दो घण्टा या तीन घण्टा भी देंगे तो भी कम पड़ेगा। इसलिए पांच मिनट के समय में मैं यही बता देता हूँ कि क्यूटो में क्या है। क्यूटो में भव्य बाबा विश्वनाथ का धाम है, सुन्दरपुर में महामना पं0 मदनमोहन मालवीय कैंसर रिसर्च इंस्टीटूट बा, होमी भाभा कैसर चिकित्सालय बा, क्यूटो में अस्सी घाट तक अलकनंदा और भागीरथी क्रूज बोट और सैम मानेकशॉ और स्वामी विवेकानंद रो रो वेसेल्स बा, क्यूटो में 74 शैयायुक्त मनोरोग चिकित्सालय बा, क्यूटो में बी0एच0यू0 में वैदिक विज्ञान केन्द्र बा, बोन मैरो ट्रांसप्लांट एंड स्टेम सेल रिसर्च सेंटर बा, भारत अध्ययन केन्द्र बा, मालवीय एथिक्स सेंटर बा, अटल इन्क्यूबेशन सेंटर बा, क्यूटो में सुन्दरलाल चिकित्सालय में 100 शैया का एम0सी0एच0 विंग बा, 400 बेड के नया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल भी बनल बा, क्यूटो में कच्छोदरी और महमूरगंज में स्मार्ट स्कूल व स्किल डेवलपमेंट सेंटर बा, बाबतपुर एयरपोर्ट से लेकर शहर तक चमकती सुन्दर दुबई मनिन्द सड़क बा, क्यूटो में रिंग रोड बा, क्यूटो में बिजली का कुल तार जमीन के अंदर अण्डरग्राउण्ड हो गइल बा, क्यूटो में 24 घण्टे बिजली बा, घर-घर बिछल गैस की लाइन बा, क्यूटो में किसानन के खातिर अन्तर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान केन्द्र, क्यूटो में भव्य बनारस रेलवे स्टेशन बा, बहुपयोगी दीनदयाल हस्तकला संकुल बा, क्यूटो में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर बा, क्यूटो के सारनाथ में पर्यटन के खातिर ध्वनि एवं प्रकाश शो बा, रामनगर में एक बहुत बड़ा बंदरगाह बा, हमारा क्यूटो अब पहले से साफ-सुथरा बा, गंगा जी का पानी पहले से बहुत अधिक साफ बा, 84 के 84 घाट अब साफ बा, क्यूटो में बनारस के घाटों पर फसाड लाइटिंग से अद्भुत नजारा बा, कुण्डों-तालाबों का सौन्दर्यीकरण व संरक्षण बा, गोदौलिया दशाश्वमेघ घाट सुन्दर और सुगम मार्ग बा, शहर में मल्टीलेवल पार्किंग बा, सुन्दर नया-नया बनल नमो घाट बा, खूब जमत नई देव दीपावली बा, राजघाट से आगे पड़ाव के पास दीनदयाल जी की भव्य 63 फीट ऊंची प्रतिमा और सुंदर स्मृति उपवन बा, क्यूटो में खेले खातिर अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के भव्य स्टेडियम बन रहल बा। खेलने के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर का भव्य स्टेडियम बन रहा है। शूटिंग रेज है और खिलाड़ियों के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लिए साई का सेण्टर है और फैशन के मैदान में टेक्नोलॉजी वाला निफ्ट है, बुनकरों की प्रगति के लिए पॉवरलूम सर्विस सेण्टर है और कूड़ा निस्तारण और सीवर के पानी के लिए कई एस0टी0पी0 प्लांट है। गंगा जी के उस पार पर्यटकों के लिए टेण्ट सिटी है और सामने घाट से राम नगर जाने के लिए मां गंगा का पुल है। महमूरगंज से मंडुआडीह जाने के लिए फ्लाई ओवर है। चौकाघाट से लहरतारा जाने के लिए कैण्ट रेलवे स्टेशन के सामने पुल है, लहरतारा से फुलवारिया होकर शिवपुर जाने के लिए पुल बन रहा है। कैण्ट रेलवे स्टेशन से सीगरा, रथयात्रा, गोदलिया होते हुए चौक जाने के लिए रोप-वे बन रहा है। बाबा के धाम में श्रद्धालुओं के लिए गंगा दर्शन यात्री निवास बना हुआ है। हमारा आंकड़ा बता रहा है कि काशी पर्यटकों की संख्या में बहुत भारी वृद्धि है। अध्यक्ष महोदय मैं नेता विपक्ष से आग्रह करना चाहता हूं कि अपना देखने का नजरिया बदलें जैसे हरे रंग का चश्मा पहन लेने से सब कुछ हरा-हरा दिखाई देता है वैसे ही कुछ समस्या उनके साथ है। वर्ष 2002 से लेकर वर्ष 2017 तक दस वर्ष तक सपा की सरकार प्रदेश में रही, लेकिन काशी में वह हर चुनाव हारे सांसद का हारे, मेयर का हारे, विधायकों का हारे और उन्होंने दस वर्षों तक काशी की जनता से अपनी हार का बदला लिया। उनको लगता है कि जैसी काशी वह छोड़ गए वैसी ही काशी अभी होगी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में काशी अब पूरी तरीके से बदल गई है। काशी विकास की राह पर सरपट दौड़ रही है। विश्व की सांस्कृतिक राजधानी काशी का हमारी सरकार ने सम्मान किया है तो अब सदन में दोबारा आकर पूछें क्योटो कहां है तो हमारे साथी भी उनको बताएंगे कि क्योटो कहां है और कैसा हो गया है। मित्रों वह यह भी पूछ रहे थे कि यू0पी0 में क्या है निश्चित रूप से यू0पी0 में क्या है यह बताने के लिए सदन में इतना समय अधिष्ठाता महोदय नहीं दे पाएंगे, लेकिन इतना मैं जरूर कहना चाहूंगा कि वर्ष 2017 के पहले यू0पी0 की तुलना बिहार से होती थी और मानक क्या होते थे कि हत्या बिहार में ज्यादा हुई कि यू0पी0 में, अपहरण बिहार में ज्यादा हुए कि यू0पी0 में दोनों जगह अपराधों को संरक्षण देने वाली सरकारें हुआ करती थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश की तुलना विकसित प्रदेशों से होती है। उत्तर प्रदेश बदल चुका है अब वह देश के सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर है। बीमारू राज्यों की श्रेणी से निकलकर उत्तर प्रदेश माहौल बहुत आगे बढ़ चुका है। आज उत्तर प्रदेश में माहौल बन गया है निवेश का, माहौल बन गया है व्यापार का, माहौल बन गया है औद्योगीकरण का और यहां इस सदन में आदरणीय प्रधानमंत्री जी और आदरणीय मुख्य मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने उत्तर प्रदेश को एक बीमारू राज्य की श्रेणी से जिसको कोई नहीं पूछता था उठाकर आज विश्व के फलक पर पहुंचा दिया है और विश्व के कई देशों से उत्तर प्रदेश में निवेश आ रहा है।

अधिष्ठाता महोदय मैं अपने क्षेत्र की कोई मांग रखने के लिए यहां इच्छुक नहीं हूं, लेकिन मेरे क्षेत्र में पिछले पांच वर्षो में 38 अरब के काम आदरणीय प्रधानमंत्री जी और आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने कराए हैं सिर्फ एक चीज जो रह गई हाथी निकल गई है पूंछ बाकी

है। एक हमारा अस्सी घाट से लेकर संतरविदास घाट और संतरविदास के घाट से लेकर सामने घाट तक पक्का घाट बन जाए ऐसी मा0 मुख्य मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है और राम नगर में एक पक्का घाट बन जाए इसके अलावा जिस तेजी के साथ काशी का विकास हो रहा है वह दिन दूर नहीं कि काशी में हम अपनी विधायक निधि भी खर्च नहीं कर पाएंगे।

श्री ब्रजेश कुमार-

महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया में आपको धन्यवाद संप्रेषित करता हूं। वर्ष 2017 के पहले हमारी विधान सभा क्षेत्र में तीन ब्लाक हैं जिसमें से एक ब्लाक औरास में आजादी के इतने सालों बाद आने-जाने के मार्ग पक्के नहीं थे। वर्ष 2017 से आज उस औरास ब्लाक को आदर्श टाउन घोषित किया गया। हमारी सरकार ने किया। न्योतनी नगर पंचायत को भी आदर्श टाउन घोषित किया गया, उसमें चौराहे, तालाब तमाम ऐसी सुविधाएँ जो जनहित से जुड़ी थीं, हमारी सरकार ने उनको कराने का काम किया है। इसी तरह से उसी ब्लॉक में एक सी0एच0सी0 देने का काम किया, उसी सी0एच0सी0 में ऑक्सीजन प्लाण्ट भी लगाने का काम हमारी सरकार में हुआ है और उसी ब्लॉक में सई नदी बहती है, मिर्जापुर-अजगाँव में सई नदी पर एक नया पुल भी बन रहा है। इसी ब्लॉक में सण्डीला को जोड़ने वाला मार्ग सँकरा है उसका चौड़ीकरण कर दिया जाए। वर्ष 2017 से हमारी सरकार ने विकास के बहुत से ऐसे काम किए है। वहीं पर एक सी0एच0सी0 और हसनगंज तहसील से औरास को जोड़ने वाले मार्ग के चौड़ीकरण का काम भी चल रहा है। इसी तरह से उसी ब्लॉक में एक बेता नदी करके है उसको बेता नाला भी कहते हैं जो गंगा की सहायक नदी है, उस पर अगर एक पुल बन जाए तो लखनऊ जाने वालों के लिए एक सीधा और सुगम रास्ता हो जाएगा। इसी तरह से हमारे उसी ब्लॉक राजकीय हाई सेकेण्डरी स्कूल भी हमारी सरकार में बना है और अगर उसमें एक अग्निशमन केन्द्र बन जाए तो वहाँ के लोगों को और भी सुविधा हो जाएगी। उसी जगह शारदा नहर उसी ब्लॉक से होकर बहती है। सीमऊ गाँव में सिंचाई विभाग का एक निरीक्षण भवन है जो बहुत अच्छी बिल्डिंग है लेकिन रख-रखाव के अभाव में खराब हो रही है, अगर उसका सौन्दर्यीकरण हो जाए, उसे संरक्षण मिल जाए तो वह भवन एक अच्छे उपयोग में आ सकता है। इसी तरह से हमारी सरकार ने पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने हसनगंज ब्लॉक में 132 के0वी0ए0 का नया पावर हाउस दिया। जो आज क्रियाशील रूप में है। इसी ब्लॉक में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भी दिया जिसका निर्माण कार्य चल रहा है। इसी ब्लॉक में पशु चिकित्सालय सोहरामऊ, पशु चिकित्सालय शाहपुर तौंदा है। इसी तरह से बिजली सब-स्टेशन मोहान, बिजली सब-स्टेशन सोहरामऊ। इसी तरह विकास के कार्य हमारी सरकार ने किए हैं। हमारी सरकार गाँव, गरीब, किसान, मजदूर के बारे में सोचने का काम करती है। देश की आजादी के बाद इस देश में हुकूमत करने वाली सरकारों ने किसान की हालत बद से बदतर करने का काम किया है। लेकिन पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार और पूज्य मोदी जी की सरकार ने किसान सम्मान निधि देकर किसानों के सम्मान

को बढ़ाने का काम किया है। हमने गाँव में आग तापते हुए एक कहावत सुनी थी कि 'उत्तम खेती मध्यम बान निषिद्ध चाकरी भीख निदान' आजादी के बाद जितना ध्यान भाजपा सरकारों ने किसानों पर दिया है, इसके पहले हुकूमत करने वाली सरकारों ने किसानों की हालत बद से बदतर किया था। किसी आदमी की जीने के लिए तीन मूलभूत आवश्यकताएँ होती हैं, रोटी, कपड़ा और मकान। इसमें निःशुल्क खाद्यान्न योजना के तहत हमारी सरकार ने रोटी की व्यवस्था की, हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि दे करके और पेंशन जो वर्ष 2017 से पहले 300 रुपये थी, आज उसको बढ़ाकर हमारी सरकार ने 1000 रुपये किया है। चाहे वह निराश्रित महिला पेंशन हो, चाहे विधवा पेंशन हो, चाहे हमारे दिव्यांग भाईयों की पेंशन हो, इस तरह से हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में काम किया। हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में काम किया। वर्ष 2017 के पहले जो प्राइमरी स्कूल में बच्चे पढ़ने जाते थे, उनकी यूनिफॉर्म एक ऐसे कलर की थी, जिसका मैं नाम नहीं लेना चाहता हूँ। होमगार्ड जैसी, हालांकि होमगार्ड भी हमारे परिवार का सदस्य है, हमारा भाई है। यानी गरीब के बच्चे की मानसिकता होमगार्ड से ऊपर न बढ़ने पाए, पिछली सरकारों ने ऐसी व्यवस्था कर रखी थी। लेकिन पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने जैसे बड़े आदमी का बच्चा माण्टेसरी और कॉन्वेण्ट स्कूल में पढ़ने जाता है, उसकी ड्रेस बहुत रंग-बिरंगी और खूबसूरत होती है। ऐसा हमारी सरकार ने देने का काम किया। उसको दो-दो ड्रेस देने का काम किया। जाड़े से बचने के लिए स्वेटर देने का काम किया, मोजे देने का काम किया, जूते देने का काम किया और बैग तथा फ्री किताबें देने का काम किया और इन सब के लिए कोई शुल्क नहीं है। हमारी सरकार ने बिजली के क्षेत्र में भी काम किया है और सड़कों के क्षेत्र में भी काम किया है और हमारे क्षेत्र में एक जंग-ए-आजादी के पुरोधा थे जो फतेहपुर चौरासी के रहने वाले थे। उनका ननिहाल मेरी मोहान विधान सभा क्षेत्र में है जिनका नाम श्री गुलाब सिंह लोधी था। गुलाब सिंह लोधी ने लखनऊ के अमीनाबाद में जो झण्डेवाला पार्क है उसमें सबसे पहले तिरंगा झण्डा फहराने का काम किया और अंग्रेजी सेना के सैनिकों के शिकार हुए। उनका ननिहाल मेरी विधान सभा क्षेत्र में है, वहाँ कम से कम उनके नाम से एक गेट बन जाए या उस गाँव को जाने वाले मार्ग का नाम गुलाब सिंह लोधी रख दिया जाए।

(मेजों की थपथपाहट)

ऐसी मैं अपनी सरकार से अपेक्षा करता हूँ और हमारे नवाबगंज ब्लॉक में एक भीतेदार परसन्नद है वहाँ ऐसा माना जाता है कि भगवान परशुराम जी की कर्मभूमि थी और उस रास्ते को और उस गाँव को जोड़ने वाला कानपुर-लखनऊ से जो मार्ग जाता है उस मार्ग को भगवान परशुराम के नाम से रख दिया जाए, ऐसी हम अपेक्षा करते हैं। इसी तरह बहुत से रामायण कालीन संस्मरण हैं। माँ सीता ने जब वन गमन किया और लक्ष्मण जी जब माँ सीता को जंगल में छोड़ कर वापस जा रहे थे तो इसी सई नदी के मुहाने पर जो आज मोहान है वहाँ पर वह बहुत दुखी और व्यथित हुए तो उन्होंने वहाँ भगवान भोले की स्थापना की थी।

वहाँ पर जो भगवान भोले का मंदिर है, जिसे आज हम जलेश्वर नाम से जानते हैं। पर्यटन विभाग से हमने कुछ विकास कार्य कराने का प्रयास किया है। यदि वह पर्यटन विभाग में चला जाए तो हमारी एक प्राचीन धरोहर सुरक्षित और संरक्षित होगी, बहुत लोगों की आस्था वहाँ से जुड़ी हुई है। धन्यवाद, मा0 अधिष्ठाता जी, आपने हमें सदन में बोलने का अवसर दिया। बहुत धन्यवाद।

***श्री अनिल कुमार-**

धन्यवाद मान्यवर, आपने मुझे अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, मैं हृदय से मेहरोत्रा जी के माध्यम से जो संशोधन प्रस्ताव रखा गया है, मैं उस पर बल देने के लिए खड़ा हुआ हूँ। उससे पहले मैं अपने महापुरुषों को नमन करता हूँ चाहे संविधान रचयिता डॉ0 बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर हों या किसानों की आवाज को बुलन्द करने वाले चौधरी चरण सिंह हों या समाजवाद की अलख जगाने वाले मा0 मुलायम सिंह यादव जी हों, मैं उनको नमन करता हूँ।

(इसी मध्य 09 बजकर 52 मिनट पर अधिष्ठाता श्री राकेश प्रताप सिंह पीठासीन हुए)

मान्यवर, आदरणीय महामहिम राज्यपाल जी ने जो अभिभाषण दिया है वह सिर्फ सरकार के काल्पनिक विचारों पर आधारित है। वह न जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं या विश्वास को पूरा करने वाला है और न समाज के किसी भी वर्ग के हित में कोई बात उनके अभिभाषण में दिखायी पड़ती है। वह सिर्फ प्रदेश की जनता को दिग्भ्रित करने वाला, केवल झूठे वादे या झूठे सपने दिखाने वाला मात्र ही दिखायी पड़ता है। मान्यवर, आज समाज के तमाम वर्ग जो सरकार से अपेक्षा करते हैं, सरकार से उम्मीद करते हैं कि सरकार उनकी मदद करे, आज वह सभी परेशान लगते हैं। आज समाज के सभी वर्ग चाहे वह किसान हों, मजदूर हो, नौजवान हों, चाहे वह दलित हो, पिछड़े हों या अल्पसंख्यक हों तमाम कमजोर तबका जो सरकार से उम्मीद करता है, वह आज परेशान नजर आता है। आज अगर हम किसान की बात करें, मान्यवर, मैं पश्चिम उत्तर प्रदेश के पुरकाजी विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर आता हूँ। हमारी तरफ गन्ना की बेल्ट है। मान्यवर, बड़े दुख की बात है इस बार गन्ने का रेट नहीं बढ़ाया गया है जो रेट पिछले साल था चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए जो रेट पिछली बार रखा गया था वही इस बार भी रख दिया गया। लाखों-करोड़ों किसानों ने मा0 मुख्य मंत्री जी को, सरकार को पत्र लिखने का काम किया, निःशब्द होकर पत्र लिखने का काम किया और यह अपेक्षा की तथा सरकार से गुहार की कि सरकार इस बार गन्ने का रेट बढ़ाने का काम करे लेकिन मान्यवर, अफसोस है कि इस बार सरकार ने रेट बढ़ाने का कार्य नहीं किया क्योंकि इस वर्ष चुनाव नहीं हैं अगले वर्ष चुनाव हैं निश्चित रूप से आप रेट बढ़ाएंगे हमें पता है

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

(शेम, शेम के शब्द सुनाई दिये) और उसका श्रेय लेने की ये कोशिश करेंगे तो यह सब बातें देखने की हैं।

आज किसान को उसकी उपज का सही दाम नहीं मिलता है। लगातार वह के0सी0सी0 के माध्यम से कर्ज में डूबता चला जा रहा है। मजदूर को उसकी सही मजदूरी नहीं मिलती। मनरेगा के नाम पर उसको ठगने का काम होता है। फर्जी जॉब कार्ड के माध्यम से और प्रशासन की मिली भगत से पैसा हड़पने का काम इस योजना के माध्यम से किया जा रहा है। मान्यवर, नौजवान को किसी प्रकार का रोजगार सरकारी नौकरी के नाम पर तो बिल्कुल नहीं मिल रहा है, जो भी भर्तियाँ हो रही हैं आज वह संविदा या आउटसोर्सिंग के माध्यम से हो रही हैं, जिससे दलितों और पिछड़ों को मिलने वाला जो आरक्षण है वह लगातार खत्म हो रहा है। आज निजीकरण को सरकार जिस प्रकार से बढ़ावा दे रही है उससे दलितों और पिछड़ों को मिलने वाला जो आरक्षण है वह समाप्त होता जा रहा है। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है। दलितों और पिछड़ों की हिमायत करने वाली यह सरकार है। इस विधान सभा में 403 विधान सभा क्षेत्र की सीट है 89 सीटें यहां रिजर्वेशन की हैं उस रिजर्वेशन के माध्यम से मैं इस विधान सभा क्षेत्र में निर्वाचित होकर आया हूं। बाबा साहब के कारण मैं यहां आया हूं। उस रिजर्वेशन को खत्म करने की बात हो रही है। हमारे सत्ता पक्ष के तमाम साथी बाबा साहब की बात कर रहे हैं। आज मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि जो संवैधानिक संस्थायें हैं उनमें हमारा आरक्षण खत्म हो रहा है। कल को विधान सभा में और लोक सभा में हमारा रिजर्वेशन खत्म होने का काम होगा। हमारे तमाम साथियों को सचेत हो जाना चाहिए। साथियों अभी भाषण में यह भी कहा गया कि 20,000 किलोमीटर से ज्यादा ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जा चुका है लेकिन धरातल पर स्थिति कुछ और नजर आती है। अगर मैं अपनी विधान सभा की बात करूं तो धरातल पर हमारी विधान सभा में सैकड़ों सड़कों में से अधिकतर सड़कें आज भी गड्ढा युक्त हैं, गड्ढा मुक्त नहीं है। मैं बताना चाहता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में 2007 से लेकर 2012 तक 25 से 30 सड़कें मण्डी परिषद से बनी थीं, मण्डी परिषद का नियम यह है कि 08 साल के बाद उनका जीर्णोद्धार होना चाहिए लेकिन 01 भी सड़क पर कहीं भी पैचिंग नहीं लगायी गयी है। मान्यवर, बहुत सारी सड़कों को मैं इंगित करना चाहता हूं। मेरे गांव में एक क्षेत्र शेरपुर सदर पड़ता है, उसका सम्पर्क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। बरसात के समय में उस सड़क पर पानी भर जाता है जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कत होती है। सरकार उस सड़क को बनवाने का काम करे। दूसरा मान्यवर, नहर की पटरियों के विषय में भी कहा गया है कि नहर की सभी पटरियां पक्की करा दी गयी हैं। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र से 2-3 नहरें होकर गुजरती है जिनसे गन्ना किसान अपना गन्ना भी लेकर जाता है। मैं एक स्पेसिफिक प्रकरण की बात करना चाहता हूं। लगभग 14-15 किलोमीटर की एक पटरी है वह एन0एच0-58 बाईपास मुजफ्फरनगर से होकर बरला एन0एच0-58 तक निकलती है और उससे किसान अपना पूरा गन्ना लेकर मिल में जाता है, उस पटरी को बनवाने का काम करें। दूसरा

यह भी कहा गया है कि 22 लाख हेक्टयर से ज्यादा भूमि को बाढ़ से सुरक्षित किया जा चुका है लेकिन जनपद मुजफ्फरनगर में पुरकाजी हाथरस क्षेत्र की बात स्पेसिफिक रूप से करना चाहता हूं। पुरकाजी बाढ़ क्षेत्र हैं, यहां सलोनी नदी बहती है। जब बरसात होती है तो किसानों को जान-माल का बहुत बड़ा नुकसान होता है। अभिभाषण में इसकी कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। मैं चाहता हूं कि सरकार इस पर बांध बनवाने की व्यवस्था करे। मान्यवर, इसी प्रकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग के 100 परसेंट छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने की बात कही गयी है लेकिन जमीन पर कुछ और स्थिति है। बहुत सारे ऐसे छात्र हैं जिनको छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। जीरो बेस्ड पर जो एडमिशन होते थे वह नहीं हो रहे हैं जिस कारण आज हमारे दलितों और पिछड़ों के जो बच्चे हैं वह पढ़ाई से महरूम हो गये हैं। अभिभाषण में यह भी कहा गया कि गौवंश को लेकर हमने बहुत बड़ी योजनाएं बनायी है।

मान्यवर, गौवंश को लेकर जितने भी गौवंश आश्रय स्थल बनाये गये हैं वह कम हैं। अगर आज स्थिति देखे तो उससे कई गुना ज्यादा जानवर, आवारा पशु या गौवंश जंगलों में घूमते हैं और किसानों की फसलों को चरने का काम करते हैं। इस विषय में सरकार को एक ठोस नीति बनानी चाहिए इसमें एक ऐसी पॉलिसी लानी चाहिए ताकि इस समस्या का समाधान हो। किसानों का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है, उनको फायदा हो। मान्यवर, एस0सी0, एस0टी0 अधिनियम के विरुद्ध जब माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एक रूलिंग दे दी थी, शिथिल कर दिया था उसको लेकर पूरे देश में 02 अप्रैल, 2018 को एक बहुत बड़ा आंदोलन हुआ था उसमें लगभग 13 लड़के शहीद हुए थे, जो पुलिस की गोली का शिकार हुए थे। उसमें फर्जी मुकदमें कायम हो गये हैं। बहुत सारे पढ़ने वाले लड़के हैं। मैं चाहता हूं 02 अप्रैल, 2018 से संबंधित जितने मुकदमें हैं सरकार उनको वापस लेने का काम करे।

मान्यवर, पुरकाजी हेडक्वार्टर है, 15-20 साल से उसे तहसील बनाने की मांग लोग कर रहे हैं। उसको तहसील का दर्जा दिये जाने का काम करें। पैचेंडा रोड का शहर से जुड़ाव है और वह मेन रोड है। उस शहर की रोड का चौड़ीकरण करने का काम करें और उसको 04 लेन बनवा दें।

***श्री बम्बा लाल-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर मुझे धन्यवाद प्रेषित करने का अवसर मिला है, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। हमारे डा0 नीलकण्ठ तिवारी जी ने जो धन्यवाद प्रेषित किया, उससे अपने आपको जोड़ते हुए मैं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी व डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ और इस लोकतंत्र के मंदिर में पीठ को नमन करते हुए, अपनी सफीपुर विधान सभा क्षेत्र की जनता को हृदय से आभार व्यक्त करता

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हूँ, उनके चरणों में नमन करता हूँ कि उन्होंने दूसरी बार मुझे जिताकर इस सदन में भेजने का काम किया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी और इस सूबे के यशस्वी मुख्य मंत्री परम् आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी को बधाई देना चाहता हूँ कि सबके साथ और सबके विकास पर और उसके साथ-साथ सबके विश्वास और सबके प्रयास पर काम कर रही हमारी डबल इंजन की सरकार जिसने वाकई में गरीबों को आवास देने का काम किया। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर आप देख रहे होंगे जहाँ प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से तकरीबन 52 लाख 77 हजार गरीबों को आवास और छत देने का काम प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री आवास योजना के माध्यम से किया गया है। जिसमें तकरीबन 39 लाख 66 हजार लोगों के आवास बन चुके हैं और शेष आवासों का पैसा स्वीकृत हो गया है। मुख्य मंत्री आवास योजना के माध्यम से जिन गरीब लोगों के बरसात में घर गिर गये, जिनके घरों में आग लग गई, जो लोग कुष्ठ रोग से पीड़ित थे, जो दिव्यांग लोग थे, उन लोगों को भी आवास देने का काम सरकार ने किया है। एक गरीब का सपना था कि उसको छत मिल जाये। यहाँ तक कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी का सपना है कि 2024 से पहले हमारे हर गरीब के पास अपनी छत होगी। जैसा कि आप लोग स्कूलों के कायाकल्प के बारे में बात करते है तो 2017 से पहले विद्यालयों की स्थिति आप लोग जानते हैं, जर्जर विद्यालयों में पहले जब बच्चे जाते थे तो उन गरीब बच्चों को भी लगता था कि हमारा विद्यालय अच्छा हो, रंगा-पुता हो और सही तरीके से बना हो, उसमें सही तरीके से उनको शिक्षा मिल सके। लेकिन जब से स्कूलों के कायाकल्प का काम चालू हुआ है, हर ग्राम सभा के विद्यालयों को कायाकल्प करने का काम हमारे मुख्य मंत्री जी की सरकार में हुआ है और उसके साथ-साथ बच्चों को अच्छी ड्रेस और उसके साथ-साथ कॉपी-किताबें, स्वेटर, मोजा और सारी व्यवस्था देने का काम किया है। 2017 से पहले की सरकारों में स्वेटर दिये जाते थे लेकिन स्वेटर उनको जाड़ों में नहीं मिलते थे, लौटकर गर्मी में मिलते थे लेकिन आज समय पर अगर यह काम हो रहा है तो योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में हो रहा है। हर गाँव में एक पंचायत भवन बनाने का काम जो सरकार ने सोचा था कि गाँव में पंचायत भवन होगा। हमारे गरीब को कहीं बाहर ब्लाक में न जाना पड़े, गरीब अपनी पंचायत भवन में जाये और अपनी शिकायत को दर्ज कराने का काम करे और अपनी समस्या का निस्तारण कराने का काम करे। उस पर भी सरकार ने काम किया है और हर गाँव को खेल-कूद के मैदान से आच्छादित करने का काम किया है। क्योंकि जब गरीब का बच्चा पढ़ता और लिखता है, उसके साथ वह खेल-कूद से जुड़ जाता है तो उसका एक जीता-जागता उदाहरण है कि उन्नाव की बेटी, अर्चना देवी अभी क्रिकेट मैच खेली और उसने टी-20 जीतकर आने का काम किया और उन्नाव के नाम को रोशन करने का काम किया। कहीं न कहीं यह खेल-कूद के मैदान की देन है। आज अगर दुग्ध उत्पादन की बात करें तो दुग्ध के उत्पादन में उत्तर प्रदेश की जो भूमिका है, वह 16 प्रतिशत की है। यह भी जानकर हम सबको बड़ा आश्चर्य होता है कि जिस तरह हमारी योगी जी और मोदी जी की सरकार

काम कर रही है, वाकई में गरीबों के हित में काम कर रही है, घर-घर जल और घर-घर नल की व्यवस्था से हर घर में नल लगाने का काम और उसके घर में पेयजल देने का काम कर रही है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भी पीने के पानी की व्यवस्था सही ढंग से नहीं हो पाई थी लेकिन इस योजना के माध्यम से हर गरीब को स्वच्छ पेयजल मिलने का काम हो पायेगा।

मान्यवर, जैसा कि आप सब लोग जानते हैं कि किसान भाइयों की आमदनी बढ़ाने को काम हमारी योगी जी और मोदी जी की सरकार ने किया है। हमारे यहाँ गाँव में सौभाग्य योजना के माध्यम से हर घर तक बिजली पहुंचाने का काम हमारी सरकार के द्वारा किया गया है। वन डिस्ट्रिक वन मेडिकल कॉलेज की योजना जिसमें 45 मेडिकल कॉलेज हमारे यहाँ चल रहे हैं। आपको याद होगा वर्ष 2017 से पहले केवल 17 मेडिकल कॉलेज हुआ करते थे। आज 45 मेडिकल कॉलेज चल रहे है और 16 मेडिकल कॉलेज जो पी0पी0पी0 माडल से बनाये जा रहे हैं उसके साथ-साथ 14 मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं यानी 75 के 75 जनपदो में वन डिस्ट्रिक वन मेडिकल कॉलेज के माध्यम से मेडिकल कॉलेज देने का काम हमारी सरकार कर रही है और यहाँ तक कि वर्ष 2022 तक नर्सिंग कॉलेज की बात करें तो जो प्रोफेशनल कॉलेज हैं नर्सिंग और पैरामेडिकल के कॉलेज ऐसी 300 संस्थाओं के माध्यम से बच्चों को पैरामेडिकल की शिक्षा देने का काम हमारी सरकार कर रही है। राजकीय मेडिकल कॉलेज और चिकित्सा संस्थाओं के क्षेत्र में एन0डी0ए0 और एम0सी0एच0 के जितने भी विद्यार्थी पढ़ाये जाते है पहले 120 विद्यार्थी पढ़ाये जाते थे लेकिन इस साल 180 विद्यार्थियों को शिक्षा देने का काम हो रहा है। आयुष्मान भारत की बात करूं तो आयुष्मान भारत के माध्यम से 2 करोड़ 34 लाख लोगों को उत्तर प्रदेश के अन्दर कार्ड देने का काम हमारी सरकार ने किया है। उत्तर प्रदेश में 75 जनपद हैं लेकिन 75 में से 69 जनपदों में मुफ्त निःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी इस सरकार के द्वारा की गई है। हमारे क्षेत्र में अग्निशमन केन्द्र पर काम चल रहा है। एक स्टेडियम बन रहा है जिसकी लागत लगभग 7 करोड़ है। एक उपमण्डी बन रही है मैं निवेदन करूंगा अपनी सरकार से कि हमारे यहाँ एक राजकीय महाविद्यालय हमारे तहसील मुख्यालय सफीपुर में बन जाये। राजकीय इण्टर कॉलेज जो हमारे रूपपुर चन्देला और मेथीपुर सफीपुर ब्लाक में लगता है और टियर मियांगंज में लगता है यहाँ पर अगर राजकीय इण्टर कॉलेज बन जाये क्योंकि वहाँ पर लोग 20-20 किलोमीटर दूर से आते है। एक सफीपुर में महिला अस्पताल बनाने का मैं सरकार से आग्रह करता हूँ। योगी जी की सरकार में जो पूर्ण रूप से हमारा उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश की ओर अग्रसर है। वर्ष 2027 से पहले उत्तर प्रदेश देश का उत्तम प्रदेश होगा इसके लिए मैं आप सबका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

श्री सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा-

मान्यवर, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं श्री राज्यपाल के अभिभाषण के

समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। उत्तर प्रदेश की देवतुल्य जनता ने दूसरी बार हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं श्री योगी जी के नेतृत्व में आस्था और विश्वास रखते हुये सत्ता में वापसी का आशीर्वाद प्रदान किया है। यह हमारी सरकार के सुशासन संकल्प का परिणाम है। मेरी सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास व सबका विश्वास है। हमारी सरकार का लक्ष्य प्रदेश की एक जाति, एक वर्ग, एक परिवार का विकास करना ही नहीं है अपितु समाज के वंचित शोषित दलित, पिछड़े वर्गो का सर्वांगीण विकास करना है। हर गाँव गरीब, मजदूर, दलित किसान को समुचित न्याय मिल सके उनका सामाजिक आर्थिक उत्थान हो, हर व्यक्ति को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, हर खेत को पानी, प्रत्येक गरीब को पक्का आवास मिले इस दिशा में हमारी सरकार सतत् प्रयत्नशील है। मैं उत्तर प्रदेश के प्रयत्नशील पूर्वी छोर पर स्थित जनपद कुशीनगर के भगवान बुद्ध एवं महावीर स्वामी की परिनिर्माण स्थली है के फाजिल नगर विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ।

मान्यवर, आप सभी मा0 सदस्यों को सबसे पहले हिन्दू नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें ज्ञापित करता हूँ और समस्त प्रदेश वासियों के लिए सुख-शांति और समृद्धि की कामना करता हूँ। मान्यवर, मैं कुछ और कहने के पहले अपने फाजिल नगर विधान सभा क्षेत्र के कुछ विषयों के बारे में, कुछ आवश्यकताओं के बारे में कहना चाहता हूँ कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में बहुत सारे विकास कार्य मा0 योगी जी के निर्देशन में हुए हैं, लेकिन कुछ काम और आवश्यक है। जैसे हमारे विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 2017 में भाजपा की सरकार बनते ही दो नगर पंचायतों फाजिलनगर औद दुद्धी का गठन हुआ। मेरी विधान सभा क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थल तुर्कपट्टी, जहाँ पर सूर्य मंदिर है और एक तुर्कपट्टी गुरवलिया बाजार है। दोनों बाजार नगर पंचायत के मानक को पूरा करते हैं। इन दोनों बाजारों को नगर पंचायत बनाने से जो सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास हो, उनका शहरीकरण हो, इसको बल मिलेगा।

मेरे विधान सभा में एक 33 के0वी0ए0 विद्युत सब-स्टेशन की आवश्यकता है। चौरा खास में बिजली की बहुत अच्छी व्यवस्था है। एक 33 के0वी0ए0 विद्युत सब-स्टेशन बन जाने से बिजली की व्यवस्था और सुदृढ़ एवं बढ़िया हो जायेगी। मैं किसानों के बारे में बात करना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र के (दुद्धी) बेल्ट हल्दी और केले की खेती के नाम से जाना जाता है। कुछ उत्साहित किसान ऐसे भी हैं जो स्ट्राबेरी, डैंगन फ्रूट जैसे फलों का उत्पादन कर रहे हैं, तो मैं चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र दुद्धी में फूड प्रोसेसिंग की व्यवस्था बन जाती, तो निश्चित रूप से किसानों का मनोबल बढ़ेगा, उनका जीवन स्तर ऊँचा होगा, उनकी आय दुगुनी होगी। मैं इन फसलों के सुरक्षित भंडारण के लिए अपने विधान सभा क्षेत्र में एक शीत भंडारण गृह की भी आवश्यकता महसूस करता हूँ। अपनी सरकार से मैं चाहता हूँ कि एक शीत भंडारण गृह मेरे विधान सभा क्षेत्र में स्थापित हो, इससे किसानों को अपना उत्पाद सुरक्षित करने में सहायता मिलेगी। हमारी सरकार के इस अमृत काल के प्रथम सत्र में भारत द्वारा

जी-20 की अध्यक्षता किया जाना हम सभी देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। यह सिर्फ आदरणीय मोदी जी के सतत् प्रयासों का परिणाम है कि विश्व के मानस पटल पर भारत का गौरव स्थापित हो रहा है। जैसा कि सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश में जी-20 सम्मेलन के 11 बैठकों का आयोजन उत्तर प्रदेश के चार जनपदों लखनऊ, आगरा, वाराणसी व गौतमबुद्धनगर में किया जायेगा, जो प्रदेश के विकास एवं बुनियादी ढांचे व भारतीय संस्कृति एवं उसकी विरासत को विश्व के पटल पर प्रदर्शित करने का वृहद एवं व्यापक अवसर प्रदान करेगा। इसके लिए हम अपने यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी एवं श्रद्धेय परम पूज्य योगी जी का हृदय से हार्दिक अभिनन्दन एवं वंदन करते हैं। जिन्होंने दिन-रात एक कर प्रदेशवासियों के सभी वर्गों के सुख-समृद्धि एवं सर्वागीण विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील एवं कृत संकल्पित हैं। मैं एक बार पुनः मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण को समर्थन देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद, जयहिन्द जय भारत।

श्री अनिल प्रधान-

जय चित्रकूट की जनता जनार्दन मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राज्पाल महोदया जी के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं चित्रकूट की सम्मानित जनता एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। जिन्होंने मुझ जैसे सामान्य किसान के बेटे को विधान सभा में भेजकर, किसानों, मजदूरों, मजलूमों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों की आवाज को उठाने का प्रतिनिधित्व देने का काम किया है। मैं बुंदेलखण्ड की उस धरती से आता हूं जो ऋषियों मुनियों की तपोस्थली रही है जहां से स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी गयी है। मैं अपने क्षेत्र की समस्याओं को अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर सम्मिलित कराने का प्रयास करता हूं। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आता हूं मेरा जनपद चित्रकूट आकांक्षी जनपद के रूप में है। हमारे जिले में संयुक्त जिला अस्पताल में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था है और अभी एक साल के अंदर तमाम सारे लोगों की मौत जिला अस्पताल के अंदर हुई है। विशेष रूप से प्रसव के दौरान हमारे जिले में कई बहनों की मृत्यु हुई है। वहां पर प्रसव के लिए केवल एक डाक्टर की तैनाती है और दुर्घटना में जो लोग घायल होकर आते है उनको आज भी हमारे यहां से रेफर किया जाता है। आज भी साईपुर के प्रधान जी की भांजी की मृत्यु ऑक्सीजन न मिलने के कारण हुयी है। इसलिए हमारे जिले की चिकित्सा व्यवस्था सुधारी जाए और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। हमारे जनपद चित्रकूट के भरतकूप में अवैध ब्लास्टिंग हो रही है जिसके कारण पर्यावरण को नुकसान हो रहा है अतः उसको रुकवा दिया जाए। जनपद चित्रकूट के कर्वी के मुकुन्दपुर में जो जमीन आवंटित हो चुकी है उस पर राजकीय महाविद्यालय अथवा पॉलीटेक्निक कॉलेज की स्थापना की जाए। बुंदेलखण्ड में चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए एम्स की स्थापना की जाए, रोडवेज बसों में जो प्रति व्यक्ति किराए में वृद्धि हुयी है उसको कम किया जाए। 20 फरवरी को सचिवालय प्रशासन द्वारा जो मीडिया कर्मियों के साथ

अमानवीय व्यवहार किया गया है निंदनीय है, उसमें सचिवालय प्रशासन को सामूहिक रूप से मीडिया कर्मियों से माफी मांगनी चाहिए।

जनपद चित्रकूट के समरिया जगन्नाथ वासी, महुआ, भैसोंदा के विद्यालयों को उच्चीकृत किया जाये और वहां कौहारी पर इंटर कॉलेज की स्थापना की जाए। जनपद चित्रकूट के कौहारी और साईपुर के मध्य में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना की जाए। जनपद चित्रकूट में प्रधानमंत्री आवास में पात्र लाभार्थियों को बाहर किया जा रहा है और जो पैसा दे रहा है उसको दिया जा रहा है, इसकी जांच कराकर पात्रों को आवास दिलाया जाए, चित्रकूट में रसिन बांध से बरुआ बांध में पानी पहुंचाने के लिए लिंक कैनाल की व्यवस्था की जाए। उत्तर प्रदेश के समस्त शिक्षा मित्रों, आंगनबाड़ियों, पंचायत मित्रों को कम से कम 18 हजार रुपये का मानदेय दिया जाए। क्षेत्र पंचायत सदस्यों व जिला पंचायत सदस्यों को वोट देने के बाद कोई पूछता नहीं है, उनको भी समान वेतन एवं अन्य अधिकार दिये जाएं। जनपद चित्रकूट के पहाड़ी एवं राजापुर में फायर स्टेशन का निर्माण कराया जाए। जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में आइसोलेशन वार्ड समेत अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जाए और जनपद चित्रकूट में हर वर्ष यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण सैकड़ो हेक्टेयर भूमि डूब जाती है, जिससे किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है, वहां पर उचित हिसाब से मुआवजा दिया जाए। चित्रकूट के ग्राम खोह में 200 बेड के मातृत्व चिकित्सालय में ओ0पी0डी0 की सेवा प्रारंभ करायी जाए। जनपद चित्रकूट के अहमद खान पुत्र रमजान पुहरा निवासी प्रेस थाना भरतकूप 3 वर्षो से पाकिस्तान की करांची जेल में बंद है जिसकी सजा पूरी हो गयी है उसकी रिहाई करायी जाए।

जनपद चित्रकूट में एम्बुलेंस 108-102 में फर्जीवाड़ा है, फर्जी मरीज दिखाकर पैसे का भुगतान किया जा रहा है, इसकी जांच करायी जाए। जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में एक और अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था करायी जाए तथा पहाड़ी और राजापुर, श्री शिवरामपुर में एक अल्ट्रासाउंड मशीन और लगवायी जाए। जनपद चित्रकूट में ग्राम महादेवन रसिन बाण गंगा नदी पर नागरपुरवा के पास पुल का निर्माण कराया जाए। जनपद चित्रकूट समेत पूरे उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से बुंदेलखंड में सर्पदंश के प्रकरणों में यह व्यवस्था होने के बाद बिसरा की आवश्यकता नहीं है उसके बाद भी प्रशसन द्वारा फाइलें निरस्त की जाती हैं। अतः उस आदेश के तहत बिना बिसरा रिपोर्ट आये किसानों को मुख्यमंत्री कल्याण योजना का लाभ दिया जाए। काशीराम कॉलोनी लोधवारा में आंगनबाड़ी केन्द्र की स्थापना करायी जाए। वर्ष 2019 से पूर्व जिन किसानों का पैसा जमा है निजी ट्यूबवेल के तहत, उन्हें विद्युत सामग्री उपलब्ध करायी जाए। जनपद चित्रकूट में 50 नलकूपों की स्थापना करायी जाए। जनपद चित्रकूट में केन्द्रीय विद्यालय के कार्य को आरंभ कराया जाए। जनपद चित्रकूट में पूर्व बेसिक शिक्षा अधिकारी रहे राजीव रंजन, जिसकी मैंने शिकायत की थी, जिसकी जांच हो गयी और जिसको सरकार के कुछ लोग बचाने का कार्य कर रहे हैं, खिलाफ तत्काल सस्पेंशन करके उनकी जांच को सही कराकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मान्यवर, जनपद चित्रकूट में बरूआ नहर पर डीआरपी पुनः निर्माण हेतु शासकीय वित्तीय स्वीकृति दी जाए। जनपद चित्रकूट के ग्राम चिल्लीमल में राजकीय हाईस्कूल की स्थापना करायी जाये। जनपद चित्रकूट के देवांगना घाटी से खोह तक बाईपास मार्ग और खोह से भरत कूप रिंग रोड का निर्माण कराया जाये। जनपद चित्रकूट के पहाड़ी ग्राम पंचायत ओरा में ओरा कोठी नहर का निर्माण कराया जाए। जनपद चित्रकूट में माननीय अखिलेश जी ने स्टेडियम दिया था वहाँ पर खेल की अन्य व्यवस्थाएं करायी जाएं। जनपद चित्रकूट के बरगढ़ में ग्लास फैक्ट्री को आरम्भ किया जाए। पहाड़ीपुर को नगर पंचायत का दर्जा दिया जाये। मनरेगा मजदूरों की मजदूरी बढ़ायी जाये, उनका भुगतान समय से किया जाये। मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से पैसा मिलने में समय लगता है तब तक मरीज की मृत्यु हो जाती है अतः मरीजों के लिए तत्काल पैसे की व्यवस्था करायी जाये। माननीय मुख्य मंत्री और प्रधानमंत्री जी से जो धनराशि मिलती है, आज की महंगाई को देखते हुए बहुत कम है।

जनपद चित्रकूट में अन्ना साड़ों ने पूरी फसल को बर्बाद कर दिया है और केवल सांड़ ही नहीं, नीलगाय व बंदरों से किसान परेशान हैं, उसकी व्यवस्था की जाये। पूरे जनपद चित्रकूट समेत पूरे जिले में लो-वोल्टेज के कारण किसानों की फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही है, नम्बर लगाकर बिजली दी जा रही है, इसको सही किया जाये। भूमि संरक्षण की तीनों इकाइयों में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है उसको सही किया जाये। उप निदेशक, भूमि संरक्षण बाँदा द्वारा भ्रष्टाचार कराया जा रहा है उसको सही किया जाये। जनपद चित्रकूट के ग्राम पंचायतों में गौशालाओं का भुगतान नहीं किया गया है, 6-6 महीने का बकाया पड़ा है, उसका भुगतान कराया जाये। जनपद चित्रकूट में भरत कूप व सरधवा को ब्लाक का दर्जा दिया जाये। मेरे द्वारा जनपद चित्रकूट में 150 रोड़ों को बनाने का प्रस्ताव पी0डब्ल्यू0डी0 को भेजा गया है, उन सभी को स्वीकृत किया जाये। बागे नदी पर ओराममसी के पास बागे नदी पर मकरी पहारा के पास, भैंसोधा में भदावल पहाड़िया खेड़ा कुल्लु के पास, तरौहां में पैश्वनी नदी, बाण गंगा नदी महादेवन के पास भगवतपुर निर्माणाधीन पुल का निर्माण जल्द से जल्द कराया जाए। देवांगना हवाई पट्टी से ददरी रोड से मारकुडी तक रोड़ का चौड़ीकरण किया जाये। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना करायी जाए। खोह के पास रेलवे उपरिगामी पुल का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जाये। इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश में बी0डी0ओ0 भर्ती 2018 का एक्जाम कब तक होगा, यू0पी0एस0एस0एस0सी0 से जे0ई0 का परिणाम कब तक आयेगा। उ0प्र0 माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज, विज्ञापन संख्या 1/2022 स्नातक परीक्षा कब तक होगी? उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से जी0आई0सी0 प्रवक्ता, एल0टी0 का विज्ञापन कब जारी होगा ? 2018 से बेसिक शिक्षा की कोई नई भर्ती नहीं आयी है, इसकी भर्ती कब तक आयेगी ?

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें।

श्री अनिल प्रधान-

यू0पी0पी0एस0सी0 से ए0पी0एस0 की भर्ती 2013 से आज तक नहीं आयी है, यह कब तक आयेगी।

श्री अधिष्ठाता-

अनिल जी, अब समाप्त करें।

श्री अनिल प्रधान-

जनपद चित्रकूट में एक दिन का वेतन जिन शिक्षकों का काटा गया है, किसी की गाड़ी खराब हो गयी या कोई अन्य कारण रहा होगा, उन सभी शिक्षकों का वेतन समान रूप से बहाल कराया जाये। मेरे चित्रकूट जनपद में जिन पुरवों में विद्युतीकरण नहीं है उनमें विद्युतीकरण करायी जाये। जय भीम, जय समाजवाद, जय चित्रकूट की जनता जनार्दन, सरदार पटेल, डा0 अम्बेडकर, लोहिया व मा0 नेता जी अमर रहें। अखिलेश यादव जिन्दाबाद, चित्रकूट की जनता जिन्दाबाद।

श्री विनय प्रकाश गौड-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए धन्यवाद। महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा उत्तर प्रदेश के विकास की जो रूप रेखा सदन में रखी गयी वह हर दृष्टि से स्वागत योग्य और सराहनीय है। माननीय अधिष्ठाता जी, अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश, कानून द्वारा, कानून का राज और प्रगतिशील व शिक्षित उत्तर प्रदेश की दिशा में सरकार काम कर रही है। विशेष रूप से पिछली सरकार द्वारा उपेक्षित आदिवासी, जनजाति समुदाय व दलित तथा पिछड़े समुदाय के हितों की रक्षा के लिये सरकार जो कार्य कर रही है वह सराहनीय व स्वागत योग्य है। प्रदेश के लोकप्रिय, जनप्रिय कर्मयोगी मा0 योगी आदित्यनाथ जी की नीति के कारण उत्तर प्रदेश में उद्योग लगाने की होड़ लगी है। वहीं प्रदेश में 33.50 लाख करोड़ के एम0ओ0यू0 साइन हुये हैं। यह अपने आप में एक उपलब्धि है। माननीय अध्यक्ष जी, जब ये उद्योग उत्तर प्रदेश में लग जायेंगे तो 95 लाख नौजवानों को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे। मा0 अधिष्ठाता जी, मेरी विधान सभा की धरती गन्ने के फसल के लिए प्रसिद्ध है। मेरे यहाँ बनने वाले गुड़ व चीनी की मिठास से देश ही नहीं विश्व के लोग परिचित है। माननीय अधिष्ठाता जी, पिछली स0पा0 और ब0स0पा0 की सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण मेरी विधान सभा में चीनी और गुड़ उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पिछली दो सरकारों ने किसानों का उत्पीड़न करते हुए दो चीनी मिलें, लक्ष्मीगंज और रामकोला को बंद करने का काम किया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सरकार द्वारा बन्द पड़ी चीनी मिल का अगर जीर्णोद्धार हो जाए तो मेरी विधान सभा के गन्ना किसानों के लिए खुशहाली की दिशा में एक अभिनव प्रयास होगा। मेरे जनपद कुशीनगर में सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय बनाये जाने का निर्णय

लिया गया है, मैं इसके लिए सरकार को धन्यवाद देता हूं। जो 200 एकड़ की भूमि खाली पड़ी थी आज वहां विश्वविद्यालय बनेगा तो पूरे प्रदेश से लेकर देश के सभी जनपदों का कायाकल्प होगा। मेरी विधान सभा में दो नगर पंचायतें बनी है, जिनमें लक्ष्मीगंज को नगर पंचायत बनाना अभी बाकी है, उसको नगर पंचायत का दर्जा दिया जाए। रामकोला नगर पंचायत का जो विस्तार हुआ है, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। मथौली को नगर पंचायत बनाया गया है, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। हमारे यहां कप्तानगंज से पिपराइच फोन लेन की सड़कें माननीय मुख्य मंत्री जी ने दी है, उसके लिए मै बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मथौली में एक रोड गम्भीरपुर जाती है, वह रोड एकदम जर्जर है, उसका जीर्णोद्धार किया जाए। प्रदेश के विकास के पथ पर पहुंचने के लिए मा0 मुख्य मंत्री परमपूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी को नमन करते हुए मैं अपनी उस जनता जनार्दन को भी नमन करता हूं, जिसने मुझे प्रदेश के सबसे बड़े लोकतंत्र के मन्दिर में भेजने का कार्य किया है। जय हिन्द जय भारत।।

***डॉ0 सुनील पटेल-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। सबसे पहले मै बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में रोहनिया विधान सभा की सभी सम्मानित जनता का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। आज राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर मुझे बोलने का अवसर प्राप्त हुआ, इसके लिए मैं आपका तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। सबसे पहले मैं अपना दल के आदिवासी समाज के लोकप्रिय विधायक श्री राहुल प्रकाश कोल जी के निधन पर अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारी पार्टी अपना दल के संस्थापक/अध्यक्ष डा0 सोनेलाल पटेल जी ने वंचितों, पिछड़ों के जीवन में खुशहाली लाने एवं उन्हें सम्मान से जीने का अधिकार दिलाने के लिए जिस विचारधारा की स्थापना की, उस विचारधारा को हमारी नेता बहन अनुप्रिया पटेल जी जो निरन्तर आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। हमारे सहयोगी दिवंगत विधायक श्री राहुल प्रकाश कोल जी ने भी इसी विचारधारा को मजबूत करने के लिए संघर्ष किया था। आज राहुल प्रकाश कोल जी हम सबके बीच नहीं हैं, उनका यूं अचानक हम सबसे विदा हो जाना एक अपूर्णीय क्षति भी है, यह कभी पूरी नहीं हो पायेगी। मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारी नेता अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन अनुप्रिया पटेल जी समाज के अन्तिम पंक्ति से आने वाले लोगों के घरों में उजाले के लिए सड़क से संसद तक निरन्तर आवाज उठा रही हैं। प्रदेश की एन0डी0ए0 सरकार उसी मार्ग पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के लक्ष्य के साथ जन-आकांक्षाओं की पूर्ति, सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सर्वांगींण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। किसी भी राज्य के विकास के लिए सबसे पहले सुशासन की जरूरत होती है। सुशासन से ही सुरक्षा एवं विकास का मार्ग प्रशस्त होता है और शान्ति व सद्भाव का वातावरण सुनिश्चित होता है, तभी पूंजी निवेश होता है। पूंजी निवेश से ही राज्य में उद्योग स्थापित होगा और यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। युवाओं को रोजगार मिलने से समाज के हर तबके पिछड़े, वंचित, किसान, महिला आत्मनिर्भर होंगी। पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राजधानी में सफलतापूर्वक हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट निवेश के महाकुंभ में 43 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 19 हजार 58 निवेशकों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

(इसी मध्य 10 बजकर 28 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पुनः पीठासीन हुए)

***डॉ0 सुनील पटेल-**

मान्यवर, इससे प्रदेश के 94 लाख से अधिक युवाओं को अवसर उपलब्ध होंगे। मेरी पार्टी की नेता बहन अनुप्रिया पटेल जी निरंतर हाशिए पर पड़े समाज को बेहतर करने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान पर जोर देती हैं आज प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री आवास योजना के तहत कुल 52.77 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं इसके लिए 39.66 लाख आवास पूर्ण हो चुके है, इतनी संख्या में प्रदेश के गरीबों के आवास बनाने में उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल किया हैं आज इस सदन के माध्यम से मैं एक गंभीर मुद्दे की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ, हमारी नेता बहन अनुप्रिया पटेल जी लोकतंत्र के मंदिर संसद से लेकर आम-जनसभाओं में जातीय जनगणना की मांग उठाती रही है, देश का समग्र विकास तभी संभव है जब हम समाज के सभी वर्गों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का गहन अध्ययन करेंगे और उसके लिए विकास का खाका तैयार कर उसे अमलीजामा पहनाएगें। उसके लिए जातीय जनगणना बहुत जरूरी है। यह बहुत ही अफसोस की बात है कि 1931 के बाद आज तक जातीय जनगणना नहीं हुई। जातीय जनगणना समय की मांग है और जातीय जनगणना से ही पिछड़ों की संख्या स्पष्ट होगी और उसी के अनुसार उनके विकास का प्रारूप तैयार होगा। मैं अपने रोहनियाँ विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्या बताने का प्रयास करता हूं कि एन0एच0-2 आखरी हाई-वे से अवलेशपुर, कंदवा, चितईपुर, कंचनपुर, भिखारीपुर तिराहा तक सीवर लाइन जनहित के लिए बहुत ही आवश्यक है, उसके साथ ही साथ मोहनसराय चौराहे पर फ्लाईओवर भी जनहित के लिए बहुत ही जरूरी है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम रमना, तारापुर, टिकरी, मुड़ादेव, मलहिया एवं बेटावर आदि गांवों में वर्षाकाल में बाढ़ के पानी से बचाव हेतु तटबंध की बहुत ही आवश्यकता है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं वाणी को विराम देता हूं जय हिन्द, जय अपना दल।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री लकी यादव-

मान्यवर, आपने मुझे मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का जो अवसर दिया, इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। मैंने महामहिम जी का अभिभाषण सुना लगभग एक घंटा 10 मिनट का उनका भाषण था, पढ़ने का उसको काम किया। मा0 राज्यपाल जी का जो भाषण है वह सरकार के पिछले कार्य के विवरण के साथ आने वाले वर्ष का प्रदेश के विकास का एजेन्डा भी होता है। मा0 राज्यपाल जी ने जो अपने अभिभाषण में केवल सपने बेचने वाले भाषण दिए। सरकार के पास विकास का कोई विजन नहीं है। उत्तर प्रदेश बड़ा प्रदेश है, जिसमें लगभग 25 करोड़ की आबादी है, इस 25 करोड़ की आबादी में 40 लाख प्रधानमंत्री आवास देने से और इसके-साथ साथ 2 करोड़ 55 लाख किसानों के लिए सम्मान निधि पर चर्चा की गई। जो केन्द्र सरकार की योजना है, प्रदेश सरकार ने अपने विकास की योजना का कोई उल्लेख नहीं किया। जो प्रदेश के विकास के लिए समर्थ सिद्ध हो सके। इस प्रस्ताव के माध्यम से जो मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण में अमृतकाल का उल्लेख किया गया, यह अभिभाषण में यह बजट 2023-24 जनता को छलने वाला दिया गया। आज पूरी तरह से लोकतंत्र को कलंकित किया जा रहा है। तानाशाहों की तरह भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीबों के घरों पर बुल्डोजर चला रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों को हर तरफ से समाप्त करने का काम कर रही है। विकास का उल्लेख बार-बार किया जा रहा है पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जो 340 किमी0 लंबा है उस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे मा0 अखिलेश यादव जी ने ऐतिहासिक कार्य कर बनाने का काम किया था।

उसकी चर्चा नहीं, दूसरे के कामों को अपना गिनाने में इस सरकार को महारत हासिल है। इस सरकार के पास कार्य का कोई विजन नहीं है, लेकिन प्रचार का सबसे बड़ा एजेण्डा सरकार के पास है। दूसरे के कामों को कैसे भुनाया जा सकता है, किस तरह से लोगों को बहकाया जा सकता है, यह एजेण्डा लेकर आये हैं और इसीलिये प्रचार कर रहे हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूँ कि हमारे जनपद जौनपुर को 'बी' श्रेणी में घोषित किया जाये। हमारे जनपद जौनपुर की दूसरी सबसे बड़ी समस्या जाम की समस्या है। वहाँ पर कोई बड़ी पार्किंग नहीं है जहाँ पर बड़े तथा छोटे वाहन पार्क हो सकें। जब 2020 का बाई इलेक्शन हुआ था तो उस समय वर्तमान मा0 मुख्य मंत्री जी हमारे जनपद जौनपुर गये थे। उन्होंने कलीचाबाद में गोमती नदी पर पुल के निर्माण की घोषणा की थी तथा उन्होंने उसका नाम भी बदल कर पण्डित यादवेन्द्र दत्त दुबे रख दिया था, लेकिन आज तक उसका कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि मा0 मुख्य मंत्री जी ने इसका आश्वासन दिया था तथा इसकी घोषणा भी करके आये थे, तो इसको भी बनाने का कार्य किया जाये। इसके अतिरिक्त हमारे जनपद जौनपुर की सड़कें बहुत जर्जर हैं तथा कुछ सड़कों के लिये धन आवंटन होने के बाद भी कार्य नहीं हो रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप संक्षिप्त करें।

श्री लकी यादव-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि मैं उत्तर प्रदेश का इकलौता विधायक हूँ, जिसने अपनी निधि से विद्युतीकरण के लिये दो करोड़ रुपये दिये, लेकिन आज तक हमारे क्षेत्र में उस पर कोई कार्य स्टार्ट नहीं हुआ है। अधिकारियों से मैं जब इसके बारे में पूछता हूँ, तो अधिकारी मुझे यह जवाब देते हैं कि अभी टेण्डर हो रहा है, अभी सामान आ रहा है। मैंने अपनी विकास निधि से 02 करोड़ रुपये दिये और 05 महीने बीत चुके है, लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ। हमारी विधान सभा क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी समस्या यह है कि वहाँ पर दो थानों सिकरारा तथा बक्शा में अगर कोई व्यक्ति पकड़ा जाये या बाइक चलाते हुये अगर पकड़ लिया गया तो वहाँ जो इंस्पेक्टर के खासकार हैं वह पैसा ले करके उनको छोड़ते हैं। मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करना चाहूँगा कि उनके ऊपर भी जाँच कराकर कार्यवाही करायी जाये। मान्यवर, आपके माध्यम से मैं एक और विषय कहना चाहूंगा कि कुछ दिन पहले हमारे क्षेत्र सिकरारा और बक्शा में अग्निवीर मामले में पुलिस द्वारा कुछ निर्दोष लोगों को फंसाया गया। मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करना चाहूँगा कि इसकी उच्च स्तरीय जाँच कराकर जो निदोष हों कम से कम उनको बचा लिया जाये। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि लाला बाजार से लेकर शिवगुलामगंज होते हुये करंजाकलां बाजार तक जो सड़क जाती है, जो इलाहाबाद तथा जौनपुर को जोड़ती है, उसकी हालत अत्यन्त जर्जर है, उसका सुदृढ़ीकरण कराने के लिये भी बजट की व्यवस्था कर दी जाये। मान्यवर, मेरी दो मांगें और हैं। एक मिनट मेरी बात और सुन लीजिये।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आपका समय पूर्ण हो चुका है। अब आप संक्षेप करें।

श्री लकी यादव-

मान्यवर, मैं यह कहना चाहूँगा कि जिस नाम से मल्हनी विधान सभा क्षेत्र है उस मार्केट को टाउन एरिया बनाने का कार्य किया जाये। दूसरा, मैं आपके माध्यम से नैपेड़वा बाजार को टाउन एरिया बनाने की सरकार से मांग करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद। जय समाजवाद।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। मा0 श्री राजीव सिंह जी। कृपया समय का विशेष ध्यान रखें।

श्री राजीव सिंह ''पारीक्षा''-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्ष 2023-24 के प्रथम सत्र में महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर अपने विचार रखने का मौका दिया। महामहिम राज्यपाल महोदया ने अपना जो वक्तव्य सदन में रखा है, मेरे

साथ-साथ उत्तर प्रदेश की जनता भी उस पर सहमत है और उसने अपनी सहमति अभी हाल में ही 2022 में हुये विधान सभा चुनाव के परिणामों के रूप में अपने आशीर्वाद के रूप में पूरे प्रदेश में व्यक्त की है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश में पिछले 06 वर्षों में हमारी सरकार ने जो बेहतरीन काम किया है, कानून-व्यवस्था के लिये जो काम किया है, गरीबों को आवास देने के लिये जो काम किया है, बुन्देलखण्ड में पेयजल की समस्या के निराकरण के लिये हर घर नल योजना के माध्यम से जल पहुंचाने की योजना पर जो हजारों करोड़ रुपये इन्वेस्ट किये हैं।

मान्यवर, आज उसका पूरा लेखा-जोखा मा0 राज्यपाल सदन में लेकर आई थीं, लेकिन मुझे दुख इस बात का है कि हमारे विपक्षी दल जो हमारे साथी हैं जब वह सत्ता में रहते हैं तब यह काम नहीं करते और जब विपक्ष में रहने के कारण जो इनका काम है कि सरकार को अच्छे कामों के लिए उसका उत्साहवर्धन करना और बाकी जो काम छूट गये हैं उस तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना। जब यह सत्ता में रहते हैं तब भी अपना काम नहीं करते और जब विपक्ष में रहते हैं तब भी अपना काम नहीं करते हैं। इसीलिए जनता इनको लगातार नकारने का काम करती है। जनता अब इनको विश्वास करने लायक भी नहीं समझती है। मैं तो दुखी इस बात से हूँ कि जो हमारे पूर्व मुख्य मंत्री हैं और वर्तमान में नेता विपक्ष हैं वह भी जब अपना वक्तव्य दे रहे थे तो उसमें भी कहीं कोई गम्भीरता नजर नहीं आ रही थी। वह कभी इधर की बात करते थे तो कभी उधर की बात करते थे तो कभी क्रिकेट की बात करते थे तो कभी फुटबॉल की बात करते थे। दुख इस बात का है कि जब उनका खेलने का समय था तब तमन्चों से खेलते थे और अब राजनीति करने का, विकास करने का काम है तो क्रिकेट से खेलने का काम करते हैं, बल्ले से खेलने का काम करते हैं। दुख इस बात का है कि आज जब गरीबों के घरों में 24 घंटे बिजली जा रही है तो यह सरकार की पीठ थपथपाने की जगह सरकार की आलोचना कर रहे हैं। मुझे दुख है कि यह सरकार की आलोचना तो करें, लेकिन गरीबों के साथ में जो सरकार न्याय कर रही है, गरीबों को जो सुविधायें दे रही है कम से कम आराम से धीरे से कम से कम वह हमारी पीठ थपथपाने का काम तो करें। चूँकि हम लोगों ने भी विपक्ष में रहते हुए आदरणीय अटल बिहारी बाजपेई जी ने जब सत्ता पक्ष के लोगों ने अच्छा काम किया तो इन्दिरा जी की तारीफ करने का हमने काम किया था। उत्तर प्रदेश में जो आराजकता का माहौल था जो गुण्डागर्दी और भ्रष्टाचार का माहौल था उस माहौल से निकालने में साधारण तरीके से कोई निकाल नहीं सकता था वह तो एक महान पुरुष आए योगी जी जिन्होंने मात्र 6 साल में उत्तर प्रदेश को दुनिया में आज अपना एक मान, सम्मान और गौरव देने का काम किया है। आज मैं कह सकता हूँ कि उत्तर प्रदेश निवेश के मामले में, विकास के मामले में आज प्रत्येक राज्यों से सबसे ऊपर है। आज हमारी तुलना बिहार और बंगाल से नहीं होती है, हमें खुशी इस बात की है कि आज हमारी तुलना गुजरात और महाराष्ट्र से होती है।

हम दुनिया में बेहतरीन माहौल के माध्यम से दुनिया के बड़े-बड़े निवेशकों को उत्तर प्रदेश में लाने का काम कर रहे हैं। जब इनकी सरकार थी तो यहां के व्यापारी भी उत्तर प्रदेश को छोड़ के अन्य राज्यों में अपने व्यापार करने का ठिकाना ढूँढ रहे थे। आज एक खुशी का माहौल है, विश्वास का माहौल है इस माहौल में आज हमारे व्यापारी तो अच्छा रोजगार कर रहे हैं और वह दूसरे अपने सहयोगियों को, अपने साथियों को यहां पर लाने के लिए आमंत्रित भी कर रहे हैं और जिस तरीके का माहौल है, कानून व्यवस्था जिस तरह की है, बिजली 24 घंटे उपलब्ध है, सड़कों का जाल बिछ गया है, एक्सप्रेस-वे सबसे ज्यादा हमारे प्रदेश में बनाये गये हैं। ऐसे तमाम इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण आज प्रत्येक निवेशक उत्तर प्रदेश में आने के लिए लालायित हैं। हमें खुशी है कि आज उत्तर प्रदेश की जो अर्थव्यवस्था है वह हिन्दुस्तान के सब राज्यों में लगभग दूसरे और पहले स्थान पर पहुँचने के लिए अग्रसर है। मुझे अपने क्षेत्र के लिए भी दो-तीन मांगें आपके माध्यम से रखनी है।

अधिष्ठाता महोदय, चिरगांव जो आदरणीय राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त जी की नगरी है वहां पर एक रेलवे स्टेशन है जहां से झांसी-कानपुर लाइन गुजरती है, उसके ऊपर एक आर0ओ0बी0 बहुत आवश्यक है, चूँकि वह लाइन मध्य प्रदेश की भिण्ड और हमारे उत्तर प्रदेश के इटावा को जोड़ने का काम करती है, यह बहुत आवश्यक है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इसको भी मांग के रूप में जोड़ लिया जाए। एक बड़ा गांव टहरोली है, जो राठ जनपद को जोड़ती है जहां पर बेतवा नदी पड़ती है उस पर एक सेतु बनने की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ आज से लगभग 45-50 साल पहले झांसी में जो कैंटोमेंट एरिया है, उसकी जब स्थापना हुई थी तो वहां पर एक सैन्य क्षेत्र स्थापित किया गया था और उसका विस्तार भी हुआ था तो कुछ किसानों की वहां पर जमीन ली गयी थी, लेकिन आज तक उन किसानों की जो जमीन ली गयी थी उसके बदले में जो पट्टे दिए गये थे उन पट्टों का आज तक आवंटन नहीं हुआ है, उनको अधिकार नहीं मिला है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि उन किसानों को, लगभग उनकी संख्या 500 के आस-पास है उनको आवंटन मिल जाए, उनको अधिकार मिल जाए, उनको हक मिल जाए, यह आवश्यक है, क्योंकि लगभग 50 सालों से सरकारों ने उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया है।

मेरा निवेदन है कि आदरणीय योगी जी की लोकप्रिय सरकार जब किसानों के लिए इतना बेहतरीन काम कर रही है कि देश में सबसे ज्यादा किसानों को अगर लाभ देने का काम किसी राज्य में हुआ है तो हमारे उत्तर प्रदेश में हुआ है। हम नम्बर-1 पर पहुंचे हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि जिस तरीके से हम किसानों को 24 घण्टे बिजली देने की बात कर रहे हैं और किसानों को बेहतर तरीके से सुविधायें दे रहे हैं तो कुछ किसानों की मांगों पर भी हम विचार कर लें। धन्यवाद।

श्री राजकुमार सहयोगी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया। मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और मैं अलीगढ़ की विधान

सभा क्षेत्र इगलास से आता हूं। अपने क्षेत्र की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं। अभिनन्दन करना चाहता हूं, वन्दन करना चाहता हूं कि मुझे लोकतंत्र के मन्दिर में यहां चुनकर दोबारा भेजा है। मान्यवर, आज और कल दो दिन से हम सुन रहे हैं। जय भीम, बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर नाम लिया जाता है। मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि 5 जून, 1995 में एक दलित महिला की साड़ी और धोती को खींचा जा रहा था मीराबाई गेस्टहाउस में। तब समाजवादी कहां थे। भारतीय जनता पार्टी के नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी जी ने उस दलित महिला की जान बचाई थी इन समाजवादियों से। ये दलित विरोधी हैं। भारतीय जनता पार्टी दलित की हितैषी है। हमेशा दलित की चिन्ता करती है। बन्धुओं, भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा दलितों की चिन्ता की है। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने और प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गरीबों की चिन्ता की है। 2017 से लेकर आज तक गरीबों के लिए चिन्ता की है। यह सरकार गरीबों की है। आज 20 फरवरी, 2023 में महामहिम राज्यपाल जी के भाषण पर जो विकास रूपी भाषण दिया गया था। उसको समाजवादी के मेरे भाई विधायकों ने जो नारी का सम्मान करना चाहिए वह तख्ती दिखाकर और हूं की आवाज निकाल कर जैसे सियार आवाज निकालता है, इस तरीके की आवाज निकाल कर एक विद्वान जो गुजरात की मुख्य मंत्री भी रही हैं, इस प्रदेश की महामहिम राज्यपाल हैं। उनको सुनना चाहिए था, वह नहीं किया।

अधिष्ठाता महोदय, भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास कर रही है। मैं पीछे के इतिहास पर जाना चाहता हूं। 2017 के पहले अगर हमारी गरीब की बेटी स्कूल पढ़ने जाती थी तो उसकी मां को रोटी तब अच्छी लगती थी, जब बेटी स्कूल से घर लौटकर आ जाती थी। आज बेटी चाहे स्कूल जाये, या फंक्शन में जाये या रात के 12 बजे लौटकर आये। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं है कि हमारी बेटी को हाथ लगाकर दिखा दे। पहले बेटियां शादी ब्याह में नकली ज्वैलरी पहन कर जाती थीं, आज असली जेवर पहन कर जाती हैं। किसी गुण्डे माफिया की हिम्मत नहीं है कि हाथ भी लगाकर दिखा दे। यह माननीय योगी जी की सरकार है।

अधिष्ठाता महोदय जी, राशन की दुकान में वर्ष 2014 से पहले कालाबाजारी हुआ करती थी। देश के प्रधानमंत्री जी ने और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री मा0 योगी जी ने जब से मशीन लगवाई है तबसे कालाबाजारी रुक गयी है और गरीबों को निःशुल्क राशन मिल रहा है। मेरे क्षेत्र की कुछ समस्याएं हैं जिसकी तरफ मैं आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं, गोण्डा में नयावास पुल है, जो जनता की विशेष मांग है और इगलास से गोण्डा सड़क बहुत दिन से खराब पड़ी है जिसकी लम्बाई 9 किमी है और अलीगढ़ से गोण्डा जिस सड़क की लंबाई 8 किलोमीटर है, वह काफी दिन से खराब पड़ी है, खेरेश्वर धाम प्राचीन मंदिर है मेरे क्षेत्र के अंदर जिसमें लाखों की संख्या में जनता आती है और मेरा आपसे आग्रह है चौराहा और एक फ्लाईओवर भी बनाया जाए। मान्यवर, मेरी इन सभी मांगों को पूरा किया जाए, यही आपके माध्यम से सदन से मेरी मांगें हैं।

श्री विरेन्द्र कुमार यादव-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए धन्यवाद। मैं अपने नेता श्री अखिलेश यादव जी की बातों पर बल देते हुए दुष्यन्त कुमार की उस पंक्ति से शुरुआत करता हूं।

''कहां तो तय था चिरागां हर घर के लिए,
कहां चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए।''

मा0 अधिष्ठाता महोदय, यह उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ की जनता की आबादी का उत्तर प्रदेश है और निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते हैं कि मैंने गरीबों का आवास बनवाने का काम किया। मा0 अखिलेश यादव की प्रदेश के अंदर जब सरकार थी तो सवा तीन लाख रुपये का सुन्दर आवास बनवाने का काम किया और जिस आवास पर सौर ऊर्जा लगती थी और जब गांव में हम लोग घुसते थे तो दूर से ही दिखाई देता था कि गरीब का आवास चमचमाता दिखाई दे रहा है, लेकिन प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जो आवास मिल रहे हैं और इतनी लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है कि उस पैसे से गरीब का आवास नहीं बन पा रहा है और मैं यह कहना चाहता हूं कि वर्ष 2022-2023 के बजट में जो राज्यपाल महोदय से पढ़वाया गया वह निश्चित रूप से पढ़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन उन्होंने एक घंटा दस मिनट लगातार भारतीय जनता पार्टी के दबाव में पढ़ा। निश्चित रूप से मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि जो आज की सड़कें हैं काफी जर्जर हो गयी हैं और हम लोगों को समझ में नहीं आता है कि गड्ढे में जा रहे है या सड़क पर जा रहे है। मेरी विधान सभा की एक सड़क है जिस सड़क पर मैंने बैठ करके धरना, प्रदर्शन करने का काम किया और अनेकों बार सदन में उठाया और प्रमुख सचिव मा0 मुख्य मंत्री जी को भी चिट्टी दी, लेकिन वह सड़क आज तक नहीं बन पायी है। जंगीपुर विधान सभा क्षेत्र से होकर रायपुर तक सबसे जर्जर सड़क है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र की सड़कों को प्राथमिकता पर बनवाया जाये, ताकि वहां के लोगों को आवागमन करने में सुविधा हो सके। मैं कुछ आवश्यक सड़कों के नाम पढ़ देता हूँ। अहमदपुर चट्टी से भवरी मदारपुर होते हुए मानपुर बहोतरी तक मार्ग का चौड़ीकरण कार्य, गाजीपुर घाट से सरायपुर तक चौड़ीकरण का कार्य, कालूपुर से युवराजपुर तक चौड़ीकरण का कार्य, सुहवल से रमवल होते तक ढढनी तक चौड़ीकरण का कार्य, सुहवल से बवाई तक पिच रोड का कार्य, गाजीपुर घाट से बवाडा होते हुए खालिसपुर तक विशेष मरम्मत का कार्य, इनवा चट्टी से सरदरपुर होते हुए विशेष मरम्मत का कार्य, रायपुर से वोगना तक विशेष मरम्मत का कार्य, मलेठी चट्टी से बरही वोगना होते हुए बरही तक विशेष मरम्मत का कार्य, हरिकरनपुर से लेकर वैदवली होते हुए भोजपुर नहर तक विशेष मरम्मत का कार्य, हरिकरनपुर चट्टी से

बिजौरा होते हुए गाजीपुर मुख्य मार्ग तक विशेष मरम्मत का कार्य। हमारे विधान सभा क्षेत्र के बौरी में 33/11 का पावर हाउस बनाने के लिए मैंने कई बार पत्र लिखकर दिया है, जो अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है, कृपया इसे वहां पर स्थापित कराया जाये। लहुरापुर में सी0एच0सी0 बनकर तैयार है, लेकिन उसको स्वास्थ्य विभाग को हस्तान्तरित नहीं किया गया है, मेरा अनुरोध है कि इसे हस्तान्तरित कराकर क्रियाशील कराने की कृपा करें।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया आप संक्षिप्त कर लीजिये, क्योंकि निर्धारित पांच मिनट का समय पूरा होने वाला है।

श्री विरेन्द्र कुमार यादव-

मान्यवर, मुझे अभी बोलते हुए थोड़ा समय हुआ है, जबकि हमसे पहले के सदस्य काफी समय तक बोले हैं। हमारे यहाँ विद्युत से जुड़ी तमाम समस्यायें हैं जिनका निराकरण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाये। मुहम्मदपुर पट्टी में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगवाये जायें, मामदोपुर मछरताली में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगवाकर तार बदलवाया जाये, जगदीशपुर औतार में जर्जर तार बदलवाये जायें, अरखपुर और मीट्ठा पारा में खम्भे और तार लगवाये जायें, ढढ़नी में ट्रांसफार्मर लगवाया जाये, हरिकरनापुर चट्टी पर आज तक बिजली नहीं पहुँची है, मैं सदन और माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि वहां के लिए तार, खम्भे और ट्रांसफार्मर देने का काम किया जाये। नसीरुद्दीनपुर में ट्रांसफार्मर दिया जाये, लावा और अन्हारिपुर में जर्जर तार लगवाये जाये, पशुहारी में पोल और तार लगवाये जाये, चांदपुर में पोल, तार और ट्रांसफार्मर दिया जाये, रानीपुर एकैथा में पोल, तार और ट्रांसफार्मर दिया जाये, रामपुर जगन में 25 से 63 के0वी0ए0, भगीरथपुर में 25 से 63 के0वी0ए0, मलसा में 25 से 63 के0वी0ए0, चौराबोझ में 25 से 63 के0वी0ए0, नसीरुद्दीनपुर में 25 से 63 के0वी0ए0, तियर में 25 से 63 के0वी0ए0, खावपुरा मेदनी चक नम्बर-1 में 25 से 63 के0वी0ए0 ट्रांसफार्मर लगाया जाना आवश्यक है। हमारे पास अपने क्षेत्र में विकास कार्य कराये जाने से संबंधित एक बहुत ही लम्बी सूची है जिसको गिनाने में लम्बा समय लगेगा, इसलिये आपसे अनुरोध है कि यह सभी कार्य मेरे भाषण में सम्मिलित कराया जाये और इनको पूरा कराया जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं और हम इस सदन के माध्यम से मांग करते हैं कि जातिगत जनगणना कराई जाये। मैं एक शेर कहना चाहता हूँ कि-

'बदले-बदले मेरे सरकार नजर आते हैं,
मगर प्रदेश की बर्बादी के आसार नजर आते हैं।'

इन्हीं शब्दों के साथ मैं प्रदेश की जनता के स्वप्न एवं सुखद जीवन की मंगल कामना करते हुए आप सबको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। सभी प्रदेशवासियों को होली चैत्र नवरात्र एवं रामनवमी की हार्दिक शुभकामनायें।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया आप समाप्त करिये। मैं माननीय सदस्य श्री राम दुलार को बुला रहा हूँ।

श्री राम दुलार-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया है, जिसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं उत्तर प्रदेश की अंतिम विधान सभा क्षेत्र-403, दुद्धी, जनपद सोनभद्र से निर्वाचित हुआ हूँ। मेरा विधान सभा क्षेत्र चार प्रान्त छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, बिहार से घिरा हुआ है। वहां की जनता ने पहली बार भारतीय जनता पार्टी के किसी विधायक को चुना है। मैं सदन के सभी सम्मानित सदस्यों और क्षेत्रवासियों को प्रणाम करता हूँ।

मान्यवर, हमारा विधान सभा क्षेत्र अति पिछड़ा है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। जहाँ पर 80 प्रतिशत आदिवासी, वनवासी लोग निवास करते हैं। जबकि हमारा विधान सभा क्षेत्र खनिज सम्पदा से तमाम कल-कारखानों से भरा हुआ है इसके बाद भी हमारा विधान सभा क्षेत्र अति पिछड़ा है। वर्ष 2017 के पहले अन्य पार्टियों की सरकार हुआ करती थी। लेकिन जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी है तबसे हमारे दुद्धी विधान सभा क्षेत्र में विकास तेजी से हो रहा है। इसके लिए मैं अपने उत्तर प्रदेश के मुखिया मा0 श्री योगी आदित्यनाथ जी को मैं प्रणाम करता हूँ। मैं देश के मा0 प्रधानमंत्री जी को प्रणाम करता हूँ। जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश में और केंद्र में आयी है तबसे हमारे दुद्धी विधान सभा क्षेत्र का विकास तेजी से हो रहा है। मान्यवर, मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूँ कि कनहर परियोजना हमारे यहाँ एक बहुत महत्वपूर्ण परियोजना है। वहाँ जून माह में वह बांध बनकर तैयार हो जायेगा और नदी के उस पार के लोग इस पार नहीं आ पायेंगे और इस पार के लोग उस पार नहीं जा पायेंगे। इसलिए मान्यवर, मैं आपके माध्यम से आपसे निवेदन करता हूँ कि वहाँ तत्काल पुलिया बनाने की जरूरत है और म्योरपुर ब्लाक में विच्छू नदी पिण्डारी ग्राम पंचायत में पड़ता है। वहाँ जब रिहन्द बांध का जलाशय भरता है तो लोग वहाँ से इस पार से उस पार नहीं जा पाते हैं। वहाँ के लोगों के लिए एक पुलिया के निर्माण की जरूरत है और बबनी ब्लाक में हमारा छत्तीसगढ़ से दुद्धी ब्लाक 70 किमी0 दूर पड़ता है। महिला कन्या विद्यालय की अति आवश्यकता है। हमारा क्षेत्र ऊबड़-खाबड़ है वहाँ पढ़ने के लिए छात्राओं को दूर जाना पड़ता है, जिससे लोग अपनी बेटियों को नहीं भेज पाते हैं। इसलिए बभनी ब्लाक में कन्या इण्टर कालेज की जरूरत है और हमारे क्षेत्र में आदिवासी वनवासी लोग रहते हैं। भारत सरकार ने कानून बनाया कि जो आदिवासी, वनवासी लोग निवास करते हैं उन्हें वनाधिकार के तहत पट्टा दिलाने

का कार्य हमारे उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया और उत्तर प्रदेश के हमारे मुखिया के द्वारा प्रारम्भ हुआ, लेकिन थोड़ी धीमी गति है। आपके माध्यम से मैं मांग करता हूँ कि वहाँ के आदिवासी, वनवासी लोगों को वनाधिकार पट्टा दिलाया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आपका समय हो रहा है। अब समाप्त करें।

श्री राम दुलार-

मान्यवर, छत्तीसगढ़ से आने के लिए 170 किमी0 की दूरी पड़ती है वहाँ पर दुद्धी तहसील है वहाँ पर जितने भी मुकदमे होते हैं उसके लिए सोनभद्र में आना पड़ता है। वहाँ अपर जिला जज और सी0जे0एम0 की कोर्ट बनी हुयी है केवल नोटिफिकेशन करके आदेशित करने का काम करना है। इससे हमारे क्षेत्र की जनता को बहुत लाभ होगा। आपने हमको सदन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री जीत लाल पटेल-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं राज्यपाल महोदया द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण के समर्थन में श्री नीलकण्ठ तिवारी द्वारा दिये गये प्रस्ताव में अपने को संबद्ध करता हूँ। शोषितों, वंचितों की आवाज बहन अनुप्रिया पटेल जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने हम एक गरीब किसान के बेटे को टिकट देकर इस लोकतंत्र के मंदिर में भेजने का काम किया।

मान्यवर, हम सर्वप्रथम प्रतापगढ़ की जनता को धन्यवाद देना चाहते हैं कि जिन्होंने हमें सबसे ज्यादा वोट देकर जीताने का काम किया है। हमारी एन0डी0ए0 की सरकार में सबका साथ, सबका विकास करते हुए जाति, धर्म और सम्प्रदाय से ऊपर उठकर निरन्तर विकास के कार्यों को करने का सतत् प्रयास कर रही है और विकास किया भी है। मैं प्रतापगढ़ जिले से आता हूँ, हमारा विधान सभा क्षेत्र लगभग 93 किलोमीटर का हैं और अन्य विधान सभाएं लगभग 30 किलोमीटर की है। हमारी विधान सभा क्षेत्र में तमाम नदियां, नाले और झील-झंखार हैं। हम अपने क्षेत्र के विकास के लिए विशेष पैकेज की मांग करते हैं। हमारे क्षेत्र में सड़कें और पुल बहुत कम मात्रा में है और वहां की जनता को आने-जाने में बहुत असुविधा होती है। हमारी सरकार ने हमेशा निचले पायदान पर रहने वाले व्यक्ति को आगे बढ़ाने का काम किया है। हमारे विपक्ष के नेता कल हमारे नेताओं के ऊपर उंगली उठा रहे थे। मैं यह कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में चार बार समाजवादी पार्टी की सरकार रही हैं और उस समय विपक्ष को आरक्षण और जातीय जनगणना याद नहीं आई थी। मैं यह कहना चाहता हूँ कि इनको पूरा पॉवर था। तमिलनाडु की मुख्य मंत्री श्रीमती जयललिता जी ने 69 प्रतिशत आरक्षण दिया और छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने 81 प्रतिशत आरक्षण दिया था। समाजवादी पार्टी की सरकार को चार बार मौका मिला तो इन्होंने क्या किया। यह सिर्फ पिछड़ों के नाम राजनीति करना जानते है और पिछड़ों को कुछ नहीं देना चाहते हैं। जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी

तो उस समय आरक्षण विरोधी विधेयक इसी सदन के अंदर लाया गया था और बहन अनुप्रिया जी ने उसका पुरजोर विरोध किया था। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने गरीब एवं मजदूर लोगों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया, डबल राशन दिया, कानून-व्यवस्था में जीरो टॉलरेन्स की नीति पर काम किया, किसानों को सम्मान निधि देकर व कृषि यंत्रों में अनुदान देकर किसानों को आगे बढ़ाने का काम किया है, किसानों को पांच लाख तक आयुष्मान कार्ड देकर बहुत राहत दी है। इन्वेस्टर्स समिट जी-20 का प्रतिनिधित्व करते हुए कई महत्वपूर्ण काम किए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं और अधिष्ठाता महोदय मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री विनोद चतुर्वेदी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर रविदास मेहरोत्रा के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं बहुत भारी और दुखी मन से अपनी बात शुरू कर रहा हूं। मान्यवर, कानपुर में तथाकथित अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत मां-बेटी को जिंदा जला दिया गया और अब सरकारी बुल्डोजर की दमनकारी दास्तान का बखान अपने सशक्त शब्दों में करने वाली एक युवा कवियित्री से प्रशासन इतना डर गया कि उसके खिलाफ उसके यहां पुलिस नोटिस लेकर पहुंची है और हो सकता है कि जो मैं यहां बोल रहा हूं तो कवियित्री नेहा सिंह राठौर को गिरफ्तार कर लिया जाए। मा0 राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि अवैध कब्जे हटाने के लिए प्रदेश स्तर पर चार एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स गठित किया गया और 70 हजार हेक्टेअर से अधिक क्षेत्रफल को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। क्या इसमें गरीब ब्राह्मण की मां-बेटी का घर भी शामिल है और क्या उनकी जान भी शामिल है ? अभिभाषण में सरकार ने राज्यपाल से कहलवाया कि 874 अतिक्रमण करने वालों को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है और 196 भू-माफिया जेल में हैं उन्होंने माना कि साढ़े छः सौ भू-माफिया छुट्टा घूम रहे हैं और उनका प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है, हां उसने कानपुर की गरीब मां-बेटी को जिंदा जरूर जलवा दिया और अब इनके खिलाफ आवाज उठाने वाली एक होनहार कवियित्री की रचना बर्दाश्त नहीं हो रही है। यह सरकार तो कहती है कि हम राम और कृष्ण के आदर्शों पर चलने वाले हैं। सूफी सन्तों की बात पर चलने वाले हैं, सन्तों ने कहा था कि-

'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय'

कोई आपके बारे में सही बात भी कह दे आप उन पर दमनकारी चक्र चलाते हैं। सरकारी बुल्डोजरों ने पूरे प्रदेश में अराजकता का महौल पैदा कर दिया है और इन बुल्डोजरों के जरिए सरकार खुद कानून बन गई। कहां लिखा है कानून में कि आप किसी का जबरदस्ती घर उजाड़ देंगे, क्या कानून यह कहता है, क्या भारत का यह संविधान कहता है ?

मा0 अम्बेडकर जी का संविधान क्या कहता है। यह तो इस सदन के अंदर और उस सदन के अंदर भी होना चाहिए। संविधान में और कानून में जो कहा गया है उसका पालन होना चाहिए, उसका क्या पालन हो रहा है ? जिस तरह से न्यायपालिका की बात भी न मानी जाए और आप जो चाहें, वह करें। राज्यपाल के अभिभाषण में अपराधों के फर्जी आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं और दावा किया गया कि पुलिस की प्रभावी और ठोस कार्यवाही से समाज में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है, लेकिन हकीकत तो यह है कि आम-जन पुलिस के पास जाने से डरता है। आम लोग पुलिस में जाना पसन्द नहीं करते। बहुत मजबूरी में वहां जाते हैं। साइबर अपराध रोकने के उपाय गिनाए गए, जबकि वास्तविकता यह है कि साइबर अपराध कम होने की बजाए बढ़ रहे हैं। जबसे ई-एफ0आई0आर0 दाखिल करने का सिलसिला शुरू हुआ और हाथ से लिखी गई प्रथम सूचना रिपोर्ट थानों में स्वीकार नहीं की जा रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी शुरू हो रही है और उन्हें रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए इंटरनेट दुकानों की मदद लेनी पड़ रही है। जन-धन सुरक्षा बीमा, पेंशन योजना, मनरेगा तमाम दूसरी मदों में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान गिनाया जा रहा है और अपने मुंह मिया मिट्ठू बनने की कोशिश की गई। उत्तर प्रदेश की आबादी के हिसाब से प्रतिशत गिनाने से सरकार साफ किनारा कर गई, क्योंकि उससे उसकी कलई खुल जाती।

मनरेगा में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने का दावा किया गया। लेकिन अब केन्द्र ने अपने बजट में मनरेगा का आवण्टन घटा दिया है। क्या राज्य सरकार केन्द्र से अनुरोध करेगी कि मनरेगा का बजट बढ़ाया जाए। प्रदेश भर में खासतौर से बुन्देलखण्ड में सड़कों का बहुत बुरा हाल है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप संक्षेप करें।

श्री विनोद चतुर्वेदी-

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के बाद ही बुन्देलखण्ड की दुर्गति पता लग गई थी कि बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे में क्या हालत हुई ? आज राजकीय मेडिकल कॉलेजों की बड़ी वाहवाही हो रही है। लोग यह कह रहे हैं कि हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोला जा रहा है। मेरे यहाँ मा0 मुलायम सिंह यादव जी का दिया हुआ मेडिकल कॉलेज था। आज कोई गम्भीर मरीज भर्ती होने के दो मिनट बाद ही रेफर कर दिया जाता है, उसकी ये हालत है। कुछ मेरे क्षेत्र की समस्याएँ हैं, हालांकि कहने को तो बहुत है, लेकिन अब आप बंदिश लगा रहे हैं। अभी मेरे छः मिनट भी नहीं हुए, बाकी लोग सात-सात मिनट बोले है। मेरा अनुरोध है कि मेरे वहाँ मेरपुर पम्प कैनाल है, जो पुरानी हो गई है, उसको पुनः चलाया जाए। बसरेही पम्प कैनाल जो बेतवा पर स्थित है, उसको चलाया जाए। विकास खण्ड कदौरा में बरई मोड़ से पथरेहटा मोड़ तक मार्ग की मरम्मत और डामरीकरण कराया जाए। विकास खण्ड कदौरा में इकौना से मिर्जापुर

गाँव तक लेपन कराया जाए। विकास खण्ड जालौन बावई मार्ग से हरदोई राजाराम मार्ग तक मरम्मत कराई जाए। मेरे वहाँ चार पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 हैं, कालपी, कदौरा, बावई, कुठौल इन चारों में जितने डॉक्टर, कम्पाउण्डर और स्टाफ नर्स होने चाहिए, उसके 40 परसेण्ट भी नहीं हैं। मेरा निवेदन है आपसे कि इनकी तैनाती कराने की कृपा करें। आरा से किठौरा मार्ग पर बहुत एक्सीडेण्ट होते हैं, उसका चौड़ीकरण कराने की व्यवस्था की जाए। धन्यवाद।

***श्री सुहेब उर्फ मन्नु अंसारी-**

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका बहुत शुक्रिया अदा करता हूँ। अपनी बात शुरू करने से पहले अपने नेता नेता विरोधी दल आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी और विपक्ष के मा0 सदस्यों के विचारों से अपने को जोड़ता हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मोहम्मदाबाद की सम्मानित जनता ने मुझे जिता कर यहाँ भेजा है। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र का अब तक का सबसे युवा विधायक हूँ। मैं अपने क्षेत्र की जनता और अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी का धन्यवाद करता हूँ। वर्ष 2016 में जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने मोहम्मदाबाद तहसील स्थित वहाँ की जनता के लिए एक ट्रॉमा सेण्टर दिया था। वह ट्रॉमा सेण्टर बनकर तैयार है, लेकिन वहाँ डॉक्टर और मूल सुविधाएँ न होने की वजह से जनता को काफी दिक्कतें हो रही हैं, लोगों की जानें जा रही हैं। आपसे निवेदन करता हूँ कि वहाँ जो भी सुविधाएँ हो सकें, जिससे मरीजों का इलाज हो सके, वे सुविधाएँ वहाँ तत्काल उपलब्ध करवाई जाएँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदाबाद में सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर डॉक्टरों की नियुक्ति अति आवश्यक है। जब माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार थी तो उस समय समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक सब्जी मण्डी बननी थी। वह सब्जी मण्डी अभी तक नहीं बन पाई है, उस सब्जी मण्डी के बन जाने से वहाँ के किसानों और नौजवानों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मोहम्मदाबाद तहसील के कई गाँव कासिमाबाद तहसील में भेज दिए गए, जिससे जनता को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ कि उन सभी गाँवों को वापस मोहम्मदाबाद तहसील में जोड़ा जाए। केन्द्र सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन मेरे विधान सभा क्षेत्र में कोई भी स्टेडियम न होने के कारण प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक स्टेडियम बनवाने का कष्ट करें जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिले में ही खेल के क्षेत्र में अच्छे अवसर प्राप्त हो सकें। मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदाबाद में एक विश्वविद्यालय, महिला डिग्री कॉलेज और एक आई0टी0आई0 खोला जाए जिससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा लेने के लिए अन्य जिलों में न

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जाना पड़े। शिक्षा के सभी अवसर उनको अपने जिले में ही मिल सकें। छात्रों को पढ़ने के लिए इलाहाबाद, बनारस, लखनऊ दूर-दूर जाना पड़ता है। अगर ये चीजें वहाँ पर खुल जाएँगी और हमारे जिले के छात्र विश्वविद्यालय की मांग लगातार करते आ रहे हैं।

आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ कि हमारे जिले में तत्काल एक विश्वविद्यालय खोला जाए। मानक के हिसाब से जितने महाविद्यालय होने चाहिए उससे दोगुने से ज्यादा हमारे जिले में महाविद्यालय हैं। विश्वविद्यालय खुल जाने से वहाँ की जनता को और वहाँ के छात्रों को भविष्य के लिए काफी फायदा होगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, गर्मी के मौसम में किसानो को खेतों की सिंचाई के लिए आम तौर पर ट्यूबवेल पर निर्भर होना पड़ता है और आप सब जानते हैं कि बिजली नहीं होने की वजह से और कम वोल्टेज होने की वजह से ट्यूबवेल नहीं चल पाता है जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। आपके माध्यम से मैं माँग करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदाबाद में मोहम्मदाबाद ब्लॉक, भांवरपुर ब्लॉक में एक-एक नया 33/11 के0वी0ए0 का पॉवर हाउस खोला जाए जिससे किसान खेतों में सिंचाई कर सकें, वहाँ पर रहने वाली जनता को बिजली मिल सके, वोल्टेज मिल सके, ताकि जो एक कठिनाई हो रही है उस कठिनाई का सामना न करना पड़े, क्षमता वृद्धि के लिए बहुत से ट्रान्सफार्मर ऐसे हैं जिनको क्षमता वृद्धि में आगे जाना चाहिए, जो बीस साल से लगातार उसी तरह है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ कि जो जर्जर तार हैं, हमारे विधान सभा क्षेत्र में हमारे मोहम्मदाबाद नगर में या जो क्षमता वृद्धि के लिए ट्रान्सफार्मर हैं उन ट्रान्सफार्मरों की क्षमता वृद्धि की जाए।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग उठाता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में मगई नदी पर दो पुल की बहुत आवश्यकता है एक क्यामपुर गाँव से लेकर कमालपुर गाँव तक और दूसरा परसा से लेकर खेमपुर के बीच में यह दो पुलों के बन जाने से जनता को आने-जाने में काफी आसानी होगी। उन पुलों के न होने से काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में पिछले 8-10 साल से 3-4 मुख्य पुल टूटे हुए हैं। रेवतीपुर ब्लॉक में, कल्याणपुर में पुल टूटे हैं, नकदिलपुर में टूटे हैं, मोहम्मदाबाद भांवरपुर ब्लॉक में भी पुल टूटा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आखिरी बार आपसे यह निवेदन करना चाहता हूँ कि मेरे मोहम्मदाबाद नगर में सोमेश्वर महादेव मंदिर है और शहमीन बाबा की मजार यह दो-दो स्थल हैं जिनका पर्यटन विभाग से सौन्दर्यीकरण कराया जाना अति आवश्यक है। मैं आपके माध्यम से सरकार का इस ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ जहाँ लाखों लोग दर्शन और पूजन करने जाते हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी ने भी वहाँ जाकर दो-दो बार सभा की है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ कि वहाँ पर पयर्टन का जो भी विकास किया जा सकता है, विकास किया जाए। अन्त में अधिष्ठाता महोदय, मैं इसी के साथ अपनी बात को समाप्त करता हूँ कि आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मुझे बोलने का अवसर दिया। आपका बहुत-बहुत आभार।

श्री अधिष्ठाता-

आपका भी मा0 सदस्य मैं बहुत धन्यवाद देता हूँ आपने समय की सीमा का ध्यान रखा।

श्री उमर अली खान-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, सबसे पहले तो आज मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका मिला, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मैं ऊपर वाले के बाद अपनी विधान सभा की जनता का आभारी हूँ कि जिसकी बदौलत मुझे यहाँ पर आप लोगों के बीच में और विधान सभा के अंदर बोलने का मुझे अवसर मिला। मान्यवर, मैं उत्तर प्रदेश की एक नम्बर सीट से जनता के द्वारा मुझे आप लोगों के बीच में चुनकर भेजा गया है। मैं खुशनसीब हूँ कि हमारा क्षेत्र पश्चिम उत्तर प्रदेश के अंदर बहुत अधिक हरियाली के लिए जाना जाता है, लेकिन मैं इस बात का अफसोस भी जाहिर करूँगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र बेहट, खास तौर से मैं उसी के सम्बन्ध में बात करूँगा, क्योंकि मेरे से पहले वक्ताओं ने पहले काफी बात की और अब आपने प्वाइंट टू प्वाइंट बात करने के लिए कहा वक्त की कमी है। रात के 11:30 पर मुझे आपने श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। इसलिए वक्त को देखते हुए मैं अपनी बात छोटी करूँगा। मैं आपसे विनती करूँगा कि बेहट विधान सभा क्षेत्र के अंदर एक डिग्री कालेज की वहाँ पर बहुत सख्त आवश्यकता है। नौजवानों को पढ़ने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता है उन लोगों के लिए शहर बहुत दूर पड़ता है तो महोदय मेरी विनती है कि वहाँ पर एक डिग्री कालेज की व्यवस्था की जाए, लड़कियों के लिए कन्या इण्टर कालेज की वहाँ पर सख्त आवश्यकता है। हमने पहले भी माँग उठायी। आपके माध्यम से मेरी विनती है कि वहाँ पर एक कन्या इण्टर कालेज भी दिया जाए।

मान्यवर, सहारनपुर से प्रयागराज का तकरीबन 13-14-15 घण्टे का रास्ता है। हमारी आपसे विनती है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक हाई कोर्ट बेंच दी जाय जिससे वहां की जनता को जो दिक्कतें होती हैं उनसे निजात मिल सके। मान्यवर, मैं भी एक किसान परिवार का लड़का हूं, हमारे यहां पर गन्ने की काफी खेती होती थी, लेकिन हमारे यहां अब शाकुम्भरी देवी जी के नाम पर एक शुगर मिल है जो पिछले तकरीबन 10-12 साल से बंद पड़ी हुई है। मेरी आपसे विनती है कि उसको भी चलाने का काम किया जाय। पिछले साल बजट सत्र के दौरान मुझे जब बात करने का मौका मिला था तब मैंने यह मांग उठायी थी। जैसे उत्तराखण्ड के अन्दर जिम कार्बेट पार्क है, वैसे ही वहां पर भी टाइगर रिजर्व और एलीफेण्ट रिजर्व है, वहां पर सेंचुरी है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बेहट विधान सभा क्षेत्र को पर्यटन स्थल के तौर पर घोषित किया जाय, जिससे नौजवानों को वहां रोजगार मिल सके, नौजवानों को वहां काम मिल सके। मान्यवर, शाकुम्भरी देवी जी और भूरा मंदिर के बीच में नदी है। शाकुम्बरी देवी जी का मंदिर वहां है जहां जाकर हमारे मुख्य

मंत्री जी हमेशा अपने चुनाव की शुरुआत करते हैं, लेकिन वहां पर हर साल हादसे होते हैं। मैंने पिछले साल भी आवाज उठायी थी, क्योंकि भूरा देवी मंदिर और शाकुम्बरी देवी मंदिर के बीच में एक पुल होना चाहिए जिससे श्रद्धालुओं के जान-माल का नुकसान न हो सके। मान्यवर, यह हमारा धाठ का का क्षेत्र है। मिर्जापुर गांव सेन्टर का गांव है मैं चाहूंगा कि वहां पर फायर स्टेशन का सेटअप होना चाहिए, मैंने पहले भी कई बार इसकी मांग उठायी है। मान्यवर, हमारे यहां पर एक जाति वन गूजर के नाम से जानी जाती है, सहारनपुर हो गया, बिजनौर हो गया, एक-दो जिलों के अन्दर ही वह होते हैं। इंसान चांद पर पहुंच गया लेकिन वह आज भी बेचारे जंगल के अन्दर एक आदि मानव की जिन्दगी गुजार रहे हैं।

अधिष्ठाता महोदय, मेरी आपके माध्यम से विनती है की उनका भी उत्तराखण्ड की तौर पर पुनर्वास किया जाय, जैसे वहां पर 14 बीघा जमीन वन गूजरों को दी गयी है और उनको स्कूल, कालेज और हास्पिटल दिये गये हैं ऐसे ही हमारे यू0पी0 के अन्दर उनको सुविधाएं दी जायं। मान्यवर, अक्सर हमारे सहारनपुर में बहुत एक्सीडेण्ट होते हैं। सहारनपुर शहर से लेकर बादशाही बाग तक सड़क चौड़ीकरण किया जाय।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे यहां पी0जी0आई0 सहारनपुर में सुविधाओं के बारे में मैंने पहले भी कहा था और अब भी कह रहा हूं कि वहां कांटेक्ट बेस पर जो लड़के काम कर रहे हैं उनको वहां पर परमानेंट नौकरी दी जाय। उन्होंने कोविड दौर के अन्दर हमारे और आपके लिए अपनी जान को जोखिम में डालकर हमें अपनी सेवाएं दी हैं। मान्यवर, मैं आपसे विनती करूंगा कि हमारे वहां पौंटा साहब हिमाचल करीब पड़ता है। पौंटा साहब से वाया खारा शाकुम्बरी देवी तक का एक हाई-वे बनाया जाय जिसको स्टेट हाई-वे का दर्जा दिया जाय। मान्यवर, मेरी आपसे विनती है कि खानका रायपुर व मिर्जापुर गांव के बीच में रपटा है जहां अक्सर पानी आने की वजह से वहां पर जान-माल का नुकसान होता है। उनको वहां पर रपटा पुल दिया जाय। मान्यवर, एक बहुत जरूरी बात यह है कि रोजगार के लिए सहारनपुर के नौजवानों को हिमाचल, हरियाणा, उत्तराखण्ड जाना पड़ता है। हमारी आपसे विनती है कि हमारे यहां पापुलर की खेती होती है और पापुलर फैक्ट्री हरियाणा के अंदर है, वह फैक्ट्री हमारे उत्तर प्रदेश में होनी चाहिए जिससे कि हमारे नौजवानों को रोजगार मिल सके।

मान्यवर, मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि इस बात पर बिल्कुल गौर किया जाय कि पापुलर के लिए हमारी प्लाईबोर्ड की फैक्ट्री है, हमारा सामान उत्तर प्रदेश, सहारनपुर में जाना चाहिए हमारा सामान हरियाणा, उत्तराखण्ड में नहीं जाना चाहिए। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका ज्यादा वक्त न लेते हुए बहुत-बहुत धन्यवाद। बहुत शुक्रिया।

***श्री राम फेरन पाण्डेय-**

अधिष्ठाता महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं कृतज्ञ होते हुए पूरे सदन को प्रणाम करता हूं। रात के 11:30 बज

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

रहे हैं, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अपने माननीय अध्यक्ष जी को, जो 12:00 बजे रात तक सदन चलाने का काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की विधान सभा में अनूठा कार्य हुआ है और मेरे जितने सहपाठी 12:00 बजे रात तक बैठे हुए हैं, वह चाहे अजय सिंह हों, चाहे बहन अनुपमा जी हों और विपक्ष के मेरे सारे सहपाठी हो, सारे लोग बैठे हुए हैं मैं सबको कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद देना चाहता हूं आज खासकर सदन का पाँचवां दिन है। कोई प्रधानमंत्री आवास की बात करता है तो कोई बिजली की बात करता है तो कोई आयुष्मान की बात करता है।

लेकिन मैं गर्व से कह सकता हूँ। देश के 75वें अमृत महोत्सव में जो प्रधानमंत्री जी ने किया है, 1947 से किसी ने नहीं किया, पहले जो सरकारें थीं। लेकिन जबसे इस देश की बागडोर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने संभाला, उनको पूरे देश की चिन्ता हुई और उन्होंने दलित को, गरीब को, पिछड़े को, अगर रहने के लिए छत दिया, तो उसके साथ-साथ उस बहन को भोजन बनाने के लिए गैस सिलेंडर भी दिया। यही नहीं पहले हम देखते थे कि बड़े घरों में बिजली होती थी। हम लोग बचपन में पढ़े हैं। दीपक की रोशनी में पढ़ते थे, लेकिन प्रधानमंत्री जी और मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूँगा कि सौभाग्य योजना के अंदर आज दलित, पिछड़ा और अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति, उसकी बहू, उसकी बेटी बिजली की रोशनी में भोजन बनाती है और पढ़ती है।

अधिष्ठाता महोदय, यही नहीं मुझे बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि आज तक हमने केवल सुना था कि सांसद निधि और विधायक निधि होती है। मैं पूजनीय मोदी जी को प्रणाम करता हूँ कि किसानों के लिए किसान सम्मान निधि दे करके देश के किसानों का गौरव बढ़ाने का काम किया है, आप धन्य हैं। आज हमारे पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशन में जिस तरीके से उत्तर प्रदेश की सरकार चल रही है, लोग आलोचना ऊपर से कर रहे हैं, लेकिन अंदर से इनकी भी आत्मा खुश हो रही है कि योगी जी आप बहुत अच्छा काम करते हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था के नाम पर जिस तरीके से हमारे योगी जी काम कर रहे हैं। मैंने वह स्थिति देखी है कि समाजवादी पार्टी की गवर्नमेण्ट में साहनी एक सी0ओ0 थे, उनको यहाँ जी0पी0ओ0 चौराहे पर गाड़ी में लाद करके एस0पी0 के ऑफिस में ढकेला गया, लेकिन मुकदमा नहीं लिखा गया। बहू-बेटियाँ दिन छिपने के बाद घर से निकलना नहीं चाहती थीं कि उसकी इज्जत लूट ली जायेगी। लेकिन योगी जी को धन्यवाद देना चाहूँगा कि अब रात 12:00 बजे बेखौफ बहनें मार्केट में जाती हैं। आज बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारा जनपद श्रावस्ती उत्तर प्रदेश के 8 पिछड़े जिलों में सबसे पिछड़ा हुआ जिला है। लेकिन धन्यवाद दूँगा कि 1995 से एक हवाई पट्टी सफेद हाथी के रूप में खड़ी थी, रीजनल कनेक्टिविटी में ले करके उसका विस्तारीकरण हो गया है। अब श्रावस्ती का किसान हवाई चप्पल पहन करके हवाई यात्रा करने जा रहा है। इससे बड़े गर्व की बात और क्या हो सकती है। इसका लाभ हमारे श्रावस्ती को ही नहीं पूरे मण्डल को मिलेगा। पूरे मण्डल के लोग अब हवाई यात्रा इसी अप्रैल से करने जा रहे हैं तमाम ऐसी चीजें जो श्रावस्ती की मूलभूत सुविधायें थीं, अभी हमारे पूज्य मुख्य

मंत्री जी ने गिलौला से शिशवाराघाट के 54 करोड़ रुपये का पुल स्वीकृत किया है। हमारे 40 गाँव उससे जुड़ जायेंगे। मैं आपके माध्यम से माँग करना चाहता हूँ कि सरकार ने किया बहुत है, लेकिन अभी कुछ चीजों की कमी है। अगर हमारे श्रावस्ती में एक चीनी मिल की स्थापना हो जायेगी तो तमाम किसान उससे लाभान्वित होंगे और दूसरा हमारे जनपद श्रावस्ती में कोई शीतगृह नहीं है, कोल्ड स्टोर नहीं है। अगर एक मिल जायेगा तो इसका बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपको बार-बार प्रणाम करते हुए अपनी वाणी को विराम दूँगा। भारत माता की जय, जय श्रीराम।

श्री अधिष्ठाता-

विधायक जी, धन्यवाद। आपने समय पर अपनी बात पूरी की। अब श्री प्रदीप कुमार सिंह जी बोलें और कृपया समय पर अपनी बात पूरी करें।

श्री प्रदीप कुमार सिंह-

मान्यवर, आपने मुझे राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। हमारे बाजू में बैठे और सीधे हाथ पर बैठे श्री राम के वंशजों को भी प्रणाम करता हूँ। आज यहाँ पर भगवान श्री राम जी के वंशज नहीं दिखाई दे रहे हैं उनको भी प्रणाम करता हूँ और किसानों के भगवान चौधरी चरण सिंह जी के अनुयायियों को प्रणाम करता हूँ। मान्यवर, मैं अपनी बात को एक शेर के माध्यम से कहूंगा।

''उन्हें जिद है अरजे विशान से, मुझे शौकें अरजे विशान है,
वही अब भी उनका जवाब है, वही अब भी मेरा सवाल है।''

मैं पहली बार इस विधान सभा क्षेत्र में चुनकर आया हूँ और दोबारा मुझे बोलने का मौका मिल रहा है। मैं हाथरस जिले के सादाबाद विधान सभा से चुन कर आया हूँ। आज मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका मिला। वैसे तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार बड़े-बड़े वायदे करती है और बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन उत्तर प्रदेश का किसान और खासतौर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का किसान सबसे ज्यादा आलू और सबसे ज्यादा गन्ने की फसल पैदा करता है, लेकिन बड़े दुख की बात है कि इस साल गन्ने का एक पैसा तक नहीं बढ़ाया गया। गन्ना मंत्री नहीं हैं वह मेरे पड़ोस के रहने वाले हैं मथुरा के और मथुरा में भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि के रहने वाले हैं वहाँ पर मिश्री और माखन से भोग लगाया जाता है। मैं आदरणीय मंत्री जी से कहूंगा कि अगर मिश्री नहीं दी तो थोड़ा-सा इन गन्ना किसानों को मक्खन ही लगा देते जिससे इन्हें थोड़ी-सी राहत मिल जाती। आपको तो झूठ बोलना आता है तो थोड़ा सा झूठ ही बोल देते कि अबकी बार नहीं अगली बार डबल बढ़ा देंगे आपका गन्ना मूल्य जिससे इन्हें राहत मिल जाती। मैं देख रहा हूँ सदन में अगर कोई सबसे ज्यादा बात हुई चाहे पक्ष के सदस्य हों चाहे विपक्ष के सदस्य हों, सबसे ज्यादा गन्ने के बारे में बात हुई है। गन्ने का जो मूल्य नहीं बढ़ाया गया है उससे पश्चिम का ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश का किसान बेहद निराश और दुखी है। गन्ने के सम्बन्ध में बड़ी-बड़ी बातें होती थीं, कहते थे

गन्ने का भुगतान 14 दिन में करा देंगे, लेकिन देखने में आया है कि 14 दिन की बात छोड़ो 14-14 महीनों तक गन्ने का भुगतान नहीं हो पाया है। ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में इतने ट्रांसफार्मर लगायेंगे, इतने बिजली घर लगायेंगे किसानों को फ्री बिजली देंगे। आपकी ही सरकार थी जिन्होंने अपने मेनीफेस्टो में लिखा था कि किसानों को सिंचाई के लिए हम फ्री बिजली देंगे। उनका पुराना बिल माफ करेंगे। पुराना बिल माफ तो छोड़िये इन्होंने किसानों का कनेक्शन काटने का काम किया है और ट्यूबवेलों के कनेक्शन काटने का काम किया है बकाया न होने पर भी। मेरे सादाबाद विधान सभा क्षेत्र में बहुत से ट्यूबवेल धारक ऐसे हैं जिनके जबरदस्ती कनेक्शन काट दिये गये। गेंहू की फसल खड़ी थी, आलू की फसल खड़ी थी तब जिस तरह से विजिलेंस के लोग गाँवों में जा करके कनेक्शन काट दिया।

श्री अधिष्ठाता-

अब अपनी बात को समाप्त करें।

श्री प्रदीप कुमार सिंह-

मान्यवर, मैं किसानों के टॉपिक पर बात कर रहा हूँ मुझे बोलने का और मौका दीजिये। मैं बोलने के लिए रात के 12 बजे तक का इंतजार कर रहा हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय विधायक जी, समय की सीमा पर ही बोलना पड़ेगा।

श्री प्रदीप कुमार सिंह-

मान्यवर, बिजली के विजिलेंस के नाम पर जिस तरह से ग्रामीणों के यहाँ छापा मारा जा रहा है। मेरे हाथरस जिले में विजिलेंस के लोगों के साथ कई जगह लोगों से मार-पीट हो गई है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 श्री प्रदीप यादव जी, आप अपनी बात रखें और आपसे अनुरोध है कि कृपया समय का ध्यान रखें। सभी साथियों को बोलना है।

श्री प्रदीप कुमार सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ा प्रदेश 'दुग्ध उत्पादन' में कहा गया है। जबकि आदरणीय अखिलेश जी की सरकार में प्राइवेट डेयरी भी खोली गयी थी, जो 40 लाख और 60 लाख की थी। अगर प्रदेश सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन कर रहा है, तो उसकी देन किसान है। दूसरे लोग अपनी पीठ गलत थप-थपा रहे हैं। हम आपसे अनुरोध करेंगे कि प्राइवेट डेयरी भी खोली जाए, किसान तो वैसे ही त्रस्त है, किसान खेती से पैदा नहीं कर पा रहा है, लेकिन इस डेयरी से, दूध से किसान अपने बच्चों का पालन-पोषण करने का काम कर रहा है। इसलिए डेयरी खुलवाने की कृपा की जाए।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपसे एक निवेदन है कि आपके अभिभाषण में कहा गया है कि 52.77 लाख आवास स्वीकृत हुए। उत्तर प्रदेश में जो आवास स्वीकृत हुए हैं, ये आवास उनके स्वीकृत हुए हैं, जिनका नाम स्थायी सूची में है। मा0 अध्यक्ष जी, ये विधायक लोग भी अपने क्षेत्र में जाते हैं। गरीब लोग, वास्तव में गरीब हैं, चाहे वे किसी भी जाति, समुदाय के हों, लेकिन उस गरीब का नाम अगर स्थायी सूची में नहीं है, तो उसे आप आवास नहीं दिला सकते हैं। पिछली बार जब आदरणीय अखिलेश जी की सरकार थी, तो उन्होंने लोहिया आवास दिए थे और हर विधायक को 10-10 आवास देने का काम किया था। इस सरकार से भी अनुरोध है कि जिनके नाम सूची में नहीं हैं, स्वीकृत नहीं हैं, कम से कम उन गरीब लोगों को आवास देने का काम करें।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सारे जिला मुख्यालय फोरलेन से जोड़ दिए गए। जनपद औरैया में हमारी विधान सभा क्षेत्र दिबियापुर है, लेकिन वहाँ जो मुख्यालय बना है, उस मुख्यालय को आज तक टू-लेन से भी नहीं जोड़ा गया है। आपसे अनुरोध है कि कम से कम उस मुख्यालय को फोरलेन से जोड़ने की कृपा करें। इसके अलावा इसमें दिया है कि वर्ष 2022 से नलकूपों पर 50 प्रतिशत छूट रही, लेकिन अब छूट खत्म हो गयी है, किसी को छूट नहीं मिल रही है। इसलिए इस पर हम सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं। जिन नलकूपों को किसान ने लगाया है, उन्हें दोबारा 50 प्रतिशत छूट देकर शुरू कराने का काम करें।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इसके अलावा निराश्रित महिलाओं के पेंशन का जो बजट है, बहुत निराश्रित महिलाएं हैं, जो गरीब हैं, जिन पर आय का साधन नहीं है। आपसे अनुरोध है कि इस बजट को बढ़ाने की कृपा करें। इसके अलावा गौ-संरक्षण की स्थापना करायी गयी, बड़े-बड़े ढिंढोरे पीटे गये, लेकिन अगर आप गौ-शाला देख लें, तो आपको भी तरस आयेगा। वहाँ पर बिल्कुल मरियल गाय हैं, जो गाएं चल नहीं पाती हैं, वो तो गौ-शाला में हैं और बड़े-बड़े तगड़े सांड़, इन्हें गौ-शाला में ले जाने का काम नहीं हो रहा है। इनसे इतना अनुरोध है कि ये जो गौ-शालाएं खुली हैं, जो छुट्टा जानवर घूम रहे हैं, तो ये सांड़ घूम रहे हैं, उन्हें कम से कम पकड़कर गौ-शाला में करने का काम करें। इन सांड़ों से बहुत एक्सीडेन्ट हो रहे हैं। लोग परेशान हैं। किसान रात-रात भर फसल रखा रहा है और सांड़ उन्हें मारने/कुचलने का काम कर रहे हैं। मा0 अधिष्ठाता जी, किसान की हालत तो वैसे ही आधी रह गयी ये कह रहे थे कि मा0 अधिष्ठाता महोदय, कहते हैं कि किसान की आमदनी दो गुना करेंगे, किसान की आधी स्थिति भी नहीं रही, अढ़तिया का कर्जदार हो गया, किसान को सही मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान पर बजट नाम की कोई चीज नहीं है। ये बजट लुभावना बजट है। बड़ी-बड़ी डींगें मारते हैं कि बाढ़ नियंत्रण पर इन्होंने 20.94 लाख हेक्टेयर जमीन सही कर दी।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 विधायक जी, अपनी बात को आप संक्षिप्त करें।

श्री प्रदीप कुमार यादव-

यमुना नदी से बाढ़ आती है और आज तक तक कहीं भी एक इंच का भी सुधार हुआ हो तो इसको दिखवा लें। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपसे एक अनुरोध और है कि आयुष्मान कार्ड को अब प्राइवेट डॉक्टर नहीं मानते हैं और जो सही में गरीब है उनका आयुष्मान कार्ड अब नहीं बन रहा है उसमें भी दलाली हो रही है। तो कृपया इसे बढ़ाने का काम करें और अस्पतालों की स्थिति बहुत खराब है, जो लोग अस्पताल में जाते हैं अस्पताल वाले उन्हें लूटने का काम करते हैं, तुरंत मरीज को रेफर कर देते हैं वह केवल डिलिवरी का काम लेते हैं और उस डिलिवरी में भी अगर बच्चा पैदा हुआ तो सरकार से 1400 रुपया मिलता है और यह लोग उसको भी खुशी के नाम पर ले लेते हैं। मान्यवर, मेरे यहां पर दिबियापुर नहर का पुल चौड़ा कराया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

डा0 शिव प्रताप यादव-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर, गांव में एक कहावत है कि हाथी के खाने के दांत कुछ और दिखाने के कुछ और वही हाल इस अभिभाषण में प्रस्तुत किये हुए बयान का है और आज बहुत जो स्लोग्न दिया जा रहा है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। आज इसमें एक और वाक्य जुड़ गया है सबका साथ, सबका विकास और सबका जेब साफ। आज हालत यह है कि जो गैस सिलेंडर, रसोई गैस का दाम 1 हजार रुपये पार हो गया है और महिलाओं ने गैस के सिलेंडर को और गैस के चूल्हे को पेड़ पर लटका दिया है। आज सरसों के तेल का दाम कितना बढ़ गया है, डीजल, पेट्रोल और इसके अलावा यूरिया का दाम भी बढ़ गया है तथा यूरिया की बोरी में 5 किलो यूरिया की कटौती भी कर दिया है। आज सीजन में किसान लाइन में लग गया है, यूरिया ब्लैक हुआ है और किसान को महंगा यूरिया खरीदना पड़ा है तथा किसानों पर लाठियां बरसायी गयी हैं। डी0ए0पी0 का दाम बढ़ गया है, गन्ने का दाम नहीं बढ़ाया गया है, एम0एस0पी0 नहीं दिया गया है और किसानों को लूट लिया गया है।

मा0 अधिष्ठाता जी, यह सरकार एक और स्लोगन देती है कि पढ़ें बेटियां, बढ़ें बेटियां। हमारी सरकार में जो कन्या विद्या धन दिया जा रहा था, बालिकाओं की शिक्षा के लिए उसको इन्होंने देना बंद कर दिया है। जब हमारे नेता जी मुख्य मंत्री थे तो 21 सितम्बर, 1994 को एक शासनादेश जारी किया था कि जिन विकास खण्डों में बालिकाओं के लिए शासकीय या अशासकीय विद्यालय नहीं हैं वहां पर विद्यालय खोला जाए और उसके तहत पूरे प्रदेश में स्कूल खोले गए थे। हमारे जनपद बलरामपुर मुख्यालय में एक गर्ल्स इण्टर कॉलेज था। हमारा विधान सभा क्षेत्र गैसड़ी जो नेपाल की तलहटी के तराई क्षेत्र में स्थित है वहां गैसड़ी विधान सभा क्षेत्र जहां पर 80 प्रतिशत जनजाति थारू, जनजाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों की आबादी है।

(इसी मध्य रात्रि 11 बजकर 45 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

वहाँ पर बालिकाओं के लिए कोई विद्यालय नहीं था और जब नेता जी ने शासनादेश जारी किये तो हमारे गैसड़ी और पचपेड़वा ब्लाक में 1994 में कन्या इण्टर कॉलेज खोला गया। सरकार के द्वारा जमीन दिया गया और 20 लाख रुपये का अनुदान दिया गया, मान्यता हुई और आज वहाँ पर बालिकाओं को शिक्षा मिल रही है, उसमें आधे से ज्यादा बच्चियों को फ्री में शिक्षा दी जा रही है, लेकिन इस सरकार में शिक्षा माफियाओं के इशारे पर साजिश करके तुलसीपुर के एस0डी0एम0 ने जो शिक्षा का मंदिर है, जहाँ पर लड़कियाँ शिक्षा प्राप्त कर रही हैं उसको ढहाने के लिए आदेश कर दिया कि सितम्बर महीने में बुल्डोजर से गिरा दिया जाये। आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि आज शिक्षा माफिया साजिश करके बालिकाओं के विद्यालय को गिराना चाहते हैं। यह कौन सी दोहरी मानसिकता है, एक तरफ कह रहे हैं कि 'पढ़ें बेटियाँ, बढ़ें बेटियाँ'। माननीय नेता जी की सरकार ने 20 लाख रुपया दिया, जमीन दिया, मान्यता दी और जमीन राज्यपाल महोदय के नाम से बंधक है, उसको गिराने का प्रयास किया जा रहा है जबकि मा0 सुप्रीम कोर्ट ने आदेश किया है कि अगर किसी ग्राम समाज की जमीन पर विद्यालय, डिस्पेंसरी बना है तो उसे यथावत् रहने दिया जाये। मान्यवर, दूसरी बात आज यह सरकार शिक्षा की बात करती है, उच्च शिक्षा सबसे ज्यादा महंगी है। आज मेडिकल शिक्षा, इंजीनियरिंग शिक्षा, हायर एजुकेशन, एम0बी0ए0, आई0आई0टी0 की शिक्षा महंगी हो गयी है। गरीब को छोड़ दिया जाये तो मध्यम वर्ग का व्यक्ति भी पढ़ाई नहीं करा सकता, क्योंकि फीस इतना बढ़ा दिया गया है और यह कह रहे हैं कि 'पढ़ें बेटियाँ, बढ़ें बेटियाँ'। मान्यवर, बेरोजगारी की स्थिति यह है कि बेरोजगार फार्म भरता है उससे मोटा शुल्क परीक्षा शुल्क के रूप में लिया जाता है, उसके बाद परीक्षा में बैठता है, तो पेपर लीक हो जाता है। कोई नौकरी नहीं दिया जा रहा है और इस सरकार में इतनी कमीशनबाजी है, आज गाँव का विकास कैसे होगा ? प्रधान भाइयों से निछावर (कमीशन) माँगा जा रहा है। मान्यवर, पंचायत निधि का पैसा घटा दिया गया है और हमारे पचपेड़वा ब्लाक में एक बी0डी0ओ0 है वह बिना निछावर (कमीशन) के मनरेगा के कामों की स्वीकृति नहीं दे रहा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य केवल 40 सेकेण्ड रह गया है।

डा0 शिव प्रताप यादव-

यह हालत हो गयी है। जहाँ तक किसानों का सवाल है, हमारे क्षेत्र में बिजली की समस्या बहुत बड़ी है। अध्यक्ष महोदय, मैं माँग करता हूँ कि गैसड़ी या पचपेड़वा ब्लाक में 132 के.वी.ए. का ट्रांसफार्मर लगाया जाये। शिक्षा मित्रों को पूर्ववत् सहायक अध्यापक बनाया जाय तथा मदरसों के आधुनिकीकरण के साथ मानदेय का भुगतान किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

अब कितना बोलोगे, धन्यवाद, बैठिये।

[11:53]उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2023-24 की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति'' तथा ''पंचायती राज समिति'' और मन्त्रियों को परामर्श देने वाली तीस (30) स्थायी समितियों के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम निर्धारण विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

मैं सदन को सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2023-24 की 'लोक लेखा समिति', 'प्राक्कलन समिति', 'अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति', 'सार्वजनकि उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति', 'प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति' तथा 'पंचायती राज समिति' और मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों के निर्वाचन हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम निर्धारित किया गया है :-

1.	नाम-निर्देशन करने की अंतिम तिथि तथा समय	गुरुवार मार्च, 16 2023 को अपराह्न 04:00 बजे
2.	नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की तिथि तथा समय	सोमवार 20 मार्च, 2023 को अपराह्न 03:00 बजे (प्रमुख सचिव, विधान सभा के कार्यालय कक्ष में)
3.	नामों की वापसी की तिथि तथा समय	शुक्रवार 24 मार्च, 2023 को अपराह्न 04:00 बजे तक
4.	निर्वाचन, यदि आवश्यक हुआ तो मतदान	
	(क) ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति'' तथा ''पंचायती राज समिति'' के लिए	मंगलवार 28 मार्च, 2023 को

(ख) मंत्रियों को परामर्श देने वाली
30 (तीस) स्थायी समितियों के लिए

विधान भवन, लखनऊ स्थित समिति कक्ष सं0-44 ख में पूर्वाह्न 10:30 बजे से 04:00 बजे तक होगा।

उक्त निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धान्तानुसार एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा सम्पन्न किया जायेगा।

उक्त निर्वाचनों सम्बन्धी नाम-निर्देशन-पत्र संसदीय अनुभाग से कार्यालय समय के भीतर प्राप्त किये जायेंगे।

संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा में दिनांक 24 फरवरी, 2023 को निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं :-

यह सदन उत्तर प्रदेश विधान सभा की वर्ष 2023-24 की 'लोक लेखा समिति', 'प्राक्कलन समिति', 'अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति', 'सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति', 'प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति' तथा 'पंचायती राज समिति' और 'मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों' में सदस्यता के लिए संबंधित नियमों के उपबन्धों को उस सीमा तक निलम्बित करते हुए जहां तक वे उक्त समितियों की निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित हैं, श्री अध्यक्ष को उक्त समितियों में वर्ष 2023-24 के लिए अपेक्षित संख्या में विधान सभा के सदस्यों को नाम निर्देशित करने हेतु इस अनुरोध के साथ प्राधिकृत करता है कि वे कृपया उक्त समितियों में नाम-निर्देशन कर दें तथा उसके बाद उक्त वर्ष में उपर्युक्त समितियों में आकस्मिक रिक्तियों की, यदि कोई हों, पूर्ति के लिए भी यथासमय सदस्यों को नाम-निर्देशित करने के लिए भी श्री अध्यक्ष को प्राधिकृत करता है और यह निश्चय करता है कि इस प्रकार नाम-निर्देशित सदस्य उक्त समितियों में संबंधित नियमों की अपेक्षानुसार विधिवत निर्वाचित समझे जायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा की वर्ष 2023-24 की 'लोक लेखा समिति', 'प्राक्कलन समिति', 'अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति', 'सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति', 'प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति' तथा 'पंचायती राज समिति' और 'मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों' में सदस्यता के लिए संबंधित नियमों के उपबंधों को उस सीमा तक निलम्बित करते हुए जहां तक वे उक्त समितियों की निर्वाचन प्रक्रिया से

संबंधित है, श्री अध्यक्ष को उक्त समितियों में वर्ष 2023-24 के लिए अपेक्षित संख्या में विधान सभा के सदस्यों को नाम-निर्देशित करने हेतु इस अनुरोध के साथ प्राधिकृत करता है कि वे कृपया उक्त समितियों में नाम-निर्देशन कर दें तथा उसके बाद उक्त वर्ष में उपर्युक्त समितियों में आकस्मिक रिक्तियों की, यदि कोई हों, पूर्ति के लिए भी यथासमय सदस्यों को नाम-निर्देशित करने के लिए भी श्री अध्यक्ष को प्राधिकृत करता है और यह निश्चय करता है कि इस प्रकार नाम-निर्देशित सदस्य उक्त समितियों में संबंधित नियमों की अपेक्षानुसार विधिवत निर्वाचित समझे जायेंगे ?

(प्रश्न उपस्थित हुआ और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

श्री अध्यक्ष-

अब हम याचिकाएं लेते हैं। श्री मौहम्मद फहीम इरफान (उपस्थित), श्री सचिन यादव (उपस्थित), डॉ0 अमित सिंह चौहान (उपस्थित), डॉ0 आर0 के0 पटेल (उपस्थित), डॉ0 डी0सी0 वर्मा (उपस्थित), डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा (उपस्थित), डॉ0 राजेश्वर सिंह (अनुपस्थित), डॉ0 सुनील पटेल (उपस्थित), श्री मोहम्मद हसन 'रूमी' (अनुपस्थित), श्री अजय सिंह (उपस्थित)।

(सभी उपस्थित मा0 सदस्यों की याचिकाएं संलग्न हैं)

श्री अतुल प्रधान (उपस्थित), श्री अनिल कुमार त्रिपाठी (अनुपस्थित), श्री अनिल कुमार (उपस्थित), श्री अनिल प्रधान (उपस्थित), श्री अनिल कुमार सिंह (उपस्थित), श्री अभय सिंह (उपस्थित), श्री अरमान खान (उपस्थित), श्री अशरफ अली खान (उपस्थित), श्री उमर अली खान (उपस्थित), श्री कैलाश नाथ (अनुपस्थित), श्री गुलाम मौहम्मद (अनुपस्थित), श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी) (उपस्थित), श्री चन्द्रपाल सिंह (उपस्थित), श्री चेतराम (अनुपस्थित), श्री बाबूलाल (उपस्थित), श्री जय प्रकाश अंचल (उपस्थित), श्री जवाहर लाल राजपूत (उपस्थित), श्री तूफानी सरोज (अनुपस्थित), श्री त्रिभुवन दत्त (अनुपस्थित), श्री दुधराम (अनुपस्थित), श्री देवेन्द्र सिंह लोधी (उपस्थित), श्री पंकज कुमार मलिक (अनुपस्थित), श्री पल्टूराम (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार चौधरी (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार सिंह (उपस्थित), श्री प्रभात कुमार वर्मा 'एडवोकेट' (अनुपस्थित), श्री प्रसन्न कुमार (उपस्थित), श्री प्रेम नरायन पाण्डेय (अनुपस्थित), श्री बम्बा लाल (उपस्थित), श्री ब्रजभूषण राजपूत (अनुपस्थित), श्री बेचई सरोज (उपस्थित), श्री मनोज कुमार पाण्डेय (उपस्थित), श्री मनोज कुमार पारस (उपस्थित), श्री महेन्द्र नाथ यादव (उपस्थित), श्री महेश त्रिवेदी (अनुपस्थित), श्री मोहित सोनकर 'राहुल बच्चा' (उपस्थित), श्री योगेश शुक्ला (उपस्थित), श्री रमेश चन्द्र मिश्र (उपस्थित), श्री रमेश जायसवाल (उपस्थित), श्री रवि शर्मा (अनुपस्थित), श्री रविदास मेहरोत्रा (उपस्थित), श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह (अनुपस्थित), श्री राजीव तरारा (उपस्थित), श्री राम अचल राजभर (उपस्थित), श्री राम फेरन पाण्डेय (उपस्थित), श्री राम अवतार सिंह (उपस्थित), श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी (अनुपस्थित), श्री लकी यादव (अनुपस्थित), श्री लक्ष्मी राज सिंह (उपस्थित),

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द (अनुपस्थित), श्री विपुल दुबे (उपस्थित), श्री वीर विक्रम सिंह (अनुपस्थित), श्री विरेन्द्र कुमार यादव (उपस्थित), श्री श्याम सुन्दर (उपस्थित), श्री श्रीकान्त कटियार (उपस्थित), श्री संग्राम सिंह (उपस्थित), श्री संदीप सिंह (उपस्थित), श्री सुरेन्द्र मैथानी (उपस्थित), श्री स्वामी ओउमवेश (अनुपस्थित), श्री हरिओम वर्मा (उपस्थित), श्री हरेन्द्र सिंह (उपस्थित), श्री हाकिम लाल बिन्द (उपस्थित), श्रीमती अनुपमा जायसवाल (उपस्थित), श्रीमती ओममणी वर्मा (उपस्थित), श्रीमती मनीषा अनुरागी (उपस्थित), श्रीमती मीनाक्षी सिंह (उपस्थित), श्रीमती सरोज कुरील (अनुपस्थित), श्रीमती सलोना कुशवाहा (उपस्थित), श्री बृजेश कुमार (उपस्थित)।

श्री अध्यक्ष-

जो मा0 सदस्य यहां सदन में उपस्थित हैं उनकी याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी जायेंगी।

श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत ग्राम झकड़ा से ग्राम जहांगीरपुर तक सड़क (लगभग 2 किमी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री भानू प्रताप यादव, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका,

2-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत ग्राम डांडा गोविंदपुर से गुरगांव तक सड़क (लगभग 2 किमी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री प्रेम यादव, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका,

3-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत ग्राम रामपुर पट्टी से ग्राम इमरतपुर स्योडारा तक सड़क (लगभग 2 किमी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री सौरभ यादव, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका,

4-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत ग्राम पीपली के कब्रिस्तान की पुलिया से मरघट तक सड़क (लगभग 700 मी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री अनवार अहमद, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका तथा

5-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत ग्राम दम्पुरा से ग्राम गोविंदपुर तक सड़क (लगभग 2 किमी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री कुंवर कपिलराज यादव, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना के अन्तर्गत विकास खण्ड हाथवंत के ग्राम बझेरा में विनोद कुमार जी के घर से महीपाल सिंह जी के घर तक सी0सी0 रोड (लगभग 150 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महीपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना के अन्तर्गत विकास खण्ड हाथवंत के ग्राम भारा में श्री मान सिंह जी के घर से मोहनलालजी के घर तक सी0सी0 रोड (लगभग 150 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना की तहसील जसराना के अन्तर्गत ग्राम आजमपुर सिलौटा में शिशुपाल जी के घर से मंदिर तक व सुकरमपाल जी के घर से सरमन जी के घर तक सी0सी0 सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री रामकुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना की तहसील जसराना के अन्तर्गत ग्राम बाबनबारी से ग्राम जेडा सम्पर्क मार्ग तक सी0सी0 सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना की तहसील जसराना के अन्तर्गत ग्राम जयकिशन में पीने हेतु जल के लिए पानी की टंकी (क्षमता 2000 ली0) का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री खूब लाल कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

डा0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

डा0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद अयोध्या के तहसील बीकापुर की विकास खण्ड/नगर पंचायत बीकापुर में युवाओं की क्रीड़ा, व्यायाम हेतु मिनी स्टेडियम का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री राहुल शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

2-जनपद अयोध्या के तहसील व विकास खण्ड बीकापुर में लोक निर्माण विभाग की देशदीपक विद्यालय मोड़ से किसान गंज सम्पर्क मार्ग को ग्राम नन्दरौली तक चौड़ीकरण एवं

† छापी नहीं गईं।

उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गोवर्धन कोरी व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

3-जनपद अयोध्या की तहसील बीकापुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत तोरो माफी स्थित ऐतिहासिक पौराणिक महत्व के स्थल सीताकुण्ड स्थल के सौंदर्यीकरण विकास एवं नवीनीकरण के संदर्भ में श्री शिव प्रसाद उपाध्याय एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

4-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल, विकास खण्ड मसौधा सोहावल की लोक निर्माण विभाग के अ0जि0 मार्ग मसौधा सुचित्तगंज संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण के सम्बन्ध में श्री धर्मराज वर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका तथा

5-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल अन्तर्गत ग्राम नंदीग्राम में स्थित पौराणिक धार्मिक महत्व की भरत जी की तपोस्थली भरतकुन्ड में पर्यटन की दृष्टि से सौन्दर्यीकरण, स्थल विकास एवं पर्यटन आवास केंद्र निर्माण के संदर्भ में श्री रमाकान्त पाण्डेय, निवासी जनपद अयोध्या की याचिका।

डा0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका†

डा0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभी की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र-370 मड़ियाहूं में पाली-गुतवन मार्ग पर रेलवे क्रासिंग पर अन्डरपास बनवाने के सम्बन्ध में श्री सुनील कुमार सिंह पटेल व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

डा0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित तीन व जनपद रामपुर तथा जनपद मेरठ से सम्बन्धित एक-एक याचिका†

डा0 डी0 सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम पंचायत मोहम्मदगंज में नैपाल के घर से प्रदीप बाल्मीकि के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेमपाल व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

2-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम अम्बरपुर में महेन्द्र पाल के घर से शिव मन्दिर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भानू प्रताप फौजी व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

3-जनपद रामपुर की तहसील मिलक के ग्राम चिचैली में मंगलसेन के मकान से छदम्मी के मकान तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद रामपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम पंचायत ठिरिया बुजुर्ग में ग्राम अम्बरपुर/लभेड़ा पुरोहित में रामगंगा नदी पर पिचिंग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भानु प्रताप फौजी व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका तथा

5-जनपद मेरठ की तहसील सदर के ग्राम अब्दुलापुर के खसरा संख्या-535, 538, 558, 556, 560 का शेष भाग एवं खसरा संख्या-555, 565, 566, 567, 802/11.5, 583, 586 एवं 585 के पूर्ण भाग को संविधान की धारा-14 (समानता के अधिकार के अन्तर्गत) अधिग्रहण से मुक्त किए जाने के सम्बन्ध में श्रीपाल जैन व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

डा0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

डा0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम सिकन्दरपुर में छैछापुर चौराहा घाघऊ मार्ग से सिकन्दरपुर डामर रोड तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रकान्त यादव व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम सुन्दपुर हरिहा में कल्यानपुर मार्ग से लेकर सामुदायिक शौचालय तक का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवकुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत बरामई में बहादुर सिंह के घर से चन्द्रशेखर के घर तक का सी0सी0 निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम सिकन्दरपुर में राजेश के मकान से ब्रहमदेव के मकान तक का सी0सी0 निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री विनीत कुमार प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत घाघऊ में डामर रोड से रामचन्द्र के मकान तक का सी0सी0 निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री विनीत कुमार प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री राजेश्वर सिंह, सदस्य, सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित चार याचिकाएं (व्यपगत)†

डा0 राजेश्वर सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के नवगठित वार्ड खरगापुर-सरसवां, अर्जुनगंज के मोहल्ला आदर्श नगर में सी0सी0/इण्टरलॉक रोड और नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री श्याम शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर में एकता नगर के ओम नगर में रेखा मिश्रा के मकान से धर्मेन्द्र कुमार के मकान तक सड़क एवं नाली बनवाए जाने के सम्बन्ध में श्री दिलीप सिंह, निवासी जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ की विष्णुलोक कालोनी, कानपुर रोड स्थित सिद्धदात्री मन्दिर के पीछे एवं तिकोनिया पार्क के पास जनहित में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नीरज श्रीवास्तव, निवासी जनपद लखनऊ की याचिका तथा

4-जनपद लखनऊ की सेक्टर-आई, एल0डी0ए0-कालोनी कानपुर रोड में आशियाना पावर हाउस के अन्तर्गत ई0डब्लू0एस0 के मकानों के ऊपर 11000 वोल्टेज की लाइन को हटाकर भूमिगत केबलिंग कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश सिंह निवासी जनपद लखनऊ की याचिका।

डा0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

डा0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत ग्राम सभा बैरवन में रेलवे लाइन पर फुट ब्रिज निर्माण के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

2-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां में एन0एच0-2 बिहार-प्रयागराज मार्ग के मोहनसराय चौराहा पर फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

3-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत खेवसीपुर में डा0 सेवाराम पटेल के मकान से अजय पटेल के मकान तक नाली (लगभग 510 मी0) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री संतोष पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के एन0एच0-2 अखरी हाई-वे से अवलेशपुर, कन्दवा चितईपुर, कंचनपुर, भिखारीपुर तिराहा तक बड़ी सीवर लाइन निर्माण के सम्बन्ध में श्री हंसराज विश्वकर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका तथा

5-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत छितौनी कोट में नलकूप की क्षमता वृद्धि एवं नवीनीकरण के सम्बन्ध में श्री अनिल पाल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका।

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद कानपुर नगर के वार्ड सं0-73 व 96 के पुरानी चुंगी से अशरफाबाद, शीतला बाजार, बी0के0डी0 चौराहा होते हुए बुढ़िया घात तक की सड़क के सुदृढ़ीकरण/मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मो0 फखर इकबाल व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद गोण्डा के करनैलगंज में अधूरे पड़े राजकीय पालीटेक्निक व मत्स्य शोध संस्थान संचालित कराने के सम्बन्ध में श्री मनोज शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

2-जनपद गोण्डा के करनैलगंज के शाहपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के सम्बन्ध में श्री धर्मवीर दूबे व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

3-जनपद गोण्डा के विकास खण्ड परसपुर के बालपुर मार्ग के बेलई पुल से धर्म नगर तक मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

4-जनपद गोण्डा के विकास खण्ड करनैलगंज के पसका मार्ग के दुरौनी चौराहे से तिवारी बाजार होते हुए माँ बाराही स्थल तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री सुभाष यादव व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

5-जनपद गोण्डा के विकास खण्ड परसपुर के ग्राम राजापुर से स्थित तुलसीदास जन्म स्थली के जीर्णोद्धार के सम्बन्ध में श्री उमा शंकर मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत कुलन्जन से रूहासा मार्ग व सरधना से नंगला आर्डर मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गौरव कुमार त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

2-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत गांव बंशीपुरा से लोईया मार्ग व बीहटा से अन्दावली एवं देदवा से इकलौता मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

3-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत कुण्डा से गड़ीना मार्ग व मिलक से टेहरकी मार्ग एवं सिवाय से भराला मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शावेज व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

4-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत गांव तखावली से मीरपुर होते हुए खतौली नहर को जोड़ने वाले मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजब सिंह व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

5-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत गांव अखत्यारपुर से मामूरी मार्ग व अख्यारपुर से लोईया मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दर्पण व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सन्तकबीरनगर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद सन्तकबीरनगर में असनहरा घाट के पुल का एप्रोच का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री वेद त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं†

श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद मुजफ्फरनगर के विकास खण्ड सदर के अन्तर्गत ग्राम सपवठ में बने कच्चे नाले का पक्का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्तजार व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी के अन्तर्गत ग्राम होशियारपुर में 250 मी0 का पक्का नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लोकेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

3-जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-13, पुरकाजी के वि0ख0-सदर के ग्राम सरवठ से मदीना चौक से रूढ़की चुंगी तक जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण एवं दोनों ओर नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शाह आलम एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र सदर चित्रकूट के अन्तर्गत विकास खण्ड कर्वी के ग्राम भडहा में पीढ़ियन पुरवा से ओमनाथ के पुरवा तक सड़क नव निर्माण दूरी 800 मी0 कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामबाबू यादव व अन्य निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका,

2-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र सदर चित्रकूट के अन्तर्गत विकास खण्ड कर्वी के ग्राम नावघाट में नावघाट से बराछ तक सड़क नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामबाबू यादव व अन्य निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका,

3-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र सदर चित्रकूट के अन्तर्गत विकास खण्ड कर्वी के ग्राम महुटा रूपौली (भंभौर) में पक्के मार्ग से तालाब तक एवं महुवा के पेड़ से बद्री प्रसाद यादव के घर तक सड़क नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र सिंह, निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका,

4-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र सदर चित्रकूट के अन्तर्गत विकास खण्ड पहाड़ी के ग्राम पंचायत यादव पुरवा मजरा-भदेदू में शिव मंदिर मार्ग से यादव पुरवा तक सम्पर्क मार्ग के नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नत्थू व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका तथा

5-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र सदर चित्रकूट के अन्तर्गत विकास खण्ड कर्वी के ग्राम मिरिया पुरवा मजरा मऊ में मिरिया पुरवा में डाडी पुरवा मेन रोड से कोरिन पुरवा के सवरजीत के दरवाजे तक सड़क नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकिशोर व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका।

श्री अनिल कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित दो याचिकाएं†

श्री अनिल कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गईं।

1-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा की नगर पंचायत मौरावां में अग्निशमन केन्द्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अमरदीप त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

2-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के विकास खण्ड बिछिया के अन्तर्गत प्राचीन माँ बालेश्वरी धाम प्रांगण का सौंदर्यीकरण/जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक त्रिवेदी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित चार याचिकाएं†

श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र गोसाईगंज में जाना बाजार-नन्सा-पड़ेवला सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री राम भारत यादव, निवासी जनपद अयोध्या की याचिका,

2-जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र गोसाईगंज में विसुही नदी पर सेतु निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री रणधीर सिंह, निवासी जनपद अयोध्या की याचिका,

3-जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र गोसाईगंज में बीकापुर-जाना बाजार सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री रोशन जायसवाल, निवासी जनपद अयोध्या की याचिका तथा

4-जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र गोसाईगंज में चैरे बाजार-हैदरगंज सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री अशोक सिंह, निवासी जनपद अयोध्या की याचिका।

श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्चित पाँच याचिकाएं†

श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थापित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद लखनऊ में नगर निगम जोन-6 के वार्ड-हैदरगंज के अन्तर्गत माडल सिटी कालोनी, मोहान रोड, लखनऊ स्थित दिव्यांग बालकों के राजकीय उ0 मा0 विद्यालय के सम्पर्क मार्ग की जल निकासी व निर्माण के सम्बन्ध में श्री शिव किशोर द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-लखनऊ नगर में चोरघाटी पेट्रोल पम्प कैम्पवेल रोड से दुबग्गा जाने वाले मार्ग की मरम्मत/नव निर्माण के सम्बन्ध में श्री अमित निगम, निवासी जनपद लखनऊ की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-लखनऊ नगर में चोरघाटी, पेट्रोल पम्प कैम्पवेल रोड से दुबग्गा रिंग रोड जाने वाले मार्ग में देशी शराब के ठेके को हटाने के सम्बन्ध में श्री अमित निगम, निवासी जनपद लखनऊ की याचिका,

4-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत ज्ञानेन्द्र विहार पिंक सिटी, फेस 2 में मुख्य मार्ग से लक्ष्मीनारायण बाजपेयी के मकान से शिव सरस्वती मन्दिर होते हुये नसीर अली के मकान तक पानी के निकास के लिए नाला बनवाने के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र निगम व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

5-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत चोरघाटी, पेट्रोल पम्प, कैम्पवेल रोड से दुबग्गा रिंग रोड पर स्कूल व मन्दिर के पास स्थित देशी शराब की दुकान को हटाये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित निगम व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद शामली के थानाभवन के कस्बा जलालाबाद के मोहल्ला मोहम्मदीगंज (सोलर कालोनी) में विद्युतीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वसीउल्ला खान व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

2-जनपद शामली के थानाभवन के अन्तर्गत ग्राम भदौंडा में नाथी के मकान से जितेन्द्र के मकान तक नाला निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिनेश शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

3-जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के जलालाबाद देहात माजरा मण्डी भास्करगंज में प्राथमिक विद्यालय के स्थापना के सम्बन्ध में श्री मुस्तकीम व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

4-जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के ग्राम पिण्डोरा भट्टा से गोगर शुगर मिल तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहित खटियान व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका तथा

5-जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के ग्राम बघेव से मुण्डेट नहर तक सड़क का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय कुमार व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री उमर अली ख़ान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री उमर अली खान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद सहारनपुर के विकास खण्ड सढौली कदीम के अन्तर्गत श्री बड़केश्वर महादेव के मंदिर से शाकुम्भरी देवी जी के तीर्थस्थल तक सड़क निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री पं0 अमन कौशिक व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका,

2-जनपद सहारनपुर की तहसील बेहट के अन्तर्गत ग्राम बादशाही बाग व ग्राम मगनपुरा के बीच नदी पर पुल पर निर्माण के सम्बन्ध में श्री फारूक व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका,

3-जनपद सहारनपुर से ग्राम बादशाही बाग तक फोर लेन सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री जावेद राना व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका,

4-जनपद सहारनपुर के विकास खण्ड सढौली कदीम के अन्तर्गत माता शाकुम्भरी देवी तीर्थस्थल को जाने वाले मार्ग पर नदी के ऊपर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में श्री प्रमोद शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका तथा

5-जनपद सहारनपुर के बेहट बस अड्डे से सिद्धपीठ माता शाकुम्भरी देवी जी के तीर्थस्थल तक फोर लेन सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री मंसूब अली व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका।

श्री कैलाश नाथ, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री कैलाश नाथ, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद बलरामपुर की तहसील-तुलसीपुर के अन्तर्गत ग्राम महादेव हरिहरनगर, हड़पुर, जनकपुर, ओजाहवा आदि आधा दर्जन ग्रामों को जल-भराव से बचाने के बूढ़ी राप्ती की खुदाई एवं सिल्ट की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्तोष पाठक एवं अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

2-जनपद बलरामपुर की तहसील-तुलसीपुर के विकास खण्ड महाराजगंज तराई क्षेत्र में स्थित खरझार नाले पर बने तटबन्ध को दोनों तरफ 01 किमी0 और अधिक दूरी तक बनाने के सम्बन्ध में श्री नन्द कुमार वर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका तथा

3-जनपद बलरामपुर की तहसील-तुलसीपुर के विकास खण्ड हरैया फीडर से चौधरीडीह एवं मथुरा क्षेत्र के तरफ आने वाली जर्जर विद्युत लाइन को बदल कर नये विद्युत

---

† छापी नहीं गईं।

लाइन के द्वारा विद्युत लाइन हानि (लाइन लास) को रोकने के सम्बन्ध में श्री राघवराम पाण्डेय एवं अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका।

श्री गुलाम मौहम्मद, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित चार याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री गुलाम मौहम्मद, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास मेरठ की नगर पंचायत खिवाई में दो अतिरिक्त विद्यालयों के सम्बन्ध में श्री हारून एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

2-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास मेरठ की नगर पंचायत खिवाई में हाई स्कूल को उच्चीकृत करके इण्टरमीडिएट का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में श्री शाहबुद्दीन एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

3-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास के विकास खण्ड-रोहटा ग्राम पंचायत रोहटा में राजकीय महिला इण्टर कालेज बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सतेन्द्र चौधरी एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

4-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास के विकास खण्ड-सुरूरपुर की ग्राम पंचायत छुर में परम्परागत कुश्ती के लिए आधुनिक संसाधन/आधुनिक गद्दे उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सहनसर प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जिला जालौन के विकास खण्ड डकोर के ग्राम सोमई में रोड से कल्लू खां के बगल वाली पुलिया से रामकिशोर दाऊ के खलिहान होते हुए कुरकुरू मार्ग बम्बा तक सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री बृजेश निरंजन एवं अन्य निवासीगण, जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के उरई विधान सभा क्षेत्र में जालौन नगर में बाराही मेला मैदान के पास फौजी पड़ाव की जगह पर भू-माफियाओं द्वारा राजस्व अभिलेखों में हेरा-फेरी कर 3 मंजिल बिल्डिंग बनाकर करोड़ों की अवैध कमाई करने वाले दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामचन्द्र गुप्ता अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के विकास खण्ड डकोर ग्राम हरदोई गूजर से दिरावटी की ओर जाने वाली सड़क लगभग 2 किमी0 के निर्माण के सम्बन्ध में पं0 तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद जालौन के विकास खण्ड जालौन के ग्राम देवरी में ग्राम कैथ को जाने वाली रोड से लल्ला राजा गुर्जर की कोठी से होते हुये ग्राम गिधौसा वाली सड़क तक सी0सी0 निर्माण के सम्बन्ध में श्री लल्ला राजा गुर्जर व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका तथा

5-जनपद जालौन के विकास खण्ड डकोर, ग्राम खरूसा में बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के सर्विस रोड से मूल चन्द्र प्रजापति के मकान की ओर लगभग 1 किमी0 सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत ग्राम धीमहि से भमरौआ सम्पर्क मार्ग के नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीनेश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ग्राम उमरारी से उदयपुर कलां सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ग्राम नगला जीराजपुर से बम्बे की पटरी-पटरी ग्राम मानपुर तक सड़क का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बाबूराम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई में भीमपुर-डिबाई मार्ग से ग्राम भीमपुर के नगला तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामचन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर के ब्लाक दानपुर के ग्राम नगला रूंद में भगवती के मकान से जय प्रकाश के खेत तक सड़क का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जय प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री चेतराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री चेतराम, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-पुवायां के बस अड्डे का सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में श्री के0 पी0 एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका व्यपगत हुयी।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद आगरा के ग्राम दाऊदपुर ब्लाक फतेहपुर सीकरी में डा0 ध्रुव के घर से मस्जिद तक सड़क बनाने के सम्बन्ध में चौधरी थान सिंह, निवासी जनपद आगरा की याचिका,

2-जनपद आगरा के ग्राम सींगना ब्लाक अछनेरा में सींगना से जुगसैना मार्ग तक सड़क बनाने के सम्बन्ध में श्री गीतम सिंह, निवासी जनपद आगरा की याचिका,

3-जनपद आगरा के ग्राम डाबली ब्लाक अछनेरा में बरौदा रोड हरिपाल डीलर के खेत से महुअर पुल तक करीब 01 किमी0 सड़क बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कुमरपाल, निवासी जनपद आगरा की याचिका,

4-जनपद आगरा के ब्लाक अछनेरा में सांधन चौराहे से गढ़ीमा वाली सड़क आबादी भाग तक बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जुगेन्द्र, निवासी जनपद आगरा की याचिका तथा

5-जनपद आगरा के ग्राम दूरा ब्लाक फतेहपुर सीकरी में फतेहपुर सीकरी कागारौल मार्ग से पावर हाउस दूरा तक सड़क बनाने के सम्बन्ध में श्री नरेश चन्द, निवासी जनपद आगरा की याचिका।

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत शिवपुर कपूर दियर के मौजा सेमरिया का डेरा व गड़ेरिया से जगदीशपुर तक गंगा नदी में भीषण कटान के रोकथाम के लिए रिंग बांध का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्दर यादव, निवासी जनपद बलिया की याचिका,

2-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत एन0एच0-31 बेलहरी-शुक्ल छपरा ढ़ाला से बेलहरी ग्राम तक मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि मिश्रा, निवासी जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत भुआल छपरा नवरंगा से भगवानपुर तक रिंग बांध का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय चौधरी, निवासी जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत शोभा छपरा पी0डब्लू0डी0 मार्ग से मठ धन्जु गिरी होकर संसार टोला मार्ग का विशेष मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती माला यादव, निवासी जनपद बलिया की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत घाघरा नदी के कटान को रोकने हेतु टिलापुर जमधरवां से वशिष्ठनगर मानगढ़, गोपालनगर शिवाल मठिया होकर चांददियर एन0एच0-19 तक रिंग बांध का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कालीचरण बिन्द, निवासी जनपद बलिया की याचिका।

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद झांसी के गरौठ विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत धसान नदी पर प्रधानमंत्री स्प्रिंकलर सिंचाई योजना शुरू करने हेतु धनराशि आवंटन कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राघवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका,

2-जनपद झांसी के गरौठ विधान सभा क्षेत्र के मोंठ में किसानों के हित में धान मिल लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका,

3-जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौठ में अस्ता का तालाब को खुदवाकर सिंचाई हेतु बड़ा तालाब बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका,

4-जनपद झांसी के विधान सभा क्षेत्र गरौइ के अन्तर्गत गुरसरायं क्षेत्र में किसानों की फसल को रखने हेतु वेयरहाउस का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ललित पटेल व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका तथा

5-जनपद झांसी के गुरसराय नगर में नारायणपुरा की पुलिया से हेड तक पक्की सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री केशवेन्द्र सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका।

श्री तुफानी सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद अलीगढ़ से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री तुफानी सरोज, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद अलीगढ़, विकास खण्ड इगलास के ग्राम बढ़ाकला में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहन सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद अलीगढ़ की याचिका तथा

2-जनपद अलीगढ़, विकास खण्ड इगलास के ग्राम बढ़ाकला में सभी धार्मिक स्थलों व उन तक पहुंचने के मार्गों को पक्का कराने के सम्बन्ध में श्री मोहन सिंह की एवं अन्य निवासीगण जनपद अलीगढ़ की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र-279, आलापुर के विकास खण्ड जहांगीरगंज के अन्तर्गत राजेसुल्तानपुर-जहांगीरगंज मुख्य मार्ग पर ग्राम भभौरा से भवनाथपुर बाजार तक सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरिश्चन्द वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका तथा

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र-279, आलापुर के विकास खण्ड रामनगर के बसखारी-जहांगीरगंज मुख्य मार्ग पर ग्राम बाभनपुर में जीतेन्द्र पाण्डेय के घर से असरफाबाद होते हुए बिडहर मुख्य मार्ग तक सम्पर्क मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण के सम्बन्ध में श्री निर्दोष यादव व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका।

श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बस्ती के विकास खण्ड बस्ती सदर में जमराव से कुम्हिया मचल कहांर के घर से सिकरा हकीम तक मरम्मत कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री फूलचन्द श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका व्यपगत हुई।

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की मानी गयीं :-

1-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र स्याना के जहांगीराबाद दौलतपुर मार्ग अमरगढ़ से वाया ऊंचा गांव से निर्माणाधीन गंगा पुल तक चौड़ीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री जय प्रकाश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र स्याना के खानपुर में जहांगीराबाद बस स्टैन्ड से हिमाबाद ढकरोली मार्ग तक लम्बाई 2 किमी0 काली सड़क निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार गोयल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र स्याना में ग्राम ईलना के लोक किसान इण्टर कालेज ईलना मार्ग से राजकीय पशु चिकित्सालय तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयवीर सिंह लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र स्याना के स्याना गढ़ रोड गोपाल जी डेयरी से बम्बे की पटरी ग्राम रमपुरा तक लम्बाई 3 किमी0 काली सड़क निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री भोला लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र स्याना कस्बा स्याना में लडोकरी तालाब से रमन त्यागी के खेत तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विक्रांत त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावल के अन्तर्गत ग्राम कुल्हेड़ी के सामने हिण्डन नदी पर पुल/पुलिया निर्माण के सम्बन्ध में श्री धर्मेन्द्र शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

2-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावल के अन्तर्गत ग्राम सिकन्दरपुर के सामने हिण्डन नदी पर पुल/पुलिया निर्माण के सम्बन्ध में श्री मो0 आलम व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

3-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावल के अन्तर्गत खुशरोपुर से अमीर नगर बंधरा मार्ग तक लगभग (लम्बाई 6 किमी0) सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अभिषेक बंसल व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं†

श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बलरामपुर के तहसील बलरामपुर के अन्तर्गत चाउरखाता मंदिर पर स्थित तालाब सहित अन्य मूलभूत सुविधा पर्यटन विभाग द्वारा सौन्दर्यीकरण किये जाने के सम्बन्ध में श्री धनश्याम यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका तथा

2-जनपद बलरामपुर मुख्यालय पर अग्निशमन केन्द्र का बाउण्ड्रीवाल व अधिकारियों/कर्मचारियों के निवास इत्यादि का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आकाश पाण्डेय एवं अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं:-

1-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर सदर के अन्तर्गत ग्राम किसौली मढ़ैया में शीशपाल के घर से काली सड़क (लम्बाई लगभग 100 मी0) तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुन्दर व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर सदर के अन्तर्गत ग्राम कुदैना में तेजवीर के खेत से श्मशान (लम्बाई लगभग 100 मी0) तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बन्टी सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर सदर के अन्तर्गत ग्राम लुधियाना में पन्ना के घर से किशन के घर (लम्बाई लगभग 100 मी0) तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर सदर के अन्तर्गत ग्राम लुहारली में विदा के घर से पंचायत घर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर सदर के अन्तर्गत ग्राम किसौली मढ़ैया में सतवीर के घर से कुंवरपाल के घर (लम्बाई लगभग 100 मी0) तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुन्दर व अन्य निवासीगण जनपद बुलंदशहर की याचिका।

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस से सम्बन्धित याचिका†

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद-हाथरस के विधान सभा क्षेत्र 79, सादाबाद के वि0ख0-सहपऊ के ग्राम पंचायत-कुकरगाव में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुकेश कुमार सिसौदिया एवं अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री प्रभात कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री प्रभात कुमारे वर्मा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के अन्तर्गत विकास खण्ड बभनजोत में खोडारे से कूकनगर ग्रन्ट सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुभाष यादव व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के अन्तर्गत विकास खण्ड छपिया साबरपुर से पक्का बंगला अगयाघाट अन्य जिला मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मेहीलाल मौर्या एवं अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

3-जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के अन्तर्गत विकास खण्ड छपिया बखरौली पतिजिया खुर्द से बीरपुर संगवा अन्य जिला मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वासुदेव मौर्या एवं अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं:-

1-जनपद शामली के विकास खण्ड शामली के अन्तर्गत ग्राम सल्फा से ग्राम मीमला तक मार्ग का मरम्मत कार्य कराए जाने के सम्बन्ध में श्री हरबीर प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

2-जनपद शामली के विकास खण्ड कांधला के ग्राम भनेड़ा से बिराल की ओर मुजफ्फरनगर सीमा तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राधे श्याम व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

3-जनपद शामली के विकास खण्ड शामली के ग्राम बरलाजट में नेटवर्क टावर लगाये जाने के सम्बन्ध में श्री लाखन प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

4-जनपद शामली तहसील शामली के काका नगर वार्ड नं0 20 में अवैध रूप से कालोनी के आम रास्ते को दीवार बनाकर रोकने के सम्बन्ध में श्री अमित कुमार व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका तथा

5-जनपद शामली के वि0ख0 शामली के ग्राम खेडी पट्टी में गांव से श्मशान घाट तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजबीर मलिक व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका।

श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित पाँच याचिकाएँ (व्यपगत)†

श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत ढोढोपुर, बकियापुर, पकवानपुर व कतिपय मार्गों के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ई0वी0 सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोनौली में राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र सिंह प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

3-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड तरबगंज में गन्ना विकास समिति की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

4-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड तरबगंज ग्राम पंचायत रामापुर (तरबगंज)/नगर पंचायत में बने पीडब्लूडी डाक बंगला/अतिथि गृह का पुनणनर्माण कराये सम्बन्ध में श्री शिवम पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

5-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड तरबगंज में मिनी स्टेडियम की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद उन्नाव के वि0ख0 सफीपुर के ग्राम पंचायत नरहरपुर में सड़क का विशेष मरम्मत निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अतुल अग्निहोत्री व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के वि0ख0 सफीपुर के ग्राम पंचायत अम्बहरा के मजरा जगदीशपुर में सरकारी ट्यूबवेल स्थापित करने के सम्बन्ध में श्री राम बालक व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के वि0ख0 सफीपुर के ग्राम सभा ओसिया के मजरा नैनीखेड़ा में बारातघर निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नन्हा सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के वि0ख0 सफीपुर के ग्राम पंचायत जमालनगर एहतमाली में पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजा राम व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव के वि0ख0 मियागंज के ग्राम पंचायत सलेमपुर में इन्टरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती किरन सिंह प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री ब्रजभूषण राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बान्धित पाँच याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री ब्रजभूषण राजपूत, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद महोबा विधान सभा क्षेत्र चरखारी में अर्जुन बांध की मुख्य नहर की पटरी पर विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरेन्द्र राजपूत एवं अन्य निवासीगण जनपद महोबा की याचिका,

2-जनपद महोबा विधान सभा क्षेत्र चरखारी में गुरु गोरखनाथ के स्थान पर अकढौहा गोरखा मार्ग पर रपटा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुष्यन्त राजपूत एवं अन्य निवासीगण जनपद महोबा की याचिका,

3-जनपद महोबा विधान सभा क्षेत्र चरखारी में कस्बा पनवाडी के आबादी क्षेत्र में सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विक्की शिवहरे एवं 23 अन्य निवासीगण जनपद महोबा की याचिका,

4-जनपद महोबा के सहारा इण्डिया के कोड संख्या-5210 द्वारा संचालित सोसाइटियों से अभिलम्ब भुगतान कराने के सम्बन्ध में श्री प्रियंका शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद महोबा की याचिका तथा

5-जनपद महोबा की विधान सभा क्षेत्र चरखारी में अर्जुन बांध के सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कुलदीप भटनागर व अन्य निवासीगण जनपद महोबा की याचिका।

श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं:-

1-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा पसिका में श्री शंकर यादव के भट्ठा के बगल से ग्राम कूमे सम्पर्क मार्ग तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शंकर यादव व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

2-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा पुरसड़ी में श्री रामनारायण विश्वकर्मा के खेत के बगल में गंगा नदी पर बने जर्जर पुल का नवनिर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजमन सरोज व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

3-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा भीरा में श्री फिरतू चौहान के मन्दिर के बगल से पसिका ताल तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शेखर सरोज व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा सेन्धुरी राजभर बस्ती के निकट नदी पर छोटा पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री लालधारी यादव व अन्य निवासीगढ़ जनपद आजमगढ़ की याचिका तथा

5-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा सरायमोहन टांड पर छोटा पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सेवा सरोज व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित चार व उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से सम्बन्धित एक याचिका†

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं:-

1-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड जगतपुर के अन्तर्गत लखनऊ-प्रयागराज हाई-वे से बैरीहार तक सड़क (लगभग 01 कि0मी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री करन सिंह, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड दीनशाह गौरा के अन्तर्गत ग्राम सभा धुलरई में अखिलेश पासवान के घर से आदित्य गुप्ता के घर तक सड़क की मरम्मत कराने के सम्बन्ध में श्री बल्लू लोधी, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के अन्तर्गत ग्राम समूह में पेयजल योजना के अन्तर्गत किये गये कार्य की जाँच के सम्बन्ध में श्री सुरेश मिश्रा, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली के मोहल्ला गोराबाजार में भारत सरकार द्वारा अनुदानित कूड़ा प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट को चालू कराने तथा घनी आबादी से कहीं अन्य जगह स्थानान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में श्री महादेव कुमार, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

5-उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा आयोजित राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद (संयुक्त वर्ग) में लंबित भर्ती के सम्बन्ध में श्री हरीशचन्द्र पाण्डेय, निवासी जनपद सुल्तानपुर की याचिका।

श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के ग्राम आलेदादपुर एवं ग्राम नगली के बीच क्षतिग्रस्त रपटे का निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री हबीब अहमद व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभी की जनपद बस्ती से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र बस्ती सदर के ग्राम पंचायत भूपालपुर के ब्लाक बस्ती सदर में विनोद के घर से गंगाराम के घर तक सड़क निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री ओमप्रकाश चौधरी निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

2-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र बस्ती सदर की ग्राम पंचायत बानगढ़, ब्लाक बस्ती सदर में पिच रोड से साधूशरण यादव के खेत से होते हुए प्रमोद चौधरी के घर तक सड़क (250 मी0) निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री विवेक यादव, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

3-जनपद बस्ती के ब्लाक बस्ती सदर में मड़वानगर बेसिल कट मार्ग से दुर्गा प्रसाद उपाध्याय के मकान से करूणा सागर पाण्डेय के घर तक सड़क निर्माण (लम्बाई लगभग 300 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री करूणा सागर पाण्डेय, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

4-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र बस्ती सदर के ग्राम पंचायत हरदिया बुजुर्ग के गांव वसिया ब्लाक बस्ती में वसिया से जू0हा0 स्कूल विद्यालय गांव के बीच सुशील मिश्रा के घर तक सड़क (300 मी0) निर्माण जनहित में करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुशील मिश्रा, निवासी जनपद बस्ती की याचिका तथा

5-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र बस्ती सदर के ग्राम गटहरा, ब्लाक बस्ती सदर में रामशब्द के घर से ग्राम कोड़री रामकुमार यादव के घर तक सड़क निर्माण (800 मी0) करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कैलाशनाथ राजभर, निवासी जनपद बस्ती की याचिका।

श्री महेश त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री महेश त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलसचिव श्री सचिन कुमार सिंह द्वारा की जा रही अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने के सम्बन्ध में श्री वी0 प्रकाश, निवासी जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं†

श्री मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गईं।

1-जनपद कानपुर नगर के तहसील बिल्हौर में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बोधराज सिंह एडवोकेट व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

2-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र बिल्हौर के अन्तर्गत शिवराजपुर सी0एच0सी0 में एक्स-रे मशीन की स्थापना व रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती के सम्बन्ध में श्री अमित वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका तथा

3-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र बिल्हौर के अन्तर्गत सी0एच0सी0 बिल्हौर में एक्स-रे मशीन की स्थापना व रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती के सम्बन्ध में श्री देवेश कठेरिया व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका।

श्री योगेश शुक्ला, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित दो याचिकाएं†

श्री योगेश शुक्ला, सदस्य, विधान सभा सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र बक्शी का तालाब के अन्तर्गत स्थित वार्ड नं0-13 नवीकोट नंदना में सरकपुर सरैया के खेत से रैथा मार्ग तक (लगभग 1 कि0मी0) सड़क मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भानु प्रताप व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

2-जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र बक्शी का तालाब के अन्तर्गत संचालित राजकीय इण्टर कॉलेज (सैरपुर) के निर्माण हेतु शेष बजट को जारी कराने के सम्बन्ध में श्री भानु प्रताप व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं:-

1-जनपद जौनपुर के ब्लाक-बदलापुर के अन्तर्गत ग्राम अटरा ईनामीपुर के मध्य जौनपुर राजवाहा पर कदम पुलिया का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील तिवारी एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर के ब्लाक- महाराजगंज के अन्तर्गत ग्राम कोइरीपुर, जौनपुर राजवाहा पर कदम पुलिया का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लवकुश सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के ब्लाक-बख्शा के अन्तर्गत ग्राम-सराय हरखू में पाण्डेय बस्ती के पास जौनपुर राजवाहा पर कदम पुलिया का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्धा में श्री लवकुश कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद जौनपुर के अन्तर्गत बदलापुर में परिवहन विभाग के रोडवेज बसों का संचालन बाजारों के अन्दर से कराये जाने तथा प्रयागराज से शाहगंज मार्ग की बसों की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में श्री बलवीर गौड़ एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

5-जनपद जौनपुर के विकास खण्ड महाराजगंज के अन्तर्गत ग्राम चेती, तियरा एवं गौरा में स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना कराने के सम्बन्ध में श्री विनोद शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा जगदीशपुर उर्फ भटरिया में चकिया रोड से पंचायत भवन तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रवीण सोनकर व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

2-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा हिन्दवारी ग्राम के पश्चिम तरफ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्माणाधीन सड़क के चौराहे से माइनर सर्विस रोड तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संदीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

3-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा कूढ़कला में पुनवासी के घर से होते हुए सियाराम के घर से रेलवे लिंक रोड तक आर0सी0सी0 का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संदीप कुमार व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

4-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा गंगेहरा में लालजी साव के मकान के बगल से कोटी माई के मन्दिर तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सौरभ कुमार व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका तथा

5-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम पंचायत बौरी के मुख्य मार्ग पर जनार्दन सिंह के खेत से बौरी बाराडिह सम्पर्क मार्ग तक रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका।

श्री रवि शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री रवि शर्मा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद झांसी के आंतिया तालाब से पठौरिया होते हुए पंचवटी तक नाले पर किये जा रहे अतिक्रमण को हटाने के सम्बन्ध में श्री लखन कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका व्यपगत हुई।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद लखनऊ के मध्य विधान सभा क्षेत्र के गांधी सेतु अण्डरपास से नवनिर्मित उत्तर रेलवे लाइन दिलकुशा-बाराबंकी प्रखण्ड के मध्य रेल उपरिगामी से होते हुए जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नम्बर-4 तक मार्ग पर फुटपाथ रिटेनिंग वाल एवं डीवाइडर की मरम्मत कार्य के सम्बन्ध में श्री नजमुद्दीन अंसारी एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ के मध्य विधान सभा क्षेत्र के आर0एफ0 मार्ग पर लगी इन्टरलॉकिंग टाइल्स के उच्चीकरण एवं मरम्मत के सम्बन्ध में श्री बाबा गिन्ददास एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ के मध्य विधान सभा क्षेत्र के जियामऊ चौराहे से गोमती बैराज वाया बालू अड्डा मार्ग पर लगी टाइल्स के उच्चीकरण का कार्य के सम्बन्ध में श्री अखनी मिश्रा एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

4-जनपद लखनऊ के मध्य विधान सभा क्षेत्र के कैसरबाग चौराहे से अमीरूदौला लाइब्रेरी होते हुये रजा अहमद अली मार्ग पर मरम्मत व चौड़ीकरण का कार्य के सम्बन्ध में श्री रघुबीर एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

5-जनपद लखनऊ के मध्य विधान सभा क्षेत्र के 1090 चौराहे से गांधी सेतु होते हुए डाक्टर अम्बेडकर चौराहे तक मार्ग पर फुटपाथ मरम्मत करवाने के सम्बन्ध में श्री रघुबीर एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद इटावा से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद इटावा के विधान सभा क्षेत्र भरथना के अन्तर्गत नगला रनू सम्पर्क मार्ग से ग्राम चमरपुरा (विकास नगर) व कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में श्री प्रताप सिंह वर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद इटावा की याचिका तथा

2-जनपद इटावा के विधान सभा क्षेत्र भरथना के अन्तर्गत बकेवर नगर पंचायत से लखना कालका मंदिर तक मार्ग के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में श्री नवनीत कुमार पाल एवं अन्य निवासीगण जनपद इटावा की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभी की जपनद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा के तहसील एवं विकास खण्ड-धनौरा के अन्तर्गत सरकारी भूमि पर हाई स्कूल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मवीर सिंह भाटी एवं अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित अकबरपुर दोस्तपुर सम्पर्क मार्ग से मानिकपुर लोहरा बरामदपुर बसिरहा मंशापुर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजू यादव व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित सिकन्दरपुर बाजार (डा0 जय गुरूदेव) के सामने दिहिद्दीपुर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मयाराम राजभर व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

3-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा सिसवा पिच मार्ग से टिकरिया वनकठा तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय कुमार व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

4-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित अकबरपुर दोस्तपुर सम्पर्क मार्ग से ग्राम सभा अटंगी तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राणा प्रजापति एवं अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका तथा

5-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित अकबरपुर मालीपुर सम्पर्क मार्ग से ग्राम सभा लोरपुर ताजन तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामजीत एवं अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका।

श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गईं।

1-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत भीषमदास कुटी बेलकर से पश्चिम पक्की रोड तक मार्ग को पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

2-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत महदेईया देवरिया सम्पर्क मार्ग से पटखैली पक्की रोड तक पिच रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश बाजपेयी व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

3-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत बेलकर के मजरा कोआपुर से भुषैलीपुरवा होते हुए भीषमदास कुटी तक पक्की रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ज्वाला प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

4-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत धर्मपुर के मजरा बेलकर में ददऊ पाण्डेय के घर से पश्चिम भवनियापुर से पक्की रोड तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नानबाबू व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका तथा

5-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड गिलौला के ग्राम पंचायत ककन्धू क्षेत्र पंचायत गिलौला में गांव के दक्षिण नहर मार्ग में खड़ंजा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डा0 राकेश चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका।

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-24 नूरपुर के ग्राम रूपपुर से बेरखेड़ा मार्ग से ब्रम्हसपाल सिंह के सामने से होते हुए बेरखेड़ा स्योहारा मार्ग तक पक्की सड़क निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-24 नूरपुर के ग्राम कामजपुर से इण्टर कालेज के बगल से किवाड तक पक्की सड़क निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

3-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-24 नूरपुर के ग्राम किवाड माइनर से हामा नगली तक पक्की सड़क निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

4-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-24 नूरपुर के धामपुर मुरादाबाद मार्ग से होते हुए मजहीदपुर (खिडका) मंझोली मार्ग तक पक्की सड़क निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री गुलफाम एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद बिजनौर के ग्राम मेवा जट नहर की पटरी से हिरनपुरा तक नहर की पटरी पर पक्की सड़क निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील विश्वनोई एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबेरली से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीः-

1-जनपद रायबरेली के वि0ख0 खीरों के ग्राम अहिलवा दुकनहा में रामखेलावन के घर से संतोष यादव के घर तक सी0सी0 रोड और नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिलीप यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली के वि0ख0 हरचंदपुर के ग्राम दतौली में श्रीमती धुलाना के घर से श्री राम के घर तक इंटरलॉकिंग रोड का निर्माण कराये जाने के सबंध में श्रीमती चन्द्रावती एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली के वि0ख0 हरचंदपुर के ग्राम पारा अतरी से ओलिया बीर बाबा मंदिर तक इंटरलॉकिंग रोड का निर्माण कराये जाने के सबंध में श्री संजय सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली के वि0ख0 खीरों के ग्राम बसिगवाँ में मुकेश के दरवाजे से शंभू यादव के दरवाजे तक इंटरलॉकिंग रोड और नाली निर्माण कराये जाने के संबंध में श्री विनोद यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका तथा

5-जनपद रायबरेली के वि0ख0 खीरों के ग्राम सलीमपुर में बारात घर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिग्विजय सिंह यादव एवं 31 अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद जौनपुर की जौनपुर-प्रयागराज मार्ग लाला बाजार तिराहा से शिवगुलामगंज होते हुए छुन्छा पुल छबीलेपुर बाजार होते हुए करंजा कला तक सड़क का निर्माण/मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मल्हनी के विकास खण्ड सिरकोनी के अन्तर्गत ग्राम शिवापार में वि0 व जू0 हा0 स्कूल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मल्हनी के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम सेड़री में गोमती नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक कुमार यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मल्हनी के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम विरशादपुर, बनकटिया मेन रोड से प्रजापति बस्ती होते हुए गौरा खुर्द तक सड़क का निर्माण कराये जाने के संबंध में श्री विकास यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

5-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मल्हनी के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम द्रोणीपुर में सई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अभिषेक मिश्रा एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बुलन्दशहर, विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम गढ़ाना से बाया ठसराना व अमीपुर बांगर से वैलाने तक तालड़ा राजवाह की पटरी को पक्का कराने के सम्बन्ध में श्री सुभाष चन्द भाटी एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर, विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम झाझर में स्थित श्मशान घाट का सौन्दर्यीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री मदन मोहन शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर, विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम धनपुरा में खड़ण्जा निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री सतपाल एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर, विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम धनौरा में स्थित श्मशान घाट का सौन्दर्यीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री सचिन शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर, विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम चन्द्रावली में स्थित श्मशान घाट का नव निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री सतेन्द्र यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)†

डा0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

1-जनपद मिर्जापुर के विकास खण्ड सीटी के ग्राम राजापुर, रानीबारी व बरईपुर के लिए जल निगम द्वारा बनी पानी की टंकी की पुनः बोरिंग कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद मिर्जापुर की याचिका तथा

2-जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मझवां के जमुनहिया नेवदिया घाटपर गंगा नदी में पीपा पुल निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद मिर्जापुर की याचिका।

श्री विपुल दुबे, सदस्य, विधान सभा की जनपद भदोही से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री विपुल दुबे, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर में धार्मिक स्थलों का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गौतम व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका,

2-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर में जंगीगंज धनतुलसी बाजार से ठाकुर बस्ती होते हुए परमहंश अड़गड़ानन्द आश्रम तक मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका,

3-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर में मिसिंग लिंक रोड योजना के अन्तर्गत मार्गों का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका,

4-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर के निम्नलिखित मार्गों का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विशाल मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका तथा

5-जनपद भदोही में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रशांत पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका।

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

---

† छापी नहीं गईं।

1-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत ग्राम परौर के मजरा सहरमी में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरपाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

2-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कुण्डरिया के मजरा बोझी में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

3-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान के ग्राम जटिउरा के मजरा पकड़िया चौराहा में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर पाल प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

4-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा की ग्राम पंचायत कढ़ियारंगीन को ब्लाक बनाए जाने के सम्बन्ध में श्री शिवराम सिंह कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका तथा

5-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा में नेशनल हाई-वे पर हुलास नगरा से कुसक होते हुए खुदागंज कटरा नेशनल हाई-वे तक कच्चे रोड का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका।

श्री विरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री विरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जमानियाँ, ग्राम सभा भगीरथपुर एन0एच0-24 से सामुदायिक शौचालय तक सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य (ल0 250 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

2-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जमानियाँ, ग्राम सभा भगीरथपुर एन0एच0-24 से सामुदायिक शौचालय तक सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य (ल0 250 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

3-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड बिरनो, ग्राम सभा बहलोलपुर (अडडिया) में विरेन्द्र यादव के घर से नाला तक नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संतोष यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड बिरनो, ग्राम सभा बहलोलपुर में बृजनाथ राजभर के घर से करूई दलित बस्ती तक नाली एवं सी0सी0 निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बिजय यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका तथा

5-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जमानियां, ग्राम सभा भगीरथपुर जिला पंचायत मार्ग से शम्भू यादव के घर तक सी0सी0 कार्य (ल0 350 मी0) कराने के सम्बन्ध में श्री राकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड महाराजगंज के अन्तर्गत कपूरपुर से शिवबक्श तक पक्की सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोनू, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड शिवगढ़ के अन्तर्गत राजाराम का पुरवा से देलही तक पक्की सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय कुमार वर्मा, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड शिवगढ़, विधान सभा क्षेत्र बछरावां के अन्तर्गत हैदरगढ़-बछरावां मार्ग से पिपरी नहर होते हुए बाबा बनवारी दास कुटी तक पक्की रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती गीता देवी, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र बछरावां में बेड़रू बाबा पक्की सड़क से शिवकरन पासी के दरवाजे होते हुए निबड़वल तक पक्की रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती गीता देवी, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

5-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र बछरावां में सराय छत्रधारी पक्की रोड से शिवगढ़-गमावां मार्ग तक पक्की रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गईं।

1-जनपद उन्नाव के वि0ख0 एफ 84 की ग्राम पंचायत रनियामऊ में देब्बापुरवा डामर रोड से बिसरीमऊ डामर रोड तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने हेतु श्री अवधेश कुमार एवं अन्य निवासीगण बांगरमऊ, जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के वि0ख0 एफ-84 की ग्राम पंचायत में दशहरी से नैनसुख खेड़ा मजरा सकरौली तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने हेतु श्री अनूप तिवारी एवं अन्य निवासीगण बांगरमऊ, जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के वि0ख0 एफ 84 की ग्राम पंचायत गजफ्फरपुर पैसरा में भडसर नौसहरा कोडरी मार्ग से धोबईया होते हुए गजफ्फरपुर पैसरा तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने हेतु श्री पुत्तीलाल एवं अन्य निवासीगण बांगरमऊ, जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ, वि0ख0 एफ-84 की ग्राम पंचायत में मौहाई से गोंदरी डामर रोड तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम प्रकाश शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ, वि0ख0 गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत सिरधरपुर में बालकराम पैठइया के घर से बुढ़े बाबा आश्रम तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत विकास खण्ड-सोहाव के धर्मापुर से नसीरपुर बंधा सम्पर्क मार्ग के उच्चीकरण व चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में रामकुमार यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

2-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत विकास खण्ड-हनुमानगंज के ग्राम चेरूइयां से तिखा यूनियन बैंक तक पिच रोड निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अवधेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत विकास खण्ड-गड़वार के ग्राम बलेजी से रौशिंगपुर होते हुए करची नरायणपुर तक पिच रोड निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामदेव यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत विकास खण्ड सोहाव के एन0एच0-31 से रामगत के डेरा सम्पर्क मार्ग का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पवन यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत विकास खण्ड-हनुमानगंज के एन0एच0-31 से रामपुर चिट सम्पर्क मार्ग का उच्चीकरण व चौड़ीकरण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृष्णा प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका।

श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभी की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के विकास खण्ड माण्डा के ग्राम सभा नेवड़िया कला में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विकास मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के तहसील मेजा के विकास खण्ड मेजा के ग्राम सभा गुनई में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र यादव व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

3-जनपद प्रयागराज के तहसील मेजा के विकास खण्ड उरूवा के ग्राम सभा नेवड़िया से चमरहा अहिरान बस्ती तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के तहसील मेजा के विकास खण्ड माण्डा के ग्राम सभा टीकापुर खैरुआ पाल बस्ती में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीनानाथ पाल व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के विकास खण्ड उरूवा के ग्राम सभा छतवा में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भोलानाथ सोनकर व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं†

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद कानपुर नगर दक्षिण से उत्तर को जोड़ने वाले गोविंदपुरी पुल को एलिवेटेड बनाकर नंदलाल चौराहे तक एक अतिरिक्त ओवर ब्रिज (उपरिगामी मार्ग) बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका तथा

2-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्द नगर के अन्तर्गत अर्मापुर से दादा नगर इण्डस्ट्रियल एरिया को जोड़ने वाले अति व्यस्त तथा वर्षों पुराने मार्ग पर एक उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुमित पावा व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री स्वामी ओउमवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री स्वामी ओउमवेश, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयी :-

1-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम अज्जू नंगली से खेड़की फाटक तक डामर सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में चौधरी ब्रहमपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम केलनपुर से ग्राम हुसैनपुर तक डामर सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

3-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड नूरपुर के ग्राम रामपुर फूना से ग्राम सरकथल तक डामर सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

4-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम पिरथीपुर से ग्राम नलपुरा तक डामर सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में चौ0 योगेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

5-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड हल्दौर के बिजनौर नूरपुर रोड से नहर की पटरी ग्राम शरीफपुर तक डामर सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देशराज सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित चार तथा जनपद फर्रुखाबाद से सम्बन्धित एक याचिका†

श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-101, अमांपुर में नगला काइयां से मोहन नगला घाट तक मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गोरेलाल व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

2-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-101, अमांपुर में खुशकरी मार्ग से बम्बा की पटरी नगला मईयां तक मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-101, अमांपुर में हसनपुर चौराहे से गोला कुआं तक मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

4-जनपद कासगंज के अमांपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत अमाँपुर-एटा रोड अमाँपुर में स्थित पेट्रोल पम्प से काली नदी के पुल तक मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भगवान सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका तथा

5-जनपद फर्रुखाबाद शाखा के किमी0 23.086 पर क्षतिग्रस्त वी0आर0बी0 के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेंद्र व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका।

श्री हरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हापुड से सम्बन्धित तीन याचिकाएं†

श्री हरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र गढ़मुक्तेश्वर के अन्तर्गत ग्राम आक्खापुर से ग्राम हसुपुर तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कुलदीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका,

2-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र गढ़मुक्तेश्वर के अन्तर्गत ग्राम पावटी से ग्राम नानपुर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका तथा

3-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र गढ़मुक्तेश्वर के अन्तर्गत ग्राम हैदरपुर सैदपुर में पुल से रजवाहे तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोमवीर व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका।

श्री हाकिम लाल बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री हाकिम लाल बिन्द, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत स्थित ग्राम पंचायत कांगापुर हेमापुर से होलापुर तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री दिनेश कुमार बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत स्थित ग्राम पंचायत बीठलपुर उर्फ बरामदपुर जिलाजीत बिन्द के आवास से बाबू लाल बिन्द के आवास होते हुये अशोक कुमार के आवास तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री जिलाजीत बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भूई पक्की सड़क बंशीधर दुबे के आवास से सेवलहवा गहरपुर सम्पर्क मार्ग तक निर्माण के सम्बन्ध में श्री भगवानदास बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत चकिया गिर्द रामलाल बिन्द की दुकान से डिग्री कालेज व साधू बिन्द के आवास होते हुए बीबीपुर चौर भदोही सीमा तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री सुशील बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कांगापुर में अमर बहादुर भारतीय इण्टर कालेज से दिलीपचन्दपुर सम्पर्क मार्ग ब्रहम बाबा (डीह) से होलापुर प्राथमिक विद्यालय तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री विजय बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत मोद्न सूफिपुरा में श्री सर्वजीत सिंह के घर से श्री प्रमोद पाल के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शरद सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

2-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत मो0 रायपुर राजा कटी चौराहा जैन सरिया वाली गली में रीता सिंह के घर से सतीश सिंह के घर होते हुए राजकुमार सिंह एडवोकेट के घर तक सी0सी0 एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

3-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड चित्तौरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत इटौझा में सूरत के खेत से नहर तक डामर रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द कुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

4-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड चित्तौरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर ककरहा मंदिर परिसर का सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम गोपाल व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका तथा

5-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड चित्तौरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत इटौझा में पानी की टंकी से विश्वनाथ बाबा मंदिर तक डामर रोड निर्माण

---

† छापी नहीं गईं।

कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द कुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका।

श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद बाँदा से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बाँदा के विधान सभा क्षेत्र नरैनी के अन्तर्गत नगर पंचायत नरैनी में कान्हा गौशाला बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलाकान्त द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद बाँदा की याचिका,

2-जनपद बाँदा के विधान सभा क्षेत्र नरैनी के अन्तर्गत कस्बा अतर्रा में राज्य मार्ग-71 पर रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दीनदयाल द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद बाँदा की याचिका,

3-जनपद बाँदा के विधान सभा क्षेत्र नरैनी के अन्तर्गत ग्राम शाहपाटन-कुइंयाकगर में रेज नदी पर पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री भानू यादव व अन्य निवासीगण जनपद बाँदा की याचिका,

4-जनपद बाँदा के विधान सभा क्षेत्र नरैनी के अन्तर्गत कस्बा अतर्रा में बाईपास रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेद निराला व अन्य निवासीगण जनपद बाँदा की याचिका तथा

5-जनपद बाँदा के विधान सभा क्षेत्र नरैनी के अन्तर्गत नगर पंचायत ओरन में मुख्य चौराहे से चारो रोडों पर लगभग एक किमी0 नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरज गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बाँदा की याचिका।

श्रीमती मनीषा, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्रीमती मनीषा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद हमीरपुर के सरीला से छिबौली मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पवन अनुरागी व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर की याचिका,

2-जनपद हमीरपुर के छानी से रूरीपारा मार्ग का पुणर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर की याचिका,

3-जनपद हमीरपुर की मौदहा से बिंबार मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद हमीरपुर की तहसील राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ब्लड बैंक की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेन्द्र चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर की याचिका तथा

5-जनपद हमीरपुर के तहसील मौदहा के मुस्करा ब्लाक के छूटे हुए मजरों में विद्युतीकरण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश अनुरागी व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर की याचिका।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के खुर्जा नगर में गांधी रोड पर कबाड़ी बाजार में बिजली के खम्बों पर लगे हुये तारों को बदलवाने/ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक गर्ग व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के ब्लाक खुर्जा में फिरोजपुर ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के ब्लाक अरनिया में ग्राम लखनवाड़ा में कुशलपाल के घर से होली की तरफ के सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरिओम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के खुर्जा नगर में सुभाष रोड से रानी वाला चौक तक के बिजली के खम्बों पर लगे हुये तारों को बदलवाने/ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरजीत सिंह टीटू व अन्य निवासीग जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के जंक्शन खुर्जा से अरनिया मंसूरपुर होते हुए 15-20 गावों को जोड़ने वाले रास्ते पर पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री विजयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं (व्यपगत)†

श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुयीं :-

---

† छापी नहीं गईं।

1-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत तीन बड़ी गौ-शालाएं स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

2-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत पन्द्रह नलकूप स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय पाल व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

3-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत घाटमपुर चौराहे से मूसानगर मुगल रोड क्रासिंग में फ्लाईओवर पुल के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामजी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

4-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत वरीपाल रेलवे क्रासिंग पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हसन वारसी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका तथा

5-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत ग्राम कोरो में बने नहर पुल के चौड़ीकरण एवं ऊँचाई से बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रहलाद व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका।

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित चार याचिकाएं†

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद-शाहजहांपुर, वि0ख0-सिधौली के ग्राम पंचायत गुडरैची गौटिया मेन रोड से राम प्रसाद के घर तक सी0सी0 रोड कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामअशीष एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

2-जनपद-शाहजहांपुर, वि0ख0-तिलहर के ग्राम सरधाना के मयंक के टेन्ट से भूमिसेन महराज देव स्थान तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सदाशिव एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

3-जनपद-शाहजहांपुर, वि0ख0-तिलहर के अन्तर्गत ग्राम मोहनपुर परसेला रोड से ग्राम शेरापुर की ओर इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका तथा

4-जनपद-शाहजहांपुर, वि0ख0-सिधौली के ग्राम पंचायत गुडरैची में परशुराम के घर से शुरू होकर रामसरन के घर तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिनेश एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री बृजेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित पाँच याचिकाएं†

श्री बृजेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद उन्नाव के ब्लाक औरास के अन्तर्गत ग्राम सभा सीमऊ स्थित शारदा नहर के किनारे बने सिंचाई विभाग द्वारा बनाये गये निरीक्षण भवन की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोनू सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद-उन्नाव के ब्लाक औरास के अन्तर्गत ग्राम सभा सीमऊ स्थित शारदा नहर पर बनी पुलिया की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोनू सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद-उन्नाव के ब्लाक हसनगंज के अन्तर्गत नगर पंचायत मोहान में लखनऊ-बिल्हौर मार्ग पर स्थित सई नदी के पुल के पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरुण दीक्षित व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद-उन्नाव के ब्लाक औरास के अन्तर्गत सण्डीला मार्ग पर स्थित सई नदी के पुल का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद-उन्नाव के ब्लाक नवाबगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा मकूर में सिंचाई विभाग के बने निरीक्षण भवन की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राघवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री अध्यक्ष-

कोई माननीय सदस्य जो यहाँ पर उपस्थित हैं और छूट गये हैं तो बता दें।

श्री संदीप सिंह-

मान्यवर, मद सं0-67 ले लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

उसे ले लिया है। अब मद संख्या-09 लेते हैं।

[12:05] नियम-103 के अन्तर्गत अभिसूचित संकल्प

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 24 फरवरी, 2023 को डा0 पल्लवी पटेल, श्री जवाहर लाल राजपूत, श्री अजय सिंह, डा0 आर0 के0 वर्मा तथा श्री चौधरी बाबूलाल के संकल्प आये हैं। यह सभी संकल्प प्रस्तुत किये हुये माने जायें। इन संकल्पों पर चर्चा जारी रहेगी।

नियम-103 के अन्तर्गत अभिसूचित निम्नलिखित संकल्प प्रस्तुत किये हुए माने गये एवं उन पर चर्चा आगे के लिए जारी हुई :-

क्र0-सं0	सदस्य का नाम	संकल्प
1	डा0 पल्लवी पटेल	''इस सदन का सुनिश्चित मत है कि जनपद-कौशाम्बी के सिराथू विधान सभा क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र की श्रेणी में सम्मिलित कर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास कराया जाये।"
2	श्री जवाहर लाल राजपूत	''इस सदन का सुनिश्चित मत है कि प्रदेश में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने हेतु उनके बीज एवं मोटे अनाज की उपज की बिक्री हेतु बाजार एवं मण्डी सुगमता से उपलब्ध करायी जाये।''
3	श्री अजय सिंह	''इस सदन का यह सुनिश्चित मत है कि जनपद-गोण्डा के नगर करनैलगंज में लखनऊ-गोण्डा मुख्य हाई-वे पर दो रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाय।''
4	डा0 आर0 के0 वर्मा	''इस सदन का सुनिश्चित मत है कि जनपद प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र रानीगंज के दक्षिणी-पूर्वी हिस्से में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु उमरन ड्रेन, कमसिन ड्रेन का पुनरुद्धार किया जाय।''
5	श्री बाबूलाल	''इस सदन का सुनिश्चित मत है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-91, फतेहपुर सीकरी की ब्लॉक अछनेरा के ग्राम सभा पनवारी में पानी की टंकी (ओवरहेड टैंक) की स्थापना करायी जाय।''

[12:05] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-51 के अन्तर्गत कुल 81 सूचनाएं प्राप्त हुई जिसमें से मैंने 10 सूचनाएं लेने का निर्णय किया था, लेकिन अभी जितने मा0 सदस्य यहाँ पर उपस्थित हैं, जिन्होंने नियम-51 में अपनी सूचना दी थी। मैं हाजिरी ले लेता हूँ। अगर हमारे सदस्य जनता के हित के लिये, जनता की बातों के लिये इतनी रात को 12:00 बजे के बाद भी बैठकर अपनी आवाज को जनहित में उठाने के लिये तैयार हैं, तो उनका अधिकार बनता है कि मैं उनकी बातों को

सुनूँ। इसलिये मैं नाम पुकार रहा हूँ। जो मा0 सदस्य उपस्थित होंगे उनकी सूचनाएं स्वीकार मानी जायेंगी। ये जो सूचनायें मैंने ली हैं 10 के बाद यह सारी ध्यानाकर्षण के लिए स्वीकृत की जाती हैं।

पहली सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली की एन0टी0पी0सी0 तापीय परियोजना के अन्तर्गत पुल/पुलियों के निर्माण/मरम्मत के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री चंदन चौहान की जनपद मुजफ्फरनगर के वि0स0 क्षेत्र मीरापुर के वि0ख0-मोरना में कतिपय मार्गों के निर्माण/मरम्मत के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर के कटेहरी बाजार को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री मौ0 फहीम इरफान की वि0स0 क्षेत्र बिलारी में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में है तथा पांचवी सूचना श्री मनीष असीजा की जनपद फिरोजाबाद के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय को पूर्ण क्षमता से शुरू कराये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुईं।

पहली सूचना श्री राम फेरन पाण्डेय की जनपद-बस्ती में परिवहन डिपो बनाये जाने के सम्बन्धमें है। दूसरी सूचना श्री बेचई सरोज की जनपद-आजमगढ़ के वि0स0 क्षेत्र लालगंज बाईपास पर रोडवेज बनवाये जाने के सम्बन्धमें है। तीसरी सूचना श्री विवेक कुमार वर्मा की जनपद-पीलीभीत के वि0स0 क्षेत्र बीसलपुर में कतिपय सहकारी एवं साधन समितियों द्वारा बनाये गये गोदामों की मूल्यांकन धनराशि जमा कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्रीमती पूनम संखवार की जनपद-कानपुर देहात के वि0स0 क्षेत्र रसूलाबाद में नगर पालिका झींझक को तहसील बनाये जाने के सम्बन्ध में है। पांचवी सूचना श्री मोहित सोनकर उर्फ राहुल बच्चा की जनपद-उन्नाव के सिकन्दरपुर में पौराणिक स्थल के पास बने तालाब की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में है। छठवीं सूचना श्री अनिल सिंह की जनपद-उन्नाव के वि0ख0 पुरवा के नगर पंचायत मौरावाँ में अग्निशमन केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्धमें है। सातवीं सूचना श्री बम्बा लाल की जनपद-उन्नाव के वि0ख0 सफीपुर के कतिपय ग्राम में 10 बेड का अस्पताल बनाये जाने के सम्बन्ध में आठवीं सूचना श्री गौरी शंकर वर्मा की जनपद-जालौन के राजकीय मेडिकल कॉलेज में ट्रामा सेंटर व कैंसर सेंटर जनहित में बनवाये जाने के सम्बन्ध में है। नौंवीं सूचना श्री राम दुलार की जनपद-सोनभद्र के ग्राम पंचायत अहीरबुड़वा, वि0ख0 म्योरपुर में पक्की सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। दसवीं सूचना श्री लक्ष्मीराज सिंह की जनपद-बुलन्दशहर के सिकन्दरा नगर में शमशान घाट की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है। ग्यारहवीं सूचना श्री राजेन्द्र सिंह पटेल की जनपद-फतेहपुर के जहानाबाद में नोन नदी की सफाई व खुदाई कराने के सम्बन्ध में है। बारहवीं सूचना श्री हरेन्द्र सिंह की जनपद-हापुड़ में वि0स0 क्षेत्र गढ़मुक्तेश्वर में कतिपय सड़क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है। तेरहवीं सूचना श्री राम अचल राजभर की जनपद-अम्बेडकर के विधान सभा क्षेत्र-281, अकबरपुर में जर्जर तारों के बदलवाने के सम्बन्ध में है। चौदहवीं सूचना श्री देवेन्द्र सिंह लोधी

एडवोकेट की जनपद-बुलन्दशहर की वि0स0 क्षेत्र स्यानागढ़ रोड से नहर पटरी जहांगीराबाद रोड तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। पन्द्रहवीं सूचना श्री सभाकुँवर की प्रा0 स्वा0 केन्द्र, भाटपार रानी देवरिया को सामु0 स्वा0 केन्द्र स्तर पर उच्चीकृत किये जाने के सम्बन्ध में है। सोलहवीं सूचना श्री हरिओम की जनपद कासगंज के वि0ख0 क्षेत्र अमांपुर के वि0स0 अमॉपुर में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में है। सत्रहवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद-बुलन्दशहर की वि0स0 क्षेत्र बुलन्दशहर नगला इब्राहीमपुर के कतिपय सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। अट्ठारहवीं सूचना श्रीमती मीनाक्षी सिंह की जनपद-बुलन्दशहर की खुर्जा वि0स0 क्षेत्र में पौराणिक स्थल के सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है। उन्नीसवीं सूचना श्री प्रसन्न कुमार की जनपद-शामली के कल्लरपुर रजवाहा के ग्राम बुटराह से फुगाना लालूखेड़ी मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है। बीसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार सिह की जनपद-बाराबंकी के तहसील नवाबगंज के ग्राम भानमऊ में गाटा सं0-961 से 976 को भू-माफियाओं से मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में है। इक्कीसवीं सूचना श्री वृजेश कुमार की जनपद-मोहान के ब्लाक हसनगंज के ग्राम सभा कोईया मदारपुर में रजबहा के किनारे सिंचाई विभाग द्वारा बनाये गये निरीक्षण भवन की मरम्मत कराये जाने के संदर्भ में है। बाइसवीं सूचना श्री अताउर्रहमान की सहकारी वि0 की शीर्ष सहकारी संस्था उ0प्र0 उपभोक्ता सहकारी संघ लि0 लखनऊ में राज्य सरकार द्वारा प्राविधानित स्थानान्तरण नीति का पालन सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में है। तेइसवीं सूचना श्री आशु मलिक की जनपद-सहारनपुर के वि0ख0 पुवांरका के ग्राम समथालकी गुज्जर में जर्जर रोड की मरम्मत के सम्बन्ध में है। चौबीसवीं सूचना श्री संग्राम सिंह की जनपद-रामपुर के वि0ख0 क्षेत्र फेफना में टोंस नदी पर कटान से बचाव के उपाय के संबंध में है। पच्चीसवीं सूचना श्री अतुल प्रधान की प्रदेश के नगर निकायों में सफाई कर्मी को नियमितीकरण करने के सम्बन्ध में है। छब्बीसवीं सूचना श्री जय प्रकाश अंचल की जनपद-बलिया के बलिया-देवरिया मार्ग पर भागलपुर पुल का सर्वे कराकर समाधान कराने के सम्बन्ध में है। सत्ताइसवीं सूचना श्री शिव प्रताप यादव की जनपद-बलरामपुर के प्रधानों की खण्ड विकास अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों के समाधान के सम्बन्ध में है। अट्ठाइसवीं सूचना श्री जाहीद बेग की जनपद-भदोही के मुहल्ला नूर खाँ में पानी निकालने वाले आईऊपी0एस0 सिस्टम की मरम्मत के सम्बन्ध में है। उन्तीसवीं सूचना श्री आर0के0 की पटेल जनपद-जौनपुर के वि0स0क्षे0 मड़ियाहूँ के वि0ख0 राईपुर में अधूरे पुल के निर्माण के सम्बन्ध में है। तीसवीं सूचना श्री प्रभुनाथ सिंह यादव की प्रदेश के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 10 वर्षों से कार्यरत अनुदेशक की समस्याओं के सम्बन्ध में है। इकत्तीसवीं सूचना श्री राजीव तरारा की जनपद-अमरोहा के धनौरा वि0स0 क्षेत्र में निर्माण कार्य की टी0ए0सी0 से जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है। बत्तीसवीं सूचना श्री चन्द्रपाल सिंह की जनपद-बुलन्दशहर के वि0स0 क्षेत्र डिबाई से कर्णबास मार्ग के चौड़ीकरण/सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में है। तैंतीसवीं सूचना श्री बृजेश कठेरिया की जनपद-मैनपुरी में किशनी से करहल मार्ग

पर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण में हो रही धांधली के सम्बन्ध में है। चौंतीसवीं सूचना श्री राजीव सिंह पारीछा की जनपद-लखनऊ के ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट 'एल्डिको' सलेक्ट एट सौभाग्य (टी-5) में हो रही अनियमितताओं के सम्बन्ध में है। पैतीसवीं सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद-लखनऊ के स्मारकों, संग्रहालयों एवं पार्कों में तैनात कर्मचारियों को सातवाँ वेतनमान दिलाये जाने के सम्बन्ध में है। छत्तीसवीं सूचना श्री मुकेश चन्द वर्मा की जनपद-फिरोजाबाद की वि0स0 क्षेत्र शिकोहाबाद के नगर निगम के अन्तर्गत दुर्गेश नगर में गलियों के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सैंतीसवीं सूचना श्री रमेश जायसवाल की जनपद-चंदोली के मुगलसराय के ग्राम खुटहा लिंग रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में है। अड़तीसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार यादव की उ0प्र0 के नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अवर अभियंता के पद पर उनके सेवाकाल में रहते हुए ही प्रोन्नति कराये जाने के सम्बन्ध में है। उन्तालिसवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद-जौनपुर के वि0स0 क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत दुगौली कस्तूरी के मध्य जर्जर रपटा पुल को उच्चीकृत कराये जाने के सम्बन्ध में है। चालिसवीं सूचना श्री पल्टूराम की जनपद-बलरामपुर के बलरामपुर सदर में पशु चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है। इकतालिसवीं सूचना श्री रविदास मेहरोत्रा की जनपद-लखनऊ की सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में है तथा बयालिसवीं सूचना श्री गौरव कुमार रावत की जनपद-लखनऊ के अन्तर्गत जानकीपुरम सेक्टर-2 में 2/343 आवास द्वारा रोड पर अवैध कब्जे के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाओं को अस्वीकार किया गया है।

श्रीमती इन्द्राणी देवी, श्री आशुतोष शुक्ला, श्री प्रेम नारायन पाण्डेय, बाबूलाल, देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री प्रेम सागर पटेल, श्री महेन्द्र खडगवंशी श्री पंकज गुप्ता, श्री भगवान सिंह कुशवाहा, श्री बृज भूषण राजपूत, डॉ0 राजेश्वर सिंह, डॉ0 पल्लवी पटेल, श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री वीर विक्रम सिंह, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, श्री मनोज कुमार पारस, श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती नीलिमा कटियार, श्री मो0 हसन रूमी, श्री मनीष रावत, श्री राजेन्द्र कुमार, श्री स्वामी ओउमवेश, श्री ह्दय नारायन सिंह पटेल, श्री गणेश चन्द्र, श्री त्रिभुवन दत्त, श्री राहुल राजपूत उर्फ 'राहुल लोधी', श्री जगदीश नरायन, श्री अखिलेश यादव, श्री राजपाल सिंह बालयान, श्री नाहिद हसन, ई0 सरवन कुमार निषाद तथा डॉ0 नीरज बोरा।

(श्री मौ0 फईम इरफान द्वारा कुछ बोलने पर)

श्री अध्यक्ष-

वक्फ वालों का चुनाव क्यों छूट गया है अगर होता है तो उसको ले लेंगे। नियम-51 की जो बाद में सूचना ली है वह सब ध्यानाकर्षण के लिए ली जायेंगी।

(श्री गौरव कुमार रावत के द्वारा बीच में बोलने पर)

श्री अध्यक्ष-

श्री गौरव कुमार रावत उपस्थित हैं, इनको देख लें।

(सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों के द्वारा एक साथ बोलने पर व्यवधान)

देर तक सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा चर्चा में भाग लेने पर फोटोग्राफी

श्री अध्यक्ष-

अभी हम उठे नहीं हैं, अभी जितने भी मा0 सदस्य यहां पर उपस्थित हैं, मैंने दोनों तरफ से फोटोग्राफी करा ली है।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ अपने विचार व्यक्त करने पर)

श्री अध्यक्ष-

इसमें हम सब लोगों का संयुक्त प्रयास है। सिर्फ मेरा प्रयास नहीं है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां पर घोषणा की कि देर रात तक हम लोग बैठ सकते हैं। सब लोगों का सहयोग था। सब लोग बैठे हैं। 100 से ज्यादा सदस्य हैं। बहुत लोग हैं।

***श्री मौहम्मद फहीम इरफान-**

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। शुक्रिया आपको। ऐसा पहली बार हुआ। अध्यक्ष जी, यह बहुत बड़ी बात है। आपकी सरपरस्ती में यह बहुत बड़ा काम हुआ है और सारे विधायक आपको बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करते है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अभी तक जब भी हम लोग उठते थे तो बोलते थे कि हम कल सुबह 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं, लेकिन आज हम बोलेंगे कि अब हम आज सुबह 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन मध्य रात्रि 12 बजकर 16 मिनट पर दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक : 24 फरवरी, 2023 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव,

विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नत्थी (क)

(देखिए तारांकित प्रश्न संख्या-14 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0 40-42 पर)

उत्तर प्रदेश विधान सभा के प्रथम सत्र, 2023 के प्रथम शुक्रवार के लिए निर्धारित श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या-14 के उत्तर का संलग्नक-

(दिनांक 31-01-2023 की स्थिति के अनुसार)

क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता	क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता
1	आदर्श कारागार लखनऊ	600	21	जिला कारागार उरई	430
2	नारी बंदी निकेतन	420	22	जिला कारागार बदायूँ	529
3	किशोर सदन बरेली	188	23	जिला कारागार शाहजहाँपुर	511
4	महिला केन्द्रीय कारागार, बरेली	120	24	जिला कारागार पीलीभीत	602
5	केन्द्रीय कारागार नैनी	2060	25	जिला कारागार मुरादाबाद	791
6	केन्द्रीय कारागार वाराणसी	1266	26	जिला कारागार रामपुर	450
7	केन्द्रीय कारागार फतेहगढ़	1574	27	जिला कारागार बिजनौर	580
8	केन्द्रीय कारागार बरेली	1799	28	जिला कारागार लखनऊ	3540
9	केन्द्रीय कारागार बरेली (द्वितीय)	3438	29	जिला कारागार रायबरेली	486
10	केन्द्रीय कारागार आगरा	1590	30	जिला कारागार उन्नाव	650
11	केन्द्रीय कारागार, इटावा	1942	31	जिला कारागार हरदोई	748
12	जिला कारागार आगरा	1195	32	जिला कारागार सीतापुर	969
13	जिला कारागार फिरोजाबाद	855	33	जिला कारागार खीरी	725
14	जिला कारागार मैनपुरी	798	34	जिला कारागार कानपुर नगर	1245
15	जिला कारागार मथुरा	554	35	जिला कारागार कानपुर देहात	1050
16	जिला कारागार अलीगढ़	1178	36	जिला कारागार इटावा	610
17	जिला कारागार एटा	607	37	जिला कारागार फतेहगढ़	846
18	जिला कारागार कासगंज	1050	38	जिला कारागार कन्नौज	660
19	जिला कारागार झांसी	536	39	जिला कारागार बुलन्दशहर	1010
20	जिला कारागार ललितपुर	182	40	जिला कारागार मेरठ	1707

क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता	क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता
41	जिला कारागार बागपत	660	59	जिला कारागार देवरिया	533
42	जिला कारागार गाजियाबाद	1704	60	जिला कारागार बस्ती	540
43	जिला कारागार गौतमबुद्धनगर	3750	61	जिला कारागार संतकबीरनगर	562
44	जिला कारागार सहारनपुर	533	62	जिला कारागार सिद्धार्थनगर	540
45	जिला कारागार मुजफ्फरनगर	870	63	जिला कारागार अयोध्या	720
46	जिला कारागार फतेहपुर	670	64	जिला कारागार अम्बेडकरनगर	971
47	जिला कारागार प्रतापगढ़	458	65	जिला कारागार बाराबंकी	960
48	जिला कारागार वाराणसी	747	66	जिला कारागार सुल्तानपुर	443
49	जिला कारागार गाजीपुर	397	67	जिला कारागार बहराइच	540
50	जिला कारागार जौनपुर	320	68	जिला कारागार गोण्डा	508
51	जिला कारागार मिर्जापुर	332	69	जिला कारागार बलरामपुर	420
52	जिला कारागार सोनभद्र	550	70	जिला कारागार आजमगढ़	1244
53	जिला कारागार ज्ञानपुर (भदोही)	114	71	जिला कारागार मऊ	540
54	जिला कारागार बांदा	567	72	जिला कारागार बलिया	339
55	जिला कारागार चित्रकूट	862	73	जिला कारागार कौशाम्बी	420
56	जिला कारागार हमीरपुर	400	74	उप कारागार देवबन्द	131
57	जिला कारागार गोरखपुर	1062	75	उप कारागार महोबा	175
58	जिला कारागार महराजगंज	550		**योग :**	**64223**

नत्थी (ख)

(देखिए अतारांकित प्रश्न संख्या-88 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0 103-104 पर)

अतारांकित प्रश्न संख्या : 88 के बिन्दु संख्या "ख" का संलग्नक।

वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-2023 में विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष लाभार्थियों का विवरण

क्र0 सं0	योजना का नाम	वित्तीय वर्ष 2020-21		वित्तीय वर्ष 2021-22		वित्तीय वर्ष 2022-23	
		कुल प्राप्त आवेदन	लाभार्थी	कुल प्राप्त आवेदन	लाभार्थी	कुल प्राप्त आवेदन	लाभार्थी
1	आवास सहायता योजना	2530	167	8283	15	289	0
2	कौशल विकास तकनीकी उन्नयन एवं प्रमाणन योजना	1006	0	7028	0	4935	0
3	गंभीर बीमारी सहायता योजना	3243	10	17085	5	7468	0
4	चिकित्सा सुविधा योजना	1051987	386781	7885	468	0	0
5	निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना	3565	1695	7589	1930	4529	397
6	निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना	4168	1750	9514	2229	4554	0
7	निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना	0	0	0	0	5794	2
8	पुत्री विवाह अनुदान योजना	51750	38333	130172	61859	140061	24021
9	मेधावी छात्र पुरस्कार योजना	8929	4382	15992	2536	1304	61
10	महात्मा गांधी पेंशन योजना	539	155	1820	155	2241	197
11	मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना	110033	68907	304733	116887	183836	0
12	शौचालय सहायता योजना	1083	4	9373	0	14488	0
13	संत रविदास शिक्षा सहायता योजना	28870	19155	124572	39480	22481	232
14	सौर ऊर्जा सहायता योजना	1682	0	11360	0	2163	0
	योग	1269385	521339	655406	225564	394143	24910

(कीर्तिवर्धन)
सहायक सचिव, बोर्ड

(आभा श्रीवास्तव)
उप सचिव, बोर्ड

नत्थी (ग)

(देखिए अतारांकित प्रश्न संख्या-97 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0 111 पर)

उत्तर प्रदेश विधान सभा के प्रथम सत्र, 2023 के प्रथम शुक्रवार के लिए निर्धारित श्री जय प्रकाश अंचल, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-97 के उत्तर का संलग्नक-

(दिनांक 31-01-2023 की स्थिति के अनुसार)

क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता	क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता
1	आदर्श कारागार लखनऊ	600	21	जिला कारागार उरई	430
2	नारी बंदी निकेतन	420	22	जिला कारागार बदायूँ	529
3	किशोर सदन बरेली	188	23	जिला कारागार शाहजहाँपुर	511
4	महिला केन्द्रीय कारागार, बरेली	120	24	जिला कारागार पीलीभीत	602
5	केन्द्रीय कारागार नैनी	2060	25	जिला कारागार मुरादाबाद	791
6	केन्द्रीय कारागार वाराणसी	1266	26	जिला कारागार रामपुर	450
7	केन्द्रीय कारागार फतेहगढ़	1574	27	जिला कारागार बिजनौर	580
8	केन्द्रीय कारागार बरेली	1799	28	जिला कारागार लखनऊ	3540
9	केन्द्रीय कारागार बरेली (द्वितीय)	3438	29	जिला कारागार रायबरेली	486
10	केन्द्रीय कारागार आगरा	1590	30	जिला कारागार उन्नाव	650
11	केन्द्रीय कारागार, इटावा	1942	31	जिला कारागार हरदोई	748
12	जिला कारागार आगरा	1195	32	जिला कारागार सीतापुर	969
13	जिला कारागार फिरोजाबाद	855	33	जिला कारागार खीरी	725
14	जिला कारागार मैनपुरी	798	34	जिला कारागार कानपुर नगर	1245
15	जिला कारागार मथुरा	554	35	जिला कारागार कानपुर देहात	1050
16	जिला कारागार अलीगढ़	1178	36	जिला कारागार इटावा	610
17	जिला कारागार एटा	607	37	जिला कारागार फतेहगढ	846
18	जिला कारागार कासगंज	1050	38	जिला कारागार कन्नौज	660
19	जिला कारागार झांसी	536	39	जिला कारागार बुलन्दशहर	1010
20	जिला कारागार ललितपुर	182	40	जिला कारागार मेरठ	1707

क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता	क्र0	कारागार का नाम	बंदी क्षमता
41	जिला कारागार बागपत	660	59	जिला कारागार देवरिया	533
42	जिला कारागार गाजियाबाद	1704	60	जिला कारागार बस्ती	540
43	जिला कारागार गौतमबुद्धनगर	3750	61	जिला कारागार संतकबीरनगर	562
44	जिला कारागार सहारनपुर	533	62	जिला कारागार सिद्धार्थनगर	540
45	जिला कारागार मुजफ्फरनगर	870	63	जिला कारागार अयोध्या	720
46	जिला कारागार फतेहपुर	670	64	जिला कारागार अम्बेडकरनगर	971
47	जिला कारागार प्रतापगढ़	458	65	जिला कारागार बाराबंकी	960
48	जिला कारागार वाराणसी	747	66	जिला कारागार सुल्तानपुर	443
49	जिला कारागार गाजीपुर	397	67	जिला कारागार बहराइच	540
50	जिला कारागार जौनपुर	320	68	जिला कारागार गोण्डा	508
51	जिला कारागार मिर्जापुर	332	69	जिला कारागार बलरामपुर	420
52	जिला कारागार सोनभद्र	550	70	जिला कारागार आजमगढ़	1244
53	जिला कारागार ज्ञानपुर (भदोही)	114	71	जिला कारागार मऊ	540
54	जिला कारागार बांदा	567	72	जिला कारागार बलिया	339
55	जिला कारागार चित्रकूट	862	73	जिला कारागार कौशाम्बी	420
56	जिला कारागार हमीरपुर	400	74	उप कारागार देवबन्द	131
57	जिला कारागार गोरखपुर	1062	75	उप कारागार महोबा	175
58	जिला कारागार महराजगंज	550		**योग :**	**64223**

पी0एस0यू0पी0-एल0 189 विधान सभा (303)-03-01-2024-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।